

Tharu, Rana: Bible for 1 Corinthians, 1 John, 1 Peter, 1 Thessalonians, 1 Timothy, 2 Corinthians, 2 John, 2 Peter, 2 Thessalonians, 2 Timothy, 3 John, Acts, Colossians, Ephesians, Galatians, Hebrews, James, John, Jude, Luke, Mark, Matthew, Philemon, Philippians, Revelation, Romans, Titus

Formatted for Translators

©2022 Wycliffe Associates

Released under a Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Bible Text: The English Unlocked Literal Bible (ULB)

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English Unlocked Literal Bible is based on the unfoldingWord® Literal Text, CC BY-SA 4.0. The original work of the unfoldingWord® Literal Text is available at <https://unfoldingword.bible/ult/>.

The ULB is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Notes: English ULB Translation Notes

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English ULB Translation Notes is based on the unfoldingWord translationNotes, under CC BY-SA 4.0. The original unfoldingWord work is available at <https://unfoldingword.bible/utn>.

The ULB Notes is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

To view a copy of the CC BY-SA 4.0 license visit <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

Below is a human-readable summary of (and not a substitute for) the license.

You are free to:

- Share — copy and redistribute the material in any medium or format.
- Adapt — remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

Under the following conditions:

- Attribution — You must attribute the work as follows: "Original work available at <https://BibleInEveryLanguage.org>." Attribution statements in derivative works should not in any way suggest that we endorse you or your use of this work.
- ShareAlike — If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.
- No additional restrictions — You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

Notices:

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.



Matthew

Chapter 1

¹अब्राहमको लौड़ा, दाउदको लौड़ा येशू ख्रीष्टको वंशावली। ²अब्राहम इसाहकको पिता रहए, और इसाहक याकूबके पिता रहए, और याकूब यहूदा और बिनको ददा भैयनको पिता रहए। ³यहूदा फारेस और जाहेरको पिता रहए, बिनकि अइया तामार रहए। फारेस हेसोनको पिता, और हेसोन आरामको पिता रहए। ⁴आराम अम्मिनादाबको पिता, अम्मिनादाब नहसोनको पिता और नहशोन सल्मोनको पिता रहए, ⁵सल्मोन राहाबसे बोआजको पिता। बोआजस रुथसे ओबेदको पिता, ओबेद यिशैको पिता रहए, ⁶यिशै दाऊद राजाको पिता रहए। दाऊद सोलोमनको पिता रहए। बाकि अइया उरियाहकि बैयर रहए। ⁷सोलोमन रहबामको पिता, रहबाम अबियाको पिता, अबिया आसाको पिता रहए। ⁸आसा यहोशापातको पिता, यहोशापात यहोरामको पिता, और यहोराम उज्जियाहको पिता रहए। ⁹उज्जियाह योतामको पिता, योताम आहाजको पिता, आहाज हिजकियाको पिता रहए। ¹⁰हिजकिया मनश्शेको पिता, मनश्शे अमोनको पिता, अमोन योशियाहको पिता रहए। ¹¹बेबिलोनमे बन्दि बनाएके लैजान समयमे योशियाह यकोनियास और बिनके ददाभाइयनके पिता भए। ¹²बेबिलोनमे बन्दि बनाएके पिच्छुःयकोनियास शालतिएलको पिता भओ, शालतिएल यरुबाबेलको पुर्खा रहए। ¹³यरुबाबेल अबिउदको पिता, अबिउद एल्याकीमको पिता, और एल्याकीम आजोरको पिता, रहए। ¹⁴आजोर सादोकको पिता, सादोक आखिमको पिता, और आखिम एलिउदको पिता रहए। ¹⁵एलिउद एलाजारको पिता, एलाजार मत्तानको पिता, और मत्तान याकूबको पिता रहए। ¹⁶याकूब बहे मरियमको लोगा योसेफको पिता रहए, जौनसे येशूको जनम भव, जो ख्रिष्ट कहलाइगो। ¹⁷अब्राहामसे दाऊद तक चौध पुस्ता, दाऊदके समयसे बेबिलोनसे बन्दि बनान समयतक चौध पुस्ता, और बेबिलोनसे बन्दि बनानसे ख्रिष्टको समयतक चौध पुस्ता भए। ¹⁸येशू ख्रिष्टको जनम जा प्रकारसे भओ। बाकी अइया मरियमकी योसेफके संग विहाके ताहिँ मगनी भव रहए, पर बिनको एक-दुसेसे सम्बन्ध होनसे अगु मरियम पवित्र आत्मासे गर्भवति हुइगइ करके पता चलो। ¹⁹पर बकलोगा योसेफ धर्मी अदमि रहए और बा बक शर्ममे ना होन देनके चाहत रहए। जहे मारे बाके चुप्पेसे छोडनको इच्छा करी। ²⁰पर जब बा जे बातनके सोंचत रहए, सपनेमै परमप्रभुको दूत दिखाएदै, और बासे जा कहि, "योसेफ, दाऊदको लौड़ा, मरियमके अपनि बैयरके रुपमे अपनानके ताहिँ मत डराबै, काहेकि जौन बाके गर्भमे हैं, बा पवित्र आत्मासे हैं। ²¹बा एक लौड़ा जनमा बैगि और तुम बाको नाउ येशू धरैगे, काहेकि बा अपने अदमिनके बिनके पापसे बचाबैगो। ²²अगमवक्तासे परमप्रभु कहो भव वचन पुरो होनताहि जा सब भवः ²³देखओ कन्या गर्भवति होबैगि, और एक लौड़ा जनमा बैगि और बाको नाउ इम्मानुएल धरोजाएगो, "जौनको अर्थ होत है, "परमेश्वर हम सबैके संग। ²⁴योसेफ निद से उठो, और परमप्रभुको दूत जो कहि बहे तरिकासे करी और बा मरियमके अपनि बैयरके रुपमे स्वीकार करी। ²⁵पर बाको लौड़ा ना जन्मन तक बाके संग सहबास नाकरी। योसेफ बाको नाउ येशू धरी।

Chapter 2

१ अब्राहमको लौड़ा , दाउदको लौड़ा येशू ख्रिष्टको वंशावली: २ अब्राहम इसाहकको पिता रहए। इसाहक याकूबके पिता रहए, याकूब यहूदा और बिनको ददा भैयनको पिता रहए, ३ यहूदा फारेस और जाहेरको पिता रहए। बिनकि अइया तामार रहए। फारेस हेसोनको पिता , हेसोन आरामको पिता ^४हेरोद सबौ मुखिय पुजारी और जनताके शास्त्रिनके जमा करि और “ख्रिष्टको जलम काहं होबैगो ? कहेके पुछपाछ करी। ^५बे बासे कहि यहूदियाको बेतलेहेम मै काहेकि अगमवक्तासे ऐसिए लिखि है: ^६और यहूदाको देशमे , ए बेथलेहम , यहूदाको शासकनके बिचमे कोइसे फिर निच(तुच्छ) नाहए, कहेकि तोसे एक शासक निकरके अबैगो जैन मिर आदमि इस्राएलको रेखदेख करैगो’। ^७तब हेरोद बे ज्योतिषिनके चुप्पेसे बुलाएके तारा कौन समयमे देखानो है, सो बिनसे पता लगान बुलाई। ^८बा बिनके अइसो कहिके बेथलेहेममे पठाइ “जाओ, और अच्छेसे बा बच्चाके ढुणिओ। बाके पाएके मोके खबर करिओ, और मै फिर बाके ढोक करझो।” ^९बे राजाको बात सुनके बे अपने ढगर चलेगै जौन तारा अगारमे देखि रहैं, बा तारा उनके अगु-अगु गओ, और बच्चाभै जगाहामै पुगके बा तारा हुंए रुक्मओ। ^{१०}जब बे बा तारा देखि , तब बे गजब आनन्दित हुइके खुशी भैं। ^{११}और बे घर भितर घुसके और बे छोटो बच्चाके बाकि अइया मरियमके संग देखि और घुँटो टेकके बाके ढोक लागीं और फिर बे बाकी आराधना करीं। बे अपनि बहु मुल्या चीज निकारके बाके सोनो, सुगन्धीत धुप और मुरकी भेटी चणाई। ^{१२}और हेरोदके झैने घुमके नाजान ताहिं परमेश्वरसे सपनामे चेताबनि पएके बे दुसरी डगर हुइके अपने देशमे चलेगैं। ^{१३}बे जाएके पच्छु , सपनेमे परमप्रभुको एक दुत योसेफ ठिन दिखानो और बासे अइसो कहि “उठ छोटोसो बच्चा और बाकि अइयाके संगै लैके मिस्र दोशमे भाजके जा, और मै तुमसे नाकहान तक हुंए रहिइयो, काहेकि हेरोद छोटोसो बच्चाके मारनताहिं ढुणरहो है।” ^{१४}बा रात उठे और छोटोसो बच्चाके और बाकि अइयाके संगै लैके औ मिस्र देशमे गइभए। ^{१५}हेरोद नामरन तक हुंए बैठे रहए। अगमवक्तासे परमप्रभुको कहोभै बचन अइसो पुरो भै, “मै अपन लैणाके मिस्रदोशसे बुलाओ हौ।” ^{१६}तब ज्योतिषि बाके छक्काइ है कहेके हेरोद पतापाइ, और बा दिक्कसे चूर हुइगै। बे ज्योतिषिसे पता पावओ भै समयमे बेथलेहम और बा ठांवओ भितरके दुइ वर्ष और बासे तरेके और बेथलेहेम मे सबै बच्चनके मारन लगाई। ^{१७}तब यरमिया अगमवक्ताको कहोभै बचन पुरो भव ^{१८}, रामामे एक शब्द सुनाइदै, दाहार छोण-छोणके रोइभए और विलखावभै बणो अबाज, राहेल अपन बच्चनके ताहि रोइ रहीहै, और सान्त्वना बा इनकार करि, काहेकि बिनके बच्चा अब ना रहे। ^{१९}तब हेरोद मरो देखौ, परमप्रभुको एक दुत सपनेमे योसोफके झैने मिस्रमे दिखानो और अइसो कहि ^{२१}, उठ बच्चा और बाकि अइयाके संगमे लैके इस्राएल दोशमे जा, काहेकि बच्चाके ज्यान लेन बारो मरगै है। ^{२०}बा उठो बच्चा और बाकि अइयाके लैके इस्राएल देशमे लौट गओ। ^{२२}पर यहूदियामे अपन दैउव हेरोदके सट्टामे आखिलाउस राज करन डटो हए कहेके सुनि बा उतया जान डराएगव। परमप्रभुसे सपनेमे चेतउनि पाएके बा गालीलके प्रदेश घेन गव। ^{२३}और जाएके नासरथ कहन बारो नगरमे बैठो। ऐसिए अगमवक्ताको कहोभै बचन पुरो भव, “बासे नासरि काहामंगे।”

Chapter 3

¹बहए समय वाप्तिमा देन बारो युहन्ना यहुदियाको उजाड स्थान मे आओ, और अइसो काहतय प्रचार करन लागो," ²पश्चाताप करऔ,काहेकि स्वर्गको राज्य जौने आएगव हए।" ³काहेकि जा बहए हए, जौन के बारेमे यशैया अगमवक्ता अइसो कहि रहए।" खण्डहर जगाहमे एक जनिओ चिल्लानकी अवाज ,परमप्रभुकी डगर तयार करऔ, बाकि डगर शुधो बनाओ।" ⁴यहुन्ना उटको बारको कपण लगात रहए और कंरहंओमे चमड़ाको फेटा बंधत् रहए।बा सलह और जङ्गली भैरको साहत खात रहए। ⁵यरुशलेम और सबए ,यहुदिया और यर्दन नदियाके वरपारके सबै घेनके आदमि बाके जौने आए,। ⁶औरअपने पापके मानतय यर्दन नदियामे बा से वप्तीस्मा लई।⁷पर फरिसी और सदुकि मैसे बहुत जनी वप्तिस्मा लेन आत देखके बा उनसे कही,"ए संपके बच्चा, आन बारो क्रोद से भाजन कैन तुमके चेतावनि दर्ई ? ⁸पश्चातओ और सुहान बारो फल फरावओ ! ⁹और अब्राहम हमरो पिता हए कहेके आपसमे मत काहाबओ।काहेकि मै तुमसे काहात हओं,परमेशवर जे पत्थरनसे फिर अब्राहमके ताहि सन्तान उत्पन्न कर सकत हए।¹⁰० अभए रुखाके जर मै कुणाहरी पणगइ हए।जा कारनसे अच्छो फल ना फरान बारो सबए रुखा काट्के गिराए जैहंए ,और आगि मै फेक देहंए। ¹¹"मै ता तुमके पश्चातापके ताहि पानीसे वप्तिस्मा देत हव, पर मिर पिच्छु आनबारो मोसे बहुत शक्ति-शालि हए,जैनको जुता बोकनको योग्य मै ना हओ।बा तुमके पवित्र आत्मा और आगिसे बप्तिस्मा देबएगो। ¹²बा को सुपो बहेके हात मै हए,और बा अपने आगनके पुरो सफा करएगो और अपनो गेहुं बखारी मै जमा करएगो,पर भुसाके त नाबुझनबारी आगीमे पजार देहए।¹³तव येशु गालीलमे युहन्ना जौने बासे वप्तिस्मा लेन यर्दनमे आओ। ¹⁴पर युहन्ना एइसो कहिके बाके रोकन चाहत रहए,"पर मोके त तुमसे वप्तिस्मा लेन जरुरि हए,और का तुम मेरे जौने आए? ¹⁵पर येशु बासे कही"अभे अइसियए होन देओ काहेकि अइसियए हमके सबए धर्मीक्ता पुरो करन पणत हए। तव यहुन्ना राजी हुइगओ।¹⁶और येशु वप्तिस्मा लइके तुरन्तए पानी से बाहेर निकरो और स्वर्ग खुल्गओ ,और बा परमेश्वरको आत्माके कबुतरके जैसो तरे आत भव और अपने ऊपर आत भओ देखी। ¹⁷तब स्वर्गसे जा बाणी आइ, "जा मेरो प्यारो पुत्र हए, जासे मए गजब खुशी हओ।"

Chapter 4

¹जब दियाबलससे (शैतान)परिक्षा करनेके ताहि पवित्र आत्मासे येशु उजाड स्थानमे लइगओ। ²बा चालिस दीन और चालीस रात तक उपवास (ब्रत) बैठनके पिछु गजब भुकाए गओ। ³तब परिक्षा करन बारो बाके जौनेआएके कही, "तुम परमेश्वरके लौणा हव तव जा पत्थरसे रोटि होवए कहिके आज्ञा देवओ।" ⁴पर येशु जवाफ दर्ई, "लिखो हए," आदमि रोटिसे इकल्लो नाए पर परमेश्वरके मुहसे निकरो भव हरेक वचनसे जिन्दा राहत हए।" ⁵तब दियाबलस बा के पवित्र नगरमे लैजाएके मान्दिर कि छतमे धरि। ⁶और बा कहि "तुम परमेश्वरके लौणा हओ तव, हिना से तरे कुद जाओ, काहेकि अइसो लिखो हए, बा अपने दुतनके जिम्मा मे तुमके देबएगो और वे तुमके अपने हातए-हात थामङ्गे नित तुमरो टाड पतथरमे ठुकएगो।, ठणबा" ⁷येशु बासे कही, "लिखो हए, 'तए अपनो परमपभु अपने परमेश्वरकी परिक्षा मत कर।, ⁸फिर दियाबलस बाके एक उचो पर्वतमे लैजाएके संसारको सबै वैभव बा के राज्याके दिखाइ ⁹, और बा से कहि "तय घुप्टा पणके मोके ढोक लगएगो तव, जे सबै चीज मै तुमके देमङ्गो।" ¹⁰तब येशु बा से कहि, "शैतान दुर हुइजा! काहेकी लिखो हए, तए परमप्रभु अपने परमेश्वरके ढोक लग, और वहेकि इकल्लो सेवा कर।" ¹¹तब दियाबलस बा के छोडके चलो गओ और स्वर्गदुत आएके बाकी सेवा टाहल करी। ¹²युहन्ना झेलमे पणगओ हए कहेके येशु सुनी गलील घेन जान लागो ¹³, और नासरत छोडके कफर्नर हुम मे जाएके हुंआ वैठन लागो। जा सहर जबुलुन और नप्तलिके क्षेत्रमे, गलील समुन्द्रके किनारे पणत् हए। ¹⁴यशैया अगमवक्तासे कहो भव वचन अइसो पुरो भव: ¹⁵"जचुलुनको मुलुक और नप्तालिको मुलुक यर्दन पार, समुन्द्र घैन अन्य जातिनको गालिल, ¹⁶अन्धकारमे वैठन बारे आदमि एक बणो ज्योति देखी हए मृत्युकि छायाको देशमे बैठन बारेनके उपर एक ज्योति दिखाइ हए।" ¹⁷बा समयसे प्रचार करतए येशु कहीन लागो, "पश्रुताप करओ, काहेकि स्वर्गको राज्य जौने आए गओ हए।" ¹⁸गालिल देशमे समुन्द्रके कीनारे नेगतए बा पत्रुस कहिन बारो सिमोन और बाको भैया अन्द्रियास, दोनो भइयाके समुन्द्रमे जार डारत देखी। बे मछुवारे रहए। ¹⁹येशू बिनसे कहि, "मिर पिच्छु लागओ, और मै तुम के आदमी को मछुवारी बनामङ्गो।" ²⁰तब बहे समयमे जार छोणके बे बाके पिच्छु लागे। ²¹जब येशू हुवा से जातै-जात बा दुइ भइयानके देखी,।, जबदियाको लौणा याकुब और बक भइया युहन्ना बिनको दउव जबदिया संग नैयामे अगो जार बिनत रहए।, और बा बिनके बुलाइ, ²²तब बहे समय नैया और अपने दउवाके छोणके बे बा के पिच्छु लगए। ²³और येशु बिनके सभाघर मे सिकातए, राज्य को सु-समाचार प्रचार करतए, और आदमिनमे बे सबए प्रकारके रोग और शरिरकी कमजोरी अच्छो करतय सबए गालील भर घुमी। ²⁴बा को काम सबै सिरीया भर फैल गओ, और बिमारी और तमान प्रकारके रोग और दुःखसे सताय भए, भुत लागे, और मिर्गि लागे भए और अपङ्ग(पक्षघाति)भए सबए आदमि बक जौने लाई। बा बिनके अच्छो करी। ²⁵और गालील, डेकापोलिस, यरुश्लेम, यहुदिया और यर्दन पारसे बहुत बणि भीण बाके पिच्छु लागी।

Chapter 5

¹जब येशु भिड़ के देखके बा उचो डंगामे चड़गओ,और बा बैठनसे पिच्छु,चेला बाके जौनेआए। ²वा मुंह खोलि और शिक्षा देन लागो। ³“धन्य आत्मामे दीन होनबारे, काहेकि स्वर्गको राज्य बिनही को हए। ⁴धन्य शोक करन बारे, काहेकी बे सानत्वना पामङ्गे। ⁵धन्य नम्र होनबारे, काहेकी बे पृथ्वीको राज्य पमङ्गे। ⁶धन्य धार्मीक्ताके ताही भुके और प्यासे, काहेकी बे तृप्त होमङ्गे। ⁷धन्य दया दीखान बारे, काहेकी बे दया पामङ्गे। ⁸धन्य शुद्ध हृदय होनबारे, काहेकी बे परमेश्वरके देखङ्गे। ⁹धन्य मेलमिलाप करानबारे, काहेकी बे परमेश्वरके लऊड़ा कहेलामङ्गे। ¹⁰धन्य धार्मीक्ताके ताहि सताएभए, काहेकी स्वर्गको राज्य बिनहीको हए। ¹¹धन्य हव तुम, जब आदमी मितार्ही तुमरि बदनाम करए और सतामए और झुट बोलके तुमरि बिरुद्धमे सबै तरिकाको खराब बात काहामए। ¹²तव रमाबओ और खुशि होबओ,काहेकि स्वर्गमे तुमरो बहुत बणो इनाम हए। काहेकि ऐसिए तुमसे अगु आएभए अगम बक्तानके बे सताइ रहए। ¹³“तुम पृथ्वीके नुन हओ,पर नुनको स्वद चलो जाएगो तओ बा कासे नुनान होबएगो ? बा त बाहेर फेकन और अदमिनके टाडसे रौउदन बाहेक और कछु काम को ना राहाबड़गो। ¹⁴“तुम संसारकि ज्योति हओ। डंगामे बैठो भओ सहर कबहु ना लुक सकतु हए। ¹⁵आदमी दिआ पजारके छपरियसे नातोपत हए, पर सामदानि मे धरत हए, ताकि घरमे होन बारे सबै के ताहिं ऊज्यारो देबै। ¹⁶ऐसिए तुमर ज्योति आदमीनके अगु चम्कए, और बे तुमरो अच्छो काम देखएँ और तुमरो स्वर्ग मे होनबारी पिताकि महिमा करएँ। ¹⁷“व्यावस्ता औ आगमवक्तकनके मै रद्द करन आओ हओ, करके मत समझै। मै रद्द करन नाए, पर पुरो करन आओ हओ। ¹⁸काहेकि मै सचमुच तुमसे काहात हओ,जब तक स्वर्ग और पृथ्वी खतम नाहुइ हए तबतक सब बात पुरि नाहोनतक,कोइ किसमको एक बिन्दु फिर नाहटैगो। ¹⁹जहए कारनसे जैन जे आज्ञानके सबसे छोटोके उलङघन करहए,और आदमीनके ऐसिए सीकाबैगो,स्वर्गके राज्य मे बा सबसे छोटो कहेलाबैगो।पर जे आज्ञानके पालन करन सीकावैगो,स्वर्गके राज्य मे बा सबसे बड़ो कहलावैगो। ²⁰काहेकि मै तुमसे काहात हओ, तुमरो धार्मीक्ता शास्त्री और फरिसीसे बड़ो नाहोबैगो तओ तु कोइभी तरिकासे परमेश्वरके राज्यमे प्रवेश ना कर पाबैगो। ²¹तुम सुनेरओ, प्राचीन समयके अदमीनसे ऐसो काहि रहए ‘तुम हत्या मतकरिओ ‘और जो हत्या करएगो बा दण्डके योग्या होबैगो’। ²²‘पर मै तुम से अऐसो काहात हओ, जैन कोइ अपने भाइया से क्रोध करइगो बा दण्ड के योग्या हएऔर जैन कोइ अपने भइया को अपमान करइगो, बा माहा शभा मै जवाफ देही होबड़गो। पर जो अपने भइयाके ‘तए मुख’ हए काहाबड़गो, बा नर्कके आगीमे पड़नके खतरामे होबएगो। ²³जहए करन से तुम बेदी मे अपनी भेटी चणान जानसे पहीले, तुमरे भइया के बिरुद्धमे कछु हए तओ, तुमके याद हुइगओ हए तव, ²⁴अपनी भेटीके हुंए बेदी के अगु छोणके, और जा। पहीले अपने भइया से मेलमीलाप कर, और बाकेबाद आएके अपने भेटी चढा। ²⁵“अपने बिपक्ष संग अदालत मे जात डगरएमै मिलाप करले, नत बादी (बिपक्ष) तुमके न्यायाधीश के हातमे संउप देहए और न्यायाधीश हाकीम के हातमे संउप देहए, और तुम झेलमे पणजैहओ। ²⁶“न्याहत्ए, मए तुमसे काहत हओ तुम एक-एक पइसा ना तीरन तक, तुम हुंआसे छुट्ना पइहओ। ²⁷“तुम ऐसो काहात सुने हओ, “तुम व्याभिचार मत करओ,। ²⁸पर मै तुमसे काहात हओ, जो कोइ दुसरी स्त्रिरीके कूइच्छासे देखइगो, बा पहीलेसे अपने हृदय मे व्याभिचार कर लईहए। ²⁹काहेकि तुमरी दहिनी आंखी तुमके पाप करन लगात हए तव बाके निकार के फेक देबओ, काहेकी तुमरो सबै शरीर नर्कमे फेकनसे अच्छो त तुमर शरीरको एक अंग गुमानो अच्छो होबईगो। ³⁰तुमरो दहिना हात तुमके पाप करन लगात हए, त बा के काट के फेक देओ। काहेकी तुमर सबए शरीर नर्क मे जानसे त शरीरको एक अंग गुमानो अच्छो हुईहए। ³¹३१“ऐइसो फिर काहात हए, की जउन कोई अपनी बईयर के छोणन चाहत हए, बा बाके त्याग पत्र लीखदेबए “। ³²पर मै तुमसे काहात हओ, जउन कोई अपनी बइयरके व्याभिचारके करनसे बाहेक औरकोइ कारनसे छोणएगो, बा बाके व्याभिचारी बना बईगो, और जो कोई अइसी छुटी भई बइयरनसे विहा करएगो बा व्याभिचार करइगो। ³³“फिर तुम जहओ सुने हओ, की प्रचीन समयके अदमी से कही रहए, “तया झुटी कसम मत खाबए, पर परमप्रभुके ताहि खाइ भइ कसम तए पुरि कर। ³⁴“पर मै तुम से काहात हओ, कसम मत खाबओ। स्वर्ग के नाउँ मे कसम मत खा बओ, काहेकी बा परमेश्वरको सीहासन हए, ³⁵ना पृथ्वीको, काहेकी बा परमेश्वरको पाउँ दान हए, ना यरुशलेमको काहेकी, बा माहाराजाको शहर हए। ³⁶अपने मुणकी कसम मत खाओ, काहेकी तुम अपने बारके कारो की सेतो ना बना सकतु हओ। ³⁷तुमरो कहो भओ बचन’ हं त हं, ना त ना ‘इकल्लो होबए। जासे अलाबा दुस्ट से अत हए। ³⁸तुमसब सुने हओ, अइसो कहि रहए, ‘अंखी को बदला अंखी, दंत को बदला दंत”। ³⁹पर मै तुमसे काहत हओ, दुष्टको मुकाबला मत करओ। जउन तुमरे दहिना गलउवा मे मारत हए बाके ताही दुस्रो गलउवा रोक देबओ। ⁴⁰जउन आदमी तुमर उपर मुद्दा चलाएके कपड़ा लेन दाबी करत हए तओ बा केअपने पिछउण फिर दइ देबओ। ⁴¹यदी कोइ तुमके एक कीलो मिटर दुर लइजान मजबुर करत हए, बा के संग दुई किलो मिटर जाएदेओ। ⁴²तुम से मागन बारे के देओ और तुम से कर्जा लेन बारेके मिनाहा मत करओ। ⁴³“तुम अइसो काहात सुने हओ, तुमरे पणोसी से प्रेम करओ, और दुस्मनसे घृणा करओ,। ⁴⁴पर मै तुमसे काहात हओ, तुमरे सत्रुसे प्रेम करओ, और तुमके सतान बारेनके तांही प्रार्थना करओ, तुमके सरापन बारेनके आशीष देओ ⁴⁵और तुम स्वर्गमे होन बारो अपने पिताके लऊड़ा होबओ गे। बा खराब अच्छे दोनेन्के दीनको घामु देत हए, और धार्मी और पापी दोनेन्के बर्खा देत हए। ⁴⁶काहेकी तुम प्रेम करन बारेनसे इकल्लो प्रेम करत हओ तव तुमके का इनाम हए? काहेकी महसुल उठान बारे फिर त अइसीए ना करत हए ? ⁴⁷तुम अपने ददा भइयनके इकल्लो अभीवादन करत हओ तव औरन से जद्धा का करे? का अन्य जातिफिर अइसो नाकरत हए का? ⁴⁸जहे कारन से जैसो तुमरो स्वर्गमे होन बारो पिता सिद्ध हए, उइसिए तुम फिर सिद्ध हो बओ।”

Chapter 6

¹“ तुम अदमीनके दिखान तांही धर्म के काम मत करओ। नित स्वर्गमे होन बारो पिता से तुम कछु इनाम ना पाबड़गे। ²”जहे कारन से तुम दान देत हओ, तव अपने अगु तुरही मत बजाओ। जइसेकी पाखण्डी सभाघरमे और सडकमे आदमीसे प्रशंसा पान तांही करत हए। सचमुच मए तुम से कहत हओ की बे अपनो इनाम पाएडारी हए।³पर जब तुम दान देत हओ, तव तुमरो दाहीना हात का करत हए, जा बात डीबरा हात पता न पाबए। ⁴“तुमरो दान गुप्तमे होबए, और गुप्पमे देखन बारो तुमरो पिता तुमके इनाम देबएगो।⁵”जब तुम प्रार्थना करत हओ तव पखण्डीन के जइसो मत होबओ, काहेकी बे सभाघरमे और सणकके कुनइठेमे आदमी देखए कहीके प्रार्थना करन मन पणात हए। सचसच मए तुम से काहत बे अपनो इनाम पए लइ हए। ⁶“पर जब तुम प्रार्थना करत हओ तव अपने भितरके कोने मए जाइके और फाटक बन्द करके गुप्त मए देन बारो तुमरो पिता से प्रार्थना करओ, और गुप्त मए देखन बारो तुमरो पिता तुमके इनाम देबड़गो। ⁷और प्रार्थना करत अन्या जातिनके जइसे मत बरबराओ। काहेकी गजब शब्द मए बोलङ्गे तव हमरी सुनवाइ होबएगी कहीके बे बिचार करत हए।⁸जाकमारे बिनके जइसे मत होबओ। काहेकी तुमके मागन से पहीले तुमके का-का चीजकी अबसेक्ता हए, जा सब तुमरो पिता जानत हए। ⁹”पर तुम जा परकार से प्रार्थना करओ:हे हमरो पिता, तए जे स्वर्ग मे हए, तेरो नवउ पवित्र होबए, ¹⁰तेरो राज्य आबए, तेरि इच्छा स्वर्ग मए जइसे पुरि होत हए। बइसेइ जा पृथ्वी मए पुरि होबए।¹¹हम के आज हमरी दीन भरकी रोटी दे,। ¹²हमरे अपराद के क्षमा कर, जइसे की हम अपने अपराधीन के क्षमा करे हए। ¹³हमके परीक्षा मए पणन मत दे, और दुष्ट से बचा। काहेकी राज्य, पराक्रम और महीमासदासर्वदा तेरी होबए।¹⁴काहेकी तुम आदमीन के अपराध क्षमा करइगे तव तुमर स्वर्गमे होन बारो पिता तुमके क्षमा करएगो। ¹⁵पर तुम आदमीनको अपराध के क्षमा ना करइगे तव तुमर पिता तुमर अपराध क्षमा ना करइगे।¹⁶”जब तुम उपवास बइठत हओ, तव पखण्डीन के जइसे उदासी चेहेरा मत दीखाओ। काहेकी आदमीन के अगु उपवास उदास बइठो हओ दीखान तांही वे अपनो मोहोके अँध्यारो बनात हए। सचमुच मए तुम से काहात हओ, वे अपनो इनाम पएलइ हए। ¹⁷पर तुम उपवास बइठे हओ, तव अपने मुणमे तेल लगाओ, और अपने मुहुके धोबओ। ¹⁸और तुमरो उपवास आदमी ना पर गुप्त मे बइठन बारो तुमरो पिता देखए, और गुप्तमए बइठन बारो तुमरो पिता तुम के इनाम देबएगो।¹⁹अपने ताही पृथ्वीमे धन सम्पति मत इघट्टा करओ, जहँ कीरा और काई लागके खतम होत हए और जहँ चुट्टा घर काट के बा चुरात हए। ²⁰पर अपने ताहँ स्वर्ग मए धन, सम्पति धरओ, जाहँ किरा और काई खतम ना करत हए, और चुट्टा फिर ना चुरात हए। ²¹काहेकी जाहँ तुमरो धन होबड़गो, हुँवा तुमरो मन होबड़गो।²²”अँखी शरीरकी बत्ति हए। अगर तुमरी अँखी स्वस्थ्या हए कहेसे, तुमरी सबए शरीर उज्यारो मे हए। ²³पर तुमरी अँखी खराब हए, कहेसे तुमर सबए शरीर अँध्यारोमे हए। अगर तुमर भीतरको उज्यारो अँध्यारो हुइजए हए कहेसे, बा अँध्यारो कितनो घोर हुइहए। ²⁴”कोइ भी दुई मालीकको सेवा ना कर पए हए। काहेकी बा एक के खराब मानएगो, और दुसरे के प्रेम करइगो। अथवा बा एकके भक्तीदीखा बड़गो, और दुसरेके तुच्छ मानएगो। तुम परमेश्वर और धनकी सेवा ना कर पाबड़गे।²⁵”जहे कारन से मए तुमसे काहात हओ, का खामङ्गे, का पिमङ्गे कहीके अपने प्राणके ताही और का लगामङ्गे’ कहीके अपने शरीरके ताही चिन्ता मत करओ। का जीवन खानबारी चिज से और शरीर लत्ताकपणा से उत्तम नाहए? ²⁶अकाशके चिरइ चुरगनीन के देखओ। बे नत बिज बोट हए, नात अन्न कटनी करत हए, ना भकारी मए धरत हए, पर स्वर्गको पिता बिनके खबात हए। का तुम बिनसे बहुत मुल्याबान नाहओ? ²⁷तुम मैसे कौन फिक्री करके अपन आयुमे एक घणी फिर थप सकत हए का? ²⁸”और लत्त कपडा के ताहिँ तुम काहे फिक्री करतू हौ? मैदानके लिली फुलाके देखौ, बे कैसे बढतू हए। बे ना परिश्रम करतू हए, ना डोरा बटतू हए। ” ²⁹पर मए तुमसे कहतू हौ, सोलोमन राजा फिर अपने साबै गौरबमे इनहीके जैसो एक सम्पन्न रहए।³⁰आज होनबारो और कल आगीमे पयाकन बारो घाँसके परमेश्वर अइसे पैधातू हए तव, ए अल्पबिस्वासी हो, का तुमके औरजद्धा बा ना पैधाबैए गो? ³¹जहेमारे का खाएहौ? कि 'का पिहौ?' करके चिन्ता मतकरी। ³²काहेकि जे सब बात अन्याजाती दुणत हए और जे बात तुमके जरूरत हए कहेन बारि बात तुमर स्वर्गिया पिता जानत हए। ³³पर पहिले बाको दार्मिक्ता और बाको राज्यके दुणओ औ जे सब चिज तुमके दौजाएगो। ³⁴जहेक मारे कलके ताहि चिन्ता मत करओ, काहेकि कल्लकि चीन्ता बा अपनए करएगो। प्रतेक दिनको अपनिए बहुत चीन्ता हए।

Chapter 7

¹औरनके दोषी मत ठहरओ, और तुम फिर दोषीनए ठहरैगे, ²कहेकी जैसी तुम औरके दोषीबनात हओ, उइसिए, तुमके फिर दोषी बने जएहओ। जौन नापसे तुम नापत हओ, बाहे नापसे क तुमर ताही फिर नपेजए हए। ³और कहे तुम अपन भैयाके आँखीमे भव पैराको कुराके देखतहौ, पर तुम अपनी आँखीमे भव बुँटा फिर पत्ता ना पातहौ? ⁴तुमर अपनी आँखीमे बुँटा हए, तव कैसे तुम अपन भैयासे कहए, 'मोके तुमर आँखीसे कुरा निकारन् देओ।' ⁵ए ढोगी, पहिले अपने आँखीमे भव बुँटाके निकर, और तुम अपन भैयाके आँखीमे भव कुराके निकारन ताही तुम सफासे देख पैहौ। ⁶"जो पवित्र हए बा कुत्तानके मत देओ। अपन मोती सोराके अगु मतफेकौ, नत बे अपन टाँगसे बाके कुचलडारङ्गे और घुमके तुमके अफत करेहए।" ⁷"मागौ और तुमके दव जाएगो, दुणओ और तुम पाबएगो, ढकढकबओ और तुमरे ताहिँ फाटक खुलोजाबड़गो।" ⁸कहेकी मागन बारे सबए, पामङ्गे, और दुणन बारे सबए पए हए। और खटखटान बारेनके ताहिँ खुलोजाबएगो। ⁹"तुमर मैसे कौन यैसो आदमी हए, जौनको लौणा रोटी मागतहए औ बाके पत्थर देहए?" ¹⁰कि मछ्ठी मगइगो तव बा सँप देहए? ¹¹जकमारे तुम दुष्ट हुइके फिरअपन लौणा-लौणीयाके अच्छो चिज देन जानत् हौ कहिसे स्वर्गमे होनबारो तुमर पिता बासे मागन बारेनके कितो जद्धा करके अच्छि चीज ना देहए का? ¹²जा कारनसेआदमी तुमरसंग जैसी व्यबहार करत् हए, तुम फिर बिनके संग उइसी व्यवहार करओ,। कहेकी जहे व्यवस्था और अगमवक्ताको शिक्षा हए। ¹³"पतरो फाटकसे भितर कुचओ, कहेकी बिनासमे पुगन बारो फाटक सहज होतहए और बासे भितर घुसन बारे बहुत होतहए।" ¹⁴कहेकी जीवनमे पुगानबारो फाटक पतरो होतहए और डगर कठिन होतहए, और बा पानबारे थोडी होतहए। ¹⁵"झुठो अगमवक्तासे होशियार बैठीओ, जो तुमरे ठिन भेडाके भेषमे अतहए, और भितर डरलागन् बारो गुल्हा कता होतहए।" ¹⁶बिनके फरासे तुम बिनके चिनइगे। का आदमी काँटोके पेणसे अंगुर औ सिउँडसे गुलर तोरत हए का? ¹⁷ऐइसीए करके हरेक अच्छो रुखा अच्छो फरा फलाबैगो। और खराब रुखा खराब फरा फलए हए। ¹⁸अच्छो रुखा खराब फरा नए फर सकत हए, न ता खराब रुखा अच्छो फरा फारए सकत हए। ¹⁹अच्छो फरा ना फरानबारो हरेक रुखा काटके उजाणो जएहए, और आगीमे फेको जएहए। ²⁰अइसीय बिनके फरासे हि तुम बिनके चिनैगे। ²¹"मोके 'प्रभु, प्रभु' कहान बारे सब स्वर्गके राजमे प्रवेश नएकर पए ह।। स्वर्गमे होनबारो मिर पिताको इच्छा पालन करन् बारे आदमी इकल्लो स्वर्गके राजमे प्रवेश करन पए हए।" ²²बा दिन बहुत आदमी मोसे कए हए, 'हे प्रभु, हे प्रभु, का हम तुमरे नाउँमे अगमवाणी बोले ना हए का? तुमरे नाउँमे भुत भजए ना हए का? और तुमरे नाउँमे अनेक शाक्तिशाली काम करे ना हए का?" ²³और मए बिनसे सफासे काहमङ्गो, मए तुमके कब्हु ना चिनत हओ। ए खराब काम करन् बारे मोसे दुर हुइजाओ। ²⁴"जहेमारे कि जौन मिर जा बचन सुन्तहए और पालन करत् हए, मए एक बुद्धिमान आदमीसे बाको तुलना करत् हौ, जौन अपन घर चट्टान उपर बनाइ।" ²⁵और पानी पणो, और बैहिया अई, और आँधी चली और बा घर उपर ठुको, ताहु फिर बा घर ना उज्जणो। कहेकी बा चट्टान के ऊपर बनाई रहए। ²⁶पर जौन मिर जा वचन सुनके फिर पालन ना करत हए, बाको तुलना एक मुख आदमीसे करत् हओ, जौन अपन घर रेता उपर बनाई। ²⁷पानी पणो, और बहिया अई, और आँधी चली और बा घर उपर ठुकी, और बा घर उजाड गओ, और बाको बणो बिनास भव।" ²⁸"जब येशु जा बचन कहे डारी पिछु भीड बाकि शिक्षा सुनके बहुत अचम्मो पणिगए।" ²⁹कहेकी बा बिनके शास्त्रीन के जइसो ना कि, बल्कि अधिकार पाव भव आदमी जैसो सिकत रहए।

Chapter 8

¹जब येशु बा डौगासे उतरके पिछु बणी भीड बाके पिछु लाग् गई । ²एक कोढी बाके ठिन अओ, और बाके अगु घुँटो टेकके कही, “हे प्रभु, तुमर इच्छा हए कहेसे मोके अच्छो करसक्त हौओ” । ³बा अपन हात पसारके बाके छूई और कहि, “मए इच्छा करत् हौ, तुम अच्छे हुइजाओ ।” तुरन्त बाको कोढरोग अच्छो हुइगओ । ⁴तव येशू बासे कहि, “कोइके मत बताबए । तए जा और अपनएके पुजाहाके ठिन दिखा, और मोशा आज्ञा करी जैसो भेटी चढा, और आदमीके तही गबाही होबए ।” ⁵जब येशू कफर्नहुमके घुसत एक जनी कप्तान बाके ठिन आएके बिन्ती करन् लागो बा कही, ⁶“हे प्रभु, मिर नोकर पक्षाघातसे बहुत दुःख पाएके घरमे पणो हए ।” ⁷येशु बिनसे कहि, “मए आपके बाके अच्छो करंगो ।” ¹⁰⁸तव कप्तान कहि, “हे प्रभु, तुमके मेरे घरमे स्वागत करन् को योग्य मए ना हओ । बल्कि तुम वचन इकल्लो बोलदेओ, और मेरो नोकर अच्छो हुइजए हए ।” ⁹कहेकी मए फिर अधिकारीके अधिनमे हौ, और मिर अधिनमे सिपाही हए । मए एक जनीसे ‘जा’ कहतहौ, तव बा जातहए, और दुसरे से कहतहौ ‘अएजा’ तव बा आतहए । मेरो कमैयासे ‘अइसो कर’ कहतहौ, तव उइसी करत् ह ।” ¹⁰बिनको बात सुनके येशू अचम्मो मानि, और बाके पिछु आन बारेंनसे कहि, “नेहत्त्व, मए तुमसे कहत् हौ, इस्राएलमे फिर इतनो भारी बिश्वास मए ना पाओ हओ ।” ¹¹मए तुम कहतहौ, बहुत जनी पुर्व और पश्चिमसे अमझो, और अब्राहाम, इसहाक और याकुबके संग स्वर्गके राज्यको भोजमे बैठेङ्गे । ¹²पर राज्यके सन्तान बाहिर अन्धकारमे फेकेजए हए । हुवौ आदमी रोमंङ्गे और दौत किटकिटए हए ।” ¹³तव येशू कप्तानसे कही, “जाओ जैसो तुम बिश्वास करेहौ, उइसी तुमके होबए ।” तव बाको नोकर बहे घणी अच्छो हुइगओ । ¹⁴जब येशू पत्रुसके घरमे अओ बा पत्रुसकी सास बुखारसे खटीयमे पणी देखी । ¹⁵येशु बिनको हात छूई, और बुखार बिनके छोडदै । और बे उठके उनकी सेवा करन लगी । ¹⁶जब संन्झा भओ, अदमी भुत लागे बहुत जनी बिमारीनके येशु ठिन लाइ । और बा वचनसे भुतनके बाहेर निकारी, और जित्तो बिमार रहए, सबके अच्छो करी । ¹⁷यशैया अगमवक्ताक बोली भव ऐसो बचन पुरो भव, “बा ” “अपनए हमर बिमारके लैइ, और हमर रोग उठाएके लैगओ ।” ¹⁹जब येशू अपन आसपिस बणी भारी भीड देखि, बा गालील समुद्रके बापार जानके आज्ञा दै । ¹⁸एक जनि शास्त्री बाके ठिन अओ, और बासे कहि, “गुरुज्यु, तुम जहाँ-जहाँ जातहौ, मए तुमर पिछु आमझो” ²⁰येशू बासे कहि, “सेराके भार और आकाशके चिरैचुरंगिनके घुरघुसला होतहए, पर आदमी पुत्रके ताहीं ता मुण धरन ठाउँ फिर ना हए ।” ²¹चेला मैसे एक जनि कहि, “प्रभु, पहिले मोके मिर दौवाके गणन देओ ।” ²²तव येशू कहि, “मिर पिछु आ, मुर्दाके बिनको आपनो मुर्दा गाणन छोणदे ।” ²³जब येशू नैयामे चढो तव बाके चेला फिर बाके पिछु लागे । ²⁴आचानक समुद्रमे बणी भारी आँधी आएगै, और लाणुरासे नैयाँ तुपन् लागी । येशू सोत् रहए । ²⁵चेला आपके अइसे कहत जगई, “बाचाओ प्रभु! हम नष्ट होन लागे ।” ²⁶येशू बिनसे कहि, “अल्पबिश्वासी आदमी, तुम कहे डरात् हौ?” तव उठके आँधी और समुन्द्रके डँटी । और बा हुँव बिलकुल सन्त हुइगओ । ²⁷जा त कैसो आदमी हए, कहेकी आँधी और समुन्द्र फिर जाकि कहिना मन्तहए” कहिके बे आदमी छक्क पणीगए । ²⁸जब येशू बापारसे गदरिनीके मुलुकमे आए रहए, तव भुत लागे दुई आदमी गड्डासे निकारके बाके भेटि । बे इत्तो डरीने रहए, कि कोइ फिर हुँवासे आन-जान ना कर पात रहए । ²⁹देखओ बे अइसे कहत चिल्लाई, हे परमेश्वरको पुत्र, तुमसे हमर का मतलब हए ? का कहोभओ समयसे पहीले हि तुम हमर ठिन दुःख देन आए हओ ? ³⁰बिनसे कुछ दुर सोराको एक बगाल चुगत् रहए । ³¹भुत बोसे बिन्ती करी, “अगर तुम हमके निकारत् हौ कहेसे, हमके बा सोराके बगालमे पठए देओ ।” ³²और बा बिनसे कहि, “जाओ” तव बे निकारके सोराके भितर घुसिगए, और सोराको जाम्मए बगाल समुन्द्र घेन हुरतएगए, और पानीमे डूबके मरिगए । ³³सोरा चुगान बारे अदमी बा हुँवसे भाजेके सहेरमे गए, बे सब बात औरखास करके बे भुत लगने के का भव सो सुनाएदैं । ³⁴तव जम्मए सहेरके येशूके भेट करनके आए ।, और बाके देखके आदमी बिनको इलाकासे छोणके चलो जाए करके बासे बिन्ती करैं ।

Chapter 9

¹येशू एक नैयामे चढके बापार गओ, और बा अपनो सहेरमे अओ। ²आदमी खटियामे पणो एक जनी पक्षाघातीके बाके ठिन लाइ। येशू बिनको बिश्वास देखके पक्षाघातीसे कहि, “लौणा, साहस कर। तेरो पाप क्षमा हुइगए हए।” ³“देखओ शास्त्री मैसे किन्तो आपसमे कहन लागे, “जा परमेश्वरके निन्दा करत् हए।” येशू उनको बिचार जानके कहि, “तुम कहे अपन हृदयमे दुष्ट बिचार करत् हौ ?” का कहन सजिलो हए, तुम्रो पाप क्षमा भव कि ‘उठा और नेग’ काहन ? ⁴पर आदमीक पुत्रके पृथ्वीमे पाप क्षमा करनको अधिकार हए कहिके तुम जान सकओ।” तव बा पक्षाघातीसे कहि, “उठ, अपनी खटिया बोक, और घरए जा।” ⁵तव बा आदमी उठो, और अपने घरघेन गव। ⁶“जब भीड जा देखि बे अचम्मो मानी आदमीनके ऐसो अदिकार देनबरो परमेश्वरको प्रशंसा करी।” येशू हुवाँसे जातपेती मत्ती कहन बारो एक आदमीके कर उठन बारो अड्डामे बैठो देखि, और बिनसे कहि, “मिर पिछु लाग।” तव बा उठो और बाके पिछु लागो। ⁷जब खानु खान बैठो देखओ, बहुत जनी कर उठनबारे और पापी आए येशू और बाके चेलासंग खान बैठे। ⁸जब फरिसी जा देखी, तव बाके चेलानसे कहि, “कहे तुमरो गुरु कर उठानबारे और पापीसंग खातहए ?” ⁹जब येशू जा सुनी बा कहि, “निर्गोकि बैदाको जरूरत ना होतहए, पर रोगीनके होतहए।” ¹⁰तव जाएके जाको अर्थ का हए तुम सिकौ: मए बलिदान नए, दया चाहतहौ।” कहेकी मए धार्मिकनके नए, पर पापीनके बुलान अओ। ¹¹“तव बप्तिस्मादेन बारो यूहन्नाके चेला बाके ठिन आए, और बासे पुछी, “काहे हम और फरिसी उपवास बैठतहए, और तुमरे चेला उपवास नए बैठतहए ?” ¹²येशू बिनसे कहि, “जब दुलहा संग अएभए बरैतियासंग शोक मनातहए ? पर बे दिन आमंगे जब दुलहा बिनसे अलग होबएगो। और बे उपवास बैठंगे, ¹³“कोइ फिर पुरानो लत्तामे नयाँ कपणाको थिग्रा नए लगात हए। कहेकी नयाँ थिग्रा पुरानो लत्ताके फारदेतहए, लत्ता और जाड्हा फटजातहए।” ¹⁴“कोइ पुरानो खालको मशकमे नयाँ दाखमध ना धरतहए नित मशक फुटजाबैगो, और दाखमध गिरजएहए, और मशक नष्ट हुइजएहए। कहेकी नयाँ दाखमध नयाँ खालको मशकमे धरत हए और दोनो बच जएहए।” ¹⁵जब येशू बिनसे जा बात कहत रहए, देखओ त एक जनी शासक अओ, और येशूके दण्डवत करके कहि, मिर लौणीया भर्खर मरीहए, और आपके बाके मुण उपर तुम हात धरदेओ, और बा जीन्दा हुइजएहए।” ¹⁶येशू उठो और अपन बिनके पिछु लागो चेलानके फिर बिनके पिछु गए। ¹⁷देखओ बाह्र वर्षासे बहुत रगत बहनबारी एक बैयए येशूके पिछुसे आपके बाको कुर्ताको कुन्छ छुई। ¹⁸कहेकी बा मनए मन सोचिरहए, “मए बाको कुर्ताक् कुन्छ छुइहओ खिनक् मए अच्छो हुइजएहओ।” ¹⁹पर येशू घुमक देखके बा बैयरके देखी, और कहि, “लौणीया, सहास कर, तेरो बिश्वाससे तोके अच्छो करी हए।” बा बैयर बहे घणी अच्छी हुइगइ ²⁰जब येशू शासकके घरमे अएपुगो, बा बसुली बजानबारे और भीडसे खेलाबैला मचोदेखी, ²¹बा बिनसे कहि, “बाहिर जाओ, कहेकी लौणीया मरी ना हए, लेकिन सोतहए।” बे बाको खिल्ली ऊणाइ। ²²जब भीड के बाहिर निकरके बा घर भितर घुसो, और बा लौणीयाको हात पकणी, और बा लौणीया उठगइ। ²³जा बातके बारेमे मुलुक भर हल्ला उणिगओ। ²⁴“येशू हुवाँसे जातपेती दुई जनि अन्धा “हे दाउदको पुत्र हमरे उपर दया कर “ककें चिल्लात बाके पिछुपिछु लागे।” ²⁵बा घरमे कुचो तव अन्धा आदमी बाके ठिन आए। येशू बिनसे कहि, “मए जा कर सकझो कहिके तुम बिश्वास करत् हौ ?” बे बासे कहि, “हँ प्रभु।” ²⁶तव बा बिनको आँखी छुइके कहि, “तुमरो बिश्वासके जैसो तुमके होबए।” ²⁷और उनकी आँखी खुलिगई। येशू अइसे करके बिनके मिनाहा करी, “जा बात कोइके पता ना होबए।” ²⁸तव बे गए, और बा इलाका भर बाको चर्चा फइलाए दई। ²⁹जब बे दुइ जनी आदमी निकरके जात रहए, तव भुत लागो एक जनि गुँगा आदमी बाके ठिन ल्याई। ³⁰जब “भुत निकरके गओ बा गुँगा बोली। और “इसाएलमे कबहू अइसो ना देखे रहए, कहत भीड अडम्मो पणीगए।” ³¹और फरिसी ऐसो कहन लागे, “भुतके मालिकसे जा भुत निकरत् हए।” ³²येशू सबए सहेर और गाउँघेन बिनको सभाघरमे शिक्षा देत और हरेक किसिमके रोग और कमजोरनके अच्छो करत् जान लागो। ³³पर भीडके देखके बाको हृदय बिनके ताहिँ दयासे भरगओ। कहेकी बे बक्रेहेरा बिनके भेडा जैसे हैरान और बेसहराके रहए। ³⁴तव बा अपन चेलनसे कहि, “फसल त बहुत हए, पर खितहारा थोरी हए।” ³⁵जहेमारे फसलके प्रभुसे प्रार्थना कराओ, की बे अपनो फसलके ताही खितहारानके पठाएदेबए।”

Chapter 10

¹येशू अपन बाह्र चेलान् के बुलाएके अशुध्द आत्मा निकारन् और हर प्रकारके रोग और दुर्बलता अच्छो करन् अधिकार बिनके दै।²बाह्र प्रेरितके नाउँ जेही हए, पहिलोको पत्रुस कहन बारो सिमोन और बिनको भैया अन्द्रियास, जब्दियाक लौणा याकुब और बिनको भैया यूहन्ना, ³फिलिप और बारथोलोमाइ, थोमा और कर उठानबारो मत्ती, अल्फयसको लौणा याकुब और थेदियस, ⁴सिमोन कनानी और यहूदा इस्करियोत, जौन येशूके पक्कए देरहए।⁵येशू जे बाह्र चेलनके अइसो आज्ञा दैके पठाई, "अन्यजातिनके बीचमे मत जाओ, और सामरीनके सहेरमे मत घुसओ। ⁶पर इस्राएल जातिके हराए भए भेणाके ठिन जाओ। ⁷"स्वर्गको राज जौने आएपुगो हए, कहतय प्रचार करओ।"⁸ बेमर के अच्छो करओ, मरेन्के जिन्दा करओ, कोढीनके शुध्द करओ, भुतन्के निकारओ। तुम सेंटएमे पाएहौ, सेंटएमे देओ। ⁹तुम अपन फेंटामे सोनो चाँदी और तामाके लोटा मत बोकओ, ¹⁰यात्राके ताहिँ झोला, दुई जोण कुर्ता, जुता, लकणी मतलेओ। काहेकी खितहाराके बाको खानु पानपणात् हए।¹¹"जौन सहेर कि वा गाउँमे तुम घुसेहौ, हुँवा जानोमानो कौन हए बोके टुणओ, और हुँवासे बिदा न होन तक हुवाँए बैठओ। " ¹²तव घर भितर कुचके अभिबादन करीओ। ¹³बा घरमे जानन् बुझन बारे हएँ तव, तुमर शान्ति बा घरमे अबैगो। जौन बा घरमे जानन् बुझन बारे नैयाँ तव, तुमर शान्ति तुमरी संग घुमके आएजाए हए।¹⁴अगर कोइ तुमके ग्रहण न करी और तुमरो बचन न सुनी तव बा घरसे निकरतय अपन टाँगको भुवा झारदो। ¹⁵नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौ, न्यायके दिनमे बा सहेरको दशा सदोम और गमोराको हालतसे फिर जद्धा हुइहए।¹⁶"देखओ, मए तुमके गुलहाके बीचमे भेणा कता पठएहौ, जहेमारे तुम साँप कता चलाक और कबुतर कता निर्दोष होबओ। " ¹⁷पर आदमीनसे होशियार हुइयो, काहेकी बे तुमके अदालतमे सौपदेहँए, और बे सभाघरमे तुमके कोणा लगए हँए। ¹⁸तुम मेरे खातिर हाकिम और शासकके जौने ठाडे जएहओ, तव बे और अन्य जातिनके ताहिँ साक्षी हुइहओ।¹⁹पर जब बे तुमके पकणए देहँए, तव कैसे का बोलंगो कहिके चिन्ता मतकरओ काहेकी तुम का मसकझो, बहे घडी तुमके बताओ जएहए। ²⁰काहेकी बोलन् बारे तुम अपनए न हुइहौ। पर तुमर पिताको आत्मा तुमसे बोलैगो।²¹"भैया भैयाके मरनके ताहि पकणए देहँए, और दौवा लौणा-लौणियाके, और लौणा-लौणिया अइया- दौवाके बिरुध्दमे उठंगे और बिनके मारन लगाएहँए। " ²²मिर नाउँके खातिर सबसे तुम घृणित हुइहौ पर जो अन्त तक स्थिर रयहए, बाको उध्दार हुइहए। ²³जब बे तुमके एक सहेरमे सताएहँए तव दुसरेमे भजिओ। काहेकी नेहत्य मए तुमसे कहतहौ, आदमीको पुत्र आनसे अगु तुम कोइ रीतिसे इस्राएलके सब सहेर घुम न पएहओ।²⁴"चेला अपन गुरुसे और कमैया अपन मालिकसे बणो न होत् हए। " ²⁵चेला अपन गुरु और अपन मालिक जैसो होनो बकताहिँ काफी हय। यदि बे घरके मालिक से भुत काहिँ तव बे बाके धारानेके और जद्धा बदनामी करझे।²⁶"जहेमारे बिनसे मत डराओ। काहेकी तोपके प्रघट न होनबारो और लुकाएके पत्ता होनबारो कोइ नैयाँ। " ²⁷जो मए अन्धकारमे कहत् हौ, बा तुम उजियारेमे कहिदेओ और जो तुम कानसे सुनतहौ, बा घरकी चुरीसे प्रचार करओ।²⁸बिनसे मतडरओ जो शरीरके मारत हँए, पर आत्माके न मारपात हँए। पर, आत्मा और शरीर दोनाएके नरकमे नाश करन् बारेसे डरओ। ²⁹का एक पैसामे दुई गरगौटा न बिकत हँए ? बे मैसे एक फिर तुमर पिताके इच्छाबिना भिमे न गिर हयँ। ³⁰तुमर मुणके बार फिर सब गिन्ती भए हँए। ³¹जहेमारे तुम मतडरओ, तुम बहुत गरगौटासे मुल्यवान हौ।³²"जहेमारे जौन आदमीके अगु मोके स्वीकार करेहए, मए फिर बोके स्वर्गमे होनबारो मिर पिताके अगु स्वीकार करेहँओ। " ³³पर जौन मोके आदमीके सामने इन्कार करेहए, मए फिर बाके स्वर्गमे होनबारो मिर पिताके सामने इन्कार करेहँओ।³⁴"मए पृथ्वीमे शान्ति लान अओ हौँ करके मतसमझौ। शान्ति लान न अओ हौँ, बल्कुन तरवार चलान मए अओ हँओ। " ³⁵काहेकी मए आदमीके बक दौवाके बिरुध्द, और लौणियानके बिनकी अइयाके बिरुध्द और बहुके बिनकी सासके बिरुध्द करन अओ हँओ। ³⁶आदमीनको दुस्मन बाको परिवार भितरको हुइ हँए।³⁷"जौन मोसे जद्धा अपन दौवा और अइयाके प्रेम करेहए, बा मेरो योग्यको नए हुइहए। जौन मोसे जद्धा अपन लौणा और लौणियाके प्रेम करेहए, बा मिर योग्यको नए हुइ हए। " ³⁸जौन अपन क्रुस उठाएके मिर पिछु नए लगेहए, बा मिर योग्यको न हुइहए। ³⁹जौन अपन प्राण बचाए हए, बा बाके खोबैगो, और जोअपन प्राण मिर ताहिँ खोबैगो बा जीवन पाबैगो।⁴⁰"तुमके ग्रहण करन् बारो मोके ग्रहण करत् हए, और मोके ग्रहण करन् बारो मोके पठान बारेके ग्रहण करत् हए। " ⁴¹अगमवक्ताके अगमवक्ताए मानके ग्रहण करन् बारो अगमवक्ताको इनाम पएहए। धर्मी जनके धर्मी जन मानके ग्रहण करन् बारो धर्मी जनको इनाम पएहए।⁴²जौन जे छोटे मैसे एकके मिर चेला मानके एक गिलास पानी पिन देहए, नेहत्य मए तुमसे कहत् हँओ, वो अपन इनाम कबहु न खोबैगो।"

Chapter 11

¹अपन बाह चेलनके आदेश दैके पिछु येशू हुवाँसे बिनके सहेरमे सिखान और सुसमाचार प्रचार करन गओ। ²यूहन्ना खीष्टक कामको चर्चा जेलमे सुनी, और अपन चेलनके बाके ठिन जा बात पुछन पठाई, ³"आनबारे त, तुमही हौ, कि हम और कोइकी प्रतिक्षा करयें?" ⁴येशू बिनसे कहि, "तुम सुने और देखीबात यूहन्नासे कहेदेओ, ⁵अन्धा देखत हएँ, और लँगणा नेगत हएँ। कोडी रोगबारे शुध्द होतहएँ। बहिरा सुनत हएँ। मरे जिन्दा हुइके उठेहएँ, और दरिद्रनके सुसमाचार प्रचार हुइरहो हए।" ⁶धन्य हए बा, जौनके मोसे बाधा न होतहए। ⁷और बे गाएके पिछु येशू यूहन्नाके बारेमे भिडसे कहन लागो, "तुम उजाड-स्थानमे का देखान निकरे रहौ ? का हलनबरो कटीलाके ?" ⁸तव तुम काहे निकरे ? का नरम कुर्ता लगान बारे आदमीके देखन ? नरम कुर्ता लगान बारे ता राजाके भवनमे बैठतहएँ। ⁹तुम काहे निकरे तव ? का अगमवक्ताके देखन ? हौँ, मए तुमसे कहत् हौँ, अगमवक्तासे फिर महान आदमीके। ¹⁰"बा बहे हय जौनके बारेके धर्मशास्त्रमे लिखो हए, "देखओ, मए अपन दुत तुमरे अगुअगु पठामङ्गो, जौन तुमरे अगु तुमर ताहीं डगर तयार करैगो।" ¹¹"नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौँ, बैयरसे जन्मो मैसे बत्तिस्मा-देनबारो यूहन्नासे महान और कोइ नैयाँ। ताहुँ फिर स्वर्गके राजमे जो सबसे छोटी हए, बा इनसे महान हए।" ¹²बत्तिस्मा-देनबारो यूहन्नाके समयसे हबए तक स्वर्गको राज जोडसे अगु बढरहो हए, और शाक्तिशाली आदमी जबरजस्तिसे जाके पावणत् हएँ। ¹³काहेकी यूहन्नाके समय तक सबय अगमवक्ता व्यवस्थासे अगमवाणी करिरहएँ। ¹⁴तुम ग्रहण करन् राजी हुइहौ तव, आन बारे एलिया जेही हएँ। ¹⁵जौनको सुनन कान हए, बा सुनए। ¹⁶"अब जा पुस्ताको तुलना मए कासे करौ ? जा ता बजारमे खेलन बारे छोटे-छोटे लौणा-लौणिया हानि हएँ, जौन अपन संगीनके बुलातहए और कहतहए, " ¹⁷"हम तुमरे ताहिँ बसुली बजाए, तव तुम न नाचे। हम बिलाप करे, और तुम न रोए।" ¹⁸काहेकी यूहन्ना खात और पित न आओ, और बे बोके भुत लागोहए कहिके कहत् हएँ। ¹⁹आदमीक पुत्र खात और पित अओ, और बे कहत् हए, "देखओ, घिचुवा, दारोहा, कर उठानबारे, और पापीनको संगी !" पर बुद्धि त ठीक हए तव बाके कामसे प्रमाणित हुइहए। ²⁰तव येशू जौन-जौन सहेरमे बहुत शाक्तिशाली काम करिरहए, बा बिनके डाँटन लागो, काहेकी बे पश्चाताप न करी रहयँ। ²¹"धिवकार तोके, ए खोराजीन ! धिवकार तोके, ए बेथसेदा ! काहेकी तुमरे मे करेभओ शाक्तिशाली काम दुरोस और सीदोनमे करेभओ होते बे पहिलीए से बोरा लगाएके और भुवा लगाएके पश्चाताप कर डरते।" ²²पर मए तुमसे कहत् हौँ, न्यायके दिनमे तुमसे जद्धा ता दुरोस और सीदोनको हालत तुमसे बहुत सहरानो हुइहए। ²³ए कफर्नहुम, का तए बादरसे उचोहुइहए का ? तय पातालमे गिरैइगो। काहेकी तिरमे करेभए शाक्तिशाली काम सदोममे करेहोते तव बे आजके दिन तक रही रहतो। ²⁴पर मए तुमसे कहत् हौ, न्यायके दिनमे तोसे ता सदोम मुलुकके सहाज हुइहए। ²⁵ब बेरा येशू कहि, "हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वीक प्रभु, मए तुमके धन्यवाद चणत् हौ, काहेकी तुम जा बात बुद्धीमान और समझदारसे गुप्तमे धरे, पर बालकके बे प्रगट करे।" ²⁶हे, पिता, काहेकी तुमके जहे अच्छो लगो। ²⁷"मिर पिता सब चिज मोके सौप दै हए। पिता बाहेक पुत्रके कोइ चिनत नाहए, और पुत्र बाहेक पिताके कोइ चिनत नाहए, और बे फिर चिनत हए जौनके पुत्र पिता प्रकट करन् इच्छा करत् हए।" ²⁸"हे सब थके भए और बोझसे दबे भए, मिर ठिन अओ, मए तुमके बिश्राम देहओ।" ²⁹मिर जुवा अपने उपर लेओ, और मोसे सिखओ, काहेकी मए नम्र और कोमल हृदयको हओ, और तुम अपन आत्मामे बिश्राम पाबैगे। ³⁰काहेकी मिर जुवा सहज हए, और मिर बोझ हलुको हए।"

Chapter 12

¹बा समय येशू शबाथमे* अन्नके खेत हुइके जात रहए। बाके चेला भुखाने रहएँ और अन्नके बाली तोरके खान लागे। ²पर जब फरिसी जा देखके बासे कहिं, देखओ, तुमरे चेला शबाथमे जो करन् उचित न हए, बहे करत् हएँ। ³तव बा बिनसे कहि, "दाउद, और उनके संग होनबारे भुखाने रहएँ तव बे करी रहएँ, का तुम पढे नैयाँ ? ⁴कैसे बे परमेश्वर भवनमे घुसके चढाओ भव रोटी खाई रहएँ, जौन बा और उनके संग रहनबारेनके खान त न रहय, पर बा पुजाहारीनके ताहीं इकल्लो उचित रहए। ⁵और का तुम व्यवस्था पढे नैयाँ, कैसे शबाथमे पुजारी मन्दिरमे शबाथके अपवित्र बनात हएँ, और फिर निर्दोष ठहिरत् हएँ ? ⁶पर मए तुमसे कहत् हओ, मन्दिरसे महान एक जनी हिँया हए। ⁷पर मए बलिदान नए, दया चाहत् हौ" जाको अर्थ का हए सो तुम जनते तव तुम निर्दोषके दोष न लगइते। ⁸काहेकी आदमीको पुत्र शबाथको प्रभु हए। ⁹हुँवासे निकरके बा बिनको सभाघरमे गओ। ¹⁰देखओ हुँवा पर एक हात सुखो भव आदमी रहए। बे येशूके दोष लगान ताहिँ बोसे पुछीं, "का शबाथमे कोइके अच्छो करनके ठीक हए ?" ¹¹येशू उनसे कहि, "तुम मैसे कोइको एक भेडा हए, और शबाथमे बो घुडामे घुसिगव तव, का तुम बोके पकणके बाहिर न निकारैगे ?" ¹²भेडासे आदमी कित्तो मुल्यवान हए ? जहेमारे शबाथमे भलो करन् ठीक हए।" ¹³तव येशू बा आदमीसे कहि, "तय अपनो हात बढा" बा हात पसारी, और बा हात दुसरो हातहानी अच्छो हुइगओ। ¹⁴पर फरिसी बाहिर जाएके बाके कैसे नाश करएँ करके बाके बिरुधमे सल्लाह करन् लागे। ¹⁵तव बा जा बात पता पाएके येशू हुँवासे गइभव, और बहुत जनी बाके पिछु लागे, और बा उनके सबनके अच्छो करी, ¹⁶और बा कौन हए सो कोइके न बतानके चेताउनी बिनके दै। ¹⁷यशैया अगमवक्तासे कहो बचन पुरा होनके ताहिँ जा भव रहए, ¹⁸"मिर दास जौनके मए चुनो हौ, मिर प्रिय जौनसंग मए प्रसन्न हौ, मए मेरो आत्मा बिनमे धरदेहओ, और बे जाति जातिनके न्यायको घोषणा करङ्गे।" ¹⁹बे न त झगडा करेहएँ, न त बहुत जोडसे चिल्लाय हएँ, न त कोइ उनको सोर गल्लीमे सुनेहए। ²⁰बे कोई फुटो बेत न तोरङ्गे, न्यायके बिजयमे नपुगान तक बा कोई फिर धिपधिप होत दियाके बे न बुतामंगे, ²¹और बहेक नाउँमे जाति-जातिके विश्वास करङ्गे।" ²²तव बाके ठिन भुत लागो एक अन्धा और गुँगा आदमीके लाई। येशू बाके अच्छो करी, यहाँ तक, गुँगो आदमी बोलन और देखन लागे। ²³और सब भिड देखके अचम्भो मानके कहिं, "का जा दाउद पुत्र हुइ सकत हए ?" ²⁴तव जा सुनके फरिसी कहिं, "जा आदमी भुतको मालिक बालजिबुलसे भुत भजात हए।" ²⁵तव बो बिनको बिचार पता पाएके बिनसे कहि, "आपसमे फुट भव हरेक राज्य उजाड हुइ जय हए, और अपनय मे बटो भओ हरेक सहेर औ परिवार न टिक पएहए। ²⁶अगर शैतान शैतानके निकरेहए तव, बा अपनाए बिध्दमे विभाजन हुइ जाएहए, तव अइसी बक राज्य कैसे टिकैगो ?" ²⁷अगर मए भुत के मालिकसे भुत भजात् हौं कहेसे तुमरे लौणा कासे बे निकारत हएँ त ? जहेमारे बे तुमर न्यायकर्ता हुइहयँ। ²⁸अगर मए परमेश्वरको आत्मासे भुत भजात् हौं तव परमेश्वर राज तुमैमे आइगव हय। ²⁹"पहिले बलि आदमीके न बाँधके बक घर भितरको धन सम्पति कैसे लैजए पएँहएँ ? बा बलि आदमीके बाँधके बक घर लुट पएँहएँ।" ³⁰"जौन मिर संग नैयाँ, बा मिर बिरुधमे हए, और जौन मिरसंग बटोरत नैयाँ, बा बिगदाबैगो।" ³¹बहेमारे मए तुमसे कहत् हौं आदमीनके करो पाप और ईश्वरको-निन्दा क्षमा हुइहए, पर पवित्र आत्माके बिरुधमे करो निन्दा क्षमा ना हुइहए। ³²और कोइ परमेश्वरको पुत्रके बिरुधमे कुछ कहि तव बो क्षमा हुइहए, पर कोइ पवित्र आत्माके बिरुधमे बोलैगो तव बोके ना जा युगमे और आनबारी युगमे फिर क्षमा ना हुइहए। ³³"कि रुखाके अच्छो बनाओ, और बाको फरा अच्छो हुइहए। कि रुखाके खराब बनाओ और बाको फरा फिर खराब हुइहए। काहेकी फरासे रुखा चिनत हएँ।" ³⁴"ए साँपके बच्चाओ ! तुम अपनए दुष्ट हौ, अच्छी बात कैसे बोल पैहौ ? काहेकी हृदयमे जो भरी बात बहिँ मुँहुसे निकरत हए।" ³⁵अच्छो आदमी अपन भितर भरी अच्छो चिजसे अच्छो चिज निकरत् हए, दुष्ट आदमी अपन हृदयमे रहो भौ दुष्ट बातसे दुष्टए बात बाहिर निकरत् हए। ³⁶औ मए तुमसे कहत् हौं, सबए व्यर्थकी बात जो आदमी बोलतहएँ, न्यायके दिनमे बिनको बो लेखा देन पणैगो।" ³⁷काहेकी तुमर वचनसे तुमर न्याय हुइ हए, औ तुमरी बचनसे तुम दोषी ठहीरैगे।" ³⁸तव शास्त्री और फरिसी मैसे कोइ-कोइ बोसे कहिं, "गुरुज्यु, हम तुमसे एक चिन्ह देखन चाहतहएँ।" ³⁹बो बिनके जबाफ दै, "दुष्ट और व्यभिचारी पुस्ता चिन्ह दुणत् हए। पर जा पुस्ताके योना अगमवक्ताक चिन्ह बाहेक और कोइ चिन्ह ना देहए।" ⁴⁰काहेकी जैसी योना बहुत बणी मछ्रीके पेट भितर तीन दिन और तीन रात रहो, उइसी ना आदमीको पुत्र फिर पृथ्वीके गर्भमे तीन दिन और तीन रात रहएहए।" ⁴¹निनबेके आदमी न्यायके दिनमे जा पुस्ता संग ठाडहएँ, और जाके दोषी ठहेरयहएँ, काहेकी बे योनाके प्रचार सुनके बे परमेश्वर करीरहएँ, पर देखओ, योनासे महान कोइ हियाँ हए।" ⁴²दक्खिनकी महारानी न्यायके दिनमे जा पुस्ताके संग ठाडैगी, काहेकी बे पृथ्वीके छोरसे सोलोमनकी बुद्धीक बात सुनन् आई पर देखौ, सोलोमनसे महान कोई हियाँ हए।" ⁴³जब कोइ दुष्ट आत्मा आदमीसे निकरके जात् हए, बा विश्राम दुणत् सुखो ठाउँ घेन घुमत् हए, पर कहु ना पात हए। ⁴⁴तव बा कहतहए, 'जहाँसे मए निकरके अओ हौं, हुवाँए अपन घरमे मए घुमके जएहौं।' घुमके आतपेति बा घर खालि, सफा करो, और सजो पात् हए। ⁴⁵तव बा जात् हए और अपनसे जद्धा दुष्ट और सात भुतात्मा ल्यातहए, और भितर घुसके बे हुवाँ बैठतहए, और बा आदमीको पिछुको दशा अगुसे और खराब होतहए। जा दुष्ट पुस्ताके फिर अईसी हुइहए।" ⁴⁶जब येशू भिडसंग बोलत रहए बहेबेरा बक अइया और भैया बाहिर ठाणे रहए, और बोसे बात करन् चाहत रहए। ⁴⁷"तव एक जने येशूसे कहि, "देखओ, तुमरी अइया और तुमर भैया बाहिर ठाणे हए, तुमसे बात करन् चाहतहएँ।" ⁴⁸पर बासे बोलन बारेसे येशू कहि, "मिर अइया कौन हए ? मिर भैया कौन हए ?" ⁴⁹और बा अपन हातसे चलनके दिखत कहि, "देखओ मिर अइया और मिर भैया जेहीं हएँ।" ⁵⁰काहेकी जौन स्वर्गमे होनबारी मिर पिताको इच्छा पालन करत् हए, बेहि मिर भैया, और मिर बहिनिया, और मिर अइया हएँ।"

Chapter 13

¹बहे दिन येशू घरसे निकरके समुन्द्रके किनारे बैठो। ²और बहुत भारी भिड बाके ठिन इक्कठा भव, कि बा नैयाँमे बैठो, और सब आदमी ढाहो किनारे ठाडे रहे। ³तव येशू काहनीयमे बिनसे बहुत बात कहि । बा अइसे कहि, “ देखाओ एक जनी बिज बोन बारो बिज बोन निकरो। ⁴और बोट पेति कोइ बिज डगर घेन पणे, और चिरैचुरंगी आपके बे खाए डरौं। ⁵कोइ बिज पत्थर बारी जमिनमे पणे, जहाँ बहुत मट्टी नाए रहए, और गहीरो मट्टी नाए हुइके बे हल्दी जमे। ⁶तव घामु लागो बे अईलियाय गए, और जर न हुईके बे सुखिगए। ⁷और त काँटोके बीचमे पणे, तव काँटो बढे और बिनके दबएदैं। ⁸और बिज अच्छी जमिनमे पणे, और कोइ सौव गुण, साठ गुण, कोइ तीस गुण फरा दैं। ⁹जौनक कान हए, बा सुनए।” ¹⁰और चेला आपके बासे कहिँ, “तुम बिनसे काहे कहानीमे बोलतू हो ?” ¹¹येशू बिनसे जबाफ दैके कहि, तुमके ता स्वर्ग-राजको रहस्यको ज्ञान दओ गव हए, पर बिनके ना दै हए। ¹²काहेकी जौन के संग हए, बिनके और दओ जए हए, और बाकेसंग बहुत हुइहए। पर जौनसंग नैयाँ, बाकेसंग भव फिर बासे छिनजए हए। ¹³जहेमारे मए बिनसे कहानीमे बोलतू हौं: काहेकी बे देखन त देखतू हँए, पर देख ना पातहँए, सुनन् ता सुन्तहँए, तव सुनके समझ ना पातहँए। ¹⁴बिनके ताँहि यशैया अगमवक्ताको अगमवाणी बिनमे पुरा हुइ हए: ‘सुनन् त बे सुन्तहए, पर कबहू समझत नैयाँ, देखन त देखतहए, पर कबहू देख न पातहँए।’ ¹⁵काहेकी जे आदमीके हृदय कमजोर हुइगव हए, और बिनके कान बहिरा हुइगए हँए, और बे अपनी आँखी बन्द करेहँए, नत बे दिखते, और कानसे सुनते, हृदयसे समझते, और घुमते, और बे अच्छे हुइते।” ¹⁶पर तुमरी आँखी धन्य हँए, काहेकी बे देखतहँए। तुमरे कान धन्य हए, काहेकी बे सुन्तहँए। ¹⁷नेहय, मए तुमसे कहतू हौं, तुम देखिबात बहुत अगमवक्ता और धर्मी जनी देखन उत्कट इच्छा करतू रहँए, पर देखना पँई, और बे सुनि बात सुनन् उत्कट इच्छा करतू रहँए, पर सुन ना पँई। ¹⁸“बिज बोनकी कहानी सुनओ।” ¹⁹जब कोइ राज्यको बचन सुन्तहए, और सो समझत नैयाँ, तव दुष्ट अतहए और बक हृदयमे जो बुओ रहए सो छिनके लैजातहए। डगर घेन बुए बीज त बेहि हँए। ²⁰पत्थरबारी जमिनमे बुए ता बेहि हँए, जौन बचन सुनके तुरन्त खुशीसे हल्दी बा स्वीकार करलेत हँए। ²¹पर बाको अपन जर नाहुइके बा थोरी देर तक टिकतू हए, और बचनके करण कष्ट और सतावट हुइके तुरन्त बा पिछु हटजतहए। ²²काँटोमे बुए भए ता बेहि हँए, जौन बचन सुन्त हँए, पर जा संसारको चिन्ता और धन-सम्पतिको कपट वचनके दाबय देतहए, और बा फरा ना देत हए। ²³पर अच्छी जमिनमे बुए ता बेहि हँए, जौन वचन सुन्त हँए, और समझत हँए, और सितमओके फरा फरातू हँए। बे बुए भए बीजसे सौव गुणा, साठ गुणा, और तीस गुणा, फरा फरातू हँए।” ²⁴येशू फिर बिनके दुसरा कहानी सुनाई: “स्वर्गक राज एक आदमी जैसो हए, जौन अपन खेतमे अच्छो बीज बोइ। ²⁵तव बा आदमी सोत बेरा बाको शत्रु अओ, और गेहुँके बीच-बीचमे उवाजव बोएके गैभव। ²⁶जब पेण निकरो तव बामे दाना लागे, तव उवाजव फिर दिखानो।” ²⁷बा जगहाकी मालिकसे कमैया आपके बासे कहिँ, ‘मालिक, का तुम अपन खेतमे अच्छी बीज ना बोए रहओ का ? हुवाँ उवाजव कहाँसे अईगव ?’ ” ²⁸“घरको मालिक बिनसे कहि, ‘कोइ दुश्मन अइसो करी हुइहए।’ कमैया बासे कहिँ, ‘का हम जाएके छाटएँ ?’ ²⁹” तव बा जमिनको मालिक कहि, ‘अइसे मत करओ, नत तुम उवाजव नोचत पेति गेहुँसमेत नोचैगे।’ ” ³⁰“फसलके समयतक दोनएके संगएसंग बढन देओ। फसलके समयमे मए काटन बारनसे कएहौं, ‘पहिले उवाजव नोचओ जलानके ताहीं पुरा बाँधौ, और गेहुँ ता मिर बक्खारीमे धरओ।’” ³¹जाके पिछु येशू बिनसे दुसरी कहानी कहि, “स्वर्गको राज भादीक दाना जैसो हए, जो एक आदमी लैजाएके अपन बारीमे लगाई। ³²बा सब बीजमे सबसे छोटो हए, पर जब बढत हए, तव बा सब सागसे बणो होतहए । बा एक रुखा हुइजातहए। आकाशके चिरैचुरगूनी आपके बाके हाँगामे ठाँठ बनातू हँए।” ³³येशू बिनके दुसरी कहानी कहि, “स्वर्गको राज सोडा जैसो हए, जो एक बैयर पच्चीस किलोग्राम चुनमे मिलाइ, और बा जम्मा सोडासे फुलके ठीक ना होन तक बाके एक ठाउँमे थरेरही।” ³⁴येशू जा सब बात आदमीनके कहानीमे कहि। बिना कहानीसे बिनके कुछ फिर ना कहि। ³⁵अगमवक्तासे आइसे कहो भव बचन पुरा भव: “मए अपनो मुहूँ कहानीमे खुलेहौं, संसारक उत्पत्तिसे लुकीधरी बात मए जाहेर करंगो।” ³⁶जब येशू भीडके छोडके घरमे गव, और बाके चेला बाके ठिन आपके कहिँ, “खेतके उवाजवके बारेमे हमके काहनीमे बतए देओ।” ³⁷येशू बिनसे कहि, “ जौन बारीमे अच्छी बीज बोन बारो आदमीको पुत्र हए।” ³⁸बारी ता संसार हए; औ अच्छो बीज राज्यको सन्तान हए। और उवाजव ता दुष्टके लौणा हँए। ³⁹उवाजव लगान बारो शत्रु त दियाबलस हए। फसलको समय ता युगको अन्त हए। खितहारा स्वर्गदुत हँए।” ⁴⁰जैसी उवाजव नोचके आगीमे भस्म करतू हए, युगके अन्तमे फिर उइसी हुइहए, ” ⁴¹आदमीको पुत्र अपन दुत पठाबैगे, और पाप करन् लगान बारन प्रत्येक चिज और दुष्ट काम करन् बारेक सबके बे बाको राजसे बटोरंगे, ⁴²और बे आगीकी भट्टीमे फेंकदेहए। हुवाँ आदमी रोमंगे और दाँत किटकिटंगे। ⁴³तव धर्मी जन अपन पिताके राजमे दिनकत्ता चहाकिले हुइहँए। जौनक कान हए, बा सुनए। ⁴⁴“स्वर्गको राज कोइ जमिनमे लुकाव भौ धन जैसो हए। जो एक आदमी पाएके लुकाए रहातहए, और आनन्दित हुइके बा जातू हए और अपने ठिन भव सब बेचतहए और बा खेत किन्तू हए।” ⁴⁵“फिर स्वर्गको राज अच्छो मोती ढुणन बारो एक जनी व्यापारी जैसो हए।” ⁴⁶बा एक बहुमुल्य मोती पाएके अपनसंग भव सब बेचके बा मोतो किनी।” ⁴⁷“स्वर्गको राज समुन्द्रमे एक जार जैसो फिर हए, जोमे हरेक किसिमके मछ्ठी पणतू हँए।” ⁴⁸और जार भरजात हए तव माछेरहा बाके किनारे तानके निकारतू हँए, और बैठके अच्छेनके लौकामे जम्मा करतू हँए और खराबनके बाहिर फेकदेतहँए।” ⁴⁹फिर युगके अन्तमे अइसीया हुइहए, स्वर्गदुत आपके दुष्टनके धर्मीनके बीचसे अलग करेहँए। ⁵⁰और उनके आगीकी भट्टीमे फेकदेहँए। हुवाँ आदमी रोइहँए और दाँत किटकिटएहँए।” ⁵¹, “का तुम सब बात समझतू हो ?” चेला बाके जवाफ दैके कहिँ, “समझत हँए।” ⁵²और बा बिनसे कहि, “जहेमारे स्वर्गको राज्यको शिक्षा पाव भव हरेक शास्त्री एक घरको मालिक जैसो हए, जौन अपन बक्खारीसे नयाँ और पुरानो मुल्यवान सामान बाहिर निकारतू हँए।” ⁵³जा कहानी बताएके पिछु येशू हुवाँसे गैभव। ⁵⁴तव येशू अपन सहेरमे अइगव बा उनके सभाघरमे बिनके अइसो शिक्षा दै, कि छक्क पणके बे कहिँ, “इनके जा बुद्धी और अचम्मो काम करन् शक्ति कहाँ से पाई हँए ?” ⁵⁵का बा मिस्तरिक लौणा का नैयाँ ? का इनकी अइयाको नाउँ मरियम, और यिनको भैया याकुब, योसेफ, सिमोन और यहूदा का नैयाँ ? ⁵⁶जक बहिनीया सब हमर संगसंगए नैयाँ का ? तव जा जे सब बात कहाँसे पात हए ?” ⁵⁷और बे बासे चिरक पणे, “ पर येशू बिनसे कहि अगमवक्ता को आदर ना होनबारो ठाउँ काहोको अपनी परिवार और अपनी देशमे ईकल्लो हए । ” ⁵⁸और बिनको अविश्वासके कारन बा हुवाँ शक्तिके बहुत काम ना करी।

Chapter 14

¹बा बेरा गालील प्रदेशक शासक हेरोद येशूको चर्चा सुनी। ²बा अपन कर्मचारिनसे कहि, “बा बप्तिस्मा-देनबारो यूहन्ना हए। बा मरके जिन्दा भव हए। जहेमारे शाक्तिमे जा काम उनसे हुइरहो हए।” ³काहेकी हेरोद अपन भैया, फिलिपकी बैयर हेरोदियासके कारण यूहन्नाके पकडके बाँधके कारागारमे डारद रहए। ⁴यूहन्ना हेरोदसे अइसे करके कहिरहए, “तुमए बिनके बैयरके रुपमे धरन उचित नैयाँ।” ⁵जहेमारे हेरोद उनके मारनके इच्छा करीरहए, पर जनतासे बा डरात् रहए, काहेकी बे उनके अगमवक्ता बतात् रहए। ⁶तव जब हेरोदको जन्म दिन अओ, तव हेरोदियासकी लौणीया बिनके बीचमे नाचके हेरोदके खुशी करीरहए। ⁷बहेमारे बिनसे कहि तए जो माँगो बहे देन कसम खाएके प्रतिज्ञा करीरहए। ⁸पर बाकी अइया सिखाई रहए, ऊइसी कहि, “बप्तिस्मा-देनबारो यूहन्नाको मुण मोके जहे थारियामे देओ।” ⁹तव राजा शोकीत् भव ताहुँ फिर अपन कसम और पहुँननके कारण हुवाँ हुकुम दै, ¹⁰और बा कारागारमे यूहन्नाको मुण कटान लगाई। ¹¹और उनको मुण थरियामे ल्याएके बा लौणियाके दै। तव बा अपन अइयाके ठिन ल्याई। ¹²तव पिछु यूहन्नाके चेला आएके उनको मरी शरीर लैजाएके गाणी। और बे जाएके येशूके खबर दें। ¹³जब येशू जा बात सुनी बा नैयाँमे चढ़के हुवाँसे अलग एकान्त ठाउँमे गव। जा सुनके पिछु भीड सहेरसे पैदर बाके पिछु गए। ¹⁴किनारे पुगे तव भारी भीड देखके बा बिनके दया करी, और बा बिमारीनके अच्छो करी। ¹⁵सन्झा हुइगव तव चेला अइसे कहत बाके ठिन आए, “जा निर्जल ठाउँ हए, और दिन ढरकगव। भीडके बिदा देओ, और जे गाउँ-गाउँमे जाएके अपन तही खानबारी चिज किनए।” ¹⁶तव येशू बिनसे कहि, “बिनके जानके जरुरी नैयाँ। तुम बिनके खानके देओ।” ¹⁷बे बासे कहिँ, “हियाँ हमरसंग पाँच रोटी और दुई मछ्ठी इकल्लो हए।” ¹⁸तव येशू बिनसे कहि, “बे मिर ठिन ल्याओ।” ¹⁹येशू भीडके चौरमे बैठनके आज्ञा दै, और बे पाँच रोटी और दुई मछ्ठी लैके स्वर्ग घेन देखके परमेश्वरके धन्यवाद दै, और रोटी तोरके चेलनके दै, और चेला आदमीनके दर्ई। ²⁰बे सब खाएके अघाइ गए, और उब्रे खुद्रा बे बाह डालैया भरके उठाई। ²¹बैयर और लौणा लौणिया बाहेक लागभाग: पाँच हजार लोग रहए। ²²बा भीडके बिदा देतपेति चेला नैयाँमे चढके बासे पहिले बोपार जान लागे। ²³भीडके बिदा करके पिछु बा इकल्लो प्रार्थना करन् डाँगामे चढो। सन्झा हुइगव बा इकल्लो हुवाँ रहए। ²⁴तव नैयाँ हुवाँसे बा समय किनारेसे समुन्द्रसे बहुत दुर पुगीगै रहए। और हबा उल्टा चलत रहए बहेमारे नैयाँ लणुराके चपेटमे पणिरहए। ²⁵सुबेरे तीन बजेघेन बा समुन्द्रके उपर नेगत बिनके ठिन अओ। ²⁶जब चेला बाके समुन्द्रके उपर नेगत देखिँ, तव डराएके बे कहिँ, “जा त भुत हए !” और बे जोणसे चिल्लाने। ²⁷तव येशू झट बिनसे अइसे कहि, “साहस करओ, मए हौँ, मतडराबौ।” ²⁸पत्रुस बा के जवाफ दै औ कहिँ, “प्रभु तुमहिँ हौ, कहेसे मोके पानीमे आनके आज्ञा देबाओ।” ²⁹येशू कहि, “आएजा” पत्रुस नैयाँसे उत्रो येशूके ठिन जानके ताहिँ पानी उपर नेगन लागो। ³⁰तव आँधी जोणसे चली देखके बा डराएगओ, और जब डुबनलागो तव बा चिल्लाएके कहि, “हे प्रभु, मोके बचाएले।” ³¹तव येशू झट हात पसारके बिनके पकणलै, और उनसे कहि, “ए अल्पबिश्वासी काहे संखा करो ?” ³²जब येशू औ पत्रुस नैयाँमे गए तव आँधी थमिगै। ³³नैयाँमे होनबारे बाके दण्डवत् करीँ, और कहिँ, “नेहत्य तुम परमेश्वरके पुत्र हौ।” ³⁴बापार पुगके पिछु बा गनेसरेतको इलाकामे आएपुगो। ³⁵जब बा ठाउँके आदमी बाके चिनी तव बिनके इलाकामे खबर पठाई, और आदमी रोगीनके सब बाके ठिन ल्याई। ³⁶बे बाको कुर्ताको कुन्छ इकल्लो छुन पमाएँ करके बासे बिन्ती करीँ, और जित्तो छुई बे अच्छे भए।

Chapter 15

¹यरुशलेमसे आए भए फरिसी और शास्त्री येशू ठिन आए, और कहिँ, ²"तुमरे चेला पुर्खानको परम्परा काहे भङ्ग करतहँए ? काहेकी बे खानसे अग्गु अपन हात ना धोत हँए।" " ³बा बिनसे कहि, "तुम फिर काहे पराम्पराके खातिर परमेश्वरको आज्ञा भङ्ग करत हो ?" काहेकी परमेश्वर कहि हए, 'अपन दौवा और अइयाके आदर करओ, और दौवा और अइयाके बिरुद्धमे दुष्ट बात बोलैगो, बा पक्कए मरैगो ।' ⁴तव तुम कहत हो, जौन अपन दौवा और अइयाके जो जितनो सहयोग , 'तुम मोसे पाएरहौ , बा त परमेश्वरके ताँहि उपहार हए कहिके कहात हँए कहेसे ' बा आदमी अपन दौवाकी आदर ना करन पणैगो। ⁵अइसी तुम अपन परम्पराके ताँहि परमेश्वरको बचनके बिना कामको बनाए हो । ⁶ढोगीओ, यशैया तुमरे बारेमे ठीक अगमवाणी बोलिहए, ⁷"जा जाति मोके ओठसे इक्ल्लो आदर करत हए, पर बिनको हृदय मोसे दुर हए, ⁸बे व्यर्थमे मिर आराधना करत हँए, काहेकि बे अपन सिद्धान्तनके आदमीनके आज्ञा करी अनुसार सिखात हँए ।" ⁹बा आदमीनके अपने ठिन बुलाई और बिनसे कहि, "सुनओ और समझओ। ¹⁰जो मुहुँसे भितर कुचत हए, बा आदमीके अशुध ना करत हए। पर जो मुहुँसे बाहिर निकरत हए, बा आदमीके अशुध करत हए।" ¹¹तव पिछु आपके चेला बासे कहिँ, "का तुमके पता हए, फरिसी तुमरी बात सुनके दिक्काने हँए ?" ¹²तव बा कहि, "स्वर्गमे होनबारी मिर पिता ना लगओ हरेक पेण नोचैगो। ¹³बिनके छोडदेओ, बे अन्धा अगुवा हँएँ। अन्धा अन्धाके डुर्यबैगो तव, बे दोनए गड्डामे गिरेहँए।" ¹⁴पन्नुस उत्तर दै औ येशूसे कहि, "हमके जा कहानीको अर्थ बताए देओ।" ¹⁵बा कहि, "का तुम फिर हबए अबुझ हो ?" ¹⁶का तुमके पता नैयँ, जो मुहुँसे भितर घुसत हए बा पेटमे चलोजात हए, और बाहिर निकर जातहए ?" ¹⁷पर जो बात मुहुँसे बाहिर अतहए, बे हृदयसे निकरत हए, और बेहि आदमीनके अशुध करत हँए। ¹⁸काहेकी हृदयसे खराब विचार, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, झुठो गवाही, और निन्दा बाहिर निकरत हए। ¹⁹जे बात त आदमीनके अशुध करत हए। पर हात ना धोएके खानेसे बाके अशुध ना करत हए।" ²⁰तव येशू हुवाँसे निकरगौ, और टुरोस और सीदोनके इलाका घेन गव। ²¹बा इलाकासे एक बैयर आपके चिल्लात कहान लागी, 'हे प्रभु, दाउदको पुत्र, मिर उपर दया कर। मिर लौणियाके बहुत भुत सताए हए।" ²²येशू बाके कुछ जबाफ नादै। बाके चेला आपके बासे बिन्ती करीँ, "जाके बिदा करदे, काहेकी बा चिल्लात हमर पिछु लागिहए।" ²³बा कही, "मए इस्राएल जातिके हराने भेडाके ताहिँ इक्ल्लो पठाओ भव हँ।" ²⁴तव बा बैयर आपके बाके अग्गु घुप्टा पणके और कहि, "हे प्रभु, मोके सहायता करओ।" ²⁵बा कहि, "बच्चाकी रोटी लैके कुत्ताके अग्गु फेकदेनो ठीक नैयँ।" ²⁶बा बैयर कहि, "हे प्रभु, तव कुत्ता फिर ता अपन मालिकके टेबुलसे झरे डुठो खतहँए।" ²⁷तव येशू बासे कहि, "ए नारी, तेरो बिश्वास बणो हए। तिर इच्छा करो अनुसार तिरताहिँ होबए।" और बाकि लौणिया बहे बेरा अच्छी हुइगै। ²⁸येशू हुवाँसे निकरके गालील समुन्द्रके किनारे हुइके गव, ²⁹तव बहुत भारी-भारी भीड बाके ठिन आई, और बिनके संगमे लंगडा, लुला, अन्धरा, गुँगा और बहुतनके बाके चरणमे ल्याइँ, और बा बिनके सबके अच्छो करी, ³⁰हियाँ तक्की, गुँगा बोलिँ, लुला अच्छे भए, लंगडा नेगी, और अन्धनकी आँखी खुली देखके आदमी अचम्भो मानी, और बे इस्राएलको परमेश्वरको महिमा करीँ। ³¹तव येशू अपन चलनके अपने घेन बुलाएके कहि, "मए जा भीडके देखके डहा लागत हए, काहेकी जे मिरसंग रहे आज तीन दिन हुइगव, और यिनके संग खानबारी चिज कुछ नैयँ। जिनके भुखो पठान मए ना चाहत हँ। नत जे डगरमे अएपन् हुइजएहँए।" ³²चेला बासे कहिँ, "यित्तो भारी भीडके जा निर्जल ठाउँमे खानु खबान हम कहँसे यित्तो रोटी पैहँ ?" ³³येशू बिनसे कहि, "तुमरे ठिन कए रोटी हँए ?" बे कहिँ, "सात रोटी और कुछ छोटी-छोटी मछ्री हँए ।" ³⁴बा भीडके भुइँमे बैठनके आज्ञा दै। ³⁵बा बे सात रोटी और मछ्री लैके धन्यवाद चढाएके तोरी और चलनके दै। और चेला आदमीनके दै। ³⁶बे सब खाई और अघाए गए। और उबरे खुद्रा बे सात डलैया उठाई। ³⁷बा बैयर और लौणा लौणिया बाहेक खानबारे चार हजार लोग रहँए। ³⁸तव भीडके बिदा करके पिछु बा नैयँमे चढो, और मगादानको इलाका घेन गओ।

Chapter 16

¹फरिसी और सदुकी आए, और बाको जाँच करन् स्वर्गके एक चिन्ह दिखाएदे करके बासे माग धरौं । ²तव बा बिनसे जबाफ दै, “सन्झा होतहए तुम कहत् हौ, 'कल दिन अच्छो होनबारो हए, काहेकी बादर लाल हए।’”³और सुबेरे कहत् हौ, 'बादर लाल और तोपे हए, आज आँधी आनबारी हए।’” तुम बादरको अवस्था देखके दिन कैसो हुइहए अर्थ लगान जानत् हौ, तव समयको चिन्हको अर्थ खोलन ना जानत् हौ,। ⁴दुष्ट और व्यभिचारी पुस्ता चिनह मागत् हए, पर योनाको चिन्ह बाहेक और चिन्ह बिनके ना दओ जाबएगो” और बिनके छोडके बा दुर चलो गओ ।⁵चेला बापाए जाएके बे अपने संग रोटी लान भुलगए । ⁶येशू बिनसे कहि, “ध्यान देबओ, “फरिसी और सदुकीको खमीर से होसियार रहिओ ।” ⁷चेला एक दुसरेसे बात करतय अइसो काहान लागे, “हम रोटी ना लानके कारन बा अइसो कहत हए ।” ⁸येशू जा बात पता पाएके कहि, “ए अविश्वासीओ ! तुमरे संग रोटी ना हए काहेके आपसमे बहस काहे करत् हओ ?”⁹का तुम ह्बाए ना समझे हओ? पाँच हजारके तहीं पाँच रोटीकी बात तुमके ह्बाए याद ना हए ? तुम कित्नी डलैया बटोरे रहओ ? ¹⁰और चार हजारके तहीं सात रोटी रहए तव कित्ती डलैया तुम बटोरे रहओ ?”¹¹मए तुमके रोटीके बारेमे कहो नैयाँ करके तुम काहे ना सम्झत हओ ?” ध्यान देओ फरिसी और सदुकीनके खमिरसे होसियार रहिओ ।” ¹²तव बे सम्झी, कि बे रोटीको खमिरसे नए पर फरिसी और सदुकीको शिक्षासे होसियार रहान् कहिहए ।¹³येशू कैसरिया फिलिप्पीके मुलुकमे अओ, बा अपन चेलनसे पुछी, “आदमी आदमीक पुत्रसे कौन हए करके कहत् हए ?” ¹⁴बे जबाफ दै, “कोइ बप्तिस्मा-देनबारो यूहन्ना, कोइ एलिया, और कोइ यर्मिया अथबा और कोइ अगमवक्ता मैसे कोइ एक हए कहिके कहत हए ।” ¹⁵बा बिनसे पुछी, “तुम मोसे का कहत् हौ मए कौन हौ ?” ¹⁶सिमोन पत्रुस जबाफ दै, तुम ख्रीष्ट हओ, जीवित परमेश्वरके पुत्र ।”¹⁷येशू बिनसे कहि, “योनाको लौड़ा सिमोन, तुम धन्य हओ । कहेकी आदमीसे तुमके जा प्रघट नए भव हए, पर स्वर्गमे होनबारो मिर पितासे प्रघट भव हए ।”¹⁸मए तुमसे कहत् हौ, कि तुम पत्रुस हओ । मए मिर मण्डली जा चट्टान उपर स्थापित करेहओ, और नरकके फट्क बा उपर बिजय ना हुइहए ।”¹⁹मए तुमके स्वर्गको राजको चाभी देमँगो । जो तुम पृथ्वीमे बाँधैगे, सो स्वर्गमे बाँधजएगो, और जो तुम पृथ्वीमे खोलैगे, सो स्वर्गमे खुलजए हए ।”²⁰बा ख्रीष्ट हए करके कोइके मत कहिओ करके येशू चेलनके आज्ञा दै ।²¹बा कैसे यरुशलेममे जान पणैगो, और धर्म-गुरु और मुखिया पुजारी और शास्त्रीसे बहुत कष्ट भोगन पणैगो, मरन् पणैगो और तीन दिनमे जिन्दा होबैगो करके बा समयसे अपन चेलनके बतान लागो । ²²पत्रुस बाके एक घन लैजाएके ह्पकान लागो, “परमेश्वर अइसे ना करए, प्रभु, तुमर उपर अइसो कबहु नए हुइहए ।” ²³तव घुमके बा पत्रुससे कहि, “ए शैतान, मिर समनेसे हटीजा तए मिर तही बाधा होतहए, काहेकि तए परमेश्वरकि बातमे ध्यान ना देत हए पर आदमीक बातमे ध्यान देत् हए ।”²⁴तव येशू अपन चेलनसे कहि, “कोइ मिर पिछु आनके इच्छा करत् हए तव, बा अपने के इन्कार करए और अपन क्रुस उठाएके मिर पिछु लागए ।”²⁵काहेकी जौन अपन प्राण बचान चाहत हए, बा बाके गुमाबैगो, और जौन अपन प्राण मिर तही गुमाबैगो, बा बाके पाबैगो । ²⁶काहेकी सारा जगत् प्राप्त करके फिर अपन प्राण गुमाबैगो तव, आदमीके का फाईदा हुइहए ? अथबा आदमी अपन प्राणके सट्टामे का दएपए हए ?”²⁷कहेकी आदमीक पुत्र अपन पिताके महिमामे अपन स्वर्गदुतसंग अएहए, और बा बेरा बा हरेक आदमीनके बाके काम अनुसार प्रतिफल देबैगो । ²⁸नेहत्व, मए तुमसे कहत् हओ, हियाँ ठाडे भए मैसे कित्ती आदमी पुत्रके अपन राजमे आत नादेखनतक मृत्यु ना चाखँगे ।”

Chapter 17

¹जाको छय दिन पिछु येशू पत्रुस, याकुब और बिनको भैया यूहन्नाके अपने संग एक उचे पहाड उपर अलग लै गओं। ²बिनके अग्गु बाको रुप बदलिगव। बाको चेहेरा दिन हानी चम्किलो भव, और बाको कुरता ज्योति कता उजियारो भव। ³देखओ मोशा और एलिया बाके संग बातचित करत् दिखाने। ⁴पत्रुस येशूसे कहि, “हे प्रभु, हम हियाँ रहन अच्छो हए। तुमर इच्छा हुइहए तव हियाँ तीन वासस्थान बनामंगे, एक तुमरे ताहीं, एक मोशाके ताहीं और एक एलियाके ताहीं।” ⁵बा मस्कतपेति, चम्किलो बादर बिनके तोपदै, और बादरसे एक आवाज आओ, “जा मिर प्रिय पुत्र हए, जासे मए बहुत खुशी हौ, जिन्की बात सुनौ।” ⁶जब चेला जा सुनी, तव बे बहुत डराएके घुटा पणिगए। ⁷तव येशू आएके बिनके छुएके कहि, “उठओ, मतडराओ।” ⁸जब बे अपनी आँखी उठाएके, येशू बाहेक बे और कोइके न देखि। ⁹जब बा पहाडसे उतरत् रहए, येशू बिनसे कहि, जब तक आदमीको पुत्र मरके जिन्दा हुइके न उठेहए, तव तक जा दर्शनकी बात कोइके मतबतैओ।”

¹⁰और चेला बासे अइसे करके पुछी, “तव काहे शास्त्री पहिले एलिया आन पडैगो करके कहत् हएँ?” ¹¹येशू बिनसे कहि, “एलिया नेहत्य आबैगो, और सब बातके फिर सच्याए हए।” ¹²पर मए तुमसे कहत् हौं, ‘एलिया अग्गुए अईगव हए, और आदमी बाके न चिनी, तव बाके बे मनमानी करीं। उइसीए आदमीको पुत्र फिर बिनके हातसे कष्ट भोगैगो।” ¹³तव बे बप्तिस्मा-देनबारो यूहन्नाके बारेमे बा कहि हए करके चेला समझीं। ¹⁴तव बा भीणके ठाउँमे आओ एक आदमी बाके अग्गु आएके घुँटो टेकके कहि, ¹⁵“प्रभु, मिर लौणाके उपर दया करओ, काहेकी बाके मिर्गीरोग लागो हए, और बहुत कष्ट भोग रहोहए। बा कबहु आगीमे पणत् हए, कबहु पानीमे घुसतहए।” ¹⁶मए तुमरे चेलाके ठिन लाओ, पर बे बाके अच्छो न करपाई।” ¹⁷तव येशू कहि, “ए अविश्वासी और भ्रष्ट पुस्ता, कहाँ तक मए तुमरे संग रएँहौं? कहाँ तक मए तुमके सहामौ? बाके मेरे ठिन लाओ।” ¹⁸येशू बाके डाँटी, और भुतात्मा बासे निकरिगव। बा लौणा बहे समय अच्छो हुइगव। ¹⁹तव चेला येशूके ठिन चुप्पय से आएके कहि, “हम बाके काहे न निकार पाए?” ²⁰येशू बिनसे कहि, “तुमरो कमजोर विश्वास के कारण। नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौं, कि तुमर एक भादिको दाना बरोबार बिश्वास हए तव जा पहाड ‘हियाँसे हटीजा’ कएहौ तव बा हटीजाए हए। और तुमरे ताहि कोइ असम्भव नए हुइहए।” ²¹पर जा किसिमको भुत त प्रार्थना और उपवास बिना न निकरत् हए।” ²²बा गालीलमे इकठ्ठा होत येशू बिनसे कहि, “आदमीको पुत्र आदमीनके हातमे सौंपो जएहए।” ²³और बे बाके मारंगे, और बा तिसरे दिनमे जिन्दा हुइ हुइजएहए। और चेला गजब दुःखित भए। ²⁴जब बा कफर्नहममे आओ, मन्दिरको कर उठान बारे पत्रुसके ठिन आएके कहि, “का तुमर गुरु कर न तिरत् हए?” ²⁵बे कहि, “हाँ तिरत् हए।” पत्रुस घर भितर गव, येशू बासे पहिले कहि, “सिमोन, तुमर बिचार का हए? पृथ्वीके राजा महसुल और कर कासे उठातहएँ? अपन प्रजन से कि परदेशिनसे?” ²⁶“परदेशीनसे,” कहिके पत्रुस जबाफ दै। येशू बिनसे कहि, “तव त प्रजा कर तिरनसे छुट पडै हए।” ²⁷पर बे हमसे न दिक्कामए करके समुन्द्रमे जाएके बन्सी लगाबओ, और पहिली पडी मछ्री लाओ। बाको मुहू खुलेहौ तुम एक चाँदीक सिक्का रुपैया पएहौ। बा लैजाएके तुमर और मिर ताहिं कर उठान बारेनके देओ।”

Chapter 18

¹बहे समय चेला येशूके ठिन आपके पुछी, “स्वर्गके राजमे सबसे महान कौन हए ?” ²बा एक बालकाके नजिक बुलाएके बिनके बीचमे ठणबाइ, ³और कहि, “नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौं, मन बदलके तुम छोटे बालका कता न हुइहौ तव कबहु स्वर्गके राजमे न जान पएहौ। ⁴जौन जा छोटे बालक जैसो अपनाएके नम्र बनाए हए, बहे स्वर्ग राजमे सबसे महान हुइहए। ⁵जौन मिर नाउँमे एक अइसी बालकाके ग्रहण करेहए, बा मोके ग्रहण करेहए। ⁶तव जौन मिर उपर बिश्वास करेहए जा छोटे मैसे एक जनैके पाप करन् लगए हए, बासेत् बाके घेंटेमे बणो चकियाको पटा बाँधके बाके गहिरो समुन्द्रमे डुबाए देनो अच्छो हुइहए। ⁷” “पाप करन् लगान बारो परीक्षाके ताहिँ जा संसारके धिक्कार ! पाप करबान बारो परीक्षा त आतहए, पर धिक्कार, बा आदमीके जौनसे पाप करबान बारो परीक्षा आतहए !” ⁸“तुमरो हात और टाँग तुमके पाप करन् लगातहए तव बाके काटके फेंक देओ। दोनाए हात और टाँगके संग आगीमे पणनेसे त बलुक लुलो और लंगणा हुइके जीवनमे घुसनो तुमरे ताहिँ अच्छो हुइहए। ⁹तुमरी आँखी तुमके पाप करबातहए तव बाके निकारके फेकदेओ। दोनाए आँखी हुइके नरककी आगीमे फेकनेसे त बरु काना हुइ के जीवनमे घुसन तुमरे ताहिँ अच्छो हुइहए। ¹⁰होसियार रहौ, तुम जे छोटे मैसे एक जनीके फिर हेला मत करौ। काहेकी मए तुमसे कहत् हौं, स्वर्गमे बिनके दुत स्वर्गमे मिर पिताके दर्शन सब दिन करत् रहत हएँ” ¹¹काहेकी आदमीको पुत्र हराए भएनके बचान आओ हौ। ¹²“तुमका बिचार करत् हौ ? कोइ आदमीके सव भेणा मैसे एक हराएगव तव, बा उनान्सयके छोडके डाँगा हुइके गव तव हरानो भवके दुडनके न जाए का ?” ¹³अगर बा बाके पाइगव तव, नेहत्य मए तुमसे कहत् हौं, बे हरानो भव पाएके उनान्सयसे बा एकके ताहिँ बहुत खुशी होतहए। ¹⁴अइसीए स्वर्गमे होनबारो तुमरे पिताकी इच्छा हए, कि बे छोटे मैसे एक जनी फिर नष्ट न होबए कहिके स्वर्गमे होनबारो तुमर पिता ईच्छा करत हय। ¹⁵“तुमर भैया तुमर बिरुध्दमे अपराध करैगो तव, जाएके तुम ईकल्ले मिल्ले बाको दोष दिखाए देओ। बा तुमर बात सुनी तव, तुमरो भैया अपनो भव।” ¹⁶पर बा तुमर बात न सुनेहए तव अपन संग एक दुई जनैके लैजाओ और दुई औ तीन साँचीके बोलीसे सबय बात सच्ची ठहरै। ¹⁷अगर बा बिनकी बात फिर सुनन इन्कार करी तव, मण्डलीसे कहओ। बा मण्डलीको बात फिर सुनन इन्कार करेहए तव, बो तुमरे ताहिँ गैर यहूदी और कर उठानबारो कता होबए। ¹⁸“नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौ, तुम पृथ्वीमे जो बँधेहओ, बा स्वर्गमे फिर बँधैगो। और तुम पृथ्वीमे जो खुलेहौ बा स्वर्गमे खुलजए हए।” ¹⁹“फिर मए तुमसे कहत् हओ, पृथ्वीमे तुमर मैसे दुई जनै कोई बातमे सहमत हुइके कुछ मगैगे तव, बा स्वर्गको पितासे तुमरे ताहिँ हुइजए हए।” ²⁰कहेकी जहाँ दुई कि तीन जनै मिर नाउँमे इकठ्ठा हुइहौ, हुवाँ मए बिनके बीचमे हुइहओ।” ²¹तव बाके ठिन आपके पत्रुस कहि, “प्रभु, मिर भैया कित्तो दावँ मिर बिरुध्दमे अपराध करेहए तव मए बाके क्षमा करओ ? का सात दावँ तक ?” ²²येशू बिनसे कहि, “मए तुमसे कहत् हओ, सात दावँ नए, बल्कि सत्तरी गुणा सात दावँ।” ²³“जहेमारे स्वर्गको राज एक राजासंग दाजन सकत हए, जौन अपन नोकरसे हिसाब लेनके इच्छा करी।” ²⁴जब बिनसे हिसाब लेन लागो, एक नोकर बिनके ठिन ल्याई जौन बिनके दश हजार सुनको सिक्का तिरन रहए। ²⁵तव बा आदमी तिर नए पाई तव मालिक बासे बाकी बैयर और लौड़ा-लौड़िया और बाको सब चिज बेचके ऋण चुकानके हुकम दे। ²⁶“तव बा नोकर घुटो टेकके बिनके पाउ पडके कहान लागो, ‘मालिक, मिर उपर धिरज करओ, मए तुमरो सब ऋण चुकामंगो।’” ²⁷“तव बाको नोकरको मालिक डाहासे भरके बाके छोडके, और बाको ऋण माफ करदे।” ²⁸“तव बा नोकर निकरके जातपेति अपन संगी-नोकर मैसे एक जनैके पाई, जो बाको एक सय चाँदीक सिक्काको ऋणी रहए। बा गला पकाडके बासे कहि, ‘तेरी ऋण तिर डार।’” ²⁹“तव बाको संगी-नोकर घुटा पडके बासे बिन्ती करी, ‘मिर उपर धिरज कर, मए तुमर सब तिरदेहओ।’” ³⁰“तव बा ना मानि, और ऋण नएतिरन तक बाके जेलमे डारदे।” ³¹बाको संगी नोकर जा सब देखके बहुत दुःखित हुइगव। बे जाएके सब घटना अपन मालिकके बताएदँ। ³²“तव मालिक बा नोकरके अपन ठिन बुलाएके कहि, ‘ए दुष्ट नोकर, तए मोसे बिन्ती करो, और मए तिर ऋण माफी करदओ।’” ³³“मए तिर उपर दया करो कता तए फिर तेरी संगी-नोकरके उपर दया करनके ना रहए ?” ³⁴“तव बाको मालिक दिक्काएके सब ऋण नए तिरन् तक दण्ड देन बारेनके हातमे सौपदे।” ³⁵“तुम अपने भैयाके हृदयसे क्षमा ना करेहओ तव, स्वर्गमे होनबारो मिर पिता फिर तुमरेसंग उइसीए करैगो।”

Chapter 19

¹जा बात कहिके येशू गालीलसे यर्दन पार यहूदाके मुलुक घेन गव । ²बहुत भारि भीड बाके पिछु लागगै और बा बे आदमीनके अच्छो करी । ³फरिसी बाके ठिन आए बाकी जाँच करन् के ताहीं बासे पुँछी, “ कोइ लोग कुछ कारनसे अपनी बैयरके छोडन का अच्छो हए ? ” ⁴तव येशू कहि, “का तुम पढे नैयाँ कि सृष्टिकर्ता बिनके सुरुसे हि नर और नारी बनाई हए, ? ” ⁵और कहि, ‘जहेमारे आदमी अपन दौवा और अइया छोडके अपनी बैयरसंग मिले रहत हएँ, और बे दुई जनी एक शरीर होमंगे । ” ⁶बे अब दुई न हयँ पर एक शरीर हएँ । जहेमारे परमेश्वर जौनके एकसंग जोडी हए, बिनके कोइ फिर अलग न करए । ” ⁷बे बासे कहिँ, “मोशा काहे छुटपत्र दैके बैयरके छोडनके आज्ञा दै ? ” ⁸बा बिनसे कहि, “तुमर हृदयको कठोरताके कारन मोशा बैयरके छोडनके हुकम तुमके दै पर सुरुसे अइसो न रहए । ⁹मए तुमसे कहत् हौँ, जौन व्यभिचारके कारन बाहेक अपनी बैयर छोडके दुसरे संग विहा करैगो, बा व्यभिचार करत् हए, और जौन छुटिभइके विहा करेहए, बा फिर व्यभिचार करत् हए । ” ¹⁰चेला येशू से कहिँ, “लोगा-बैयरको अइसो सम्बंध हए तव त विहा न करनो ठीक हुइहए । ” ¹¹येशू बिनके जवाफ दैके कहि, “सब आदमी जा शिक्षा ग्रहण न करपए हँए, केवल बेहि इकल्ले करपए हँए जौनके जा दओ हए । ¹²काहेकी कोइ जनमतए नपुंसक होतहएँ, कित्तो ता आदमीसे बनाए भए होत् हएँ । कित्तो ता अपनेआपके स्वर्गराजके ताहीं नपुंसक बन्त हँए । जौन जा ग्रहण करपए हए बहे जा ग्रहण करए । ” ¹³येशू बालकनके उपर हात धरके प्रार्थना करदेहए करके आदमी बाके ठिन लाई । पर चेला बे आदमीनके डाँटी । ¹⁴तव येशू कहि, “बालकनके मिर ठिन आन देओ, बिनके मत रोको । काहेकी स्वर्गको राज बिनहीको हए । ” ¹⁵और बालकनके उपर हात धरके बा हुवाँसे गव । ¹⁶बाके ठिन आपके एक जनी कहि, “हे गुरु, मए अनन्त जीवन पानके ताहीं का अच्छो काम करन् पणैगो ? ” ¹⁷बा बिनसे कहि, “अच्छो का हए बाके बारेमे तुम मोसे काहे पुछत् हौ ? अच्छो ता एकय हए । पर तुम जीवनमे कुचन इच्छा करत् हौ तव, आज्ञा पालन करओ । ” ¹⁸बे बासे कहिँ “कौन आज्ञा ? ” येशू कहि, “तए हत्या मत करीए, तए व्यभिचार मत करीए, तए चोरी मतकरीए, तए झुटो गवाही मतदिए । ” ¹⁹अपन अइया-दौवाक आदर करीए, और अपन परोसीके अपनए कता प्रेम करीए । ” ²⁰बा जवान आदमी बासे कहि, “जा सब त मए पालन करोहौँ अब मोए मे का कमी हए ? ” ²¹येशू बिनसे कहि, “तुम सिध्द होनके चाँहत् हौ तव, जाएके सब बेचके गरिबनके देओ, और तुम स्वर्गमे धन पाय हौ, और आपके मिर पिछु लागओ । ” ²²जब बा जवान जा बात सुनी, बा दुःखित हुइके गैभओ, काहेकी बाकेठिन बहुत धन-सम्पति रहए । ²³और येशू अपन चलनसे कहि, “नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौँ, स्वर्गके राजमे धनी आदमीके कुचन करौ पणैगो । ²⁴फिर मए तुमसे कहत् हौँ, धनी आदमीके परमेश्वरके राज भितर कुचनसे त बलुक ऊँटके सुइके भारमे छिरन् सजिलो हुइहए । ” ²⁵जा सुनके चेला गजब अचम्मो मानके पुँछी, “तव कौन उध्दार पएहए ? ” ²⁶येशू बिनके उपर नजर लगाएके कहि, “आदमीक ताहीं जो असम्भव हए, तव परमेश्वर ताहीं सब बात सम्भव हए । ” ²⁷तव पत्रुस बासे कहि, “देखौ त हम सब चीज छोडके तुमर पिछु लागे हएँ । तव हम का पए हएँ ? ” ²⁸येशू बिनसे कहि, “नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौँ, तुम जो मिर पिछु लागेहौ, नयाँ सृष्टिमे जब आदमीको पुत्र अपन महिमाके सिंहासनमे बैठैगो, तव तुम फिर बाह्र सिंहासनमे बैठैगो, और इस्राएलके बाह्र कुल उपर न्याय करेहौ । ” ²⁹हरेक जौन मिर नाउँके कारनसे घर, ददा- भैया और दिदी-बहिनिया औ दौवा और अइया और लौणा-लौणिया और जग्गा जमिन छुणेहए, बा सव गुना पएहए, और अनन्त जीवनको अधिकार पाबैगो । ³⁰तव बहुत जनी जो शुरुके हयँ, बे पिछु हुई जयहयँ, और बहुत जनी जो पिछु होनबारे बे अगु हुइ जयहएँ ।

Chapter 20

¹"स्वर्गको राज जमिनको एक मालिक जैसो हए, जो भुकभुको सुबेरे अपन दाखबारीमे खितहरानके देहणीमे काम लगान बाहिर निकरो। ²खितहरानके एक दिनमे पानबारी देहाणी तोकके बा अपन दाखबारीमे पठाई। ³"जब बा नौ बजे घेन बाहिर निकरो, बा और कामदारनके बजारमे खालिमुली ठाढे देखी, " ⁴और बा उनसे कहि, 'तुम फिर दाखबारीमे जाओ, और जो ठीक हए बा मए तुमके देमंगो।' तव बे काम करन गया। ⁵तव बे गए। "फिर बे बाह्र बजे और तीन बजेघेन बाहिर निकरके उइसी करी। ⁶बा पाँच बजेघेन बाहिर निकरके औरनके ठाढो पाई, और बिनसे कहि, 'तुम काहे बिना कामके ठाढेहौ ?' " ⁷"बे बासे कहिं, 'कोइफिर हमके देहणीमे न लगाई हयँ। "बा बिनसे कहि, "तुम फिर दाखबारीमे जाओ।" ⁸"जब संझा हुइगव, तव दाखबारीको मालिका अपन कर्मचारीनसे कहि, 'खितहरानके बुलाएके पच्छु आनबारेनसे लैके अग्गु आनबारेनके सबके बिनकी देहणी देओ।" ⁹"पाँच बजो काममे लगान बारे आए, और बे सबय पुरा दिनको देहणी पाई। " ¹⁰जब पहिलिसे देहणीमे लगानबारे आए, तव बे जब्दा पाएहएँ करके सोचीं, पर बे सबय फिर एक दिनकी बारबर देहाणी पाई। ¹¹देहणी पाएके पिछु जमिनको मालिकके विरुध्दमे बे बरबरान लागे। ¹²बे कहन लागे, जे पिछु बारे एक घण्टा काम करीं, पर हम दिन भर काम करे, पर तुम ऊनके हमरी कता बनाय हओ, हम त सारा दिन काम करके घामु मरे।" ¹³तव बा बिन मैसे एक जनीके जबाफ दै, "संगी, मए तुमरे उपर कुछ अन्याय न करोहौं। का तुम मिरसंग पुरा एक दिनकी दाहणीमे काम करेहौ करके कबुल न करे रहौ ? " ¹⁴तुमरी पानबारी देहाणी लैकेजाओ। जे पिछु आनबारेनके फिर तुमके दओ बरोबार देन चाँहत् हौं।" ¹⁵का अपन सम्पत्तिके मए चाहो जैसो न करपए हौ ? मिर उदारतामे तुमरी आँखी काहे जरत हए ? ¹⁶"अइसीय पिछु बारे अग्गु हुइहएँ और अग्गु बारे पिछु हुइहएँ। बुलाय भय बेढम हयँ पर चुने भय कमय हयँ।" ¹⁷जब येशू यरुशलेम घेन जात रहए बा बाह्र चलनके अलग लैजाएके डगरमे बिनसे कहि, ¹⁸"हम यरुशलेम घेन जात हँएँ अब आदमीक पुत्र मुखिया पुजारीनके हातमे सौपो जएहए, और बे बाके मृत्युदण्डको दोषी ठहेरयँहएँ।" ¹⁹बाके गिल्ला करेहए, कोरा लगाएँहएँ, और क्रुसमे टाँगनके ताहीं बे अन्यजातिनके हातमे सौपंगे, और तीन दिनमे बा जिन्दा हुइके उठजएहए।" ²⁰तव जब्दियाक लौणाकी अइया अपन दुई लौणाक संगमे लैके येशूके जौने आएके घुँटो टेक्के बासे बिनती करी। ²¹बा बिनसे पुँछी, "तुम का चहत् हौ ?" बे बासे कहिं, "आज्ञा करओ और तुमरे राजमे मिर जे दुई लौणा मैसे एक जनी तुमरे दहिना हातघेन, और दुसरो तुमरे दिबरा हातघेन बैठन पामएँ।" ²²तव येशू बिनसे कहि, "तुम का मगत् हौ सो न जानत् हओ, जौन कटोरा मए पिनलागो हौ, का बा तुम पि पएहौ।" ²³बा कहि, "मिर कटोरा तुम पिहौ, पर मिर दहिना और दिबरा बैठन देनबारी बात मिर हातमे नैयँ। जा ठाउँ बिनके ताहीं हए, जौनके ताहीं मिर पिता तयार करडरी हए।" ²⁴जा सुनके दसओ जनी बे दुई भैयासे दिक्काए गए। ²⁵तव येशू बिनके अपने ठिन बुलाएके कहि, "तुमके पता हए, कि अन्यजातिके शासक बिनके अधीनमे रखातहएँ, और बणेबणे बिनके उपर अधिकार जमाएहएँ।" ²⁶तुमरे बीचमे अइसो नएहुइहए, पर जौन तुमर बीचमे बणो होनेके इच्छा करत् हए, बा तुमरो सेवक होनपणैगो। ²⁷जौन तुमर मैसे पहिलो होन इच्छा करत् हए, बा तुमरो कमैया होनपणैगो, ²⁸जैसी आदमीक पुत्र फिर सेवा पानके नाए पर सेवा करन् और बहुतनको छुटकाराको मोल स्वरूप अपन प्राण देन अओ।" ²⁹बा यरिहोसे जातपेती, एक बहुत भारी भीड बोके पिछु लागी। ³⁰डगरके किनारे दुई जनी अन्धरा बैठे रहयँ। येशू बा डगरसे जात बे जा बात सुनके अइसे करके चिल्लान लागे, "हे प्रभु, दाउदको पुत्र, हमरे उपर दया करओ।" ³¹भीड बिनके चुप लागएँ करके डाटीं, तव बे अइसे करके और जोणके चिल्लाईं, "हे प्रभु, दाउदको पुत्र, हमरे उपर दया करओ।" ³²तव येशू रुकिगव और बिनके बुलाएके कहि, "तुम का चाँहत् हौ ? मए तुमरे तहीं का करदेओ ?" ³³बे बासे कहिं, "हे प्रभु, हमर आँखी खोलदेओ ?" ³⁴34 येशू डहा करके बिनकी आँखी छुइदै और तुरन्त बे देखन लागे और बे बाके पिछु लाग गय।

Chapter 21

¹ जब येशू और बाके चेला यरुशलेमके ढिंङ्गई जैतुन डाँगाको बेथफागेमे आए पुगे, तव येशू दुई चेलनके अइसे करके पठाई, ² "तुम ढिंङ्गईके गाउँमे जाओ। हुवाँ पुगतए तुम एक गद्दा और बाके बच्छा बाँधो पएहौ। बाके खोलके मिर ठिन लाओ। " ³ कोइ तुमसे कुछ कएहए तव, "प्रभुके जाकि जरूरत हए" कहिओ और बा तुरुन्त तुमरसंग बाके पठाएदेहए।" ⁴ अगमवक्ता बोलो बचन पुरो होबए करके जा भव रहए, ⁵ सियोनकी लौणिया कहओ, देखओ, तुमर राजा तुमरे ठिन अए रहोहए, बिनम्र हुइके गदहक उपर सबार हुइके, गद्दाक बच्चा औ एक बछुरा उपर।" ⁶ तव चेला गए, और येशू बिनसे कही अनुसार करी। ⁷ बे गद्दा और बच्चा लाई., और बाके उपर अपन लत्ता कपणा बिछाई, और बा बाके उपर बैठो। ⁸ भीड बहुत अपन लत्ता डगरमे बिछाई, और रुखाको हाँगा काटके डगरमे बिछाएदैं। ⁹ बाके अगु और पिच्छु लागि भीड अइसे करके चिल्लात रहए, "दाउदको पुत्र होसन्ना ! धन्य हए बो, जो परमप्रभुके नाउँमे आओहए ! परमधाममे होसन्ना !" ¹⁰ जब बा यरुशलेममे घुसो सारा सहेरमे हलचल मचिगव। आदमी पुछन लागे, "जा कौन हँए ?" ¹¹ भीडके आदमी जबाफ दें, "जे गालीलके नासरतसे अओ भव अगमवक्ता, येशू हँए।" ¹² येशू मन्दिरमे घुसो। और बा मन्दिरमे किनबेच करन् बारेक सबके भजाएदैं, और पैसा बदलन बारेक टेबुल, और परेबा बेचन बारेक आसन पल्टाएदैं। ¹³ बा बिनसे कहि, "अइसो लिखोहए, 'मिर घर प्रार्थनाको घर होबैगो।' पर तुम जाके डाँकुको अड्डा बनाएहौ।" ¹⁴ अन्धरा और लंगणा मन्दिरमे बाके ठिन आए, और बा बिनके अच्छो करी। ¹⁵ तव जब मुखिया पुजारी और शास्त्री बाको अचम्मो काम देखीं और लौणा लौणिया मन्दिरमे "दाउदको पुत्र होसन्ना" करत् चिल्लात सुनी, तव बे क्रोधित भए, " ¹⁶ और बे बासे कहिँ, "सुन्तहौ, जा का कहेरहो हए ?" तव येशू बिनसे कहि, "हाँ, सुन्तहौ, का तुम पढे नैयाँ, शिशु और दुध-खानबारेनके ओठसे बा पुरा प्रशंसा लई हय ?" ¹⁷ तव बिनके छोणके बा सहेरसे निकरके बेथानियामे गओ हुवाँ बास बैठो।" ¹⁸ सुवरे सहेरसे घुमत पेती बा भुखानो रहए। ¹⁹ "डगर किनारे बा एक अन्जीरको पेडके देखी। बा बो पेडके ढिगै अओ, तव बामे पत्तासे अलावा और कुछ नएपाई। तव बा बासे कहि, "अब तोए मे कबहू फरा नए फराए" तव बा अन्जीरको रुखा तुरुन्त सुखगओ।" ²⁰ जा देखके चेला अचम्मो मानके कहि, "जा अन्जीरको रुखा कैसे तुरुन्त सुखिगओ?" ²¹ येशू जबाफ दैके बिनसे कहि, "नेहत्व, मए तुमसे कहत् हौ, तुमरेमे विश्वास हए और कबहू शंका न करेहौ तव, अन्जीरको रुखा जो करो यित्कए इकल्लो न हय, पर जा डाँगा फिर उखणके समुन्द्रमे गिर' कएहौ बहे हुइजए हए।" ²² विश्वास करके प्रार्थनामे जो मगेहौ बा तुम पाबैगे।" ²³ बा मन्दिरमे घुसो, और बा शिक्षा देतपेती मुखिया पुजारी और जनताके धर्म-गुरु बाके ठिन आए, और कहिँ, "कौन अधिकारसे तुम जा काम कर रहेहौ, और कौन तुमके जा अधिकार दओ ?" ²⁴ येशू बिनके जबाफ दैके कहि, "मए फिर तुमसे एक प्रश्न पुछतहौ। मोके बाको उत्तर देहौ तव, मए कौन अधिकारसे जा काम करत् हौ, सो तुमके बातएहौ।" ²⁵ यूहन्नाको बाप्तिस्मा कहाँ से भव? स्वर्गसे कि आदमीसे?" बे आपसमे अइसो कहत बहास करन् लागे, "स्वर्गसे कएहँए तव, बे कएहँए तुम उनके काहे विश्वास न करे ?" कए हँए। ²⁶ तव आदमीसे कएहँए तव, हमके आदमीसे डर हए। काहेकी सब यूहन्नाके अगमवक्ता हए करके कहतहएँ। ²⁷ जहेमारे बे येशूके जबाफ दै, "हमके पत्ता न हयँ।" बा बिनसे कहि, "मए फिर कौन अधिकारसे जा काम करत् हौ, सो तुमके ना बतएहौ।" ²⁸ "तुम क बिचार करत् हौ ? एक आदमीके दुई लौणा रहएँ बा पहिलो लौणासे कहि, 'लौणा, जाएके आज दाखबारीमे काम कर।' " ²⁹ बा जबाफ दै, 'मए ना जए हौ।' तव पिच्छु पछताएके गओ।, ³⁰ दुसरो लौणा ठिन जाएके बासे बहे बात कहि, बा जबाफ दै, 'मए जामंगो।' पर न गओ।" ³¹ अब जे दुईमे कौन तव दौवाको इच्छाके पालन करी ?" बे जबाफ दें, "शुरुबारो।" येशू बिनसे कहि, "नेहत्व, मए तुमसे कहत् हौ, कर उठानबारे और वेश्या तुमसे अगु परमेश्वरके राजमे प्रवेस करेहएँ।" ³² काहेकी यूहन्ना तुमरे ठिन धार्मिकताको डगर दिखानके आओ, पर तुम बाके उपर विश्वास न करे। पर कर उठानबारे और वेश्या बाके उपर विश्वास करी। तुम जा देखके फिर पश्चात्ताप न करे, और उनके उपर विश्वास न करे।" ³³ "दुसरो कहानी सुनओ। कोइ एक जनी घरबारो रहए, जौन एक दाखबारी लगाई, और बाके आसपास बेठा लगाएके हुवाँ दाख पेरानके एक कोलु धरी, और एक मचान बनाई और किसाननके ठेका दैके बा परदेश गव।" ³⁴ जब फसलको समय आओ, बा किसाननके ठिन अपन हिस्सा मागन नोकरनके पठाई।" ³⁵ तव किसान बाके नोकरके पकणके एकके पिटी, दुसरेक मारडारी, और तीसरेक पत्थरसे मारी।" ³⁶ फिरके बा अगुसे जद्धि नोकर पठाई, और बे यिनके संग फिर उइसीय व्यवहार करी।" ³⁷ मिर लौणाके त बे आदर करेहएँ करके सोचके अन्तमे बा अपन लौणाके बिनके ठिन पठाई।" ³⁸ तव किसान लौणाके देखके आपसमे कहिँ, जा त उत्तरधिकारी हए। आओ, बाके मराएँ, और बाको उत्तरधिकारके लेमै।" ³⁹ तव बे बाके पकणके दाखबारीसे बाहिर लैजाएके और बाके मारडारी।" ⁴⁰ अगर जब दाखबारीक मालिक आएहए, तव बा बे किसानके का करेहए ?" ⁴¹ बे बासे कहिँ, " बे दुष्टनके सर्वनाश करेहए, और दाखबारी दुसरे किसानके ठेकामे देहए, जौन बाके फलको हिस्सा समयमे बुझाए हएँ।" ⁴² जौन पथराके भवन बनान बारे रद्द करि रहयँ बहे कुनैठोको मुलपत्थर बनो, जा परमप्रभुसे भव हए, और हमरे नजरमे जा अचम्मो हए। येशू बिनसे कहि, "का तुम कबहु धर्मशास्त्रमे पढे न हओ ?" ⁴³ जहेमारे मए तुमसे कहत् हौ, परमेश्वरको राज तुमसे छिनो जएहए, और एक अइसो जातिके दओ जएहए, जौन बाको फरा फराबैगो।" ⁴⁴ जा पत्थर उपर गिरनबारो खुद्रा-खुद्रा हुइजएहए, पर जौन उपर बा पत्थर गिरैगो, बा बासे चिबदजयहय।" ⁴⁵ जब मुखिया पुजारी और फरिसी बाकी कहानी सुनी, तव बे जा हमर बारेमे कहि हय करके समझीं। ⁴⁶ बे बाके पकणन ढुँडी, तव बे भीडसे डराईगए, काहेकी आदमी बाके एक अगमवक्ता हए करके मानत् रहएँ।

Chapter 22

¹येशू फिर बिनसे कहानीमे कहि, ²"स्वर्गको राज एक आईसो राजा कता हए, जौन अपनो लौंड़ाको विहा-पाटी तयार करी" ³और पाटीमे निऊताहारनके बुलान अपन नोकरके पठाई, पर बे आन मन ना करीं। ⁴"फिर बा और नोकरनके अइसे कहिके पठाई, "निऊताहारनके आईसे कहिओ, देखओ, "मए मिर भोज तयार करो हौं, मिर मोटो पशु मारोहौं, और सब चीज तयार हएँ। विहा-पाटीमे आबओ।" ⁵"तव बे मतलबै न करके एक अपनो खेतघेन, दुसरो व्यापारघेन लागो। ⁶बाँकी त बिनके नोकरके पकड़ीं और खराब व्यहार करीं और बिनके मारीं। ⁷तव राजा दिक्काय गव, और अपन फौज पठाएके बे हत्यारेनके नाश करीं, और बिनके सहेर जराएदैं। ⁸"तव बे अपन नोकरसे कहिँ, विहा-पाटी तयार हए, तव जौनके निऊतो दए बे न आय।" ⁹जहेमारे तुम अब डगरमे जाओ, और जित्तोनके पाबओ बिनके विहा-पाटीमे निऊतो देओ।" ¹⁰तव बे नोकर डगरमे गए पाएभए सबके अच्छे और खराब दोनोनके जम्मा करीं, और विहा-घर पहुनासे भरिगओ। ¹¹"तव जब राजा पहुननके देखन करके भितरसे आओ, तव विहाको कुर्ता नलागय एक आदमीके देखी।" ¹²बासे बा पुँछी, "संगी, बेहाको कुर्ता न पैंधके तुम कैसे हियौं भितर आइगए?" बा आदमी कछु न मसक पाई। ¹³"तव राजा नोकरसे कहिँ, 'हात-टॉंग बाँधके बाके बाहिर अन्धकारमे फेंकदेओ, जहाँ आदमी रुई हँए और दाँत किटकिटए हँए।' ¹⁴काहेकी बुलाए भए बहुत हँए, पर चुने भए कमए हँए।" ¹⁵तव फरिसी गए बाकी बातमे बाके कैसे फसामए करके सल्लाह करनू लागे। ¹⁶अपन चेला हेरोदी दलके आदमीन संग बाके ठिन पठाई। बे कहिँ, "गुरुजी, हम जानतू हए, तुम सत्य हौ, और परमेश्वरको डगर सच्यो करके तुम सिखात हओ, और तुम कुइसे न डारत हौ, काहेकी तुम आदमीके मुहँ देखके काम न करतू हओ।" ¹⁷जहेमारे हमके बताओ, कैसरके कर तिरन ठीक हए कि न हय?" ¹⁸तव येशू बिनको चतुराई पता पाएके कहि, "पाखण्डीओ तुम मोके काहे जाँचतू हौ?" ¹⁹कर तिरन बारो सिक्का मोके दिखाओ।" और बे बाके ठिन एक सिक्का लाई। ²⁰बा बिनसे कहि, "जा चित्रमे कौनको छाप, और कौनको नाउँ लिखोहए?" ²¹बे बासे कहिँ, "कैसरको।" तव बा बिनसे कहि, "जहेमारे जो कैसरको हए, बा कैसरके देओ, और जो परमेश्वरको हए बा परमेश्वरके देओ।" ²²जा सुनके बे अचम्मो मानि, और बाके छोड़के गईभए। ²³मरके जिन्दा न होत हँए करके सदुकी बहे दिन बाके ठिन आए, और बे बासे जा प्रश्न करीं, ²⁴"गुरुज्यू, मोशा त कहि रहय, कोइ आदमी निसन्तान मरो तव बाको भैया ता ददाकी बैयरके विहा करके ददाक सन्तान खडा करनू पडतू हए।" ²⁵हमर बीचमे सात ददाभैया रहँए। जेठो विहा करके बा मरीगव, और कोई फिर सन्तान न भव तव अपन भैयाके ताहिँ बैयर छोडके गव। ²⁶अइसी करके मझला ओर सँझला फिर और सातओ आइसी करीं। ²⁷बे सब मरके पिछु बा बैयर फिर मरीगै ²⁸अगर मरके जिन्दा हुइके बे सात जनी मैसे बा बैयर कौनकी बैयर हुइहए? काहेकी बे सबय बासे बिहा कर डारी रहँए।" ²⁹येशू बिनके जबाफ दैके कहि, "तुम भ्रममे पणेहौ, काहेकी तुम धर्मशास्त्र और परमेश्वरको शक्ति न जन्तहौ।" ³⁰काहेकी मरके जिन्दाहुइके आदमीनको विहा न होत हय। न विहा करतू हँए, पर बे स्वर्गमे स्वर्गदूत जैसे होतहएँ। ³¹तव मरके जिन्दा होतहए बाके बारेमे परमेश्वर तुमसे कहि हए, बा तुम न पढे हव?" ³²मए अब्राहामको परमेश्वर, इसहाकको परमेश्वर और याकुबको परमेश्वर हौं। परमेश्वर मरेनको परमेश्वर न हय, पर जिन्दनको परमेश्वर हए।" ³³जा सुनके भीड बाको शिक्षामे अचम्मो मानी। ³⁴बा सदुकीनके चुप लगाएके जब फरिसी सुनी तब बे इकट्ठा भय। ³⁵बिन मैसे एक जनी व्यवस्थाक गुरु बाकी परीक्षा करनू के बिचारसे बासे पुँछी, ³⁶"गुरुजी, व्यवस्थामे बणो आज्ञा कौन सो हए?" ³⁷येशू बिनसे कहि, "तुम परमप्रभु अपन परमेश्वरके अपन सारे हृदयसे, और अपन सारे प्राणसे, और अपन सारे समझसे प्रेम करीओ।" ³⁸महान और पहिलो आज्ञा जहे हए। ³⁹दुसरो आज्ञा फिर उइसी हए, तुम अपन पणोसीके अपनए जैसो प्रेम करीयो। ⁴⁰सबय व्यवस्था और अगमवत्ताक शिक्षाको आधार जे दुई आज्ञा हएँ।" ⁴¹जब फरिसी इकट्ठा भए रहँए, तव येशू बिनसे एक प्रश्न पुछी, ⁴²"ख्रीष्टके बारेमे तुम का कहत हौ? बा कौनको पुत्र हए?" बे बासे कहिँ, "दाउदको पुत्र।" ⁴³येशू बिनसे कही, "कैसे दाउद आत्मामे प्रेरणा पाएके बाके प्रभु करके कैसे पुकारी? बे कहत हएँ, ⁴⁴"परमप्रभु मिर प्रभुसे कहि, "तुम मिर दहिना हातघेन बैठओ जबतक मए तुमरे शत्रुनके तुमरे टॉंगके पाउँ तरे न धरेहौं।" बा कैसे बिनको पुत्र हुइहए तव?" ⁴⁵अगर दाउद बासे प्रभु कहत हए तव, बा कैसे बिनको पुत्र हुइहए त?" ⁴⁶और कोई फिर जवाफमे एक बचन न बोल पाई। बा दिनसे कोई बासे प्रश्न पुछनके हिम्मत न करीं।

Chapter 23

¹तव येशू भीडसे और अपन चलनसे अइसो कहि: ²"शास्त्री और फरिसी मोशाके आसनमे बैठत् हएँ " ³जहेमारे बे कहिँ बात करओ और मानओ, पर बिनके जैसो मत करीओ, काहेकी बे शिक्षा त देतहएँ, पर बा अनुसार बे न करत् हयँ।⁴बे बहुत भारि बोझ और न सिकनबारो बोझ बाँधके आदमीके कँधामे लाद देतहएँ। पर बे अपना त बा उठानके एक उडगरीसे फिर न छुत हयँ।⁵ " "तव बे अपन सबय काम आदमीनके दिखानके करत् हएँ। काहेकी बे अपन माथेमे व्यवस्थाक पत्री बडी बनात हएँ, और अपन कुर्तमे झुम्का लगातहएँ।⁶पाटीमे बे सम्मानको ठाउँ और सभाघरमे प्रमुख आसन मन पणातहएँ, ⁷बजारमे अभिवादन दुणतहएँ और आदमीनसे गुरु कहावान चाँहत हयँ।⁸ "पर तुमसे कोइ 'गुरुजी' न कहामए, काहेकी तुमरो शिक्षक एकए हए, और तुम सब ददाभैया हौ। " ⁹तुम पृथ्वीमे कोइके अपन पिता मत कहिओ, काहेकी स्वर्गमे तुमरो एकए पिता हए। ¹⁰तुम कोइसे 'मालिक' मतकहिओ, काहेकी तुमरो एकय मालिक ख्रीष्ट इकल्लो हए। ¹¹तुमैमे जो सबसे बडो हए, बा तुमरो सेवक हुइहए। ¹²जौन अपनएके बडो बनए हए, बा छोटी हुइहए, और जौन अपनैके छोटी बनएहए, बा बडो बनओ जयहए। ¹³"धिक्कार, तुमके, शास्त्री और फरिसी, तुम पखण्डी ! काहेकी तुम आदमीनके जौने स्वर्गक राजको फाटक बन्द करत् हौ। तुम न त अपनाए घुसतहौ, न घुसन चाहन बारे घुसन देतहौ। " ¹⁴"धिक्कार तुमके शास्त्री और फरिसी तुम, पखण्डी! काहेकी तुम विधवनके घर खाएदेतहौ, और लम्पो-लम्पो प्रार्थना करन् के मन पणातहौ। जहेमारे औरसे तुम जद्धा दण्ड पएहौ। ¹⁵धिक्कार तुमके, शास्त्री और फरिसी तुम, पखण्डी ! काहेकी तुम एक जनीके अपने मतमे लान समुन्द्र और जमिन देखत हौ, और बा तुमरे मतमे आएजत हए बाके अपनेसे दोबर नरकके लौणा बनात हौ।¹⁶"धिक्कार तुमके, अन्धरा अगुवा तुम, कहात् हौ, 'कोइ मन्दिरको कसम खात कुछ न होत हय, पर मन्दिरको सोनोको कसम खात बा कसमसे बाँधिजात हए।' " ¹⁷मुख और अन्धरा तुम, कौन तव बणो हए ? सोनो कि सोनोके पवित्र बनान बारो मन्दिर ?¹⁸कोइ बेदीको कसम खात कुछ न होतहए, पर बा उपर धरो भेटीको कसम खात बा बाँधिजात हए।' ¹⁹ए अन्धरा तुम, कौन तव बडो हए ? भेटी कि पवित्र करन् बारो बेदी ?²⁰जहेमारे बेदीको कसम खानबारो बेदी और बेदीके उपर सब चीजको कसम खातहए। ²¹मन्दिरको कसम खानबारो मन्दिर और बा भितर बैठन बारेको कसम खातहए। ²²स्वर्गको कसम खानबारो परमेश्वरको सिंहासनको और बा उपर बिराजमान होनबारेको कसम खातहए।²³"धिक्कार तुमके, शास्त्री और फरिसी तुम, पखण्डी ! काहेकी तुम पुदिना और सोंप और जीराको दशांश देत् हौ, पर व्यवस्थाक गहिरो बिषयके बारेमे, औ न्याय, दया और विश्वासके वास्ता न करेहौ। तुमके दशांश देनबारो काम करन् रहए, और बे गहकिले बिषयको खिलवाड न करन रहए। " ²⁴अन्धरा अगुवाओ, तुम भुसनाके छानत् हौ, पर ऊँटके त घिंचडारत् हौ।²⁵"धिक्कार तुमके, शास्त्री और फरिसी तुम पाखण्डी ! काहेकी तुम कटोरा और थरियाके बाहिर इकल्लो मजातहौ, पर भितर घेन त बे लोभ और लालचसे भरे होतहएँ। " ²⁶अन्धरा फरिसी तुम, पहिले कटोरा और थरियाके भितर सफा करओ, तव बिनके बाहिर घेन फिर सफा होबए।²⁷"धिक्कार तुमके, शास्त्री और फरिसी तुम, पखण्डी ! काहेकी तुम चुना लगाए भए सरकेगड्डा(चिहान) कता हौ, जो बाहिर सुन्दर दिखात हए, पर भितर घेन मरे आदमीनके हड्डा और सब अशुध्दसे भरेहोतहएँ। " ²⁸अइसी तुम फिर बाहिर आदमीनके अगु धर्मी दिखात् हौ, पर भितर कपट और दुष्टासे भरेहौ।²⁹"धिक्कार तुमके, शास्त्री और फरिसी तुम, ढोंगी ! काहेकी तुम अगमवक्तानके सरकोगड्डा बनातहौ, और धर्मीनके सरके समारत हौ, " ³⁰और कहत् हौ, हम अपन पुर्खानके समयमे होते तव हम अगमवक्तानको रगत बहानमे उनके संग सहभागी न होते। " ³¹अइसी तुम अगमवक्तानके हत्या करन् बारेनके सन्तान हौ करके प्रमाण तुम अपनाए देतहौ।³²तुमरे पुर्खानको करो काम पुरा करत हओ। ³³ए "सोंप और सोंपके बच्चाओ, तुम नरकके दण्डसे कैसे बचैगे ? " ³⁴जहेमारे मए तुमरे ठिन अगमवक्ता, और बुद्धीमान आदमी और शास्त्रीनके पठात् हौ। बिनमैसे किन्तो जनीके तुम मारेहौ और कुसमे टाँगे, और किन्तो जनीके अपन सभाघरमे कोर्ल लगएहौ, और सहेर-सहेरमे जाएके सताएहौ। ³⁵पृथ्वीमे बहाओ भव सब धर्मी जनको रगत-निर्दोष हाबिलको रगतसे लैके बेरेक्याहको लौणा जकरियाको रगततक, जौनके तुम पवित्रस्थान और बेदीक बीचमे हत्या करे सो तुमरे मुणमे पणैगो। ³⁶नेहत्य, मए तुमसे कहात् हौ, जा सब बात जहे पुस्ताके उपर आएपडैगो। ³⁷"ए यरुशलेम, तए जौन अगमवक्तानके मारन् और तेरे ठिन पठाएभएके पत्थरसे मारे ! जैसी मुर्गी अपन चिगनाके डख्खा तरे बटोरत् हए, उइसी मए बहुत चोटी तिर बालकनके बटोरनके इच्छा करो, पर तए न मानो। " ³⁸देखओ, तुमरो घर उजणो पडोहए। ³⁹काहेकी मए तुमसे कहत् हौ, 'परमप्रभुके नाउँमे आनबारे धन्यके हएँ' न कहन तक् तुम मोके न दिखेहौ। "

Chapter 24

¹तब पिछु येशू मन्दिरसे निकरके जात पेती बाके चेला मन्दिरको भवन दिखानके ताहिँ बाके ठिन आए । ²तब बा बिनसे कहि, 'तुम जा सब देखतु हौ, कि नए ? नेहत्य, मए तुमसे कहतु हौ, 'एक पत्थरके उपर दुसरो पत्थर न रयहए, सब उजाडके फिको जएहए ।'³येशू जैतुन डाँगामे बैठी चेला एकघेन बाके ठिन आएके पुँछी, "हमके बता, जा बात कब हुइहए, और तुमरो आगमन और जा युगको चिन्ह का हुइहए ?" ⁴तब येशू बिनके जबाफ दै, "होशियार रहिओ, कोइ तुमके न भर्माबय। ⁵काहेकी बहुत जनी मिर नाउँमे मए खीष्ट हौँ काहत् अमंगे, और बहुतनके बहकामंगे।⁶तुम युध्द और युध्दके हल्ला सुनैगे। मतघबणैओ, काहेकी जा सब बात होनके आवश्यक हए, पर अन्त त बहे समयमे न हुइहए। ⁷काहेकी जातिके बिरुध्दमे जाति, और राज्यके बिरुध्दमे राज्य उठेहएँ, और ठाउँ-ठाउँमे अनिकाल और हालाचाला आबइगो। ⁸पर जा सब दुखकि सुरुवात इक्ल्लो हुइहए।⁹तब बे तुमके संकटके ताँहि सौँपदेहएँ, और तुमके मरेहएँ, और मिर नाउँके खातिर सब जाति तुमके घिणना करेहएँ।" ¹⁰तब बहुत जनी भटक जएहएँ, और ठेस खामंगे, और एक दुसरेके विश्वासघात करके सौँपदेहएँ और हेला करेहएँ।¹¹बहुत झुटे अगमवक्ता ठाणे हुइहएँ, और बहुतनके बहकएहएँ।¹²दुष्टता बढे हए और बहुतनको प्रेम सिलाएके जएहए। ¹³पर आखिरीतक स्थिर रहानबारी बचाओ जएहए।¹⁴और राज्यको जा सुसमाचार सारा संसारमे सब जातिके ताहिँ गवाहीके ताहिँ प्रचार करो जएहए, तब पिछु अन्त अबैगे।¹⁵जहेमारे जब तुमके दानिएल अगमवक्तासे बोलो बिनासकरी घृणित चीज पवित्रस्थानमे ठाणो दिखेहौँ{पाठ पढान बारो बुझाए}।" ¹⁶तब यहूदीयामे होनबारे पहाडघेन भाजएँ। ¹⁷घरकेछानी ऊपर रहनबारे अपन घरमे भव समान निकारनके तरे न उत्राएँ। ¹⁸खेतमे काम करन् बारो अपन कम्मर लेन न घुमएँ। ¹⁹हाय ! गर्भवती और दुध खबानबारी बे दिनमे।²⁰तब जाडो (हिउँद) समयमे और शबाथमे तुमके भाजन न पणए करके प्रार्थना करओ। ²¹काहेकी बा समयमे अइसो महासंकट हुइहए, जो जगत् को सुरुसे हबए तक न भवहए, न त कबहू हुइहए। ²²बे दिन न घटनतक कोइ आदमी न बच्यईते, पर चुनेभएनके ताहिँ बे दिन घटेहएँ।²³तब तुमसे कोइ कएहएँ 'देखौ, खीष्ट हिँया हए, कि हुवाँ हए' कहिके विश्वास मत करिओ। ²⁴काहेकी झुटे खीष्ट, और झुटे अगमवक्ता ठाणे हुइहएँ, और हुइसक्त चुने भएनके फिर भड्कानके ताहिँ बणे-बणे चिन्ह और अचम्मो काम दिखाएहएँ। ²⁵याद करओ, मए तुमसे अगुसे कहेरहो हौँ।²⁶"अगर बे तुमके 'देखौ, बा उजाड-स्थानमे हए' कहिके कएहएँ तब बाहिर निकरके मतजाओ। और 'देखओ, बा कोनेमे हए' कएहएँ फिर विश्वास मतकरिओ।" ²⁷काहेकी जैसी बिजुली अगारसे चमकत हए पछार तक उजियारो होतहए, उइसीय आदमीको पुत्रको आगमन हुइहए। ²⁸जहाँ डोगर हुइहएँ हुवाँ गिद्धा फिर इकट्ठा होतहएँ।²⁹"बे संकटके दिनके पिछु, दिन अँध्यारो हुइहए, और जोन्ही अपनो चमक न देहए, और तारा बादरसे गिरंगे, और स्वर्गकी शक्ति डगमगाबाइगी।³⁰तब आदमीको पुत्रको चिन्ह बादरमे दिखए हए, और पृथ्वीके सब जाति बिलाप करेहएँ, और बे आदमीके पुत्रके आकाशको बादरमे शक्ति और बणो महिमासाथ आत देखंगे। ³¹बा अपन स्वर्गदुत तुरहीको बणो आबाजके साथ पठाबैगे, और बादरको एक किनारेसे लैके दुस्रो किनारेतक जम्माएके चारौ दिशासे बाके चुने भएनके इकट्ठा करेहएँ।³²"पर अज्जीरको रुखासे एक शिक्षा लेओ: जब बाको हाँगा कलिलो होतहए और रुखामे नयाँ पत्ता आत हएँ, तब ग्रीष्म ऋतु आतहए करके तुम पता पातहौ।" ³³उइसीय, तुम फिर जब जा सब बात भव देखतु हौ, तब बा ढिगै औ फाटकमे हए करके जानओ।³⁴नेहत्य, मए तुमसे कहतु हौ, कि जा सब पुरा न होनतक जा पुस्ता खतम न हुइहए। ³⁵स्वर्ग और पृथ्वी खतम हुइजएहए, पर मिर वचन खतम न न हुइहए।³⁶पर बा दिन और बा घडीके बारेमे कोइ न जानतु हए, न त स्वर्गके दुत, न पुत्र।³⁷आदमीको पुत्रको आगमन नोआको दिन जैसो हुइहए। ³⁸काहेकी जैसी जलप्रलयसे अगु नोआ जहाज भितर घुसनके दिनतक, आदमी खात, पितरहएँ और विहाबारी करत रहएँ, ³⁹और जलप्रलय आएके बिनके सबके सट्टे पुहायके न लएजानतक बे पता न पाई। आदमीको पुत्रको आगमन फिर उइसी हुइहए।⁴⁰बा बेरा दुई जनी खेतमे हुइहएँ, एक जनी चलो जएहए, दुस्रो छुटजएहए।⁴¹दुई बैयर चकिया पिसत हुईहएँ, एक चलीजएहए, दुस्री छुटजएहए।⁴²"जहेमारे जगे रहओ, काहेकी कौन दिन तुमरो प्रभु आएहए, सो तुम न जानतु हौ।⁴³पर जा जानौ, कि घरको मालिक चोर रातके कौन पहरमे आएहए करके जन्तो तब बा जगो रहतो, और अपन घर फोरन न दित्तो।⁴⁴जहेमारे तुम फिर तयार रहिओ, काहेकी आदमीको पुत्र तुम नचिताएके समयमे अबैगे।⁴⁵"विश्वासी और बुध्दीमान नोकर कौन हए, जौनके बाको मालिक अपन परिवारको चाकरके ठीक-ठीक समयमे खान देबाए करके खटाए होतहए ?" ⁴⁶बा नोकर धन्य हए, जौनको मालिक आत उइसी करतु पएहए।⁴⁷नेहत्य, मए तुमसे कहतु हौ, मालिक बाके अपनो सारा सम्पतिके उपर जिम्मेबार नियुक्त करेहए।⁴⁸पर अगर बा दुष्ट नोकर 'मिर मालिक सुबेरे आएहए करके मनमे सोचाइगो, ⁴⁹अपनसंग काम करन् बारो नोकरके पिटन और मतवाला (नशिले) संग खान और पिन लागो तब, ⁵⁰बा नोकरको मालिक बा नए चिताओ दिन और न जानो समयमे आए पुगेहए।⁵¹और मालिक बाके कठोर दण्ड देहए और बाके ढोंगीनके बीचमे फेंकदेहए, जहाँ आदमी रुईहए और दाँत कितकिटए हँए।"

Chapter 25

¹तव स्वर्गको राज दश कन्यानकेसंग तुलन करन सिकत् हँए। बे अपन दिया लैके दुलाहके भेटन निकरीं। " ²बे मैसे पाँच जनी मूर्ख और पाँच बुद्धीमान रहएँ।
³काहेकी जब मूर्ख कन्या अपन दिया लैगै, तव बे संगमे तेल त नए लैगै। ⁴पर बुद्धीमान कन्या त अपन दियाके संग संगए कटोरामे तेल फिर लैगै रहएँ।⁵दुल्हा आसरा करत् बे सब निंद से और निधाए गइँ। ⁶"तव आधिरातमे 'देखओ दुलहा ! बाहिर जाओ और बाके भेटओ', करके आवाज आओ।⁷"तव बे सब कन्या जगिँ, और अ-अपन दियाके ठीकठाक करी।" ⁸निर्बुद्धी कन्या बुद्धीमानसे कहिँ, "तुमरो तेलसे हमके थोरी देबओ, काहेकी हमर दिया त बुतन लागी।" ⁹"तव बुद्धीमान अइसे करके जबाफ दै, 'हमर और तुमरे दोनाएके पुगनके ताहिँ इत्तो तेल न हुइहए, बलुक दुकान बारे ठिन जाओ और अपन ताहिँ किनओ।"¹⁰"बे किनन गइँ तव दुलहा आएपुगो, और तयार होनबारे उनके संग विहाके पाटीमे भितर घुसे और फाटक बन्द हुइगव। " ¹¹"पिछुसे बे और कन्या आएपुगिँ और अइसो कहान लागिँ, प्रभु, प्रभु हमर ताहिँ खोलदेओ ! " ¹²"तव बा जबाफ दैके कहि, नेहत्य मए तुमसे कहातहओ, मए तुमके न चिन्त हओ। " ¹³"जहेमारे जगे रहाओ, कहाकी बा दिन और बा घडी तुम पता न पएहौ।"¹⁴"काहेकी जा परदेश जानबारी आदमी जैसो हए, जौन परदेश जात पेती अपन नोकरके बुलाएके अपन धन-सम्पत्ति बिनके जुम्मा दै। " ¹⁵बा सबयके बिनके अपन क्षमता अनुसार एकके पाँच सोनोको सिक्का, दुसरेके दुई और फिर दुसरेके एक दैके गैभव।
¹⁶तव पाँच सोनोको सिक्का पानबारी तुरन्तए जाएके बा व्यापारमे लागएके और पाँच सिक्का कमाई।¹⁷उइसीय दुई सिक्का पानबारी फिर और दुई सिक्का कमाइ। ¹⁸पर एक सिक्का पानबारी त जाएके भिमे खोदके अपन मालिकको धन लुकाएरहो।¹⁹"बहुत दिन पिछु बा नोकरको मालिक आओ, और बा बिनसे हिसाब मागी। " ²⁰तव पाँच सोनोको सिक्का पानबारी नोकर और पाँच सिक्का लायके अगु आएके अइसे कहि, 'हजुर, तुम मोके पाँच सिक्काको जुम्मा दए रहओ, देखी मए और पाँच सिक्का कमओ हौं। ²¹"मालिक बासे कहि, 'स्याबास, अच्छो और विश्वासी नोकर! तए थोरी बातमे ईमान्दार भव, अब मए तोके बहुत बातको जुम्मा देहौं। तए अपन मालिकको खुशीमे सहभागी हो।"²²दुई सिक्का पानबारी फिर आएके कहि, 'हजुर, तुम मोके दुई सिक्का दएरहओ। देखओ, मए और दुई सिक्का कमओ हौं। " ²³बा मालिक बासे कहि, 'स्याबास, अच्छो और विश्वासी नोकर, तए थोरी बातमे ईमान्दार रहो, अब मए तोके बहुत बातको जुम्मा देहौं। तए अपन मालिकको खुशीमे सहभागी हो।"²⁴"एक सोनोको सिक्का पानबारी फिर आएके कहि, 'हजुर, न लगाओ जग्गासे कटात हओ और न बोन बारी ठाउँसे बटोर लेतहौ, तुम कठोर आदमी हौ करके मोके पता रहए।" ²⁵बहे मारे मोके डर लागो, और जाएके तुमरो सिक्का मए मट्टीमे गाडके लुकाओ रहओ। देखओ, जा तुमरो सिक्का लेओ।"²⁶"बाको मालिक बाके जबाफ दै, "ए दुष्ट, अल्छी नोकर, न लगाओ ठाउँमे कटात् हए, और न बोनबारी ठाउँसे बटोरत् हए करके तए जनत रहए तव, " ²⁷तए मिर पैसाके साहुके ठिन धरन् रहए, और आएके मए मेरो पैसा व्याज समेत फिर्ता पातो।"²⁸जहेमारे बासे जा सिक्का छिनलेओ, और जौनके संग दश सिक्का हए बाके देओ। ²⁹काहेकी जौनके संग हए बाके और मिलैगो, और बाके संग गजब हुइहए। पर जौनके संग न हय बाके संग भव फिर बासे छिनोजएहए। ³⁰बा बेकामको नोकरके बाहिर अन्धकारमे फेकदेओ, जहाँ आदमी रुइहएँ और दाँत किटकिटए हएँ।"³¹जब आदमीको पुत्र सबय स्वर्गदुतकेसंग अपन महिमामे अबैगो, तव बा अपन महिमामय सिंहासनमे बैठैगो।" ³²और बाके अगु सब जाति इकट्ठा हुइहएँ, और जैसी बकरेहेरा भेडा और बकरीयाके छुटेयात् हए, उइसीय बा बिनके एक दुसरेसे अलग करेहए। ³³बा भेडाके अपन दाहिनाघेन, और बकरीयानके दिब्राघेन धरैगो।"³⁴"तव राजा अपन दाहिनाघेनबारेनसे कएहए, 'आओ, मेरे पिताके तुम धन्यके हौ ! संसारको उत्पत्तिसे तुमरे ताहिँ तयार करो राज्यमे अधिकार करओ। " ³⁵काहेकी मए भुखानो रहौं, तुम मोके खानके दय। मए प्यासो रहौं, तुम मोके पिन दय, मए परदेशी रहौं, तुम मोके बैठन दय। ³⁶मय नङ्गो रहौं, तुम मोके लत्ता पैधन दय, मय बिमार रहौं, तुम मोके ख्याल करे, मय जेलमे रहौं, तुम मेरे ठिन आए।"³⁷"तव धर्मीजन उनके जबाफ देहएँ, 'हे प्रभु, कब हम तुमके भुखो देखे, और खानके दय, औ कब प्यासो देखे, और पिनके दय ? " ³⁸कब हम तुमके परदेशी देखे, और तुमके बैठन दय ? औ नङ्गो देखे और लत्ता पैधन दय ? ³⁹और कब हम तुमके बिमार और जेलमे देखे, और तुमरे ठिन आए ?" ⁴⁰तव राजा बिनके जबाफ दैके कयहय, 'नेहत्य, मए तुमसे कहत हओ, तुम जा मिर भैयन मैसे सबसे छोटैक एक जनीके जो जित्तो करे, बा तुम मिर ताहिँ करे।"⁴¹तव पिछु बा दिब्राघेनके आदमीनसे कहि, 'ए श्रापित आदमीओ ! मोसे दुर हुइजाओ, और दियाबलस और बाके दूतके ताहिँ तयार करो अनन्तकी आगीमे जाओ " ⁴²काहेकी मए भुखानो रहौं, तुम मोके खान न दय, मय प्यासो रहौं, तुम मोके पिन न दय। ⁴³मए परदेशी रहौं, तुम मोके बैठन न दय। नङ्गो रहौं, और तुम मोके लत्ता न पैधाय। बिमार और जेलमे रहौं, और तुम मोके ख्याल न करे।"⁴⁴बे फिर अइसे करके जबाफ देहएँ, 'प्रभु, कब हम तुमके भुखो और प्यासो देखे, परदेशी और नङ्गो और बिमार देखे, और जेलमे देखे, और तुमरो सेवा न करे ?" ⁴⁵"तव बा बिनके जबाफ देहए, 'नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौं, जा सबसे छोटे मैसे एक जनीके जो जित्तो न करे, बा तुम मेरे तहिँ न करे।" ⁴⁶"तव बे अनन्त दण्डके भागी हुइहएँ, पर धर्मी त अनन्त जीवनमे घुसहँए।"

Chapter 26

¹येशू जा सब बात करके अपन चेलनसे कही, ²"तुमके पता न हय, कि दुई दिन पिछु निस्तार-तेवहर आतहए, और आदमीको पुत्र क्रूसमे टाँगनके ताहीं पकणो जाएहए।" ³तब कैयाफा नाउँको प्रधान पुजारीक दरबारमे मुखिया पुजारी और जनताके धर्मगुरु इकठ्ठा भए। ⁴और बे येशूके कैसे पकणए और मराएँ करके सल्लाह करनू लागे। ⁵तब बे कहिँ, "तेवहरमे नए। नत आदमीमे हलचल हुइजएहए।" ⁶येशू बेथानियामे सिमोन कोठीके घरमे रहए, ⁷एक बैयर सिङ्गर मरमरको एक शीशीमे किमती अत्तर लैके बाके ठिन आई, और बा खान बैठो रहए तब बाके मुणमे अखनाएदै। ⁸जा देखके चेला दिक्काए गए, और बे कहिँ, "काके ताँही जा इत्तो नोक्सान करीहए ?" ⁹काहेकी जा अत्तर बहुत दाममे बेचके बा पैसा गरीबके दैसकत रहए।" ¹⁰तब येशू जा बात पत्ता पाएके बिनसे कहि, "तुम जा बैयरके काहे दुःख देतहौ? बा त मिर ताहीं एक अच्छो काम करीहए।" ¹¹काहेकी गरीब तुमरे संग सब दिन हुइहएँ। पर मए तुमरे संग सब दिन न हुइहौँ।" ¹²बा जा अत्तर मिर शरीरमे अखनाएके दफनके ताहीं मोके तयार करीहए। ¹³नेहत्य, मए तुमसे कहतहौँ, सारा संसारमे जहाँ जा सुसमाचार प्रचार हुइहए, जा बैयर जो करीहए बाको चर्चा बिनके सम्झनाके ताहीं करेहएँ।" ¹⁴तब बाह्र मैसे एक जनी यहूदा इस्करियोत कहन बारो त मुखिया पुजारी ठिन गव, " ¹⁵और कहि, "अगर मए बाके तुमरे हातमे सौप देहौँ तब, मोके का देहौँ ?" बे बाके चाँदीके तीस सिक्का दें। ¹⁶बहे बेरासे यहूदा बाके पकणानके मौका ढूँडन लागो।" ¹⁷जब अखमिरी रोटीको तेवहरको पहिलो दिन चेला येशू ठिन आएके कहिँ, "तुमर ताहीं निस्तार-तेवहरको पाटीमे खानको प्रबन्ध हम कहाँ कराएँ ?" ¹⁸बा कहि, "सहेरमे एक आदमी ठिन जाओ, और बिनसे कहओ, 'गुरुजी कहिहए, मिर समय ढिगई आए गओ हए। मए अपन चेलासंग तुमरे घरमे निस्तार-तेवहर मनएहौँ।" ¹⁹तब येशूको आदेश अनुसार चेला करीं और बे निस्तार-तेवहरको प्रबन्ध मिलाई।" ²⁰सांझ भव बा बाह्रओ चेला संग बैठो। ²¹बा खातपेती कहि, "नेहत्य, मए तुमसे कहत हौँ, तुम मैसे एक जनी मोके पकणए देहए।" ²²तब बे बहुत दुःखित हुइके सब बासे पुछन लागे, "प्रभु, का बा मए हौँ ?" ²³और बा कहि, "जौन मिर थरियामे रोटी बोरेगो, बा मोके पकणए देहए।" ²⁴आदमीको पुत्रके त बाके बारेम धर्मशास्त्रमे लिखो अनुसार हुइहए। पर धिक्कार बा आदमीके जौनसे आदमीक पुत्र पकणो जएहए। बा आदमीके त न जल्मनो बाके ताँही अच्छो हुईतो।" ²⁵तब बाके पकणए देनबारो यहूदा पुछी, "गुरुजी, का बा मए हौँ?" बा बासे कहि, "तै अपनाए बा काहो हय।" ²⁶बे खानु खातपेती येशू रोटी लै और आशिर्वाद दैके पिछु बो तोरी और चेलनके दैके कहि, "लेओ, खाओ, जा मिर शारीर हए।" ²⁷तब कटोरा फिर लैके धन्यावाद दैके बा बिनसे अइसे करके दै, "तुम सब जा मैसे पिबओ।" ²⁸काहेकी जा नयाँ करारको मेरो रगत हए, जा बहुतनके ताहीं पापको प्रायश्चितके ताहीं बहो हए।" ²⁹पर मए तुमसे कहत हौँ, कि दाखको जा फरासे मए जब तक न पिहौँ, जब तक अपन पिताको राज्यमे तुमरे संग नयाँ करके न पिहौँ।" ³⁰एक भजन गाएके पिछु बा जैतुन डाँगाधेन निकरके गओ। ³¹तब येशू बिनसे कहि, "आज मिर करनसे तुम पिछु हटेहौ। काहेकी अइसो लिखो हए, 'मए बकरेहेराके मारंगो, और बगालके भेडा तितरबितर हुइके छरपष्ट हुइजएहए।" ³²पर मए मरके जिन्दा हुइके तुमसे अगु गालीलमे जाएहौँ।" ³³पत्रुस बासे जबाफ दैके कहि, "तुमरे कारन सब जनी पिछु हटेहएँ फिर मए कबहू पिछु न हटंगो।" ³⁴येशू बिनसे कहि, "नेहत्य, मए तुमसे कहात हौँ, आज रातके मुर्गा बास्नेस अगु तए मोके तीन चोटी इन्कार करेहय।" ³⁵पत्रुस बासे कहि, "मोए तुमरे संग मरन पणेहए तहुँ फिर मए तुमके इन्कार नकरंगो।" और सब चेला अइसिय कहिँ। ³⁶तब येशू गेतसममी कहन बारो ठाउँमे बिनके संग गव, और चेलनसे कहि, "तुम हियाँ बैठओ, मए त थुर दुर जाएके प्रार्थना करेहौँ।" ³⁷और अपने संग पत्रुस और जब्दियाक दुई लौणनके लैके बा शोकित और व्याकुल होन लागो। ³⁸तब बा बिनसे कहि, "मिर प्राण गहिरो शोकमे मए अधमरा कता हुइगव हौँ। तुम हियाँ बैठीओ, और मिर संग जगे रहिओ।" ³⁹और बा थुर दुर जाएके लम्पसार पणके प्रार्थना करी, "हे मिर पिता, हुइसकतहए तब, जा कटोरा मोसे हटए देओ। तहुँ फिर मए इच्छा करेअनुसार न, पर तुमरी इच्छा करे अनुसार होबाए।" ⁴⁰तब बा चेला ठिन आओ बिनके सोत पाई, और पत्रुससे कहि, "का तुम मिरसंग एक घण्टा फिर जगे बैठ न पाए? ⁴¹जगे रहओ, प्रार्थना करओ और परीक्षामे मतपणाओ। आत्मा त नेहत्य तयार हए, पर शरीर दुर्बल हए।" ⁴²फिर दुस्रो चोटी बा प्रार्थना करनू गव, "हे मिर पिता, यदि मए न पिनसे न हुइहए कहसे तुमरी इच्छा पुरा होबाए।" ⁴³बा फिर आएके उनके सोत पाई, काहेकी बे बहुत निधाने रहएँ। ⁴⁴जहेमारे बा फिर बिनके छोडके गव, और जाएके बेही बात दोहोरयाएके तिस्रो चोटी प्रार्थना करी। ⁴⁵तब बा चेलाके ठिन आएके बिनसे कहि, "तुम हबाएतक सोए रहेहौ और अराम कर रहेहौ ? देखओ, समय नजिक अइगव हए। आदमीको पुत्र पापीनके हातमे पणन लागो हए।" ⁴⁶उठ, जाओ, देखओ, पकणन देनबारो ढिगै हए।" ⁴⁷बा मसक्त्य बहे मैसे एक जनी यहूदा आओ। बाके संग मुखिया पुजारी और जनताके धर्मगुरु पठाई भै एक बणी भीड तलवार और लठु लैके आए। ⁴⁸बाके पकणबानके बा एक संकेत दैरहए, "जौन आदमीके मए चुमेहौ, बहे हुईहए, बहेके पकणीओ।" ⁴⁹तुरन्त येशू ठिन जाएके बा कहि, "हे गुरु प्रणाम! और बा बाके चुमी।" ⁵⁰येशू बासे कहि, "संगी, तुम जो करनू आए हौ, बा करीडारओ।" तब बे अगु आएके येशूके गिफ्तार करीं। ⁵¹येशूके संगमे होनबारो मैसे एक हात बढाएक अपनो तरवार निकारके, मुखिया पुजारीको कमैयाके बा कान काटके अलग करदैं। ⁵²तब येशू बिनसे कहि, "तुमरो तरवार खोलमे डार, काहेकी तरवार लेनबारे सब तरवारसे नष्ट हुइहएँ।" ⁵³तुम का बिचार करत हौ, का मए अपन पिताके बिन्ती कर न पएहौँ, और बा तुरन्त स्वर्गदूतके बाह्र पल्टनसे जब्दा मिर ताहीं पठाए का न देहए?" ⁵⁴पर जा बात अइसी होनाएके हए करके धर्मशास्त्रमे लिखि बात कैसे पुरी हुइहए?" ⁵⁵बा समय येशू भीणसे कहि, "डाँकुके पकणान कता मोके पकणान तरवार और लठु लैके तुम काहे आए? मए सब दिन मन्दिरमे शिक्षा देत बैठो रहौँ, तब तुम मोके न पकणो।" ⁵⁶पर अगमवक्ताक धर्मशास्त्र पुरा होन ताहीं जा सब होन आओ हए।" तब सब चेला बाके छोडके भाजे। ⁵⁷येशूके पकणके बाके प्रधान पुजारी कैयाफाके ठिन लागए। हुवाँ शास्त्री और धर्मगुरु इक्ठ्ठा भए रहएँ। ⁵⁸तब पत्रुस दुरसे प्रधान पुजारीक भवनके आँगन तक बाके पिछुपिछु गव, और अन्तमे का हुईहए, सो देखनके ताहीं भितर घुसके चौकीदार संग बैठो। ⁵⁹अब मुखिया पुजारी और जम्मए महासभाके येशूके दण्ड देनके बाके बिरुध्दमे झुठी गवाही दुणन लागे। ⁶⁰बहुत झुठी गवाही देनबारे आए, और बे कोइ प्रमाण न पाई। आखिरमे दुई जनी अगु आए, ⁶¹और कहिँ, "जा आदमी 'मए परमेश्वरके मन्दिरके उजाडके तीन दिनमे जा बनाए देहौँ करके कही हए।" ⁶²तब प्रधान पुजारी उठके कही, "का तए कुछ जवाफ ना देहए? जा आदमी तेरे बिरुध्दमे दओ गवाही का हए?" ⁶³तब येशू चुप रहो। प्रधान पुजारी बासे कही, "जीवित परमेश्वरको नाउँमे कसम खाएके कहो, हमके बता, का तए परमेश्वरको पुत्र खीष्ट हए?" ⁶⁴येशू बिनसे कही, "तुम्ही कहेरहेहौ। तहुँ फिर मए तुमसे कहत हौँ, अब पर तुम आदमीको पुत्रके सर्वशक्तिमानके दाहिना हातधेन बैठो देखेहौ।" ⁶⁵व प्रधान पुजारी अपन कुर्ता फारी और कही, "जा त ईश्वर-निन्दा करके बोलि। हमके अब और साक्षीको का जरूरत पणिहए? तुम हबाए जा बोलि ईश्वर-निन्दा सुनलएहौ।" ⁶⁶तुमर का बिचार हए?" बे जवाफ दें, "जा प्राणदण्डको योग्य हए।" ⁶⁷तब बे बाके मुहमे थुक्के मुक्का लगाई, और कोइ-कोइ अइसे कहत थप्पण लगाई, ⁶⁸"हे खीष्ट अगमवाणी कहो! तोके मारन बारो कौन हए?" ⁶⁹पत्रुस बाहिर आँगनमे बैठो रहए। एक नोकर्नी बाके ठिन आएके कहि, "तुम फिर गालीलके निवासी येशूसंग रहौ।" ⁷⁰पर बा उनके सबके अगु इन्कार करके कही, "तए का कहत हए, मए न

जन्तहै।⁷¹ बा बाहिर दलानमे निकरके पिछु दुसी दासी बाके देखी, और हुवाँ बैठन बाले कहीं, "जा आदमी फिर येशू नासरीसंग रहए" ⁷² बा फिर कसम खाएके कही, "मए बा आदमीके नए चिन्तहै।"⁷³ थोरी देरमे हुवाँ भए आदमी फिर पत्रुससे कहीं, "नेहत्व, तुम फिर बिनमैसे एक हौ, काहेकी तुमर बोलि न तुमके जाहेर करत् हए।"⁷⁴ तव पत्रुस अपनाएके सरापत् कसम खान लागो "मए बा आदमीके चिन्तए नैयाँ।" और तुरन्त मुर्गा बासदै। " ⁷⁵ तव पत्रुससे येशू कही जा बात याद हुइगओ, "मुर्गा बास्नेस अगु तए मोके तीन चोटी इन्कार करेहए।" तव बा बाहिर जाएके धरधरहुँसे रोइ।

Chapter 27

¹भुक्भुको सुबेरे, सब मुखिया पुजारी और जनताके धर्मगुरु येशूके मृत्युदण्ड देन करके बाके बिरुद्ध योजना बनाई। ²और बे बाके बाँधके लैगए, और हाकिम पिलातस ठिन सौपदै।³ तव बाके पकणन बारो यहूदा बाके उपर दण्डदेत देखके पछताइ, और मुखिया पुजारी और धर्मगुरुके चाँदीके तीस सिक्का घुमानके आओ, ⁴और कही, “मए निर्दोष आदमीके धोखा दैके पाप करोहौं।” तव बे कहीं, “हमके का मतलब? तए अपनाए जानु।” तव चाँदीके बे सिक्का मन्दिरमे फेंकके बा गओ, और फाँसि लगायके आत्महत्या करी।⁵ तव मुखिया पुजारी चाँदीक सिक्का लैके कही, “ढुकुटीमे जा धरनके ठीक न हय, काहेकी जा रगतको मोल हए।” ⁷बे आपसमे सल्लाह करके बा पैसासे परदेशीनके दफनके ताहीं कुम्पाक जमिन किनी। ⁸जहेमारे बा जमिनसे आज तक फिर रगतको जमिन कहत हएँ।⁹ तव यर्मिया अगमवक्ता कहीबात पुरी भै, बे चाँदीक तीस सिक्का लैके, बा मोलके रुपमे, जौन इस्राएलको लौणके बे तोकी रहएँ, ¹⁰और परमप्रभु मोके आदेश दओअनुसार कुम्पाक जमिनके ताहीं बे दें।¹¹ येशू हाकिमके जौने ठाणो, और बे येशूसे पुछीं, “का तए यहूदीक राजा है?” येशू बिनसे कही, “तुम्ही त अइसो कहतु हौ” ¹²तव मुखिया पुजारी और धर्म-गुरु बाके उपर दोष लगाई, तव बा कोइ जवाफ नदै। ¹³तव पिलातस बासे कही, “तुमरे विरुद्धमे अनेक बातको गवाही देतहएँ, का तुम सुन्त नैयों?” ¹⁴पर बा बिनके एक बातक फिर जवाफ नदै | हाकिम फिर जा बातमे गजब छक्क पणिगव।¹⁵ निस्तार-तेवहारमे भीड चाहो बमोजिम हाकिमके एक जनि कैदी छोननके रिति रहए। ¹⁶बा समय बारब्बा नाउँको एक प्रख्यात कैदी रहए।¹⁷ जब आदमी इक्ठ्ठा भए, पिलातस बिनसे पुछी, “तुम का चाहत हौ? मए तुमरे ताहीं कौनके छोनदेओ? बारब्बा कि ख्रीष्ट कहन बारो येशूके?” ¹⁸काहेकी बे येशूके गुस्सा से सौपी रहएँ करके बिनके पता रहए। ¹⁹जब बे न्याय-आसनमे बैठेरहएँ बहे समयमे बिनकी बैयर अइसे करके खबर पठाई, “बा निर्दोष आदमीके कुछ मतकरीओ, काहेकी आज सपनामे बाके कारन मए बहुत दुःख भोगो हौं।”²⁰ तव मुखिया पुजारी और धर्म-गुरु बारब्बाके छोनदेन और येशूके मृत्युदण्ड देनके माग करन् आदमीके फुल्साई। ²¹हाकिम फिर बिनसे पुछी, “दुई मैसे कौनके त मए तुमरे ताहीं मुक्त करदेऊँ करके तुम चाहतु हौ?” बे कहीं, “बारब्बाके।” ²²पिलातस बिनसे कहि, “तव ख्रीष्ट कहन बारो येशूके मए का करओ?” बे बासे जवाफ दैके कहीं, “बाके कुसमे टाँगओ।”²³ बा कहि, “काहे? बा का अपराध करी हए?” तव बे और जोणसे चिल्लाई, “बाके कुसमे टाँगओ।” ²⁴तव कोइ सीप न लागो देखके, और हलचल मचि जएहए करके डारके पिलातस पानी लैके भीणके अगु अपन हात धोएके कहि, “तुम अपनाए जानओ, मए जा आदमीको रगतसे निर्दोष हौं।”²⁵ सब आदमी जबाफ दें, “बाको रगत हमके और हमर सन्तानके उपर पणए।” ²⁶तव बा बिनके ताहीं बारब्बाके छोनदे, और येशूके कोर्रा लागएके कुसमे टाँगन के सौपदै।²⁷ तव हाकिमके सिपाही येशूके महलमे लैगए, और जम्मए पल्लान बाके जौने इक्ठ्ठा हुइगए। ²⁸बे बाको कुर्ता खोलके बाके लाल कुर्ता लगाएदैं। ²⁹बे काँटोको मुकुट गृहिके बाके मुणमे लगाएदैं, और बाके दहिना हातमे डन्डा दें, और बाके अगु घुँटो टेकके बासे अइसे कहिके बाको गिल्ला करीं, “हे यहूदियाको राजा, प्रणाम।”³⁰ तव बे बाके थुकीं, और बा डन्डा लैके बाको मुणमे मारीं। ³¹बाके गिल्ला करके पिछु बे बाको कुर्ता खोलदैं और बाके अपनो कुर्ता पैधाएके बाके कुसमे लटकानके ताहीं लैगए।³² जातेजात बे सिमोन नाउँको कुरेनीके एक आदमीके पाई, और बे बाके बाको कुस बोकन कर लगाई। ³³जब बे गलगथा कहन बारो ठाउँमे आएपुगे, जौनके खोपणीको ठाउँ कहत हएँ, ³⁴तव बे बाके पित मिलो भौ दाखमध पिनके दै, तव बा चाखके बा न पिई।³⁵ बे बाके कुसमे टाँगके पिछु, चिट्टा डारके बाको कुर्ता आपसमे बाँटीं। ³⁶तव हुवाँ बैठके बे बाके पहरा देन लागे। ³⁷“येशू यहूदीको राजा” करके बाके विरुद्धमे दोष-पत्र बे बाके मुणके उपर टाँगदै।³⁸ बाके संग दुई जनी डाँकु कुसमे टाल्गे रहएँ, एक बाके दहिना घेन और दुस्रो दिब्रा घेन ³⁹हुवाँसे आनबारे जानबारे अपन मुण हलाएके बाको गिल्ला करीं, ⁴⁰और कहीं, “ए मन्दिर उजाणनबारो और तीन दिनमे निर्माण करनबारो, अपनाएके बचा, और परमेश्वरको पुत्र हए तव, कुससे उतरके तरे आएजा।”⁴¹ मुखिया पुजारी फिर शास्त्री और धर्म-गुरु संगए मिलके बाको गिल्ला करतु कहीं, ⁴²“जा औरनके त बचाई, अपनाएके त बचाए न पाई। जा इस्राएलको राजा हए। हबए कुससे तरे उतरके आएजा, तव हम विश्वास करेहएँ।”⁴³ जा परमेश्वरमे भरोसा करतु रहए। परमेश्वर बाके चाहत रहए तव बहे बाके बचाबय, काहेकी जा त ‘मए परमेश्वरको पुत्र हौं,’ करके कहत रहए।” ⁴⁴और बाके संग कुसमे टाँगे बे डाँकु फिर बहे किसिमसे बाको अपमान करीं।⁴⁵ अब दुपहर से लैके तीन बजे तक सारे देशमे अन्धकार हुइगव। ⁴⁶तीन बजे घेन येशू अइसे करके बणो जोणसे चिल्लाई, “इलोई, इलोई, लामा सबखथनी?” जौनको अर्थ हय, “हे मिर परमेश्वर, हे मिर परमेश्वर, तुम मोके काहे त्यागे दय हौ?” ⁴⁷हुवाँ ठाढेभए मैसे कित्तो जनी जा सुनके कहीं, “जा आदमी एलियाके बुलातहए।”⁴⁸ बिनमैसे एक जनी झट्ट दौरके गव एक स्पन्ज लैके सिकामे डुबाएके डन्डामे धरके बाके पिनदै। ⁴⁹तव बाँकी कहीं, “देखओ, कहुँ एलिया यिनके बचान आत हए कि?” ⁵⁰तव येशू फिर बणो जोणसे चिल्लाई और अपन आत्मा त्यागदै।⁵¹ तव बा समयमे मन्दिरको पर्दा चुटियासे लैके जरसे दुई खुद्रा हुइगव और जमिन काँपन लागी और चट्टान फुटे। ⁵²सरके ढक्कन खुलियग, और मरेभए बहुत सन्तानके मृत शरीर जिन्दा हुइके उठे, ⁵³और बे गड्डासे निकारके, और मरके येशूके पुनरुत्थानमे बे पवित्र सहेरमे प्रवेश करीं और बहुत ठिन दिखाने।⁵⁴ जब कप्तान और बिनके संग येशूके देखन बारे हालाचाला और हुवाँ भव घटना देखीं, तव बहुत झस्के बे अइसे कहीं, “नेहत्य, जा परमेश्वरको पुत्र रहए।” ⁵⁵हुवाँ गालीलसे आए भए बहुत बैयर फिर रहएँ, बे दुरसे सब जा देखत रहएँ। बे बाको सेवा-सत्कर करत गालीलसे येशूके पिछुपिछु आईरहएँ। ⁵⁶बे मैसे मरियम मगदलीनी, और याकूब और योसुफकी अइया मरियम, और जब्दियाक लौणाकी अइया रहएँ।⁵⁷ संझा हुइगव अरिमाथियाक योसुफ नाउँ भव एक जनी धनी आदमी अओ। बा स्वयम् येशूके चेला रहए। ⁵⁸बे पिलातसके ठिन जाएके येशूक मृत शरीर मार्गीं, और पिलातस सो बिनके देनके हुकम करी।⁵⁹ योसेफ मृत शरीर लैजाएके सफा मलमलको लत्तामे लबेटी, ⁶⁰और बे चट्टानमे खोदके बनाए अपनो नयाँ गड्डामे बाके धरीं, और गड्डाके मुहूमे एक बहुत भारी पत्थर लुणकाएदैं, और बे हुँवा से गए। ⁶¹गड्डाके जौने मरियम मगदलीनी और दुस्री मरियम फिर बैठी रहए। ⁶²कल औ तयारीक दिन मुखिया पुजारी और फरिसी पिलातसके ठिन इकठ्ठा भए, ⁶³और कहीं, “हजुर, हमके याद हए, कि बा ठगहा जिन्दा रहए, तबही ‘तीन दिन पिछु मए फिर जिन्दा उठंगो’ कही रहए।” ⁶⁴बहेमारे तिस्रो दिनतक बा गड्डामे सुरक्षित रहनके हुकुम करी, नत बाके चेला आएके बाके चुराएके लैजामंगे, और ‘बा मरो भव जिन्दा हुइके उठाईगो’ कहिके आदमी कहांगे, और बा पिछुको धोखासे पहिलो और खराब हुइहए।”⁶⁵ पिलातस बिनसे कहि, “‘‘तुमरो अपनो पहरा हैइए हए। जाओ, तुम बाके सकभर सुरक्षित रखौ।”” ⁶⁶तव बे गए और पत्थरमे मोहर लगाई, और पहरेदार खटाए भए गड्डा सुरक्षित रखाई।

Chapter 28

¹शबाथपिछु, हप्ताको पहिलो दिन भुक्भुको उजियारो होत मरियम मगदलिनी और दुसी मरियम सरमे देखन आई। ²बहुत भारि हालाचाला गओ। काहेकी परमप्रभुको एक दूत स्वर्गसे तरे उतरके, पत्थर हटाएके बहे उपर बैठो। ³बाको रुप बिजुली जैसो और कुर्ता बरफ जैसो सेतो रहए। ⁴बाके डरके मारे बे पहरेदार थरथर काँपी, और अधमरा जैसे हुइगए। ⁵तव स्वर्गदूत बे बैयरनसे कहिँ, "तुम मतडराओ, काहेकी मोके पता हए, तुम कुसमे टँगो येशूके दुणत् हौ।" ⁶बा हियाँ न हय, काहेकी बा कही अनुसार बा जिन्दा हुइके उठिगओ हए। आओ, बाके धरो ठाउँ देखौ। ⁷और जल्दी जाएके बाके चलनके खबर देओ, कि बा मरके जिन्दा हुइके उठिगओ हए, और बा तुमसे अगु गालीलमे जातहए। तुम हुवाँ बाके देखेगे। मए तुमसे कहिदी हौ।" ⁸और बे डर और बहुत आनन्दसे झट सरको गड्डासे निकरके गए, और बाके चलनके खबर देन दौरे। ⁹अचानक येशू बिनके भेटके कहि, "शान्ति!" बे ढिँगै आएके बाको पाउ पकणके बाके दण्डवत करी। ¹⁰तव येशू बिनसे कहि, "मतडराओ, जाएके मिर भैयनसे गालीलमे जान कहीदेओ, और हुवाँ बे मोके देखेगे।" ¹¹जब बे बैयर डगरमे रहएँ, कोइ-कोइ पहरेदार सहरमे जाएके मुखिया पुजारीनके हुवाँभव घटनाके बारेमे खबर दें। ¹²जब मुखिया पुजारी धर्म-गुरुन से भेटी और बिनसे सल्लाह करी, और बे सिपाइनके अइसे करके बहुत पैसा दें, ¹³"तुम कहिओ, कि 'हम सोत समयमे बाके चेला आएके बाके चुराएके लैगए हएँ।" ¹⁴अगर हाकिमके कानमे जा बात पुगीगई तव, हम बाके मनाएके तुमके बचाय देहएँ।" ¹⁵तव बे सो पैसा लें, और सिखाए अनुसार करी, और यहूदीमे आजके दिनतक जहे बात फैलीहए। ¹⁶बे एघार जनी चेला गालीलके बा डँगामे गए, जहाँ येशू बिनके जानके आदेश दै रहए। ¹⁷बे बाके देखके दण्डवत् करी, तव कितनो त शँका करी। ¹⁸तव येशू बिनके ठिन आएके कहि, "स्वर्ग और पृथ्वीमे सबय अधिकार मोके दौ हए।" ¹⁹जहेमारे जाओ, और सब देशके जातिनके चेला बनाओ, पिता और पुत्र और पवित्र आत्माके नाउँमे बिनके बप्तिस्मा देओ।" ²⁰मए तुमके आज्ञा करो सब बात पालन करन् बिनके सिखाओ। देखौ, मए युगको अन्त तक सब दिन तुमरे सँगमे हौ।"

Mark

Chapter 1

¹जा परमेश्वरको पुत्र येशू ख्रीष्टको सुसमाचारको सुरुवात हय। ²यशैया अगमबक्ताके किताबमे अइसो लिखो हए 'देख, मए मेरो दूतके तिर अगु-अगु पठामझो, जौन तेरो डगर तयार करैगे।" ³उजाडस्थानमे एक जनी चिल्लान बारोको आवाज, परमप्रभुको डगर तयार करओ, बाको डगर सुध बनाओ।" ⁴बप्तिस्मा देनबारो यूहन्ना पाप मिटानके ताहीं मन बदलनको बप्तिस्माको प्रचार करतय उजाडस्थानमे देखाइ दई। ⁵सबय यहूदिया देश और यरुशलेमके सबए बासिन्दा बिनके ठिन निकरके आइगए और बे अपन अपन पाप स्वीकार करतय बिनसे यर्दन नदियामे बप्तिस्मा लें। ⁶यूहन्ना ऊँटको बारसे बिनो लत्ता पैंधत रहए, और करेहाँवमे खलरी को फेंटा बाँधत रहए, और टिँडा और बनको शहत खात रहए। ⁷बा अइसे कहातय प्रचार करी, "जौन मोसे पिच्छु आबैगे, बा मोसे शक्तिशाली हए, तव लोहोवके बाको जूताको तनी खोलनको योग्यको मए न हौ।" ⁸मए तुमके पानी से बप्तिस्मा दओ हौ। पर बा तुमके पबित्र आत्मासे बप्तिस्मा देबैगे।" ⁹अब बे दिनमे येशू गालिलके नासरतसे आओ, और यूहन्नासे यर्दन नदियामे बप्तिस्मा लै। ¹⁰पानीसे निकरके आतए खिना बा स्वर्ग उघरो, और पबित्रआत्मा कबुतरके रुपमे अपन ऊपर उतरत देखी। ¹¹तव स्वर्ग से अइसो एक आवाज आओ, "तए मिर प्यारो लउँडा हए, तोसे मए गजब खुसी हौ।" ¹²पबित्र आत्मा बाके तुरन्त उजाडस्थानमे लैगौ। ¹³भूतद्वारा सतावट पाएके बा चालिस दिन उजाडस्थानमे रहो। बा जँगली जनावर संग रहो और स्वर्गदूत बाकी सेवा सत्कार करी।" ¹⁴अब यूहन्ना पक्रडाव पडके पिच्छु परमेश्वरको सुसमाचार प्रचार करतय येशू गालीलमे आओ। ¹⁵बा कही, "समय पूरा हुइगओ हए, परमेश्वरको राज जौँडे आईपुगो हए। पश्चाताप करी, और सुसमाचारमे विश्वास करओ।" ¹⁶गालील समुन्दरके किनारे किनारे जातेपेती बा सिमोन और बाको भैया अन्द्रियास के समुन्द्र मे जार डारत देखि काहेकि बे मछेरयहा रहयँ। ¹⁷येशू उनसे कही मेरे पिच्छु लागओ, और मए तुमके आदमिनको मछेरयहा बनामझो। ¹⁸बे तुरन्त अपनी जार छोडी और बाके पिच्छु लग्ये। ¹⁹और थोरी दूर जाएके पिच्छु बा जब्दियाके दुई लउँडा याकूब और यूहन्नाके नैयाँमे बैठो जार थिगरत देखी। ²⁰बा तुरन्त उनके बुलाइलै, और बे अपनो दौवा जब्दिया के नैयाँ चलान बारेन संग नैयाँमे छोडके बाके पिच्छु लग्ये। ²¹तव बे कफर्नहुममे गए, और तुरन्त विश्रामदिनमे सभाघरमे जाएके सिकान लागे। ²²और सब बाको शिक्षामे अचम्मो मानी काहेकि बा उनके शास्त्री जैसो नाय, पर अधिकार से सिखात रहए। ²³बहे समय सभाघरमे अशुध्द आत्मा भव एक आदमी रहय। ²⁴बा अइसो कहत् चिल्लान लागो, "हे नासरतको येशू हमसे तोसे का लेनदेन? का तए हमके सत्त्यानास करन आओ हए ? मए तोके चीन्तहौ, तए परमेश्वरको पवित्र जन हय।" ²⁵तव येशू अइसो कहतय बाके डाँटी, "चुप लाग, और बक मैसे निकरजा।" ²⁶बा आदमीके फत्फत्बाएके बा अशुध्द आत्मा बडो जोडसे चिल्लायके बा आदमी मैसे निकरगओ। ²⁷तव सब जनी अचम्मो मानी, और बे अइसे कहत अपनैमे सोधपूछ करन् लागे, 'जा का हए ? जत् नयाँ शिक्षा हए। जत् अधिकारके संग अशुध्द आत्मनके आज्ञा करत हए, और बे उनको आज्ञा मानत हएँ।" ²⁸और जलदीय येशू को चर्चा गालीलके इलाकाके आसपास चारी घेन फैलाओ। ²⁹अब बा तुरन्त सभा घर से निकरके याकूब और यूहन्ना के सँगमे सिमोन और अन्द्रियास के घरमे आइगओ। ³⁰सिमोन की सास बुखारसे भरी रहय, और बे जल्दी बाके बारे में बाके बताई। ³¹बा ढिँगै आएके बक् हात पकड़के बाके उठाई, और बुखार बाके छोड़ै। तव बा बिनकी सेवा करन लागी। ³²बहे सँझाके दिन डुबनसे पच्छु, आदमी बाके जउणे बेमार और भुत लगेभए जम्मै के लाआई। ³³पुरो शहरके घरके फाटक में जमा हुइगय रहयँ। ³⁴अनेक किसिमके रोग से दुखीभय बहुत बिमारीन के बा अच्छो करी, और बहुत भुतनके निकारी, पर भुत बाके चिनन् के कारन से बा उनके बोलन नादै। ³⁵सुबरे उजियारो होनसे बहुत अगु उठके बा बाहिर एकान्त ठाहोमे गओ, और हुआँ प्रार्थना करी। ³⁶सिमोन और बाके सँग होनबारे बाके दुणतै गय। ³⁷बाके पाएके पिच्छु बे कहनलगे, "सब तुमए दुण रहे हएँ।" ³⁸तव बा उनसे कही, "अव, हम जउडें के और सहरमे जामएँ, और हुआँ फिर मए प्रचार करन पामओ, काहेकि जहेक ताहीं मए आओ हौ।" ³⁹और पुरो गालील में उनके सभाघर में प्रचार करतय और भुतनके निकारत रहो। ⁴⁰और एक जनी कोढ रोग लगे आदमी बाके ठिन आएके घुँटो टेवके अइसे बिन्ती करी, "तुम इच्छा करैगे तव मोके अच्छो कर सकत हौ।" ⁴¹तव दयासे भरके बा अपनो हात बढाएके बाके छुई, और बासे कही, "मए इच्छा करत् हौ, तए अच्छो हुइजा।" ⁴²बहे समयमे बाको कोढ रोग बासे हटीगओ, और बा अच्छो हुइगओ। ⁴³और बा बाके कडो आज्ञा दैके अइसे कहिके तुरन्त पठाई, ⁴⁴"देख तए कोइसे मत कहिए, तए जाएके अपनए पुजारी ठिन दिखा, और तए अच्छो भव तहीमारे आदमीनके प्रमाणके ताहीं मोसा को आज्ञा अनुसार भेंट चढा।" ⁴⁵तव बा

निकरके गओ, और बाके बारेमे खुल्लम खुल्ला प्रचार करन लागो, और येशू फिर सहेर में खुलेआम न जान पाई, और एकान्त ठाहोंमे रहो। तव आदमी चारों घेनसे बाके ठिन आए।

Chapter 2

¹कुछ दिन पिच्छु बा कफर्नहुम घुमो, और आदमी बा घरमे हए करके सुनी । ²और इतनो आदमी जम्मा भए की बे हुवाँ अपाने नाय, हियाँतक कि फाटक के बाहिर फिर ठाउँ ना भव, और येशू उनके परमेश्वरको बचन प्रचार करी। ³और चार जनी उठाएके एक जनी पुरो लुन्जा के लैके आदमी बाके ठिन आए । ⁴भीड के कारन येशुके जौडे ना पुग पाई तओ बे, बा आदमिक बा होनबारी ठाउँको उपरको ठाउँको छानी उतकीं और उतको ठाउँसे लुन्जाके बाको सोनबारी खटिया समेत तरे उतारदैं। ⁵येशू उनको विश्वास देखके बा लुन्जा से कही, ए लउँडा तेरो पाप क्षमा हुइगव । ⁶तव हुवाँ कुछ पण्डित बैठे रहयँ, और अपने मनमे अईसो बिचार करत रहयँ, ⁷“जा आदमी काहे अइसो मस्कत हय ? जा त ईश्वर निन्दा हय केबल एक औ परमेश्वर बाहेक और कौन पाप क्षमा कर सकत हय ? ” ⁸और बे आपसमे अइसे बिचार करत हँ करके येशू तुरन्त अपने आत्मामे पता पाएके उनसे कही, काहे तुम अपने मनमे अइसो बिचार करत हौ ? ⁹लुन्जा से तेरो पाप क्षमा भव , कि उठ , अपन खटिया उठाएके नेग काहन , कौन सहज हए । ¹⁰पर आदमीको पुत्रके पृथ्वी में पाप क्षमा करनके अधिकार हए करके तुम जानौ । “ तव बा लुन्जा से कही , ¹¹मए तुमसे कहत हँ , उठ, अपनी खटिया उठा , और घरे जा । “ ¹²बा उठो , और तुरन्त खटिया उठाएके सब के अगु से गैभव । हियाँ तक कि, सब जनी अचम्मो मानी ,और “ हम त अइसो कबहु ना देखे रहयँ ” कहत बे परमेश्वरको महिमा करीं । “ ¹³बा फिर एक चोटी समुन्द्रके किनारे गओ । और आदमी को एक गजब भारी भीड बाके ठिन आए , और बा उनके शिक्षा देन लागो । ¹⁴तव पिच्छु जातए जातू बा अल्फयसको लउँडा लेबी के कर उठान बारोके ठाहोंमे देखी और बासे कही , मेरे पिच्छु लाग । “ बा उठो और बाके पिच्छु लग गओ । ¹⁵बा लेबी के घरमे खानुखान बैठो रहय, कर उठान बारे गजब जनी और पापी फिर येशू और बाके चेलन के सँग बैठे रहएँ । काहेकि बाके पिच्छु लागन बारे बहुत रहएँ । ¹⁶बाके पापिन सँग और कर उठान बारेन सँग खातदेखीं, फरिसी दलके शास्त्री बाके चेलन से कहीं, तुम काहे कर उठान बारे और पापीन् सँग बैठके खाथ हौ ? ¹⁷जा सुनके येशू उनसे कहि, “ निरोगिनके बैदा को जरूरत न पडत हए, पर रोगिन के पडत हए । मए धर्मिन के ताहिं ना , पर पापिन के बुलानके आओ हौं । “ ¹⁸युहन्नाके चेला और फरिसी उपबास बैठत रहएँ । आदमी आएके बासे कहिं, युहन्नाके चेला और फरिसीके चेला उपबास बैठत हएँ, पर तुमरे चेला काहे उपबास बैठत न हयँ ? ¹⁹येशू उनसे कही, का दुलहा उनके सँग होनतक बरैतिया उपबास बैठत हएँ ? जब दुलहा उनके सँग हए तओ बे उपबास न बैठत हँ । ²⁰पर समय अएहए , जब दुलहा उनसे अलग करेहए तब बा दिन उपबास बैठङ्गे । ²¹कोई फिर पुरानो कपडामे नयाँ कपडा को थिग्रा न लगात हएँ, औ नयाँ पुरानो से फटके निकरत हए, और फटो और बेकार हुईजात हए। ²²कोइ फिर नयाँ दाखमध पुरानो खलरीके मश्कामे न डारत हएँ , नत बा दाखमध खालको मश्काके फुटाए देहए, और दाखमध और मश्का खराब हुईजय हए । पर नयाँ दाखमध नयाँ बरतनमे डारन पडत हए । “ ²³एक बिश्रामको दिन बा अन्नको खेत हुइके जात रहए । बाके चेला नेगतै नेगत अन्नक बाली तोडन लगे । ²⁴जा देखके फरिसी बासे कहीं, देख बिश्रामके दिन मे जो करन ठीक न हए बहे काहे करत हौ ? “ ²⁵बा उनके बताई, “ जब दाउद और उनके सँग होन बारे घटिकमी मे पडे भए और भोकाए भएन के ताहिं दाउद का करी ? का तुम कबही न पढे हौ ? “ ²⁶प्रधान पुजारी अबियाथार के समयमेमे परमेश्वर के भवनमे बा घुसो, और परमेश्वरको चढाओ भव रोटी खाई, जो पुजारी से बाहेक औरन के खान ठीक न रहए और बा रोटी उनके सँग होन बारेनके फिर दर्द । ²⁷उनसे बा कहि , “बिश्राम दिन आदमिनके ताहिं बनो हए , आदमी बिश्राम दिनके ताहिं ना । ²⁸जहे कारन आदमिनको लउँडा बिश्रामदिनको फिर प्रभु हए । “

Chapter 3

¹पिच्छु फिर बा सभाघर में गव, हुवाँ सुखो हात भव एक आदमी रहय। ²बा बाके शबाथ-दिनमें अच्छो करेहए करके बाके दोष लगान आदमी बाको चूहा लेतरहएँ। ³तव बा सुखो हात भव आदमी से कहि, “यिताए आ।” ⁴बा उनसे कहि, बिश्रामदिनमे अच्छो करन् कि खराबी करन्, ज्यान बचान् कि नाश करन् कउन् ठीक हए?” तओ बे चुप् लागे रहे। ⁵बिनको हृदय को कठोरता में दुःखी हुईके क्रोधित भव और बा उनके सबके देखी और बहे आदमी से कहि, “तेरो हात बढा।” बा हात बढाई और बाको हात अच्छो हुइगओ। ⁶तओ निकरके गए बाके कईसे नाश करएँ करके फरिसी तुरन्त हेरोदसँग बाके बिरोधमे सल्लाह करी। ⁷तओ पिच्छु येशू अपन् चेलन संग समुन्द्र घेन गओ, और गलिलसे आदमिन् की बहुत भारी भीड बाके पिच्छु लागी। ⁸यहूदिया, यरुशलेम, इदुमिआ, यर्दनपार और टुरोस और सिदोनक आसपासके आदमीन् को बहुत भारी भीड बाको अचम्मो काम के बारेमे सुनन् बाके ठिन आए। ⁹भीड बाके चिब्दाबय नाए करके बा अपन चेलन् से अपने ताहीं एक नैयाँ तयार करन लगाई। ¹⁰बा बहुतन्के अच्छो करी बहेमारे रोग लगे भए सब बाके छूइहएँ करके धकेला धकेल करत रहएँ। ¹¹जब अशुध आत्मा बाके देखत रहएँ, घुटा पड़के अईसे चिल्लात रहएँ, “तए परमेश्वरको लउँडा हय।” ¹²तव बाके कोइन के पता न चलय करके बिनके बा कडो हुकम दै। ¹³तओ पिच्छु येशू डँगामें चढो, और बा अपने चाहन बारे जीतोनके बुलाई, और बे बाके ठिन अए। ¹⁴अपन् सँग रहन् और प्रचार करन पठानके बा बाहओ जनीके नियुक्त करी, ¹⁵और उनके भुत निकारन के अधिकर फिर दै। ¹⁶और बाहओ प्रेरित जेहि हएँ : सिमोन, जौनको नाउँ बा पत्रुस धरिरहए, ¹⁷जब्दियाक लउँडा याकूब और याकुबको भईया युहन्ना। बा उनके बोअनर्गेश, औ गर्जनको लउँडा करके नाउँ दै। ¹⁸अन्दीयास, फिलिप, बारथोलोमाई, मत्ती, थोमा, अल्फयसको लउँडा याकूब, और थेदियस, सिमोन कनानी, ¹⁹और यहूदा इस्करियोत जौन बाके धोका दै। ²⁰तओ येशू फिर घर घेन फिर गओ। भीड़ जम्मा हुईगव, हियाँतक की बा खानु खान तक न पाई। ²¹जब येशूके परिवारके जा सुनी, तव बाके लैजानके बे निकरे और बाको मन ठिगानामे न हय करके बे कहत रहयँ। ²²यरुशलेमसे आए भए व्यवस्थाके शास्त्री कहीं, “ बामे बालजिबुलको भुत हए, और भुतक मालिकसे बा भुत निकारत हए।” ²³तओ बा उनके अपने ठिन बुलाए के कहानी कही, “ शैतान शैतानके कैसे निकारैगो ? ²⁴कुई राजको आपसमे फुट हुईहए तव बा राज टिक न पए ²⁵हए। 25 कुई घरको आपसमें फुट भव तव बा घर टिक न पएहए। ²⁶और शैतान शैतानके विरुद्धमें खड़ो हुइके फुट लीअए हए, तव बा न टीकैगो, तव बाको अन्त आएजय हए। ²⁷कोई फिर बली आदमी के घरमे घुसके धनमाल लूट न पएहयँ, जबतक बा बली आदमी के न बाँधहए तओ बा बाको घर लूट न पएहए। ²⁸नेहत्य, मै तुमसे कहत हौं, आदमीन को सब पाप और ईश्वर-निन्दा क्षमा करे जयहयँ, ²⁹पर पबित्र आत्माके बिरुद्धमें निन्दा करन बारेनके कबहु क्षमा न हुइहए, तओ बा अनन्त पापकर्मको दोषी ठहारैगो।” ³⁰येशू जा वचन कहि, काहेकी “”बा अशुद आत्मा हए करके बे कहत रहएँ। ³¹बाकी अइया और बक भैइया बाके हुवाँ आए, और बाहिरय ठाड़के बाके बुलान पठाई। ³²भीड़ बाके आसपास बैठिरहए और बे बासे कहीं, “देख तुमर अईया और तुमर भैइया तुमके बाहिर दुणत हएँ।” ³³बा उनके जबाफ दैके कही, मिर अईया और भैइया कौन हए ? ³⁴और अपने आसपास चारौंघेन देखके बा कही, “देखओ जेहि हएँ मिर अईया और भैइया। ³⁵काहेकी जौन परमेश्वरको इच्छा पालन करत् हएँ बेहि मिर भैइया और मिर बहिनिया और मिर अईया हएँ।”

Chapter 4

‘पिच्छुसे फिर के समुन्द्रके किनारे बा शिक्षा देनलागो। बाके चारौघेन भीड़ यितनो भरी रहए की बा समुन्द्र में भई एक नैयाँमें चढो और बामे बईठगव । आदमी समुन्द्र के किनारेके ढाहोमे बईठेरहयँ।² और बा उनके कहानी में बहुत बात सिखाई। बा अपनो शिक्षामे उनसे आईसे कही:³ “सुनओ, एक आदमी बीज बोनके निकरो।”⁴ और बोत पेती कुछ बीज डगर में पड़े और बे बीज चिरैचुरगनि आपके खाए डारिँ।⁵ कुई बीज पत्थर बारे ठाँउमें पड़े, जहाँ बहुत मट्टी न रहए, और मट्टीकी गहरेई न हुईके, बे जल्दी जमिगए।⁶ घामु एक्दम जोडसे नीकरो और पीछू पिडगा डुङ्गए, जर न हुइके बे अडल्याए गया।⁷ कुई बीज काँटोन के बिचमे पड़े। काँटो बढो और पेंड बाँझे हुइगए, और बामे फरा न लगे।⁸ पर कोई बीज अच्छी जमिनमे पड़े, और जमे और बढके तीस गुना, साठ गुना, और सय गुना फरा दई।⁹ और बा कहि, “जौनको सुनन बारो कान हए, बा सुनए।”¹⁰ जब बा इकल्लो भव, तओ बाहू जनी चेला और बाके आसपास भए, बे बासे कहानीके बारेमे पूर्छी।¹¹ बा उनसे कहि, “परमेश्वरको राजको भेद तुमके दओगव हए, पर बाहिर बारेनसे सब कहानीमें कहोजात है।¹² कि बे देखन त देखत हएँ, पर देख न पात हएँ, सुनन् त सुनत हएँ, पर समझ न पातहएँ, नत् बे पश्चाताप करते, और बिनको पाप क्षमा हुईतो।”¹³ बा उनसे कही, “तुम जा कहानीको अर्थ न समझे ? तव और सब कहानीको अर्थ कईसे समझैगे ?”¹⁴ बीज बोनबारो वचन बोत हय।¹⁵ कोई आदमी डगर में बोए भए बीज जइसे हएँ। जब बे वचन सुनत हएँ, तव तुरन्त शैतान आत हए और बिनमे बोओ भव वचन लैचलो जात हए।¹⁶ अइसि करके पत्थर बारे ठाँउमे बोए भए जेहि हएँ, जौन जब वचन सुनत हएँ, तव खुशीसे तुरन्त बे ग्रहण करलेत हएँ।¹⁷ तव उनको अपनो जर नलगनके कारन थोरी देर तक बे टिकत हएँ। तव जब वचन को कारण संकट औ सताबट आत हए, तओ बे तुरन्त गिर जात हएँ।¹⁸ काँटोके बिचमे बोए भए जेहि हएँ, जौन वचन सुनत हएँ,¹⁹ पर जा संसारको चिन्ता और धनको लोभ और चीजको लालच आपके वचनके दबाए देत हए, तव बे फरत न हयँ।²⁰ तव अच्छी जमिनमें बोए भए जेहि हएँ, जौन वचन सुनत हएँ, और ग्रहण करत हएँ, और फरा देत हएँ तीस गुना, साठ गुना, और सय गुना।”²¹ बा उनसे कहि, “का कुई दिया पजारके खटीया तरे धरन के ताँहि भीतर लात हएँ? का आराम धारन ताहिं न ?”²² कुई चीज लुकाएके न धर पएहएँ, जौन जानि न जाबए, और कौन चीज है जौन उजियारोमे न लयहयँ।²³ अगर कूई आदमीक सुननबारो कान हए, तव बा सुनए।”²⁴ बा उनसे फिर कहि, “तुम जो सुनत हो, बामे ध्यान देओ। काहेकि जौन नापसे तूम देहो, बहे नापसे तुम पैहो। और तुमके और जड्ढा दओ जएहए।²⁵ काहेकी जौनके सँग हए, बाके दओ जएहय, और जौन सँग न हय, बाके सँग भव फिर छिनो जएहए।”²⁶ बा कहि, “परमेश्वरको राज अईसो हए- कोई एक आदमी जमीनमे बीज बोत हय,²⁷ और बा सोए से फिर, जगे से फिर रातदिन बा बीज जमत हय और बढतहय, तव बा कईसे बढत है, बा न जानत हय।²⁸ जमीन अपनए जमात हय, पहिले पिङ्गा तव बाली, तव बालीमें पुरा दाना लागत हय।²⁹ तव जब अन्न पकत हए, तव तुरन्तए बा हँसिया लगात हए काहेकी फसलको बेरा आएजात हए।”³⁰ बा फिर कहि, “परमेश्वरको राजको तुलना का के सँग करयँ ? तव कौन कहानी से जाको बयान करयँ ?”³¹ जा त भादीक दाना जैसो हए, जो जमीनमें बोत हएँ । पृथ्वीभरमे सब बीजसे छोटो हए तहुँ फिर,³² जब बा बोत हएँ, तव बा बढत हए, और सब सागपातसे बडो, और बाके बडे बडे हाँगा होत हएँ, और आकाशके पन्छी बाके छाहींमे घरघुस्ला बनात हएँ।”³³ बिनके समझन बारी बा अईसी बहुत कहानी कहिके उनके वचन सुनाई।³⁴ कहानी बिना बा उनसे न बोली, तव अपने चलनके बा चुप्पए सबको अर्थ खोलदे।³⁵ बा दिन सन्झाके बा चलान से कहि, “आबो, हम बोपार जामएँ।”³⁶ तव भीड़से बिदा लैके पीच्छू, बा जौन नैयाँमें बैठो रहए बहेमें चेला बाके अपने सँग लैगय। और फिर नैयाँ बाकेसँग रहयँ।³⁷ और बहुत भारी आँधी चली, और लडुरा नैयाँमें लणन लगे, हियाँ तक कि नैयाँमें पानी भरन लागो।³⁸ बा अपना नैयाँमें पिच्छुके भागमे एक सिरहीन लैके सोतरहए। बे बाके अइसे करके जगाई, “गुरुज्यू हम डूबन लागे का तुमए चिन्ता न हय ?”³⁹ तव बा जगो, और आँधीके डाँटी, और समुन्द्रको लडुरासे कही, “शान्त हो और थमिजा।” और आँधी थमीगै और शान्त हुईगओ।⁴⁰ बा उनसे कहि, “तुम अईसे काहे डरात हो ? तुमर बिश्वास न हय ?”⁴¹ तव बे बहुत डराई गए और आपसमे कहन लागे, “जा कौन हए ? आँधी और समुन्द्र फिर ईनको हुकुम मानत हएँ।”

Chapter 5

¹और बा समुन्द्रके बोपार गेरासेनस के मुलुक मे आओ। ²येशू नैयाँसे बाहिर उतरके तुरन्तै मरघटसे अशुध्द आत्मा लगे भव एक आदमी बाके भेटी। ³और बा मरघटमे बैठत रहए। कोई फिर साँकरसे बाके बाँध् न पात रहयँ। ⁴काहेकी बाके बहुत चोटी किला और साँकरसे बाँधे रहें, और बा साँकरके खण्डी-खण्डा करदेत रहे। कोई आदमी बाके बसमें कर न पात रहें। ⁵बा रात और दिन सदामान मरघट और डाँगामें चिल्लात अपनए के पथरा से काटतै नेगत रहय। ⁶और जब बा येशू के दूरसे देखलै तव दौडके अओ, और बाके ढोक लागी। ⁷और गजब जोड़से चील्लाएके बा कही, “हे सबोच्च परमेश्वरको पुत्र येशू मोसे तुमके का पडी हए ? मए परमेश्वरको कसम खाए के तुमसे बिन्ती करत हौं, कि मोके दुःख मतदेबय।” ⁸काहेकी बा बासे कही, “ए अशुध्द आत्मा, बा आदमी मैसे निकरके अईजा।” ⁹और बा बासे पूँछी, “तेरो नाउँ का हए ?” तव बा कहि, “मेरो नाउँ फौज हए, काहेकी हम बहुत हयँ।” ¹⁰तव भूतात्माके बा ईलाका से बाहिर न निकारय करके बे बासे नहोरा पणन लागे। ¹¹हुवाँ जाउँडेको डाँगामे सोराको एक बहुत भारी बगाल चुगत रहय। ¹²तव भूतात्मा अइसे कहिके बासे बिन्ती करीं, हमए सोरन के ठिन् जानदे, और हम बा भितर कुचङ्गे।” ¹³बा उनके अनुमति दै, और अशुध्द आत्मा बाहिर निकरके सोरनके भीतर घुसिगए, और लगभग दुई हजार सोरनको बा बगाल ढाहों मैसे समुन्द्र घेन हुरे, और समुन्द्रमे डूबके मरीगए। ¹⁴तव सोरा चुगानबारे भाजे, और सहर और गाउँ- गाउँमे खबर दें। और का भव हए, सो देखन आदमी हुँवा आय। ¹⁵तव बे येशू ठिन आए, और देखिं की भुत लागो आदमी अच्छो मनसे कपड़ा लगाए बैठो रहे। बाके देखके बे डराईगए। ¹⁶और जौन जे देखि रहें, बे भुत लागो आदमी और सोरनके का भव रहे, बा बतायदैं। ¹⁷और उनको इलाकासे चलो जा कहिके आदमी येशूसे बिन्ती करन लागे। ¹⁸बा नैयाँमे घुसन् लागो तव भुत लागो आदमी बाके संग रहन ताहिं बिन्ती करी। ¹⁹तव बा बाके अनुमति न दै, तव बासे कहि, “तए अपने घरमे जाएके तेरे संगीनके प्रभू तेरे ताहिं करो भव महान् काम और तोके दिखाव भव बडो दया के बारेमें बिनके बतायदे।” ²⁰और बा आदमी नेगिदै, और येशू बाके ताहिं कितनो बडो काम करीरहै बा डेकापुलिस भर प्रचार करन लागो, और सब आदमी अचम्मो मानी। ²¹जब येशू फिर नैयाँमे समुन्द्र के बोपार गओ, तव एक गजब भारी भीड़ बाके आसपास जम्मा हुईगै। बा त समुन्द्र के किनारे ेहय। ²²सभाघरके शासक के बीचसे याइरस नाउँको एक जनी बाके ठिन आओ, और बाके देखके बाके पावमे घुप्टा पडिगओ, ²³और अइसे करके बिन्ती करी, “मेरी छोटी लौणिया मरन् लगी हए, आपके बाके ऊपर तुम हात धरदेबओ, तव अच्छी हुईजाए हए और बचीजए हए।” ²⁴तव येशू उनके संग गव। एक बडी भीड़ बाके पिच्छु लागी और आदमी बाके आसपास ढकेला ढकेली करनलागे। ²⁵और बाह्र वर्ष से रगत बहन बारो रोग बारी एक बैइयर बहुँआ रहय। ²⁶बा बहुत बैदनके हातसे बहुत कष्ट पाएके, अपन सँग भव सारा धनसम्पति खर्च करके अच्छि न भई बलुक और खराब हालतमे पुगई। ²⁷पर बा येशूके बारेमे सुनी रहए, और भीड़के पीच्छूसे आपके बाको कुरता बा छुई। ²⁸काहेकी बा मनए मनमें कहि मए बाको कुरता छुइलेहौं तव मए अच्छो हुईजाए हौं। ²⁹और तुरन्त बाको रगत बहन बन्द हुईगओ और अपनो शरीरको रोग अच्छो भव करके पता पाएगई। ³⁰अपने मैसे शक्ति बाहिर निकरो झट्टए येशू पता पाएके भीड़में पिच्छु घूमके पूछीं, “कौन मेरो लत्ता छुइहए ?” ³¹चेला बासे कहिं, “भीड़ ढकेला ढकेली करत तुम देखै हौ। और तहूँ फिर तुम कहत हौ, “कौन मोके छुओ ?” ³²बाके छुन बारो कौन हए, करके बा चारऔघेन देखन लागो। ³³तव अपनक जो भव रहए, बा पता पाएके बा बैइयर डराएके थर थरत आएके येशूके अगू घोप्ता पडिगै, और बा सबै सच्ची बात बताई दै। ³⁴तव बा बासे कही “ए लौणिया, तिर बिश्वास तोके अच्छो करी हए। शान्तीसे जा। तेरो रोग अच्छो हुईगव हए।” ³⁵तव बा बोलतपेती, शासकके घरसे आदमी आपके कहिं, तुमरी लौणिया त मरिगै। गुरुजीके अब कष्ट काहे देत हौ ?” ³⁶तव बे करि भई बातमे ध्यान न दैइके येशू सभाघरके अगुवासे कही, “मत डराबै, बिश्वास इकल्लो कर।” ³⁷और बा पनुस, याकूब और याकूबको भाईया युहन्नासे बाहेक और कोईके अपने सँग आनके अनुमति न दई। ³⁸बे सभाघरके शासकके घरमे आए, और बा खैला बैला करनबारे, और रोनबारे और बहुत जोड़से बिलकात देखी। ³⁹भीतर कुच्के बा उनसे कही, “तुम काहे खैला बैला करत हौ और रोतहौ ? लौणिया मरी न हय, बा सोए रहि हय।” ⁴⁰तव बे बाकी बात सुन्के हसीं। तव बा उनके सबके बाहिर निकारी, और लौणियाक दौवा और अईया और बाके सँग होन बारेनके सँगमे लैके लौणियाके ठाउँमे भीतर गव। ⁴¹और लौणियाक हात पकडके बा बासे कही, “तलिता कूमी, “जौनको अर्थ हए, “ए बालिका, मए तुस काहत् हौं उट्।” ⁴²और लौणिया तुरन्त उठीगै और नेगन् लागी। बो बह्ना बर्षकी रहए। और बहे समय बे अचम्मो मानी। ⁴³बा उनसे कहि जा कोई पता न पामएँ कहिके कडो आज्ञा दै। और बालिकाके कुछ खान देओ करके बिनसे कही।

Chapter 6

¹बाहुना से निकरके बा अपने गाऊँमे घुमो। बाके चेला बक् पीछू लागे। ²बिश्रामदिनमे बा सभाघरमे सिकान लागे। बहुत जनी सुननबारे अचम्मो मानके कहिं, “जा आदमी जा सब कहाँसे पाई ? जाको दव जा ज्ञान कईसो हए ? जाके हातसे करे भए काम कित्तो शक्तिशाली ? ³का जा बहे बडही न हए ? का जा मरियमको लौडा और याकूब, योसेफ, यहूदा और सिमोनको ददा न हय ? का जक बहिनिया फिर हमरी सँग न हय ?” और बे बासे चिरक पडे। ⁴तव येशु उनसे कहि, “अगमवक्तन के अपनो देश और अपने नातेदारनके बीचमे और अपने घरमे बाहेक अन्तै कहुँ अनादर न होत हय। ⁵और बा हुआँ कोई कोई रोगीन ऊपर अपने हात धरके उनके अच्छो करनके अलाबा और कोई शक्तिशाली काम न करन पाई। ⁶उनको अबिश्वास देखके बा अचम्मो पडिगव। और बा गाउँ गाउँमे सिखातै चलो गव। ⁷बा बाहू जनीके अपने ठीन बुलाई और बिनके दुई दुई करके पठाई। बिनके अशुद्ध आत्मा उपर अधिकार फिर दई। ⁸उनके बा अइसो आज्ञा दै: “यात्राके ताहीं सँगमे कुछ मत लियो, न त रोटी, न झोला, न गोझामें पैसा, पर एक लट्टी जरूर लियो, ⁹जुता लागैओ, पर और जद्धा लत्ता मतलियो।” ¹⁰बा उनसे कहि, “जब कोई घरमे घुसैगे, जबतक बा गाउँसे न निकरैगे तबतक हुवएँ बैठियो। ¹¹अगर कोई ठाउँमें तुमएँ स्वागत न हुईहय तव और आदमी तुमरो वचन सुनन् ईन्कार करहएँ तव, बा ठाउँसे तुम निकरके उनके बिरुद्धमें गबाहीके ताहीं अपने पाँवको धुधर झराए दिओ।” ¹²तव बे निकरके गए आदमीनके पश्चाताप करएँ काहेके प्रचार करीं। ¹³बे बहुत भुतनके निकारीं, और बहुत रोगीनके तेलसे अभिषेक करके अच्छो करीं। ¹⁴हेरोद राजा येशुके बारेमे सुनी, काहेकी बाको नाउँ प्रचलित हुईगव रहए। कितनो कहात रहयँ, “बप्तिस्मा-देनबारी युहन्ना मरके जिन्दा हुईगव हय, जहेमारे त उनसे अइसो शक्तिके काम हुइ रहो हय।” ¹⁵तव और कहिं, “जा एलिया हए।” तव और जद्धा कहिं, “जा त पुरानो समयके अगमवक्ता हानी एक अगमवक्ता हए।” ¹⁶तव जब हेरोद जा सुनी तव उनसे कहि, “युहन्ना, जौनको मुड मए काटनके लगाव, बहे जिन्दा हुईगव है।” ¹⁷काहेकि हेरोद अपने भईया फिलिपकी बैइयर हेरोदियासके कारन युहन्नाके पकणन लगाएके बाके बाँधके जेलमें डारिरहए, काहेकि बा हेरोदियाससे बेहा करीरहय। ¹⁸काहेकि युहन्ना हेरोदसे अईसे कहिरहए, “अपनी भईयाकी बैइयर के अपनी बैइयर बनान तोके ठीक न हय।” ¹⁹जहेमारे हेरोदियास बाके ऊपर रीस धरेरहए, और बाके मारन चाहत रहय, पर मारन न सिकी रहय। ²⁰काहेकि युहन्नाके एक धर्मात्मा और पबित्र आदमी कहत रहयँ, हेरोद बासे डरात रहय, और बाके सुरक्षीत करे रहय। युहन्नाको शिक्षा सुनके बा बहुत अचम्मो मानत रहय, और खुशीसे सुनत रहय। ²¹तव अच्छो मौका बा समय आईगव, जब हेरोद अपनो जनम दिनमे अपने ऊँचेपदके पदाधिकारिन, अधिकृतनके, और गालीलके मुखिया-मुखिया आदमीनके बहुत भारी पाटीदे। ²²काहेकि जब हेरोदियासकी अपनी लौडिया भीतर आएके नाची, तव बा हेरोद और उनके पाहुनके खुशी करदै। तव राजा बा लौडियासे कहि, “तोके जो इच्छा लागत हय वो माग, और मए तोके देहीं।” ²³बा कसम खाएके बासे कहि, तय मोसे जो मागैगे मय मेरो आधो राजतक तोके देमझो। ²⁴और बा बाहिर निकरके अपनी आईयासे पूँछी, “मए का माँगओ ?” बा कहि, “बप्तिस्मा-देनबारी युहन्नाको मुँड।” ²⁵तव बा दौरके जल्दीसे भीतर राजा ठीन आई, और आइसे करके माँगी, “तुम मोके हबाए बप्तिस्मा-देनबारी युहन्नाको मुँड थारीयामे देबओ करके मए ईच्छा करत हौं।” ²⁶राजा बहुत दुखी हुईगव, तव बा अपनो कसम और पाटीमे बैईठन बारे पाहुनके कारन बा लौडियाके दव बचन तोड़ नपाई। ²⁷राजा तुरन्त गारदको एक जनी सिपाहीके पठाई और युहन्नाको मुँड लानके हुकम दै। और बा जेलमे गव युहन्नाको मुँड काटी, ²⁸और बाको मुड थरीयामे लाएके लौडियाके दै, और बा लौडिया अपनी आईयाके दै। ²⁹युहन्नाके चेला जब जा बात सुनी तव बे आएके बाको लाहास उठाएके मरघटमे लैजाएके गाणी। ³⁰और प्रेरित येशुके ठिन जमा भय, और बे जो जो करी रहयँ और सिकाई रहयँ, बे सब बाके बताइ दई। ³¹बा उनसे कहि, “तुम अपनए मिरसँग एकान्त ठाउँमें आओ, और कुछ थकाई मारो।” काहेकि हुवाँ आनजानबारे बहुत रहयँ, और बाके खान तक फुर्सत न रहय। ³²और बा नैयाँमें चुप्पए एकान्त ठाउँमें गव। ³³बहुत आदमी बाके जात देखिं, और बहुत चिन्लै, और सब सहेरसे पैदर दौडत उतै गए, और बाके अग्लेछा अगु पुगे। ³⁴जब बा किनारे उतरो तव बा एक बहुत भारी भीड़ देखि, और बा उनके डहा करी। काहेकि बे बकराहा बिनाके भेडा कता रहयँ। और बा बिनके बहुत बात सिकान लागे। ³⁵और जब दिन बहुत ढरको तव बाके चेला बाके ठीन आएके कहिं, “जा एकान्त ठाउँ हय, और अब दिन बहुत ढरक गओ।” ³⁶आदमीनके बिदा देव, और बे आसपासके बस्ती और गाँवमें जाएके अपने ताहिं कुछ खानबारी चीज किनलें मय।” ³⁷तव बा उनसे कहि, “तुमही बिनके कुछ खानक देव।” तव बे बासे कहिं, “का हम जाएके दुई सय दीनारको रोटी किनके बिनके खान देमायँ का ?” ³⁸बा उनसे कहि, “तुमर सँग कित्तो रोटी हए ? जाएके देखओ।” और पत्ता लगाएके पीछु बे कहिं, “पाँच रोटी और दुई मछरी।” ³⁹और बा आदमीनके हरो चउरमें दल बाँधके बैठन हुकुम करी। ⁴⁰बिनके सय सय और पचास-पचासके लईन लगाएके बैठाई। ⁴¹तव बा पाँच रोटी और दुई मछरी लैके स्वर्ग घेन देखके आशीर्वाद दै, और बा रोटी तोड़ी और आदमीनके आगु धरदै और चेलनके दै, और बे दुई मछरी फिर बा बाँटन दई। ⁴²और सब खाई और तृप्त हुईगय। ⁴³पीछु चेला रोटी और मछरीके उबरे खुदरा खुदरी बाहू डलैया भरके उठाई। ⁴⁴रोटी खानबारे लोग पाँच हजार रहयँ। ⁴⁵और बा तुरन्त अपनो चेलन सँग नैयाँमे चढ़के बोपर बेथसेदामें बा अपनेसे अगु जानके कही, और उतिय खिन बा भीड़के बिदा दई। ⁴⁶उनसे बिदा हुईके बा डाँगामें प्रार्थना करन गओ। ⁴⁷सन्झा हुईगव नैयाँ समुन्द्रके बिचमें रहय, और बा इकल्लो पखामे रहय। ⁴⁸चेलनके नैयाँ चलान करौ होत रहय, बा देखि, काहेकी आँधी चलत रहय। तीन बजे सुबेरे बा उनके ठीन समुन्द्र में नेगत आओ, और उनसे अगु जान लागे रहय। ⁴⁹बे बाके समुन्द्र उपर नेगत देखके प्रेत हए कहिके, और चिल्लान लागे। ⁵⁰काहेकि बाके देखके सब डराईगय रहयँ। तव झट बा उनसे कहि, “ढाड्स करओ, मएँ हौं, मत डरओ।” ⁵¹और बा उनके सँग नैयाँ भीतर चढिगव, और आँधी थमिगै। और बे एकदम अचम्मित भय, ⁵²काहेकि बे रोटीके बारेमे बात समझी न रहयँ, तव बिनको हृदय कठोर हुईगव रहय। ⁵³समुन्द्र पार करके पीछु बे गनेसरेतके मुलुकमे आय पुगे, और बे नैयाँके किनारे लगाई। ⁵⁴जब बा नैयाँसे निकरन भव खिनक आदमी येशुके चिन्तै, ⁵⁵और आसपास के जम्मा गाउँके बे दौरत, और जहाँ येशू हय करके सुनी बा हुवाँ बेमारिनके बिछौनामें धरके लानलागे। ⁵⁶और गाउँमे, सहरमे और बस्तीमें जहाँ जहाँ बा घुसो, आदमी रोगिन के बजार बजार धरदै, और बक कुरतक किनारे खाली छुन पामयँ करके बे बासे बिन्ती करी, और जीतो छुई बे सब अच्छे हुइगय।

Chapter 7

¹यरूशलेमसे आए भए फरिसी और शास्त्री येशूके चारओ तरफ जम्मा हुईगए।²येशूके किता चेला अशुध हात और न धोएके हातसे खात बे देखिं।³फरिसी और सब यहूदीनके पुर्खान दओ परम्परा अनुसार हात न धोए के खानु खात न रहएँ।⁴बजारसे आएके हँदाएके शुध न भय तक बे खानु न खात रहएँ। इतकय इकल्लो नायकि, बे आईसे बहुत परम्परा मानत रहएँ। कटोरा, भाणा और काँसोक वर्तन धोनक परम्परा।⁵तव फरिसी और शास्त्री बासे पूर्छीं, “तुमर चेला पिता-पुर्खाको धरो परम्परामे काहेना चलतहएँ, और अशुध हातसे खातहएँ?”⁶तव बा उनसे कही, “यशैया तुमय कपटीनके बारेमे ठिक अइसे अगमवाणी करी, अइसो लिखो हए, “जा जाति मोके ओठसे इकल्लो आदर करत हए, और उनको हृदय मोसे दूर हय।⁷बे व्यर्थमें मेरो उपासना करत हएँ, और उनको शिक्षा आदमीक सिकाओ बिधी इकल्लो हए।”⁸तुम परमेश्वरको आज्ञाके छोडके आदमीनको परम्परा मानत हौ।”⁹बा उनसे कहि, “तुम अपन परम्परा मानत ताहिं किता अच्छेसे परमेश्वरको आज्ञाके टारदेत हौ।”¹⁰काहेकि मोसा कहि हए, “अपन आईया-दौवाके आदर करओ, और जो अईया-दौवाके बिरुधमे खराब बोलैगो बा मरनए पडैगो।”¹¹“यदि कुई आदमी दौवा औ अईया “मोसे जो-जीतो मदत तुमाए मिलन पणैगो बा कुर्बान हए, { औ परमेश्वरके चढऔ } कहात हएँ,”¹²और तुम उनके अपन अईया-दौवाके ताहिं फिर कुछ करन न देत हौ।¹³अइसे तुम अपनो चलिअव परम्पराके कायम रखके परमेश्वरको वचन के रद्ध करत हौ। और आइसे अनेक काम तुम करत हौ।”¹⁴बा आदमिनके फिर अपन ठीन बुलाएके उनसे कहि, “तुम सब मेरी बात सुनओ और समझओ।¹⁵अइसी कोई बात न हय जो बाहिरसे आदमिनके भीतर घुसके अशुध करपए हय, पर आदमीसे बाहिर निकरत हय बेहि बात आदमीके अशुध करत हय।¹⁶जौनको सुनन कान हय बा सुनय।”¹⁷आदमीन छोडके घर भीतर घुसके पीछू बाके चेला बासे कहानीके बारेमे पूछीं।¹⁸बा उनसे कहि, “क तुम हबाए और न समझे हौ ? जो बाहिरसे आदमीके भीतर घुसत हय बा बाके अशुध न करत हय करके तुम न जानत हौ ?”¹⁹काहेकि बा बाके हृदयमे न, पर पेटभितर घुसत, और बाहिर निकरत हय। आइसे बा सब खानु शुध हए करके बताएदै।²⁰बा कहि, “आदमीसे जो बाहिर निकरत हय बा आदमीनके अशुध करत हय।²¹काहेकि भीतरसे औ आदमीक हृदयसे खराब बिचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन,²²लोभ, दुष्टता, छल, छाडापन, ईष्या, निन्दा, घमण्ड, मुखता निकरत हय।²³जे सब दुष्ट बात भीतरसे निकरत हयँ, और आदमीके अशुध करत हयँ।²⁴हुवाँ से उठके बा दुरोस और सिदोनके सीमा घेन जाएके एक घरके भीतर घुसो। जा बात कुई पता न पामए करके बा चाँहत रहय, तव बा लुकाय न पाई।²⁵बहे बेरा एक बैयर बाके बारेमे सुनी और आएके बाके पाउमे पडी। बा बैयरकी लौणिया के अशुध आत्मा लगे रहय।²⁶बा सिरिया फोनिकेमे जन्मी एक ग्रीक बैयर रहय। बा बैयर अपन लौणियाक भुत निकारदे करके बासे बिन्ति करी।²⁷बा बासे कहि, “पहिले लौणा-लौणियान के खान देओ, काहेकी लौडालौडीयक रोटी लैके कुत्तनके अगु फेव्नो ठीक न हय।”²⁸तव बा बासे कहि, “हे प्रभु, तव कुत्तओ ता फिर लौणालौणियाक टेबुल तरेके डुठो बिनके खातहएँ।”²⁹बा बासे कहि, “तय अइसो कहोके कारन तय घरे जा। तिर लौणियासे भुत निकर गवहय।³⁰तव बा अपन घर लौटके गई और लौणियाक खटीयामे सोत पाई और भुत बासे निकरगव रहय।³¹दुरोसको इलाका से निकरके बा सिदोन हुईके डेकापोलिसको सिमानाके बिच हुईके गालील-समुन्द्रमे गओ।³²हुवाँ आदमी एक बहिरा और लाटा आदमीके बाके ठीन लियाई, और बाके ऊपर हात धरदे करके बासे बिन्ति करीं।³³बाके भिडसे अलग एकन्तमे लैगओ येशू अपन उङ्गरी बाके कानमें लगाई। तव पीछु थुक्के बाकी जीबमें छुई।³⁴और स्वर्ग घेन देखके लम्मी सास लैके बासे कहि, “ईप्फाता,” औ “खुलिजा।”³⁵उतियखिन बक कान खुलिगव, और बाकि जीबको बन्धन खुलीगव, और बा सफासे बोलन लगे।³⁶“जा कोईसे मत कहिओ,” करके बा उनके आज्ञा दै। तव जित्तो-जित्तो बा आदमिनके आज्ञा देतरहय, और जद्धा उत्साहसाथ बे जाको प्रचार करत रहयँ।”³⁷आदमी अचम्भो मानके छक्क पडत रहयँ, और कहन लागे, “बा सब चीज अच्छो करीहय। बा बहिरन सुनन और लाटन मसकन बारो फिर बनाई।”

Chapter 8

¹बे दिनमें फिर एक भारी भीड़ जम्मा हुईगव, तब उनके ठिन खानबारो चीज कुछ न रहए। तब येशू चेलनके अपने ठिन बुलाएके कही, ²"जा भीड़के मोए डहा लागत हए, काहेकि जे मीर सँग रहत् तीन दिन हुईगव, और यिनकेसँग खानबारो चीज कुछ न हए।" ³और अगर इनके भूखे घर पठाएहएँ, तब जे डगरमें बेहोस हुईजए हएँ। इन्मैसे कुई-कुई दुरसे अएहएँ।" ⁴बाके चेला बासे कहिँ, "जा सुनसान ठाउँमें यिनके कहाँ से रोटी खबामएँ?" ⁵"बा उनसे कहिँ, "तुमरे ठिन कय रोटी हएँ, ?" बे कहिँ, "सात हएँ।" ⁶बा भिणके भिमे बैठन हुकुम दै, सात रोटी हातमें लै और धन्यवाद दैके रोटी तोरी और आदमीन अगु धरनके चेलनके दै, और बे आदमीक अगु धरदैं।" बिनके ठिन कुछ छोटी छोटी मछरी फिर रहएँ, और बा आशीर्वाद दईके बहु फिर उनके अगु धरन लगाई। ⁸और आदमी खाएके अघाए गए। और उबरो खुदरा बे सात डालैय बटोरीं। ⁹बहुवाँ लगभग चार हजार आदमी रहएँ। ¹⁰बा उनके बिदा करके पठाई, और बा फिर अपन चेलन सँग तुरन्त नैयाँमें चढ़के दलमनुथाके क्षेत्रमें गव। ¹¹फरिसी बाके ठिन आएके बासे बहस करन लगे, और बाके परीक्षा करन ताहिँ स्वर्गसे एक चिन्ह मागीं। ¹²अपन आत्मामें लम्पो सास लैके बा कहिँ, "जा पुस्ता काहे चिन्ह दुणत है ? पक्कय, मए तुमसे कहत हौं जा पुस्ताके कुई चिन्ह न मिलेहय।" ¹³और उनके छोडके बा फिर नैयाँमें चढ़के बोपार गव। ¹⁴चेला अपन सँगमे रोटी लैजान भूलगए, और नैयाँमें बिनके सँग एकय रोटी रहय। ¹⁵"येशू चेलन के अईसे करके चेताबनी दै, "तुम फरिसीनको खमीर और हेरोदके खमीरसे होशियार रहिओ।" ¹⁶तब बे सँगमे रोटी न हए बहेमारे येशू कही हए, करके बे आपसमे बहस करन लगे। ¹⁷येशू जा पता पाए के बिनसे कहिँ, "तुमर सँग रोटी न हए, तब काहे तुम बहस करत हौ ? का तुम हबाए फिर देखत न हौ और जानतउ न हौ ? का तुमरो मन कठोर हुईगव हए ?" ¹⁸आँखी हए तहूँ फिर देखत न हओ ? कान हए तहूँ फिर सुनत न हओ ? का तुमए याद न हए।" ¹⁹"जब मै पाँच रोटी बे पाँच हजारके बीचमे तोरो रहौं, तब कित्तो डलैया खुदरा खुदरी तुम बटोरे रहौ ?" बे बासे कहिँ, "बाह।" ²⁰और जब मै सात रोटी चार हजारके बीचमे तोरो रहौं, तब कित्तो डलैया बटोरे रहौ ?" बे बासे कहिँ, "सात डलैया।" ²¹बा उनसे कहिँ, "का तुम हबाए भी न समझत हओ ?" ²²तब पीछु बा बेथसेदामे आओ, और आदमी एक अन्धरा आदमीके बाके ठिन लाई, और बाके छुइदे करके बासे बिन्ती करीं। ²³बो, बा अन्धरा आदमीक हात पकड के, बाके गाउँसे बाहिर ल्याई, और बाके आँखीमे थुकके, बक उपर अपन हात धरी, बासे पूँछी, "क तए कुछ देखत हए ?" ²⁴और उपर देखके बा कहिँ, "मए आदमीनके रुखा कता नेगत देखत हौ।" ²⁵तब बा फिर बक आँखीमे हात धरी, और एक टक लागएके देखी बा अपन दृष्टि पाईगव और सब चीज सफा देखन लागो। ²⁶तब बा बाके गाउँ हुईके न जानके हुकुम करके बाके घर पठाई। ²⁷येशू और बाके चेला कैसरिया फिलिप्पीक गाउँमें गए। डगरमें जातैजात बा अपन चेलनसे अइसे करके पूँछी, "आदमी का कहत हएँ, मए कौन हौ ?" ²⁸बे बासे कहिँ, "कोई कहत हए 'बप्तिस्मा-देनबारो युहन्ना।' और कोई 'एलिया, और कित्तो कहत हएँ, अगमवक्ता मैसे एक जनी।" ²⁹तब बा उनसे पूँछी, "पर तुम का कहत हौ, "मए कौन हौ ?" पत्रुस उत्तर दैके बासे कहिँ, " तुम खीष्ट हौ।" ³⁰बा उनसे कहिँ बाके बारेमे कोईके मत कहिओ करके आज्ञा दै। ³¹"आदमीक लौणा बहुत दुःख भोगन, और धर्म-गुरुसे, मुख्य पुजारीसे और शास्त्रीसे इन्कार करनो और मरनो और तीन दिन पीछु जिन्दा हुईके उठ्नो आबश्यक हए " करके बा उनके सिकान लागो।" ³²अइसे बा जा बात साफ साफ कहन लागो। तब जा सुनके पत्रुस बाके एकघेन लैजाएके झड़कन लागो। ³³तब घूमके अपन चेलनके देखके पत्रुसके बा अइसे करके डाँटी, "शैतान मिर ठिनसे हटीजा, काहेकी तेरो मन परमेश्वर घेन न हय, आदमी घेन हय।" ³⁴तब बा अपन चेलनके सँगमे भीण के अपने ठिन बुलाएके उनसे कही, "कुई आदमी मिर पीछु लागन इच्छा करत हए, तब अपनएके इन्कार करए, और अपनो क्रूस उठाएके मेरे पिछु लागए।" ³⁵काहेकि जौन अपन प्राण बचानके इच्छा करत हए, बा बाके खोबईगो, पर मेरे और सुसामाचारके ताहिँ अपन प्राण गुमएहए बा बाके बचाबैगो। ³⁶काहेकि आदमी सबय संसार पाएके अपनो प्राण गुमाएके बाके का फाईदा हुईहै ? ³⁷और आदमी अपनो प्राणके बदलामे का देन सिकैगो ? ³⁸और जा व्यभिचारी और पापी पुस्ता जो मोए देखके और मिर वचनसे शर्माए हए, आदमीको पुत्र फिर अपन पिताके महिमामे पवित्र दूतके सँग आत बासे शर्माबैगो।"

Chapter 9

¹"और बा उनसे कहि, "नेहत्य, मए तुमसे कहत हौं, हिया ठाढे भए मैसे कुई-कुई हएँ, जौन परमेश्वरके राज शक्तिमे आओ न देखेतकु कुई किसिमसे मृत्यु न चखाङ्गे।" ²बाको छय दिन पीछु येशू पत्रुस, याकुब और युहन्नाके बा अपन सँग लई और एक उँचे पहाड़में लईगव। हुवाँ बेही इकल्ले रहएँ, और बिनके अगु बाको रूप बदलगव। ³और बाको कपडा चमकन लागो और इत्तो सेतो भव, की पृथ्वीमें कोई फिर धोएके इत्तो सेतो न करपएँ हएँ। हुवाँ बिनके ठिन एलिया और मोशा दिखाइदैं, और बे येशूसे बातचीत करत रहयँ। ⁵"पत्रुस येशूसे कहि, "गुरुज्यू, हम हियाँ हएँ तव अच्छो भव। हम हियाँ तीन बासस्थान बनामएँ, एक तेरे ताहिं, एक मोशाके ताहिं और एक एलियाके ताहिं।" ⁶बे गजब डरके मारे बे का कहाँमै तव बे न जानी। ⁷"और एक बादर आएके बिनके तोपदै, और बादरसे एक आबाज निकरो, "जा मिर प्यारो पुत्र हए, तुम बाको वचन सुनिओ।" ⁸और झट आसपास देखके बे अपन सँगमे येशूके अलाबा और कोइके न देखीं। ⁹बे पहाड़से उतरतपेती येशू उनसे कहि, "जबतक आदमीक पुत्र मरके जिन्दा न हुईहए तवतक, तुम जा कोइके मत बातैओ। ¹⁰बे जा बात अपन मनमे धरीं, तव मरके जिन्दा होनो कहोको का हए कहिके एक दुसरे से बातचीत करन लागो। ¹¹और बे बासे आइसे करके पुछीं, "पहिले एलिया आन पडईगो करके व्यास्थाक शास्त्री काहे कहत हैं ?" ¹²"येशू कहि "नेहत्य, एलिया पहिले से आईगव है, और सब बातक सुधारैगो। तव आदमीक पुत्र बहुत कष्ट भोगैगो, औरन्से तुच्छ होबैगो, करके धर्मशास्त्रमे लिखोहए त।" ¹³तव मए तुमसे कहत हौं, एलिया आईगाव हए, और उनके बारेमे लिखो अनुसार उनके सँग जो मन लागो बे उईसीए करीं।" ¹⁴और चेलनके ठिन घूमके आत बे एक बहुत भारी भीड घेरत और बिनके संग शास्त्री बहस (बादबिबाद) करत बे देखीं। ¹⁵जम्मए भीड बाके देखतए गजब अचम्मो मानी और बाके ठिन दौडके जाएके बाके अभिवादन करीं। ¹⁶बा उनसे पुछीं, तुम उनसे का को बहस करत हो ? ¹⁷भीडसे एक जनी बाके जवाफ दै, गुरुज्यू मिर लौड़ाक गुँगो करन बारो आत्मा लगे हए, और तुमर ठिन लाओ हौं। ¹⁸जब जा मिर लौड़ाक पकडत हए, तव बाके भिमें गिरात हए, और बक मुहसे फुपना काढत हए, और बा दाँत किट किटात हए, और बा अईठ जातहए। मए तुमरे चेलन से भुत निकार देओ करके बिन्ती करो, तव बे न सिक्की।" ¹⁹तव बा उनके जबाफ दै, "ए अविश्वासी पुस्ता, मए कहाँ तक तुमरे सँग रहौं ? मए तुमके कित्तो सहमौ ? बाके मिर ठिन लियाबओ।" ²⁰बे बा लौणा के बाके ठिन ल्याई। येशूके देखि खिनक बा आत्मा लौड़ाके फत्फत्बाई, और बा भुईमें गिरके फूपना काढतय नेभन लागो। ²¹बा बाके दौवासे पूँछी, "कब से जक अइसो भव रहए ?" बा कही, बच्चयसे। ²²जाके नाश करन बारो आत्मा घरीघरी आगी और पानीमें गिरात रहए। अगर तुम कुछ करपत हो तव, दया करके हमके मदत कर देव।" ²³तव येशू बासे कहि, "तुम सिकडारैगे !" कहिके का कहत हो ? विश्वास करन बारेक ताहिं सबए बात सम्भव है।" ²⁴और झट लौड़ाक दौवा चिल्लाएके कहि, "मए विश्वास करत हौं। मिर कमजोर बिश्वासमे मोके सहायता करओ। ²⁵तव भीड एकसँग दौडके आत देखके बो बा अशुध्द आत्माके अइसे करके डाँटी, "ए गुँगो और बहिरा आत्मा, मए तोके हुकम करत हौं, बासे निकरके अएजा, और फिर कबहू बा भितर मत घुसीए।" ²⁶और चिल्लाएके बा लौड़ाके बेढब जोडसे फत्फत्बाएके बा आत्मा निकरगई, और बा बच्चा मुर्दा कता हुईगव, हियाँ तक्की बहुत आदमी कहि कि जा मरिगव हए। ²⁷तव येशू बाको हात पकडके बाके तुरन्त उठाई, और बा उठि गव। ²⁸और जब बा घरमें गव, तव बाके चेला चुप्पए से पूछीं, "हम बाके काहे न निकार पाए ?" ²⁹बा बिनसे कहि, "जा किसिमको त प्रार्थना बाहेक और कोई उपाय से न भजाए पय हो।" ³⁰और बा हुवाँ से निकरके बे गालील हुइके गए। जा बात कोई पता न पामए कहिके बाको इच्छा रहय, ³¹काहेकि बा अपन चेलनके शिक्षा देत रहए। बा उनसे कहि, आदमीको लौड़ा आदमीनके हातमें सौंपो जाए हए, और बे बाके मारङ्गे, और बा मरके तीन दिन पिछु फिर जिन्दा हुईके उट्जाए हय।" ³²तव बा कही बात बे समझ न पाई, और बासे पुँछन डरई गए। ³³बे कफर्नहुममे आए, और घरमें रहएँ तबही बा उनसे पुछीं, "डगरमें तुम का बहस करत रहौ ?" ³⁴तव बे चुप रहे, डगरमें बे कहि "हम मै से सबसे बड़ो कौन हए ?" कहिके आपसमे बहस करीरहएँ। ³⁵तव बा बैठो, और बाहौं जनिक बुलाई, और उनसे कहि, "कुई आदमी पहिलो होन इच्छा करेहए तव, बा सबसे पीछु और सबको सेबक होन पडैगो।" ³⁶और एक छोटो बच्चा लैके, बा बाके उनके बिचमे धरी, और बाके गोदिमे लैके बा उनसे कहि, ³⁷"जौन अईसो छोटो बच्चा मैसे एक जनीके मेरे नाउँमे ग्रहण करेहए, बा मोके ग्रहण करेहए, और जौन मोके ग्रहण करेहए बा मोए नाय, पर मोके पठान बारेके ग्रहण करेहए।" ³⁸यूहन्ना बासे कहि, "गुरुज्यू, एक आदमी तुमर नाउँमे भुत निकारतय हम देखे, हम बाके अईसे करन मनाही करे, काहेकि बा हमर पीछु लागन बरो आदमी न हय।" ³⁹तव येशू कहि, "बाके मनाही मत करओ, काहेकि मेरे नाउँमे शक्तिके काम करन बारो तुरन्त मेरे विरुध्दमें खराब ना बोलैगो। ⁴⁰काहेकि जौन हमरे विरोधमें न हय, बा हमरे घेन हय। ⁴¹काहेकि जौन तुम खीष्टके हो, कहिके उनके मेरे नाउँमें एक कटोरा पानी पिन देहौ, नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, बा कोई किसिमसे अपन इनाम न गुमाबैगो।" ⁴²"जौन मिर ऊपर विश्वास करन बारे जे छोटो मैसे एक जनीके बाधा देबैगो, बासे भलो त एक बड़ो चकियाको पटा बाके घँटमे बाँधके समुन्द्रमे फेकदेन अच्छो रयहए। ⁴³अगर तुमर हात तुमके बाधा देत हए कहेसे बाके काटदेव। दुई हात हुईके नरक कि नबुतन् बारी आगी मे जानसे लुलो हुइके जीवन बितान् अच्छो हय। ⁴⁴(नरकमे न त् किरा मरत हएँ, न आगी बुतत् हए।) ⁴⁵और तुमर् टाँग तुमके बाधा देत हए तव बाके काटदेव। दुई टाँग हुईके नरकमे फेकदेन् से अच्छो लँगडा हुईके जीवन बितान् अच्छो हय। ⁴⁶(नरकमे न त् किरा मरत हएँ, न आगी बुतत् हए।) ⁴⁷अगर तुमर् आँखी तुमके बाधा देहए कहेसे बाके निकारके फेकदेव दुई आँखी हुईके नरकमे फेकन्से अच्छो त एक आँखी हुईके परमेश्वरको राजमे घुसन् तुमर ताहीं अच्छो हय। ⁴⁸नरकमे न त् किरा मरत हएँ, न आगी बुतत् हए। ⁴⁹काहेकि सबएके आगीयए नुनाइन बनात हय। ⁵⁰नून अच्छो हए, पर अगर नूनको स्वाद चलोगव तौ बाके कासे स्वादिष्ट करैगे ? अपनेमे नून धरओ, और आपस मे मेलमिलाप से रहबओ।

Chapter 10

¹बा ठाउँके छोडके यर्दन नदीयाके पार यहूदियाके इलाकामें येशू गव और भीड़ बाके ठिन इकट्ठा भए, और बाको रीति अनुसार बिनके फिर शिक्षा दै। ²फरिसी बाके ठिन आए बाके परिक्षा करके पुँछी, “का कुई आदमी अपनी बैयरके सँग छुटपत्तर करन ठीक हए कि ना ?” ³बा उनके जबाफ दैके कहि, “मोशा तुमके का आज्ञा दै हए ?” “बे कहिं, “एक छुटपत्तर लिखके आदमी अपनी बैयर छोड़न मिलत् हए करके मोशा अनुमति दै हए।” ⁵तव येशू उनसे कहि, “तुमरो मनको कठोरता के करन बा तुमरे ताहिं जा आज्ञा लिखदै।” तव सृष्टिके सुरुसे परमेश्वर उनके नर और नारी करके बनाई हए। ⁷जहे कारन आदमी अपन दौवा-अईया छोडके अपनी बैयर सँग मिले रहत हयँ, ⁸और बे दुई जनी एक शरीर हुईहएँ। बे फिर दुई नाए, पर एक शरीर होत् हएँ। ⁹जहेमारे परमेश्वर जौनके एकसँग जोड़ी हए, आदमी बाके न छुटामएँ।” ¹⁰घरमें होत चेला फिर जाके बारेमें येशूसे पुछिं। ¹¹बा उनसे कहि, “जौन अपनी बैयर सँग छुटपत्तर करके दुसरे सँग बिहा करेहए, बा उनके बिरुद्धमें व्यभिचार करेहय।” ¹²और अगर बैयर अपनो लोगासँग छुटपत्तर करके दुसरे से बिहा करहए, बा व्यभिचार करेहए।” ¹³“आदमी” “छोटे बाल बालिकन के येशू छुई देबए कहिके बाके ठिन ल्याई, तव चेला बिनके डाँटी।” ¹⁴तव जा देखके येशू दिक्कड़ गव, और उनसे कहि, “छोटे बाल बालिकनके मेरे ठिन आनदेव, बिनके मत रोकओ, काहेकि परमेश्वरको राज अईसिनको हए।” ¹⁵नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, जौन परमेश्वरको राजके एक छोटे बालक जैसो ग्रहण न करेहए बा कतै भीतर घुसन न पयहय।” ¹⁶और बा उनके गोदिमे लैके बिनके उपर अपन हात धरके आशीर्वाद दै। ¹⁷येशू डगरमे जात रहए, एक आदमी दौड़के आएके बाके अगु घुटा पड़के, और बासे पुँछी, “हे अच्छो गुरु, अनन्त जीवन पानके ताहिं मोके का करन पड़ेगो ?” ¹⁸येशू बासे कहि, “तए मोके काहे अच्छो कहत हए ? एकय परमेश्वर बाहेक और कोई अच्छो न हय।” ¹⁹तए आज्ञा त जानत् हए, तए हत्या मत् करए, व्यभिचार मत् करए, मत चुरैये, झुटो गबाही मत दिए, मत ठगिए, अपन दौवा और अईयाके आदर करिए।” ²⁰और बा बासे कहि, “गुरुज्यू जा त सब मए मेरे जमानीय अबस्थासे पालन करो हौं।” ²¹येशू बाके देखि, और माया करके कहि, “तिरमे हबए एक बात और कमी हए। जा, और जो जीतो हए बेचके और गरीबनके दे, और तोके स्वर्गमे सम्पति मिलैगो। और आएके मिर पीच्छु लाग।” ²²तव जा बातसे बाको चेहेरा उदास हुईगव, और बा दुखित हुईके गईभव, काहेकि बाकेसँग बहुत धन-सम्पति रहए। ²³और आसपास देखके येशू अपन चलनसे कहि, “धनीके परमेश्वरके राजमे घुसन कित्तो अगठो हय।” ²⁴बाकी कहि भई बातमें चेला अचम्मो मानी। तव येशू फिर उनसे कहि, बालक रेओ, धन-सम्पति उपर भरोसा करन बारेनके परमेश्वरको राज भीतर घुसन कित्तो अगठो हय। ²⁵धनी आदमीके परमेश्वरके राज भीतर घुसनसेत बलुक सुईके भारसे ऊँटके छिरन सहज हए।” ²⁶बे गजब अचम्मो मानी और बासे कहि, “तव अईसे कौन बच्य हय ?” ²⁷येशू उनके देखके कहि, “आदमीके ताहिं जा असम्भव हए, और परमेश्वरके ताहिं न हय, काहेकि परमेश्वरके ताहिं सब बात सम्भव हय।” ²⁸पत्रुस बासे कहि, “देख, हम त सब छोडेहएँ, और तुमर पीच्छु लागेहएँ।” ²⁹येशू कहि, “नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, जौन मीर ताहिं और सुसमाचारके ताहिं घर और ददा-भैया, दीदि-बहिनिया, औ अईया दौवा, औ लौंड़ा-लौंड़िया और जगहा जमीन छोडेगो, ³⁰बा सतावट के सँगैसँग सय गुणा जद्धा घर, ददाभैया, बहिनिया, अईया, लौंड़ा-लौंड़िया और जगहा जमीन जहे समयमे पाबैगो, और आनबारो समयमे अनन्त जीवन ³¹तव बहुत अगु होनबारे पिच्छु, और पिच्छु होनबारे अगु हुईहएँ।” ³²बा यरुशलेम घेन जात रहए, और येशू उनके अगु अगु नेग रहए। चेला अचम्मो मानी, और पिच्छु पिच्छु आनबारे घबराइ गय रहए, तव बा बाह्रओ चलनके फिर एकघेन लैजाएके अपने उपर पड़नबारी बात सुनाई। ³³बा कहि, “देखओ, हम यरुशलेम घेन जात हएँ। हुवाँ आदमीक पुत्रके मुखिया पुजारी और शास्त्रीके ठिन सौप देहएँ, और बे बाके मृत्युदण्ड देहएँ, और अन्यजातिनके हातमें सौप देहएँ।” ³⁴और बे बाके मजाक उडाए हएँ और बाके थुकड़े और बाके कोर्फा लगाए हएँ और बाके मर हएँ और तीन दिन पिच्छु बा फिर जिन्दा हुई जयहए।” ³⁵जब्दियाके दुई लौंड़ा, याकूब और युहन्ना बाके ठिन आएके कहिं, “गुरुज्यू, हम तुमसे जो मागंगे तुम हमर ताहिं करदीओ कहिके हमर इच्छा हय।” ³⁶बा उनसे पुँछी, “तुमरे ताहिं मए का करदेओँ तुमर का इच्छा हए ?” ³⁷बे बासे कहि, “तुमर महिमामे हम मैसे एक जनीके, तुमर दहिना घेन, और दुसरेक, तुमर दिबरा घेन, बैठन पामएँ करके मँजूरी हमके देबओ।” ³⁸तव येशू उनसे कहि, “तुमका मागत हौ बा तुम ना जानत् हौ। का जौन कटोरा मए पिहौं, बा तुम पी पैहौ ?” और जौन बप्तिस्मा मए लओ हौं, बा बप्तिस्मा तुम लएपय हौ ?” ³⁹बे उनसे कहि, “हम सिक्डारंगे।” येशू उनसे कहि, “जौन कटोरा मए पीत हौं बा तुम पिबैगे, और जौन बप्तिस्मा मए लओ हौं। बा बप्तिस्मा तुम लेबैगे।” ⁴⁰पर मिर दहिना घेन और मिर दिब्रा घेन बईठन त मए ना देहौं, जा त जौन-जौनके ताहिं तयार हुइरहो हए बिन्ही के ताहिं हए।” ⁴¹जा सुनके दर्शौ जनी चेला याकूब और युहन्ना से दिक्काए गय। ⁴²तव येशू बिनके अपने ठिन बुलाएके कहि, “तुम जानत् हौ कि अन्यजातिनके उपर शासन करन बारे उनके उपर अख्तियार चलात हएँ। और उनके बड़े बड़े बिनके उपर अधिकार चलात हएँ।” ⁴³तव तुमरमें अईसो ना हुईहए। तव तुमरमे जौन बड़े होन इच्छा करत हए बा उनको सेवक होन पड़ेगो।” ⁴⁴और तुमरमे जौन पहिलो होन इच्छा करत हए, बा सबको कमैया होन पड़ेगो।” ⁴⁵काहेकी आदमीको लौंड़ा सेवा पानके ना, पर सेवा करन और बहुतनको छुटकाराको मोलके ताहिं अपन प्राण देनके आव हए।” ⁴⁶तव पिच्छु बा यरीहोमें आव, और बा अपन चलन और भारी भीडसहित यरीहोसे निकरतत पेति, तिमैक लौंड़ा बारतिमै, एक अन्धरा भिखारी रहए, डगर किनारे बैठो रहय। ⁴⁷जब बा नासरतको येशू हए कहिके सुनी, तव चिल्लाएके बा कहन लागो, “हे येशू दाऊदको पुत्र, मिर उपर दया कर।” ⁴⁸तव बहुत बाके चुप लाग कहिके डाँटी। तव बा और गजब जोडके चिल्लान लागो, “हे येशू दाऊदको पुत्र, मिर उपर दया कर।” ⁴⁹तव येशू ठौंड रुकिगव और कही, “बाके बुलओ।” और बे बा अन्धराके अईसे कहिके बुलाई, “हिम्मत कर, उठ, बा तोके बुलात हय।” ⁵⁰और अपनो चादर फेंक्के बा तुरन्त उठीगव और येशूके ठिन गव। ⁵¹येशू बासे कही, “तए का चाँहत हए, मए तीर ताहिं का करौं ?” बा अन्धरा आदमी बासे कही, “रब्बी, [गुरुज्यू] मए देख पामौ।” ⁵²और येशू बासे कही, “तए अपन डगर लाग। तिर विश्वास तोके अच्छो करीहए।” तव बा तुरन्त देखन लागो, और डगरमें येशूके पीच्छु पीच्छु हुइलै।

Chapter 11

¹जब बे यरूशलेमके जौने जैतून डाँगाके ढिगई बेथफागे और बेथानिया कहन बारो ठाउँमें आएपुगे, तव बा अपन चेला मैसे दुई जनीसे अईसे कहिके पठाई, ²तुम जौनेको गाउँमें जाओ, और जातै जात तुम हबए तक कोई आदमी न चढो एक गधाहक बच्चा पैहौ। बाके खोलके हियाँ लाबओ। ³"कोई तुमसे" जा का करत्त हौ कहिके 'कुई कहए, ' प्रभुके जाकि जरूरत हए, और बा जल्दी घुमाए दिबैया हए' कहीओ।"⁴तव बे गए, और बा बच्चा खुल्ला गल्लीमें एक घरके बाहिर घेन फाटक ठिन बँधो पाईगए, और बाके खोलीं। ⁵बा हुवाँ ठाडे मैसे कोई-कोई उनसे पूछी, "बच्चाके खोलके तुम का करत्त हौ ?" येशू उनके अढाई बहे कता बे कहीं, और बे उनके जन्दाई। ⁶बे बच्चाके येशूके ठिन ल्याई, और अपन लत्ता बाके उपर धरदें, और बा बाके उपर बैठगव। ⁷बहुत आदमी अपन कपडा और पत्ता काटके डगरमें बिछाई। ⁸और बाके अगु अगु नेगनबारे और पिच्छु पीच्छु आनबारे अईसे कहत जयध्वनी लगाई, "होसन्ना ! धन्य बा, जो परमप्रभुके नाउँमें आबैगो !"⁹धन्य हए, हमर पिता दाऊदके बा अनबारो राज, परमधाम्मे होसन्ना !"¹⁰बा यरूशलेममें आपके मन्दिर भीतर कुचो। और बाके आसपास सबके उपर नजर करके पीच्छु कुइबेरा भव के कारन बाहै जनिक सँगमें बा बेथानियाँ चलोगौ। ¹¹कल बे बेथानिया से आतपेती बाके भुख लागै। ¹²और दुरमें पत्तासे भारो एक अँजीरको रुखा देखके जमकुछ फारा पएहौकी कहिके बा गव, तव हुवाँ पुके बा पत्ता से अलाबा कुछ ना पाई, काहेकि बा समय अँजीरके फरा फरनको समय ना भव रहय। ¹³तव बा बो रुखासे कहि, "अब उईसो कोई फिर तेरो फरा ना खामएँ।" और जा कहत बक चेला सुनत रहएँ। ¹⁴और यरूशलेममें पुके पीच्छु बा मन्दिर भीतर घुसो, और मन्दिरमें खरिदन बारे और बेचन बारेनके बाहिर निकारी और रुपैया बदलन बारेनके टेबुल और परेवा बेचन बारे ठाउँ सब पलट दै। ¹⁵बा मन्दिरसे कोईके कुछ चीज लैजान ना दै। ¹⁶और बा शिक्षा देतय कहि, "का आइसो ना लिखो हए, मिर घर सब जातिनके ताहिँ प्रार्थनाको घर कहोजय हए ?" तव तुम त जाके डाकुँको अड्डा बनाए हौ। ¹⁷और मुखिया पुजारी और शास्त्री जा सुनके बाके कैसे नाश करएँ कहिके उपाय निकारन लागे। काहेकि बे बासे डरात रहएँ, काहेकि सबय भीड बाके शिक्षामें अचम्मो मानत रहएँ। ¹⁸सँझा भव बा सहेर से बाहिर निकरके गव। ¹⁹सुबेरे हुवाँ से पहिलीएकी डगर जात रहए बे बा अँजीरको रुखाके जरसे सुखो देखीं। ²⁰और पत्रुसके जा याद आई, और बा बासे कहि, रब्बी, [गुरुज्यू] देखओ, तुम सराप दौभव अँजीरको रुखा ता सुखो हए।"²¹येशू उनके जबाफ दैके कहि, "परमेश्वरमें विश्वास करओ।"²²नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, अगर कुई अपन हृदयमें शंखा ना करेहए, और अपनो कहो बात पूरा हुईहए कहिके विश्वास करके, जा पहाड उखड्के तए समुन्द्रमें गिरजा, 'कएहौ तव, बाके ताहिँ उईसी हुई जएहए।"²³जहमारे मए तुमसे कहत्त हौं, तुम प्रार्थनामें जो मागे हौ, सो पाए हौ, कहिके विश्वास करौ, तव तुमर ताहिँ हुईजाए हय। ²⁴जब तुम प्रार्थना करके ठाढत्त हौ, तव कोईके विरुध्दमें तुमर कुछ हए तव क्षमा करिओ, तव स्वर्गमें होन बारो तुमरो पिता फिर तुमरो अपराधके क्षमा करदे हए। ²⁵और क्षमा ना करेहौ, स्वर्गमें होनबारो पिता फिर तुमरो अपराधके क्षमा ना करैगो।"²⁶बे फिर यरूशलेममें आए। और येशू मन्दिरमें इतए उतए नेगत समयमें मुखिया पुजारी, शास्त्री, धर्म-गुरु बाके ठिन आय। ²⁷बे बासे प्रश्न करीं, "कौन अधिकारसे तुम जा काम करत्त हौ? जा काम करन के अधिकार तुमए कौन दव ?"²⁸येशू बिनसे कहि, "मए तुमसे एक प्रश्न पुँछत हौं, और तुम बाको जबाफ देव, और कौन अधिकारसे मए काम करत हौं, सो महुँ बताए हौं।"²⁹यूहन्नासे दओ बप्तिस्मा स्वर्गसे हए की आदमीसे, मोके जबाफ देओ।"³⁰तव बे अईसे कहत अपनैमें बहस करन लागे, "स्वर्गसे" कएहएँ तव 'तुम बाके ऊपर काहे विश्वास ना करे' करके बा कए हय। ³¹"आदमीनसे कएहएँ कि" पर अईसे कहन बे जनतन से डराई गए। काहेकि सबए यूहन्नाके सच्यो अगमबक्ता कहत रहयँ। ³²तव बे येशूके जबाफ दैके कहि, "हमके पता न हय।" येशू उनसे कहि, मए फिर कौन अधिकारसे जा काम करत्त हौं, सो तुमए महुँ ना बताए हौं।"-

Chapter 12

¹बा उनसे कहानीमे कहन लागो: “एक आदमी अंगुरकी बगिया लगाएके बाके आसपास बेढा लगाई, और कोलू के ताहिं एक गड्ढा खोदी। और एक मचान बनाएके बा अंगुरकी बागियामे किसानके कमानके दैगओ, और अपना प्रदेश गओ। ²फसलके समयमे बा, बे किसानके ठिन कुछ फसल लेनके एक टाहलुवाके पठाई। ³तव बे बाके पकडके मॉरिं और खाली हात पठाई। ⁴फिर बा बिनके ठिन दुसरो टाहलुवाके पठाई, तव बे बाके मुणमें मारीं और बाकी बेइज्जत करीं। ⁵मालिक और दुसरेके पठाई, तव बे बहुके मारीं, तव और बहुतनके फिर पठाई, तव बे कुइके पिटीं और कुइके मारडारीं। ⁶“बक अब एक जनी रहए बक प्यारो लौंड़ा।” बा कहि, बे मिर लौंड़ाक त आदर करङ्गे, कहिके सबसे पीछु बा अपन लौंड़ाक उनके ठिन पठाई।” ⁷“तव बे किसान आपसमे कहिं, “ओहो जत उत्तराधिकारी हए। आओ, हम जक मराएँ, और हक हमरियए हुईहए।” ⁸और बे बाके पकडके मारीं, और अंगुरकी बगियाके बाहिर फेंक दें। ⁹“तव अंगुरकी बगियाको मालिक का करैगो ? बा अबैगो, और बे किसानके नाश करैगो, और अंगुरकी बगिया और दुसरेक देहए।” ¹⁰का तुम धर्मशास्त्र को जा वचन पढे ना हौ ? “जौन पत्थरके घर बनान बारे रद्द करी रहएँ बहे कुनैठोक खास-पत्थर बनगओ (कोनेको मुल पत्थर), ¹¹जा परमप्रभुसे भव हए, और हमरी देखाईमे जा अचमो हय।” ¹²तव पिछु बे बाके पकड़न दुइत रहएँ, काहेकी जा कहानी बा उनके बिरुदमें कही हए कहिके बे सम्झीं। तव बे भीडसे डराएके कारनसे बाके छोड़के गै हए। ¹³पिछुसे बाके कौन बातमें फसामए कहिके बे फरिसी और हेरोदी मैसे कोइ आदमी बाके ठिन पठाई। ¹⁴बे आएके बासे कहीं, “गुरुजी, हम जानत हएँ, तुम सच्चे हौ, और कोइको ख्याल ना करत हौ, काहेकि तुम मुहँ देखके काम ना करत हौ और परमेश्वरको डगर सच्चो तरिकासे सिखात हौ। तव बताबऔ, कैसरके कर तीरन ठीक हए कि ना ? ¹⁵हम कर तिरएँ की ना तिरएँ ? येशू उनको कपटीपन पता पाएके उनसे कही, “तुम काहे मोके परीक्षा करत हौ ? एक रुपैया लाओ।” ¹⁶बे एक रुपैया लाई। बा उनसे कही, “जा फोटु और छाप का को हए ?” बे बासे कहीं, “कैसरको” ¹⁷तव येशू उनसे कही, “कैसरको चीज कैसरके देओ, और परमेश्वरको चीज परमेश्वरके।” बे बासे अचमो मानी। ¹⁸मरके जिन्दा न होत हएँ, कहिके सदुकी (एक प्रकारको जाति) बाके ठिन आए, और बासे पुछीं, ¹⁹“गुरुजी, मोशा हमरे ताहिं लिखीहए कि कोइको ददा मरीगओ और बिना सन्तान बैयर छोड़ीगव तव बक भैयाके बा बैयर लैजान पडैगो और अपन ददाके ताहिं सन्तान जन्मान पडैगो।” ²⁰एक परिवारमें सात भईया रहएँ। जेठो एक बैयर लाई तव बा आदमी बिना सन्तान हुइके मरिगौ। ²¹अब मझला भैया बा बैयर से बेहा करी, और फिर बिना सन्तान हुइके मरीगव। तव सँझला फिर उइसी करी, ²²तव सातओ भैयनके सन्तान ना भव। सबसे पीछु बा बैयर फिर मरी। ²³अब मरके पुनरुथानमे बिन मैसे बा कौन की बैयर हुईहए ? काहेकि बे सातओ जनी बासे बेहा करीरहएँ।” ²⁴येशू उनसे कही, “ का तुम भूलमे पडे के कारन से ना हए , न त तुम धर्मशास्त्र जनत हौ, ना परमेश्वरके शक्तिके जानत हौ ? ²⁵काहेकि जब मरके बे पुनरुथान हुईहएँ, बे न त बेहा करत हएँ, न उनको बेहा हुईहए, पर बे त स्वर्गमे भए दूत कता हुईहएँ। ²⁶मरे भए जिन्दा हुइके उठन बारो बातके बारेमे का तुम मोशा के किताब पढे ना हौ ? कि कैसे भिन्नाके बारेमे लिखो भव खण्डमे परमेश्वर मोशासे कही, ‘मए अब्राहामको परमेश्वर, इसहाकको परमेश्वर और याकूबको परमेश्वर हौं।’ ²⁷बा मुर्दाको परमेश्वर न हय, बो त जिन्दाको हए। तुम पक्कय भुलमे पड़े हौ।” ²⁸शास्त्री मैसे एक जनी आओ, और बिनके आपसमे बिबाद करत सुनी। येशू आदमीनके ठीक जबाफ दई, देखके बे बासे पुँछीं, “सब आजामे मुख्य कौन हए ?” ²⁹येशू जबाफ दै, “सबसे मुख्य जा हए: हे इस्राएल सुन, परमप्रभु हमर परमेश्वर एकै परमप्रभु हय। ³⁰तए परमप्रभु अपन परमेश्वरके तेरो सारे हृदयसे, तेरो सारे प्राणसे, तेरो सारे समझसे, और तेरो सारे शक्तिसे प्रेम करीये।” ³¹दुसरो जा हए, “तए अपन परोसीके अपने क ता प्रेम कर। ‘जा से बडो आज्ञा दुसरो कोई न हय।’” ³²तव शास्त्री बासे कहिं, “गुरुजी, तुम ठीक कहत हौ, परमेश्वर ता एकए हए, बा बाहेक कोई न हय। ³³बाके सारे हृदय से, सारे समझ से, सारे शक्ति से प्रेम करनो, और परोसीके अपनाए क ता प्रेम करनो सब होमबलि और बलिदानसे उत्तम हय।” ³⁴बिनके बुद्धिमानीसे जबाफ देत देखि, येशू बिनसे कहि, “तुम परमेश्वरको राजसे दूर ना हऔ।” तब बा समयसे लैके बासे प्रश्न करनके कोईकी हिम्मत ना भई। ³⁵तव मन्दिरसे निकरत पति येशू कहि, “कैसे ख्रीष्ट दाउदको लौंड़ा हए कहिके व्यवस्थाको शास्त्री कहत हएँ ? ³⁶काहेकि दाउद अपनए पबित्र आत्मासे कहि हए, परमप्रभु मेरो प्रभुसे कही, ‘तुम मिर दहिना हात घेन बैठओ, जब तक मए तिर दुश्मनके तिर पाँव तरे न लए हौं।’” ³⁷जब दाउद अपनए उनसे ‘प्रभु’ कहत हए, तव कहाँ से बा उनको लौंड़ा भव ?” और हुवाँ की भारी भीड बाको वचन खुशीसे सुनी। ³⁸तव शिक्षा देत येशू कही, “शास्त्रीन से होशियार रहिओ। बे लम्बो कुर्ता लगाएके इतए उतए घुमन और बजारमे आदर पान, ³⁹औ सभाघरमे बडो स्थान और भोजमे आदरको स्थान पानके चाँहत हएँ। ⁴⁰बे बिधुवानके घर लूटत हएँ, और दिखानके ताहिं लम्बो लम्बो प्रार्थना करत हएँ। अइसे आदमी बहुत बडो दण्ड पामङ्गे।” ⁴¹और बा मन्दिरको भेटी चढान बारे ठाउँके अगु बैठो, और भीडके भेटी बक्सा मे भेटी चढात बा देखी। बहुत धनी आदमी गजब गजब रकम चढाई। ⁴²और एक गरीब बिधुवा आएके तामाके दुई सिक्का या एक पैसा चढाई। ⁴³अपने चलन के अपन ठिन बुलाएके बा कही, “नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, भेटी बक्सामे चढान बारे मैसे जा गरीब बिधुवा सबसे जद्धा चढाई।” ⁴⁴काहेकि सब अपन अपन भरपुरी मैसे चढाई, पर जा बैयर त अपन गरिबी मैसे अपनो सारा जीबिका सौंपदे।

Chapter 13

¹जब बा मन्दिरसे निकरत रहए, तव बाको चेला मैसे एकजनी बासे कहि, “देखओ गुरुजी, कितो बडे बडे पत्थर और कितो भारि भवन।” ²येशू उनसे कही, “हियाँ ता पत्थर उपर दुसरो पत्थर ना रय हए सब बिगाड दे हएँ।” ³जब बा मन्दिरके अगु जैतुन डाँगामे बैठो रहए पत्रुस, याकुब, यूहन्ना और अन्द्रियास बासे चुप्पैसे पुछीं ?” ⁴“हमके बता कि जे सब बात कब हुइहएँ ? और जा सब बात होनके का चिन्हा हुइहए ?” ⁵येशू उनसे कही, “होसियार रहबओ, कोई तुमके ना भरमबए।” ⁶बहुत मेरे नाउँमे ‘महि हौं’ कहत अमंगे, और बहुतन के भरममंगे।” जब तुम लडाई और लडाईन् के हल्ला सुनैगे, तव मत डरैओ। अईसे घटना होन जरुरि हए। पर अन्तको दिन आन् अभे फिर बाँकी हए। ⁸काहेकि जातिके बिरुद्धमे जाति, और राज्यके बिरुद्ध मे राज्य ठाड़के, ठाउँ-ठाउँमे हालाचाला जाबैगो, सुखा होबैगो। जब बैयर् जतकाल (प्रसववेदना) सुरु होन जैसो सड़कटको सुरु हए।” ⁹“तुम अपन बारेमे होसियार होबओ। बे तुमए अदालतमे सौपंगे। तुमके सभा घरमे मार खाबएँ हएँ। तव हाकिम और राजनके ठिन् मिर ताहीं बिनके गवाही देन तुम ठाड़ैगे।” ¹⁰और सुरुमे सबै जातिनके सुसमाचार प्रचार करन् पड़ैगे। ¹¹जब आदमी तुमके पकड़के मुद्दा चलांमंगे, तब का बोलौं कहिके अगुसे चिन्ता मत करओ। पर बहे समय जो तुमके दौ जाबैगो, बहे समय बोलन बारे तुम ना हौ पर पबित्र आत्मा होबैगो। ¹²एक भैया दुसरे भैयाक मारन के ताहीं सौंपैगो, और अईसीय करके दौवा लौड़ा लौड़ियाके, अईया दौवाके बिरुदमे लडके, और उनके मारन लगबामङ्गे। ¹³तव मिर नाउँके ताँही तुम सबसे घृणित हुइहौ, और जौन अन्त तक अटल रयहए बाको उद्धार हुइहए। ¹⁴“जब तुम बिनाशकरी घृणित चिज जहाँ होनके ना रहए, हुवाँ ठाड़ो देखैगे {पढनबारे बुझएँ} तव यहुदियामे होनबारे पहाड घेन भाजएँ।” ¹⁵घरके पाँणमे होनबारे तरे न उतरएँ, न अपन घरसे कुछ निकारन भितर कुचएँ। ¹⁶खेतमे होनबारे अपन चहर लेन पिच्छु ना घुमएँ। ¹⁷पर हाय, बे दिनमे गर्भवती और दुध खाबन बारी अईयनके ! ¹⁸बा जाडोमे न होबए करके प्रार्थना करओ। ¹⁹काहेकि बे दिनमे अईसो महासंकट अएहए कि परमेश्वर सृष्टिमे सुरुसे लैके ह्वाए तक न त अइसो भव रहए ना कबहु हुइहए। ²⁰औ परमेश्वर बे दिन ना घटइतो तव कोई आदमी ना बचतो, पर बा चुनेभएनके ताहीं बे दिन घटाई हए। ²¹तव बा समय कोई तुमसे ‘देखओ, खीष्ट हियाँ हए’ बा’ हुवाँ हए’ कयहएँ तव, तुम विश्वास मत करीओ। ²²काहेकि झुठे खीष्ट और झुठे अगमवक्ता ठाड़ होमंगे, और चुने भएनके भ्रममे पाणन बे चिन्ह और अचम्मेके काम करङ्गे। ²³तव तुम फिर होसियार रहीओ। मए तुमके सब बात अगुसे कही दओ हौं। ²⁴तव बे दिनमे महासंकट पिच्छु दिनमे अँध्यारो हुई हए और जौनी अपनो चम्क ना देहए, ²⁵तारा बादरसे गिरंगे, और बादरमे भए शक्ति डगमगाङ्गे। ²⁶और बा समयमे आदमी, आदमीके पुत्रके शक्ति और महिमासे बादरमे आत देखङ्गे। ²⁷तव बा स्वर्गदुतके पठाए हए, और पृथ्वीके छोरसे बादरके छोरतक चारऔं घेनसे अपन छँटे भयनके इकठ्ठा करेहए। ²⁸“अज्जीरके रुखासे पाठ सिखओ: बाको हाँगा नरम हुइके पत्ता होन खिनक ग्रीष्म ऋतु जौने हए कहिके तुमके पता हुइजात हय।” ²⁹अइसीय तुम सब घटना होत देखैगे, तव बा जौने हय, फाटक ठिन हए कहिके जानौ। ³⁰नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, जबतक जा बात ना होनतक तबतक जा पुस्ता ना बितैगो। ³¹स्वर्ग और पृथ्वी बीत जयहए पर मिर वचन कबहि ना बितैगो। ³²“पर बा दिन और बा समयके बिषयके बारेमे पिता से बाहेक और कोई न जानत हए, न त स्वर्गमे होनबारे स्वर्गदुत न पुत्र।” ³³होसियार रहीओ, जागे बैठीओ और प्रार्थना करओ, काहेकि बा समय कब आतहय, सो तुम ना जानत हौ। ³⁴जा त मालिक अपन चाकरनके घरको सबय काम और अधिकारको जिम्मा दैके, और चौकीदार के जगो रहन कहिके आज्ञा दैके परदेश गइभव जइसो हए। ³⁵जहेमारे तुम फिर जगे रहीओ, काहेकि घरको मालिक संझाके, कि आधी रातमे, कि मुर्गा बासन बेरा, कि सुबेरे, कब अयहए, सो तुम ना जानत हौ। ³⁶न त बा एकबरी अबैगो तव बा तुमके सोत पयहए। ³⁷जो मए तुमसे कहत हौं बा मए सबै से कहत हौं, ‘जगे रहौ’।”

Chapter 14

¹जक दुई दिन पिच्छु निस्तार और अखमिरी रोटीको तिवहार रहए। मुखिया पुजारी और शास्त्री बाके कैसे छलके पकडके मर हएँ करके दावमे रहएँ। ²काहेकी बे कही रहएँ, “तिवहरके समयमे ना, नत् आदमीको हुलदङगा मचङगो। ³बा बेथानियामे सिमोन कोढ रोग लागो आदमीके घरमे खान बैठो एक बैयर बेढम महेंगो कोरो महकुवा तेल सिङ्गमरमरको शीशीम लैके आई और बा शीशी कि कुप्पी खोलके बा महकुवा तेल बाके मुणमे अखनाए दै। ⁴तव कोई कोई दिक्काएके आपसमे कहन लगे, “जा महकुवा तेल काहे अईसे नुक्सान करत हौ ? ⁵काहेकि जा महकुवा तेल तीन सय चाँदीके सिक्कासे जद्धामे बेचके गरीबनके बा पैसा दए दिते।” और बे बा बैयरके झपाणी। ⁶पर येशू उनसे कही, “छोडदेव, काहे तुम इनके सतात हौ ? जा मिर ताहीं अच्छो काम करीहए। ⁷काहेकी गरीब त तुमर सँग सबदिन हुइहएँ, और इच्छा लागो जौन समयमे फिर तुम उनके भलाई करसकत हौ। और मए त सबदिन तुमरे सँग ना हुईहौं। ⁸जा बैयर जो करपाई बहेकरी हए। जा मिर शरीरके दफनके ताहीं अगुसे महकुवा तेल मिसलके तयार करीहए। ⁹नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, सारा संसारमे जहाँ जहाँ जा सुसामाचर प्रचार करङ्गे जा बैयर जो करी है यिनके सम्झनाके ताहीं जा कामको बारेमे बयान करो जयहए।” ¹⁰तव बाहू चलन मैसे एक जनी यहूदा इस्करियोत त येशूके बिनके हात पक्कानके ताहीं मुखिया पुजारी ठिन गओ। ¹¹बे जा सुनके खुशी भए, और बाके पैसा देहएँ करके कबुल करीं। और बाके कैसे पकणए करके बा अच्छो मौका दुणन लागो। ¹²अखमिरी रोटीको तेवहरको पहिलो दिनमे जब बे निस्तार-तेवहरमे थुमाको बलिदान चढात रहएँ, बाके चेला बासे पुछी, “तुमर इच्छा का हए ? हम कहाँ जाएके तुमर ताहिं निस्तार-तेवहरको भोज तयार करएँ ? ¹³और बा अपन चेला मैसे दुई जनी अईसे करके पठाई, “सहेरमे जाओ, और घल्ला मे पानी लैजात एक आदमी तुमके मिलेहए। बाके पिच्छु जैइयो। ¹⁴बा आदमी जहाँ घुसेहए बाके मालिकसे कहीओ, “गुरुज्यू कहात हए, मिर चलनके निस्तारको तेवहरको हटकना खान बारो पाहुनाको कोनो कहाँ हए ? ¹⁵और बा उनके सजो सजाओ तयार करो भव उपरको छतको एक कोनो दिखाबैगो, और हुवएँ तुम हमर ताहीं खानु तयार करिओ। ¹⁶तव चेला गए, और सहेरमे घुसे, और बा उनसे कही अनुसार पाई, और बे निस्तार तेवहरको खानु तयार करी। ¹⁷सँझा भव बा बाहूओ जनी सँग आओ। ¹⁸बे लेटके खातपेती येशू उनसे कही, “नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, तुमर सँग खान बारो मैसे एक जनी मोके धोखा देहए। ¹⁹बे दुखी हुइगए और पालो पालो करके बासे पुछन लागे “का बा मै हूँ ?” करके पुछन लागे। ²⁰बा उनसे कही, “बाहूओ मैसे एक जनी, जौन मिर सँग थरियम रोटी बोर रहो हए। ²¹काहेकी आदमीको लौणक बारेमे लिखो अनुसार हुईहए, पर धिक्कार बाके जौनसे आदमीक लौणाके धोखा हुईहए। बा आदमिक त जन्मए न हुइतो त ठिक रहए।” ²²और खातपेती येशू रोटी लैके आशीर्वाद दै और तोडी और बिनसे कही, “लेओ, जा मिर शरीर हए।” ²³तव कटोरा लैके धन्यवाद दैके बा बिनके दै दै, और बे सबै बा मैसे पिई। ²⁴और बा बिनसे कही, “जा नयों करार को मेरो खुन हए, जो गजबन के ताहीं बहाव जात हए। ²⁵नेहत्य, मए तुमसे कहत हौं, मए अँगुरके रसा से बा दिन तक न पिहौं, जब तक परमेश्वरको राजमे बा नयों करके न पिहएँ।” ²⁶और एक भजन गाएके बा निकरके जैतुन डाँगा घेन गओ। ²⁷येशू उनसे कही, “तुम सब पिच्छु हटजए हौ, काहेकि अईसो लिखो हए, मए बकरेहेराके मारङ्गो भेडा तितर बितर हुइ जएहएँ।” ²⁸तव मए जिन्दा हुईके उठके तुमसे पहिले गालीलमे जामङ्गो। ²⁹पत्रुस बासे कही, “सब जनी पिच्छु हटे से फिर पर मए न हटङ्गो।” ³⁰तव येशू उनसे कही, नेहत्य मए तुमसे कहत हौं, आजए रातके मुर्गा दुई चोटी बास्नेस अगु तय तीन चोटी इन्कार करैगो। ³¹पर बा और जोडसे कही, “तेरेसँग मोके मरन पणहए, मए तुमके इन्कार न करङ्गो।” और बे सब अईसीए कही। ³²तव पिच्छु बा गेतसमनी नाउँ भव ठाउँमे गव, और अपन चलनसे कही, “मए प्रार्थना करन तक तुम हियाँ बैठीओ।” ³³तव बा पत्रुस, याकुब और यूहन्नाके सँगमे लैगओ, और बा बहुत घबणान और बहुत उदास होन लागो। ³⁴बा उनसे कही, “मेरो आत्मा मरन तक शोकसे ब्याकुल हुइगव हए। तुम हियाँ बैठी, और जगे रहीओ।” ³⁵और थुर दुर जाएके बा भिमे घुटियाए गव और हुइसक्तहए तव जा घडी मोसे दुर हुइजाए करके प्रार्थना करी। ³⁶और बा उनसे कही, “अब्बा, पिता, तुमरे ताहीं सब बात सम्भव हए। जा कटोरा मोसे हटाएदेव तहूँ फिर मिर इच्छा अनुसार नाय पर तुमर इच्छा अनुसार होबाए।” ³⁷बा फिर अओ तव उनके सोत पाई। बा पत्रुससे कही, सिमोन, का तए सोन डटो हए ? का एक घण्टा फिर जगो वैठ न पातहए ? ³⁸जगे रहौ, और प्रार्थना करौ, और तुम परीक्षामे मत पडओ आत्मा ता नेहत्य तयार हए, पर शरीर दुर्बल हए। ³⁹फिर गव बा दोहोरयके हुवएँ प्रार्थना करी। ⁴⁰फिर आएके बा उनके सोत पाई, काहेकी उनकी आँखी नींदसे बहुत घुँघरियाए गइरहएँ, और बाके का जबाफ देमए, सो न जानी। ⁴¹बा तीन चोटी आओ, और उनसे कही, “का तुम और सुइ हौ और आराम करे रहौ ? अब हुइगओ, बेरा आइगौ। देखओ आदमीको लौणा पापिनके हातमे पक्काव परन लागोहए। ⁴²उठओ, चलैं। देखओ, मोके पक्कान बारो जौने हए।” ⁴³येशू बोलत रहए तव बाहूओ चेला मैसे एक जनी यहूदा अचानक हुवाँ देखाइ पडो। मुखिया पुजारी, शास्त्री और धर्म-गुरु पठाओ एक दल तरवार और लट्टी लैके बाके सँग हुवाँ आए। ⁴⁴बाके धोखा देन बारो उनसे अईसे करके संकेत दै, “जौनके मए चुम्मा खएँ हौं बहे आदमी हए, बाके पकडीओ और घेरके लाएजईओ।” ⁴⁵और सिधे येशू ठिन जाएके यहूदा कही, “हे रब्बी,” और बाके चुम्मा खाई। ⁴⁶तव बे येशूके पकणी और गिरपतार करी। ⁴⁷हुवाँ जौने ठाढे मैसे कोई एक तरवार निकारके प्रधान पुजारीको कामैयाके चलाई और बाको कान च्वाट्ट से काट्दै। ⁴⁸येशू उनसे कही, “का तुम एक डाकु कता तरवार और लट्टी लैके मोके पकणन आए हौ ? ⁴⁹हर दिन मन्दिरमे सिखात मए तुमरे सँग रहौं, तव तुम मोके गिरपतार न करे पर धर्मशास्त्र पुरा होबाए।” ⁵⁰और सब चेला बाके छोडके भाजे। ⁵¹अपन शरीरके सुती लत्तासे लपेटो भव एक जनी जवान बक् पिच्छु गओ। बे बा जवानके पकडीं, ⁵²तव लत्ता छोडके बा नङ्गो भाजो। ⁵³तव बे येशूके प्रधान पुजारी ठिन लैगए, और हुवाँ सब मुखिया पुजारी, धर्म-गुरु और शास्त्री जम्मा भए रहएँ। ⁵⁴पत्रुस त दुरसे प्रधान पुजारीके आँगन भितर बाके पिच्छु पिच्छु लागो, और हुवाँ सिपाइएन सँग बैठके आगी तापन लागो। ⁵⁵अब मुखिया पुजारी और जम्मा महासभाके येशूके मारनके ताहिं बाके बिरुद्धमे गवाही दुणी, तव कुछ न पाई। ⁵⁶बहुत बाके बिरुद्धमे झुटी गवाही दै। पर उनकि दै भै गवाही कोई मेल ना खाई। ⁵⁷कोई कोई उठके बाके बिरुद्धमे अईसे कहत गवाही दै। ⁵⁸जाके अईसे कहत हम सुने, ‘आदमीको हातसे बनाव भौ जा मन्दिर मए उजाडङ्गो, और हात बिनाको बनाओ दुसरो मन्दिर मए तीन दिनमे बनामङ्गो।” ⁵⁹तव जामे फिर उनको गवाही एक मनको न रहए। ⁶⁰तव प्रधान पुजारी बीचमे ठाडके येशूसे पुँछी, “का तिर ठिन कुइ जबाफ न हय ? जे आदमी तिर बिरुद्धमे गवाही दै का हए ?” ⁶¹तव येशू चुप लागो, और कोई जबाफ ना दै। फिर प्रधान पुजारी बासे पुछी, “का तए परमधन्यको पुत्र ख्रिस्त हए ?” ⁶²येशू कही, “मए हौं, और तुम आदमीके पुत्रके सर्वशक्तिमानको दहिना हातघेन बैठो और आकासमे बादरके सँग आत देखेगे।” ⁶³तव प्रधान पुजारी अपन कुर्ता फारके कही, “हमके और साँची से का पडोह ? ⁶⁴तुम ईश्वरनिन्दा ता सुनी रहेहौ। तुमर का बिचार हए ?” और बे सब बाके मृत्युदण्डको भागी ठहराई। ⁶⁵और कोई कोई बाके थुकन लागे, और बक मुहू तोपके बाके थप्पड मारके कही, अगमवाणी बोलू।” तव पिच्छु पहारेदार बाके अपन जिम्मामे लैं, और बाके मुक्का मारीं। ⁶⁶पत्रुस तरे आँगनमे रहय तव प्रधान पुजारीको नोकनीं मैसे एक जनी हुवाँ आई, ⁶⁷और पत्रुसके आगी तापत् देखके बाके निहारके देखी और कही, तुम फिर येशू नासरी सँग रहौ।” ⁶⁸तव बा आइसे कहत

इन्कार करी, “तुम का कहत हौ बा ना जान्तहौं न सम्झत हौं।” और बा बाहिरको मूल फाटक घेन गव और मुर्गा बासी।⁶⁹ बा नोकरनी ऊनमैसे जो जौने थाडे रहयँ फिर कहन लागि, “जहुत उन्मैसे एक हए।”⁷⁰ तव पत्रुस फिर इन्कार करी, पर कुछ देरमे आसपास ठाढे मैसे फिर पत्रुससे कहीं, “पक्कए तुम उन्मैसे एक हौ।”⁷¹ तव बा अपनएके सरापके और कसम खाएके कहन लागो, “जौनके बारेमे तुम कहत हौ, बा आदमिक मए चिन्त न हअैं।”⁷² और तुरन्त दुसरो चोटी मुर्गा बासदै, और पत्रुससे येशू उनसे कहि बात समझलै, मुर्गा दुई चोटी बासन से अगु तुम मोके तीन चोटी इन्कार करेहौ।” और जा बात समझके बा धरधरहुँस रोई।

Chapter 15

¹सुबेरे भव खिनक मुखिया पुजारी, धर्म-गुरु, शास्त्री और जम्मए महासभाके आपसमे सल्लाह करके येशूके बाँधके लगए, और पिलातस ठिन सौप दें। ²पिलातस बासे पुँछी, “का तुम यहूदीक राजा हौ?” बा उनके जबाफ दै, “तुम्हीय अईसे कहत हौ।” ³मुखिया पुजारी बाके उपर बहुत बातकी दोष लगाई। ⁴पिलातस बासे फिरके पुँछी, “का तुमर ठिन कुछ बात ना हए? देख, तुमर बिरुद्धमे बे किचो बातकी दोष लगात हएँ।” ⁵तव येशू फिर कुछ जबाफ न दै, हियाँ तक कि पिलातस फिर अचम्मो मानी गओ। ⁶निस्तार-तेवहरके बेरा आदमीनको मागो एक जनी कैदीके उनके ताहीं पिलातस छोडत रहए। ⁷बिद्रोहीके समयमे हत्या करन बारे बिद्रोही जेलमे रहएँ। हुवाँ मैसे बारब्बा नाउँको एक जनी हुवाँ रहए। ⁸भीड़ आएगई और पिलातससे उनको चलन अनुसार बिनके ताहीं बिन्ती करन लागे। ⁹पिलातस अईसे करके उन्से पुँछी, “का मए तुमर ताहीं यहूदीनको राजाके छोड देमओ करके तुम चाहत हौ?” ¹⁰काहेकी दिक्क के मारे से मुखिया पुजारीनके ठिन येशूके सौपी रहएँ, करके बाके पता रहए। ¹¹पर बलुक बारब्बाके उनके ताहीं छोडदेबै करके मुखिया पुजारी उनके सिखाई ¹²पिलातस फिर उन्से पुँछी, “तव जौनके तुम यहूदीनके राजा कहत हौ, बाके मए का करओ?” ¹³बे फिर चिल्लाई, “बाके कुसमे टाँगौ।” ¹⁴पिलातस उन्से कहि, “काहे? बा का अपराध करी हए?” तव और जोडसे चिल्लाएके बासे कहि, “बाके कुसमे टाँगौ।” ¹⁵पर पिलातस भीड़के सन्तुष्ट करन इच्छा से उनके ताहीं बारब्बाके छोडदे, और बा येशूके कोर्रा लगाएके कुसमे टाँगनके ताहीं सौपदे। ¹⁶सिपईया बाके प्रेटीरियन औ महल भितर लगए, और जम्मा पल्टनके इकट्ठा कराई। ¹⁷और बे बाके बैगनी (सुरमाहों) रङ्गको लत्ता पैधाएँ, और काँटोको मुकुट बे बाके मुड़मे लगाए दें। ¹⁸और “यहूदीनको राजाको जय” कहत् बे खिल्ली उडान लागे। ¹⁹और बे बाके मुड़मे निगाली मारी और थुँकी, और घुटा हुड़के बाके दण्डवत् करी। ²⁰और येशूके गिल्ला करके पिच्छु बे बैगनी (सुरमाहों) लत्ता खोलदें, और बाको अपनो लत्ता लागएदें। तव पिच्छु बे बाके कुसमे टाँगन बाहिर लगए। ²¹और अलेक्जेन्डर और रुफसक दौवा, कुरेनी बासिन्दा सिमोनके गाउँसे आत बाके भेटी, और येशूके कुस ऊठाएके लैजान बाके कर लगाई। ²²तव पिच्छु बे येशूके गलगथा कहन बारो ठाउँमे ल्याई। गलगथा नाउँको अर्थ खोपडीको ठाउँ हए। ²³और बे बाके मुर् मिलो दाखमध दें। तव बा ग्रहण न करी। ²⁴बे बाके कुसमे टाँगौ। और कौन्छो हिस्सा लेमओ करके चिट्टा डारके बाके लत्ता आपसमे बाँटी। ²⁵बे बाके कुसमे टाँगत् सुबेरेको नौ बजो रहए। ²⁶बाको दोष-पत्रमे “यहूदीको राजा” कहिके लिखो रहए।” ²⁷बे बाके सँग दुई जनी डाँकु कुसमे टाँगौ-एक दहिना घेन और दुसरो बाके दिबरा घेन। ²⁸धर्मशास्त्रको वचन आइसिय पुरो भव, “बा अपराधीन सँग गिनो।” ²⁹हुवासे जान बारे आदमी अपन मुँड हलात अइसी करके बासे कहिके गिल्ला करि, “बा त मन्दिर उजाडके तीन दिनमे बनान बारो, ³⁰कुससे उतरके आएजा, और अपनैक बचा।” ³¹उइसी करके मुखिया पुजारी फिर शास्त्रीसे अईसो कहतय आपसमे बाको ठट्टा करी, “जा औरनके बचाई, पर अपनएके न बचाए पातहए।” ³²जा इस्राएलको राजा ख्रीष्ट, अब कुससे उतरके आबए, और हम देखेहएँ और विश्वास करङ्गे।” बाकेसंग कुसमे टाँगो भए फिर बाको निन्दा करी। ³³बाहू बजेसे लैके तीन बजे तक पुरो देशमे अन्धयारो छै गओ। ³⁴तीन बजे घेन येशू जोडसे चिल्लाई, “इलोई, इलोई लामा सबखथनी?” जाको अर्थ हए, “हे मेरो परमेश्वर, हे मेरो परमेश्वर तुम मोके काहे छोडदए?” ³⁵आसपास ठाइन बारे मैसे कोई कोई जा सुनके कहीं, “सुनओ, बा एलिया के बुलात हए।” ³⁶और एक जनी दौडके गव एक सोकता के सिका (रसा) मे पुरा डुबाएके एक निगालीमे अइसे कहिके बाके पिन दें, “देखो, कहुँ एलिया बाके उतारन आतहए कि।” ³⁷तव येशू गजब जोडसे चिल्लाए के प्राण छोड दै। ³⁸और मन्दिरको पर्दा ऊपर से लैके तरे तक दुई खण्डा हुड़के फटिगओ। ³⁹येशू अइसो प्राण छोडी देखके बाके ठिन ठाड़ो भव कप्तान कही, “नेहत्य जा आदमी परमेश्वरको पुत्र रहए।” ⁴⁰हुवा दुरसे देखनबारी बैयर फिर रहएँ। बे मैसे मरियम मगदलिनी और छोटी याकुब और योसेफकी अईया मरियम और सलोमी रहएँ। ⁴¹बा गालिलमे रहए तव बे बाके पिच्छु चलत रहएँ, और बक सेवा सत्कार करत रहएँ। येशूक सँग यरुशलैममे आई भई बहुत बैयर फिर हुँवा रहएँ। ⁴²तयारीको दिन, औ शबाथ-दिनके अगु को दिन, सँझा होत रहए। ⁴³महासभाके माने भए सदस्य अरिमाथियाक योसेफ, जौन परमेश्वरको राजको डगर देखत रहए, बा हिम्मत से पिलातस ठिन जाएके येशूकी लहास मार्गी। ⁴⁴येशू अगु से मरिगव हए करके सुन्तय पिलातस अचम्मो मानी। और कप्तान के अपन ठिन बुलाएके बा मरो हए कि ना कहिके सोधपुछ करी। ⁴⁵बा मरीगओ हय कहिके कप्तानसे पता पाएके पिच्छु पिलातस येशूको लास योसेफके लैजानके अनुमति दै। ⁴⁶और योसेफ मलमलको कपडा किनी, और लास तरे उतारके कपडामे लपेंटी, और पत्थरमे भारबनो एक गड्डामे धरी। तव पिच्छु गड्डाके मोखो (मोहट्) मे बे एक पत्थर धरदें। ⁴⁷मरियम मगदलिनी और योसेफकी अईया मरियम बाके धरो भव ठाउँ देखन डटी रहएँ।

Chapter 16

¹शबाथ-दिन खतम हुइके पिच्छु मरियम मगदलिनी और याकुबकी अईया मरियम और सलोमी महकन बारो मलम येशूके शरीरमे लगान ताहीं मोल लई। ²हप्ताको पहिलो दिनमे सुबेरे घामु निकरत् बे येशूके शर् मे पुगिगई। ³और बे आपसमे कहीं, “हमर ताहीं कब्रको मोखो (मोहट) को पत्थर कौन हटाए देबाए ?” ⁴और उपर देखिं तव कब्र को गड्डा से बा पत्थर हटो देखीं। और बा पत्थर बहुत भारी रहए। ⁵और गड्डा भितर बे सेतो कुर्त्ता लगाओ भव एक आदमीके दहिना घेन बैठो देखिं, और बे अचम्मो हुइगई। ⁶पर बा उन्से कही, “अचम्मो मत मानओ। तुम नासरतको येशूके दुणत हो जो कुसमे टँगो रहए। बा जिन्दा हुइके उठिगओ हय बा हियाँ न हय। बाके धरो भव ठाउँ देखओ। ⁷जाओ और बाके चलनके और पत्रुस से कहीदेओ कि बा तुमरे अगु अगु गालीलमे जाए रहो हए। बा तुमसे कहो अनुसार तुम बाके हुवाँ दिख हो। ⁸बे निकरके शर् ठिनसे दौडीं काहेकि डर औ अचम्मोसे बे थरथरान डटिरहएँ और बे कोईसे कछु न कहिं काहेकि बे डरानी रहएँ। ⁹हप्ताको शुरु दिनके सुबेरे बा जिन्दा हुइके पिच्छु बा पहिले मरियम मगदलिनी ठिन दिखानो बक् मैसे येशू सात भुत निकारी रहए। ¹⁰मरियम जाएके चलनके जा खबर दै। बे बिल्काए बिल्काए रोट रहएँ। ¹¹पर जब येशू जिन्दा हुइगओ और मरियमके ठिन दिखानो कहिके जा बात बे सुनी, तव बे न पतियाने। ¹²तव पिच्छु दुई चेला गाउँ घेन जात पेती उनके ठिन बा दुसरो रुपमे दिखाई पडो। ¹³तव बे लौटके जाईके औरन के बताई। पर बे उनके उपर फिर बिश्वास न करीं। ¹⁴पिच्छु बा एघार चलन ठिन बे खानुखान बेरा बैठो देखानो। और उनको अविश्वास और हृदयको कठोरताके कारन बा उनके डाँटी। काहेकि बा मरके जिन्दा हुइके उठिगओ करके बाके देखन बारेन कि बातमे बे बिश्वास न करि रहएँ। ¹⁵और बा उनसे कही, “सारा संसारमे जाएके सारा सृष्टिके सुसमाचार प्रचार करौ। ¹⁶विश्वास करन बारो और बप्तिस्मा लेन बारो उध्दार पयहए, पर बिश्वास न करन बारो दोषी ठहरैगो। ¹⁷विश्वास करन बारेन सँग जे चिन्ह हुईहएँ।-मिर नाउँमे बे भुत भजामङ्गे, बे नयाँ भाषामे बोलङ्गे। ¹⁸बे साँप पकड़ङ्गे और कुई बिषालु चिज पिहएँ तहुँ कुई उनके नोकसानी न करेहए बे रोगिनके उपर अपन हात धरङ्गे और बे अच्छे हुईजय हयँ। ¹⁹तव अईसी उनसे मसक्के पिच्छु प्रभु येशू स्वर्गमे चलोगओ, और परमेश्वरको दहिना हातघेन बईठगओ। ²⁰और बे चेला जाएके सब ठाउँमे प्रचार करीं। प्रभु उनके सँगमे काम करत रहो, और चिन्हन से वचनके मज्बुत करत गओ। आमेन।

Luke

Chapter 1

¹हमर बीचमे घटके पुरो भए घटनको विवरण सँग्रह करनको काम बहुत जनी अपने हातमे लै हएँ। ²बे जो सुरुसे बचनको प्रत्यक्ष गवाहा और सेवक रहएँ, बे जा बात हमके सुदैहए। ³माननीय थियोफिलस, मए सुरुसे सावधनीसे सब बातके दुडो हँओ, और तुमके ताहीं लैनसे लैन मिलाएके घटे भए घटना मोके लिखान अच्छो लागो,। ⁴ताकी तुमके सिकाओ भाव बिषयको सत्य तुमके पता होबाए। ⁵यहूदीयको राजा, हेरोदके पालामे, अबियाको कुलको जकरिया नाउँ भव एक जनी पूजारी रहए। बाकी बैयर हारुन-वंशकी रहए। बाको नाउँ एलीशिबा रहए। ⁶बे दोनो परमेश्वरके अगु धर्मी रहाए, और परमप्रभुको सबै आज्ञा और धार्मिक-विधानमे निर्दोष हुइके नेगतरहए। ⁷पर बिनको कोइ सन्तान ना रहए, कहेकी एलिशिबा बाँझी रहए, और बे दोनेनको उमेर ढल गवरहए। ⁸जब जकरिया परमेश्वरके अगु अपन दलके पालामे पूजारीको काम करत् रहए,। ⁹तव बाहँवाको रितिके जैसो चिट्ठासे पूजारीक सेवाके ताहँ मन्दीर भितर धूप पजारन ताहँ छानत रहए।, और बा चिट्ठा डरत पेती परमप्रभुके मन्दिरभितर घुस्के धूप पजारनको काम जकरियाके पडो। ¹⁰धूप पजारन बेरा आदमीको सबै भीड़ बाहरे प्रार्थना करत रहाए। ¹¹ठिक बहे समय परमप्रभुक एक जनी स्वर्गदूत धूप-वेदीके दाहिनाघेन ठणो देखि। ¹²जकरिया बा स्वर्गदूतके देखके घब्रीयए गौ, और डराए गौ। ¹³पर दूत बासे कही, “मतडराए जकरिया, कहेकी तिर प्रार्थनाकी सुनाई हुइगै हए। अब तिर बैयर एलीशिबा तिरतही एक लौड़ा जन्माबैगी, और ताए बाको नाउँ यूहन्ना धारीए। ¹⁴तोके खुशी और आनन्द होबैगो, और बेदब जनी बा के जन्ममे रमांमङ्गे। ¹⁵कहेकी बा परमप्रभुके अगु महान होबैगो। बा दाखमध और कुछु फिर मध कबहू नापिबैगो, और अपनी आइयाके गर्भसे बा पवित्र आत्मासे भरोभौ होबैगो। ¹⁶बा इस्राएलके सन्तानमे बहुतनके बिनके परमप्रभु परमेश्वरघेन घुमाबैगो। ¹⁷दौवाको मन लौड़ा-लौड़ीयघेन और अनाज्ञाकारीके धर्मीको बुद्धीघेन लैटान और प्रभुक तही योग्य बनाएके एक जाति तयार करन बाके अगु बा एलियाको आत्मा और शक्तिमे जाबैगो। ¹⁸तव जकरिया दूतसे कहि, “जा मैए कईसे जानङ्गे? मैए बूझँ हुईगव और मेरी बैएरकी उमेर फिर ढलकगइ हए।” ¹⁹स्वर्गदूत बासे कही, “मैए गब्रिएल हँ, मैए परमेश्वरके अगु ठडोरहत हँ। तोसे बात करन और जा खुशीकी समाचार सुनान मोके पठाईहए। ²⁰जैन दिन तक जे बात पूरो नहुइहए, तब तक तैए गूँगो होबैगो और मसक न पाएहए, कहेकी ताए मीर वचनउपर विश्वास नकरो, जउन वचन अपने समयमे पूरो होबैगो।” ²¹आदमी जकरियाके आसियतरहए और मन्दिरमे देर हुईगव तव घब्रीयाएगए। ²²बा बाहिर निकरके आतै बिनसे मस्कनै नापाई और बा मन्दिरमे दर्शन देखि हए कहिके बे बुझी। बा बिनके इशारा करन लागो, तव बा गूँगो हिङ्गौ। ²³बाको सेवाको दिन पुरो हुइके पिछु बा अपन घर गईभव। ²⁴ऐसीए बाकी बैयर एलीशिबा गर्भवती भई, और पाँच महीनातक लुक्के बैइठी और आइसो कही।, ²⁵“आदमीक बिचमे मीर कलडक हटानतही अब परमप्रभु मिरउपर आईसी कृपा करिहए।” ²⁶छैटँ महीनामे परमेश्वर गब्रिएल स्वर्गदूतके गालीलको नासरत नाउँको सहेरमे पठाईरहए। ²⁷बा एक कन्य- लौड़ीयठीन गव बाकी मगनी दाऊदके घरानाको योसेफ कहनबारो एक आदमीसे भव रहए। बा कन्यको नाउँ मरियम रहए। ²⁸स्वर्गदूत बाकेठिन जाएके कही, “हे कृपा-पात्र तोके अभिवादन! परमप्रभु तीरसँग हए।” ²⁹पर बा जा बातसे गजम चिनचित हुइगई, और जा कईसो किसमको अभिवादन हए कहिके मनमे सोचन् लागी। ³⁰स्वर्गदूत बासे कही, “मतडराबए, मरियम, कहेकी ताए परमेश्वरसे कृपा पाओ हए। ³¹अब देख तेरो गर्भधारण होबैगो, और एक लौड़ा जन्माबैगो, और ताए बक नाउँ येशू धरैगो। ³²बा माहान होबैगो और परमप्रधानको पुत्र कहेलाबैगो और परमप्रभु परमेश्वर बाको बक् पुर्खा दाऊदको सिंहासन देबैगो। ³³बा याकूबके वंशउपर सदासर्वद राज्य करैगो, और बाको राज्यको अन्त कबहुनाए होबैगो।” ³⁴मरियम स्वर्गदूतसे कही, “जा कईसे होबैगो, कहेकी मए एक कन्या हौ।” ³⁵स्वर्गदूत बाके जवाफ दैइके कही, “पवित्र आत्मा तिरमे अबैगो, और सर्वोच्च शक्तिको छांड तीरउपर पणौगी। बहेमरे जो जन्मैगो, बा पवित्र, अर्थात् परमेश्वरको पुत्र कहेलाबैगो।” ³⁶देख, तीर नातेदार एलीशिबा फिर बुड़ेवस्थामे लौड़ा गर्भधारण करिहए, और जो बाँझी कहेलात रहए, बा अभए छैटँ महीनामे हए। ³⁷कहेकी परमेश्वरके ताहँ कछु बात असम्भ नाहए।” ³⁸तव मरियम कही, “देख, मए परमप्रभुकी दासी, मोके तुमर वचनअनुसार होबए। तव स्वर्गदूत बाकेठिनसे बिदा हुइगै।” ³⁹बे दिनमे मरियम जलदीसे पहाड़घेन

यहूदियाक एक गाउँमे गई,।⁴⁰ और जकरियाको घरमे घुस्के एलीशिबाके अभिवादन करी।⁴¹ जब एलीशिबा मरियमकी अभिवादन सुनी तब बाको गर्भको बालक कुदपड़ो, और एलीशिबा पवित्र आत्मासे भरिपूर्ण भई,।⁴² और एलीशिबा जोड़से कही, “बैयर मैइसे ताए धन्यकी हए, और तीर गर्भक फल धन्यको होबै।⁴³ मीरउपर कैसे अइसो कृपा भव कि मेरी प्रभुकी आइय मीरठीन आइ? ⁴⁴कहेकी देख, तीर अभिवादन मीर कानमे पड़तएखिनक् बालक मीर गर्भमे आनन्दसे कुदो।⁴⁵ बे धन्यकी हए, जो परमप्रभु बिनसे कहीभई बात पूरो होबैगो कहिके विश्वास करी।”⁴⁶ तव मरियम कही, “मीर प्राण परमप्रभुको गुणगान करत हए,।⁴⁷ और मीर आत्मा मीर मुक्तिदाता परमेश्वरमे रमाहट करतहए।⁴⁸ कहेकी बा अपनी दासीकी दिनतामे कृपा-दृष्टि करीरहए,। देख अब से सबै पुस्ताके मोके धन्यकी कहमङ्गे।⁴⁹ कहेकी बा, जो शक्तिशाली हए, बा मीर तही महान काम करीहए। बाकी नाउँ पवित्र हए।⁵⁰ बाको डरमानन् बारेक् उपर बाकी कृपा पुस्तासे पुस्तातक रहबैगो।⁵¹ बा अपनी बाहुलीको सामर्थ्य प्रकट करीहए। बा मनभितरको कल्पनामे घमण्ड करनबारेक् छरपष्ट करहए।⁵² बा शक्तिशालीनके बिनकी सिंहसनसे हटाईहए,। और दीनन्के उठाइहए।⁵³ भुखनेके बा अच्छी चीजसे तृप्त करीहए, और धनीके बा रितो हात पठाईहए।⁵⁴ बा अपनो कृपा स्मरण करके अपनो सेवक इसाएलके सहायता दैईहए,।⁵⁵ और हमर पुर्खाके कहोभवहानी, अब्राहाम और बाकी भावी सन्तानके सदाकालके ताहिँ दया देखाईहए।”⁵⁶ मरियम बाकेसँग लगभग: तीन महीना बैठके अपने घर घुमी।⁵⁷ अब एलीशिबाको लरकौरी होन बेरा आयो, और बा एक लौड़ा जन्माई।⁵⁸ परमप्रभु बाकउपर बाके बाड़ी अनुग्रह दिखाइरहए कहिके सुनी बाकी परोसी और नातेदार बोकसंग रमाई।⁵⁹ आठौँ दिनमे बे बालके खतना करन आए। और बाको नाउँ बाको दौवाको नाउँजैसो जकरिया धरन लगेरहए,।⁶⁰ पर बाकी आईया कही, “नाए, जक नाउँ यूहन्ना होबैगो।”⁶¹ बा बिनसे कही, “तिर नातेदारमे आईसो नाउँ भौ कोई नाहए।”⁶² तव बे बाको दौवासे इशारा करके पुछि ताए जाको नाउँ का धरन चाँहतहए? ⁶³ बा एक लिखनबारे मगाई “जाको नाउँ यूहन्ना हए” कहिके लिखदाई। बे सब छक्क पड़ीगए।⁶⁴ तुरन्ताए बाको मुह खुलीगव और बाक् बोली खुलिगई और बा परमेश्वरको प्रशंसा करन लगो।⁶⁵ बाक पड़ीसीमे डर छैगो। यहूदियाको जम्माए पहाड़ी मुलकभर जा घटनाको चर्चा फैलगव।⁶⁶ जा बात सुनके सबए जा बालक पछु कइसो होबैगो कहिके अपन मनमे गुनी। कहेकी परमप्रभुको बाहुली बाके उपर रहए।⁶⁷ बाको दौवा जकरिया आत्मासे भरके अगमवाणी बोलन लागो, ⁶⁸ “ इसाएलको परमप्रभु, परमेश्वरको प्रशंसा होबए, कहेकी बा आओ हए, और अपन आदमीके उध्दार दैईह।⁶⁹ बा हमर ताहिँ आपन दास दाऊदकी वंशमे एक शक्तिशाली मुत्तिदाता खड़ा करदैईहए,।⁷⁰ जैसी बा प्राचीन कालसे आपन पवित्र अगमवक्ताके मुहुसे बोलिरहए,।⁷¹ कि हमर दुस्मनसे और हमके घृणा करनबारेक सबैक हातसे हम उध्दार पामए।⁷² बा हमर पुर्खानके कृपा दिखन ताहिँ, और अपनो पवित्र करार स्मरण करन ताहिँ,।⁷³ जैन शपथ बा हमर पुर्खा अब्राहामसँग खाईरहए,।⁷⁴ की हम हमर शत्रुके हातसे मुक्त होमए, और बिना डरके ⁷⁵ हमर सबैए जीवनभर पवित्रता और धार्मिकतामे बाके अगु बाको सेवा करनताहि योग्यको बनान कहिके कसम खाइ।⁷⁶ हे बालक, ताए सर्वोच्चको अगमवक्ता कहलाबैगो, कहेकी ताए प्रभुके अगु अगु बाको डगर तयार करत जाबैगो,।⁷⁷ बाको जातिके पाप-क्षामासे मुक्तिको ज्ञान देन ताहिँ।⁷⁸ हमर परमेश्वरको कोमल कृपाके कारणसे, स्वर्गसे सबेरेको जोत हमरउपर पड़ेगो।⁷⁹ और अन्धकार और मृत्युकी छाँईमे बैठनबारेको जोत मिलैगो। और हमर पाँव शान्तिक डगरघेन डूर्यमङ्गे।”⁸⁰ तव बालक यूहन्ना बढ़ताए और आत्मामे तागतीलो होतएगव, और इसाएलीठीन खुला रुपमे देखा ना पड़न तक बा उजाड-स्थानमे बैठो।

Chapter 2

¹बे दिनमे कैसर अगस्टस बिनको सबै साम्राज्य मे जनगणना लेन हुकम जारी करी। ²कुरेनियस सिरियाको हाकिम होनसमय जा पहिलो पटकको जनगणना रहए। ³सबए जनी नाउँ दर्ता करन अपनो-अपनो सहरमे गए। ⁴योसेफ फिर गालीलको नासरतसे यहूदियाको बेथलेहम कहनबारो दाऊदको सहरमे गए, कहेकी बे दाऊदके कुटुम्ब और वंशके रहए। ⁵नाउँ दर्ता करन बा अपनसँग मगनी भई मरियमके लैके गव र मरियम गर्भवती रहए। ⁶बे बाहुनैए रहँए, मरियमके बालक जन्मान बेर भव। ⁷बा आपनो जेठो लौड़ा जन्माई और बाके लत्तासे लपेटके डोणमे धरदैई, कहेकी बिनके ताहिँ घरमे ठाउँ नारहए। ⁸बाहे इलाकामे गंयारो रहए, बे चउरमे बैठे रातके आपन बगालकी लखबारी करतरहए। ⁹प्रभुक एक जनी स्वर्गदूत बिनकेठिन देखा पड़ो, और प्रभुक तेज बिनके असपस चम्को, तव बे बेढम डराएगए। ¹⁰तव स्वर्गदूत बिनसे कही, “मतडराबओ, कहेकी देखौ, आज मैए तुमे बड़ो आनन्दक सुसमाचार सुनामझौ, जो सबए आदमीक ताहिँ होबैगो। ¹¹आज दाऊदके सहरमे तुमके ताहिँ एक जनी मुक्तिदाताको जन्म भवहए, जो ख्रीष्ट प्रभु हए। ¹²तुमके चिहीना जा होबैगै: तुम एक बालकके लत्तासे लपेटो भौ और डोणमे लेटोभौ पाबैगो।” ¹³तव इकदम बे स्वर्गदूतसँग स्वर्गके सेनको एक दल देखाने। बे अइसो काहत परमेश्वरको स्तुति करत रहए,। ¹⁴“सर्वोच्चमे परमेश्वरकी महिमा, और पृथ्वीमे जैन आदमीसँग बा खुशी हए, बिनके शान्ति।” ¹⁵जब स्वर्गदूत बिनसे बिदा हुइके स्वर्गमे गए, तव गंयारो आपसमे कही, “आओ, हम बेथलेहेमतक जाए, और हुँआ घटोभव जा घटना और परमप्रभु हमके बताईभइ बात जाएके देखौ।” ¹⁶बे एकदमसे गए, और मरियम और योसेफ दोनैके, और बालकके डोणामे सोतभौपाई। ¹⁷जब बे जा देखि, तव जा बालकके बारेमे जे बात बिनसे कही रहए बे बिनके बताएदैई। ¹⁸गयारोसे बताईभइ बात सुनन् बारे सब अचम्मो मानी। ¹⁹पर मरियम जे सब बात समखतए मनमे धरी। ²⁰जैइसी बिनसे कही रहए उइसीए सबए बात सुनी और देखि रहए, परमेश्वरकी महिमा और स्तुति करतए गयारो लैटे। ²¹आठौँ दिनमे बालकको खतना होत बाको नाउँ येशू धरी, जौन नाउँ गर्भमे आनसे अगु स्वर्गदूत दैइरहए। ²²मोशाक् व्यवस्था जैसो बिनके शुध होनको समय पूरो होतए बे बाके परमप्रभुके अगु सौपन यरूशलेममे लाइ। ²³जैसो प्रमप्रभुके व्यवस्थमे लिखोहए, “पहिलो जनमनबारो हरेक जेठो परमप्रभुक ताहिँ पवित्र कहेलाबैगो।” ²⁴तव एक जोड़ा दुकुर(धौरीया) की कबुतरके दुई बाच्चाकहीके परमप्रभुके व्यवस्थामे कही जैइसो बे बलिदान चढ़ान आए। ²⁵यरूशलेममे सिमियोन नाउँ भौ एकआदमी रहए। बा इस्राएलको सान्त्वनाके आशा करनबालो धर्मी और भक्तजन रहए। और पवित्र आत्मा बाके उपर रहए। ²⁶परमप्रभुक ख्रीष्टके नादेखन तक् बा नामरैगो कहो प्रकाश बा पवित्र आत्मासे पाईरहए। ²⁷एक दिन बा पवित्र आत्माके प्रेरणामे मन्दिरभितर आव। जब आइया- दौवा बालक येशूके बाके ताहिँ व्यवस्थाक् जैसो विधि करन ताहिँ मन्दिरभितर लाई। ²⁸तव बा बाके अपन गोदीम् लैइ, और परमेश्वरके धन्यवाद दैइके कही, ²⁹“अब हे परमप्रभु, अपनो वचनके जैसो तुम अपनो दासके शान्तिसे बिदा देबाओ।” ³⁰कहेकी मीर आँखी तुम्हरो उध्दार देखिहए। ³¹जो तुम सबै आदमीके अगु तयार करेहौ। ³²तुमर जन इस्राएलीक और अन्यजातिके ताहिँ प्रकाश देन बारि ज्योति हए।” ³³औ बाके दौवा और आइया बाके बारेमे बोलीभइ बातमे अचम्मो मानी। ³⁴सिमियोन बिनके आशीर्वाद दैइ, और बाकी अइया मरियमसे कही, “देख, जा बालक इस्राएलमे बेढमके पतन और उत्थानके ताहिँ और बहुतनसे विरोधमे बोलन ताहिँ एक चिन्हके ताहिँ नियुक्त करिहए। ³⁵ताकी बहुत हृदयके विचार प्रकट होमए, ताकी तरवारसे बिनको अपनो हृदय फिर छिदैगो।” ³⁶आशेरके कुलमे फनुएलकी लौणीय हन्ना नाउँकी एक वृद्धा अगमवादिनी रहए। जो कुमारी अवस्थामे विहा करके सातै वर्ष तक् लोगासँग बैठी रहए। ³⁷औ विधुवा रहिके बाको चौरासी वर्ष पुगोरहए। बा मन्दिर नाछोड़त रहए, पर उपवास और प्रार्थनाकेसँग रातदिन उपासना करतरहए। ³⁸बाहे समय बा आपके परमेश्वरके धन्यवाद दैई। और यरूशलेमको उध्दारको प्रतीक्षा करन बारे सबैके बालकके विषयमे बताई। ³⁹जब बे परमप्रभु व्यवस्थाके जैसो सबै काम करके निभटाई, तव बा गालीलको अपनो सहर नासरतमे घुमगए। ⁴⁰बालक बुद्धिसे भरिपूर्ण हुईके बढ़तए और तागत् वर होथएगव, और परमेश्वरको अनुग्रह बाकेउपर रहए। ⁴¹बाकी अईया-दौवा निस्तार-चाडमे हरेकवर्षमे यरूशलेममे जातरहए। ⁴²जब येशू बाह्र वर्षको भौ, तव बे तिउहारको रीतिरीबाज जैसे यरूशलेममे गए। ⁴³तिउहारको दिन निभटतए पीछु बे लौटत बालक येशू यरूशलेम मे रहीगौ जा बात बाके अईया-दौवा पता नापाई। ⁴⁴बा यात्रीनके दलमे हए कहिके बे एक दिनकी डगर गए। बाके बे नातेदार और चिनजानके बिचमे ढुणौ। ⁴⁵पर नापाएके बे बाके ढुणन फिरके यरूशलेममे लौटे। ⁴⁶तीन दिनपच्छु बे बाके मन्दिरमे शिक्षकनके बीचमे बैठके बिनकी बात सुनत बिनसे प्रश्न करत पाई। ⁴⁷सुनन् बारे सबै बाकी समझशक्तिमे और बाके उत्तरमे अचम्मो पणतरहए। ⁴⁸बाके देखके बाकी अईया-दौवा चकित भए। और बाकी अईया कही, “लौड़ा, तए हमके जा का करो? देख !तीर दौवा और मए तोके ढुणाके हैरन हुईगाए।” ⁴⁹बा बिनसे कही, “तुम मोके कहे ढुणतहौ? का मए अपन पिताके घरमे हौ कहिके तुमके पात ना रहए?” ⁵⁰पर बा बिनसे कहीभई बात बे ना समझी। ⁵¹तव बा बिनकेसँग नासरतमे गईभौ, और बिनको आज्ञाकारी हुइके बैठो। बाकी अईया जे सब बात अपने मनमे धरलैई। ⁵²तव येशू बुद्धिमे, कदममे और परमेश्वर और आदमीके अनुग्रहमे बढ़ताएगव।

Chapter 3

¹कैसर तिबेरिसके शासनकालमे पन्ध्रौं वर्षमे पन्तियस पिलातस यहूदियाक हाकिम रहए । बाहे समय हेरोद गालीलको शासक रहए, और बाको भैर्या फिलिप इतुरिया और त्राखोनितिसको शासक रहए, तव लुसानियास अबिलेनेको शासक रहए । ²हन्नस और कैयाफाक प्रधान पूजारीगिरीको समयमे परमेश्वरको वचन उजाड-स्थानमे जकरियाक लौड़ा यूहन्नाठिन आओ । ³बा पाप-क्षमाके ताहिँ पश्चात्तापको बप्तिस्मा प्रचार करतै यर्दन नदीयके आसपासके सब इलाका हुइके आओ । ⁴यशैया अगमवक्ताको वचनके पुस्तामे अइसो लिखोहए, “उजाड-स्थानमे एक जनीक् चिल्लनबारोको आवाज, परमप्रभुक मार्ग तयार करौ, बाक डगर सुध बनाओ । ⁵सबै गड्डा भरेजामै, और सब पहाड और सब उची जगह बरोबर बनेजामङ्गे । और टेणेबेणेहे सुध होमङ्गे, और अगठ्यरो डगर बराबर होमङ्गे, ⁶और सबए आदमी परमेश्वरको मुक्ति देखङ्गे ।” ⁷बहेमारे बक्रठीन बप्तिस्मा लेन अनबारे भीडसे बा कही, “ए साँपके बच्चा, आनबारो क्रोधसे भाजन तुमके कउन चुतौनी दै ? ⁸जकमारे पश्चात्ताप सुहनबारो फल फलाबौ, और तुम अपनै ‘हमरो पिता अब्राहम हए’ काहान् पिच्छु मतलागै, कहेकी मै तुमसे कहतहौ, परमेश्वर जे पत्थरसे अब्राहमके ताहिँ सन्तान उत्पन्न करसकत् हए । ⁹अभै कुणहारी रूखक् जरमे पणगौ हए, बहेमारे अच्छे फल नादेनबारे सब रुखा उदरे जाङ्गे, और आगीमे फेको जै हए ।” ¹⁰आदमी यूहन्नासे पुछी, “तव हम काकरए ?” ¹¹बा बिनसे कही, “जौन ठीन दुई जोण कठीया हए, बा ना होनबारेके एक दैदेबए, और जौनठिन खानबारो हए, बा फिर अइसी करए ।” ¹²कर उठानबाले फिर बप्तिस्मा लेनआए, तव बासे पुछी, “गुरुजी हम काकरए ?” ¹³बा बिनसे कही, “तुमके कहोसे जाधा मतलेबौ ।” ¹⁴सिपैय फिर पुछी, “हम काकरए ?” बा बिनसे कही, “कोइक उपर अत्याचार करके, और झूठो दोष लगाएके मतलुटौ । अपन तनखामे सन्तुष्ट रहो ।” ¹⁵तब आदमी प्रतीक्षा करत रहए, और सब अपन मनमे यूहन्नाके बारेमे शायद जाहेत खीष्ट नाहएकी कहिके विचार करत रहाए । ¹⁶तव यूहन्ना बे सबके जवाफ दैड, “मै तुमके पानीसे बप्तिस्मा देतहौं, पर एक जनी मोसे शक्तिशाली आएरहोहए, जैनके जुताकी तनी खोलनको लएकको मए नाहौ । बा तुमके पवित्र आत्मा और आगिसे बप्तिस्मा देबैगो ।” ¹⁷फटकन बारो सुपो बाके हातमे हए, जौनसे बा अपनो अगन अछेसे सफा करैगो । और गेहूँ अपनो बक्खारीमे जम्मा करैगो, पर भुसा बा ना बुतन् बारी आगिमे जलबैगो । ¹⁸अइसी और बहुत अर्तिसे शिक्षा दैके यूहन्ना आदमीनके सुसमाचार प्रचार करी । ¹⁹पर शासक हेरोद अपनी भैयाकी बैडर हेरोदियासके धरनके कारण और बा करोभौ सबै दुष्कर्मके ताहिँ यूहन्ना बिनके ढाँटी रहए । ²⁰यूहन्नाके झयालखानमे डारके बा सबसे दुष्कर्मउपर और एक दुष्कर्म बढाइ । ²¹जब सबै आदमी बप्तिस्मा लैई, तव येशू फिर बप्तिस्मा लैके प्रार्थना करत रहए, तव स्वर्ग खुलगौ । ²²और पवित्र आत्मा शारीरके रुपमे ढुक्कुर जैसो बाके उपर उतरके आओ । तव स्वर्गसे अइसो एक अवाज आओ, “तए मिर प्यारो पुत्र हए तोसे मए बेढम खुशी हौं ।” ²³येशू अपनो सेवाको काम शुरू करत बा करीब तीस वर्षक् रहए । आदमी बाके योसेफको लौड़ा हए कहिके कहतरहए । योसेफ एलीक लौड़ा रहए । ²⁴एली मत्ततको लौड़ा, मत्तत लेवीको लौड़ा, लेवी मल्कीक लौड़ा, मल्कीक यान्नाको लौड़ा, यान्ना योसेफको लौड़ा, ²⁵योसेफ मत्ताथियासको लौड़ा, मत्ताथियास आमोसको लौड़ा, आमोस नहूमको लौणा, नहूम इसलीको लौणा, इसली नग्वैको लौणा, ²⁶नग्वै माथको लौणा, माथ मत्ताथियासको लौणा, मत्ताथियास सेमैनको लौणा, सेमैन योसेखको लौणा, योसेख योदाको लौणा रहए, ²⁷योदा योआननको लौणा, योआनन रेसाको लौणा, रेसा यरूबाबेलको लौणा, यरूबाबेल शाल्तिऍलको लौणा, शालतिऍल नेरीको लौणा, ²⁸मल्कीको लौणा नेरी, अद्दीको लौणा मल्की, अद्दी कोसामको लौणा, कोसाम एलमादमको लौणा, एलमादम एर् को लौणा, ²⁹एर् यहोशूको लौणा, यहोशू एलीएजरको लौणा, एलीएजर योरीमको लौणा, योरीम मत्तातको लौणा, मत्तात लेवीको लौणा रहए, ³⁰लेवी शिमियोनको लौणा, शिमियो यहूदाको लौणा, यहूदा योसेफको लौणा, योसेफ योनानको लौणा, योनान एल्याकीमको लौणा, ³¹एल्याकीम मलेआको लौणा, मलेआ मिन्नाको लौणा, मिन्ना मत्ताथाको लौणा, मत्ताथा नातानको लौणा, नातान दाऊदको लौणा, ³²दाऊद यिशैको लौणा, यिशै ओबेदको लौणा, ओबेद बोअजको लौणा, बोअज सल्मोनको लौणा, सल्मोन नहशोनको लौणा, ³³नहशोन अम्मीनादाबको लौणा, अम्मीनादाब आरामको लौणा, आराम हेसोनको लौणा, हेसोन फारेसको लौणा, फारेस यहूदाको लौणा, ³⁴यहूदा याकूबको लौणा, याकूब इसहाकको लौणा, इसहाक अब्राहमको लौणा, अब्राहम तेरहको लौणा, तेरह नाहोरको लौणा, ³⁵नाहोर सरुगको लौणा, सरुग रऊको लौणा, रऊ पेलेगको लौणा, पेलेग एबेरको लौणा, एबेर शेलहको लौणा, ³⁶शेलह केनानको लौणा, केनान अर्पक्षदको लौणा, अर्पक्षद शेमको लौणा, शेम नोआको लौणा, नोआ लेमेखको लौणा, ³⁷लेमेख मत्तूशेलहको लौणा, मत्तूशेलह हनोकको लौणा, हनोक येरेदको लौणा, येरेद मल्लालेलको लौणा, मल्लालेल केनानको लौणा, ³⁸केनान एनोशको लौणा, एनोश शेतको लौणा, शेत आदमको लौणा, आदम परमेश्वरको लौणा रहए ।

Chapter 4

¹येशू पवित्र आत्मासे परिपूर्ण हुइके यर्दनसे- लौटो, और आत्मा बाके उजाड-जगहामे लैगौ । ²और चालीस दिन तक उजाड-जगहामे दियाबलससे* बा परीक्षित भव । बे दिनमे बा कुछ ना खाई रहय, और बा समय के पिछु बा भुकानो रहए । ³तव दियाबलस बासे कही, “ताए परमेश्वरको पुत्र हए कहेसे जा पत्थरके आज्ञा कर, और बा रोटी बनए ।” ⁴येशू बासे कही, “लिखोहए, आदमी रोटीसे इकल्लो जीवित ना रहत हए ।” ⁵बा बाके एक उँचो जगहामे लैजाएके एक चोटी जगत् के सब राज्यन दिखाई । ⁶दियाबलस बासे कही, “मए जा सब अधिकार और जा गौरव तोके देमङ्गो । कहेकी जे सब मोके सुम्पि हए, और मै जउनके इच्छा करतहौ, बाहेके देतहौ । ⁷तए मोके दण्डवत करैगो कहेसे, जा सब तिर होबैगो ।” ⁸पर येशू बासे कही, “लिखोहाए, तए परमप्रभु अपन परमेश्वरके इकल्लो दण्डवत करीए, और बाकी इकल्लो सेवा कर ।” ⁹तव बा बाके यरूशलेममे लैगौ मन्दिरकी चुटियामे धरी, और बा कही, “तए परमेश्वरको पुत्र हए कहेसे बाहुनसे कुद ।” ¹⁰कहेकी लिखोहए, ‘बा तिर रक्षा करन अपन स्वर्गदूतके आज्ञा करैगो ।’ ¹¹और ‘बे तोके हातै-हात रोकङ्गे, नत तिर टाङ्ग पत्थरमे ठुकैगो ।’ ¹²येशू बासे कही, “आइसो कहोगओहए, ‘तए परमप्रभु अपन परमेश्वरको परीक्षा मतकरीए ।’” ¹³दियाबलस बाके सब परीक्षा करकेपिछु दुस्रो समय ना आनतक बाके छोडके गव । ¹⁴येशू पवित्र आत्माकी शक्तिमे गालीलमे लौटो, और बाक विषयकी बात आसपसके सबै जगहामे फैलगव । ¹⁵बा सभाघरमे शिक्षा देन लगो, और सब बाकी प्रशंसा करत रहए । ¹⁶एक दिन येशू नासरतमे अओ, जहाँ बा लौटो रहए । बा अपनो आदत जैसे शबाथ-दिनमे सभाघरमे गव और धर्म शास्त्र पढन ठाड़ो । ¹⁷बाके यशैया अगमवक्ताकी किताब दैइ । बा किताब खोली, और जा बात लिखीभइ खण्ड निकरी । ¹⁸परमप्रभुक आत्मा मिरउपर हए, कहेकी गरीबके सुसमाचार सुनानतही बा मोके अभिषेक करिहए । कैदीनके छुटकाराको घोषणा करन, और अन्धारनके दृष्टि देन, अन्यायमे परेभएनके स्वतन्त्र करन ताहिँ, ¹⁹और परमप्रभुक खुशिको वर्ष घोषणा करन ताहिँ बा मोके पठाईहए । ²⁰बा किताब बन्द करी, और एक जनी सेवकके दैके बा बैठो । सभाघरमे भए सबकी नजर बाके उपर पणी । ²¹तव बे बासे कही, “आज धर्मशास्त्रको जा वचन तुमके सुनतएसुनत पूरो हुइगव हए ।” ²²सब बाके सराहना करी, और बाके मुहसे निकरीभैइ कृपापूर्ण वचनमे अचम्भो मानी । और बे कही, “जा योसेफको लौड़ा ना हए का?” ²³बा बिनसे कही, “निहात्या, तुम मोसे जा काहाबत कहबैगे, ए वैध, अपनएके आच्छो कर । कफर्नहुममे ताए जो जित्तो करो कहीके हम सुनेरहव, बे हियाँ अपने सहेरमे फिर कर ।” ²⁴तव बा कही, “निहात्या मए तुमसे कहतहौ,” कोई फिर अगमवक्ताके बिनको अपने जगहमे स्वगत ना होतहए । ²⁵पर वास्तवमे मए तुमसे काहातहौ, इस्राएलमे एलियाके समयमे बेढम विधुवा रहए, बाहे समय जब साढ़े तीन वर्ष वृष्टि रुको, यित्तोतके सबए देशमे बाड़ो अनिकाल पणोरहए । ²⁶पर एलिया सिदोन देशके सारपतमे भैई एक विधुवाठिन इकल्लो पठाओगओ, और कोइकेठिन ना पठाइ । ²⁷एलिया अगमवक्ताके समयमे इस्राएलमे बेढम कोइरोग भए रहए, पर सेफिर सिरियाली नामान इकल्लो अच्छो भव, और कोई अच्छो नाभए । ²⁸जा बात सुनके सभाघरमे भए सब जनी दिक्कके मरे चूर हुइगए । ²⁹बे उठे और बाके सहेरसे बाहिर निकरके जौन पहाडमे बिनको सहेर बनोरहए, बाहेकी चुटियामे लैजाएके बाके तरे ढकेलन साँची । ³⁰पर बा बिनके बीचसे निकरके चलो गव । ³¹बा गालीलको एक सहेर कफर्नहुममे गओ । शबाद-दिनमे बा बिनके सभाघरमे शिक्षा देतरहए । ³²बे बाकी शिक्षा मे अचम्भो पणे, कहेकी बा अधिकारसे बोलत रहए । ³³सभाघरमे अशुध्द भूतात्मा लगोभए एक आदमी रहए, और बा बेढम जोणसे किकीयाअनो, ³⁴“हे येशू नासरी, तिर हमसे का काम ? का तए हमके नष्ट करन आओहए ? मोके पाता हए । तए परमेश्वरको पवित्र जन हए ।” ³⁵तव येशू बाके डँटके कही, “चूप लाग, और बासे निकरकेजा ।” बा आदमीके बिचमे फतफतबाएके बाके कुछ हानि नाकरके बा भूतात्मा बासे निकरके गव । ³⁶तव बे सब अचम्भो परे, और एकदुसरेसे आइसो कही लागे, “जा कैसो वचन हए ? जा त अधिकार और शक्तिसे अशुध्द आत्माके आज्ञा करतए, और बे निकरजात हए ।” ³⁷बाकी चर्चा असपस मुलुकमे हरेक जगहामे फैलगइ । ³⁸सभाघरसे निकरके बा सिमोनके घरमे घुसो । सिमोनकी सासके बहुत बुखार आत रहए, और बे बक ताँही बासे बिन्ती करी । ³⁹बाके ठिन ठाणके बा बुखारके डँटके कही, और बुखार बाके छोणदई, और तुरन्ताए उठके बा बाक् सेवा करन लागि । ⁴⁰तव दिन डूबन समय बहुत किसिमके रोग लागेभए बेमारी सबएके बे येसूके ठिन लाई । बा बिनके हरेक के उपर अपन हात धरके बीनके अच्छो करी । ⁴¹बेढम आदमीनसे फिरभुत किकीयअत और अइसो कहत निकरे, “तए परमेश्वरको पुत्र हए ।” पर बा बिनके जोणसे बोलन नादैई, कहेकी बे बाके खीष्ट हए कहिके चिनत रहए । ⁴²सबरे उजियारो भव, बा निकरके एकान्त जगहामे गव । भीण बाके ढुणत बाकेठिन पुगे और हमके छोड़के मतजवौ, कहीके बाके रोकन कोसीस करी । ⁴³पर बा बिनसे कही, “मोके परमेश्वरको राज्यको सुसमाचार और सहेरमे फिर सुनानए पणैगो, कहेके मए जहेके ताहिँ पठाओगओ हौ ।” ⁴⁴तव बा यहूदियाक सभाघरमे प्रचार करन लगो ।

Chapter 5

¹आदमी परमेश्वरको वचन सुनन् बाके चारैघेन ढकेलीढकेला करत रहए, और बा गनेसरेत तालके किनारे ठणो रहए । ²बा तालके किनारेमे दुई नैया देखी । पर मछुहारे त नैयाके बाहिर बैठे अपन जार धोत रहए । ³बे दुई मैसे एक नैया त सिमोनकी रहए । बामे चढके बा नैयाके किनारेसे थुरदुर लैजानके कहि । बा नैयामे वैठके भीड़के शिक्षा देन लागो । ⁴मसक्के पिछु, बा सिमोनसे कहि, “गहिरो घेन लैजाएके मच्छी फसन तँहीअपनो जार डार ।” ⁵पर सिमोन कहि, ‘गुरुजी, हम रात भार मेहेनत करके फिर कछु नापए । तहु फीर तुमर कहेसे मए जार डारत हओ ।” ⁶तव जब अइसो करी, तव एक ढेरी मच्छी फसई, और बिनको जार फटन लागो । ⁷बे दुस्री नैयामे भए मछुहारेनके आएके सहेता करन इशारा करी । और आएके बे दोने नैया मच्छीसे भरी, हिनातकि नैया डुबन् लगी । ⁸तव जा देखके येशूक पाउमे घुबटा पड़के सिमोन पत्रुस कहि, “हे प्रभु, मिरठीनसे चलोजा, कहेकी मै पापी आदमी हौ ।” ⁹यित्तो माछरी मरके देखके बे और बाके सँग रहन बारे सब अचम्मो मानी । ¹⁰“ऐसीए करके जब्दियाक लौड़ा याकूब और यूहन्ना फिर अचम्मो पणे । बे सिमोनसे साझेदार रहए । येशू सिमोनसे कहि, “मतडरए, अब अगुके ताए आदमीके पकणैगो ।” ¹¹तव बे आपन नैया कीनारे लाई, बे सब चीज त्यक्के, और बाके पीछू लागे । ¹²जब बा कोई एक सहेरमे रहए, तव कोण रोग भरो एक आदमी येशूके देखके बाके पँवमे घुबटा पणके बिन्ती करी, “हे प्रभु, तुम्हरी इच्छा हए कहेसे मोके आच्छो कर सकत हओ ।” ¹³बा अपन हात फैलाके और कही “मै इच्छा करतहौ तए अच्छो हुईजा” कहिके बाके छुई, और तुरन्तए बाको कोणरोग बासे हटीगव । ¹⁴बा बिनके आदेश देई, “जा कोइके मतबतैए । पर जएके पूजारीठिन अपनेके दिखा, और मोशाके व्यावस्थाहानी आज्ञा करी भइ अपने आपके पुजारीनके दिखा । आदमीनके तए आच्छो भव प्रमाणके ताहि भेटी चढाइ ।” ¹⁵पर बाको चर्चा और जाड्हा जेहेनतेहेन फैलगओ, और बेढम भरी भीण बाकी बात सुनन् और अपन-अपन रोगसे अच्छो होन जमा होत रहए । ¹⁶पर येशू त सुनसान जगहामे जाएके प्रार्थना करतरहए । ¹⁷एक दिन बा शिक्षा देतरहए, गालीलमे और यहूदियामे हरेक गाउँ और यरूशलेमसे आए फरिसी और शास्त्री बाके ठीन बैठेरहए । परमप्रभुकी अच्छो करन बारी शक्ति बाकेसंग रहए । ¹⁸कुछ आदमी एक पक्षाघाती आदमीके खटियामे लाई, और बे बाके भीतर लान और बाके अगु धरन चाहिँ । ¹⁹पर भीणके करनसे बाके भितर लैजन कोई डगर नपाएके बे छनीउपर चढ़ी, और बे छनिउत्कारके बाके खाटीयासमेत येशूके अगु धरी । ²⁰तव बा बिनको विश्वास देखके कही, “ए आदमी, तिर पाप क्षमा हुईगव ।” ²¹तव शास्त्री और फरिसी पुछन लागे, “ईश्वर-निन्दा करन बारो जा कौन हए ? पाप त परमेश्वर बाहेक और कौन क्षमा करसकत हए ?” ²²पर येशू बिनकी प्रश्न प्रता पएके बिनके जवाफ दैके कहि, “तुम अपन हृदयमे काहे प्रश्न करहव ?” ²³तुमर पाप क्षमा भव’ कहीनो कि औ उठके नेग’ कहीनो, कौन सहज हए ? ²⁴और आदमीको पुत्र पृथ्वीमे पाप क्षमा करन अधिकार हए कहीके तुम जानजाबओ ।” तव बा पक्षाघातीसे कहि, “मए तोसे कहतहओ, उठ और अपन खाटीया उठाएके घरे जा ।” ²⁵तव बा तुरन्ताए बिनके अगु उठो, और जौन खाटीयामे बा पणो रहाए बा उठके परमेश्वरकी महिमा करतै बा अपन घरघेन गओ । ²⁶तव सब जनी अचम्मो मानी, और बे परमेश्वरकी महिमा करी, और भयभीत हुइके आइसो कही, “आज हम अचम्मो बात देखे ।” ²⁷तव जे बातपच्छु बा द्वारे गैभओ और लेवी नाउँ भव एक जनी कर उठानबालो कर अड्डामे बैठोभौ देखी और बासे कही मिर पिछु लाग । ²⁸28 तव बा सब चीज छोडके, और उठके बाके पाछु लागो । ²⁹लेवी अपनो घरमे बाके तही बाणो भोजकी योजना करी । बाहुना कर उठानबारे और बाणो संख्यामे बाकेसँग बैठेरहए । ³⁰फरिसी और बिनके शास्त्री बाके चलनके विरुध्दमे आइसो कहिके गनगनान् लगे, “तुम कर उठानबारे और पापीसँग कहे खानपिन करत हओ ?” ³¹पर येशू बिनसे कही, “निरोगीनके वैधकी जरूरत् नपणथए, पर रोगीनके इकल्लो ।” ³²मै धर्मीनके ताहि नए, तर पापीनके पश्चतापके तही बुलान आओँ हओ ।” ³³बे बासे कही, “यूहन्नाके चेला बारम्बार उपवास बैठतहए और प्रार्थना करत रहए । फरिसीके चेला उइसी करत हए, पर तुम्हर चेला खात हए और पीत हए ।” ³⁴येशू बिनसे कही, “का दुल्हासँग रहनतक बरैतीयनके उपवास बैठन लगात हओ ?” ³⁵पर आइसो दिन आमङ्गे जब दुल्हा बिनसे अलग होबैगो । तव बे बा दिनमे उपवास बैठङ्गे ।” ³⁶बा बिनसे एक कहनी फिर कही: “कोई आदमी नयाँ लत्ता पुरानो लत्तामे नथिगरतहए, नत बा नयाँके फरदेहए, और नयाँ थिगरा पुरानोसे मिलत फिर ना हए ।” ³⁷कोई आदमी नयाँ दाखमध पुरानो छालाकी मशकमे नडरतहए, नत नयाँ दाखमधसे छाला फुटहए, और दाखमध गीरजएहए, और मशक फिर खराब हुईजएहए । ³⁸नयाँ दाखमध नयाँ छालाके मशकमे धरन पणतहए । ³⁹कोई आदमी पुरानो दाखमध पिके नयाँके चाहा नकरतहए, कहेकी बा कहतहए “पुरानो अच्छो हए ।”

Chapter 6

¹शबाथ दिनमे बा अन्नके खेतघेनसे जातरहए, और बाके चेला बाली तोणके हातमे मिजलके खान लगे । ²पर फरिसीमैसे कोई-कोई बिनसे कही, “शबाथ-दिनमे जे करन ठिक ना हए बा तुम कहे करत हओ ?” ³येशू बिनके जवाफ दैके कही, “ का तुम जा फिर ना पढे हओ, दाऊद जब बा अपनए और बाके सँग रहन बारे भुखाने रहए, तव का करी ? ⁴कईसे परमेश्वरके घरमे घुस्के चढाइ भइ रोटी निकरके बे खाई, और बिनके सँग होनबारेनके फिर दैइ, जो पूजाहारी बाहेक औरके खान मनही रहए ।” ⁵तव बा बिनसे कही, “आदमीको पुत्र शबाथको प्रभु हए ।” ⁶दुसरो शबाथमे सभघरभित्र घुसके बा शिक्षा दैई । बा हुवँ एक जनी आदमी रहए बाको दाहिना हात सुखोरहाए । ⁷बा शबाथमे अच्छो करनो काम करैगो कहिसे बाके दोष लगन नियतसे शास्त्री और फरिसी बाके चुबकेसे सुनत रहए । ⁸पर बा बिनकी नियत पाता पाएगव रहाए, और सुखो हात भव आदमीसे कही, “हीन आ और ठाण ।” तव बा उठो, और ठाड़ो । ⁹तव येशू बिनसे कही, “मए तुमसे पुच्छतहव, शबाथमे अच्छो करन या खरब करन, प्राण बचान या नाशा करन का अच्छो हए ?” ¹⁰तव बा चारौघेन देखके बा आदमीसे कही, “ताए हात फैला ।” औ बा उइसी करी, और बाको हात सुध हुइगव । ¹¹पर बे दिक्कके मरे चूर हुइगए, और येशूके का करए कहिके आपनए सल्हा करन लगे । ¹²बे दिनमे बा पहाडघेन प्रार्थना करन गव, और परमेश्वरके सँग प्रार्थना करके पूरी रात बिताई । ¹³सबेरो भव बा अपन चेलानके अपनठौन बुलाएके बिनमैसे बाह्न जनीके छानी, और बा बीनके प्रेरित नाउँ दैइ रहए । ¹⁴प्रेरितके नाउँ रहए: सिमोन, जैनके बा पत्रुस नाउँ फिर दैई, और बाको भैया अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना, फिलिप और बारथोलोमाइ, ¹⁵मत्ती और थोमा, अल्फयसकी लौण याकूब, और सिमोन, जो उग्रपन्थी कहतरहए, ¹⁶याकूबको लौण यहूदा, और यहूदा इस्करियोत, जो विश्वासघाती भव । ¹⁷बा बिनके सँग तरे उतरके एक बराबर जगामे ठण बाइ । बाके चेलानको एक बणी भीण, और सबै यहूदिया और यरूशलेम, और समुन्द्र तटवर्ती दुरोस और सिदोनको इलाकासे बणी भीण ¹⁸बाकी वचन सुनन् तही और आ-अपन रोगसे अच्छो होन आए रहए । भुत आत्मासे सताए भए फिर अच्छो भए । ¹⁹सबै भीण बाके छुन दुणत रहए, कहेकी शक्ति बासे निकरत रहए, और बिनके सबके अच्छो करत रहए । ²⁰तव बा अपन चेलनके उपर नजर करके कहि: “धन्य तुम जो दीन होनबारे, कहेकी परमेश्वरको राज्य तुम्हरीए हए ।” ²¹धन्य तुम, अभेए भुखानबारे, कहेकी तुम तृप्त होबैगे । धन्य तुम रोनबारे, कहेकी तुम हाँसेगे । ²²धन्य तुम, जब आदमी तुमके आदमीको पुत्रके ताही घृणा करडगे, और बहिष्कार करडगे, और खिसबाङ्गे, और दुष्ट कहमँगे तुम्ह नारुँके अपमान करडगे । ²³बा दिनमे रमाबओ, और खुशीसे कुदओ, कहेकी स्वर्गमे तुम्ह इनाम बणो हए । कहेकी तुम्ह पुरखा अगमवक्ताके अइसी करतरहए । ²⁴पर धिक्कार, तुमे धनीके ! कहेकी तुम अपनो सुख-चैन पाईगए हव । ²⁵धिक्कार, तुम अभेए तृप्ता भए ! कहेकी तुम भुखाबैगे । धिक्कार, तुमे अभे हाँसन बारे ! कहेकी तुम शोक करैगे और रोबैगे । ²⁶धिक्कार, तुमे, जब सब आदमी तुम्हरी प्रशंसा करंगे ! कहेकी अइसीए बिनके पुरखा अगमवक्ताके फिर अइसीए करीरहए । ²⁷पर तुम सुनन् बारेसे माए कहाथावो, आपन शत्रुसे प्रेम करोओ, और घृणा करनबारेके भलाइ कराओ । ²⁸सरापन बारेके आशीर्वाद देबओ और दुर्व्यवहार करनबारेनके ताही प्रार्थना कराओ । ²⁹तुम्ह एक गालीवामे चट्कनबारेके दुसरो फिर दै दोओ, और तुमाहर पिछावुरा लेनबारेके तुम धोती फिर लैजान दाव । ³⁰तुमसे मागन बारे सबके देओ, और तुमसे समान लेनबारेनसे फिर मतमागाओ । ³¹जाउन आदमी तुमके जैसो करात चाँहत हओ, तुम फिर बिनसे अइसी कराओ । ³²तुम से प्रेम करनबालोसे प्रेम करत हओ कहेसे, तुम्हे का फाइदा भाओ ? कहेकी पापी फरी आपनके प्रेम करनबालेसे प्रेम करतहए ।” ³³तुम भलाई करनबालेके भलाई करतओ कहेसे, तुमे का फाइदा भाओ ? कहेकी पापी फिर अइसीए करत हए । ³⁴यदि फिर्ता पान आशा करके कोइके ऋण देतओ कहेसे, तुमके का फाइदा भाओ ? कहेकी फिर उक्कए पन आशा करके पापी पापीके ऋण देतहए । ³⁵पर अपने दुश्मनके प्रेम करओ, और बिनके भलाई करओ । फिर पान आसरा ना करके ऋण देओ, और तुमर इनाम बणो हुइहै, और तुम सबौचके सन्तान हुईहओ, काहेकी बा घमन्डी और स्वार्थी उपर कृपालु हाए । ³⁶तुमर पिता जैसो कृपालु हए तुम फिर कृपालु होबओ । ³⁷दुसरेके न्याय मत करओ और तुमर फिर न्याय नहुइहै । दुसरेके दोषी मतबनओ, और तुम दोषी ना ठहरैगे । क्षमा करओ, और तुमके फिर क्षमा करो जै है । ³⁸देबैगो, और तुमके फिर दै जाबैगो । आदमीके बहुत परिमाणमे खाँद-खाँदके डटके हलाएके, उफानत तुमर कुठियामे धारदेहाए । कहेकी जैन नापसे तुम देहओ, बहे नापमे तुम फिर फिर्ता पएहओ ।” ³⁹तव बा बिनसे एक कहानी फिर कही: “ का अन्धार अन्धारके डोरियलेहए ? का बे दुने गड्डामे नपणंगे ? ⁴⁰चेला आपन गुरुसेबणकर ना होत हए, पर पुरो सिक्के बा आपने गुरुजैसो होबैगो ।” ⁴¹अपन भैयाके आँखीमे भव कुरा तुम कहेदेखत हओ, पर आपन आँखीमे भव लठ्ठा पता ना पतहओ ? ⁴²तुम आपन आँखीमे लठ्ठा नदेखतहव कहेसे, आपनो भैयाके, ए भैया, तिर आँखीमे पणो कुरा मोके निकरन देए, कहिके तुम कैइसे कहे सकत है ? ए कपटी, पहिले आपन आँखीसे लठ्ठा निकर, तव तए आपन भैयाक आँखीमे भव कुरा निकरन तही अच्छेसे देखैगे ।” ⁴³कोई अच्छो रुखा खराब फरा ना फरातहए, न त खराब रुखा अच्छो फरातहए, ” ⁴⁴हरेक रुखा बाके फरासे चिनतहए । कहेकी काँटोके झाँगसे कोई गुलर ना बटोरतहए, नत झाडीसे अंगूर बटोरत हए । ⁴⁵अच्छो आदमी आपनो हृदयसे अच्छो भण्डारसे अच्छो चिज निकरत हए, और खराब आदमी आपनो हृदयसे खराब भण्डारसे खराबए चिज निकरत हए । कहेकी जौन बातसे हृदय भरोहोत हए, आदमीक मुहसे बही निकरत हए । ⁴⁶मिर कही बात ना करत हओ तव कहे मोके “प्रभु, प्रभु” कहत हओ ? ⁴⁷जौन मिरठीन आत हए, मिर वचन सुनतहए और बाहे जैसो करत हए, बा कैसो आदमी हए, मै तुमके बतामंगो । ⁴⁸बा आदमी घर बनान् बालो आदमी जैसो हैए, जौन गहिरो खोदके चट्टान उपर जग डारी । जल प्रलय भओ, तव जब बाहण आओ, और बा घरमे ठुक गओ, तव बा घरके हला ना पाई, काहेकी बा पक्को बनो रहए । ⁴⁹पर जौन सुनत हए और फिर बा जैसो ना करत हए, बा एक जनी आइसो आदमी हाए, जौन जमिन उपर बिनाजगको घर बनाई । जब बा घर उपर बाहण आइके ठोकी, तव बा घर तुरन्त गिर गओ, और बा घरको बणो सत्यानाश भाओ ।

Chapter 7

¹अपनी सबै बात आदमीनके सुनाईके बा कफर्नरहुममे घुसो।²कोई एक आदमी कप्तानको एक जनी अच्छो कमैया रहए, जौन बीमार हुइके मरन बारो रहए।³जब येशूके बारेमे बे सुनी, तव बाको कमैयाके अच्छो करदेबै कहिके बा यहूदीन के धर्म गुरुसे बिन्ती करन पठाई।⁴बे येशू ठिन आएके आइसे कहिके बा से नम्रहुइके बिन्ती करी, "बे तुमर जा कृपा पानके योग्यके हैए।"⁵काहेकी बे हमर जातिनके प्रेम करत हए,और बेहि हमर सभाघर बनाई रहए।"⁶येशू बिनके संग गओ। कप्तानके घरके जैने बा होतए, कप्तान बिनके सङ्गिनके बाके ठिन एइसो कहेके पठाई, "हे प्रभु दुःख मत उठाबै काहेकि तुमके मिर घरमे घुसबानके योग्यको मै ना हओ।"⁷मै अपनै फिर तुम्हरठीन अनको योग्य ना रहओ। पर वचन कहि देओ, और मेरो चाकर अच्छो हुईजैहै।⁸कहेकी मै फिर अख्तियारतरे बैठन बारो आदमी हओ, तव मेरे अधीनमे सियैय है। मै एकके 'जा' कहत हओ, तव बे जात हए, और दुसरे से 'आ' कहतहओ, तव बे आत हए। मै कमैयासे 'जा' कर' कहतहओ, तव बा करत हए।"⁹जा बात येशू सुनके बासे अचमो मनी, और घुमके आपनपिछु आनबारे भीणसे कही, "मए तुमसे कहतहओ, मै इस्राएलमे फिर यित्तो बाणो विश्वास नदेखो रहओ।"¹⁰जब पठाएके आदमी घरे घुमके गैए,बे बा कमैयाके अच्छो भव भेटाई।¹¹बा के कुछ समय पिछु येशू नाइन नाउँके शहरमे गओ। और बाके चेला और एक बाणी भीण बाके सँग गई।¹²जब बा बजरके मोखेके ढिङ्गै पुगो, एक विधुवको एक लौणको लाह्स लैजात रहए। शहरकी बहुत बणी भीण बिनके सँग रहए।¹³जब प्रभु बिनके देखि, बा बहुत दयासे भरगओ तव बिनसे कही, "मतरोबौ।"¹⁴तव ढिङ्गै जएके बा खटिया छुई और बोकन बाले चुप्प ठाणगए। बा कही, "ए जवान, मै तोसे कहत हओ, 'उठ'।"¹⁵तव मरो आदमी उठके बैठ गओ, और मस्कन लगो। येशू बाके आईयके जिम्मा लगाई।¹⁶"तव सब अचमो मानी। और परमेश्वरकी महिमा करी, और कही, "एक जनी महान अगमवक्ता हमर बिचमे प्रकट भव हए,"और परमेश्वर अपन प्रजा उपर कृपा करीहए।"¹⁷बाके विषयकी जा चर्चा सारे यहूदिया और किनारेकिनारेके सब जिल्लामे फैलगओ।¹⁸यूहन्नाके चेला जा सब बातकी समाचार बिनसे कहिदै।¹⁹अपने चेलाबहेके दुई जनीके यूहन्ना प्रभुठीन जा पुछन पठाई, "जौन आन बारोहए, का बा तुमही हओ? का हम और कोईके आसरा करैए?"²⁰जब बे आदमी येशूठीन आए, तव बे कही, "बप्तिस्मा देनबारो यूहन्ना हमके जा पुछन तुमर ठिन पठाई हए, 'जौनआन बारो हैए, का तैए बहे हैए? की हम दुसरेके आसरा करए?'"²¹बहे समयमे येशू बहुत रोग, ब्यथा और भुतआत्मासे छुटाई, और बेढब अस्थानके दृष्टि दई।²²तव बा बिनसे कही, "जाओ, और जो तुम देखे और सुने, जएके यूहन्नासे कहेदेओ। औ अन्धारा देखत हए, लङ्गड़ा नेगत हए, कोणहरीगी अच्छो होत हए, बहिरा सुनत हए, मरोभव जिन्दा हुइके उठय हए, गरीबके सुसमाचार सुनाइ हए।"²³बा धन्यको हए, जो मिरमे बाधाको कारन ना पए है।²⁴यूहन्नासे पठाएभए चेला चले जानके पिछु बे यूहन्नाके बारेमे भीणसे कहन लागो, "तुम उजाड- स्थानमे का देखेन गए? का हबासे हलाएरहो निगालीके?"²⁵तव तुम का देखन निकरे? का अच्छो लत्ता लगवभव आदमीके देखन? देखै चमकन बारो लत्ता पैधन बारो और सुख बिलासमे बैठन बारे त राजदरबारमें होत हए।²⁶तव तुम का देखन निकरे? का अगमवक्ताके? हौं, मै कहत हँओ, तुम अगमवक्तासे फिर माहान हियँ हए।"²⁷जा बहे है,जौनके बारेमे लिखो है, 'देख, मैए मेरो दूतके तुमार अगु- अगु पठामङ्गो, जौन तुमार ताहि डगर तयार करैगो।' "²⁸मै तुमसे कहताहाओ, 'स्त्रीनसे जन्मो भव यूहन्नासे महान कोई ना हए, तव बा फिर जो परमेश्वरके राज्यमे छोटो से छोटो हए, बा बिनसे और महान हए।"²⁹ताओ सब आदमी और कर उठानबरे जा सुनके परमेश्वरकी सत्यताके स्वीकार करी, काहेकी बे यूहन्नासे बप्तिस्मा लई रहए।³⁰तव फरिसी और ब्यबस्थके पण्डित यूहन्नासे बप्तिस्मा ना लेनके कारन, परमेश्वरको कामके आपने ताहि अस्वीकार करी।³¹येशू कही, "जा पुस्तके आदमीके मै कौनसे तुलाना करौ? बे कौन जैसे है?"³²बेता बजारम बैठन बारो बच्चाकता हैए, जौन एक दुसरेके आइसे कहिके डँटत हैए, 'हम तुमर तही बसुली बजाए और तुम ना नाचे। हम बिलैनाकरे, और तुम ना रोय।"³³बप्तिस्मा देनबरो यूहन्ना आओ, तव बा ना रोटी खत रहए ना दाखमध पित रहए। तुम 'बाके भुत लागो हए, कहत हव।"³⁴आदमीक लौणा खात और पित, आओ तव तुम कहत हव, "देख, एक घिचुवा और पियक्कड़, कर उठानबरो और पापीनको सँगी।"³⁵बुद्धि ठीक हैए कही बात बुद्धि जैसो नेगन बारो ही प्रमाणित करैगो।"³⁶फरिसीमैसे एकजनी बाके खानु खान नृतो दैइ, और बा बे फरिसीके घरमे जाएके खान बैठो।³⁷बा बाजरमे एक पापी स्त्री रहए। येशू फरिसीके घरमे खान बैठोरहए कहिके सुनी, और एक सिङ्गमरमरकी शीशीमे अत्तर लैके बा हूना आई।³⁸पिच्छुघेनसे बाके पाउँ ठीन ठाणके, रोट बाकी पाउँ आँसुसे भिजान लागी, और अपन मुणके बारसे पोछत बाके पाउँके चुमी, और बा अत्तर लगान लागी।³⁹बाके निउतो देनबारो फरिसी जा देखके मनैमनमे अइसो कहन लागो, "जा अगमवक्ता हुईतो ता जाके छुन बारी कैन और कैसी स्त्री हए कहिके जा जान जातो, कहेकी जा त पापीन ह।"⁴⁰येशू बा फरिसीसे कही, "ए सिमोन मोके तोसे कुछ कहन हए।"⁴¹बा कही, "गुरुजी काहा बौ।"⁴²येशू बासे कही "कोई सौहुकेरकी दुई कर्जिदार हए, एक जनी पाँच सय रुपैयाँ और दुसरो पचास रुपैयाँ कर्जा लैरहए।"⁴³पर बिनकेठीन तिरन कुछ नारहए बा बिनके माफी दैइ। बताबओ त, जे दुईमैसे कौन बाके जाधा प्रेम करैगो?"⁴⁴सिमोन कही, "मए कहतहओ, जौन जधा क्षमा पाओ। बा बिनसे कही, "तुम ठीक विचर करेहओ।"⁴⁵तव बा स्त्रीघेन घुमके बा सिमोनसे कही, "बा स्त्रीके देखत हओ? मै तिर घरभिन्न आओ, पर तए मोके पाउँ धोन पानी नादओ, और जा मीर पाउँ आँसुसे भिजाई, और अपन बारसे पोछी।"⁴⁶तए मोके चुम्न नकरो, पर जा त, मै हियँ जबसे आओ, मिर पाउ चुम्न करन नछोड़ी हए।"⁴⁷तए मिर मुणमे तेल ना लगा दाओ, पर जा मिर टाङ्गमे अत्तर घिसी हए।⁴⁸जहेमे मै तुमसे काहत हओ, जाके पाप, जो बेढब रहए, क्षमा हुइ गए, कहेकी जा स्त्री जाधा प्रेम दिखाई। पर जौनके थोरी क्षमा करतहए, बा थोरी प्रेम कतहए।"⁴⁹तव बे बा स्त्रीसे कही, "तिर पाप क्षमा हुईगए ह।"⁵⁰खान बैठनबारे अपने अपनेमे काहन लागे, "पाप क्षमा करनबारो जा कौन हए?"⁵¹बा स्त्रीसे कही, "तिर विश्वास तोके बचाई हए, शान्तिसे जा।"

Chapter 8

¹बासे पिछु बा बाजर- बाजर और गाउँ-गाउँ होत प्रचार करत और परमेश्वरको राज्यको सुसमाचार सुनात घुमन लागो। बाके सँग बाह्रा जनी चेला रह। ²किन्तो स्त्री फिर बाके सँगमे रहए, जो दुष्टआत्मा और रोगसे अच्छो भए रहए। जे रहए: मगदलिनी कहने बारि मरीयम, जोसे सात भूत निकारी रहए। ³हेरोदको कारिन्दा खुजासकी बैयर योअन्ना, और सुसन्ना। जे और बेऔरनके अपन सम्पत्तिसे बाकी सेवा करत रहेए। ⁴जब बडी भीण जमा भाई और बाजार-बाजार से आदमी बक ठीन आए, बे बिनसे एक कहानी कही। ⁵"एक जनी बिज बोन निकरो, और बोत-बोत कुछ डगर के किनारेमे पणो, और बे आदमीके टङ्गसे चिबाद गए, और चिरैयाँ आपके खाए दैं। ⁶और बिज पत्थर बारी जमिनमे पणो, और बे जमो खिनक सुकगाए, कहेकी बा जमिन बिना आदकी रहए। ⁷कोई बिज काँटोके बिचमे पणो, और बिनके सँग काँटो फिर बढ़तए गओ, और बिनके बणन नए दै। ⁸किन्तो अछी जमिनमे पणो, और जमे सय गुणा फल फलाई।" यीतकए कहत बा जोणसे चिल्लाएके कही, "जौनके सुनन् कान हए बा सुनए।" ⁹बिनके चेला जा कहानीको अर्थ काहए बासे पुछी। ¹⁰तव बा कही, "तुमके त परमेश्वरको राज्यको भेद जानन् ज्ञान दैइहए, पर औरकेसँग मै कहानीमे बतात हओ, की ' तुम देखके फिर नदेखो, और सुनके फिर ना सझौ।" ¹¹अब कहानीको अर्थ जा हएकी: बिज परमेश्वरकी वचन हए। ¹²डगरकी किनरे गिरो बिज बेहे हए, जैन सुनत हए, तव बे वचन सुनके विश्वास ना करैए और ना बाचए कहिके दियाबलस अयके बिनकी हृदयसे वचन लैचालोजतहए। ¹³पत्थरबारी जमिनमे पणनबरी बेहे हए, जैन वचन सुनके खुशीसे ग्रहण करत हए। पर बाको जर ना होनके कारनसे, और बे थोरी समयके तही बे विश्वास करतहए, पर परीक्षाके अगु बे अलोप हुइजात हए। ¹⁴काँटोके बिचमे पणन बारी बेही हए, जैन सुनतए, पर पीछु जा जीवनकी चिन्ता, धान, सुखचैनमे पणके बणन ना पातए, और बिनको फल पक ना पत हए। ¹⁵पर अछी जमिनमे पणन बारे बेहि हए, जैन वचन सुनके अच्छो मन और भलो हृदयमे बाके जुगाए रहत हए, और असरा करके फल फलात हए। ¹⁶कोई दिया पजारके बर्तनसे ना तोपत हए, की खटिया तरे ना धरत हए पर भित्र अनबारेके उजयारो होबै कहिके अरोमे धरत हए। ¹⁷कोई बातके लुकाएके ना धर सकत हए, जो उजागर ना होत है, और कोई बात लुकि ना राहत है, जो ना दीखई देबै औ उज्यारेमे ना आत हए। ¹⁸जहेमरे हौसीयर होबओ, तुम कैसे सुनत हओ, कहेकी जौनसँग हए, बाके और देजाबैगो, और जौनसँग नाहए, बाकेसँग जो हए कहिके बा समझत हए, बा फिर बासे छिनो जाबैग।" ¹⁹बाकि आइया और भैया बके जौणे आए, पर भीडके मारे बक जौणे आए ना पाई। ²⁰बासे कोई कही, " तुमार आइया और भैया भेट करन तही बाहिर ठणेहए।" ²¹और बा बिनसे कही, "मिर आइया और मिर भैया बेहि हए, जौन परमेश्वरकी वचन सुनत हए, और बा पालन करत ह।" ²²एक दिन बा अपन चेलासँग नैयाँमे चणेरहए, और बा बिनसे कही, "हम तालके बापार जमए।" और बे नैयाँमे चढ़के गय। ²³नैयाँमे जताएजात बा निधाए गव। तालमे आँधीबियर चलन लगि। नैयाँ पानी से भरन लगी, और बे आफतमे पणीगए। ²⁴तव बे ढिगई आइके बाके आइसे कहत जगाई, " गुरु,गुरु, हम डूबन लगे।" बा उठके आँधी और पानीकी लहर के डँटी, और बा रुकगाओ औ सब शान्त हुइगओ। ²⁵बा बिनसे कही, " तुमार विश्वास कहागाओ ?" बे डराए गए, ताव आचम्मो मानी और एक ठीन कहनलगे, " जा कौन हैए ? जौन आँधी और पानीके आज्ञा देत हैए, ताव बे जक आज्ञा मानत हैए ?" ²⁶बा गेरासेनके देशमे आइगाओ, जौन गालीलके दूसरे पारमे पणत् हए। ²⁷जब बा पखासे उतरो ताव बो बजारकी एक जानै आदमीसे भेटी, जौनकेभूत लागोरहए। ²⁸बा येशूके देखी, और जोणसे बुलाई बाके जौणे घुपटा हुईके बाणो जोणसे कही, "हे सर्वोच्चो परमेश्वरको पुत्र येशू, तीर मोसे का काम ? बिन्ती करतहव, मोके मतसताबए।" ²⁹कहेकी खरब आत्मा बा आदमीसे निकरके जान तँही आज्ञा दैइरह। बाके बेटब चोटी भूत पक्णी रह। बा पहरामे धरो रहए। बा सँकरसे खुँटा बाधोराहात रहए, पर बा बे बन्धान तेण देत रहए। तव भूत बाके मरुभूमि घेनसे लैजातरह। ³⁰येशू बासे पुछी, " तीर नाउँ का हए ?" बा कही, "फौज।" कहेकी गजब भूत बामे फसेपणे हए। ³¹बिनके अतल कुण्डमे मतपठावै कहिके बिनसे बा बिन्ती करी। ³²ढिगैको डँगामे सोराकी एक बाणी बगाल चुगतहए। तव बे सोराकी भितर घुसन्दे कहिके बे बिन्ती करी, और बा मन्जूर भव। ³³तव भूत बा आदमीसे निकरके बे सोराकी भितर घुसगए, और बा बगाल खल्लासे समुन्द्रघेन हुरट गए और डुबके मरिगाए। ³⁴तव जो भव रहए बा देखके सोरा चुगानबारे भज गाए, और जएके बजार और गाउँ होत जा बात बताईदैइ। ³⁵तव जो भव रहए बा देखन तही आदमी येशूकी ठीन आए, और जैन आदमीसे भूत निकरोरहए, बाके लत्ता लगाएके सफा मनको हुके येशूक चरणमे बैठोपाईरहाए, और बे अचम्मो मानी और डराय गै। ³⁶तव जो घटना घटो भओ रहए, बे आदमी देखी रहए औ कैसे दुष्ट आत्माके काबुसे बा आदमी बचाओ गओ, जा बातके दुसरेनके बताइ। ³⁷गेरासेनसकी आसपासके गाउँके आदमी येशूके बिनके गाउँसे चलोजा कहिके बिन्ती करी, कहेकी बे गजब डरायगै रहै। ³⁸तव जैन आदमीसे भूत निकरो रहए, बा बाकेसँग जन पाँव, कहिके बा बिन्ती करन लगे। तव येशू बाके आइसो कहिके बिदा दैई, ³⁹"तए अपनो घर चलोजा, और परमेश्वर तिरतही किन्तो बाणो काम करीहए, बा माहान कामके याद कर।" ⁴⁰येशू लैटके आओ भीण बाके स्वागत करी, कहेकी बे सब बाके आसर देखत रहए। ⁴¹याइरस नाउँको एक जनी सभाघरको शासक आपके येशूक पाउमे पणो, और बाके घरमे अबौ कहिके बीनके बिन्ती करी। ⁴²कहेकी बाह्रा वर्षकी पुगी बाकी एक लौणीया रहए, बा मरन लगी रहए। येशू जातपेति आदमी बाके ढक्का मुक्की लगात रहए। ⁴³बाह्रा वर्षसे रगतबहनबारी दुखिया एक स्त्री, बा अपन सबए पैसा डाक्टरके दबाइमे खर्चा कर डारी रहए, पर बाके कोइ फीर अच्छो ना करपाइ रहए। ⁴⁴बा पच्छुसे आपके बाको लत्ताको एक कुन्छ छुई, और तुरन्त बाको रगत बहन बन्द हुईगव। ⁴⁵"येशू कहि, "मोके कौन छुओ हए ?" जब सब इन्कार करी, " तव पत्रुस और बिनकेसँग होनबारे कही, "गुरुजी भीण तुमके घेरके धकेलरहेहए।" ⁴⁶तव येशू कही, "कोई मोके छुओ हए, कहेकी शक्ति मोसे निकरके गईहए मै पाता पाओहव।" ⁴⁷" तव अपना लुकन ना सकन बारि बात पता पाएके बा स्त्री काँप्ताए आई और बाके अगु घुपटा पण गई, और कैसे बा बाके छुई, बे सब आदमीके अगु बताइ। ⁴⁸बा बासे कही, "लौणीय, तिर विश्वाससे तए अच्छो भव हए, शान्तिसे जाअ।" ⁴⁹बा मस्कत रहए, सभाघरके शासकके घरसे एक जनी आदमी आए पुगो और कही, "तुमर लौणीया मर गई। अब गुरुके कष्ट मत देए।" ⁵⁰तव येशू जा बात सुनके याइरससे कही, "मतडरबए, विश्वास इकल्लो कर, और बा अच्छी होबैगी।" ⁵¹जब बा घरमे पुगो तव बा पत्रुस, याकूब, यूहन्ना और बाच्चाके दौव और आइयाबाहेक और कोईके बाकेसँग भितर आन ना दाई। ⁵²सब जनी रोटरहएँ और बिलखात रहएँ, तव बा कही, "मतरोबओ, बा मरी ना है, पर सोतहए।" ⁵³बा मरी गई हैए जनके, फिर बे बाकी खिल्ली उडान लगे। ⁵⁴पर बालौणीयाके हातमे पकडके आइसे कहत बुलन लगे, " ललो, उठ।" ⁵⁵औ बाकी प्राण घुमके आएगओ, और बा तुरुन्त उठी, और बा बके कछु खनके देनके ताही कही। ⁵⁶बाकी आइया और दौव अचामो मनी, पर जो भवरहए बा कोईसे मत कहीएओ कहीके बा आदेश बिनके दाई।

Chapter 9

¹तब बा बाह्वा चेलानके एकसँग बुलाईरहए, और बिनके सबके भूतके निकारन और रोग अच्छो करन बारो शक्ति और अधिकार दैडरहए । ²बा बिनके परमेश्वरको राज्यको प्रचार करन और बेमारनके अच्छो करन पठाई । ³बा बिनसे कही, “तुम अपन यात्रामे अपनसँग कछु मतलेव- न लट्ठी, न झोला, न रोटी, न पैसा, न दुई जोण लत्तालेओ । ⁴जैन घरमे तुम घुस्तहव हूँअ बैठव, और बा हूँए से ही बिदा होबौ। ⁵जहाँ तुमर स्वागत ना होत हए तुम बा शहरसे निकरत अपननी टङ्ग की धुधर बिनके बिरोधमे गवाहीक तही झरदेओ ।” ⁶तब बे बिदा भए, और सुसमाचार प्रचर करत और सबघेन रोगीनके अच्छो करत गाउँ- गाउँ गए । ⁷जे सब घटनाके बारेमे सुनके शासक हेरोद घब्राणीय गव, कहेकी यूहन्ना मरके जिन्दा उठोआँ रहए कहिके कोई- कोई कहत रहए । ⁸और कोई कहत रहए, “एलिया दिखानो हए,” तब औ र कहत रहए, “पहिलेक अगमवक्ता मैसे एक जनी उठो हए ।” ⁹तब हेरोद कही, “यूहन्नाको मुण मै कटन लगाओ, तब जा कौन हए जौनक बारेमे मै आईसी बात सुनत हओ ?” तब बे बा कौन हए, भेटन इच्छा करी। ¹⁰तब प्रेरित घुम्के बे करी भई सबै बात बाके बताई। बा बिनके सँगाए लैके बेथसेदा कहनबारो शहरसे अलगै गव । ¹¹तब जा पता पाइके भीण बाके पच्छु लागी । बा बिनके स्वागत करी, और परमेश्वरके राज्यके बारेमे सुनाई, और जौन - जौनके अच्छो होन जरूरी रहए बिनके अच्छो करी । ¹²जब दिन बूणन लागो, और बाह्वा जनि आईके बासे कही, “भिडके बिदा देओ, और बे जाइके आस पासके बस्ती और गाउँ मे बास बैठन और भोजनकी व्यवस्था करए, काहेकी हियाँ हम सुनसान ठाउँमे हैए ।” ¹³तब बा बिनसे कही, “तुमही बिनके खानु देओ ।” तब बे कही, “हमरसंग पाँच रोटी और दुई मछरी इकल्लो कछु ना हए, आदमीको जा इत्तो बणो भिणके जाएके खानु मोल लेन और कछु उपाय ना हए ।” ¹⁴बे ज़म्मा: पाँच हजार लोग रहए । तब बा अपन चेलासे कही, “बिनके पचास पचासकी लाईनमे बैठान लगाओ।” ¹⁵बे फिर आईसी करी, और सबके बैठाई । ¹⁶तब बा पाँच रोटी और दुई मछरी लैके स्वर्ग घेन देखके आशिर्वाद दै, और तोडके आदमीके बाटओ कहिके चेलानके दै । ¹⁷और सब खाईके अघाए गए, और चेला उबरो भओ टूट्ठा बाहू डाला उठाई। ¹⁸एक चोटी येशू इकल्लो प्रार्थना करत रहए, चेला बाके सँग रहए, और बा बिनसे पूछी, “आदमी मोसे कौन है कहत हए?” ¹⁹बे कही, “कोई बप्तिस्मा देनबालो यूहन्ना कहतहए, कोई यलिया और कोई कहतहए, अगुग अगमवक्ता मैसे एक जनी फिर उठो है।” ²⁰बा बिनसे कही, “तब तुम का कहत हव ? मए कौन हव ?” तब पत्रुस कही, “परमेश्वरको खीष्ट !” ²¹तब बा बिनके आज्ञा दैरहए, और सँगाए चितौनी दैरहए, काहेकी बे जा बात कोइके ना बताए । ²²तब बा कही, “आदमीको लौणके बेढम दुःख उठान पणैगो, और बो धर्म-गुरुसे, मुख्य पुजारी और शास्त्रीसे तुच्छ समझो जैहए, बे मारंगे और तिस्रो दिनमे मरोसे जिन्दा हुइके उठैगो।” ²³तब बा सबसे कही, “कोई मीरपच्छु आन इच्छा करैगो कहेसे बा अपनएके इन्कार करए, और रोजदिन अपन कुस बोकके मिर पच्छु लगाए।” ²⁴कहेकी जैन अपन प्रण बचान इच्छा करत हए, बा बाके गुमाबैगो। तब जौन मिर तही अपन प्रण गुमाबैगो, बा बके बचैहए। ²⁵कहेकी सारा जगत पाएके अपनैके नाश करैगो औ गुमाबैगो कहेसे, आदमीके का फाडदा होबैगो ? ²⁶पर कोई मोसे और मिर वचनसे शर्माबैगो कहेसे आदमीको लौण फिर अपनो महिमामे, और पिताकी और पवित्र दूतगणकी महिमामे आत बाके सँग शर्माबैगो । ²⁷तब निह्य मए तुमसे कहतहै, हिया ठाणनबारे कोई-कोई हए, जो परमेश्वरके राज्य ना देखनसे अगु मरनको स्वाद ना पमझै । ²⁸जा बातके प्राय: आठ दिनपिच्छु पत्रुस, यूहन्ना और याकूबके अपनेसँग लैके प्रार्थना करन जात बा जा बात कही । ²⁹बा प्रार्थना करत रहए बिनको मुहको रूप बदल गौ, और बिनकी झुला सेतो हुइके चम्को उज्यारो भव। ³⁰तब बासे दुई जनी बातचित करत रहए, बे मोशा और एलिया रहए । ³¹बे महिमित रुपमे दिखने और बे येशूसे उठाएके लैजानके बारेमे बातचित करत रहए । जा बात बिनके यरूशलेममे जाएके पूरो करन रहए । ³²तब पत्रुस और बकसँग होनबारे निधाए गए रहए । तब बे उठेके पिच्छु बे बाके सँग ठणेभए दुई जनी आदमीके और बक महीमा देखिँ । ³³तब बे दुई आदमी बाके सँग बिदा हुइके जानलगे पत्रुस येशूसे कही, “गुरुजी हमके हिनाए बैठन अच्छो हए । हम तिन रहन बारो बना मै- एक तुम्हर तही, एक मोशाक तही और एक एलियाके तही ।” बे काके बारेमे काहात रहए बिनके पता ना रहए। ³⁴बा जा बत बेलतए बेलत एक बादर आएके बाके तोपदैई, बा बादर भितर घुसन लगे बे अच्यो मनगाए। ³⁵तब बादर से आइसे कहिके एक आवाज निकरो, “” जा मीर पुत्र हए, जौनके मए छनो हओ । जाको वचन सुनौ।” ³⁶जा शब्द आएके पिच्छु येशू बहुवा इकल्लो रहए । बे चूपचाप रहए, और बे देखिभैई बात बे दिनमे कोइसे फिर ना कहि, ³⁷दुस्रे दिन जब येशू और बे चेला पहाड़से उतरे, एक बाणी भीण बासे भेटन आयो । ³⁸भीणसे एक जनी आदमी चिल्लाएके कही, “गुरुजी मै तुमसे बिन्ती करत हौ, मीर लौण के उपर कृपा-दृष्टी करओ । काहेकी बा मीर इकलो लौण हए ।” ³⁹देखाओ, एक दुष्टआत्मा बाके पक्कत है, और बा अचनक किकियत है, और बा ऐईठतहए और बाके फुपना निकरन लगत है। बाके छत्पत्पाएके लद्द बद्द छोणत हए। ⁴⁰बा दुष्टआत्माके निकार देओ कहिके मै तुमर चेला से बिन्ति करे, पर बे ना कारपाई । ⁴¹” तब येशू जावफ दै, “अविश्वासी और हाठी पुस्ता, मै कब तक तुमर संग रहझौ, और तुमके कब तक सह मओ ? तुमर लौड़ाके हीना लाओ ।” ⁴²पर बक आतै आत भुतात्मा बा के जमिनमे गिराए दै और ऐठन लागो । पर येशु बा आदमीके डँटी, और बा बालकाके अच्छो बनाएके बाको दौवाके सौँप दै । ⁴³परमेश्वर को महानता देखके बे सब हक्का चक्का पडे । येशुको करो भओ प्रतेक काममे सब आदमी छक्क परके देखि, बा अपन चेलानसे कहि, ⁴⁴जा बात तुमर कानको गहिराइ पुगए कहिके आदमी को लउणा पक्राओ पणन लागो है ।” ⁴⁵पर बे जा बातके ना समझ पाइ और जा ना समझ पायै कहिके गुप्तमे धारे हैं । बे जा बारेमे बा से पुछन डरात हए । ⁴⁶बा समय बेमैसे बडो कौन है जा बारेमे अपसमे बादविवाद चलो । ⁴⁷पर येशु बिनको मानके विचार पता पाईके एक बालक के लैके अपन किनारे धरि, ⁴⁸और बिनसे कहि, “ जौन मिर नाउँमे जा बालक के ग्रहण करैगो, बा मोके ग्रहण करैगो, और जौन मोके ग्रहण करैगो ,बा मिर पठान बारोके ग्रहण करैगो । कहेकी तुम सबै मैसे जौन सबसे छोटो है, बाहे बडो होत है ।” ⁴⁹तब यूहन्ना कहि, “गुरुजी, एक आदमी तुमर नाउँमे भुत निकारत हम देखे, और हम बासे मनाही करे । काहेकी बा हमर संग तुमर अनुसरण ना करत हैं ।” ⁵⁰तब येशु उनसे कहि, “ उनके मनाही मात करौ, कहेकी जौन तुमर बिरुद्द नाहै, बा तुमर पक्ष मे है ।” ⁵¹बाको स्वर्गारोहणको दिन जौने आइगओ रहए, बा यरुशलेमघेन जान निर्णय करी । ⁵²तब बा समाचार लानबारे आदमीके पहिलेसे पठाई हरए । बे गए, और बाक ताहि सबै बात तयार करन सामरीको एक गाउँमे घुसो । ⁵³पर यरुशलेमघेन जान बाको दृढ़ विचार पता पाएके बे बाके स्वागत ना करी। ⁵⁴तब जा देखके बाक चेला याकूब और यूहन्ना कही, “प्रभुजी, का तुम चाहतहौ कि स्वर्गसे आगी बर्साएके जे भस्म होमाए कहिके हम आज्ञा करौ ?” ⁵⁵पर घुमके बा बिनके ढँटके कही । ⁵⁶तब बे दुसरो गाउँघेन गए । ⁵⁷बा डगरमे जातपेती, एक जनी आदमी बासे कही, “हे प्रभु, तए जहाँ जाए है मै तिर पिच्छु लाझौ।” ⁵⁸तब येशू बासे कहिँ, “सेराके भार होत हए, और आकाशके चिरैयँनके घुस्ला, पर आदमिक लौणाके ता मुण धरन ठाउँ फिर ना है।” ⁵⁹बा दुस्रेसे कहि, “मिर पच्छु लाग ।” पर बा कहिँ, “पहिले मिर दौवाके गाडन जान दे ।” ⁶⁰बा बासे कहिँ, “मूर्दनके अपने मुर्दा शरीर गाडन देओ, तब तुम जएके परमेश्वरके राज्यको सुसमाचार प्रचार कर ।” ⁶¹दुस्रो फिर कहिँ, “प्रभु, मै तुमर पच्छु लाझौ, पर पहिले अपन घर बारेन्से बिदा लेनदे ओ।” ⁶²तब येशू बासे कहिँ, “अपन हात हरमे लगाईके पच्छु देखन बारो कोइ फिर परमेश्वरके राज्यको योग्यको ना होत हए ।”

Chapter 10

¹जाके मारे प्रभु और सत्तरी जनीनके नियुक्त करी, और जाहँ बा अपनएजान चाहत रहए सहर और गाउँमे अपनेसे अगु बिनके दुई-दुई जनी करके पठाई। ²बा बिनसे कहि, “फसल त प्रसस्त हए, पर खेतहरा थोरी हए। जहेक मारे फसलके प्रभुसे प्रार्थना करओ, और बा अपन फसलमे खेतहराके पठाए देव।” ³जाओ, देखओ, मए तुमके गुलहाके बिचमे भेडक बच्चा कता पठात हौ। ⁴“४ न त पैसकी थैली, नत झोली, ना जुता बोकओ, न डगरमे कोइसे अभिवादन करओ।” ⁵“जौन घरमे घुसव पहिले कहव, जा घरमे शान्ति होबए।” ⁶“अगर हुवा प्रिय आदमी हए तव तुमरी शान्ति बाके सँग रहबैगे, पर यदी ना हए कहेसे बा शान्ति तुमर ठीन घुमके अएहए।” ⁷“बिनके दओ चिज खाए पिके बा घरमे बै ठओ। काहेकी खेतहर अपनो ज्वालाको योग्य होत हए। एक घरसे दुसरे घरमे मत घुसओ।” ⁸“जब तुम कोइ शहरमे घुसौ, और बे तुमके स्वागत करए कहेसे हए, तुमर अगु धरो भोजन खाओ, ” ⁹हुवाँ भए रोगीनके अच्छो करौ, और बिनसे काहा बौ, ‘परमेश्वरको राज्य तुमर ठीन आएपुगो हए।’ ¹⁰“पर जब तुम कोइ शहरमे घुसै गे, और बे तुमके स्वागत ना कङ्गे कहेसे, तव निकरके बा शहरके सडकमे जाओ, और कहओ, ¹¹“हमर टांगमे चिम्टो तुमर शहरको भुवा समेत हम तुमर विरुध्दमे झार देतहए। तव फिर जा जानौ, कि परमेश्वरको राज्य ढिङ्गै आइगौओ है।” ¹²मे तुमसे कहतहौं, बा दिन बा शहरसे सदोमको हालत सहरान बारो हुइहए। ¹³“धिवकार तोके खोराजीन ! धिवकार तोके, बेथसेदा ! कहेकी तुमरमे भव समर्थको काम दुरोस और सिदोनमे करोभव देखते तव बे अगुसे भाङ्ग्रा लागएके भुवामे बैठके पश्चात्ताप करते।” ¹⁴पर न्यायके दिनमे तुमसे त दुरोस और सीदोनको हालत सहन बारो हुइहए। ¹⁵और तै, कफर्नहुम ! का तए आकाशमे उचो होबैगो का ? तए पातालमे गिरैगो।” ¹⁶जौन तुमर बात सुनहए, बा मेरो बात सुनतहए। जौन तुमके अस्वीकार करहए, बा मोके अस्वीकार करहए, और जौन मोके अस्वीकार करहए, बा मोके पठानबारोके अस्वीकार करहए। ¹⁷बे सत्तरी जनी आनन्दसे घुमके आएके अइसो कही, “प्रभु जी, तुमर नाउँमे भूत फिर हमर बशमे आतहए।” ¹⁸बा बिनसे कही, “मए शैतानके स्वर्गसे बिजुलीकत गिरत देखो।” ¹⁹मे तुमके साँप और बिछी कुचलनके और शत्रुको सबै शक्ति उपर अधिकार दओ हौ, और कोइ बातसे तुमके नुकसान ना हुइहए। ²⁰तहुँफिर दुष्टात्मा तुमरे वंशमे हए करके खुसी मत होबओ, पर तुमर नाँउ स्वर्गमे लिखो हए कहेके खुसी होबओ।” ²¹बा बेरा येशू पवित्र आत्मामे उत्साहित भव, और कहि, “हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वीको परमप्रभु, मै तुमके धन्यवाद चढात हौ, काहेकी तुम जा बात बुझीमान और समझदारसे लुकाएके धरे बालकनके प्रकट करे। काहेकी, पिता तुमके जहे अच्छो लागो।” ²²मिर पिता सब चिज मोके सुम्पदै हए। पुत्र का हए कहिके पिता बाहेक कोइ ना जानत हए, पिता कौन हए कहिके पुत्र बाहेक, और पुत्र बाके जौन कहाँ प्रकट करन इच्छा करत हए, बा बाहेक और कोइ ना जानत हए।” ²³चेला घेन घुमके बा बिनसे चुपकेसे कहिँ, “धन्य हए बे आँखी, जौन तुमरी देखिभै जा बात देखत हौ।” ²⁴काहेकी मै तुमसे कहत हौ, बहुत अगमवक्ता और राजनके तुम देखत हौ, वे देखन इच्छा करी रहए, पर देख ना पाई और बे सुनन इच्छा करी, पर सुन ना पाई।” ²⁵“व्यवस्थाको एक जनी पण्डित बाके परीक्षा करन ठाणो रहए और जा प्रश्न करी, “गुरुजी, अनन्त जीवन पान तौही मोके का करन पणैइगो ?” ²⁶बा बिनसे कहि, व्यवस्थामे का लिखो हए ? तुमका पढत हौं ?” ²⁷बा कहि, “तए परमप्रभु, अपन परमेश्वरके अपन सारे हृदयसे, आपने सारे प्राणसे, अपन सारे समझसे और आपने सारे मनसे प्रेम कर, और आपनो पणोसिके अपन कता प्रेम कर।” ²⁸बा बिनसे कहिँ, “तुम ठिक जवाफ दए। अइसए कर, और तुम जिबैगे।” ²⁹तव बा अपनएके धर्मी दिखानके इच्छा करके येशूसे कहि, “मेरो पणोसी कौन हए तव ?” ³⁰येशू जवाफ दैके कहि, “एक जानी आदमी यरुशलमसे यरीहोघेन जात रहए। बा डाँकुनके फेला पणीगओ। बे बाके नङ्गो करके पिटी, और अधमरो करके छोडदै।” ³¹ठीक एक जनी पुजाहरी बहे डगर हुइके जात रहए, और बा अधमरा आदमिके देखके दुसरो घेन घुमके गओ। ³²उइसी करके एक जनी लेवी फिर बहे ठाउँमे आएके बाके देखी बा फिर दुसरो घेन घुमके गओ।” ³³पर एक जनी सामरी बा यात्रमे जात रहए बा आदमिक भव ठाउँमे आए पुगो, और बाके देखके बाको मन दयासे भर गओ। ³⁴और बाके ठिन जाएके तेल और दाखमध लगाएके बाके घाउमे पट्टि बाँध दै, और अपन गदहा उपर चढाएके बाके एक धर्मशालामे लाइ, बाके रेखदेख करी।” ³⁵दुसे दिन बा चाँदीके दुई सिक्का धर्मशालाके मालिकके दैके कहि, “इनको रेखदेख करीओ और जाधा खर्च लागैइगो मै घुमके आइके तुमके तिर देहौ।” ³⁶येशू पुछके कहि, “तुमर विचारमे जे तिन जनी मैसे डाँकुके हातमे पणो आदमिक पणोसी कौन ठहरो ?” ³⁷बा कहि, “बाके उपर दया दिखान बारो आदमी क ?” तव येशू बिनसे कहिँ, “जाओ और तुम फिर आइसीए करओ।” ³⁸बा जातै जात बा कोइ गाउँमे घुसो, और मार्था नाउँ भैइ एक बैयर बा अपनो घरमे स्वागत करी। ³⁹मरियम नाउँ भै बिनकी एक बहिनियाँ रहए। बे येशूके पाउँ ठीन बैठके बाको वचन सुनत रहए। ⁴⁰पर मार्था सेवा- सत्कारको बहुत काममे इरझी राहात रहए बा येशू ठिन आएके कहिँ, ‘प्रभुजी मिर बहिनियाँ सेवा-सत्कारको काममे मोके इकल्लो करे पणे हए, तुम के पता नए हौ ? बासे कहे देओ, और बा मोके साहेता करए।’ ⁴¹तव येशू जवाफ दैके बिनसे कहि, “मार्था, मार्था तुम बहुत बातके बारेमे चिन्ता करत हौ, और घबणात हौ।” ⁴²पर आवश्यकता त एक बातकि हए, बहे अच्छी बातके मरियम छाने हए, जो बिनसे ना छिनएगो।”

Chapter 11

¹बा कोई एक ठाउँमें प्रार्थना करत रहए । बा जब प्रार्थना कर डारी, तब चलन मैसे एक चेला कहि, “हे प्रभु, युहन्ना अपन चलनके सिखाओ जैसो प्रार्थना करन हमके फिर सिखा ।”²“ येशू उनसे कहि, “जब तुम प्रार्थना करत हओ तब अइसे कहीयो” हे पिता, तुमर नाउँ पबित्र होबए । तुमर राज्य आबै ।³हमर दिन भरको रोटी हमके रोज दिन दिए ।⁴हमर पाप क्षमा करिए, काहेकी हम फिर हमर बिरुद्धमे अपराध करन बालेन के क्षमा करत हए। हमके परिक्षामे पड़न मत दिओ’ ।⁵और बा उनसे कहि,मानौ ;तुम मैसे कोइक एक सङ्गि हए बे आधि रातके बाके ठिन जाइके कहत हए। सङ्गि मोके तिन रोटी बैना सापट देओ ।⁶काहेकी मिर एक जनि सङ्गि यात्रासे मिर ठिन आव हए, और बाके खान देन मिर ठिन कछु ना हए ।⁷बा भितर से जवाफ देत हए,मोके मत झोझियाए । फाटक हब बन्द हुईगओ हए,और मिर लौडा लौडिया मिर सँग सितरीमे हए । मए उठके तोके कछु ना दए पए हौ ।”⁸मए तुमसे कहत हौ, बा उठके उनके बा कछु ना दे हए ,तुम बा के सँगी होनके कारणसे फिर लगातार मागएगे बा ऊठके और तुमके जितनो जरूर हए उतनो जरूर रोटी देहए ।⁹मइ तुमसे कहत हौ,मगओ त तुमके मिलैगो । दुणैगेता तुम पाबैगे ,ढकढका बैगेता तुमर ताहि खुलो जाबएगो ।¹⁰कहेकी सबए जौन मागत हए ,तौ बा पात हए । जौन ढुडत हए तौ बाके मिलत हए,और जौन खटखटात हए , बाके ताँहि खुलत हए।¹¹तुम मैसे कौन अईसो दउव हुई हए,जौनको लाउडा रोटी मागत पत्थर देहए ,कि मछरी मागहए ता मछरीक बदला साँप देहए ?¹²औ अण्डा मगहएता बाके बिछी देहए ?¹³तुम दुष्ट हुईके अपन लौडा लौडियाके अच्छी चिज देन जनत हौ कहसे , तुमर स्वर्गीय पिता बासे मागन बालेन के किन्तो जाधा पबित्र आत्मा ना दे बैगो का ?¹⁴बा एक भुत निकारत रहए,जो गुगो रहए,भुतात्मा निकरो तब बा गुगो आदमि मसकन लगो, जा देखकेआदमी अचम्मो मानगए ।¹⁵पर बे मैसे कोई त ,कहो, “ भुतको मालिक बालजिबुल से भुतके निकारत हए ।”¹⁶।¹⁷पर कितनो आदमी बाकी परिक्षा करन ताही स्वर्गसे एकम चिन्ह मागी।¹⁷पर येशू बिनको बिचार पता पाईके बा उनसे कहि,जौन राज्यमे फुट होत हए, बा उजाड होत हए । जौन घरमे फुट होत हए, बा नष्ट हुइ जात हए।¹⁸शैतान के फिर अपने मे बेमिलाप नाहुई हए कहसे ,उनको राज्य कैसे टिकैगो ? काहेकी तुम कहात हौ,कि मए,बालजिबु (भुतनको मालीक)से भुत भजात हौ ।¹⁹मए बालजिबुल से भुत निकारत हौ कहसे तुमर लौडा लौडिया कौनसे, बिनके निकरात हए ? काहेकी बे तुमर न्याय करङ्गे ।²⁰पर यदी मए परमेश्वरको नाउँसे भुत निकारत हओ कहसे परमेश्वरको राज्य तुमर ठिन आईगौ हए ।²¹हतियार लैके तयार हुईके बलवान आदमि अपन घरको रक्षा करत हए कहसे, बक माल समान सुरक्षित रहएहए ।²²अगर बासे फिर बलवान आदमी आईके बाके लणाई करके बाके जितैगो कहसे, बे धरे भए बक जम्मए हतियार छिनाईके लैजात हए , और बक मालसमान लुटके लैजात हए ।²³जौन मिर पक्षमे ना हए, बा मिर बिरुद्धमे हए,और जौन मिर सँग ना बटोरैगो,बा बिद्रए हए ।²⁴जब अशुद्ध आत्मा आदमीसे निकरके जात हए कहसे बाआराम जगह ढुणत हए , बा कोइ ठाउँ ना पाएके बा काहत हए मए अपन पुराने जगह मे जाहँसे मए आओ हओ बा हुँव लौटके चलोजामङ्गो ।²⁵घुमके पिछु बा अपन घर सफा और अच्छो देखत हए ।²⁶तब बा अपनेसे फिर जद्धा दुष्ट और सात आत्मा संगमे लात हए,और बा आदमीक पच्छु दशा पहिलेसे हद्धा खराब होत हए ।²⁷बा जा बात कहतै कहत ,भिड मैसे एक स्त्री चिल्लाईके कहि”धन्य बा बैयर जौन तोके गर्भधारण करी और अपन दुध पिबाई ।”²⁸पर बा कहि, “बलकी बे धन्य है,जौन परमेश्वरको बचन सुनत हए,और पालन करत हए ।”²⁹भिड जमा होतै जात बा कहि “जा पुस्ता दुष्ट पुस्ता हए ।जा चिन्ह ढुणत हए , पर योनाको चिन्ह बाहेक जाके और कोई चिन्ह नामिलैगे ।³⁰काहेकी जौन तरिकासे (रितसे) योनानिनबेके आदमिक ताँहि चिन्ह भौ रहए। बहे तरिकासे (रितसे)आदमिक पुत्र फिर जा पुस्ताके ताँहि चिन्ह हई हए।³¹३१ दख्खिन देशकी रानी आदमीके विरुद्धमे दोषी ठाहरान तही उठएगी, काहेकी बा पृथ्विक किनारेसे सोलोमानको बुद्धि सुनन तहि आईरहए । पर देखौ,हिया एक आदमी हए , जो सोलोमानसे महान हए ।³²निनबेक आदमी न्यायमे जा पुस्ताकसँग ठाडके जाके दोष लगामङ्गे । कहेकी बे योनाको प्रचार मे पश्ताप करत रहए,और देखौ हिया एक आदमी हए,ज बा योनासे फिर महान हए ।³³“कोई दिया पजारके गुप्त टाउँमे या ब्रतन तरे ना धरगें, पर भितार जानबारे सबैके उजियारो देवए करके आरोमे धरत हए ।³⁴तुमर शरिरको दिया तमुर आँखी हए, तुमर आँखी ठिक हए त तुमर सारा शरिर उजियारो हुईहए, पर खराब हए कहसे ,तुमर शरिर फिर अध्यारो हुई हए ।³⁵तहि मारे साबधान रहौं, तुमरमे भव उजियारो अँध्यारो ना होबए।³⁶अगर तुमर शरिर उजियारोसे पुरा हए कहसे ,औ कोई भाग अध्यारो नाहए कहसे ,बा सब उजारो हुई हए ,अइसिए दियाके जैसो तुमर पुरी शरीर उजियारो हुइहए ।³⁷जब बा बोल डारि रहए, फरिसी बाके अपनो घरमे खानके ताही बुलाइ । बाके पिछु येशू गओ और आड लैके बैठगओ ।³⁸खानु खानसे पहिलेहात ना धोनको बजैसे फरिसी अचम्मो मानगए ।³⁹पर प्रभु उनसे कही, तुम फारिसी कटोरा और गिलासके बहेर त माजत हौ, पर भितर त लुट और दुष्टतासे भरे हौ ।⁴⁰हे मुख आदमी तुमके जौन बहेरको भाग बनाई, बेहे फितरको फिर बनाई हए कि ना ?⁴¹पर भितरको दान स्वरुप देबौ ,और तुमर ताहि सब चिज शुद्ध हुई जए हए ।⁴²पर तुम फरिसिनके धिक्कार ! कहेकी तुम पुदिना,आरुद और हरेक जडिबुटीको दशांश देत हौ,पर परमेश्वरको प्रेमको धार्मिकाके बेवास्ता करत हौ । पर तुमके परमेश्वरको प्रेम और धार्मिका तराहा काम करन रहए । बे काम करन तुम कमजोर मतहैओ ।⁴³“तुम फरिसीके धिक्कार ! कहेकी तुम सभा घरमे मुख्य मुख्य आसन और बजारमे आभिवादन लेन तुमके अच्छो लगत हए” ।⁴⁴“तुमके धिकार ! कहेकी तुम बा मरघटके गड्डा हानी हौ, जो ना दिखात हए,और चालै ना पाएके आदमिन बिनके उपर नेगत हए” ।⁴⁵“ब्यबस्थाको पण्डित मैसे एक आदमी बा से कहि, “ गुरु जी जा बात कहेके तुम ता हमर फिर बेज्जत करत हौ ।⁴⁶बा कहि, “तुम ब्यबस्थाके पण्डितनके फिर धिक्कार ! बोकन ना सीकन बारो बोझ आदमिक उपर लादत हौ ,पर तुम अपनै एक उडगारिसे फिर बा बोझ ना छुईतहौ ।⁴⁷“तुमके धिक्कार ! कहेकी तुमर पुर्खनके मारके अगमवक्तानके (मृत्युके गड्डा तुम बनात हौ) , पर बिनके मारन बारे बीनके पुर्खा रहए ।⁴⁸आईसी तुम अपन पर्खाको साक्षी हौ,और उनकेसँग सहमत जनाए,कहेकी बे बा समयके अगम वक्तानके मारि रहए और जौनको मृत्युको गड्डाके तुम आज तकके यदगारके ताही बनाए हओ ।⁴⁹जहमारे परमेश्वरको बुद्धिसे फिर कहत हौ,‘मए उनके ठिन अगमवक्ताको और प्रेरितके पठामंगो और बे मैसे कोइके मरहए और कोइके सतामंगे।⁵⁰ससारको सुरुसे सब अगमवक्ताको रक्तपातको लेखा जा पुस्ताकेसँग लेमंगे ।”⁵¹हँ , मए तुमसे कहत हौ,हाबिलकि खूनसे लैके वेदी और मिन्दिरको पबित्रा स्तानको माझमे मरे भए जकरिया तक खूनको लेखा जा पुस्ताकेसँग लेमंगे ।⁵²“ तुम ब्यबस्थाके पण्डितके धिक्कार ! कहेकी तुम ज्ञानको चाभी लेन त लए, पर तुम अपनै फिर भितर घुस ना पाए और घुसन बालेनके फिर रोकत हौ ।⁵³जब बा हुवासे निकरो तब शास्त्री और फरिसी बाको घोर बिरोध करत , बहुत बिषयमे बासे पुछन लगो ।⁵⁴और बाको मुहुसे निकरी भई बातमे बाके पकणन दाउमे बैठे ।

Chapter 12

¹जेहए समयमे जब हजारीकि भिण जम्मा भव , यित्तो तक्की एक दुसरेके चिबदान लागे , बा पहिले अपन चेलानसे कहन लागे , “ तुम फरिसीको खमिरसे होशियार बैठौ । बा खमिर बिनको कपट आचरण हए ।²तुपो अईसो कोइ बात नाहया , जो प्रकट नाहुईहए , छिपो कोई बात नाहया , जो पता ना लगत हए ।³हजेमारे जो तुम अध्यारोमे कहे हौ , बा उजोयारोमे सुन होवओ । गुप्त कोनोमे कहि बात घरको छानीसे प्रचार होबैगो ।⁴मेरे संगीयो , मए तुमसे कहत हौ , बिनसे मत डरावओ जोन शरिरमे मारत हए , पर बासे पच्छु और कुछ ना कर पएहए ।⁵पर कोनसे डरान पणत हए , मै तुमकए चेताउनी देहौओ । बहेसे डरान पणत हए , जौन शरिरके मारके पिच्छु नरकमे फेकदेनबारी अधिकार हए । मए तुमसे कहत हौ , बिनसे डराबौ ।⁶का दुई पैसामे पाँच चिरइया ना बिकत है ? बे मैसे एक फिर परमेश्वर ना भुलतहए ।⁷पर तुमर त मुणक बारसमेत गिने हए । जहेमारे मत डराबौ , तुम बेढम चिरइयासे जाद्धा मोलके हौ ।⁸मए तुमसे कहत हौ , सबए जो मोके आदमिक सामने स्वीकार कर हए , बाके आदमिक पुत्र फिर परमेश्वरके दुतके अगु स्वीकार करैगो ।⁹“पर जौन मोके आदमीक अगु आस्वीकार करहए , परमेश्वरके दुतके अगु आस्वीकारय होबैगो ।¹⁰हरेक जौन आदमीक पुत्रके बिरुद्धमे बोलैगो , बके क्षमा होबैगो , पर जौन पबित्र आत्माके बिरुद्धमे निन्दा करैगो , बाके क्षमा ना हुईहए ।¹¹जब माए तुमके सभा घर, शासक और अधिकारीक सामने लमङ्गे , तव तुम कैसे और का जवाफ दे हओ , औ का कहान पणैगो बा चिन्ता मत करियो ।¹²काहेकी बहे बेरा तुमके का कहन पणैगो पबित्र आत्मा तुमके सिखाबैगो ।¹³भिणसे एक जनि बासे कहि , “गुरु जी मिर ददासे कहि देओ , और बा अंशबण्डा कर देबए ।”¹⁴“तव बा बासे कहि” , मित्र कौन मोके तुमर उपर न्याय करन , औ तुमर सम्पत्ति बाँटदेन बरो बनाओ ?”¹⁵“बा बिनसे कहि” , होशियार रहबौ , सब तरह के लालच से बचके काम करौ , काहेकी आदमिक जिन्दगी बके धन सम्पत्तिके प्रशस्ततामे ना रहात हए ।¹⁶बा बिनसे एक दृष्टान्त कहि , कोई एक जनि धनी आदमिको जमिनमे बहुत उब्जनी भव ।¹⁷बा मनएमनमे गुनत्र लागो , मेरो अन्न धरन ताहि बिच्चा मिर ठिन नाहया , अब मए का करौ ?¹⁸तव बा कहि , ‘मए अईसो करङ्गो अपन बाखारी फोणके और बणी बनामंगो , और मिर सब अनाज और मालसमान बहेमे धरङ्गो ।¹⁹तव मए अपन प्राणसे कहमङ्गो ।’ ए प्राण बेढम बर्ष तक् प्रशस्त सम्पत्ति तेरे ताहि जमा करो हौ । सुख-चैनमे बैठो , खा, पी और मजा कर ।²⁰“तव परमेश्वर बासे कहि , ए मुख आज रातके तेरो प्राण तोसे छिन लेहए है , और जो चिज तै अपन ताहि जम्मा करो हए , बा कौन को हुईहए ?²¹अपन ताहिं धन-सम्पत्ति जम्मा करनबारी , पर परमेश्वरको दृष्टिमे धनी नाहोनबारी आदमीक अवस्था अईसी हुई हए ।²²बा अपन चेलासे कही , “जहेमारे मए तुमसे कहत हौ , अपन प्राणके ताहिं का खामौ और शरीर के ताहिं का पैधओ कहिके चिन्ता मत करओ ।²³कहेकी प्राण भोजन से ओर शरीर लत्तासे बाणो हए ।²⁴कौवानके विचार करौ ; बे ना बोटहए , ना काटत हए , ना त कुठिया , ना बखारी हए , तव फिर परमेश्वर बिनके खबात हए । तुम चिरैयानसे बहुत मोलके हौ ।²⁵तुमर मैसे कोई फिकर करके अपन आयुके एक घडी तक फिर थप सकत हए ?²⁶जहेमारे तुम यितका छोटी काम करन फिर ना सकतहौ कहेसे , औरबातक चिन्ता काहे करत हौ ?²⁷लिली फुलाके विचार करौ , कैसे बे बढत हए , न त बे परिश्रम करतहए , ना त मेहनत करतहए , पर मए तुमसे कहत हौ , सोलोमन राजा फिर अपनो सारा गौरवमे जे मैसे एक विभुषित ना रहए²⁸पर आज होन बारी और कल आगीमे डारदेनो मेदानक घांसके परमेश्वर अईसी आभुषित करत हए कहेसे , ए अल्पविश्वासि , बा तुमके और कित्तो जाद्दा आभुषित कर हए ।²⁹का खैहौं का पिहौं कहिके तुम दुढत मत बैठो और चिन्तित फिर मतहोबौ ।³⁰कहेकी संसारके सब आदमी जाबातके दुणत रहतहए । तुमर पिता जानत हए कि तुमके जे बातके जरूरत हए ।³¹पर परमेश्वर राज्यको दुणओ , और जे सब बात फिर तुमके देबैगो ।³²छोटो बगाल , मतडरबओ । कहेकी तुमके राज्य देनताहिं तुमर पिता खुशि हए ।³³तुम अपन सम्पत्ति बेचके दान देबौ । अपन ताहिं खराब ना होनबारी थैली बनाओ । स्वर्गमे कबहु नष्ट ना होन धन स्वर्गमे संचय करौ । हुना चुट्टा ना लगतहए और किरा फिर नलागत हए ।³⁴कहेकी जहां तुमर धन हए , हुवा तुमरो मन फिर होतहए ।³⁵तुम अपन करेहांवा कसओ और तमर दिया पजरी राहाबहए ।³⁶तुम बे आदमीक जैसे होबओ , जो अपनो मालिक भोजसे घुमके आपके फाटक ढकढकय हए , बे बक ताहिं फाटक जल्दी खोले हए ।³⁷बे नोकर धन्यके हए , जौन मालिक घर आपके बिनके जगो पात हए । नेहतैए मए तुमसे कहातहौं , बे अपन फेटा कसके बिनके खान बैठात हए , और आपके बिनके सेवा करत हए ।³⁸अगर बे आधीरातमे बासे और देरमे आपके फिर नोकरके जगो पातहए कहेसे बे धन्यक हए ।³⁹पर जा जानेकी , कि चुट्टा कौन बेरा आतहए कहिके घरके मालिक जानते त बे जगके बैठते और चुट्टानके घर फोरन और घुसन ना देतो ।⁴⁰तुम फिर तयार राहाबौ , कहेकी तुमके ना सौंचो समयमे आदमीको पुत्र आबैगो ।⁴¹पत्रुस कही , “हे प्रभु का जा काहानी हमर ताहिं इकल्लो बताए हौ , कि और सबके ताहिं ?”⁴²प्रभु कहि , “बा विश्वासयोग्य और बुद्धिमानि भण्डारे कौन हए , जौन बक मालिक अपन परिवारके खास समयमे बिनके भागमे पणो खानु देनताहिं खटाबैगो ?⁴³बा दास धन्यक हए , जो बाक मालिक आतपेती अईसीए करत पाबैगो ।⁴⁴निहतैए मए तुमसे कहात हौं , बे बक अपन सारा सम्पत्ति उपर अधिकार देबैगो ।⁴⁵तव बा दास अपन मनमे , मिर मालिकके आन देर हुईहए कहेसे कमैया और टाहलुनके मारन लागो , और बा खात , पित दाखमधसे मत्तात हए ।⁴⁶बा आशा नाकरो दिन मे बक मालिक घुमकेअबैगो , जैन समय बक पता ना होबैगो । और बाक दण्ड देबैगो , और बा अविश्वासीनके ताही तयार करोभओ जगहमे बाको नियुक्ति करैगो ।⁴⁷अपने मालिकके इच्छा जानके तयार ना रहनबारी और बिनको इच्छाजैसी ना रहनबारी दास त जाद्दा पिटाई खाए हए ।⁴⁸पर मालिकके इच्छा ना जानके पिटाई खान योग्यके काम करनबारी थोडी पिटाई खाबैगो । प्रत्येक जौनके बेढम दइ हए , बासे मागेगो , और हरेक जौनके बेढम सौपी रहए , बासे जद्दी लेबैगो ।⁴⁹मए पृथ्वी उपर आगी वेषन आओ हओ , और मए जो चाहत रहओ बा हुइगओ हए ।⁵⁰एक बत्तिस्मा हए , जो मोके लेनैपणैगो । बा पुरा ना होन तक मके बेढम कष्ट भोगन पणैगो ।⁵¹का तुमके सम्झात हओ कि मए पृथ्वीमे शान्ति लान आओ हाओ ? ना , मए तुमसे कहत हौं , बरु मए अलग-अलग करन आओ हौं ।⁵²कहेकी अब उइसो एक , परिवारमे पांच जनी एक दुसरेमे फुट हुईहए , तिन जनिके विरुद्धमे दुई और दुई जनीके विरुद्धमे तिन ।⁵³बिनके बिचमे फुट हुईहए दौवाक विरुद्धमे लौणा और लौणाके विरुद्धमे दौवा , आइया लौणीया विरुद्धमे और लौणीया आइयाक विरुद्धमे सास बहुक विरुद्धमे और बहु सास के विरुद्धमे ।⁵⁴येशू भीणसे फिर कहि , “तुम पछारघेन बादर उठत भओ , देखके जल्दी कहत हौं , “पानी पणैगो , और उइसीए होत हए ।⁵⁵जब दखिखन को हवा चलत हए तव तुम कहत हौं , धामो होबैगो , और उइसीए होतहए ।⁵⁶ए कपटीओ , तुम आकाश और पृथ्वीक लक्षणके बतात जानत हौं , पर वर्तमान समयके बारेमेअर्थ लगान काहे ना जानत हौं ?⁵⁷कौन बात ठीक हए कहिके तुम अपनै कहे निर्णय नकरत हौं ?⁵⁸“तुम उजुर करनवालेसंग हाकिम ठीन जानसे पहले , डगरमे बासे मिलाप करौं , न त बा तुमके न्यायधिष ठीन तानके लैजाएहए , और न्यायधिष तुमके अफसरके हातमे सैंप देहए , और अफसर तुमके जेलखानामे डार देहए ।⁵⁹मए तुमसे काहतहौ , तुम एक-एक पैसा ना तिरनतक बाहुनासे ना छुटाबैगो ।”

Chapter 13

¹बही समय हुवा किन्तो उपस्थित रहए, जौन बे गालीलीके बारेमे बासे कही, जो पिलातस हत्या करके बिनको खुन बलि भव पशुको खुनकेसंग मिलाएदैइ रहए।
²तव येशु बिनके जवाफ दाईके कही, "बे अइसो कष्ट भोगी कहेसे, का तुम मानतहौं, जे गालीलीनके और सब गालीलीसे जाध्दा पापी हए ? ³मए तुमसे कहतहौं, अइसो नाहए, पर तुम पश्चात्ताप ना करहौ कहेसे तुम सब अइसीए नाश होबैगे।⁴औ का तुम मान्त हौं, बे अठार जनी, जो सिलोआममे धरहरा गिरके मरे रहए, कि बे सब यरुशलेमवासी मैसे जध्दा अपराधी रहए ? ⁵उइसो नाहए, पर मए तुमसे कहतहौं, तुम पश्चात्ताप ना करहौं कहेसे, तुम सब अइसीए नाश होबैगे।
⁶येशू जा काहानी कही ; "कोई आदमी अपनो दाखबारीमें एक दाखको लगाई रहए। बा पेणमे फल फरो कि कहिके बा आओ, ⁷तव बा मालिसे कहि, तीन वर्ष हुइगओ, मए जा दाखको फल ठुणत हौ, पर ना पाओ। जाके काटके गिराएदेओ, जा जमिन कहे अगोटे हए ?⁸पर माली कही, "हजुर, जाके और एक वर्ष रहन देओ। मए जाके आसपास खोदके मल डारंझो, ⁹और तव फल फलहै कहेसे ठिकै हुईहए, ना फलहै कहेसे तुम जाके काटके गिरायदीओ।"¹⁰येसू शबाथ-दिन कोई एक सभाघरमे बा शिक्षा देत रहए।¹¹हुवा एक बैयर रहए,जोके अठारा बर्षसे बाके कमजोर करन बालो भुत लगे रहए। बा ढुकी हुईगई रहए,और अपन पुरो रुपसे सुध ना हुई पात रहए।¹²येशु बाके देखी,और बुलाएके कहि "ए नारी,तए अपनो कमजोर से मुक्त भव।"¹³तव बा बक उपर अपनी हात धरी,और बा तुरन्तै सुध हुईगई और परमेश्वरको प्रशंसा करन लागि।¹⁴सभाघरके शासक गुस्सा भए, कहेकी येशु शबाथ-दिनमे अच्छो करि रहए,और बे आदमीसे कहि, "काम करन छै दिन हए। जहेमारे जा छै दिन भितर आएके अच्छो होबौ,शबाथ-दिनमे ना।"¹⁵पर प्रभु जवाफ दर्ई, कपटी तुम ! तुमर मैसे कौन शबाथ दिनमे सार और तबेलासे अपन बर्था कि गधा खोलके पानी पिबान ना लैजात हए ?¹⁶अब्राहम कि जा लौडिया जो अठारा बर्ष तक शैतानके बन्धनमे रहए, शबाथ-दिनमे जा बन्धनसे,बा मुक्त होन नाहया का ?"¹⁷जब बा जा बात कहि, बके बिरोधी सबए सर्म मे पणगए, पर बाको करोभव सब महिमा मए काममे आदमी आनन्दित भए।¹⁸तव येशू कहि "परमेश्वरको राज्य का जईसो हए ? बाको तुलना मए कैसे करऔ ?¹⁹बा रायाक बिजको एक दाना जईसो हए, जो एक आदमी लईके अपन बारिमे लगाई,और बा बढके एक रुखा हुईगओ और आकाशके चराचुराङ्गी (चिराईया)बाको होंगामे घुरघुसला बनाई।"²⁰फिर बा कहि "परमेश्वरको राज्यके मए कौनसे तुलना करौ ?²¹बा खमिर जैसो हए,जो एक स्त्री पच्चिस किलो चुनमे मिलाई,और पुरो चुन खमिर हुईगओ।"²²अब शहर-शहर और गाउ-गाउ हुईके यात्रा करतए शिक्षा देत बा यरुशलेम घेन गओ।²³कोई एक जनि बासे पुछि, "प्रभु का उद्धार पान बारो थोरि ही हए ?" पर बा बिनसे कहि²⁴पतरो फाटकसे जान प्रयाहस करओ,काहेकी मए तुमसे कहत हौ, गजब जनि घुसन ढुणङ्गे, पर ना जा पए हए।²⁵एक बार घरको मालिक उठके फाटक बन्द करके पिच्छु,तुम बाहिर ठाणके अईसी कहात फाटक ढक ढकाबईगे, प्रभु हमर ताहि फाटक खोलदेओ, ताकि हम भितर अए सकै।, और बा जवाफ दैके तुम कहाबैगो "मए तुमके ना चिनत हौ औ तुम काहासे आए हओ ?²⁶तव तुम कहाबैगे हम तुमर सामने खाए और पिए,और हमर गल्लीमे तुम शिक्षा दए रहौ।"²⁷बा कही, 'मए तुमसे कहत हौ,तुम कहाँसे आए हौ, मए तुमके ना जानत हौ। दुष्ट काम करनबारे, मोसे दुर होबौ।"²⁸जब तुम अब्राहम इसहाक,याकुब और सब अगमबक्ताके परमेश्वरको राज्यभितर देखैगे, तव तुम अपनै बाहिर फेके जईहौ,तव तुम बिलाप करै गे और दाँत किटकिटा बैगे।²⁹आदमी अगर पछार सिरे और दखिन्नसे आएके परमेश्वरको राज्यको भोजमेस बैठाङ्गे।³⁰देख,पच्छुबारो अगु और अगु बारो पिछु हुईहए।³¹तुरन्तय कुछ फरिसी आपके बासे कहि, बहुनासे निकरके चले जाबऔ, कहेकी हेरोद तुमके मारन चहात हए।³²बा बिनसे कहि, "जाएके बा सेरा से कहा,देख आज और कल मए भुतके भजामङ्गो और अच्छो करन बारो काम करङ्गो,तव तिस्रो दिन मेरो काम पुरो हुईहए।"³³तव फिर आज कल और परसौ फिर मए लगातार देन जरुरी हए,काहेकी येरुशलेमसे बाहिर कोई एकअगमबक्ताको मारन उचित ना हए।³⁴यरुशलेम ए यरुशलेम तए अगमबक्ताके मारत हए,और तिर ठिन पठाए भएके उपर पत्थर बर्सात हए ! जैसे मुर्गिया अपन बच्चनके पखमा तरे लुकात हए, उइसिए मए किन्तो चोटी तिर बालकके लेन इच्छा करो, पर तए ना मानो।³⁵देख, तेरो घर उजणो हए। मए तोसे कहत हौ,जब तक तए, "धन्य हओ प्रमप्रभुको नाउँमे आनबारो " ना कैहओ, तब तक मोके न देखैगे।"

Chapter 14

¹एक शबाथ दिनमे-बा फरिसीके कोई एक जनि शासकको घरसे खान गओ । फरिसी बाकी चेवामा बैठेरहए । ²जलग्रह रोगसे पिडित भव एक जनि आदमी बक सामने रहए । ³येशु व्यवस्थापक पण्डितसे और फरिसीसे पुच्छी "शबाथमे अच्छो करन उचित हए कि नाहए ?" ⁴पर बे चुप लागेरहए । और बा रोगिके शरिरमे हात धरके अच्छो करि और बाके जान दै । ⁵तव बा बिनसे कहि, "तुमर मैसे अपन बर्धा औ गधा सबाथ-दिनमे कुईयामे गिर गओ कहेसे बाके तुम ना निकारए गे ?" ⁶तव बे जा बातकी जवाफ न दैपाई । ⁷तव भोजमे आए भए पहुना आदरको स्थान छानि देखके बा बिनके एक कहानी कहि । ⁸"बिहाको भोजमे आए भए पहुना आदरको निउतो पाएहौ कहेसे आदरको स्थानमे मत बैठौ ! तुमसे जाधा ईज्जत बारो आदमी बा हुवा निउतो पाई हुईहए । ⁹जब बुलाए भए दोनो जनीआमङ्गे बा तुमसे आपके काहाबैगो , जिनके बैठन ठउँ देबौ' और तुम त शर्मके मारे सबसे तरेको स्थानमे बैठन पणैगो । ¹⁰पर जब तुम निउतो पाएहओ , जाएके तरेके ठाउँमे बैठओ , और मेजमान आपके तुमसे कहबैगो ; ए मित्र उपर जाएके बैठौ । बा समय (बेरा) तुमरसंग खानु खान बैठन बारेक सामने तुमर इज्जत होबैगो । ¹¹कहेकी हरेक जो अपनएके उचो बनातहए बा निचो होबैगो , और अपनएके निचो बनानबारो उचो बनैगो । ¹²तव बाके निउतो देनबारेसे फिर बा कही ; तुम सबेरे या साँझाके भोज लगातपेती, अपन मित्रके , अपन ददाभैयाके औ तुमर कुटुम्बके औ धनी पडोसीके निउतो मतदेबौ नत बे फिर सट्टामे तुमके निउतो दैके तुमर गुन चुकाएदेहए । ¹³पर जब तुम भोज लगातपेती , गरिब , लुला , लडडा , अन्धा के बुलाओ , ¹⁴और तुम अशिष पाबैगो , कहेकी बे तुमर गुण घुमाए ना पामङ्गे । पर मृत्युसे धर्मीको पुनरुत्थान होत तुम जाको प्रतिफल पाबैगो ।" ¹⁵बाकेसंग खान बैठन बारे मैसे एक जनी जे बात सुनके कही, "बा धन्य हए , जो परमेश्वरको राज्यमे भोज खाबैगो ।" ¹⁶पर बा बासे कही ; कोइ एक आदमी सांझक एक बणो भोज तयार करी ,और बेढमके निउतो दई । ¹⁷जब भोज तयार भओ बा अपन नोकरके भोजन खान समयमे निउतो पाए भएके आइसो बुलान पठाई ; सब चिझ तयार हए । ¹⁸पर बे सब समान रुपमे एकैहानी बहाना बनानलागे । पहिलो बासे कही , मए एक खेत मोल लओ हौ, मोके बा देखन जान पणैगो , मए बिन्ती करत हओ, मोके माफ करौं । ¹⁹फिर दुसरो कही ,मए पाँच गोई ब्रधा किनो हओ , मए बे देखन जएहौ । मए बिन्ती करत हओ , मोके माफ करौं" ²⁰फिर एक और कही, मए बिहा करो हौ , जहेमारे मए नअए पएहौ । ²¹तव नोकर आपके अपन मालिकके जा बात कहीदैइ तव बा दिक्काएके अपन नोकरसे कही , सहेरके डगरमे और गल्लीमे जल्दी जा और गरीब , लुला , अन्धरा लडडाके हिया भितर लिया ' ²²तव नोकर कही , हजुर तुमर आज्ञा करो भओ जैसो काम भव हए , फिरभि और ठाउ खाली हए । ²³मालिक नोकरसे कही , मेन डगर और गल्लीमे हुईसे जाएके आदमीके भितर आन कर लगाओ , और मिर घर भरए । ²⁴कहेकी मए तुमसे कहत हौ , निउतो पाएभएसे कोई फिर भोजको स्वाद चाखन ना पामङ्गे । ²⁵आदमीको बडो भीण बकसंग जातरहए , और बा घुमके बिनसे कही , ²⁶अगर कोई मिरठीन आबैगो , और अपन दौवा अईया , बैयर , लौणा – लौडिया और ददाभैया , दिदीबहिनीयाके अपन प्राणके समेत तुच्छ नठानैगो कहेसे , बा मेरो चेला न हुईपए हए । ²⁷जौन आदमी अपन क्रुस बोकके मेरे पिच्छु ना लगत हए कहेसे , बा मेरो चेला न हुईपए हए । ²⁸तुम मैसे कौन हए , जौन कोई एक धरहरा बनान इच्छा करतहए कहेसे , बा धरहरा बनाएके खतम करन खर्च अपनठीन हए कि नहए कहिके का बा अगुसे हिसाब ना करहए का ? ²⁹नत बा जग बैठाएके पिच्छु निभटाए नापाईहए कहेसे बाके ,देखके सबए बासे अइसो कहीके हँशी उणए हए और काहमङ्गे , ³⁰'जा आदमी बनान त लागो पर निभटाए ना पाइ । ³¹औ कौन राजा हुइहए जो राजासँग लडई करन जात अपनसँग भव दश हजार बाके विरुद्धमे आनबारो बीस हजार सेनासे लडई करपएहौ कि नकरपएहौ कहिके पहले बैठके सल्लाह न करहए का ? ³²बा नकरपएहए कहेसे , बा दुसरो राजा दुर होत मिलापको शर्त पुछन राजदुत पठाबैगो । ³³जहेमारे तुमर मैसे अपनसँग भव सब चिझ नछोणैगो कहेसे बा , मेरो चेला ना हईपए हए । ³⁴नुन अच्छो हए , और नुन खल्लो भव कहेसे , कासे बा नुनाईन हुइहए ? ³⁵बा न त जमिनके ताहि , न खादके ताहि काम लागनबारो हुईहए । आदमी बाके मिलाएदेतहए । जौनके सुनन के कान हए , बे सुनए ।"

Chapter 15

¹अब सबए कर उठानबारे और पापी बाको वचन सुनन बाकेठीन आतरहए । ²" जा आदमी त पापीके ग्रहण करतहए , और बिमके संग खानपिन करत हए " कहीके फरिसी और शास्त्री गनगन करन लगे । ³तव येशू बिनके जा काहानी कही । ⁴" तुमर मैसे कोइ आदमी हुइहए , जौनको एक सौ भेडा रहए बिन मैसे एक हारत हए , उनानसौके वनमे छोडके हराओ भव भेडाके नपानतक्क बाके दुणत राहत हए ? ⁵हराओ भव भेडा पाएके पिच्छु खुशी होत बाके अपनो कथांमे धरत हए । ⁶और घरमे आएके बा अपन मित्र और पडोसीनके बुलातहए , और बिनसे कहत हए , मिरसंग रमाओ कहेकी मए अपनो हरनो भेडा पाओ हओ । ⁷मए तुमसे कहत हौं , अइसी पश्चात्ताप न करन बारे उनानसौ धर्मी जन के तही पश्चात्ताप करन बारो एक जनी पापीके ताही स्वर्गमे गजब आनन्द हुइ हए । ⁸कौन बैयर हुई हए जौनके ठीन दश चांदीके सिक्का मैसे एक हराए गओ , तव दिया पजरके बा बाके ना पानतक घर बुढारके मेहनतसे न दुणहए तव ? ⁹हराओ भव सिक्का पाएके पिच्छु बा अपन संगी और पडोसीनके बुलाएके कहत हए , मिरसंग रमाओ , कहेकी मए मेरो सिक्का पाएगओ हओ । ¹⁰मए तुमसे कहत हौ , अइसी पश्चात्ताप करन बारे एक जनीके ताहि परमेश्वरके स्वर्गदुतके सामने आनन्द होत हए । ¹¹"येशू बिनसे कहि , "कोई आदमिक दुई लौणा रहए । ¹²छोटो त दौवासे कहि , दौवा , मेरो भागमे पणन बारो धन-सम्पत्तिको हिस्सा मोके देएओ । ¹³तव बा अपन सम्पत्ति बिनके बाटदैई । ¹⁴बहुत दिन नाहोतय सबए धन-सम्पत्ति बटेरके छोटो लौडा दुर देशंमे चलो गओ , और बा हुना मोजमजा करनमे अपन सम्पत्ति उडाए डारी । ¹⁵बा सबए रुपियांपैसा खर्च करडारी रहए । बहे समए बा देशमे बडो अनिकाल पडो रहए , और बाके घटीकमी होन लागो । ¹⁶बा गओ , और बा देशको एक जनी नागरीक ठिन काम मागी । बा अपन खेतमे सोरा चुगान पठाई । ¹⁷सोरा खान बारो चुगासे बा अपन पेट भरन चाहत रहए , तव कोई बाके कछु न देत रहए । ¹⁸जब बक होस खुली , तव कहि , मिर दौवाके गजब काम करनबारे लेबर चाकर पेट भरके खाएके , उबार जात हए , पर मए त भुकसे मर रहो हौं ! ¹⁹मए उठके अपन दौवाठीन जए हओ , और बासे कएहओ , 'दौवा,मए स्वर्गके विरुद्धमे और तुमर नजरमे पाप करो हौ । ²⁰अब मए तुमर लौडा कहानको योग्य नाहओ । मोके तुम काम करन बारे लेबर चाकर मैसे एक बिनही कता बनाए लेबओ । ²¹तव बा उठके अपन दौवा ठीन गओ । बा दुर होत बक दौवा बाके देखी , बा दयासे भरगओ ,और दौडके गओ बाके गलबडया डारके बाके चुम्बन करी । ²²लौडा अपन दौवासे काही , "दौवा मए स्वर्गके विरुद्धमे और तुमर नजरमे पाप करो हौ । मए फिर तुमर लौडा कहनको योग्य ना हओ । ²³पर , "दौवा त अपन कमान बारे लेबरसे कही , जल्दी सबसे अच्छो लत्ता लाएके बाके पहीदाए देव , बाके हातमे आँगुठी और जुत्ता लगाएदे । ²⁴और तजानो भव पशुके मारओ , हम खाएके आन्नद बाना मए । , ²⁵काहेकी जा मेरो लौडा मरो रहए , फिर जिन्दा भव हए , हरानो रहए ,और मए पाए गओ हओ । तौबे आन्नद मनान लागे । ²⁶बा समय बाको बडो लौडा खेतमे रहए और बा घर ठीन पुगो तव नाचगानाको आवाज सुनि । ²⁷बा चाकर मैसे एक जनिके अपनि ठिन बुलाई ; जा का होत हए कहेके पुछी । ²⁸बा बासे कहि,तुमर भैया आईगओ हए,और तुमर दौवा पालो भव मोटो पशु मारी हए । काहेकी बा सहीसलामत घुमो हए । ²⁹पर बा दिक्काई गओ , और भितर जान नामनी , और बाको दौवा बाहीर जाईके बाके मनान लागो । ³⁰पर बा दौवासे कहि,देख ईत्तो साल मए तुमर सेवा करो,और तुमर अज्ञा कभी उल्लंगन ना करो , तहु भिर मए अपन सङ्गि सँग आन्नद मनानके तुम मोके एक बकरा फिर कभी ना दए । ³¹पर तुमर सम्पत्तिके बेथनके सँग उडान बारो तुमर लौडा आतए तुम पालो भव मोटो पशु बाके ताहि मारे । ³²तव बा बासे कहि , ' लौडा ताए त मिर सँब हर समय हए और मिर सबए सम्पत्ति तेरि हए । ³³पर हमके आन्नद मनान और खुसी होन ठिक हए , काहेकी जा तेरो भैया मरगओ रहए ,फिर जिन्दा भव हए,हरानो रहे ,और पाएगए हौ ।"

Chapter 16

¹येशु अपन चेलासे कहि, “कोइ धनी आदमीक एक जनी व्यवस्थापक रहए । तभैमारे अपन मालिकको धन सम्पत्ति उडाई रहो हए जा आभियोग वक विरुद्धमे लागो रहए । ²तव मालिक बाके बुलाइके कहि, तिर विषयमे जा मए का सुन रहो जा का हैं ? व्यवस्थापकको कामको हिसाब मोके दे अब अगु तए व्यवस्थापक ना रहैगो । ³तव व्यवस्थापक अपन मन मनै कहि, अब मए का करओ काहेकी मिर मालिक मोसे व्यवस्थापक को काम छिनाए रहो हए । जोतन खोदन मिर ताकत ना है, भिख मागन मोके शर्म लागत है । ⁴अब मोके का करन पणैगो मए सोच लौहौ । व्यवस्थापन को कामसे निकारके आदमी मोके अपन घरमे कैसे स्वागत करए कहीके मए अइसो करइहो । ⁵तव बा मालिकको ऋणीनके एक-एक के बुलाई, और सुरु बालोसे कहि, तिर मालिकको ऋण कित्तो है ? ⁶बा कहि, तिन हजार लिटर तेल । तव व्यवस्थापक बासे कहि, तिर तमसुक ला , और जल्दी बैठके पन्था सय लिटर लिख । ⁷फिर दुसरे से कहि, तिर कर्जा कित्तो हए ? बा कहि, तिन सय पचास कुन्टल गेहुँ । ⁸बा जासे कहि, तिर तमसुक ला और तिन सय कुन्टल लिख । ⁹अब बाको मालिक बा अधर्मी व्यवस्थापकको तारीफ करी काहेकी बा चलाकीसे काम करी रहए । काहेकी जा संसारको आदमी अपनी पुस्ताके और आदमीसंग व्यवहार करत ज्योतिके सन्तानसे और जध्था चलाक होत हए । ¹⁰मए तुमसे कहत हौ , अपनो तहि संसारको धनसे मित्र बनाबौ, और जब धन नास हुईहे , तव बे तुमके अनन्त वासस्थानमे स्वागत करए । ¹¹जौन थोरी बातमे इमानदार होत है, बा जध्थामे फिर इमानदार होत है, और जो थोरी बातमे बेमान होत है, बा जध्थामे फिर बेमान हित है । ¹²जहैमारे तुम संसारिक धनमे इमानदार ना हुई हओ कहैसे , तुमके साँचो धनको जिम्मा कौन देहए ? ¹³अगर तुम दुसरेके धनमे इमानदार ना हुई हओ कहैसे , तुमर अपनो धन तुमके कौन देहए ? ¹⁴कोई फिर सेवक दुई मालिकको सेवा ना करपए हए, काहेकी बा एकके घृणा करके दुसरेके प्रेम करत हए , औ एकके प्रती भक्ती दुसरेके तुच्छ मनहए तुम परमेश्वर और धन दोनोको सेवा ना कर सकत हओ । ¹⁵धनके लोभी फरिसी जा सब बात सुनके बाको हँशी करी । ¹⁶तव बा उनसे कहि , आदमीनके अगु अपनेके धर्मी ठहरानबारे तुम ही हौ । पर परमेश्वर तुमर हृदय जानत हए, काहेकी आदमीनके विचमे जो उच्च गिनोगओ हए , परमेश्वरके नजरमे बा तुच्छ ठहरैगो । ¹⁷युहन्ना आनसे अगु अगमवक्ता और व्यवस्था काम करत रहए । बे दिनसे परमेश्वरको राज्यको सुसमाचार प्रचार करी हए, और सब आदमी बा राज्य भितर जवर जस्ती पूर्वक कोसिस करत है । ¹⁸पर व्यवस्थासे इकल्लो मिटनसे स्वर्ग और पृथ्वी टलन सजिलो हए । ¹⁹जौन अपनी बैयर छोडके दुसरीसे व्यहा करत है, बा व्यभिचार करत है, और लोगासे छोडी बैयर व्यहा करन बारे फिर व्यभिचार करत है । ²⁰एक सेट आदमी रहए , जो बहुमुल्य लत्ता पतरो मलमल पैधके रोजदिन मनोरन्जनमे रहत रहए । ²¹बाके फाटक ठीन लाजरस नाउँको एक आदमी गरिबके लाइके धरदेत रहए । ²²बा सेट आदमिको टेबुल मैसे गीरो भव टुक्रा-टुक्री खाइके लाजरस अपन पेट भरन इच्छा करत रहए और कुत्ता फिर आईके बाको घाउ चाँटत रहए । ²³बा गरीब आदमी मरगओ , और स्वर्गदुत बाके लैजाइके अब्रहामके संगमे धरी, बा सेट आदमी फिर मरो और गाणोगौ । ²⁴नरकमे कठोर कष्ट भोगत पेती बा अपन नजर उठाइके देखि और दुरसे अब्रहाम और बक छातीमे आड लओ भओ लाजरसके देखि । ²⁵और बा जोडसे चिल्लाएके कहि , हे पिता अब्रहाम , मिर उपर दया करके लाजरसके पठाई दे , और बा अपन उंगरीको पोरा पानीमे डुबाईके मिर जिभके जुणो बनाए देबै, काहेकी मए जा ज्वालामे भयवडर दुःख पाए रहो हौ । ²⁶पर अब्रहाम कहि , तए याद कर , तय अपन जीवन कालमे अच्छि अच्छी बातके , भोगो करो और जा लाजरस दुःखए दुःख भोगी , बा अब हिया अराममे है , और तए कष्टमे हए । ²⁷जे सब बातसे औ , हिंयासे तिर ठिन , बा पार चाहन वारे ना जा पामए , और हुनासे हिंया हमर ठिन ना आ पामए , कहेके हमर और तुमर विचमे एक गजब गहिरो गड्डा है । ²⁸बा कहि , पिता जहैमारे मए तुमके विन्ती करत हौ, तुम बाके मिर दौवाके घरमे पठाए देओ , ²⁹काहेकी मिर पांच भइया हए , और बिनके चेतावनी देबओ , नत बे फिर जा डरलगान बारो कष्टमे आन ना पणए । ³⁰पर अब्रहाम कहि , विनके संगमे मोशा और अगमवक्ताको किताब हए बे बा सुनए । ³¹पर बा कहि, नाए पिता आब्रहाम , मरे मैसे कोई एक आदमी विनके ठिन जैहै कहैसे , बे पश्चात्ताप करइहो । ³²बा बासे कहि, मोशा और अगमवक्ताको बात बे ना सुनइहो कहैसे , मृत्युसे कोई जिन्दा हुइहे काहाबएगो कहैसे , बे विश्वास ना करइहो ।”

Chapter 17

¹येशु अपन चलन से कहि, " पाप करन लगान बारेके परिक्षा निहात्तय आतहए । पर धिक्कार बा आदमीके जौनके द्वाराबे आतहए । ²जौन आदमी जे छोटो मैसे एकके पाप करन लगात हए, बाके घँटीमे चकियाको पटा बाधके, बाके समुद्रमे फेक देनो बाके ताहि ठिक हुईहए । ³अपन बारेमे होशियार बैठओ । तुमर भईया अपराध करहे तव बाके डँटओ, और बा छमा मागत हए कहेसे, तव तुम बाके क्षमा करिओ । ⁴अगर तुमर सँगमे दिनमे सात चोटी तुमर बिरुद्धमे अपराध करि, और सातओ चोटी तुमरे ठिन घुमके आपके मए पश्चात्ताप करत हो । करके कहेहए, तव तुम बाके क्षमा करिओ । ⁵प्रेरित प्रभु से कहि " हमर बिश्वास बढाई देव । " ⁶प्रभु कहि, "तुमरमे रायाको दाना जित्तो फिर विश्वास हुईहए तुम तुतको रुखाके, तए उखडके समुद्रमे लग जा 'कएहो हओ, बा मानलेहए । ⁷तुमर मैसे कौनको नोकर खेत जोतके कि भेडा चुगाईके आएहए तव बा नोकरसे तुरन्त आपके खान बैठ कएहए का ? ⁸का बा बासे अईसे ना कएहए ? मिर ताहि खानू तयार कर फेटाकस, और खान पिन ना करन तक मेरो सेवा सत्कार कर । तव फिर तए खान पिन कर । ⁹अपनै अढाए जैसो काम करहे का तव बा नोकरके धन्यवाद देहएका ? ¹⁰अईसि तुमके अढोओ काम पुरा करके पिच्छु तुम फिर अईसि कएहो ! हम बिनालायकके दास हो, हम त अपन कर्तव्य ईकल्लो पालन करहए । ¹¹येशु यरुशलेम घेन जात रहए । जा यात्रामे बा समरिया और गालिलको सिमाना हुईके गओ । ¹²बा एक गाँउमे घुसत दश जनी कोढीसँग बाको भेट भओ । दुरसे ठाणके बे ¹³जोडसे चिल्लाएके कहि, हे येशु गुरुजी, हमर उपर कृपा करओ । ¹⁴बा बिनके देखके कहि " जाओ जाएके पुजहारी ठिन अपनएके देखाओ । बे जातए जात अच्छे हुईगए । ¹⁵बिनमैसे एक जनि अपना अच्छे हुईके देखी, और जोडसे परमेश्वरको महिमा करत घुमो । ¹⁶और येशुके धन्यवाद देत येशुके पाउमे घुपटा पडगओ । बा एक सामरी रहए । ¹⁷येशू कहि, "का अच्छे भए दश जनि नाहए का ? और नौ जनि कहाँ गए ? ¹⁸का जा बेदेशी बाहेक घुमके आनबारे, परमेश्वरको प्रशंसा करन और कोई नाहए ? ¹⁹और बा बासे कहि "उठ और अपन डगर लाग । तुमर बिश्वास तुमके अच्छो करि हए । ²⁰परमेश्वरको राज्य कब अएहए करके फरिसिको प्रश्नको जवाफमे बा बिनसे कहि, परमेश्वरको राज्य देखन जैसो ना आबैगो ²¹नाता आदमी कएहए, "देखओ हियाँ हए ! औ हुवाँ हए ! काहेकी देखओ, परमेश्वरको राज्य तुमर बिचमे हए । ²²बा चलनसे कहि, "बे दिन आमंगे, जब तुम आदमीको पुत्रके कोई एक दिन देखन इच्छा करैगो, तव तुम ना दिखहओ । ²³आदमीनके तुम कएहओ, देखओ बा हुवा हए ! औ बा हिया हए ! पर तुम मत जैओ, और, बिनके पिछु मत लगिओ । ²⁴काहेकी जैसी बिजली चमकत हए बादरको एक किनारे दुसरे किनारे तक उजियारो करत हए, आदमीको पुत्र फिरअपनो आन दिनमे उईसी हुईहए । ²⁵पर पहिले बा बहुत कष्ट शहन पणैगो । और जा पुस्तासे बहिस्कृत हुईहए । ²⁶नोआको दिनमे जैसो भव रहए, आदमीको पुत्रको दिनमे फिर उईसी हुईहए । ²⁷नोआ जहाज भीतर ना घुसन तक बे खात पित और विहामे जात रहए औ जलप्रलय आओ और सबैके खतम करदै । ²⁸लोटके दिनमे फिर उईसी भव रहए, आदमी खातरहए, पित रहए, किनमोल करत रहए, लगात रहए, तमान बातके बनात रहए । ²⁹तव जौन दिन लोट सदोमसे निकरो, आकाशसे आगी और गन्धन बसौ और सबके खतम करदै । ³⁰आदमीको पुत्र प्रकट होन दिनमे अईसी हुईहए । ³¹बा दिन जो घरके उपर हए, बाको मालमत्ता घरभितर हए कहिके बे बिनके लेन तरे ना आमए । उईसी खेतमे होनबारे फिर घुमके ना आमाए । ³²लोटकी बैयारके याद करओ । ³³जौन अपन प्राण बचान दुणैगो, सो बा गुमाबैगो और जौन अपनो प्राण गुमाबैगो, बाके बा बचाबैगो । ³⁴मए तुमसे कहत हो, रातके समयमे दुई जनि एक सँग हुईहए । एक जनि चलो जएहए और दुसरो छुटजए हए । ³⁵दुई जनि बैयार एकसँग चकिया पिसत हुईहए । एक चली जएहए, दुसरी छुटजए हए । ³⁶(दुई जनि आदमी खेतमे हुईहए, एक जनि चलो जएहए, दुसरो छुटजए हए ।) ³⁷और बे बासे पुँछि, "कहाँ प्रभु ? "बा बिनसे कहि, " जँहा डोमर होत हए, हुवा गिद्धा फिर ईकट्टा होतहए । "

Chapter 18

¹बे रोज प्रार्थना करतए रहामए और निराश ना होमए कहीके जहेमारे बा बिनसे एक काहानी कहि , ²बा बिनसे कहि, "कोई एक सहरमे परमेश्वरको डर ना माननबारो ,और आदमीक ख्याल फिर ना करनबारो एक जनि न्यायधिश रहए ।³बहे शहरमे एक बिध्वा रहए। बा बिनके ठिन आत रहए,और कहत रहए, 'मेरो वादिके अगु मेरो न्याय करदेओ ।' ⁴बा कुछ समय तक त ना मानी, और पिच्छुसे बा अपन मनसे कहि मए परमेश्वरको डर ना मानत हौ और आदमीको ख्याल फिर ना करत हौ । ⁵पर जा बिध्वा मोके हैरान करडारिहए । जहेमारे, मए जाको न्याय करत हौ, नत जा ईकल्ली आपके मोके दिक्क बनाबैगी ।"⁶प्रभु कहि, "सुन बा अधर्मी न्यायधिश का कहत हए । ⁷का परमेश्वर बके जो रात दिन पुकारान बारे अपने चुने भएके न्याय ना करैगो का ? का बा बिनके ताहि देर करहै का ? ⁸मए तुसे कहत हौ , बा जलदिए तुमरो न्याय करहै । तहु फिर आदमिक पुत्र आन पेती का बा पृथ्विमे बिश्वास पएहै का ?"⁹अपन उपर भरोसा करन बारे और अपनैके धर्मी बनानबारे औरनके तुच्छ बनानबारे कोई कोईके बा जा काहानी सुनाई रहए । , ¹⁰" दुई आदमी प्रार्थना करन मन्दिरमे गए एक जनि फरिसी और दुसरो कर उठानबारो।¹¹फरिसी ठाणके अइसे प्रार्थना करि , हे परमेश्वर मए तुमके धन्यवाद देत हौ,मए और आदमीक जैसे फाटहा, अन्यायी,व्यबिचारी औ जहे कर गठानबारो जैसो फिर नाहओ । ¹²मए हप्तामे दुई चोटी उपवास बैठत हौ । मए पाओ भओ सब चिजकोक दशांश देत हौ ।"¹³कर उठानबारो दुरसे ठाडके स्वाग्धेन आँखी ना उठाएके अईसे कहत अपन छाती पिटी कही, हे परमेश्वर मए पापिके उपर दया कर ।" ¹⁴मए तुमसे कहत हौ ,जा आदमी ता दुसरेसे धर्मी ठहरके अपन घरघेन गओ। कहेकी जौन अपनेके उचो बनाबैगो, बा छोटे होबैगो,पर जौन अपनैके छोटे बनाबैगो बा उचो होबैगो ।¹⁵येशु छुईदिए कहिके आदमी बचनके बक ठिन लाई । तव चेला जा देखके बिनके डाँटी हप्काई । ¹⁶येशु बिनके अपन ठिन बुलाइके कहि , " छोटे बालकनके मिर ठिन आनदेओ, बिनके मत रोकओ कहेकी परमेश्वरको राज्य उडसिनके ताहि है । ¹⁷निहात्तय मए तुमसे कहत हौ , जौन एक बालक जैसो परमेश्वरके ग्रहण ना करहै ,बा कोई रितिसे बा भितर प्रवेश ना करपए है ।"¹⁸कोई एक जनि शासक येशुसे अइसो कहिके पुछी " हे असल गुरु, अनन्त जिवन पान ताहि मोके का करन पणैगो ?" ¹⁹येशु बिनसे कहि, " तए मोसे काहे असल काहत हए , एक परमेश्वर छोडके कोड असल नाहए । ²⁰तए आज्ञा त जानतै है - तै व्यबिचार मत कर ,हत्या मत कर ,ना चुरान ,झुटो गवाही मतदिओ, अपन दौवा और अइयाको आदर करियो ।" ²¹बा कहि, जे सब त मै मेरी जवानीके समयसे पालन करो हौ।"²²जा सुनके पिच्छु बासे कहि, तोके और एक बातको कमी हए । तिरसँग जो जित्तो हए बे सब बेचके गरिबके बाटदे,और तोके ताहि स्वार्गमे धन होबैगो, और आ मेरे पिच्छु लाग ।" ²³पर जा बात सुनके, बा शासक बेढम उदाश भओ, काहेकी बा गजब धनी रहए ।²⁴तव येशू बाके दे:खके बहुत दुखित भओ और कहि, " धन समपत्ती होनबारेक परमेश्वरको राज्य भितर घुसन बेढम अगठो हए ! ²⁵काहेकी धनी आदमीके स्वार्गके राजमे घुसनसे ता ऊटके सुईको भारसे छिरन सजिलो हए !"²⁶तव सुनन बारे कहि तव कोनको उद्धार हुईपए हए ? ²⁷बा कहि,आदमिके ताहि असम्भव हए, बा परमेश्वरके ताहि सम्भव हए ।²⁸तव पत्रुस कहि "देखव अपन घर छोड़के हम तुमर पच्छु लागे हए ।" ²⁹तव बा बिनसे कहि,सच्ची मए तुमसे कहत हव,जौन घर औ बैयर औ अईया दौवा लौड़ा लौड़ीयाके परमेश्वरके राजके ताहि छोड़थहए ।³⁰बा जहए समयमे बेढम जद्धा प्रतिफल पाबैगो और आन बरो युगमे आन्न जिवन हांसिल करैगो ।"³¹येशु बाह्वा जनीके अलग लैजाए के कहि, "देखओ हम येरुसलेम घेन जात है और आदमिको पुत्रके बारेमे आगमबक्ता लिखो भव हरेक बात पुरो होबैगो । ³²काहेकी बाके अन्यजातिनके हातमे सोंप देहए और बे बाके मजाक उडाए हए और बकसँग गलत व्याबाहर करङ्गे बक उपर थुकङ्गे । ³³बे बक कोर्रा लगामङ्गे और मारङ्गे,तव तेस्रो दिनमे बा मरके जिन्दा हुईके उठाईगो ।"³⁴तव चेला जा बातके एकओ फिर ना समझि । बिनके ताहि जा बात लुकाएके धरी रहए ,तव जा कहिभइ बात बिनके समझमे ना आव ।³⁵बा एरिहो के ठिन पुगो बा हुना एक जनि अन्धा आदमी डगरके किनारेमे बैठके भिक मागत रहए । ³⁶बा डगरसे एक भिड किनारेसे जात सुनि, " जा का हए ?" काहेकी बा पुँछी ।³⁷आदमि बासे कहि, " नासरत को येशु इताएसे जाए रहोहए ।"³⁸तब बा अईसे कहत चिल्लाई , " हे येशु दाउदको लौड़ा मिर उपर दया कर ।" ³⁹अगु अगु नेगन बारे बासे कहि, चुप लाग कहीके डाँटी" तव बा और जोड़से जिल्लाई, "हे दाउदको लौड़ा मिर उपर दया कर ।"⁴⁰येशु रुक गव और बाके अपन ठिन लान आगज्ञा दई बा जौने आपके पिच्छु बा बासे पुच्छी, ⁴¹तए का जहात हए ? मए तिर ताहि का करऔ" ? बा कहि, प्रभु मए देखलेमओ ।"⁴²तव येशु बासे कहि, तए देखन बारो हुईजा तिर बिश्वास तोके अच्छो करि हए । ⁴³तव तुरन्तए देखन बारो भव और परमेश्वरको प्रशंसा करतए बाके पिच्छु लागो । जा देखके सब आदमि परमेश्वरको प्रशंसा करि ।

Chapter 19

¹येशु येरीहो हुईके हुनासे जात रहए । ²हुवाँ जखायस नाउँ भव एक जनि आदमी रहए बा कर उठान बारो मैसे मुख्य आदमि रहए, और धनि रहए । ³येशु कौन हए कहिके बा देखन चांहात रहए पर ठुम्को हुईके भिडके कारनसे देखना पाई । ⁴बा बाके देखन अगु अगु दैडके एक गुलरको रुखामे चढ़ो , काहेकी येशु बहे डगर हुईके जात रहए । ⁵जब येशु बा ठाउँमे आएपुगो, तव बा उपर देखके बासे कहि, " ए जखायास" जल्ली उतरके आ , कहेकी आज मोके तिर घरमे बैठन हए । ⁶बा जल्लिसे उतरके आएगओ । और खुसीसे बाको सत्कार करि । ⁷जब आदमी जा देखी बे सबए अईसो कहत बरबरान लागे, " बा पापीके घरमे पहुना हुईके गव हए ।" ⁸जखायास उठके प्रभु से कहि, " देख प्रभु मए अपन समपत्तिको आधो भाग गरिबनके देहवँ, और कोईसे अन्नयाए करके कछु लओ हवँ कहेसे मए बाको चार गुणा फिर्ता करदेहओ" । ⁹तव येशु बासे कहि, " आज जा घरमे मुक्ति आओ हए काहेकी जा फिर आब्रहामको लौड़ हए । ¹⁰जहए मारे आदमीको लउड़ा हराओ भवके टुडन और बचान आओ हए ।" ¹¹बे जा बात सुन्तए बा बिनसे एक कहानी कहन लागो , बे यरुसलेमके जौने रहए, और आदमिके परमेश्वरको राज्य तुरन्त प्रकट होन लागो कहेके समझि रहए । ¹²बा कहि , " एक जनि खानदनी आदमि एक राजके पाईके लौटन के आन कहिके और कोई दुरके देशमे गओ ।" ¹³बा अपन दश जनि नोकरके बुलाईके बिनके सोनोको सिक्का दईके कहि जब तक मए लौटके ना आए हौ, जाहेसे व्यपार करिओ । ¹⁴पर प्रजा बिनके अच्छो ना मनत रहए और बे बिनके पिच्छु पिच्छु अईसो कहेके दुतनके कहान पठाई" , बे हमर उपर राज ना करए कहेके हम चाहात हए । ¹⁵तव राज्य अधिकार पाईके लौटके पिच्छु अपन पैसा दएभए नोकरनके अपन ठिन बुलान हुकम दई, व्यपारसे बे कित्तो नफा करि कहेके बा जानन् जहात रहए । ¹⁶तव पहिले आन बारो अईसो कहि 'मालिक, तुमर सिक्कासे और दश सिक्का कमाओ हौ ।' ¹⁷बा बासे कहि, 'क्षयाबास अच्छो नोकर, तए दश शहेरके उपर अधिकार पए हए ।' ¹⁸दुसरो आईके अईसे कहि , 'मालिक, तुमर सिक्कासे और पाँच सिक्का कमाओ हओ ।' ¹⁹बा बासे कहि , 'तए फिर पाँच सहेरमे अधिकार करहए ।' ²⁰एक और आईके आईसे कहि, 'मालिक, देख, तुमर सिक्का हियाँ हए बा मए रुमालमे बाधके धरेहव ।' ²¹मए तुमसे डराए गओ, काहेकी तुम कठोर आदमी हौ । जो ना धरे हव, बा लेत हओ । जो ना बोत हओ हुवासे कटनी करत हौ ।" ²²बा बासे कहि , 'तिर मुहु की बातसे मए तेरो न्याय करझो ए दुष्ट नोकर जो धरो न हौ बा लेत हौ और जो बोओ नहओ बा कटत हओ , ' मए कठोर आदमी हओ कहेके तय जानत रहए । ²³तव मिर सिक्का बैकमे काहेना धरो ? मए अईके ब्याज समेत बा पातो ।" ²⁴तव ढिगई ठणन बारेनसे बा कहि, हुवासे बा सिक्का लैके दश सिक्का होन बारेके दईदेबओ ।' ²⁵बा बिनसे कहि, ' हजुर, बाके सँग त दश सिक्का हईएहए ।" ²⁶मए तुमसे कहत हव , जौन सँग हए बाके और जद्धा देहए पर जौन सँग ना हए बाके सँग भओ फिर बासे छिनो जाएहए । ²⁷पर मए बिनके उपर राज करन ना चाहान बारेन के मिरबे सत्रुनके हिया लाबौ और बिनके मिर अगु मारओ' ।" ²⁸येशु जा बात कहेके येरुसलेम घेन गव ।" ²⁹जब बा बेथाफागे और बेथानिया के जौने जैतुन कहान बारो डगामे पुगो रहए, बा अपन चेलामैसे दुई जनिके अईसो कहेके पठाई, ³⁰अगुके गाउँमे जाबओ और भीतर जातए जात तुम गधाको एक बच्छरा बधो पाबैगे, जौनके उपर हभैतक कोई आदमी ना चढ़ी हए । बाके खोलके हिना लाबौ । ³¹कोई काहाबए जाके काहे खोलत हओ ?' कहेके तुमसे पुच्छए तव कहियो प्रभुके जाकी जरूरत हए ।" ³²बे पठाए भए गए, और बा बिनसे जैसे कहि उईसियाए पाई । ³³बे बच्छराके खोलन लागे तव बच्छरक मालिक बिनसे पुच्छि, 'तुम जा बच्छराके काहे खोलत हओ ?' " ³⁴बे कहि, " प्रभुके जाकी जरूरत हए ।" ³⁵चेला बाके येशु ठिन लाई, और अपन लत्ता बच्छरा उपर धरके येशुके बक उपर बैठारी । ³⁶बा जात पेती ,अपन लत्ता डगरमे बिछाई ।" ³⁷बा जैतुन डगामे अईपुगो चेलाकी सबए भिड बाके देखके सबए शक्ति शाली कामके ताहि खुसी होत, परमेश्वरको प्रशंसा करत बडे जोरसे चिल्लान लागे । ³⁸परम प्रभुके नाउँमे आनबारो राजा धन्यको हए ! स्वार्गमे शान्ति प्रमधाममे महिमा ।" ³⁹औ भिडके कोई कोई फरिसि बासे कहि, " हे गुरु तुमर ,चेलनके डौँटव ।" ⁴⁰पर बा कहि, "मइए तुमसे कहत हवँ जे चुप लग हएँ तव पत्थर फिर चिल्लाए उठङ्गे ।" ⁴¹जब येशु जउने आए पुगो और शहेरके देखी बा बाके ताहि रोई , " ⁴²शान्ति कौन बातसे लातहए कहेके तए आज फिर जानो होतो ! पर अभए जा बात तिर नजरसे लुको हए ।" ⁴³काहेकी तिर उपर अईसे दिन अमङ्गे, जब तेरो सत्रु तेरो आस पाश जमा हुईके बाधँके घेरा लगामङ्गे , और सबए घेनसे पकडके तोके बँधङ्गे ।" ⁴⁴बे तोके और तिर भितर बैठन बारे तिर सन्तानके जमिनमे उठाईके पटङ्गे और एक पत्थर उपर दुसरो पत्थर फिर न हुईहए , काहेकी तेरो अपनो उपर भव परमेश्वरको कृपा दृष्टिके तय चीन न पाओ ।" ⁴⁵तव बा मन्दिर भितर कुचो और किनबेच करन बारेनके निकारी, ⁴⁶और बिनसे कहि, " धर्मशास्त्रमे लिखो हए, 'मेरो घर प्रार्थना को घर हुईहए, ' पर तुम ता जाके डाकुको अड्डा बनाए हव ।" ⁴⁷बा हरेक दिन मन्दिर मे शिक्षा देत रहए । पर मुख्य पुजारी शास्त्री और जन्तानके प्रमुख आदमी बाके मारन ढुडि । ⁴⁸बे बाके मारन ताहि कोई उपय न पाई काहेकी सबए आदमी बाके बचनमे ध्यान दैके सुनत रहए ।

Chapter 20

¹येशू मन्दिरमे आदमीनके शिक्षा देत रहए। और बिनके सु-समाचार प्रचार करत रहए। धर्म गुरुके संग मुखिया पुजारि और सास्त्रि बाके ठिन आए। ²बासे पुछि हमके बता कैन अधीकारसे तुम जा काम करत हौ, और तुमके अधीकार देन बारो कौन हए ? ³बा बिनके जबाफ दै, मए फिर तुमसे एक बात पुछत हौ, मोके उत्तर देओ। ⁴युहन्नासे दौवभौ बप्तीस्मा स्वर्गसे रहए कि आदमी से ? ⁵बे आपसमे बाहस करन लागे, "यदि स्वर्गसे काहमङ्गे कहेसे, तव बे कएहए, काहे बिस्वास नाकरत हौ ?" ⁶आदमीनसे काहामङ्गे तव, सब आदमी हमके पत्थर मरहए, काहेकी युहन्ना अगमवक्ता हए, कहीके विश्वास करत हए। ⁷जहे मारे बे जवाफ दै, "हम ना जानत हए कंहासे आओ हए।" ⁸तव येशु बिनसे कही, "महु फिर तुमके कौन अधीकारसे जा काम करत हौ, कहिके ना बताएहौ।" ⁹बा आदमीनसे जा काहानी कही, "एक आदमी दाखबारी लगाई और अदीया देके, बहुत दिनके ताही परदेश गओ। ¹⁰फरा पकन समयमे बा अपन हिस्साको फरा लेन अपनो एक नोकरके दाखबारिको मालिक अपनो अधीया बारो ठिन पठाइ, तव अधिया बारो बाके पिटके खालि हात पठाए दै। ¹¹बा फिरके दुसरे नोकर के पठाइ, तव बे बाके फिर पिटी बेजत करके खाली पठाई दै। ¹²बा तिसरेके फिर पठाई बे बाके फिर घाएल बनाएके निकार दै। ¹³और दाखबारीको मालीख क, 'अब मए का करओ ? मए अपन प्यारो लौणाके पठए हओ। शायद बाके बे आदर करङ्गे की।' ¹⁴तव अधीय बारो बाके देखके आपस मे बात करी, 'जा त हकबारो हए, हम जाके मारडारए और सम्पतीको हक हमर हुइहए।' ¹⁵और बे बाके दाखबारीके बाहिर लैजाएके मारी। अब दाखबारीको मालीक बिनके का करहै ? ¹⁶बा आएके अधिया बारोके मरहए, और दाखबारी औरनके देहए।" आदमी जा सुनके कही, अइसे कबहु ना होबए।" ¹⁷तब बा बिनके देखके कहि, "जा धर्म शास्त्राको कहिनको अर्थ का हए "जौन पत्थरके भवन बनान बारे खारिच करिरह, बहे त कोनेको मुण पत्थर बनो।" ¹⁸बा पत्थर उपर गिरन बारे हरेक चकनाचुर हुइजए है, तव जौन उपर बा गिरएगो बा बाके भुवा बनएदेहए।" ¹⁹तव शास्त्री और मुखिया पुजहारी बहे बेरा बाके पकणन दुणी। बिनके पता रहए, कि जा काहानी बिनके बिरुध्दमे कहि रहए, तव बे आदमिसे डरात रहए। ²⁰बे मौका देखन लागे, और धर्मि हुइके चुपरन बारे जासुसके बे बिनके ठिन पठाई। येशुके कहि बातके गलत सावित बानाएके, बाहए बातमे बाके फसाएके अधिकारीनके और हाकिमके हातमे बाके सौपङ्गे करके बे दाओ देखत रहए। ²¹बे बासे पुछी "गुरुजी हम जानत हए तुम ठीक बोलत हौ और ठीक सिखात हौ, कोइको पक्षपात नकरत हौ, पर सत्यके सँग परमेश्वरको डगर सिखात हौ।" ²²हमे कैसरके कर तिरन ठीक हए कि ना ?" ²³येशू बिनको कपट समझके कहि, ²⁴मोके एक सिक्का दिखाबओ, जामे कोनको चित्र और कौनको नाउँ लिखो हए, ? "बे कहि, कैसरको।" ²⁵बा बिनसे कहि, "जहए मारे जो कैसरको हए बा कैसारके देबओ और जो परमेश्वरको हए बा परमेश्वरके देओ।" ²⁶आदमीके अगुबे बाके बातमे फसाए ना पाई, और बाके बातमे बे अचम्मो मानके छक्क पणके कछु ना कहेपाइ। ²⁷तव पिच्छू बाके ठिन कोइ सदुकी आए। मरके पुनरुत्थान ना होत हए, कहिके बिनको बिचार रहए। बे बासे पुछी, ²⁸"गुरुजी मोसा हमके लिखिरहए, कि कोई आदमीको विवाहित ददा बिना सन्तान मरतहए कहेसे, भईया बाके बैयरसे बिहा करके ददाको सन्तान खणा करन पणत रहए।" ²⁹सात भईया रहए जेठोसे एक बैयर लाई और बिना सन्तान मारगौ। ³⁰और मझलोसे, ³¹और सझलोसे बहए बिहा करी और उइसे करके बे सातओ जनि बिना सन्तान मरिगए। ³²पिच्छू बा बैयर फिर मर्गई, ³³जहए मारे मरके पुनरुत्थान हुइहए, बा बैयर बिन मैसे कौन कि बैयर हुइहए ? काहेकि बा सातौ जनिकी बैयर भइरहए।" ³⁴येशु बिनसे कहि जा युगमे, आदमी बिहा करतहए, और बिहा कर देत हए। ³⁵पर बा युग तक पुगन योग्य ठहेरन बारे और मरके जिन्दा हुइके उठन योग्य होन बारे ना विहा करत हए, ना विहा कर देत हए। ³⁶बे फिर मरत ना हए कहेकी बे स्वर्गदुतके सामान होत हए, और पुनरुत्थानके सन्तान होनके कारन बे परमेश्वरके सन्तान हए। ³⁷पर मरन बारे जिन्दा हुइके उठङ्गे कहि बात मोसा फिर झुणाके विवरनमे परमप्रभुसके अब्राहमको परमेश्वर, इसाहकको परमेश्वर और याकुबको परमेश्वर कहेके दिखाइ दइ। ³⁸बा मरन बारे को परमेश्वर नाहए, पर जीन्दनको परमेश्वर हए, काहेकी सब बाके ताही जित हए।" ³⁹और शास्त्रि मैसे कोइ कोइ कही गुरुजी तुम ठिकए कहे।" ⁴⁰तब पिच्छू कोइ बासे प्रश्न पुछनको हिम्मत ना करी। ⁴¹येशू बिनसे कही, "ख्रीष्ट दाउदको पुत्र हए कहेके बे कैसे काहत हए ?" ⁴²काहेकी भजनके पुस्तकमे दाउद अपनए कहीहए, "परमप्रभु मिर प्रभुसे कही, "तुम मिर दहिना हात घेन बैठओ।" ⁴³जब तक तुमर शत्रुनके तुमर पवदान ना बना मझो।" ⁴⁴अइसिए दाउद ख्रीष्टसे प्रभु कहत हए, फिर कैसे बा दाउद को पुत्र भओ ?" ⁴⁵और सब आदमी सुनत करत बा अपन चेलनसे कही, ⁴⁶लम्बो कुर्ता पैधके इतए उतए नेगत, और बजारमे अभिबादन दुणत, और सभाघरमे प्रमुख आसन और भोजमे आदरको स्थान रुचान बारे शास्त्रीनसे होसियार रहबओ। ⁴⁷बे बिधवनको घर हणपत हए, और लम्बो देखावटी प्रार्थना करत हए। जो जध्दा दण्ड पामङ्गे।

Chapter 21

¹बा धनीके देखि अपन-अपन भेटी दान पात्रमे धरत देखि। ²बा गरीब बिधवाके हुँवा दुई पैसा चढात फिर देखि। ³तब बा कही निहात्य मए तुमसे काहत हौ,जा गरीब विधवा औरनसे सबसे जाधा चढाई है। ⁴काहेकी जे सब अपने प्रस्सता से भेटी चढाई हए, पर जा गरीबी मैसे अपन सबै जिविका दै।⁵ अब कोइ-कोइ सुतरे-सुतरे पत्थर और दानमे प्राप्त भए समान सुसज्जित भए मन्दीरके बारेमे बात करन लागे, येशु कहान लागे। ⁶तुम जो देखे हौ, अइसो समय आबैगो जब एक पत्थर उपर दुसरो पत्थर ना राहाबैगो, बे सबए भसम हुइजएहए। ⁷बे बासे पुछी, गुरुजी जे सब कब हुई हए ? और जे सब बात होत तव का चिन्ह हुइहए ? ⁸बा कहि, होसीयार रहो, तुमके कोइना बहकाबे ना। मिर नाउँमे तमान आदमी मए बहए हौ, और समय ढिगई आएगओ हए, कहिके काए हए। उनके पिछु तुम मत लागौ। ⁹तुम जब लणाई और खैलाबैला कि बात सुनएगो तओ तुम मत डराबौ, काहेकि पहिले जे घटना होनए पणैगो, पर अन्त्य तुरुन्तए ना होबएगो। ¹⁰तव बा बिनसे कहि, “ राष्ट्र के बिरुध्दमे और राज्य राज्यके बिरुध्द मे उठँङ्गे। ¹¹भैयङ्कर हालाचाला आमङ्गे तमान जघामे भुक्मरी और हैजा आमङ्गे, भैयङ्कर लडाई होमङ्गे, औ बादरमे बणे बणे चिनह होमङ्गे। ¹²पर जे सब बात होनसे अगु आदमी तुमके पकणङ्गे, और सतामङ्गे और तुमके सभा घरमे सौप देहए, और झेलमे डार देहए। तुमके मिर नाँउ के कारन राजा और हाकिमके अगु पुगएहै। ¹³पर तुमर ताहि जा एक गवाही देनको अवसर हुइहए। ¹⁴जहय मारे अपन बचावके ताहि का कहाङ्गो सो अगुसे मत सोचओ कहिके अपने मनमे पक्का करौ। ¹⁵काहेकि मैतुमके अइसो मसकनके ताही बचन और बुद्धी देहओ। कि तुमर बिरोधि उत्तर ना दै पैहए, और खन्डन फिर ना कर पैहए। ¹⁶पर तुमर अइया- दउवा और दादा भैया, नातेदार और सँगी फिर तुमके पकणाए देहए, और तुम मैसे कोइ-कोइके बे मारङ्गे। ¹⁷मिर नाउँके ताही तुमके सब आदमी घृणा करङ्गे। ¹⁸पर तुमर शरीरके एक बार फिर नष्ट ना हुइहए। ¹⁹तुमर धैरिय द्वाराके अपनो प्राण पाबैगे औ बचाबएगो। ²⁰पर जाब तुम येरुसलेमके, सेनानसे घिरो देखैगे, तव बाको बिनास जैने आइगैहए कहिके जानै। ²¹तब यहुदियमे होनबारे पाहाण घेन भाजै। शहर भितर होनबारे बाहिर भाजै, और बाहिर गाउँमे होनबारे शहर भितर ना घुसए। ²²काहेकि लिखो भौबात सब पुरो होन हए, बे बदला लेनके दिन हुइहए। ²³बे दिन मे गर्बबति और दुध खबान बारी बैएरए ! काहेकि बा देशके उपर बणे- सङ्कट आबएगो, और बे आदमीके उपर क्रोध आए पणएगो। ²⁴बे तरवारसे मारेजामङ्गे, और सब देशमे बे कैदी बनाएके लैजामङ्गे और गैर यहुदीयनको समय पुरो ना होन तक बे येरुसलेमके कैदी बनायके धरङ्गे। ²⁵दिन, जोनि और तारामे चिहना दिखाइ देमङ्गे, और समुन्द्रको गरजन और छालसे ‘पृथ्वीके राष्ट्र शंकष्टमे पणके व्याकुल होमङ्गे ²⁶संसारमे होनबारी घटनाको अशंकासे आदमी बेहोस होमङ्गे काहेकी बादरको शक्ती डगमगाबैगो। ²⁷तव आदमीक लैणके शक्ती और मह महीमासंग बादरमे आत बे देखङ्गे। ²⁸जब जे बात होमङ्गी, तव उठव और अपन मुणीयाके उपर उठएके देखओ, काहेकी तुमर उद्धार जौने हए।”²⁹येशू उनसे एक काहानीमए कही हुलर रुखा और सबै रुखाके देखओ, ³⁰बिनको पतझर देखके तुम अपने पता पएहओ, कि, ग्रिष्म ऋतु ढिङ्गै हए। ³¹जहेमारे तुम फिर जब जा बात होत देखैगे, तव परमेश्वरको राज्य ढिगैहए कहिके पतापाबैगे। ³²निहात्या मै तुमसे काहत हओ, जे सब घटना पुरो ना होनतक जा पुस्ता ना बितैगो। ³³आकास और पृथ्वी बित जैहए, पर मिर बचन ना बितैगो। ³⁴पर तुम अपने बारे मे होशियार राहबओ। नित भोक बिलास सराबी पन और जिबानको चिन्तासे तुमर मन भरए, और तुमर उपर बा दिन इकबरीए फाँसे हानि आए जएहए। ³⁵काहेकि अइसिए त सारे पृथ्वीभरमे बैठन बारे सबैके उपर फाँसी हानि आए पणैगो। ³⁶पर आनबारो जा सब बासे उम्कन, और आदमीके पुत्रके अगु ठाणन सामर्थ होन ताहि, सब समय प्राथना करत राहओ।”³⁷येशु दिनमे मन्दीर मे शिक्षा देत रहए, और रातके जैतुन काहन बारो डंगा मे रात गुजारत रहए। ³⁸बक बचन सुनन् ताहि सबै आदमी सबेरे से मन्दीर मे आत रहए।

Chapter 22

¹अखमिरि रोटीको त्यूहार ढिगै आएगओ रहए । जासे निस्तार त्यूहार काहत हए । ²मुख पुजारि और शास्त्री बाके कइसे मारै कहिके सल्लाहा करत रहए, पर बेआदमीनसे डरात रहए । ³बाह्र जनी मैसे यहूदा इस्करियोत के भितर शैतान घुसगओ । ⁴येशूके बिनके हात मे कैसे पकणबामए कहिके मुख पुजारि और कप्तानके ठिन जाएके बा सल्लाहा करी । ⁵बे खुशी भैय, और बाके रुपैया देन कबुल करी । ⁶बा सहमत हुइगओ, और भिण ना भओ बेरामे बाके पकणन मौका दुणन लागो । ⁷अखमिरि रोटीको त्युहारको दीन रहए जौनदीनसे निस्तारको थुमा (बकरा) बलीदान चणांन पणंत रहए । ⁸बा पत्रुस और युहन्नाके अइसे कहिके पठाइ, "जाएके हमर ताहि निस्तार त्युहारको भोज (खानु) तयार करौ, ⁹बे बासे कही, "हम जा भोज (खानु) कहाँ तयार करएँ ?" ¹⁰बा उनसे कहि, "सुनओ, जब तुम शहर मे घुसओ, पानीको घल्ल बोकन बलो एक जनी आदमीसे मिलैगो । बा जौन घरमे घुसैगो हुँव तक बाके पिच्छु लगियो। ¹¹तब तुम बा घरको आदमीसे कहियो, 'गुरु तुमसे पुछत है, मै अपन चलन सँग निस्तार त्युहारको भोज खान बारो कोठा काहँ पर हए ?' ¹²बा तुमके उपर तल्लामे सजोसजाओ भओ बणो कोठा दिखाबैगो, और हुँवए तयार करीओ । ¹³अइसिए बे गैए और बा कहो हानिपाइगए, और बे निस्तार त्युहार भोजको खानु तयारि करी । ¹⁴और जब समय आओ, बा प्रेरितनके सँग भोजन करन बैठो। ¹⁵बा उनसे कहि, "मै दुःख भोगनसे अगु जा निस्तार त्युहारको भोजन तुमर सँग खान बणो इच्छा करी रहओ । ¹⁶काहेकि मै तुमसे काहत हौ, परमेश्वरके राज्यमे जा पुरो ना होन तक मै जा भोज फिर ना खामझो ।" ¹⁷तब येशू कटोरा लैइ,और जब बा धन्या बाद चढाएके बा कही, "जा लेबओ,और तुम आपस मे बँटओ ।" ¹⁸काहेकि मै तुमसे काहत हौ, परमेश्वरको राज नाआन तक अब मै अङ्कुरको रस ना पिमझो।" ¹⁹और बा रोटी लै, और धन्या बाद चढाएके बाके तोडी और उनके अइसो कहिके दै, तुमर ताहि दौ भव जा मिर शरीर है ।मिर यादमै जा करीओ। ²⁰अइसी कहिके खाएके बा कटोरा लईऔर कही, "जा कटोरा तुमर ताहि बाहो भव मिर खुनमे भओ नयाँ करार हए ।" ²¹पर ध्यान देबओ । मोके धोका देन बारो जहे टेबुलमे हए । ²²काहेकि आदमीको लौणात कही भओ समयमे जान पणत हए । पर बा आदमीके धिक्कार हए जौनसे बाके विश्वासघात होबएगो ।" ²³और बिन मैसे कौन अइसे करैगो बे अपनए प्रश्न करन लागे । ²⁴अब बे मैसे सबसे बणों कौन हए कहिके बिनके बिचमे बाद बिवाद होन लागो । ²⁵बा बिनसे कहि,अन्या जातिक राजा उनके उपर प्रभुत्व करत हए, और बिनके उपर अधिकार चलानबारेनसे आदरको अगुवा कहत हए । ²⁶पर तुम मे अइसो ना होबौ । तुम मैसे जैन बणो है, बा सबसे छोतो बनए और सबसे जरुरि बात काहए कहसे बा सेवा करन जैसो होबए । ²⁷काहेकि बणो कैन है ? खानु खान बैठन बारो कि सेवा करन बारो ? का खनु खान बैठन बारो नाहए ? पर मै त तुमर बिचमे एक जनी सेवा करन बारो जैसो हव । ²⁸पर मिर परिक्षामे मोके साथ देन बारे तुमहीं हौ । ²⁹जैसे मिर पिता मोके एक राज्या दै हए ,मए फिर तुमके दै हौ । ³⁰ताकि मिर राज्यामे तुम मिर टेबुलमे खाबैगे और पिबैगे, और इस्सयलके बाह्रए कुल मए न्याय करके सिंहासनमे बैठैगे । ³¹सिमोन, हे सिमोन देख शैतान तुमके गेहुं हानि निखारन बारो अनुमती मागी हए ताकि बा तुमके अपने हातमे करसकए । ³²पर मै तिर विषवास ना डगमगाए कहिके तिर ताहि प्रार्थना करो, और तुम फिर घुमके तिर भैयान के स्थिर करीए । ³³तब पत्रुस बा से कहि, "हे प्रभु मै तिर सँग झेल खानामे और मृत्यु तक जान तयार हौ ।" ³⁴तब बा कहि, "पत्रुस, मै तोसे कहत हौ, तए मोके ना चिन्त है, कहिके तिन चोटि अस्विकार ना करन तक, आज मुर्गा ना बासैगो ।" ³⁵येशु बिनसे कहि,जब मै तुमके थैलि और झोलि और जुता बिना पठाओ रहओ, का तुमके कोइ चिजको कमी भओ ? बे कहि ना भओ । ³⁶बा हकि,पर अब जौनके थैलि हौ ,बा बाके बोकए, उइसी झोला फिर बोकए । और जौनक सँग तरवार ना हौ,और बा अपनो लत्ता कपडा बेचके तरवार लेबए । ³⁷काहेकि मै तुमसे काहत हौ, बा अपराधी सँग गिनैगो, कहिके मिर बारमे जो अगमवाणी लिखि हए बा पुरो होनए हए । हाँ मिर बारमे लिखो बात पुरा हुइ रहो हौ। ³⁸तब चेला कहँ, ' हे प्रभु देख, हियं दुई तरवार हौ ।"और बा कहि, इतका होएसे पुग जएहै ।" ³⁹बाहेर निकरके रोज दि हानि डंगामे गओ।और बके चेला फिर पच्छु-पच्छु लागे । ⁴⁰बा ठाँउमे पुगके बा उनसे कहि, "तुम प्रार्थना करे राहबओ, और परिक्षामे मत पणौ ।" ⁴¹बा बिनसे प्रायःतिस मिटर दुर जाएके घुटो टेकके प्रार्थना करि । ⁴²"हे पिता, तिर इच्छा हए कहसे, जा कटोरा मिर ठिनसे हटाए दे । पर मेरि इच्छा नाए, पर तिर इच्छा पुरि होबए ।" ⁴³तब स्वर्गसे एक दुत बाके बल देन बाके ठिन दिखाइ पणो । ⁴⁴गजब सँकष्टमे पणके आग्रह पुर्वक बा प्रार्थना करन लागो, और बक पसिना खुनको बुदा बुदा हानी जमिनमे गिरत रहै। ⁴⁵जब बा प्रार्थनासे उठके चेला ठिन आतपेति, बा बिनके शोकके कारण निधानो देखि । ⁴⁶और बा उनसे पुछी, तुम काहे निधाए रहेहौ ? उठौ और परिक्षामे ना पणन ताहि प्रार्थना करौ ।" ⁴⁷देखओ बा मसकतय मसकत एक भिण हुंवा आएगइ । बाह्र चेला मैसे एक जनी यहूदा कहिन बारो अगु अगु आओ । बा येशूके चुमन, बाके ठिन आओ । ⁴⁸पर येशु बासे कहि, यहूदा का तय आदमीक पुत्रके चुम्बनसे विश्वा घात करन चाहत है ?" ⁴⁹तब बक झौने झौनेमे भए जो होत रहए ,ब देखि , बे कहि, "प्रभु का हम तरवरा चलामै ? " ⁵⁰बे मैसे एक आदमि प्रधान पुजारिक नोकरके मारी,और बक दहिना कान काटदै । ⁵¹पर येशु कहि, " हुइगओ , "अब अइसो मत करओ ।"और बक आदमिक कान छुइके, बा बाके अच्छो कर दै। ⁵²और बाके बिरुद्धमे आए भए मुख पुजारि, मन्दीरके कप्तान और धर्म गुरुसे बा कहि, " का तुम डँकुके बिरुद्धमे आए हानि तरवार और लठी लैके आए हौ ? ⁵³मै रोज दिन मन्दीरमे तुमर सँग रहौ, तुम मिर बिरुद्धमे हात ना उठाए । पर अब तुमर समत है,और अन्धकारको शक्ति जहे है ।" ⁵⁴बे येशुके पकणके लैगै, और बाके प्रधान पुजारिके घरमे लाई । पर पत्रुस दुरसे बाके पिछु पिछु लागो । ⁵⁵हंवा आगनके बिचमे आगि पजारके आदमी जमा हुइके बैठे रहै ।पत्रुस फिर उनके बिचमे बैठो । ⁵⁶एक नेकर्नि आगिके उजियारेमे बाके बैठो देखके अच्छेसे देखी, और कहि, "जा आदमि फिर बिनके सँग रहै ।" ⁵⁷पर पत्रुस अएसो कहिके इन्कार करी , ए नारि, मै बाके ना चिन्त हौ ।" ⁵⁸थोरि देर पिच्छु दुसरो बाके देखके कहि ,तए फिर बेहि मैसे कोइ एक हौ । तब पत्रुस जवफ दै,"ए आदमी, मै ना हौ ।" ⁵⁹लगभग घण्टा पिच्छु और एक जनी जोर दैके अइसो कहि, "निहात्य जा आदमी बहेके सँग रहै, काहेकि जा फिर गालीलीए है ।" ⁶⁰पर पत्रुस कहि, ए आदमी, तुम का काहतमै हौ ,मै ना जानत हौ ।" बा मस्कतै मस्कत मुर्गा बासै । ⁶¹और प्रभु घुमके पत्रुसके देखी । आज " मुर्गा बासनसे अगु तए मोके तीन चोटी इन्कार करहए । कहीके प्रभुको कहो भौ बचन याद भौ ।" ⁶²और बा बाहीर निकरके धर धरउटी रोन लागो । ⁶³तब येशुके पक्रके आदमी बाके खिसबांइ और पिटि । ⁶⁴बाकी आंखीमे पट्टीसे लपेटके बासे पुछी, तोके मारन बारो कौन हए ? "ले अगमवाणी कहा !" ⁶⁵बे बा के बिरुद्धमे घृणापूर्ण बात कही और बाके उपर ईश्वार -निन्दाको आरोप लगाइ । ⁶⁶उज्यारो होतए जमा भए ,जनतनके धर्म गुरु, मुखीय पुजारी और शास्त्री दोने बाके अपन महासभामे लै गै। ⁶⁷और कही, " तए ख्रीष्ट है कहसे हमके बता ।" बा उनसे कही, मै बतै हौ कहसे फिर तुम ना पतियए हौ । ⁶⁸मै प्रश्न करझो कहसे, फिर तुम जवाफ ना देहौ । ⁶⁹पर आदमीको पुत्र परमेश्वरको शक्तीको दहिना घेन बैठैगो । ⁷⁰तब बे सब कही, तव का तै परमेश्वरको पुत्र हौ ?" बा बिनके उत्तर दै, तुमही काहत हौ ।" ⁷¹बे कही," हमके अब और का शाक्षीको आबश्यकता है का ? कहेकी हम बहेके मुहसे सुन लै ।"

Chapter 23

¹बे सबए दलके उठे, और बाके पिलातस ठिन लैगए । ²बे बाके उपर अइसो कहिके दोष लगान लागे, जा आदमी हमर देशके बहकात हम पाइगए । जा कैसरके कर तिरनसे रोकत है, अपनेके मै ख्रिष्ट, एक राजा हौ कहिके काहत है । ³पिलातस बासे पुछी, 'का तै यहुदिक राजा है ? ' येशु "जबाफ दैके कहि, तुमही अइसो काहत हौ । ⁴तव पिलातस मुख्य पुजारि और भिडसे कहि, मै जा आदमीमे कुछ दोष ना पाओ । ⁵तव बे बणे जोर दैके कही, 'जा सारा यहुदिया और गालीलीसे जा ठाउँ तक शिक्षा देत आदमीके भडकात है ।' ⁶तव पिलातस जा सुनके, जा आदमी गालीलीको है कि, कहिके पुछी । ⁷तव बा हेरोदको इलाकाको आदमी है, कहिके पता पएके पिलातस येशूके हेरोद ठिन पठाइदै । ⁸जब येशूके देखके हेरोद बेढम खुशी भौ । काहेकि बा बाके बारेमे सुनी रहए, बेढम दिनसे बाके देखन इच्छा करत रहए, और बा कुछ अछम्मो काम करो भौ देखन आशा करत रह । ⁹हेरोद येशूसे बेढम प्रश्न पुछी, और येशू बाके कुछ जवाफ ना दै । ¹⁰मुख पुजारी और शास्त्री ठाणके येशूके जोणतोणसे दोष लगान लागे । ¹¹हेरोद अपन सिपैया सँग मिलके बासे घृणापूर्ण व्यवहार करी, और बाको गिल्ला करी । पिच्छु बाके अच्छो कपडा पहिदायके पिलातसठीन घुमाएके पठाए दै । ¹²बहे दिन पिलातस और हेरोद दोनो आपसमे मित्र भए । काहेकि अगु बिनके बिचमे दुश्मनि रहै । ¹³तव पिलातस मुख पुजारी शासक, और जनताके जमा करी । ¹⁴बा बिनसे कहि, तुम आदमीके भणकान मारे जाके मिर अगु लाए । तुमारी अगु मय शोद पुछ करो, तुम इनके उपर लगाय भौ दोष मय ना पाओ । ¹⁵१५ हेरोद फिर दोष ना पाई, कहिके बे जाके हमर ठिन घुमाइ दै । अब देखौ जा मृत्यु दण्ड पानको योग्या कुछ काम ना करी है । ¹⁶जहमारे मै जाके सजाए करके छोड देहौ । ¹⁷त्युहारको उपलक्षमे बिनके ताही पिलातस एक जनी कैदीके छोडदेनपडत रहै । ¹⁸बे सब एकसँग अइसो कहिके चिल्लाई "जाके हमरीबिचसे हटाए देओ, और हमर ताही बारब्बाके छोड देबौ ।" ¹⁹बारब्बा शहेरमे भव विद्रोह और हत्याको काण्डमे झेलमे थुनो भओ एक आदमी रहए । ²⁰येशूके छोणन इच्छा करके पिलातस फिर उनके सम्झाइ । ²¹पर बे अइसो काहत चिल्लाई बाके कुसमे टाँग देओ और बाके कुसमे टाँगेओ । ²²तव बा तिस्रो चोटी बिनसे कही, "काहे, जा आदमी का खराब करी हए ? मै त जाके मृत्यु दण्ड देन कोड बजैए ना पाओ, जहमारे मै जाके सजाय करके छोड देहौ ।" ²³तव बे बणो जोरसे चोल्लाई बाके कुसमे टाँगन पणैगो, कहिके माग करन लागे । बिनको चित्कार सफल भौ । ²⁴तव पिलातस बिनको मंग पुरा करदेन फैसला करी । ²⁵पिलातस बारब्बाके छोडदई, जो विद्रोह और हत्या काण्डमे झेलमे पणो रहै बहेके छोड देओ कहिके बे माग करी रहै, पर येशूके त बे बिनके इच्छामे सौप दै । ²⁶बे बाके बाहुनासे लैजात पेती, गाँउसे आनबारी शिमोन नाउँको कुरेनि निबासीके पकणी, और कुस बोक्के बाके पिच्छु पिच्छु जान लगाई । ²⁷आदमीको बणो भिण बाके पिच्छु लागो, बा मे बैयर फिर रहै जो, बिलखात रहए और रोत रहै । ²⁸तव बिनके घेन घुमके येशु कही, यरुसलेमके लौणीय, मिर ताहीं मत रोबओ, पर तुम अपन ताही और अपन लौणा-लौणीयाके ताही रोबओ । ²⁹काहेकि बे दिन आन बारे है, जब आदमी काहामङ्गे धन्या बाँझी और गर्भधारन ना करन बारी कोख और दुध ना खबान बारी बैयर । ³⁰तव बे पाहडसे काहामङ्गी हमर उपर गिर और डँगासे काहामङ्गी हमके तोप । ³¹काहेकी बे ता, रूखा हरो होत जा काम करत है, तव सुकखा होत का करङ्गे ? ³²अब बे दुई अपराधीनके फिर बाके सँग मृत्यु दण्ड देन ताही लैगए रहए । ³³जब बे खप्पर कहिन बारो ठउँमे आए, तव हुँव बे बाके कुसमे टाँगी, और बे अपराधी मैसे एक आदमीके दहीना घेन और दुसरेके दिब्रा घेन कुसमे टाँगी । ³⁴तव येशु कही, "हे पिता, यिनके क्षमा करीए, काहेकि जे का करत है सो ना जानत है ।" तव बे बाको कपणाको चिट्टा डारी । ³⁵आदमी ठाणके देखत रहै, शासक बासे ठट्टा करत कहि, "जा परमेश्वरको खिष्ट हए कहिसे जा औरनके बचाई औ अब अपनेके बचाबै ।" ³⁶सिपाहि फिर आएके बाके सीका देत अइसो कहिके अपमान करिई, ³⁷तव यहुदिक राजा है कहैसेत अपने आपके बचा । ³⁸जा यहुदिनको राजा है " करके दोष-पत्र बाके फिर उपर रहए । ³⁹कुसमे टाँगे अपराधि मैसे एक जनी अपराधि बाके अपमान करत कही, " का तुम ख्रीष्ट ना हौ, तुम अपनेके और हमके बचाओ ।" ⁴⁰तव बा के ढाँटके दुसरो कहि, "तय फिर दण्डमे पणो है, तहु फिर परमेश्वरको डर ना मानत है ? ⁴¹हमर दण्ड त न्यायसे है, काहेकि हम त अपनो कामको ठिक फल भोग रहे है, पर जा आदमी ता कोड गलत काम ना करि हए ।" ⁴²तव बा हकि, हे येशु तुम अपने राज्यमे आबौ तव मेके सम्झीयौ । ⁴³बा बासे कहि सच्ची मै तुम से काहत हौ, आजै तुम मिर सँग स्वर्ग लोकमे हुड हओ । ⁴⁴लगभग दुपाहरको बाह्न बजे रहै, और तीन बजे तक सारे देशमे अन्धकारसे ढाग गओ । ⁴⁵दिनको तेज कम हुइगौ, और मन्दिरको पर्दा बिचसे फटके दुई भाग हुइगौ । ⁴⁶येशू बणो जोरसे चिल्लाईके कहि, "हे पिता मै मेरो आत्मा तुमारे हातमे सौपत हओ । यितकै कहिके बा अपने प्रान त्याग दै ।" ⁴⁷जा सब देख के कप्तान अइसो काहत परमेश्वरको महिमा करी, निहत्य जा धर्मी आदमी रहए । ⁴⁸जा ठाउँमे आएभए सबए भिड हुआपर भओ घटना देखके बे अपनी छाती पिटतए घुमगए । ⁴⁹तव बक चिनाजान और गालीलसे बाके पिच्छु आनबारे बैयरए दुरसे ठाणके जा घटना देखी रहै । ⁵⁰योसेफ नाउँ भव एक जनी अच्छो आदमी रहए । बा माहा सभामको सदस्य फिर रहए । ⁵¹बा बिनके सल्लाह और कर्यमे सहमति ना दै रहए । बा यहुदिनको अरिमाथीया शहरको आदमी रहए । बा परमेश्वरको राज्यको डगर देखत रहए । ⁵²जे आदमी पिलातस ठिन जाएके येशुको लास मागी । ⁵³बा को लास तरे उतारके मलमलको कपडामे लपेटके, और चट्टानमे ढोडर बनाएके एक चौरामे धरी, जहँ कबहु कोडके ना धरि रहै । ⁵⁴बा तयारीको दिन रहै, और शबाथ-दिन शुरु होन लागो रहए । ⁵⁵गालीलसे बाके सँगमे आन बारि स्त्री पिच्छु पिच्छु गई, और बा मृत्युके गड्डामे येशूकोशरीरके कैसे धरिहए, बाके देखिं । ⁵⁶तव घुमके बे सुगन्धीत मलहिन और अत्तर तयार करके, तव व्यवस्थाके कहो जैसो शबाथमे बे विश्राम करी ।

Chapter 24

¹हप्ताक पहिलो दिन सबेरे बे बैयर तयर करके सुगन्धीत मसला मरघटायामे लैके आई । ²बे पत्थर गड्ढासे हटो पाई । ³तव बे भितर घुस्के प्रभु येशुक शरीर ना पाई । ⁴जब बे जाके बारेमे अलमल्लमे पणीगए रहै, अचानकसे चमकन बारो लत्ता पैधे दुई लोग बिनके ठिन ठाणगए । ⁵बे डराए गइ और जमिन घेन मुण झुकाई, तव बे दुई लोग कही, "तुम जिन्दाके मरेनके बिचमे काहे ढुणत हओ ?" ⁶बा हियँ नाहए, पर जिन्दा हुइके उठिगओ है ! गालीलमे होत बा तुमसे का कही रहए, बा याद करओ । ⁷कि आदमिक पुत्रके पापीआदमीके हातमे सौंपङ्गे और कुसमे टँगङ्गे, और तीसो दिनमे जिन्दा हुईके उठन जरुरि हए ।" ⁸तब बे बैयर बाको बचन समझीं । ⁹और मरघटायामे घुम्के बे जा सब बात एघार चलनके और सबैके बताई दै । ¹⁰बे बैयर, मरियम मगदलीनी, योअन्ना और यकुब कि अईया मरियम रहैं । बिनके सँग और बैयर फिर जा बात प्रेरितके बताई । ¹¹तव बे जा बातके बेकार हए कहिके ठानी और बे विश्वास ना करी । ¹²तव पत्रुस उठके मरघटायामे दौणके गओ, और निहारके देखि, सुती लत्ताक पट्टी इकल्लो देखी । तब पत्रुस बा घटना देखके अचम्मो मानके बा गइभव । ¹³बहे दिन बाके चेला मैसे दुई जनी यरुशलेमसे प्रायः साठी किलोमिटर दुरको इम्माउस नाउँको एक गाउँ घेन गए रहए । ¹⁴घटे भए सब घटनक बारेम बे अपसमे बातचित करत रहै । ¹⁵बे अपसमे बातचित करत और बहस करत बेरा येशु अपनए बिनके ठिन आएके बिनके सँग गओ । ¹⁶पर बिनकि आँखी बाके ना चिनन् बारी बनाए दै रहै । ¹⁷येशू बिनसे कही, "तुम नेगत आपसमे का बहस करत रहओ ? बे उदास हुईके ठौण रुकिगए ।" ¹⁸बे दुई मैसे क्लोपास बाके जवाफ दै, "जे दिनमे यरुशलेममे भइ बातके पता ना पान बारे आदमी का तुम इकल्ले हओ ?" ¹⁹बा बिनसे पुछी, का बात, बे जवाफ दै: येशु नासरिक बारेम बा एक अगम वक्ता रहए, और परमेश्वर और सब आदमीके सामने काम और बचन मे शक्तीशाली रहै । ²⁰तव मुखिया पुजारी और हमर शासक बाके मृत्यु दण्डके ताही सौंपी, और बाके कुसमे टाँगी । ²¹इसाएलको उद्धार करन बारो बहे हए, कहिके हम आसा करे रहै । जा सब बात छोडके जा घटना घटके आज तिस्रो दिन है । ²²जा: बाहेक हम मैसे कोईकोई बैयर अचम्मो बताइ है । बे आज सबेरे चिहानमे गई रहै । ²³और येशुक शरीर ना पाई, बे आएके हमके सुनाई, हम स्वर्गदुत देखे, बा येशु जिन्दा हुइगव है कहि । ²⁴हम मैसे कोई-कोई मरघटायामे गौ, और बे बैयर जो कही रहै, उइसी पाई, तव बाके ना देखी ।" ²⁵येशू बिनसे कही, "अबुझ आदमी तुमर हृदय यित्तो सुस्त काहे भव हए, का अगमवक्ता कही बातमे विश्वास ना करत हौ ?" ²⁶का खिष्टके जा कष्ट भोगनो और अपनी महिमामे प्रवेश करन जरुरी ना हए का ?" ²⁷तव मेशा और सब अगमवक्तासे सुरु करके बा धर्म शास्त्रमे अपने बारेमे लिखी बातको अर्थ बिनके खोल दै । ²⁸बे जौन गाउँमे जात रहै, बाके ठिन पुगे । बा और दुर जानके चाहत रहए, जैसो करी । ²⁹तव बे बाके अइसो करके कर लगाई, "हमर सँग बैठओ, काहेकी सौँझा होन लागो, और दिन बहुत ढल गओहै ।" और बा बिनके सँग बैठनके घर भितर घुसो । ³⁰जब येशु बिनके सँग खान बैठो बा रोटी लैके आशिर्वाद दै, और तोडके बिनके देन लागो । ³¹तव बिनकि आँखी खुली, और बे बाके चिनी । और बा बिनके नजरसे अलोप हुइ गओ । ³²बे आपसमे कही, बा हमर सँग डगरमे बात चित करत, और हमके धर्म शास्त्रको अर्थ, खोल देन पेती का हमर हृदय भितर प्रज्वलित ना भव रहए का ?" ³³बहे बेरा बे उठके और यरुशलेम घुमे । और एघार चेला और बिनके सँग जम्मा भएनके भेटी, ³⁴और बिनसे अइसो कहि, "प्रभु सँच मे जिवित हुइके उठिगओ और सिमोन ठिन दिखानो रहए ।" ³⁵तुमर डगरमे भई बात और रोटी तोडत पेती कैसे प्रकट भओ, सो बताए दै ।" ³⁶बे जा बात काहत पेती येशु बिनके बिचमे प्रकट भव रहए, और बे डरके मारे घबणाए गए । और बिनसे कहि तुमके शान्ती होबए ।" ³⁷बे झस्के, और डरके मारे घबणाए गए, और हम त प्रेत देखे रहए कहिके समझी । ³⁸तव बा बिनसे कहि, "तुम काहे बिचलित होत हौ, और तुमर हृदयमे काहे प्रश्न उठात हओ ?" ³⁹मिर हत और मिर पाओं देखै, महि हौ, मोके छुएके देखै । काहेकि प्रेतनको मासु और हड्डी ना होत हए, तव तुम देखत हौ, मिर त हए ।" ⁴⁰अइसी कहिके पिच्छु बा बिनके अपन हात और पाओ दिखाई । ⁴¹तव खुशिसे पत्यान नासकन जैसो बे अचम्मो पणत बा बिनसे कहि, का तुमर ठिन हियँ कुछ खान बारो चिज हए । ⁴²बे बाके पकाओ भव एक मछरी दै । ⁴³तव बा बाके लैके बिनके अगु खाई । ⁴⁴बा बिनसे कहि, "तुमर सँग होत पेति मै तुमसे बोलो रहओ, कि मोसाको व्यावस्था, अगमवक्ता और भजनके पुस्तकमे मिर विषयमे लिखो सब बात पुरा होन पणैगो ।" ⁴⁵तव धर्मशास्त्र समझन ताहि बिनको दिमाँकके खोल दै । ⁴⁶बा बिनसे कहि, अइसो लिखो हए की खिष्ट दुःख भोगैगो और तिस्रो दिनमे मृत्युसे जिन्दा होन पणैगो । ⁴⁷तव यरुशलेमसे सुरु करके सब जातिनके बाको नाउँमे पश्चाताप और पाप क्षमाको प्रचार होन पणैगो । ⁴⁸तुम जा बातके साक्षी हौ । ⁴⁹देखओ, मै मिर पिताको प्रतिज्ञा तुमर ठिन पठात हौ, पर उपरसे शक्ती ना पान तक तुम हियाँ शहरमे बैठीओ ।" ⁵⁰तव पिच्छु बा बिनके बेथनियँ तक लैगओ, और अपन हात उठएके बिनके आशिर्वाद दै । ⁵¹बा बिनके आशिर्वाद देतए देत, बा बिनसे छुटिगओ और स्वर्गमे चले गओ । ⁵²बे बाको उपासना करी, और बणो आन्नद साथ यरुशलेम लौटाए । ⁵³और बे परमेश्वरको प्रार्थना करत मन्दिरमे रोज रहन लागे ।

John

Chapter 1

¹सुरुमे बचन रहए, बचन परमेश्वरसँग रहए, और बचनए परमेश्वर रहए । ²बा सुरुवएसे परमेश्वरसँग रहए । ³सब चिज बहेसे बनो, और बनो कोई चिज फिर बा बिना ना बनो । ⁴बामे जीवन रहए, और बो जीवन आदमीक ताँही ज्योति रहए । ⁵ज्योति अँधीयारोमे चमकत हए, और अँधीयारो बाके ना जित पाई । ⁶परमेश्वरसे पठाओ एक आदमी रहए, जौनको नाउँ यूहन्ना रहए । ⁷बासे सब विश्वास करएँ करके बा ज्योतिकी गवाही देनके ताँही साँची बनके अओ । ⁸यूहन्ना अपनाए ज्योति ना रहए, पर बा ज्योति के गवाही देन अओ । ⁹बा सबए आदमीनके ज्योति देनबारो और संसारमे आनबारो सच्चो ज्योति रहए । ¹⁰बा संसारमे रहए, और संसार बहेसे बनो, तहुँ संसार बाके ना पहिचान पाई । ¹¹बा अपन आदमी ठिन अओ, तहुँ अपने आदमी बाके ग्रहण ना करीं । ¹²तव जित्तो बाके ग्रहण करीं और बाको नाउँमे विश्वास करीं, बा उनके परमेश्वरको सन्तान होनके अधिकार दै । ¹³बे ना रगतसे, ना शरीरकी इच्छासे, और ना आदमीके इच्छासे, पर बे परमेश्वरसे जन्मे रहएँ । ¹⁴और वचन देहधारी भव, और हमर बिचमे बास करी । हम पितासे आओ भव एकए पुत्र जैसो और अनुग्रह और सत्यसे पुरो महिमा देखे । ¹⁵यूहन्ना बाके बारेमे गवाही देत जोडसे कहि, "मोसे पिच्छु आन बारो मोसे बडो हए, काहेकी बा मोसे अगुको हए जौनके बारेमे मए कहो, बा बहे मने हए ।" ¹⁶काहेकी

बाको पूर्णतासे हम सब अनुग्रह उपर अनुग्रह पाए हएँ ।¹⁷ काहेकी व्यवस्था परमेश्वर मोशासे दर्ई, अनुग्रह और सत्यता येशू ख्रिष्टसे आओ ।¹⁸ कोई फिर परमेश्वरके कबहु ना देखि हएँ । पिताको छातीमे अडास लागन बारो एकए परमेश्वर बाके चिनाई हए ।¹⁹ "यहूदी यरुशलेमसे पुजारी और लेवीके "तुम कौन हो ?" करके पुछन पठाई, तव यूहन्नाकी गवाही जा हए । " ²⁰"बा खुलके कही, और इन्कार ना करी, और "उत्तर दै "मए ख्रीष्ट न हौं । " ²¹"तव बे उनसे कही, "तव तुम कौन हौ ? का तुम एलिया हौ ?" बा कही, "मए न हौं ।" बे कहि का तुम अगमवक्ता हौ ?" बा कही, मए न हौं ।²² तव बे बिनके कही तुम कौन हौ ताकि हमके पठान बारेके हम जबाफ दए पामए । तुम अपने वारेमे का कहत हौ ?" ²³"बा कहि "मए उजाड-स्थानमे चिल्लान बारो एक आबाज हौ । "परमप्रभुके ताहीं डगर सुध करओ' जैसो यशैया अगमवक्ता कहि ।²⁴ उनके पठाए भए फरिसीनसे रहएँ ।²⁵ बे बासे पुँछी "और कहिं "तुम ना ख्रीष्ट , ना एलिया, ना अगमवक्ता हौ फिर तव, काहे बप्तिस्मा देतहौ ?"²⁶ और यूहन्ना उनके यईसी जबाफ दै, "मए पानीसे बप्तिस्मा देतहौं, तव तुमर बीचमे न चिनो कोई ठाडो हए, ।²⁷ मोसे पिच्छु आनबारो बहे हए । बाके जुताको तनी खोलन लायकको मए न हौं ।" ²⁸यर्दन नदीया पार बेथानियामे जा बात भव रहए, जहाँ यूहन्ना बप्तिस्मा देत रहए ।²⁹ दुसरे दिन यूहन्ना येशूके अपन घैन आत देखि और कहि, "देखओ, संसारको पाप उठान बारो परमेश्वरको थुमा ! ³⁰मोसे पिछु आन बारो मोसे बडो हए, काहेकि बा मोसे अग्गुसे हए कहिके मए कहो बहे हए ।" ³¹मए अपनए बाके न चिनो, तव बा इस्राएलमे प्रघट होबए कहिके मए पानीसे बप्तिस्मा देत आओ ।"³² यूहन्ना अइसे गवाही दै, "मए पवित्र आत्मा स्वर्गसे कबुतरके रुपमे उतरतै आत और बाके उपर बैठत देखो ।" ³³मए बाके ना चिनो रहौं, पर पानीसे बप्तिस्मा देनके पठान बारो मोके कहि ,तुम जौनके उपर पवित्र आत्मा उतरत आए और बाके उपर बैठत देखए हए, पवित्र आत्मासे बप्तिस्मा देन बारो बहे हए ।" ³⁴मए देखो भव, और बहे परमेश्वरको पुत्र हए कहिके गवाही दओ हओ ।"³⁵ फिर दुसरे दिन यूहन्ना आपनो दुई जनी चेलाके संग ठाडो रहए ।³⁶ बे येशूके बहे डगर हुईके जात देखीं और यूहन्ना कहि, "देखौ, परमेश्वरको मेम्ना !"³⁷ यूहन्ना अइसो कहात जे दुई चेला सुनी और बे येशूके पिच्छु लगगए ।³⁸ तव येशू बे बाके पिच्छु आत देखी , और बिनसे कही, "तुम का दुइत हओ ?" बे बासे कहीं, "रब्बी {जौनको अर्थ हए गुरुजी} तुम कहाँ रहत हओ ?" ³⁹बा उनसे कहि, "आओ, और तुम देखैगे ।" तव बे आए, और बाको बैठन बारो ठाऊँ देखिं । बे बहे दिन बाके संग बैठे, काहेकी लगभग चार बजिगव रहए ।⁴⁰ यूहन्नाको कहो सुननबारे और येशूक पच्छु लागनबारे बे दुई जनी मैसे एक जनी सिमोन पत्रुसको भईया अन्द्रीयास रहए ।⁴¹ अन्द्रीयास अपन भईया सिमोनके पाईके कहि "हम मसिहके (जौनको अर्थ हए, ख्रीष्ट) के पाएगयँ हएँ ।" ⁴²बा अपन भईयाके येशू ठिन लाई । और येशू बाके देखि और कहि, "तए यूहन्नाके लौंडा सिमोन हए, । तए केफास (जौनको अर्थ हए, पत्रुस) कहोजाइगो ।"⁴³ दुस्रो दिन येशू गालीलमे जान बा जगहके छोड़न चाँहत रहए । और फिलिपके पाएके येशू बासे कही, 'मिर पिच्छु लाग ।" ⁴⁴अन्द्रीयास और पत्रुस कता फिलिप फिर बेथसेदा सहेरके रहएँ, ।⁴⁵ फिलिप नथानेलके पाएके कहि, "जौनके बारेमे मोशा व्यवस्थामे और अगमवक्ता फिर लिखिरहँए, योसेफको पुत्र नासरतको येशूके हम पाएगएँ हए ।"⁴⁶ नथानेल उनसे कहि, "का नासरतसे कछु अच्छी बात अए सकत हए ?" फिलिप बासे कही,"आएके देखओ ।" ⁴⁷येशू नथानेलके अपने घेन आत देखि और बा उनके बारेमे कहि, "एक जनी पक्को इस्राएलीके देखओ, जोमे कोई झुठ ना हए ।" ⁴⁸नथानेल पुँछी, "तुम मोके कैसे चिनलए ?" येशू बाके जवाफ दैके कही, "फिलिप तोके बुलानसे अग्गु, गुलरको रुखा तरे मए तोके देखो रहौं ।"⁴⁹ नथानेल बासे कही, "रब्बी, तुम परमेश्वरके पुत्र हौ, तुम इस्राएलके राजा हओ ।" ⁵⁰येशू बिनके जबाफ दैके कही, "मए तोके गुलरके रुखा तरे देखनके कारनसे का तुम मोके विश्वास करत हओ ? तुम जासे फिर बडो बडो काम देखैगे ।" ⁵¹येशू कही, "नेहत्य, मए तुमसे कहात हओँ, तुम स्वर्ग खुलो और परमेश्वरके स्वर्गदुत आदमीको पुत्रके उपर चढत और उतरत देखैगे ।"

Chapter 2

¹तिसरे दिन गालीलके काना नगरमे एक विहा रहए । येशूकी अइया हुवाँ रहए । ²येशू और बाके चलनके फिर विहाको निउतो दै रहयँ । ³दाखमध खतम हुइगओ तव, येशूकी अइया बासे कही, “बिनके संग दाखमध ना हए ।” ⁴येशू उनसे कही, “हे नारी, मोके का करन पडैगो बा मत कहाए । मिर बेरा ह्बाए ना आओ हए ।” ⁵बाकि अइया चाकरन से कहि, “ऊनको कहो जैसो तुम करओ ।” ⁶अब यहूदीनको शुद्धकरन होन बारो चालचलनके ताहिं हुवाँ लगभग: सौ लिटर अपानबारे छ्छ मौना रहँए । ⁷“येशू उनसे कहि, “मौनाके पानीसे भरओ ।” बे मौनाके मोहोणो तक पानी भरीं ।” ⁸तव बा नोकरन से कही, “थोडी अखनाएके विहाको मुखियाके ठिन लइजाबओ ।” बे अइसिए करीं । ⁹विहाको मुखिया दाखमधसे बनो बा पानी चाखी, पर जा कहाँ से आओ हए सो बाके पता ना रहए, (पर पानी भरन बारो चाकरन के पता रहए) । तव विहाको मुखिया दुलहाके बुलाएके कही, ¹⁰और बासे कही “सब आदमी अगु अछ्छो दाखमध देतहँए और आदमी बहुत पिलेतहँए पिच्छु कमसल दाखमध बांटत हँए, पर तय ता अछ्छो दाखमध ह्बाए तक धरे हए ।” ¹¹येशूक चिनह मैसे जा पहिलो चिन्ह येशू गालीलके कानामे करी रहए । अइसे बा अपन महिमा प्रगट करी, और बक चेला बाके उपर विश्वास करीं । ¹²पिच्छु येशू अपन अइया, बाकी भैयन और चलन संग कफर्नहुममे गओ, और कुछ दिन हुवाँ बैठो । ¹³यहूदीनको निस्तार-चाड जौने रहए, और येशू यरुशलेममे गओ । ¹⁴बा मन्दिरमे बर्धा, भेडा और कबुतर बेचन बारे पाईगओ और रुपैया साटन बारे फिर बहे ठाउँमे बैठे रहँए । ¹⁵जहेमारे बा रस्सीकी एक पैना बनाएके भेडा और बर्धा सहित बे सबके, मन्दिरसे बाहिर निकारके रप्टाई दै, और बा पैसा साटन बारेन कि टेबुल पलट दै । ¹⁶कबुतर बेचन बारेनसे बा कही, “हियाँसे जे सब चिज लैजाओ । मिर पिताके घरके बजार मत बनाओ ।” ¹⁷बाके चलनके धर्मशास्त्रमे लिखी बात याद आई, “तुमर घरकी जोस मोके जलात हए ।” ¹⁸यहूदीनकी अधीकारी बासे कही, “तुम जो काम करतू हौ, तव तुम हमके का चिनह दिखएहौ ?” ¹⁹येशू जबाफ दै, “जा मन्दिरके उजाड देओ, । और मए तीन दिनमे जाके ठडबाय देहँ ।” ²⁰तव यहूदी अधिकारी कहान लागे, “जा मन्दिर बनान् के छयालीस वरष लागो हए, और तुम जाके तीन दिनमे खडा करदे हओ का ?” ²¹पर बा अपन शरीरकी मन्दिरके वारेमे बतात रहए । ²²जब बा मरके जिन्दा भव, तव कि बा कही जा बात बाकी चलनके याद भव और बे धर्मशास्त्र और येशूकी कहि भई बातके उपर विश्वास करीं । ²³बा निस्तार- चाडकी बेरा यरुशलेममे रहए, बाके करेभए काम देखके बहुत जनी बाको नाउँमे विश्वास करीं । ²⁴पर येशू बिनको भरोसा ना करी, काहेकी बा बिनके सबके चिनत रहए । ²⁵काहेकी आदमीके बारे मे बाके कोईकि गवाहीकी जरूरत ना रहए । काहेकि आदमीकि हृदयमे का होथए, बा जान्त रहए ।

Chapter 3

¹अब हुँवा निकोदेमस नाउँको एक आदमी रहए बा यहूदी महासभाको एक अगुवा रहए । ²जा आदमी रातके येशू ठिन आओ, और बासे कही, “गुरुजी, हम जान्त हँए तुम परमेश्वर आए भए एक शिक्षक हौ, काहेकि परमेश्वर संगमे ना हुइहए तव तुमर करेभए जे चिन्ह कोई ना कर पएँ हँए ।” ³येशू बाके जबाफ दैके कही, “नेहत्य मए तुमसे कहात हौं, कोइ नयाँ हुइके ना जन्मैगो तव बा परमेश्वरको राज ना देख पएहएँ ।” ⁴निकोदेमस बासे कही, “आदमी बुढो हुइ जएहए तव कैसे जलम हए ? का बा अपन अइयाके गरभ मे दुसरे दाँव घुसके जलम ले हए का ?” ⁵येशू जवाफ दै, “नेहत्य मए तुमसे कहात हौं, कोइ पानी और आत्मासे ना जलमेहए तव परमेश्वरके राजमे ना घुस पएहए ।” ⁶शरीरसे जन्मो शरीर हए, और पवित्र आत्मासे जन्मो आत्मा हए । ⁷मए तुमके तुम फिर जलमन पडैगो कहात हौं अचम्मो मत मानौ । ⁸हावा जितए चहात हए उतै बहत हए । तुम हावाकि अवाज त सुनत हौ, पर बा कहाँसे आत हए और कितए जात हए, सो ना जानत हौ । पवित्र आत्मासे जलमो सब उईसियए हुई हँए ।” ⁹निकोदेमस जवाफ दै, और बासे कही, “जा बात कैसे हुइ पएहए ?” ¹⁰येशू बाके जबाफ दैके कही, “का तय इस्राएलको गुरु हए तहुँ फिर जे बात ना समझत हय ?” ¹¹नेहत्य, मए तोसे कहात हौं, हम जो जानत हँए बहे कहात हँए, और हम जो देखे हँए, बहेकी गवाही देत हँए, पर तुम हमर गवाही स्वीकार ना करत हौ । ¹²मए तुमसे पृथ्वीको बात कहो, तहुँ फिर तुम विश्वास ना करे, तव तुमके स्वर्गकि बात बतए हौं तव कैसे विश्वास कर हौ ?” ¹³स्वर्गसे उतरके आन वालो आदमीको पुत्र बाहेक कोई फिर स्वर्गमे ना गव हए । ¹⁴जैसी मोशा उजाड – ठाउँमे साँपके उठाई, उईसी आदमीको पुत्र उपर उठओ जयहए, ¹⁵और जौन बाके उपर विश्वास करहँए, सब अनन्त जीवन पाएँ हँए । ¹⁶“काहेकी परमेश्वर संसारसे अईसो प्रेम करी, कि बा अपन एकलौटा पुत्र दै, ताकि बाके उपर विश्वास करनवारे कोइ फिर नाश ना होबए, पर बा अनन्त जीवन पाबए ।” ¹⁷काहेकी परमेश्वर संसारके दण्ड देन नाए, पर संसारके बचान ताँही आपनो पुत्र दै । ¹⁸जौन बाके उपर विश्वास करहए, बा दोषी ना ठहरैगो, पर बामे विश्वास ना करन बारो अगुसे दोषी ठहिरगौ हए, काहेकि बा परमेश्वरको एकलौटा पुत्रके नाउँमे विश्वास ना करी हए । ¹⁹फैसलाको कारन जहे हए: ज्योति संसारमे आओ हए, और आदमी ज्योतिसे जड्ढा अन्धियारोके मन पडाई, काहेकी बिनकी काम खराब रहए । ²⁰काहेकी खराब काम करन बारो सब ज्योतिके नफरत करत हँए । और ज्योतिमे ना आत हय, ताकि बाके काम प्रकट ना होबए । ²¹सत्यसे जिन बारो आदमी ज्योतिमे आतहए, और परमेश्वरमे करी भई बाको काम प्रकट होबए । ²²तओ पिछु येशू और बाके चेला यहूदीयामे गए, और हुवाँ बा बिनके संग कुछ दिन बैठी, और बप्तिस्मा दै । ²³यूहन्ना फिर सालीमके जौने एनोनमे बप्तिस्मा देत रहए, काहेकी हुवाँ बहुत पानी रहए । हुवाँ आदमी बाके ठिन आत रहँए और बे बप्तिस्मा लेत रहँए । ²⁴काहेकि यूहन्ना बा बेरा जेलमे ना पडो रहए । ²⁵हुवाँ यूहन्नाके कुछ चेला और एक जनी यहूदीबिच सुध्दीकरणके वारेमे बिबाद हुइगओ । ²⁶यूहन्नाके ठिन आएके बे बासे कही, “गुरुजी, यर्दन नदीयाकि बा पार जो तुमरसंग रहए, जौनके वारेमे तुम गवाही दए रहौ, देखओ, बा बप्तिस्मा दएरहो हए, और सब बाके ठिन जाएरहे हँए ।” ²⁷यूहन्ना जबाफ दै, “आदमीके स्वर्गसे ना देन तक बा कोई चिज कर ना पएहए ।” ²⁸मए ख्रीष्ट न हौं, पर मए बासे अगु पठाओ भव हौं’ करके मिर गवाही तुम अपनए देत हौ ।” ²⁹दुलहीन त दुलहाकि हए, । दुलहाके ठिन जो ठाणो होत हए, और बाको अवाज सुनन बारो साँगी दुलहाको आवाज सुनके गजब खुशी होत हए । तव मिर आनन्द अब पुरा होबैगो । ³⁰बा बढैगो, और मोके घटन पडहए । ³¹“उपरसे आन बारो सबसे उँचो हए । पृथ्वीसे होन बारो पृथ्वीको हए, और पृथ्वीकी बात बोल्त हए । स्वर्गसे आन बारो बा सबसे उँचो हए ।” ³²बा जो देखत और सुनत हए, बाकी गवाही बा देत हए, पर बाकी गवाही कोई ग्रहण ना करत हँए । ³³जौन बाकि गवाही ग्रहण करी हए, परमेश्वर सत्य हए कहिके प्रमाण देत हए । ³⁴काहेकी जौनके परमेश्वर पठात् हए, बा परमेश्वरको वाणी बोल्त हए, काहेकी परमेश्वर बिना नाप पवित्र आत्मा दै हए । ³⁵पिता पुत्रके प्रेम करत हए, और सब चिज बाके हातमे दै हए । ³⁶जौन पुत्रके उपर विश्वास करहए, बाके संग अनन्त जीवन हए । जौन पुत्रको आज्ञापालन ना करहए, बा जीवन ना देखैगो, और परमेश्वरको क्रोध बाके उपर पडहए ।

Chapter 4

¹यूहन्नासे येशू बहुत चेला बनात हुए और बप्तिस्मा फिर देन डटो हुए कहिके फरिसी लोग सुनी हैंए कहिके पता पाई । ²{ वास्तबमे येशू अपनाए बप्तिस्मा न देत रहए, पर बाके चेला फिर बप्तिस्मा देत रहएँ } ³बा यहूदिया छोड़के फिर गालीलमे लौट गओ। ⁴पर बाके सामरिया हुड़के जानके जरुरी रहए । ⁵और बा याकूब अपन लौड़ा योसेफके दइ भई जमिनको कछु हिस्सा जीने भौ सामरियाको सुखार कहाँन बारो सहेरमे आए पुगो । ⁶हुवाँ याकूबकी कुड़याँ रहए । येशू अपनी यात्रासे थकौ और कुड़याँ ठिन वैठो रहए । और दुपाहर भव रहए । ⁷एक सामरी बैयर पानी भरन हुवाँ आई । और येशू बासे कही, “मोके पानी पिन दे ।” ⁸बाके चेला सहेरमे खान बारी चिज किनन गए रहएँ । ⁹जाकेपिच्छु सामरी बैयर बासे कही, “तुम यहूदी हुड़के फिर मए एक सामरी बैयरकि हातसे कैसे पिन बारो चिज मागत हओ ?” { यहूदी सामरी संग कुछु सम्बन्ध ना करत हएँ } ¹⁰येशू बासे कही, “तय परमेश्वर को वरदान चिन्तो और तोसे पानी मागन बारो आदमीके चिन्तो तओ तए बासे माँगतो, और बा तोके जिन्दा पानी दितो ।” ¹¹बैयर बासे कही, “महाराज, तुमर संग निकारन बारो भौडा न हय और कुड़याँ फिर गहिरी हए । तव तुम कहाँसे बा जिन्दा पानी लए हओ ?” ¹²का तुम हमर पुर्खा याकूबसे बडे हओ ? बा हमरे ताँहि जा कुड़याँ बनाए दै, और बा अपना फिर पानी पिई और बाकी सन्तान और उनके गोइङगर जहे कुड़याँके पानी पिई ।” ¹³येशू बाके जवाफ दै, और कही, “जा पानी पिन बारनके फिर्के प्यास लगहए, ¹⁴पर जौन-जौन मिर दओ पानी पिहए बा कबही प्यासो ना हुड़हए । जौन पानी मए बाके दए हओ, बा बाँकी अनन्त जीवनके ताँहि निकरन बारो पानीको मूल बनजए हए !” ¹⁵बैयर बासे कही, “हजुर, मोके बहे पानी देबओ, और मए प्यासो नाहोमौ, और हियाँ पानी भरनके आन ना पडए ।” ¹⁶येशू बासे कही, “जा तए अपन लोगाके बोलएके लिया ।” ¹⁷बैयर बासे कही, “मिर लोगाए ना हए ।” येशू बासे कही, तिर लोगा ना हए करके तए ठिकए काहत हए, ¹⁸काहेकि तिर पाँच जने लोगा हुड़डारी हएँ, और जौन हबए तिर संग हए, बा तिर लोगा ना हए । जा तए ठिकए बताओ हए ।” ¹⁹बैयर बासे कही, “हजुर, तुम अगमवक्ता हौ कहिके मए देखत हओ ।” ²⁰हमर पुर्खा जा डँगामे आराधना करत रहए, पर आदमीकी आराधना करन वालो ठाउँ यरुशलेम हए कहीके तुम काहत हओ ।” ²¹येशू बासे कही, “ए बैयर, मोके बिश्वास कर, बा बेरा आएरहो हए, तुम पिताके ना जा डँगामे ना यरुशलेममे आराधना करहौ ।” ²²तुम जो ना जान्त हौ सो आराधना कर्त हौ । हम जो जानत हएँ बहेको आराधना कर्त हएँ, काहेकी उद्धार त यहूदीनसे आत हए ।” ²³अब बेरा आए रहो हए, और बा बेरा हबै हए, जव सँच्चो आराधक पिताके आत्मा और सत्यतासे आराधना करहँ । काहेकी अईसी आराधना करन बारो आराधकके पिता ढुँडत हए । ²⁴परमेश्वर आत्मा हए और बक आराधना करन बारो आदमी बाकी आत्मा और सत्यतामे आराधना करन पडत हए ।” ²⁵बैयर बासे कही, “मए जानत हँ, कि मसीह अबैगो {जोसे ख्रीष्ट कहात हए}, और जब बा अबैगो, तव बा हमके सब बात बताए देहए ।” ²⁶येशू बासे कही, “तुमसे मस्कन बारो, मए बहे हओ ।” ²⁷उतिए खिन बाके चेला आएगए, और बा एक बैयरसे बात करत देखके, बे छक्क पडीं “और तुम का चाहत हओ ?” अथवा “तुम बा बैयरसे काहे बातचित करत हौ ?” कहिके कोई ना कहीं ।” ²⁸तव बा बैयर अपन घल्ला छोड़के सहर घेन गई, और आदमीनसे कही, ²⁹“आओ मिर करे भए सबए काम मोके बताए देन बारो आदमीक देखओ, । कहु बा ख्रीष्ट ता ना हाए ?” ³⁰तव बे सहरसे बाके ठिन आए । ³¹बहे बेरा चेला बासे अईसे बिन्ती करत रहए “रब्बी, खाए लेओ ।” ³²पर बा उन्से कही, “मिर झौन खानबारो चिज हए, जो तुम ना जानत हओ ।” ³³तभे चेला एक आपसमे कहिं, “का कोई बाके ताँहिं खानु नालाई हय, लायी है र ?” ³⁴येशू बिनसे कही, “जो मोके पठाइ हए, बहएको ईच्छा और बहएको काम पुरा कर्नोही मिर खानु हए ।” ³⁵अभए फिर चार महिना हए और बाकेबाद कटनी करनकी समय अए हए कहिके का तुम ना काहत हओ? मए तुनसे काहि रहो हओ, खेतके देखओ, काहेकि कटनीके ताही बे अगुए पकगय हय। ³⁶जौन कटनी कथए बहय मजदुरि पाथए, और अनन्त जीवनके ताँहिं फल बटुलथए, ताकी बोन बारे और कटनी करन बारे एक संग रमए सकए।” ³⁷काहेकी ‘एक जने बोबैगो, और दुसरो कटनी करैगो,’ कहिके वचन जहेमे सच्चो हए ।” ³⁸मए तुमके हुँवाँ कटनी करन पठाओ, जहाँ तुम मेहेनत ना करेहओ । और आदमी मेहेनत करिहए, और बिनको मेहेनत को फल तुम पाए हौ ।” ³⁹मए जो करो बा मोके सबए बात कहिदै हए” कहिके बा बैयर् कि गवाही के कारन बा नगर मैके सामरी मैसे गजब बाके उपर विश्वास करीं । ⁴⁰जहेमारे जब् सामरी बाके ठिन आए, तव बे बाके बिन्तिके संग बैठन बिन्ती करीं, और बा दुई दिन हुवाँ बैठो । ⁴¹और बाकी वचन के कारन और गजब बाके उपर विश्वास करीं । ⁴²बे बा बैयर से कहीं, “अब तुमर कहि बात से हम विश्वास नाए करे, पर हम अपनए सुननके कारनसे नेहत्य बा संसारको मुक्तिदाता हए कहिके हम जाने हैं ।” ⁴³दुई दिन पिछु हुवाँसे निकरके बा गालीलमे गओ । ⁴⁴काहेकी { येशू अपनए गवाही दइ, कि अपने ठाऊमे कोई अगमवक्ताके आदर ना होत हए } ⁴⁵जब बा गालीलमे आओ, तव बा यरुशलेममे तेवहारको बेरा जो करी रहए, बे सब काम देखके गालिली बाके स्वागत करी, काहेकी बेहुं हुवाँ तेवहारमे आए रहएँ । ⁴⁶तव पिछु बा फिर गालीलके काना नगरमे आओ, जहाँ बा पानीके दाखमध बनाई रहए । कफर्नहुममे एक जने बडो अधिकारी रहए, बक लौड़ा बिमार रहए । ⁴⁷येशू यहूदियासे गालीलमे आओ हए करके सुनके बा बाके ठिन गव, और मिर लौड़ाके आएके अच्छो करदे कहिके बिन्ती करी, काहेकी बाको लौड़ा मरनए लागो रहए । ⁴⁸तव येशू उन्से कही, “तुम चिन्ह और अचम्मोक काम नदेखे तक कोई रितिसे विश्वास नाकरैगो ।” ⁴⁹बा बडो अधिकारी बासे कही, “हजुर, मिर लौड़ा मरनसे अगुयए आए देव ।” ⁵⁰येशू बासे कही, “जाओ, तुमर लौड़ा बचजाए हए ।” येशू बासे कही वचनमे बा आदमी विश्वास करि, और अपन डगर गओ । ⁵¹और बा जातए पेति बाको लौड़ा बचिगओ कहत बाके बतातए नोकर बासे भेट करीं । ⁵²किन्तो खिनसे बक अच्छो लागन लागो कहिके जब बा बिनसे पुछी तव बे कहिं, “कल दूपाहरसे एक बजे घेन जाडो बाके छोड दै ।” ⁵³येशू बासे “तुमर लौड़ा अच्छो हुइ जए हए” कही रहए बहय घडीसे अच्छो भव करके दौवा पता पाई । और बा औ बक सारा परिवार विश्वास करीं ।” ⁵⁴येशू यहूदियासे गालीलमे आएके बासे करो जा दुसो चिन्ह रहए ।

Chapter 5

¹तब पिछु यहूदीनकी तेवहार रहए, और येशू यरुशलेम मे गओ रहए, ²यरुशलेममे भेडा-फाटक जौने एक ताल रहए छानी सहितको पाँच बडेरि हए । जौनसे हिब्रू भाषामे बेथस्दा कहात् हँए । ³बा हुवाँ अनेक रोगी, और अन्धरा, लंगडा, पक्षाघाती हुवाँ पडे रहए । [बे पानी कित्तो बेरा छलके हए करके आसरा देखत रहएँ । ⁴काहेकी परमप्रभुक एक दुत समय समयमे जल कुण्डमे उतरके पानी हलाए देत रहए, और पानी छलको खिनक जो पहिले पानी भितर घुसत रहए, तब जैसो रोग होबए फिर, बा अच्छो हुइ जात रहए ।] ⁵हुवाँ अठतीस वर्षसे बिमारी भाव एक आदमी रहए । ⁶जब येशू बाके हुवाँ लेटो देखि और लम्बो समयसे बा जा दसामे हए करके जानके येशू बासे कही, “का तए अच्छो होन चाहँत हए ?” ⁷बा बिमारी आदमी बासे कही, हजुर, जौन बेरा पानी छलकत हए मोके जल कुण्डमे डारन बारो मिर कोइ ना हए, मए जातए जात मोसे अगु दुस्रो आदमी पानीमे घुसिजात हए । ⁸येशू बासे कही, “ठाड, और अपन बिछना उठा, और नेग ।” ⁹तुरन्तए बा आदमी अच्छो हुइ गओ, और अपनी बिछना बोकके बा नेगन लागो । बा दिन शबाथ –दिन रहए । ¹⁰तब अच्छो भव आदमीसे यहूदी कहीं, “जा ता शबाथ - दिन हए, तोए बिछना बोकन ठिक ना हए ।” ¹¹बा उनसे जबाफ दैके कही, “जौन मोके अच्छो करी बहे मोसे कही, 'अपन बिछना बोकके नेग ।’” ¹²बे बासे पुछी, “तोसे बिछना बोकके नेगन कहँन बारो आदमी कौन हए ?” ¹³तब अच्छो भव आदमी बा कौन हए करके चिन ना पाई रहए, काहेकी बा ठाउँमे भिड रहए बहे मारे येशू हुवाँसे गओ रहए । ¹⁴तब पिछु येशू बाके मन्दिरमे भेटके कही, “देख, तए अच्छो भव हए । अब पाप मत करीए, और तिर उपर और जद्धा खराबी ना आबए ।” ¹⁵बाके अच्छो करन बारो त येशू हए कहिके बा आदमी जाएके यहूदीन के बताए दै । ¹⁶तहिमारे यहूदी येशूके खेदो करन लागे, काहेकी बा काम शबाथ दिनमे करी रहए । ¹⁷तब येशू बिनसे कही, “मिर दौवा हबए तक काम करी रहो हए, और मए फिर काम करी रहो हौ ।” ¹⁸जहेमारे यहूदी येशूके मारन और जद्धा बिचार करन लागे, काहेकी बा शबाथ-दिन भडगू करी इकल्लो नाए, तब अपनाएके परमेश्वरके बराबर बनाई और बा परमेश्वरके पिता कही रहए । ¹⁹येशू बिनसे कही, “नेहत्य मए तुमसे कहत हौ, पुत्र अपनाए कछु करनाए पए हए, पर पिताके जो करत् देखेहए बहे करेहए, काहेकी पिता जो करेहए, पुत्र बहे करेहए ।” ²⁰काहेकी पिता पुत्रके प्रेम करत् हए, और बा अपनो करी रहो सब काम पिताके दिखात हए । जिनसे बड़ो काम बा पुत्र दिखए हए, और तुम अचम्मो मनेहौ । ²¹काहेकी जैसे पिता मरेनके उठाबैगो और बिनके जीवन देबैगो, उइसी पुत्र फिर जौनक इच्छा करत हए, बाके जीवन देतहए । ²²काहेकी पिता कोइके फिर न्याय नए करत हए, बल्कि सब न्याय करन काम पुत्र के दै हए, ²³ताकि सब पुत्रके आदर करो, जैसे बे पुत्रके आदर करङ्गे । जौन पुत्रके आदर ना करहए ताओ बाके पठान बालो पिताके फिर आदर ना करैगो । ²⁴“नेहत्य, मए तुमसे कहत हौ, जौन मिर बचन सुने हए और मोके पठान बारेके उपर विश्वास करेहए, बाके संग अनन्त जीवन हए । बा न्यायमे ना पडैगो, और मृत्यु से बा जीवनमे प्रवेश करए हए ।” ²⁵“नेहत्य, मए तुमसे कहत हौ, बा बेरा आईगव हए, और बा बेरा हबै हए, जब मरे भए परमेश्वरको पुत्रको आबाज सुनेहए, और सुनन बारे बचङ्गे ।” ²⁶काहेकी जैसी पिता अपनए जीवन हए उईसी, बा पुत्रक फिर अपनाएमे जीवनको स्रोत होनके अधिकार दैहए । ²⁷और बाके न्यायको फैसला करनके अधिकार दैहए, काहेकी बा आदमीक पुत्र हए । ²⁸जा बातमे अचम्मो मत मानओ, काहेकी बेरा आईगव हए, तब गड्डामे होन बारे सब बाको आबाज सुनङ्गे, ²⁹और बे गड्डामेसे बाहेर निकर अए हँए असल काम करन बारे जीवनके तही जिन्दा हुइहँए, और कुकरम करन बारे दण्डके तही जिन्दा हुइहँए । ³⁰“मए अपनाए कछु ना करपैहौ । जैसी मए सुनत हौ, उइसी न्याय मए करङ्गो, और मिर न्याय ठीक ठहीरैगो, काहेकी मए अपन इच्छा नाए ढुइत हौ, पर मोके पठान बारेके इच्छा ढुइत हौ ।” ³¹“पर मए अपन बारेमे गवाही देहौ तब मिर गवाही सत्य ना हुइहए ।” ³²मिर बारेमे गवाही देन बारो दुसरो हँए और मए जान्तहौ, कि मेरे बारेमे बा जो गवाही देतहँए, बा गवाही सत्य ठहीरैगो । ³³“तुम यूहन्ना ठिन पुछन पठाओ, और बा सत्य कि गवाही दैहए ।” ³⁴“मए ग्रहण करो गवाही आदमीक ना हए, पर तुमर उध्दार होबए करके मए जा बात कहोहौ ।” ³⁵यूहन्ना पजरत और चमत्क दियौ रहए, और तुम बक उजियारेमे थोडीदेर आनन्द मननके राजी भए । ³⁶“पर मिर संग जो गवाही हए, बासे फिर बडि हए । काहेकी जौन काम पुरा करन पिता मोके दैहए, बा काम मए करिरहो हौ, और बे मिर बारेमे गवाही देहँए काहेकी पिता मोके पठाई हए ।” ³⁷मोके पठान बारो पिता अपनाए मिर बारेमे गवाही दैहए । बा आबाज तुम कबहु नाए सुनेहौ, और बाको रुप कबहु नाए देखेहौ । ³⁸बाको बचन तुमरमे ना रहत हए, काहेकी जौनके बा पठाई हए, तुम बाके उपर विश्वास ना करत हौ । ³⁹“तुम धर्मशास्त्रमे ढुइतहौ, काहेकी बामे अनन्त जीवन मिलत हए करके तुम कहतहौ । मिर बारेमे गवाही देन बारो बहे धर्मशास्त्र हए, ⁴⁰तहुँफिर तुम जीवन पानके तही मिर ठिन आनके इन्कार करत हौ । ⁴¹“मए आदमीसे महिमा ग्रहण नाए करङ्गो, ” ⁴²पर परमेश्वरको प्रेम तुमरमे ना हए करके मए जानत हौ । ⁴³मए अपने पिताके नाउँमे आओ हौ, पर तुम मोके ग्रहण ना करत हौ । और दुस्रो कोई अपन नाउँमे आईगओ बाके तुम ग्रहण करलेहौ । ⁴⁴तुम कैसे विश्वास करपैहौ, जब तुम आपसमे एक दुसरे से सम्मान ढुइत हौ, और बा सम्मान कि खोजी ना करतहौ, जो एकए परमेश्वरसे आतहए । ⁴⁵“जा मत समझिओ कि मए पिताके अगु तुमके दोष लगएहौ । तुमके दोष लगान बारो त मोसा हए, जौनमे तुम अपन आशा धरेहौ ।” ⁴⁶काहेकी तुम मोशाके विश्वास करते, तब मोहूके तुम विश्वास करते, काहेकी बा मिर बारेमे लिखिरहए । ⁴⁷पर तुम बाकी लिखि बातमे विश्वास ना करे तब, मिर बातमे कैसे विश्वास करेहौ ?”

Chapter 6

¹जे बातके पिछु येशू गालील, औ तिबेरियास समुन्द्रके बा पार गओ । ²और एक बहुत भारी भिड बाके पिछु लाग गई, काहेकी बा रोगीनके उपर करो चिन्ह बे देखत रहए । ³येशू डँगामे गओ, और अपन चेलनके संग बैठो । ⁴यहूदीन को अथवा निस्तार तेउहर ढिगै रहए । ⁵तव येशू अपन चारै घेन देखि एक बडो भिड अपने घेन आत देखके फिलिपसे कही, “यिनके खबानके ताहिँ हम कहाँ से रोटी किनए ?” ⁶बा उनके जाँच करन ताहिँ कहीरहए, कहेकी बा जो करन लागो रहए, सो बाके पता रहए । ⁷फिलिप बाके जवाफ दै, “प्रत्येक थोड़ी थोड़ी पैहए ताहुफिर दुई सौ चाँदीके डलरको रोटीसे ना पुगए हए ।” ⁸बक चेला मैसे एक जनै सिमोन पत्रुसको भैयाँ अन्द्रियास कही, ⁹हियाँ एक लौड़ा हए, बक संग जौकी पाँच रोटी और दुई मछ्री हँए । पर उतकसे इतोन के का पुगेहए ?” ¹⁰येशू कही, “आदमीके बैठन लगओ ।” हुवाँ बहुत घाँस भव बाँगर रहए । तव फिर पाँच हजार लोग हुँवा बैठे ¹¹तव येशू रोटी लै, और परमेश्वरके धन्यवाद चढाएके पिछु बैठन बारेके बाँट्दै । और फिर मछ्री बे इच्छा भरके खाई । ¹²जब आदमी पेटभरके खाई, बा अपन चेलन से कही, “उब्रेभए खुद्रा बटोरओ, और कोई खराब नाए होबए ।” ¹³उब्रेभए जौके पाँच रोटीके खुद्रा बे बटोरके बाह्र डलैया भरिगए । ¹⁴बहेमारे बाको करो चिन्ह देखके बे आदमी कहन लागे, “संसारमे आनबारी अगमवक्ता नेहत्य जहे हए ।” ¹⁵बे आपके बाके जबरजस्तीसे लैजएके राजा बनान दुड रहेहए करके पता पाएके येशू फिर इकल्लो डँगामे गओ । ¹⁶संझा हुइगव तव बाके चेला समुन्द्र घेन गए । ¹⁷और नैयाँमे चढके बे समुन्द्र पार कफर्नहुम घेन गए । तव बा बेरा अँध्यारो हुइगव रहए, और येशू हबए तक बिनके ठिन नाए अओ रहए । ¹⁸और बहुत भारी आँधी चलत रहए, समुन्द्र लडुरा लेत रहए । ¹⁹पाँच- छ किलोमिटर नैयाँ अगु चलाएके लैगए रहए, पिछु बे येशूके समुन्द्र उपर नेगत नैयाँ घेन आत देखि, और बे डरएगए । ²⁰फिर बा उनसे कही, “मए हौ, मत डराबओ ।” ²¹बे बाके खुशीसे नैयाँमे बैठई, और बे जात रहए बा ठाँउमे नैयाँ तुरन्त पुगए । ²²समुन्द्र पार रहे भिड बे कल हुवाँ एकए नैयाँ देखि । बिनके पता रहए, कि येशू अपन चेलन संग नैयाँमे नाए चडो हए, और बक चेला इकल्ले गए रहए । ²³तव तिबेरियाससे और नैयाँ बिनके ठिन आए, जहाँ प्रभु धन्यवाद चढाएके उनके रोटी खबाई रहए । ²⁴येशू और बाके चेला हुवाँ नाए हए करके पता पाएके बे आदमी येशूके दुडत नैयाँमे चढके कफर्नहुममे गए । ²⁵बे बाके समुन्द्रके बा पार पाएके बासे पुछी, “रब्बी, [गुरु तुमहियाँ कब अए ?]” ²⁶येशू उनके जबाफ दैके कही, “नेहत्य मए तुमसे कहत हौ, तुम चिन्ह देखके नाए, पर तुम पेटभरके रोटी खाएके मारे मोके तुम दुइत हौ ।” ²⁷नष्ट होन बारो भोजनके तही परिश्रम मत करौ, बल्कि अनन्त जीवन तक रहन बारो भोजनके तही परिश्रम करौ, जो आदमीक लौड़ा तुमके दएहए । कहेकी परमेश्वर पिता बाके उपर अपनो छाप लगाई हँए । ²⁸बे बासे कही, “परमेश्वर के चहान बारो काम करन हमके का करन पडैगो ?” ²⁹येशू बिनसे कही, “परमेश्वरको काम जहे हँए जौनके बा पठाई हए बाके उपर बिश्वास करओ ।” ³⁰जहेमारे बे बासे कही, “तुम का चिन्ह देखए हौ, सो हम देखए, और तुमए बिश्वास करए ? तुम का कर्त हौ ?” ³¹हम पिता-परखा उजाड-स्थानमे मन्न खाई, जैसी लिखो हए, ‘बा बिनके खानके ताहिँ स्वर्गसे रोटी दै ।’ ³²येशू उनसे कही, “नेहत्य, मए तुमसे कहतहौ, तुमके स्वर्गसे रोटी देन बारो मोशा ना हए, बल्कि स्वर्गसे तुमके खास रोटी देन बारो मिर पिता हँए ।” ³³काहेकी परमेश्वरको रोटी बहे हँए, जो स्वर्गसे उतरके अतहए, और संसारके जीवन देतहए ।” ³⁴बे बासे कही, “प्रभु जा रोटी हमके सब दिन दिए ।” ³⁵येशू बिनसे कही, “जीवनको रोटी मए हौ, मेरे जौणे आन बारे नाए भुखए हए, और मिर उपर बिश्वास करन बारे कबहु प्यासे नाए हुँइहँए ।” ³⁶मए तुमसे कहो हौ, तुम मोके देखे हौ, और फिर बिश्वास नाए करत हौ ।” ³⁷पिता मोके दएभए सब मेरे ठिन अए हँए, और मेरे ठिन आन बारेको कोई रितिसे मए नाए छुडेहौ ।” ³⁸अपन इच्छा पुरो करन मए स्वर्गसे उतरके ना अओ, बल्कि मोके पठान बारेको इच्छा पुरो करनके अओ हौ । ³⁹और मोके पठान बारेको इच्छा जहे हए, कि बा मोके बा मोके जो दै हए, बा मैसे कोईके फिर मए ना खोमाओ, बल्कि बिनके अन्तके दिनमे जिन्दा करौ । ⁴⁰काहेकी मिर पिताको इच्छा जहे हए, कि पुत्रके देखनबारे और बाक उपर बिश्वास करनबारे, सबए अनन्त जीवन पामए और मए अन्तके दिनमे जिन्दा करझो ।” ⁴¹यहूदी बाके बिरुदमे बर बारान लागे, कहेकी बा कही रहए, “स्वर्गसे उतरके आन बारी रोटी मही हौ ।” ⁴²बे कही, “का जा योसेफको लौड़ा, येशू ना हँए ? जाके अइया और दौवाके का हम ना चिन्त हँए ? हभए जा कैसे कहत हए मए स्वर्गसे उतरके आन बारी रोटी हौ कहत हए ?” ⁴³येशू बिनके जबाफ दैके कही, “तुम आपसमे मत बर बाराओ ।” ⁴⁴मोके पठान बारो पिता ना खिचन तक कोई मिर ठिन आए ना पैहए है, और मए बाके अन्तके दिनमे जिन्दा करेहौ । ⁴⁵और बे सब जनै परमेश्वरसे सिखे गए हए, कहीके अगमवक्ताको किताबमे लिखो हए । प्रत्येक जौन पितासे सुनिहए और सिखे बे मेरे ठिन आमङ्गे । ⁴⁶पिताके कोई आदमी ना देखिहँए, केवल बा इकल्लो देखिहए जो परमेश्वरसे अओ हए, बा पिताके देखिहए । ⁴⁷नेहत्य मए तुमसे कहतहौ, जौन बिश्वास करेहए बाके संग अनन्त जीवन हए । ⁴⁸मए जीवनकी रोटी हौ । ⁴⁹तुमर पिता पुर्खा उजाड स्थानमे मन्न खाई ताहु फिर बे मरके गए । ⁵⁰स्वर्गसे उतरन बारो रोटी जहे हए, जौन जा खाए हए बा ना मरैगो । ⁵¹स्वर्गसे उतरन बारी जिन्दा रोटी मही हौ । कोई फिर जा रोटी खए हए, बा सदमान जिहए । और जौन रोटी मए संसारके जीवनके ताहिँ दओ हौ, बा त मिर देहे हए ।” ⁵²तव यहूदी आपसमे बहस करन लागे, “जा आदमी कैसे हमके अपनी देहे खान देहए ?” ⁵³येशू बिनसे कही, “नेहत्य मए तुमसे कहतहौ, तुम आदमीके पुत्रको देहे ना खान तक, और बाको खुन ना पिन तक, तुमरमे जीवन ना हुइहए ।” ⁵⁴मिर देहे खान बारो और मिर खुन पिन बारे संग अनन्त जीवन हए, और अन्तके दिनमे मए बाके जिन्दा करेहौ । ⁵⁵कहेकी मिर देहे नेहत्य खानबारी हए, और मिर खुन नेहत्य पिन बारो हए । ⁵⁶मिर देहे खान बारो और मिर खुन पिन बारो त मिर मे रहमङ्गे, और मए बिनमे रहमङ्गे । ⁵⁷जैसे जिवन देन बारो पितामोके पठाई और उइसी मए पिताके कारनसे जित हओ, अइसिए मोके खान बारो फिर मिर कारन से जिबैगो । ⁵⁸स्वर्गसे आन बारी जा रोटी अइसी ना हए, जो पिता पुर्खा खाई ताहु फिरमरगए । जा रोटी खान बारो सदमान जिहए ।” ⁵⁹बा जा बात कफर्नहुमके सभाघरमे शिक्षा देतपेती कही रहए । ⁶⁰जा सुनके बाके चेला मैसे बहुत कही, जा वचन कठोर हए, कौन जा ग्रहण कर पैहए हए ?” ⁶¹तव बाके चेला जाके वारेमे बरबारात् हए करके जानके येशू बिनसे कही, “का जा बात तुमरे ताहिँ ठोकरके कारण हुइरहो हए ?” ⁶²तुम आदमीके पुत्रके जहाँ बा अगु रहए हुवाँ चढत देखे रहओ का ?” ⁶³जीवन देन बारो आत्मा हए, शरीरसे कोई फाइदा ना हए । जौन बचन मए तुमसे बोलोहौ बा आत्मा और जीवन हए । ⁶⁴पर तुमर बीचमे कितो हँए, जौन बिश्वास ना करत हए ।” कहेकी कौन कौन बिश्वास ना करत हँए, और बाके धोखा देन बारो कौन हुइहँए कहिके येशूके सुरुसे पता रहए । ⁶⁵और बा कही, “जहेमारे मए तुमसे कहो रहौ, ‘अगर पितासे ना दओ हए तव कोई आदमी मिर ठिन ना आए पाएहए ।’” ⁶⁶तव पिछु बक चेला मैसे बहुत जनि पिछु हटे, और बाके संग नेगन छोडी । ⁶⁷येशू बाह्र जनि से कही, “का तुम फिर मोके छोडन चँहत हओ ?” ⁶⁸सिमोन पत्रुस जबाफ दैके कही, “हे प्रभु, हम कैन ठिन जाए ? तुमर संग त अनन्त जीवनको बचन हए ।” ⁶⁹और हम बिश्वास करे हँए, और जाने हँए, तुम परमेश्वरके पवित्र जन हौ ।” ⁷⁰येशू बिनके जबाफ दैके कही, “का मए अपनए तुमके बाह्रओ जनिके ना छानो ? और तुमर मैसे एक जनि त धोखे बाज हए ।” ⁷¹जा बा सिमोन इस्करियोतको लौड़ा यहूदाके वारेमे कही रहए, कहेकी बा बाह्रा मैसे एक जनि रहए ताहु फिर बा बाके धोखा देन तही तयार रहए ।”

Chapter 7

¹तब पिछु येशू गालीलमे घुमफिर करी, तब बा यहूदियामे जानके ना चाहि, कहेकी यहूदियाके बाके मारनके दाउमे रहए । ²और यहूदियनको छाप्रोबासको तिउहार जौने आए गओ रहए । ³बहेमारे येशूके भैया बासे कही, “जा ठाउँ छोडके यहूदियामे जा, और तुमर करे भए काम तुमरे चेला फिर देखँए ।” ⁴“जौन आदमी अपन नाउँ कमान चहतहए तब बा चुप्पयसे कोइ काम ना करत हए । तुम जा काम करत हो तब अपनए के संसारमे प्रघट करओ ।” ⁵कहेकी बाके भैया फिर बक उपर बिश्वास ना करत रहए । ⁶येशू बिनसे कही, “मिर समय ना अओ हए, पर तुमर ताहीं तब सब समय अच्छो हए ।” ⁷संसार तुमके अच्छो मानत हए, पर मोके तब अच्छो ना मानए हए, कहेकी संसारके बारेमे और बक काम खराब हए कहिके मए गवाही देतहौ । ⁸तुम जा तिउहरमे जाओ । मए जा तिउहरमे ना जौ हओ, कहेकी मिर समय हबए ना अओ हए ।” ⁹बिनके अइसी कहिके बा गालीलमे रहो । ¹⁰तब बाके भैया तिउहरमे गए, बाके पिछु बा फिर खुल्लम खुल्ला नाए, पर चुप्पेसे गओ । ¹¹“तिउहरमे यहूदी बाके दुइन रहए, “और पुछी बा कहाँ हए ?” ¹²“भिडके बीचमे बाके बारेमे चर्चा होन लागो । कुइ कहात् रहए, “बा अच्छो हए ।” और कहत रहए, “ना हए, जा आदमीके बाहकत् हए ।” ¹³पर यहूदीनके डरके मरे बाके बारेमे कोई खुल्लम खुल्ला बोलत ना रहए । ¹⁴तिउहरके बीचमे येशू मन्दिर भितर घुसगओ और शिक्षा देन लागो । ¹⁵यहूदी अचम्भो मानत अइसे कही, “जा त कबही इत्तो ना सीखो हए, जा आदमी कैसे इत्तो विध्या हासिल करी ?” ¹⁶तब येशू बिनके जबाफ दैके कही, “मेरो शिक्षा मिर ना , बल्कि बाको हए, जौन मोके पठाई हए ।” ¹⁷अगर कोई आदमी परमेश्वरको इच्छा पालन करन चाहत हए तब, मिर शिक्षा परमेश्वरसे अओ हए कि मिर अपनए घेनसे हए सो बा जानैगो । ¹⁸जौन अपनाएसे बोलत हए, बा अपनो सम्मान दुडत हए, बल्कि जौन अपने पठान बारेके सम्मान दुडत हए, बा सत्य हए, और बामे कपट ना हए । ¹⁹का मोशा तुमके व्यवस्था ना दै ? पर तुम कोई बा व्यवस्था पालन ना करे । तुम काहे मोके मारन दुडत हो ?” ²⁰भिड बा से कही , तुमके भुत लागो हए । कौन तुमए मारन दुडत हए ?” ²¹येशू जबाफ दैके बिनसे कही, “एक काम मए करो, और तुम सबए अचम्भो मानत हो ।” ²²मोशा तुमके खतनाको रिति दैहए { होन त बा मोशाको तरपसे त नाए, बल्कि पिता पुर्खासे हए }, और फिर शबाथ दिनमे तुम आदमीके खतना करत हो । ²³मोशाको व्यवस्था भङ्ग ना होबाए कहिके बल्कि कोइ आदमी शबाथ दिनमे खतना करेहए तब, मए एक आदमीक शबाथ-दिनमे पुरो अच्छो करदौ, कहिके का तुम मोसे दिक्कात् हो ?” ²⁴मुहू देखके ना, बल्कि ठिक किसिमसे इन्साफ करओ । ²⁵यरुसलेमके कुइ कुइ आदमी कही, “का जा बहेत ना हए, जौनके तुम मारन दुडत रहौ ?” ²⁶देखौ तब जा त खुल्लम खुल्ला बोल रहोहए, पर बे बासे कुछना कहत हँए ! का जा नेहत्व खीष्ट हए करके धर्मगुरु पता ना पाई ?” ²⁷पर हम जनत हँए, जा आदमी कहाँ से अओ हए । पर जब खीष्ट आबएगो बा काहँ से आबएगो कोइ फिर नाजानङ्गे ।” ²⁸जब येशू मन्दिरमे सिकात रहे तब, बा जोड्से चिल्लएके कही, “तुम मोके चिन्त हओ, और मए कहाँ से अओ हो, बा फिर तुम जानतहौ मए अपनी इच्छासे ना अओ हो, बल्कि जौन मोके पठाई हए बा सत्य हए । तुम बाके ना चिन्त हो, ²⁹बल्कि मए बाके चिन्त हओ, काहेकी मए बासे अओ हो, और बा मोके पठाईहए ।” ³⁰बहेमारे बे बाके पकडन दुडत रहए, पर कोई बाके उपर हात ना डारी, काहेकी बाको बेरा ना अओ रहए । ³¹पर भिडके बहुत आदमी बाके उपर बिश्वास करी । बे कही, “जब खीष्ट अए हए, तब का जे करे भए चिन्ह से ,बड़ो चिन्ह बा कर पाएहए ?” ³²भिड बाके बारेमे चर्चा करत फरिसी सुनी । तब मुखिया पुजाहारी और फरिसी बाके पकडन् मन्दिरके पहरेदारके पठाई । ³³येशू उन्से कही, “हबाए कुछ समय तक मए तुमर संग हो, तब पिछु मए मोके पठान बारे ठिन जामंगो ।” ³⁴तुम मोके दुडेहओ, तब ना पैहौ , और जहाँ मए हुईहौ, हुवाँ तुम ना अए पैहौ ।” ³⁵तब यहूदी आपसमे कही, “जा कहाँ जानके तयारी हँए, और हम जाके ना पैहँए ?” का जा ग्रीकनके बीचमे बिगदे बैठे यहूदीके ठिन जाएके ग्रीकनके शिक्षा देन चाहत हए ?” ³⁶बिनको कहो जा वचन का हए ? ‘तुम मोके दुणेहओ, तब ना पैहौ , और जहाँ मए हुईहौ, तुम अए ना पैहौ ?’” ³⁷अब तिउहरके पच्छुको दिन औ तिउहरको खास दिनमे, ठड्के येशू जोडसे चिल्लएके अइसे कही, “अगर कोई प्यासो हए तब बा मिर ठिन अबाए और पिबैए ।” ³⁸जौन मिर उपर बिश्वास करतहए, तब धर्मशास्त्र कहो जैसो ‘बाके हृदय भितरसे जिन्दा पानीकी नदिया बहाबैगी ।” ³⁹तब जा बात बा पवित्र आत्माके बारेमे कही रहए, जौन पवित्र आत्मा बाके उपर बिश्वास करन बारेनके पान रहए । काहेकी पवित्र आत्मा अभए तक ना मिलो रहए, काहेकी येशूको महिमा अभए तक ना भओ रहए । ⁴⁰जा बात सुनन बारे कोई कोई आदमी कहन लागे, “जता नेहत्य अगमवक्ता हए ।” ⁴¹और कहन लागे, “जा खीष्ट हए ।” पर कोई कोई कहन लागे, “का खीष्ट गालीलसे अओ हए ?” ⁴²का धर्मशास्त्र ना कही हए कि खीष्ट दाऊदके वंशसे और दाऊदके गाउँ बेथलेहेमसे आबैगो ?” ⁴³जा बजैसे आदमीके बीचमे फुट हुइगओ । ⁴⁴बा मैसे कित्तो बाके पकडन् दुडत रहए, पर बाक उपर कोई फिर हात ना लगाई । ⁴⁵“तब मन्दिरके पहरेदार और मुखिया पुजाहारी फरिसीके ठिन आए । बे उन्से कही “ तुम बाके काहे ना लाए ?” ⁴⁶पहरेदार जबाफ दै, “जा आदमी जैसो ता कोई आदमी कबहु ना बोलिहए !” ⁴⁷फरिसी बिनसे कहन लागे, “का तुम फिर बहेकगए, ?” ⁴⁸का धर्मगुरु औ फरिसी मैसे कोई बाके उपर बिश्वास करी हँए ? ⁴⁹पर जा भिड, जौन व्यवस्था ना जानत, बा श्रापित हए ।” ⁵⁰बिन मैसे एक जनी निकोदेमस, जो पहिले एक दाओँ येशू ठिन अओ रहए, बा कही, ⁵¹“का हमर व्यवस्था पहिले आदमीक बात ना सुनाके, और बा का करी हए, सो ना जानके बाके न्याय करत हओ का ?” ⁵²बे उनके जबाफ दै, “का तुम फिर गालीलके हो ? धर्मशास्त्रमे दुडके देखौ, तब तुम जानइगे, कि गालीलसे कोइअगमवक्ता ना अए हए ।” ⁵³(नोट: उत्कृष्ट प्राचीन प्रतिलिपीहरूले यूहन्ना ७:५३-८:११लाई हटाएका छन् ।) तब सब आदमी अपन अपन घर गए ।

Chapter 8

1

²बा सबेरे फिर मन्दिरमे गओ, और सब आदमी बाके ठिन आए, और बा बैठो, और बिनके शिक्षा देन लागो । ³शास्त्री और फरिसी व्याभिकारमे पकडओ पडी एक बैयरके लाई, और बाके बीचमे ठढबाँई । ⁴बे येशूसे कही, “गुरुजी, जा बैयर व्यभिचार के काममे पक्राउ पडी हए । ⁵व्यवस्थामे मोसा अईसी आदमीनके पत्थरसे मरन हमके आज्ञा दे हँए । तुम जाके बारेमे का कहत हो ?” ⁶पर बे बाकी जाँच करनके ताही, बाके उपर दोष लागामए कहिके बे अईसे कही रहए । येशू लोहोकके उङ्गरीसे जमीनमे लिखी । ⁷पर बे बासे पुछत रहए, तब बा ठहरके बिनसे कहन लागो, “तुमर मैसे जौन पाप ना करी हए, बहे जा बैयरके पहिले पत्थरसे मारए ।” ⁸और फिर लोहोकके बा उङ्गरीसे जमीनमे लिखी । ⁹तब बे जा सुनी, तब बड़ेसे लैके छोटे तक एकएक करके गैभए, और येशू बा बैयर संग इकल्लो रहीगओ, और बा बैयर बाके अगु ठाढीरही । ¹⁰येशू बा बैयरके देखके कही, “ए बैयर, बे कहाँ गए ?” का कोई तोके दण्ड ना दें ? ¹¹बा कही, “प्रभु कोई ना दओ ।” येशू कही, “मए फिर तोके दण्ड ना देहो, जा और फिर पाप मत करीए ।” ¹²येशू फिर उन्से कही, मए संसारको उजियारो हओ । मेरे पिछु लागन बारे अन्धकारमे ना नेगङ्गे, बल्कि बे जीवनको ज्योती पमङ्गे ।” ¹³तब फरिसी बासे कही, “तुम अपने बारेमे गवाही दए रहए हओ । तुमरी गवाही सत्य ना ठहरएगी ।” ¹⁴येशू जबाफ दैके कही, “मए अपने बारेमे गवाही देतहो, तहु फिर मिर गवाही सत्य हए, मए जन्तहो, मए कहाँ से अओ हो, और मए कहाँ जाए रहो हो । पर तुम नजन्तहो, मए कहाँ से अओ हो, और कहाँ जाए रहो हो, ¹⁵तुम आदमीक देखके न्याय करत हो । मए कोईको न्याय ना करत हो । ¹⁶मए न्याय करे हो तहु फिर मिर न्याय सत्य ठहीरएगो । कहेकी न्याय करन बारो मए इकल्लो ना हओ, बल्कि मए हो, और मोके पठान बारो पिता हए । ¹⁷तुमरे व्यवस्थामे फिर दुई आदमीको गवाही सत्य ठहीरत हए करके लिखो हए । ¹⁸अपन बारेमे मए अपनाए गवाही देतहो, और मोके पठान बारो पिता मेरे बारेमे गवाही देत हए ।” ¹⁹बे बासे कही, “तुमर पिता कहाँ हए ?” येशू जबाफ दै, “तुम ना त मोके चिन्त हो ना मिर पिताके । तुम मोके चिन्ते तब मिर पिताके फिर चिन्ते ।” ²⁰जा बात बा मन्दिरमे शिक्षा देत पेती भेटी चढान बारो बक्सा ठिन कहीरहए । और कोई बाके ना पकडीं, कहेकी बाको बेरा ना अओ रहए । ²¹बा फिर उन्से कही, “मए चलो जाए हो, और तुम मोके ढुणगे, और तुम अपन पापमे मरेगे । जहाँ मए जाएहो, तुम अए ना पैहो ।” ²²यहूदी कहीं, “जा ता आत्मा हत्या करहए कि का ?” कहेकी जहाँ मए जाएहो, तुम अए ना पएहो” कहीके कहत हए । ²³और येशू उन्से कही, “तुम तरेके हो । मए उपरको हो । तुम जा संसारके हो । मए जा संसारको ना हओ ।” ²⁴मए तुमसे कहो, ‘तुम अपन पापमे मरेगे,’ कहेकी मए बहेहो करके तुम बिश्वास ना करन तक अपने पापमे मरेगे ।” ²⁵बे बासे पुछी, “तुम कौन हो तब ?” येशू बिनसे कही, “मए बहे हो, जो मए तुमके सुरुसे लैके कहत अओ हो ।” ²⁶मए तुमरे बारेमे कहन और न्याय करन बहुत हए । बल्कि मोके पठन बारो सत्य हए, और बासे मए जो सुनो बहे बात मए संसारके बतात हो ।” ²⁷पिताके बारेमे कहिँ हए कहिके बे ना सम्खीं ।” ²⁸येशू कही, “जब तुम आदमीक पुत्रके उपर उठए हओ, मए बहे हो कहिके तुम पता पैहो, और मए अपने अधिकारमे कुछ ना करत हो, पर पितासे सिखी बात मस्कत् हो कहिके जानैगे ।” ²⁹मोके पठान बारो मिर संग हए । बा मोके इकल्लो ना छोडि हए, कहेकी मए सब दिन बाके खुशी करन बारो काम करत हो ।” ³⁰येशू जा बात कहत समय बहुत जनी बाके उपर बिश्वास करीं ।” ³¹येशू अपन उपर बिश्वास करन बारे यहूदीनसे कही, “तुम मिर वचनमे राहबैगे कहीसे तब तुम निहत्य मिर चेला हो ।” ³²तब तुम सत्य काहए कहेसे जानैगे, और सत्य तुमके स्वतन्त्र करैगे ।” ³³बे बासे कही, “हम अब्राहमके सन्तान हँए, और हबाए तक कोईके बन्धनमे ना पडे हए ।” ³⁴तुम स्वतन्त्र हुईहो कहिके कैसे कहत हो ?” ³⁵येशू बिनसे कही, “निहत्य, मए तुमसे कहत हो पाप करन बारे सब पापके कमैयां हए ।” ³⁶कमैयां सब दिन घरमे ना रहात हए, पर पुत्र सब दिन घरमे रहत हए । ³⁷जहमारे पुत्र तुमके स्वतन्त्र कर हए कहेसे तब तुम निहत्य स्वतन्त्र हुइहो ।” ³⁸मए जानत हो, तुम अब्राहमके सन्तान हो । पर तुम मोके मारन ढुणत हो, कहेकी मिर वचन तुमरे ठिन ठाउ ना पात हए । ³⁹जो माए मिर पितासे करत देखो हो, बहे मए कहत हो । तुम फिर जो अपन पितासे सुनेहो, बहे करत हो ।” ⁴⁰बे बासे कहिँ, “हमर पिता त अब्राहम हए ।” येशू बिनसे कही, “तुम अब्राहमके सन्तान हो त, अब्राहम जो काम करी हए, बहे करते ।” ⁴¹मए परमेश्वरसे सुनो भओ सत्य तुमसे कहो हो, पर हबाए तुम मोके मारन ढुइत हो । अब्राहम त अईसो काम ना करी । ⁴²तुमर पिता जो काम करी तुम फिर बहे काम करत हो ।” ⁴³बे बासे कहिँ, “हम व्यभिचारसे जन्मे ना हए । हमर पिता एकए हए, बा परमेश्वर हए ।” ⁴⁴येशू बिनसे कही, “परमेश्वर तुमर पिता होतो तब तुम मोके प्रेम करते, कहेकी मए परमेश्वरसे निक्रो हो । मए अपन इच्छासे ना अओ हो । बल्कि बा मोके पठाई हए ।” ⁴⁵तुम मिर वचन काहे ना समझत हओ ? कहेकी तुम मिर वचन सुनिए ना पातहो ।” ⁴⁶तुम अपन पिता दियाबलसके हो, और तुम अपन पिताक इच्छा पुरा करन् तुमरी इच्छा हए । बा त सुरुसे ही हत्यारो हए, और सत्यसे बाके कोई वास्ता ना हए । कहेकी बामे कोई सत्यता ना हए । जब बा झुट बोलतहए, बा अपनी स्वभावके जैसो बोलत हए, काहेकी बा झुटो हए और झुटको पिता हए ।” ⁴⁷मए सत्य बोलतहो, पर तुम मोके बिश्वास ना करत हओ ।” ⁴⁸तुम मैसे कौन मोके पापको दोष लगात हए ? बल्कि मए सत्य बोलतहो तब, कहे तुम मिर उपर बिश्वास करत ना हओ ? ⁴⁹जौन परमेश्वरको हए, बा परमेश्वरको बाणी सुनत हए । तुम परमेश्वरके नाहओ, जहमारे तुम ना सुनत हओ ।” ⁵⁰यहूदी बासे कहिँ, “का हमर जा कहाँ ठिक ना हए, का तुम सामरी हो और तुमके भुत लागो हए का ?” ⁵¹येशू जबाफ दै, “मोके भुत लागो ना हए, बल्कि मए अपन पिताके आदर करत हो, पर तुम मोके अनादर करत हो ।” ⁵²मए अपन महिमा ना ढुणत हो, एक जनै हए जौन महिमा ढुणत हए और फैसला करङ्गे ।” ⁵³नेहत्य मए तुमसे कहत हो, अगर मिर वचन पालन करैगे तब बा कबहू ना मरेहए ।” ⁵⁴यहूदी बासे कहिँ, “अब हम जानत हँए, कि तुमके भुत लागो हए । अब्राहम और अगमवक्ता मरी गए, पर तुम काहत हो ‘अथावा कोई मिर वचन मानत हए कहेसे बा कबही मृत्यु ना चाहएहए ।” ⁵⁵तुम हमर मरो भओ पिता अब्राहमसे तुम महान ना हओ, हओ त ? अगमवक्ता फिर मरीगो, तुम त अपनएके मए कौन हँ कहिके कहत हो ?” ⁵⁶येशू जबाफ दै, “अगर मए अपनो महिमा करतो तब मिर महिमा व्यर्थ हुइतो । मोके महिमा देन बारो पिता हए, जौनके तुम हमर परमेश्वर कहतहो ।” ⁵⁷तुम बाके ना चिने हो, पर मए बाके चिन्त हो । मए बक ना चिन्तहो कएहो तब मए फिर तुमरी सरह झुठा ठहिरंगो । पर मए बाके चिन्तहो, और बाको वचन पालन करत हो ।” ⁵⁸तुमरो पुर्खा अब्राहम मिर दिन देखनके तही होसियत रहै, और बा देखि तब खुशी भव ।” ⁵⁹बहेमारे यहूदी बासे कहिँ, “तुम हबए पचास वर्ष पुगे ना हो, तब का तुम अब्राहमके देखेहो ?” ⁶⁰येशू बिनसे कही, “नेहत्य मए तुमसे कहत हो, अब्राहमसे अगुकी मए रहिँ ।” ⁶¹तब बे बाके मरनके ताँही पत्थर उठाई, पर येशू लुके मन्दिरसे बाहेर निकरिगओ ।

Chapter 9

¹हुवाँसे जातपेति येशू एक जनै जन्मएको अन्धराके देखी । ²बाके चेला बासे पुछिँ, “रब्बी, कौन पाप करो, जा कि जक अईया-दौवा, और जा अन्धरा जन्मो ?” ³येशू जबाफ दै, “न त जा पाप करी ना जक अईया - दौवा, पर जामारे भव कि परमेश्वरको काम जा आदमीके जिवनमे प्रकट होबए ।” ⁴मोके पठान बारोको काम हमके दिन होतए करन पडत् हए । रात आतहए, जब कोई काम ना करपात हए । ⁵मए संसारमे रहन तक मए संसारको ज्योति हौ।” ⁶येशू जा बात कहेके बा भिमे थुकी, और थुकसे मट्टी गमजके बाकि आँखीमे लगाई दै। ⁷और बा बासे कही, “जा, सिलोआमके तालमे धो । बा जाएके धोई, और देखन बारो हुइके आइ गओ ।” ⁸बाके पडोसि और बाके पहिले भिकारीके रुपमे देखन बारे कहिँ, जा त बैठके भिक मगन बारो जहे ना हए ? ⁹कोई कहिँ, जहे हए ।” और कोई कहिँ, “ना हए, जा ता बहे कता दिखात हए ।” पर बा कही, “मए बहे हौँ ।” ¹⁰बासे कहिँ, “तिर आँखी कैसे खुलिगई तओ ?” ¹¹बा जबाफ दै, “येशू कहन बारो एक आदमी मट्टी गमजके मिर आँखीमे लगाएके मोसे कही, ‘सिलोआममे जा और धो ।’ बहेमारे मए जाएके धोओ, और देखन बारो हुइगव ।” ¹²बासे कहिँ, “बा कहाँ हए तओ ?” बा कही, “मोके पता ना हए ।” ¹³बा अगु अन्धरा रहय बहे आदमीक बे फरिसीन ठिन ल्याइँ । ¹⁴येशू मट्टी गमजके बक आँखीमे लगाई बाकी आखी खोलदै बा शबाथ-दिन रहए । ¹⁵फरिसी बासे पुछी, “तए कैसे देखन बारो भव ?” बा उन्से कही, “बा मिर आँखीमे मट्टी गमजके लगए दै, और मए धओ और देखन बारो हुइगव ।” ¹⁶कोई फरिसी मैसे कहिँ, “जा आदमी परमेश्वरसे ना अओ हए, काहेकी बा शबाथदिन पालन ना करत् हए ।” तव और कहिँ, “एक पापी आदमी कैईसे चिन्ह कर पए हए ?” बहेमारे उनके बीचमे फुट होन लागो । ¹⁷जहेमारे बे बा अन्धरा से फिर पुछिँ, “बा अब बक बारेमे तए का कहत हए ? काहेकि बा तिर आँखी खोलदै, ?” अन्धरा आदमी जबाफ दैके कहि, “बा ता अगमवक्ता हए ।” ¹⁸यहूदी अपन दृष्टि पानबारोको अईया दौवाके ना बुलान तक बा अन्धरा रहए, और बा देखन बारो हुइगव हए कहिके बे तहुँ विश्वास ना करिँ । ¹⁹बाके अईया-दौवासे पुछी, “तुम जन्मत के अन्धरा होओ ? जा का तुमर लौड़ा बहे हए कहतहौ ? तव अब कैसे जा देखन बारो हुइगव ?” ²⁰बाके अईया-दौवा उन्से कहिँ, “हम जानत हए जा हमर लौड़ा हए, और अन्धरा जन्मो रहए ।” ²¹पर अब जा कैसे देखन बारो भव हमके पता ना हए, और जक आँखी कैसे खुलीगै बहु फिर हमके पता ना हए । जाको उमेर पुगीगव हए, जहेसे पुछौ। अपने बारेमे जा अपनए बोलैगो।” ²²बाके अईया-दौवा जहे बात कही, कहेकी बे यहूदीनसे डरात् रहएँ । कहेकी कोई फिर बा खीष्ट हए करके स्वीकार करेहए तव, बाके सभाघरसे निकरन देहए करके यहूदी अगुसे सहमत भए रहए । ²³जहेमारे बाके अईया- दौवा कही, “जाको उमेर पुगीगव हए जहेसे पुछौ ।” ²⁴तव बे बा अन्धरा आदमीके दुस्रो चोटी बुलाएके कहिँ, “परमेश्वरके महिमा दे । हम जान्तहए जा आदमी पापी हए ।” ²⁵तब बा जबाफ दै, “बा पापी हए कि ना हए, मए ना जान्तहौ । पर एक बात मए जान्तहौ कि मए अन्धरा रहौ, और अब देखतहौ ।” ²⁶तव बे बासे कहिँ, “बा तोके का करी ? बा तिर आँखी कैसे खोलदै ?” ²⁷बा उनके जबाफ दै, “मए तुमरे अगु कहीदओ हौ, ताहु तुम ना सुने । और तुम फिर काहे सुनन चाँहत हौ ? तुम फिर बक चेला होन ना चाहत होओ, कि चाहत होओ का ?” ²⁸बाके बेज्जत करी और कहिँ, “तए बक चेला हए, हम त मोशाके चेला हँएँ ।” ²⁹हमके पता हए परमेश्वर मोशासे मस्की रहए, पर हमके पता ना हए जा आदमी कहाँ को हए ।” ³⁰बा आदमी बिनके जबाफ दैए और कहिँ, “बा मिर आँखी खोलदै कैसो अचम्मोकी बात ! बा कहाँ से अओ हए तुम ना जान्त हौ, पर ।” ³¹हम जान्तहए कि परमेश्वर पापीनको बात सुनत ना हए, पर परमेश्वरके भय मानन् बारे और बाकी इच्छा पालन करन बारे आदमीनको बात परमेश्वर सुनतहए । ³²संसारमे सुरुसे लैके अईसो जन्मत अन्धरा आदमीके आँखी कोई खोली जा बात कबहु ना सुने । ³³अगर जा आदमी परमेश्वरसे ना अइतो तव बा कुछ ना करपातो ।” ³⁴बाके जबाफ दैके कहिँ, “तए ता बिलकुल पापमे जन्मो रहए, और का हबए तए हमके सिकान चाहत हए ?” तव बे बाके सभाघरसे बाहेर निकार दें । ³⁵बाके सभाघरसे बाहेर निकरदै करके येशू सुनलै, और बे बाके भेटके कही, “का तए आदमीके पुत्रके उपर बिश्वास करत् हए ?” ³⁶बा जबाफ दैके और कही, “प्रभु, बा कौन हए ? मए बक उपर बिश्वास करंगो ?” ³⁷येशू बासे कही, “तए बाके देखो हए, और तोसे बोलन बारो बहे हए ।” ³⁸तव बा आदमी कही, “प्रभु, मए बिश्वास करत् हौ,” और बा बाके आराधना करी । ³⁹येशू कही, “मए न्यायके तही जा संसारमे अओ, कि ना देखन बारे देखए और देखन बारे चाहिँ अन्धरा होमए ।” ⁴⁰जा बात सुनन् बारे और बाके जौने होन बारे फरिसीन मैसे कोई कोई बासे कहिँ, “का हम फिर अन्धरा हँए ?” ⁴¹येशू बिनसे कही, “तुम अन्धरा हुते तओ पापके दोषी हुतेना, पर तुम हम देखतहौ कहतहौ, बहेमारे तुममे पाप रहत् हए ।

Chapter 10

¹"नेहत्य, मए तुमसे कहतहौ, जौन भेडा खोडको फाटकसे भितर ना घुसेहए, दुसरे घेनसे चडके भितर घुसेहए, बा त चोर और डाँकु हए । ²पर फाटकसे भितर घुसन बारो भेडाको बकरेहेरा हए । ³चौकीदार बाके तही फाटक खोलदेहए, और भेडा बाको अवाज सुन्तहए, और बा अपनो भेडाक नाउँ लैके बुलात हए, और उनके बाहेर लैजात हए । ⁴जब बा अपन सब भेडा के बाहेर निकरके, बा उनके अगु अगु नेगत हए, और भेडा बाके पिछु लागत हँए, काहेकी बे बाको अबाज चिन्तहए । ⁵बे दुसरे आदमीके पिछु ना जात हँए, पर बासे बे दुर भाजंगे । कहेकी बे दुसरे आदमीक अवाज बे ना चिन्तहए ।" ⁶येशू उनके जा कहानी कही, पर बा बिनसे कही बात बे ना समकपाई । ⁷तव फिर येशू फिरसे उन्से कही, "नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौ, भेडा को फाटक मही हौ । ⁸मोसे अगु आनबारे सब चोर और डाँकु हए, पर भेडा बिनको बात ना सुनि । ⁹फाटक मही हौ, अगर मोसे कोई आदमी भितर घुसैगो तव बा बचिजए हए, बा भितर बाहेर जैहए और अच्छे ठाउँमे चुगन पए हए । ¹⁰अगर चुट्टाके ता चुरान, मरन और नाश ना करन हुइतो तौ बा ना आइतो । मए त तुमके जीवन पामए, और प्रशस्तको जीवन पामए करके मए अओ । ¹¹मए अच्छो बकरेहेरा हौ । अच्छो बकरेहेरा अपन भेडाके ताहिँ अपन जयन देत् हए । ¹²भाडाको आदमी चाहिँ भेडाके अपनो बकरेहेरा ना होतहए । बा ता गुलहा आत देखके भेडा छोडके बा भाजैगो, और गुलहा भेडाके पकणलेहए, और तितर बितर करदेहए । ¹³बा भाजैगो, काहेकी बा भाडाको आदमी हए, तहीमारे बा भेडाक रेखदेख ना करहए । ¹⁴"मए अच्छो बकरेहेरा हौ, मए अपन भेडाके चिन्तहौ, और मिर भेडा मोके चिन्त हए ।" ¹⁵जैसी पिता मोके चिन्त हए, मए पिताके चिन्तहौ, और मए अपन भेडाके ताहिँ अपन ज्यान फिर देहौ । ¹⁶"मिर और भेडा हँए, जो जा सारमे ना हए । बिनके फिर मोके लान हए, और बेहु मिर आबाज सुनंगे, और बे एकए झुण और एकए बकरेहेरा होमएँ । ¹⁷तबहीमारे पिता मोके प्रेम करत् हए, कहेकी मए अपनो ज्यान फिर फिर्ता लेन हिसाबसे अर्पण करत् हौ । ¹⁸कोई फिर मोसे मिर ज्यान लए ना पए हए, पर मए अपन इच्छासे अपन ज्यान अर्पण करत् हौ । अपन ज्यान अर्पण करन् अधिकार मिर संग हए, जाके लेनकी अधिकार फिर मिर संग हए । जा आज्ञा मए अपन पितासे पओ हौ ।" ¹⁹जा वचनके कारण यहूदीमे मतभेद हुइगओ । ²⁰बिन मैसे बहुत कहत रहएँ, "जाके भुत लागो हए, और जा पगलियाए गव हए । और तुम जक बात काहे सुनत् हौ ?" ²¹और फिर कहात रहए, "भुत लागो आदमीके बात अइसो ता ना होतहए । का भुत कोईकी आँखी खोलपए हए का ?" ²²बाकेपच्छु यरुशलेममे मन्दिर समर्पणको तेउहर रहए । ²³जा हिउँतको समय रहए और येशू मन्दिर भितर सोलोमनके डेहेरिमे टहेलत् रहए । ²⁴तव यहूदी बाके चारौतरफ घेरे और कहीँ "तुम हमके, "कब तक दोधरमे राखेहओ ? अगर तुम खीष्ट हौ, तव हमके सबके सामने बतए देबओ ।" ²⁵येशू बिनके जबाफ दे, "मए तुमसे कहे रहो हौ, पर तुम विश्वास ना करत् हौ । मेरो पिताके नाउँमे मए काम करत् हौ, बहे मिर गवाही देतहए । ²⁶पर तुम विश्वास ना करत् हौ, कहेकी तुम मिर भेडा मैसे ना हौ ।" ²⁷"मिर भेडा मिर आवाज सुनत् हए, और बिनके मए चिन्तहौ, और बे मिर पिछु आत हँए ।" ²⁸बिनके मए अनन्त जीवन देहौ, और बे कबहु नास नए हुइहए, और बिनके कोई मिर हातसे छिनके नए लैजए पैहए । ²⁹मिर पिता बिनके मोके देहए; बा सबसे बडो हए । मिर पिताके हातसे कोई छिनके लैजए ना पए हए । ³⁰पिता और मए एक हँए ।" ³¹यहूदी बाके मरन ताहि फिर पत्थर उठाई । ³²येशू बिनसे कही, "मए अपन पितासे बहुत अच्छो काम दिखओ, बे कौन कामके तहीँ तुम मोके मारनके पत्थर उठातहौ ?" ³³यहूदी बाके जबाफ दे, "अच्छो कामके तहीँ हम तुमके पत्थरसे थोनी मरत् हए, तए ईश्वरकी-निन्दा करनके करणसे, कहेकी आदमी हुइके फिर अपनाएके परमेश्वर बनत् हए ।" ³⁴येशू उनके जबाफ दैके कही, का तुमर व्यवस्थामे अइसो नए लिखो हए, "मए कहो, तुम देव हौ ?" ³⁵अगर जौनके ठिन परमेश्वरको वचन अओ, बे देव कहेलातहए करके { धर्मशास्त्र भङ्ग हुईनाए पए हए } ³⁶पिता पवित्र बनएके संसारमे पठओ भव आदमी मए हौ' करके कैसे परमेश्वरको निन्दा हुइहए ?" ³⁷अगर मए मिर पिताको काम नाए करोहौ तव मिर उपर बिश्वास मत करौ । ³⁸और अगर मए पिताको काम करत् हौ तहु फिर तुम मिर उपर बिश्वास ना करत् हौ तव जे काम के उपर बिश्वास करौ, तव तुम पता पैहौ, और बुझेहौ, कि पिता मिरमे हए, और मए पितामे हौ ।" ³⁹बे भिड बाके पकडन कोसिस करी, तव बा उनके हातसे छिपट गओ । ⁴⁰और बा फिर यर्दनके पार बा ठाउँमे गव जहाँ यूहन्ना पहिले बप्तिस्मा देत रहए, और बा हुवाँ बैठ गओ । ⁴¹तव बहुत आदमी बाके ठिन आन लागे, और बे कही, "यूहन्ना कोई चिन्ह ना करी, पर यूहन्ना यिनके बारेमे जो जित्तो कही बा नेहत्य हए ।" ⁴²और हुवाँ बहुत बाके उपर बिश्वास करी ।

Chapter 11

¹लाजरस नामको एक आदमी बिमारी रहए। बे मरियम और उनकी दिदी मार्थाको गाउँ बेथनियामे रहए। ²प्रभुके महाकुवा तेल लागन बारी और बाको पाउ अपन बारसे पोछन बारी मरियम जहे रहए। जहेक भैया लाजरस बिमार रहए। ³जे दुई दिदी येशूके ठिन अईसे करके समचार पठाई, “प्रभु, जौनके तुम प्रेम करत् रहौ, बा बिमार हए।” ⁴तव जा सुनके येशू कही, “जा बिमार मृत्युमे नए पुगए, पर जा परमेश्वरको महिमाके ताहिँ हए, ताकि जासे परमेश्वरको पुत्रको महिमा होबए।” ⁵येशू मार्था और बाकी बहिनीयाँ और लाजरसके माया करत् रहए, ⁶तव लाजरस बिमार हए करके सुनी तव बा जहाँ रहए, हुवाँ और दुई दिन हुवाँ बैठो। ⁷तव पिछु बा चेलासे कही, “लेओ, अब हम फिर यहूदियामे घुमके जाएँ।” ⁸चेला बासे कहिँ, “रब्बी, हबैत यहूदि आदमि तुमके पत्थर मारन् समरे रहए, और फिर तुम हुवाँ जएहौ?” ⁹येशू जबाफ दैके कही, “का दिनमे बाह्र घण्टा ना होत हँए? दिनमे नेगत पेती ठेस का ना लागत हए, कहेकी बे संसारको उजियारो देखंगे, ¹⁰रातमे नेगन बारने के ठेस लागत हए, कहेकी बे आदमीमे उजियारो ना होतहए।” ¹¹तव पिछु बा बिनसे कही, “हमर नातेदार लाजरस निदमे पडो, और बाके निदसे जगान मए हुवाँ जातहौ ताकिमय बक जगाय सकौ।” ¹²चेला बासे कहिँ, “प्रभु, बे निदमे पाडेहए तव बे अच्छो हुइहए।” ¹³येशू बिनके मृत्युके बारेमे कहीरहए, तव बे नेहत्य के सोत हुइहए करके बताई रहए। ¹⁴येशू उनके ठिकयठिक कहि, “लाजरस मरीगव हए।” ¹⁵तुम विश्वास करओ करके तुमरे तही मए हियाँ ना भवमे खुशी हो। जो होबएसे फिर हम बिनके ठिन जाएँ हयँ।” ¹⁶तव दिदुमस कहन बारो थोमा अपन संगी-चेलन से कही, “लेओ, हम फिर जए और येशूसंग मरए।” ¹⁷जब येशू अए पुगो, तव लाजरसके गड्डामे गडो चार दिन हुइगव करके पता पई। ¹⁸बेथानिया यरुसलेमसे लैके जौडे लगभग तीन किलोमिटर के दुरमे रहए। ¹⁹बहुत यहूदी मार्था और मरियमके ठिन बाके भैयाके बारेमे शान्ती देनके अए रहए। ²⁰येशू अए रहो हए करके सुनके मार्था गइ बाके भेठी तव मरियम घरमे बैठीरहौ। ²¹तव मार्था येशूसे कही, “प्रभु, तुम हियाँ हुइते तव मिर भैया ना मरतो।” ²²पर मए हबए फिर जान्तहौ, तुम परमेश्वरसे जो मागैगे, परमेश्वर तुमके देहए।” ²³येशू बासे कही, “तुमर भैया फिर जिन्दा हुइजएहए।” ²⁴मार्था बासे कही, “मए जान्थौ, कि बा अन्तके दिनमे जिन्दा हुइके उठैगो।” ²⁵येशू बासे कही, “पूनरुथान और जीवन मही हो। मोके विश्वास करन बारे मरझै ताहु फिर जिन्दा हुइजए हए।” ²⁶और जिन बारो और मिर उपर बिश्वास करन बारो प्रत्येक कबहु ना मारैगो। का तुम विश्वास करत् हो? ²⁷बे बासे कही, “हँ प्रभु, मए बिश्वास करतहओ, तुम जा संसारमे आन बारे खिष्ट परमेश्वरके पुत्र हो।” ²⁸इतकए कहेके बा गईभै, और अपनी बहिनिया मरियमके बुलाएके चुप्पएसे कही, “गुरुज्यू आइगव हए, और तोके बुलाए रहो हए।” ²⁹जा बात सुनके मरियम जलदिसे उठके बाके ठिन गइ। ³⁰तब तक येशू गाउँमे ना पुगो रहए, पर बा हुवाँ बैठो रहए जहाँ मार्था बाके भेटीरहए। ³¹तभई, बाकेसंग घरमे बैठेभए और बिनके शान्ती देनके अए भए यहूदी जब मरियमके झट उठके बाहिर जात देखके, बे कही बा मरघटमे रोनके गइ हुइहए करके, बाके पिछु गए। ³²तव फिर जब मरियम येशू रहए बा ठाउँमे आई और बाके देखि, तव अईसे काहत बा बाके पाउमे पडी, “हे प्रभु तुम हियाँ होते तव मिर भैया मरतो ना।” ³³जब येशू बाके संग आनबारे यहूदीन के फिर रोट देखि, तव बा आत्मामे गजब व्याकुल हुइगव और गजब दुखित हुइगव। ³⁴बा बिनसे पुछी, तुम बोके कहाँ धरेहौ?” ³⁵येशू रोइ। ³⁶जहेमारे यहूदी कहिँ, “देखौत्, बा लाजरसके किन्तो माया करत् रहए।” ³⁷तव कोई कोई कही, “का अन्धराके आँखी खोलदेन बारो जा आदमीके फिर मरनसे ना बचए पैतो का?” ³⁸तव येशू फिर बहुत व्याकुल हुइके मरघटमे गव। बा मरघटैयाको एक गड्डामे रहए। बाको मुहू एक पत्थरसे तुपोरहए ³⁹येशू कही, “पत्थर हाटाओ।” मरो भव आदमीक दिदी मार्था कही, “हे प्रभु अबत् बा गिन्थान लागो हुइहए, काहेकी बाके मरे चार दिन हुइगव हए।” ⁴⁰येशू बासे कही, “का मए तुमसे ना कहो रहओ, ‘तुम बिश्वास करैगे तव परमेश्वरको महिमा देखैगे?’” ⁴¹तभई बे पत्थर हटाई। और येशू उपर नजर उठाएके कही, “हे पिता, मए तुमके धन्यवाद देतहौ, कहेकी तुम मिर बिन्ती सुने।” ⁴²मोके पता हए, कि तुम मेरी बिन्ती सबदिन सुनत् हो। पर हियाँ भिडके खातिर मए जा कहो हो, ताकि तुम मोके पठाए हो करके जे बिश्वास करए।” ⁴³और जा बात कहिके पिछु बा उचे सोरसे चिल्लानो, “लाजरस बाहिर निकर।” ⁴⁴बा मरो आदमीको बाको हात-टाँग पट्टीसे बंधे और मुहुमे लत्ता लिप्टोमे कही, “बाको बन्धन खोल्देओ, और बाके जान् देओ।” ⁴⁵मरियमके ठिन अए भए बहुत यहूदी येशू करीरहए बे काम देखके बोके उपर बिश्वास करीँ। ⁴⁶पर बिन मैसे कोई फरिसीके ठिन गए, और येशू करी भए काम बतए दै। ⁴⁷तव मुखिया पुजाहारी और फरिसी महासभाके सदस्यनके बोलाएके और उन्से कहिँ, “अब हम का करए? कहेकी जा आदमी बहुत चिन्ह कर रहोहए।” ⁴⁸जाके अईसीय छोड देहय तव सब जके उपर बिश्वास कहए और रोमी आएके हमर पवित्र स्थान और हमर जातिनके दोनए के लेहए।” ⁴⁹पर बिन मैसे एक जनै, कैयाफा, जो बा समय मे प्रधान पुजाहारी रहए, बा उन्से कही, “तुम कुछनाए जानत् हो! ⁵⁰समस्त राष्ट्र नष्ट होनसे बरु जनताके ताहिँ एक जनै मरनो तुमरे तही कल्याण हुइहए करके तुम बुझत् ना हए।” ⁵¹जा बा अपने तर्फ से नाए कही रहए, पर बा वर्षमे प्रधान पुजाहारी भवके कारण राष्ट्रके ताहिँ येशू के मरन पाणैगो करके अगमवाणी बोलिरहए। ⁵²राष्ट्रके तहिँ इकल्लो बा नए कही रहए, पर बिगदे भए परमेश्वरके सन्तानके एक संग जम्मा करनके तही जा कही रहए। ⁵³जहेमारे बा दिनसे बे बाके मरनके विचार करन लागे। ⁵⁴बहेमारे येशू फिर यहूदीनके बीचमे खुल्लमखुल्ला ना नेगन लागो, तव हुवाँ से उजाड-स्थानके नजिकमे एफ्राइम कहन बारो सहेरमे गओ, और हुवाँ बैठो। ⁵⁵यहूदीनके निस्तार तेवहार नजिकए रहए, और गाउँ-गाउँसे बहुत जनै अपन-अपनके सुध करनके ताही निस्तार तेवहारको सुरु होन अगु यारुशलैममे गए। ⁵⁶तव बे येशूके डुडन लागे, और बे मन्दिरमे ठाडे आपसमे कहन लागे, तुमके कैसी लागत हए, का बा तेवहारमे अए हए?” ⁵⁷मुखिया पुजाहारी और फरिसी चाहिँ येशूके पकडनके ताहिँ बा कहु फिर होबए करके खबर करीओ करके आज्ञा दै रहए।

Chapter 12

¹निस्तार तेवहारके छ दिन अगु येशू बेथानियमे अओ । हुवाँ लाजरस बैठत रहए, जौनके येशू मरके जिन्दा करी रहए । ²बेहेमारे बाके ताहिँ हुवाँ साँझकी खानु तयार करी । मार्था सेवा- सत्कार करत रहए, और लाजरस चाहिँ बाके संग खानु खानबारी मैसे एक रहए । ³तव मरियम आधो लिटर जितका किमति जटामसीको सुगन्धित महकुवा तेल ल्याएके येशूके पाउमे मिसली, और बाको पाउ अपन बारसे पुछी, और महकुवा तेलको बास्नासे घर भरिगओ । ⁴तव बाको चेला मैसे एक जनै, बाके पकडान बारो यहूदा इस्करियोत कही, ⁵"जा महकुवा तेल तीन सौ चाँदीको सिक्कामे बेचके जा रकम गरीबके दैदेते ?" ⁶पर बा गरीबके ख्याल करके जा ना कही रहए, काहेकी बा चुट्टा रहै, और रुपैयाकी थैली बहे धरत रहै, और हुवाँएसे चुरात रहै । ⁷येशू उनसे कही, "यिनसे कुछ मत कहओ, मिर दफनके-दिनके ताहिँ जाके रहन देओ । ⁸काहेकी गरीबत् सब दिन तुमरे संग रहए, पर मए त सब दिन तुमर संग ना रहए ।" ⁹यहूदीनको गजब भारि भिड येशू हुवाँ हए करके पता पाई, और बे येशूके ताहिँ ना, पर लाजरसके देखनके फिरअए रहए जौनके येशू जिन्दा करी रहए, ¹⁰जहेमारे मुखिया पुजाहारी लाजरसके फिर मारनके ताहिँ सल्लाह करन लागे । ¹¹काहेकी बहे मारे यहूदी मैसे बहुत जनै छुटके जाएके येशूमे बिश्वास करन लागे रहए । ¹²कल तेवहारमे आनबारी बहुत भारि भिडमे येशू यरुसलेममे आत हए करके सुनी । ¹³और आदमी खजुरीके हाँगा लैके बाके भेटन गए और बडो आवजमे चिल्लात निकरे, "होसन्ना ! धन्य परमप्रभुके नाउँमे आनबारी इस्राएलको राजा !" ¹⁴और गद्दा एक बछरा पाएके येशू बक उपार चढो, अइसो लिखो हए, ¹⁵"सियोनकी लौड़ीया, मत डरओ । देखौ, तुमर राजा गद्दाक् बछराके उपर सबार हुइके अए रहोहए ।" ¹⁶जा बात बक चेला पहिले ना बुझिँ । पर येशूको महिमा भव जा बात बाके बारेमे लिखो रहए, और जा बात बिनके ताहिँ करी हए कहिके बे सम्झिँ । ¹⁷बा हबाए लाजरसके मरघाटसे बुलएके मरो भवके जिन्दा करिहए करके बाके संगमे होन बारी भिडके आदमी बाके बारेमे गवाही देतरहँए । ¹⁸बा जा चिन्ह करी हए करके जा बात सुनके फिर भीड बाके भेटन गै रहए । ¹⁹तव फरिसी एक-दुसरेसे कहन लागे, "देखौ, तुमसे कुछ ना हुइहए । देखतहौ, संसार बाके पिछु लगगए हए !" ²⁰हबए तेवहारमे आराधना करन जान मैसे कोई कोई ग्रीक फिर रहए । ²¹बे गालीलके बेथसेदा निवासी फिलिपके ठिन आएके अइसे करके बिन्ती करी, "हजुर, हम येशूके भेटन चाहतहए ।" ²²फिलिप जएके अन्द्रियाससे कही, और अन्द्रियास और फिलिप जाएके येशूसे कहिँ । ²³येशू उनके जवाफ दै, "आदमीको पुत्रको महिमित होनके समय आएपुगो हए । ²⁴नेहत्य, मए तुमसे कहतहौ, गेहुको दाना मट्टीमे पणके ना मरैगो तव बा एकए रहतहए । अगर बा मरीगौ तव बा बहुत फल फलत हए । ²⁵अपन प्राणके माया करन बारे बा गुमएहँए, पर अपन प्राण जा संसारमे तुच्छ मानन् बारे चाहिँ अनन्त जिवनके ताहिँ बा सुरक्षित् धरंगे । ²⁶कोई मिर सेवा करेहए तव बा मोके पछेयाबए और मए जहाँ हौ, मिर सेवक फिर हुवाँए हुइहए । कोई मिर सेवा करेहए तव पिता बाके कदर करेहए । ²⁷अब मिर प्राण व्याकुल हुइगव हए, और मए का कही ? 'हे पिता, मोके जा घडीसे बचाएले ? पर जहे कारणसे ना मए जा घडीतक अएपुगो हौ ।' ²⁸हे पिता, तुमर नाउँको महिमा करओ ।" तव स्वर्गसे अइसो एक अवाज अओ, "मए बा महिमा करो हौ, और फिर करंगो ।" ²⁹हुवाँ ठढी भै भिड जा सुनके कही, "जा बादल गरजो हए !" और कहिँ, "स्वर्गदुत बासे बोलिहए !" ³⁰येशू जबाफ दै, "जा आबाज मेरे ताहिँ ना हए, पर तुमरे ताहिँ हए ।" ³¹अब जा संसारको न्याय हुइहए । जा संसारको शासक बाहेर फिकोजए हए । ³²और अब मए पृथ्वीसे उणजाए हँ, और मए सब आदमीके अपने घेन तानझो ।" ³³बाको मृत्यु कौन प्रकारसे हुइहए, सो संकेत देनेके बा अइसो कही रहए । ³⁴भीड बासे पुछी, "खीष्ट सदामान रहबैगो करके व्यवस्थसे हम सुने हँए । तुम कैसे कहसकत हौ, आदमीक पुत्र उणनाए पणैगो ? जा आदमीक पुत्र चाहिँ कौन हए ?" ³⁵तब येशू बिनसे कही, हबए कुछ देर तक उजियारो तुमर संग हए । उजियारो हए तब तक नेगन घुमन करओ, ताकी अन्धकार तुमके ना तोपए । कोई अन्धकारमे नेगैगो, तव अपनाए कहाँ जए रहो हए, सो पता ना पँहए । ³⁶जब तक उजियारो तुमर संग हए उजियारोमे विश्वास करओ, और तुम उजियारोके सन्तान होबओ ।" जा बात कहीके, येशू हुवाँसे गईभव, और उनसे लुक्के बैठो । ³⁷बा उनके सामने बहुत चिन्ह करीरहए, ताहु फिर बे बाके उपर विश्वास ना करी । ³⁸जा नेहत्य होनरहए, काहेकी अगमवक्तको वचन पुरा होबए, "हे परमप्रभु, हमर सन्देश कौन विश्वास करो ? और परमप्रभुको बहुबल कौनके प्रघट करी हए ?" ³⁹जहेमारे बे बिश्वास ना कर पाई, काहेकी यशैया फिर आइसे कही, ⁴⁰"बा उनकी आँखी बन्द करदै हए, और उनको हृदय कठोर करीदै हए, जहे मारे बे आँखीसे ना देखि, और हृदयसे ना समझि, नत बे घुमजाएते और मोके बिनके अच्छो करन पणैगो ।" ⁴¹यशैया जा बात कही, काहेकी बे येशूके महिमा देखि, और बाके बारेमे कही । ⁴²तहु फिर शासक मैसे बहुत येशूके उपर बिश्वास करी, तव फरिसीके डरके मारे, और बे साभाघरसे निकरदेहए करके डरके मारे तव स्वीकर ना करी । ⁴³काहेकी परमेश्वरको प्रशंसासे जद्धा आदमीको प्रशंसा बे जद्धा रुचारहए । ⁴⁴येशू बडो आवाजमे चिल्लएके कही, "मोके बिश्वास करए हए बा मोके ना, पर मोके पठान बारे उपर बिश्वास करत हँए ।" ⁴⁵जौन मोके देखत हए, बा मोके पठन बारेके देखत हए । ⁴⁶मए संसारमे उजियारो हुइके अओ हौ, ताकि मिर उपर बिश्वास करन बारे अन्धकारमे ना रहमए । ⁴⁷कोई मिर वाणी सुनेहए, और बा पालन करेहए ना तव, मए बाको न्याय ना करेहौ । काहेकी मए संसारको न्याय करन ना अओ हौ, संसारके बचान अओ हौ । ⁴⁸जौन मोके इन्कार करए हए और मिर वचन ग्रहण ना करैगो बा न्याय करन बारो एक जनै हए । मए बोलो मिर वचन अन्तके दिनमे बाकी न्याय करेहए । ⁴⁹काहेकी मए अपन तर्फ से मस्को ना हआँ, तव मोके का कहन हए, और का मस्कन हए मोके पठन बारो पिता अपनए मोके आज्ञा दैहए । ⁵⁰मए जान्तहौ, कि बाको आज्ञा अनन्त जिवन हए, जहेमारे मए बहे मस्कत हँ, पिता मोसे जो कहत हए बहे अनुसार मस्कत हँ ।"

Chapter 13

¹निस्तार-तेवहर अगु जा संसारसे बिदा हुइके पिताके ठिन जानके समय हुइगौ करके येशू जानत रहए, जा संसारमे भए अपन जातिनके प्रेम करके बो बिनके अन्त तक प्रेम करी रहए । ²और संझाके खानुखान बेरा सैतान सिमोनके लौड़ा यहूदा इस्करियोतके मनमे बाके पकड़ए देनके ताँहि बिचार अगुसे डारदै रहए । ³पिता सब चिज बाके हातमे देहए, और बा परमेश्वरके तर्फ से अओ हए, और परमेश्वर कहाँ जए रहो हौ करके येशू जानत रहए । ⁴और बा साँझको खानु खाएके उठो, और बाहिरको कुर्ता एक घेन धरके एक तौलिया अपन करेहओ मे लपेटी । ⁵तब बा तसलामे पानी अखनए दै, और चेलानको गोडो धोन लागो, और अपने करेहौमे लपेटी तौलियासे बिनको गोडो पनोछन् लागो । ⁶जब बा सिमोन पत्रुसके ठिन अओ, तब बा कही, “प्रभु का तुम मिर गोडो धुईहौ ?” ⁷येशू बिनके जबाफ दै, “मए का करत् हौ, तुम हबाए ना जानैगे, पर पिछु बुझैगे ।” ⁸पत्रुस बासे कही, “तुम मिर गोडो कबहू धुईओ मत ।” येशू बिनके जबाफ दैके कही, “मए धुईहौ ना तब मोसे तुमर कोई हिस्सा ना हए ।” ⁹सिमोन पत्रुस बासे कही, “हे प्रभु, मिर गोडो इकल्लो ना, कि मिर हात और मुड समेत धोएदेबो ।” ¹⁰येशू बासे कही, “हदानो भव आदमीके गोडो बाहेक और कुछनए धोन पड़त हए, बा पुरा शुध्द हए । और तुम शुध्द हौ, पर सबत् ना हए ।” ¹¹कहेकी बाके बिश्वासघात करन बारेके बा चिनत् रहए । “जहमेरे बा कही रहए, “तुम सब शुध्द ना हओ ।” ¹²बिनको गोडो धोएके अपनो बाहिरी कुर्ता लगाएके बैठो । तब बा उन्से कही, “का तुम जान्तहौ मए तुमर ताँहि का करो ?” ¹³तुम मोके गुरु और प्रभु, कहत् हौ, बा तुम ठिकै कहत् हौ कहेकी मए बाहे हौ । ¹⁴अगर तुमर प्रभु और गुरु हुइके मए तुमर गोडो धो हौ तब तुम फिर एक दुसरेके गोडो धोन पड़ैगे, ¹⁵कहेकी मए तुमर ताँहि एक उदाहरण दओ हौ, और मए तुमर ताँहि करो, तुम फिर उईसी करओ । ¹⁶नेहत्य मए तुमसे कहत् हौ, नोकर अपन मालिकसे बाडो ना होतहए, और खबर लानो खबर पठान बारोसे बाडो ना होत हए । ¹⁷अगर तुम जा बात जाने और बा करे तब तुम धन्यके हुइहौ । ¹⁸“मए तुमसे सबके बारेमे ना कए रहो हौ, मए कोईके छानो हौ बिनके मए चिनत् हौ । पर धर्मसस्त्र पुरा होबए करके जा भव, कि 'मेरी रोटी खान बारो मिर उपर अपन लात उठाई ।’” ¹⁹“जा होनेसे आगु मए तुमसे कहत हौ, ताकि जब बा होनके अए हए, मए बहे हौ करके तुमके बिश्वास होबए ।” ²⁰नेहत्य मए तुमसे कहतहौ, 'जौनके मए पठएहौ, बाके ग्रहण करन बारो मोके ग्रहण करत् हए, और मोके ग्रहण करन बारो मोके पठन बारेके ग्रहण करत् हए ।” ²¹जा बात कहिके पिछु येशू आत्मामे व्याकुल हुइगव और बा गवाही देत कहन लागो, “नेहत्य मए तुमसे कहत् हौ, तुमए मैसे एक जनै मोके पकड़ाए देहए ।” ²²बा काके बारेमे कही हए करके पता ना हुइके चेला एक दुसरेके देखत देखत रहिगए । ²³बाके चेला मैसे येशूके प्रेम करन बारो चेलाचाँहि येशूके छातीमे अडेस लागए रहए । ²⁴तब सिमोन पत्रुस बासे इशारा करके पुछी, “बा जा काके बारेमे कही हए ?” ²⁵येशूके छातीमे अडेस लागएके बा से पुछी, “प्रभु बा कौन हए ?” ²⁶येशू जबाफ दै, “जौनके मए रोटीको खुद्रा डुबाएके देतहौ, बहे हए ।” तब बा रोटीको खुद्रा डुबाएके दै, और निकरके बा सिमोनको लौड़ा यहूदा इस्करियोतके दै । ²⁷रोटीको खुद्रा लैके पिछु शैतान बाके भितर घुसगओ । तब येशू बासे कही, “तोके जो करन हए, सो जलदी करडार ।” ²⁸तब बा काहे बासे अईसे कही भोजन करन बैठे कोई फिर ना समख पाई । ²⁹कहेकी कोई-कोई जा सोची, कि यहूदासंग पैसाको थैली हए, जहमेरे येशू बासे तेवहारके ताँहि सामान किननके, अथवा बा गरीबके कुछ देबए करके कही हए । ³⁰तब यहूदा इस्करियोत रोटी खाइ बा हुनासे तुरन्त बाहेर निकर गओ । बा बेरा रात पडिगव रहए । ³¹जब बा बाहिर गव तब येशू कही, “अब आदमीके पुत्र महिमित भव हए । और परमेश्वर बामे महिमित हुइगव हए ।” ³²अगर परमेश्वर बामे महिमित हुइगव हए तब परमेश्वर अपनएमे महिमित बनए हए और बाके तुरन्त महिमित बनए हए । ³³छोटे बालका, कुछ देर तक मए तुमर संग हौ, ! तुम मोके दुडैगे, और जैसो मए यहूदीनसे कहो, और हबए तुमसे फिर मए कहतहौ, 'जहाँ मए जाए रहो हौ, हुवाँ तुम अए ना पैहौ ।” ³⁴“एक नयाँ आज्ञा मए तुमके देतहौ: तुम एक दुसरे के प्रेम करौ । तुमसे मए जैसी प्रेम करो हौ, तुम फिर एक दुसरेके उईसी प्रेम करौ ।” ³⁵अगर तुम एक दुसरेके प्रेम करेहौ जहेसे सब जानंगे, कि तुम मिर चेला हौ ।” ³⁶सिमोन पत्रुस बासे कही, “हे प्रभु, तुम कहाँ जातहौ येशू जबाफ दै, 'मए जहाँ जए रहो हौ, तुम हबए मोके ना पछुयए पैहौ, तब पिछु त तुम मोके पछुयए हौ ।” ³⁷पत्रुस बासे कही, 'प्रभु, मए काहे हबए तुमके ना पछुयए पैहौ ? तुमरे ताँहि मए अपन प्राण दै देहौ ।” ³⁸येशू जबाफ दै, “का तए अपन प्राण मिर ताँहि देहए ? नेहत्य मए तुमसे कहत हौ, तुम मोके तीन दओ इन्कार ना करे तक मुर्गा ना बासैगो ”

Chapter 14

¹तुम्रो हृदय व्याकुल ना होबए । तुम परमेश्वर उपर बिश्वास करतहौ, मिर उपर फिर बिश्वास करओ । ²मिर पिताके घरमे बैठन ठाउँ बहुत हए । अइसो ना होतो, का मए तुमसे कहतो और, कि तुमर ताहिँ ठाउँ तयार करन मए जए रहो हो ? ³और जाएके मए तुमरे ताहिँ ठाउँ तयार करके पिछु मए फिर अए हो, और तुमए मए अपने ठिन लैजएहौ, और जहाँ मए हुइहौ, हुवाँ तुम फिर हुइहौ । ⁴जहाँ मए जाए रहो हो, तुम हुवाँ जानके डगर चिनैगे । " ⁵थोमा बासे कही, हे प्रभु, तुम कहाँ जातहौ, हम कैसे जानेहए, तव हम डगर कैसे चिनेहए ? " ⁶येशू बिनसे कही, "डगर, सत्य और जीवन मही हो । मोए बिना कोई फिर पिताके ठिन ना अए पैहए । ⁷तुम मोके चिनते तव मिर पिताके फिर चिनते । अबसे बाके चिन्त हौं, और बाके देखेहौ । " ⁸फिलिप बासे कही, "हे प्रभु, हमके पिता देखए दे । इतो भएसे हमके पुगजए हए । " ⁹येशू बिनसे कही, "फिलिप, इतो दिनतक मए तुमर संग रहो, ताहु फिर तुम मोके चिन ना पाए ? जौन मोके देखो हए, बा पिताके देखिहए । तुम कैसे कहेपए हो, हमके पिता देखए दे ? " ¹⁰मए पितामे हौं, और पिता मोएमे हए करके का तुम बिश्वास ना करतहौ ? जौन बाणी मए तुमसे कहत् हो बा मए अपनी अधिकार मे ना बोलो हो पर मिरमें बास करन बारो पिता अपनो काम करत् हए । ¹¹मोके बिश्वास करओ, कि मए पिता मे हो, और पिता मोएमे हए । नत जे कामके खातिर विश्वास करओ । ¹²नेहत्य मए तुमसे काहत् हो, जौन मोके विश्वास करत् हए, बा मए करो काम फिर करैगो, और बिनसे बडो काम फिर करैगो, काहेकी मए पिता के ठिन जाए रहो हो । " ¹³तुम मेरे नाउँ मे जो मागैगे तओ पुत्र मे पिता कि महिमा होबए कहिके बा मए देए हओ । ¹⁴अगर तुम मेरे नाउँ मे जौन चिज मगेहौ तव मए करेहौं । ¹⁵तुम मोके प्रेम करत हो तव मिर आज्ञा पालन करैगे । ¹⁶मए पिता से बिन्ती करंगो, और बा तुमके दुसरो सल्लाहाकार देबैगो, और बा तुमर संग सदा सबदा रहबैगो, जो ¹⁷सत्यको आत्मा हए, जौनके संसार ग्रहण ना करपैहए, काहेकी संसार बाके ना त देखिहए ना चिनिहए । तुम बाके चिन्त हो, काहेकी बा तुमरसंग बास करत् हए. और तुमर मे रहबैगो । ¹⁸मए तुमके दुहुरो ना छुडे हो । मए तुमरे ठिन लौटके अमंगो । " ¹⁹अब कुछ दिन पिछु संसार मोके कबहु ना देखहए, पर तुम मोके देखैगे । और मए जित हो तुम फिर जिबैगे । " ²⁰बा दिन तुम जानैगे, कि मए मिर पितामे हो और तुम मोएमे, और मए तुमरमे हुइ हो । ²¹मोके प्रेम करन बारो बहे हए जौन संग मिर आज्ञा हए और बे पालन करत् हए । और मोके प्रेम करन् बारके मिर पिता प्रेम करत् हए । मए बाके प्रेम कर हो और मए अपनएके बाके ठिन प्रकट करेहौ । " ²²यहूदा { इस्करियोत चाही ना हए } येशूसे कही, "प्रभु, तुम का कहत हो, तुम अपनए हमर मे प्रकट करैगे, और संसारके चाहिँ ना ? " ²³येशू बाके जबाफ दैके कही, "जौन मोके प्रेम करेहए, बा मिर वचन पालन करेहए, और मिर पिता बाके प्रेम करेहए, और हम बाके ठिन अमंगो, और बक संग बैठंगो । ²⁴मोके प्रेम ना करन बारो मिर वचन पालन ना करैगो । जौन वचन तुम सुन्तहौ, बा मिर ना हए, बोत् मोके पठान बारो पिताको हए । ²⁵जा बात तुमर संग रहतए मए तुमसे कहो हौं । " ²⁶पर सल्लाहकार, अर्थात् पवित्र आत्मा, जौनके पिता मिर नाउँमे पठए हए, बा तुमके सब बात सिखए हए, और मए तुमसे कहो बात तुमके याद दिलए हए । ²⁷शान्ति मए तुमरे संग छोडे हो । मए अपन शान्ति तुमके देहौ । संसार दै जैसो मए तुमके ना देतहौ । तुम्रो हृदय व्याकुल ना होए और घबडाबै ना । ²⁸मए तुमसे कहो 'सुने हो मए जाए रहो हो, और मए तुमरे ठिन फिर अमंगो' । तुम मोके प्रेम करते तव मए पिताके ठिन जात हो करके सुनते तुम रामईते, काहेकी पिता मोसे गजब महान हए । " ²⁹अब जा होनेसे अगु मए तुमसे कहे रहो हौं, और जब जा होनेके अएहए तुम विश्वास करसकौ । ³⁰मए तुमसे बहुत ना बुलेहौ काहेकी जा संसारको शासक अए रहोहए । बाके मिर उपर कोइ शक्ती ना हए । ³¹पर मए पिताके प्रेम करत् हो, और जैसो पिता मोके आज्ञा करी हए बहे करतहौ करके संसार जानए । उठओ, और हियाँ से जाबौ । "

Chapter 15

¹"मए सच्चो दाख हौ, और मिर पिता दाखबारीको किसान हए । ²मिर मे होन बारे फरा ना फरानबारे सबए हाँगाके छाँटत हए और फरा फरान बारे सबए हाँगाके और जद्धा फरा फरामए करके बा छानैगो हए । ³मए तुमसे कहो भव वचनसे तुम अग्गुएसे सुध्द हुइगएहौ । ⁴मिर मे रहओ, और मए तुमरमे रए हौ । जैसी दाखको पेडमे हाँगा ना रहत हए तव बा अपनए फरा ना फराए सकत् हए, उइसी तुमहु मिर मे ना रहेसे तव तुम फिर फरा ना फराए सकत् हौ । ⁵"मए दाखको पेड हओ, तुम हाँगा हौ । अगर कोइ मिर मे रैहे और, मए बामे रहौ तव बा बहुत फरा फरैहे, काहेकी मोसे अलग रहिके तुम कुछ ना कर पैहौ । " ⁶कोइ आदमी मिर मे ना रएहए तव, बा हाँगा बाहेर मिलजहए, और बा सुकजए हए । उइसे हाँगा आदमी बटोरत हए, और आगीमे डारदेत हए, और बे जरजात हए । ⁷तुम मेरेमे रहौ तव, और मिर बात तुमरमे रएहए तव तुम जो इच्छा लागत हए सो मागौ, और तुमरे ताहिँ करो जाए हए । ⁸तुम बहुत फरा फराएके मिर चेला हौ करके प्रमाणित करेहौ तव जहेमे मिर पिताको महिमा हुइहए । ⁹"पिता जैसी मोके प्रेम करिहए, उइसी मए फिर तुमके प्रेम करो हौ । तुम मिर प्रेममे रहौ । ¹⁰" अगर मिर आज्ञा पालन करेहौ तव तुम मिर प्रेममे रहौ, जैसी मए मिर पिताको आज्ञा पालन करो हौ और बाको प्रेममे रहत हौ । ¹¹मए जा बात तुमसे जा मारे कहो हौ, कि मिर आनन्द तुमरमे पुरो होबए, और तुमर आनन्द पुरो होबए । ¹²" जा मिर आज्ञा जहे हए, कि मए तुमसे जैसी प्रेम करो, तुम फिर एक दुसरेन से उइसीए प्रेम करओ । " ¹³अपन संगीके ताहिँ जौन अपन ज्यान देहए बासे बडो प्रेम और कोइ ना हए । ¹⁴मए तुमरे ताहिँ जो आज्ञा करत् हौ, बे तुम करेगे तव, तुम मिर संगी हौ । ¹⁵अब से मए तुमसे नोकर ना कएहौ । काहेकी बाको मालिक का करत् हए नोकर ना जनत् हए । पर मए तुमसे संगी कएहौ, काहेकी जो मए मिर पितासे सुनो सब बात तुमके बताए दओ हौ । ¹⁶मोके तुम ना चुने, पर मए तुमके चुनो और तुमके नियुक्त करो, काहेकि तुम जाओ, और फरा फराबओ, और तुमर फरा फरोरहाबए । जहेमे तुम पितासे मिर नाउँमे जो मागैगे, बा तुमके सो देहए । ¹⁷मए तुमके जा आज्ञा देतहौ, कि तुम एक दुसरेनके प्रेम करौ । ¹⁸"अगर संसार तुमके नफरत (घृणा) करत् हए तव, तुम जानौ, कि तुमके नफरत (घृणा) करनसे अग्गु बा मोके नफरत (घृणा) करत् हए । ¹⁹अगर तुम जा संसारके होते तव संसार तुमके अपनए तरह मनके प्रेम करतो । पर तुम जा संसारके ना हओ । मए तुमके संसारसे चुनो, जहेमे संसार तुमके नफरत (घृणा) करत् हए । ²⁰मए तुमसे कहो वचनके याद करियो, "नोकर घरको मालिकसे बडो ना होत हए ।" बे मोके सतए हए तव तुमके फिर सतए हैं । बे मिर वचन पालन करेहए तव बे तुमरो वचन फिर पालन करेहैं । ²¹पर जा सब मिर नाउँके खातिर तुमके करेहए, काहेकी बे मोके पठान बारेनके ना चिनत् हैं । ²²मए ना अइतो तव और उनके ना बतैतो तव बे पापके दोषी ना हुइते, पर अब ता अपन पापके ताहिँ बिनके कोइ बहाना ना हए । ²³जौन मोके नफरत (घृणा) करत् हए, बा मिर पिताके फिर नफरत (घृणा) करत् हए । ²⁴अगर कोइ ना करो काम मए बिनके बीचमे ना करतो, तव बे पापके दोषी ना होते । पर अब बे मोके और मिर पिताके दोनएके देखिरहए और नफरत (घृणा) करीहए । ²⁵पर व्यवस्थामे लिखो जा वचन पुरा होनके जा भव हए, 'बे बाके बिनाकरण नफरत (घृणा) करी ।' ²⁶"जब सल्लाहकार अए हए, जौनके मए पिताके तरफ से तुमरे ठिन पठए देहैं अर्थात सत्यको आत्मा, जो पितासे अए हए, बहे मिर बारेमे गवाही देहए । " ²⁷तुम सुरुसे मिर संग हौ, तुम फिर मिर साक्षी हौ ।

Chapter 16

¹"तुम पच्छु मत हट्ओ कहिके मए तुमके जा बात कहो हौ ।" ²बे तुमके सभाघरसे बाहेर निकार देहए । नेहत्य अइसो समय अबैगो, जब तुमके मारन बाले सबए परमेश्वरको सेवा करत् हँए कहिके कहमंगे । ³बे जा काम करङ्गे, काहेकी बे ना पिताके ना मोके चिन्त हँए । ⁴पर जा बात मए तुमके बतात् हौ, कि जब जा समय अए हए, तव तुमके स्मरण हुइहए । पहिले जा बात मए तुमसे ना कहो, काहेकी मए तुमर संग रहौ । ⁵"अब मए मोके पठन बारेक ठिन जाए रहो हौ, पर औ तुम कहाँ जातहौ ?" कहिके तुम कोइ मोसे ना पुछत् हौ ।" ⁶ताहु फिर मए तुमसे जा बात कहो बहेमारे तुमर हृदय शोकसे भरिगौ हए । ⁷ताहु फिर मए तुमसे सच्ची बात कहत् हौ, मोए जान मे तुमर हित हुइहए । काहेकी मए ना जएहौ तव, सल्लाह देन बारो तुमरे ठिन ना अए हए । पर जाएहौ तव मए बाके तुमर ठिन पठए देहौ । ⁸जब सल्लाह देन बारो अए हए, बा संसारके पाप, धर्मिकता और न्यायके बारेमे दोषी ठहरए हए । ⁹पापके बारेमे, काहेकी बे मिर उपर विश्वास ना करत् हँए, ¹⁰धार्मिकताके बारेमे, काहेकी मए पिताके ठिन जए रहो हौ, और फिर तुम मोके फिर ना दिखहौ । ¹¹और न्यायके बारेमे, काहेकी जा संसारके शासकको न्याय हुई गओ हए । ¹²"मए तुमसे कहन बारी बात गजाब हए, पर हबए तुम जा बात सहे ना पैहौ ।" ¹³जब बा सत्यको आत्मा अए हए, तव बा तुमके सब सत्यतामे डुरिअए हए काहेकि बा अपन तर्फ से ना कहेहए । पर बा जो सुनेहए, बहे बुलेहए, और होन बारी बात तुमके बताए देहए । ¹⁴बा मिर महिमा करेहए, काहेकी जो मिर हए, बा मोसे लैके तुमके बताए देहए । ¹⁵जो चिज पिता संग हए, बा मिर हए । जहेमरे मए काहत हौ, जो मेरो हए बा मोसे लैहए और जो तुमके बताई देहए कहिके मए कहो हौ । ¹⁶"थोरी देर पिछु तुम मोके फिर ना दिखहौ, और थोरी देरमे फिर मोके देखैगे ।" ¹⁷"तव बाके कोइ-कोइ चेला एक दुसरे से कहिँ, "बा हमसे जा का कही हए ? 'थोडी देरमे तुम मोके ना दिखहौ, और फिर थोडी देरमे तुम मोके दिखहौ, ' और मए पिताके ठिन जाएरहो हौँ कहिके बा हमसे का कहि हए ?" ¹⁸बे कँहीं, "बा, थोडी देरको मतलाब का हए ? हम ना जानत् हँए, बा काके बारेमे कहत हए ।" ¹⁹बे बासे पुछन् के इच्छा करत् हँए करके येशूके पता हुइगौ, और बा कही, " 'थोडी देरमे तुम मोके ना दिखहौ, और थोडी देरमे तुम मोके दिखहौ' करके कहो बातको अर्थ का हए करके जेहेक बारेमे का तुम आपसमे बहस कर रहेहौ ?" ²⁰नेहत्य, मए तुमसे कहत् हौ, तुम रुइहौ और बिलाप करहौ, पर संसार रमएहए । तुम शोकित हुइहौ, तव तुमर शोक आनन्दमे बदल जएहए । ²¹बालका जन्मन बेरा बैयर पीडामे होतहए, कहेकी बाकी बेरा अइगओ होतहए, पर जब बे बालका जन्मात हए, तव बे बा बेदनाके ना समझत हए कहेकी बालका जन्म गओ करके बे खुशी होतहएँ । ²²तही हबए तुमके शोक होतहए, पर मए फिर तुमसे मिलङ्गो, और तुमर मन खसी होइगो । और कोइ तुमर आनन्द तुमसे ना छिनए पैहए । ²³बा दिन तुम मोसे कुछ ना मागैगे । नेहत्य मए तुमसे कहत् हौ, तुम मिर नाउँमे पितासे जो मगैगे, बा तुमके देबैगो । ²⁴हबए तक तुम मिर नाउँमे कुछ ना मागे हौ । मागौ, तव तुम पबैगे । अइसीय तुमर आनन्द पुरा होबए । ²⁵"जा बात मए तुमके कहानीमे कहो हौ । पर समय अए रहो हए, अब मए तुमसे फिर कहानीमे ना काएहौ, पर पिताके बारेमे तुमके स्पष्ट बताए हौ ।" ²⁶बा दिन तुम मेरे नाउँमे मगैगे । मए तुमके ताहिँ पितासे बिन्ती करदेहौ करके तुमसे ना कएहौ, ²⁷कहेकी पिता अपनए तुमके माया करत् हए, कहेकी तुम मोके माया करेहौ, और मए परमेश्वरके तर्फ से अओ हौ करके विश्वास करेहौ । ²⁸मए पितासे अओ, और संसारमे अओ, और फिर मए संसारके छोटके पिता के ठिन जए रहो हौ ।" ²⁹"बाके चेला कहिँ, " देखऔ अब तुम स्पष्ट बोलतहौ कहानीमे ना बोलत हौ ।" ³⁰अब हम जानत हए, कि तुम सब बात जनत हौ, और अब तुमसे पुछन कोइ जरूरत ना हए । जहेमारे हम विश्वास करत् हए, कि तुम परमेश्वरसे आए हौ ।" ³¹येशू उनके जबाफ दै, "का तुम अब बिश्वास करत् हौ ?" ³²देखौ तुम समय अए रहो हए, वास्तबमे अइगौ हए, अब तुम बिगद के अपन घरमे चले जएहौ और मोके इक्ल्लो छोडदेहौ । तहु फिर मए इक्ल्लो ना हौ, कहेकी पिता मिर संग हए । ³³मए तुमसे जा बात जा मारे कहत हौ, कि मोए मे तुमके शान्ति होबए । संसारमे तुमके संकट हुइहए, पर साहस करौ, मए संसारके जितो हौ ।"

Chapter 17

¹जा बात कहिके पिछु येशू स्वर्ग घेन आँखी उठाएके कही, “हे पिता, समय हुइगौ हए, तुम पुत्रको महिमा प्रकट करौ, और पुत्र तुमर महिमा प्रकट करए ।
²काहेकी तुम बाके सब आदमीक् उपर आधिकार दए हौ, ताकी तुम बाके दए भए सबके बा अनन्त जीवन देबए ।³अब अनन्त जीवन जहे हए, कि बे तुमए, इक्ल्लो सत्य परमेश्वरके चिनए, और तुमर पठाओ भव येशू ख्रीष्टके चिनए ।⁴जौन काम तुम मोके दए हौ, बा पुरा करके तुमके पृथ्वीमे मए महिमित करो हौ ।
⁵अब हे पिता, संसारको सृष्टि होनसे अगु तुमरे अगु मिर जौन महिमा रहए, बहेमारे अपन उपस्थितिमे मोके महिमित करौ ।⁶“संसारसे जौन आदमी तुम मोके दए हौ, बिनके तुमर नाउँ मए प्रकट करदओ हौ । बे तुमर रहए, और तुम बिनके मोके दएहौ, और बे तुमर वचन पालन करीहएँ ।⁷बिनके अब पता हए, कि तुम मोके दओ भव प्रत्येक बात तुमसे अओ हए ।⁸काहेकी जौन वचन तुम मोके दएहौ, मए बिनके दओ हौ, और बे बा ग्रहण करी हए । और मए तुमसे अएहौ काहिके बे सच जान्त हए और मोके पठाई हए कहिके बे बिश्वास करी ।⁹मए बिनके ताहिँ प्रार्थना करत् हौ, संसारके ताहिँ मए प्रार्थना ना करत् हौ, पर उनके ताहिँ, जौन तुम मोके दए हौ । काहेकी बे तुमर हएँ ।¹⁰मिर सब जो हए बे सब तुमर हए, और जो तुमर हए बा मिर हए । मिर महिमा बिनमे प्रकट भव हए ।¹¹“मए फिर संसारमे ना रहहौ, पर जे ता संसारमे रहए । मए त् तुमर ठिन अए रहो हौ । पवित्र पिता, तुम मोके दए भएनके तुमर नाउँमे बिनके सुरक्षित रखाबौ, और हमए जैसो बे फिर एक होमए ।¹²जब तक मए बिनके संग रहौ, तुम मोके दए तुमर नाउँमे बिनके मए सुरक्षित करो । बिनको रक्षा करो । और उन मैसे बिनासको लौड़ा बाहेक अरु कोइ नष्ट ना भव, काहेकी धर्मशास्त्र पुरा होबए¹³“पर अब मए तुमर ठिन अए रहो हौ । पर मए जा बात संसारमे काहि रहोहौँ, कि बिन्मे मिर आनन्द पुरा होबए । ”¹⁴मए बिनके तुमर वचन दओ, तव संसार उनके नफरत (घृणा) करी, काहेकी बे संसारके ना हए, जैसी मए संसारको नाहौँ ।¹⁵तुम उनके संसारसे लाएजाओ कहिके मए ना करत् हौ, पर बिनके दुष्टसे बचाबओ कहिके मए तुमसे प्रार्थना करत हौँ ।¹⁶बे संसारके ना हए, जैसी मए फिर संसारको ना हए ।¹⁷बिनके सत्यतामे अपन ताही सौपदेओ, तुमर वचन सत्य हए ।¹⁸जैसी तुम मोके संसारमे पठए, मए फिर बिनके संसारमे पठओ हौ ।¹⁹बिनके ताँही मए अपनाएके सौपदओ हौँ, ताकी बे फिर तुमर सत्यतामे पवित्र होमए ।²⁰“मए इनके ताहिँ इक्ल्लो प्रार्थना ना करत् हौ, पर इनके सन्देश से मिर उपर विश्वास करन बारेनके ताहिँ फिर प्रार्थना करत् हौ, ”²¹कि बे सब एक होमए । हे पिता, जैसी तुम मोए मे हौ, और मए तुममे, उइसी बे फिर हमरमे होमए, और तुम मोके पठएहौ करके संसार बिश्वास करए ।²²जौन महिमा तुम मोके दएहौ, मए बिनके दओ हौ, ताकि हम एक भए कता बे फिर एक होमए ।²³मए बिनमे, और तुम मोएमे, और बे पुरारूप से एक होमए, और तुम मोके पठए हौ, और मोके प्रेम करे कता तुम बिनके फिर प्रेम करेहौ करके संसार जानए ।²⁴“पिता, मए इच्छा करत् हौ, कि तुम मोके दए भए नाके मए जहाँ हौ मिरसंग रहमए, और मिर महिमा देखए, जौन महिमा, संसारके सृष्टि होनसे अगु मोके प्रेम करेरहौ बा मारे तुम मोके दएरहौ । ”²⁵“धर्मीक पिता, संसार तुमके ना चिन्तहए, पर मए तुमके चिन्तहौ, और तुम मोके पठए हौ करके जे जन्त हए । ”²⁶मए तुमर नाउँ जिन्मे प्रकट करो हौ, ताकि जौन प्रेमसे मोके तुम प्रेम करे, बा बिन्मे रहए, और मए उनमे रहौ । ”

Chapter 18

¹जा बात कहिके येशू अपन चेलाके संग किद्रोन उपत्यकाको बा पार गओ । हुवाँ एक बगिया रहए । येशू अपन चेलासंग हुवाँ पर गओ । ²बाके पकणान बारो यहूदा फिर बा ठाउँ चिने रहए, काहेकी येशू अपन चेलासंग हुवाँ बैठन जाए कर्त रहए । ³तव दिया, उँका और हतियार लैके पुलिसके फिर एक दल और खास पुजाहारी और फरिसीनके पठए भए पहारेदारके लैके यहूदा हुवाँ अओ । ⁴तव अपने उपर आन बारी सब बात पता पाएके येशू अगु अओ, और बिनसे कही, “तुम कौनके ढुणतहौ ?” ⁵बे बासे कहिँ, “नासरतके येशूके ।” येशू बिनसे कही, “मए बहे हौ ।” और बाके बिश्वासघात करन बारो यहूदा फिर सिपाहीके संग ठाडो रहए । ⁶“जब बा उन्से मए बहे हौ” कही, तव बे पिछु हटिगए और भिमेमे गिरिगए । ⁷“फिर बा बिनसे पुछी, “तुम काके ढुडत् हौ ?” बे कहिँ, “नासरतके येशूके ।” ⁸येशू जबाफ दैके कही, “मए तुमसे कहिदओ, मए बहे हौ । अगर तुम मोके ढुडत् हौ तव जे आदमीके चहिँ जान देओ ।” ⁹“जा तुम मोके दए भए मैसे एक फिर मए ना गुमओ” करके कहीरहए बो वचन पुरा होबए करके जा भओ । ¹⁰जब सिनोम पत्रुस अपन ठिन भव तरवार निकारके मुखिया पुजाहारीको कमैयाक दहिना कान चट्टै काटदै । बा कमैयाको नाउँ माल्खस रहए । ¹¹येशू पत्रुससे कही, “तरवार म्यानमे धर । का पिता मोके दओ कचौरा मए ना पिमओ ?” ¹²तव पिछु सिपाहीकी दल, बिनके कप्तान, और यहूदीनके पहरेदार येशूके पकडी, और बाँधी । ¹³पहिले बे बाके हन्नासके ठिन लैगए, जो बा सालको प्रधान पुजाहारी कैयाफाको सासुरो रहए । ¹⁴जा बहे कैयाफा रहए, जौन जनाताके ताहिँ एक आदमी मरनसे कल्याण हए’ करके यहूदीनके सल्लाह दै रहए । ¹⁵सिमोन पत्रुस और येशूको दुस्रो चेला येशूके पिछु लागो । तव दुस्रो चेलाके प्रधान पुजाहारीको चिनजान रहए । और येशूसंग प्रधान पुजाहारीके आँगनमे घुसो । ¹⁶तव पत्रुस बाहेर फाटकमे ठाडो रहए । तव दुस्रो चेला जो प्रधान पुजाहारीसे चीनजान रहए, बाहिर निकरके फाटकमे बैठन बारी लौड़ियासे कही पत्रुसके भितर लिआ । ¹⁷तब फाटकमे बैठी लौड़िया पत्रुससे कही, “का तुम फिर बहे आदमीके चेला मैसे एक जानै हौ ?” बा कही, “मए ना हौँ ।” ¹⁸तव बा कमैया और पहरेदार आगीको आहरा तापत रहए, काहेकी जाडो रहए । और पत्रुस फिर बिनके संग ठाणो आगी तपन लागो रहए । ¹⁹अब प्रधान पुजाहारी येशू बाके चेला और बाके शिक्षाके बारेमे पुछी । ²⁰येशू बिनके जबाफ दैके कही, “मए संसारमे खुल्लमखुल्ला कहो हौ । मए सब दिन सभाघरमे और मन्दिरमे शिक्षा दओ हौ । जहाँ सब यहूदी इकट्ठा होतहए । मए गुप्तमे कुछ ना कहो हौ ।” ²¹मोसे काहे पुछत् हौ ? मए बिनसे का कहो सो सुननबारेन से पुछओ । मए कहो बात उनके पता हए । ²²येशू जा बात कहत रहए तव नजिकमे ठाडो पहरेदार मैसे एक जनै अइसो कहत येशूके थप्पड लागई, “का प्रधान पुजाहारीके अइसे जबाफ देतहए ?” ²³येशू बासे कही, “मए बेठिक कहो हौ तव प्रमाण देओ, अगर मए ठिक कहो हौ तव तुम मोके काहे मारत् हौ ?” ²⁴तव हन्नास बाके बाधे आबस्थामे प्रधान पुजाहारी कैयाफा ठिन पठए दए । ²⁵जब सिमोन पत्रुस ठाहरके आगी ताप्त रहए । बे बासे कहिँ, “का उनके चेला मैसे एक जनै फिर नाहौ ?” बा इन्कार करके कही, “मए ना हौ ।” ²⁶प्रधान पुजाहारीको कमैया मैसे एक जनै, जौनक् नातेदारको कान पत्रुस काटी रहए, बा पुछी, का मए तुमके उनके संग बगियामे ना देखो का ?” ²⁷तव फिर पत्रुस इन्कार करी । और तुरुन्त मुर्गा बस्दै । ²⁸तव बे येशूके कैयाफाके घरसे राज्यपालकी महल घेन लैगए । बा समय सुबेरे रहए बे राज्यपालकी महलमे ना घुसे काहेकी बे अशुद्ध ना होमए पर निस्तार तेवहर खाएलेमए । ²⁹जहेमरे बिनके ठिन बाहेर निकरके पिलातस कहिँ, “जा आदमीके विरुद्धमे तुम का अभियोग लगए हौ ?” ³⁰बे उन्से कहिँ, “अगर जा आदमी अपराधी ना होतो तव हम जाके तुमरे ठिन ना सुम्पते ।” ³¹बहेमारे पिलातस बिनसे कही, “तुम जाके लैजओ, और तुम अपन व्यवस्था बमोजिम जाको इन्साफ करौ ।” यहूदी उन्से कहिँ, “कोइ आदमीके प्राणदण्ड देनके हमर ताही न्यायसङ्गत ना हए ।” ³²बाको मृत्यु कौन तारिका से हुइहए कहिके येशू संकेत करके बाको कहो वचन पुरा होबए करके अइसो भव रहए । ³³तव पिछु पिलातस फिर राज्यपालको महल भितर घुसो, और बा येशूके बोलाएके कहिँ, “का तुम यहूदीके राजा हौ ?” ³⁴येशू जबाफ दैके कही, “तुम अपनए अईसो कहत् हौ, कि मिर बारेमे तुमसे और कोई कहो ?” ³⁵पिलातस जबाफ दै, “का मए यहूदी ना हौ का ? तुमरअपनि मनई और मुखिया पुजारी तुमके मेरे हातमे सोपदै हए । तुम का करे ?” ³⁶येशू जबाफ दै, “मिर राज्य जा संसारको ना हए । मिर राज्य जा संसारको होतो तओ मिर सेवक मिर ताहिँ लड़ते, और मए यहूदीनके हातमे ना सौपतओ । पर मिर राज्य जा संसारको ना हए ।” ³⁷तव पिलातस बासे कहिँ, “का तुम राजा हौ त् ?” “येशू कहिँ तुमहि मोसे राजा काहत हओ ? जहेके ताहिँ मए जन्मो हओ, और जहेके ताहिँ सच्यो गवाही देन मए जा संसारमे अओ हौँ । हरेक जो सत्यको पक्षमा हए, बा मिर आवाज सुनैगो ।” ³⁸पिलातस बासे कही, “सत्य का हए ?” इत्कए कहिके बा यहूदीनके ठिन बाहिर निकर गओ, और बिनसे कही, “मए जा आदमीके कोइ दोष ना पाओ ।” ³⁹पर निस्तार-तेवहरमे मए एक जनै तुमरे ताहिँ छोडदेनके तुमर चलन हए । तव का तुम चाहत् हौ, कि यहूदीक राजाके छोडदेओ ?” ⁴⁰पर बे फिर अइसे करके चिल्लाएके कहिँ, “बाके ना, बारब्बाके ।” बारब्बा डाँकु रहए ।

Chapter 19

¹तब पिलातस येशूके लैगए और बाके कोरा लगानके लिअई, ²और सिपाही काँटोको मुकुट गुथके बाके मुणमे लागए दै, और बाके बैजनी रंडको कुर्ता पैंधए दै, ³और बाके नजिक आएके कहिँ, “प्रणाम, यहूदीको राजा !” और बे बाके थप्पण मारि ।⁴फिर बाहिर निकरके पिलातस बिनसे कहि, “देखो मए जाके तुमर ठिन बाहेर ल्याए रहो हौ, और तुमके बातान चाहत् हौ, मए जामे कोइ दोष ना पात हौ ।” ⁵तब काँटोको मुकुट और बैजनी रंडको कुर्ता पैधएके येशू बाहिर अओ, और पिलातस बिनसे कहि, “देखो जा आदमी !” ⁶जब मुखिया पुजाहारी और पहरेदार बाके देखीँ, बे अइसे करके चिल्लन लागे, “बाके कुसमे टाँगओ, बाके कुसमे टाँगओ !” पिलातस बिनसे कहि, “तुमहीं जाके लैजाएके कुसमे टाँगओ, काहेकी मए जामे कोइ दोष ना पाओ !”⁷यहूदी उनके जबाफ दै, “हमर एक व्यवस्था हए, और बा व्यवस्था अनुसार जा मरन पणैगो, काहेकी जा अपनएके परमेश्वरको पुत्र बनाइ हए ।” ⁸जा बात सुनके पिलातस और डरए गओ । ⁹बा फिर राज्यपालको महल भितर घुसो और येशूसे पुछी, “तुम कहाँसे आए हौ ?” तब येशू उनके कुछ जबाफ ना दै ।¹⁰जहेमरे पिलातस बासे कही, “का तुम मोसे ना बोलैगे ? तुमके छोड़ देनेके अधिकार मिरसंग हए, और तुमके कुसमे टाँगनके अधिकार फिर मिरसंग हए करके तुमके पता ना हए ?” ¹¹येशू बाके जबाफ दैके कही, “तुमके उपरसे नदित्तो तब मिर उपर तुम कोइ अधिकार ना हुत्तो । जहेमारे मोके तुमरे हातमे सौपेदो और जद्धा पापको दोषी हए ।”¹²तब पिछु पिलातस बाके छोड़देनके और जद्धा प्रयत्न करी । पर यहूदी अइसो काहत् चिल्लान् लागे, “अगर तुम जा आदमीके छोड़दे हओ तब तुम कैसरके संगी ना हओ । अपनएके राजा हौ करके दाबी करन् बारो प्रत्येक कैसरके बिरुद्धममे खडा होतहए ।” ¹³पिलातस जा बात सुनके येशूके बाहेर ल्याई, और बा “पत्थरको पाटी” कहन बारो ठाउँमे {जोसे हिब्रुमे गब्बथा कहत् है} न्याय आसनमे बैठो । ¹⁴बा समय निस्तार-तेवहरको तयारीको दिन रहए । दिनमे करीब बाह्र बजो रहए । पितालस यहूदीनसे कहि, “देखो, तुमर राजा !” ¹⁵तब बे अइसे काहत् चिल्लाने “लैजाओ, लैजाओ, जाके कुसमे टाँगओ !” पिलातस बिनसे पुछी, “का मए तुमर राजाके कुसमे टाँगओ ?” मुखिया पुजाहारी जबाफ दै, “कैसर बाहेक हमर राजा और कोइ ना हए ।” ¹⁶तब बा उनके कुसमे टाँगन् बिनके हातमे सौपेद । जहेमरे सिपाही येशूके जिम्मा लै ।¹⁷बा अपन कुस अपनए बोकके खप्पर कहाँन बारो ठाउँमे गओ, जौनके हिब्रु भाषामे गलगथा कहत् हए । ¹⁸हुवाँ बे बाके कुसमे टाँगी और बाके संग और दुई जनैके टाँगी, एक जनैके एक घेन और दुस्रो जनैके दुस्रे घेन और बीचमे येशूके ।¹⁹पिलातस एक दोष पत्र फिर लिखिके कुसके उपर टासै । बामे बहे लिखो रहए, “नासरतके येशू, यहूदीको राजा ।” ²⁰तब बहुत यहूदी जा दोष पत्र पढीँ, काहेकी येशू कुसमे टाँगो भव ठाउँ सहेरके नजिकए रहए । जा हिब्रु, ल्याटिन और ग्रीक भाषामे लिखोरहए ।²¹यहूदीके मुखिया पुजाहारी पिलातससे कहिँ, “ 'यहूदीक राजा' कहान बारो का ना हए, तब जा मए यहूदीको राजा हौ कही' करके लिखओ ।” ²²पिलातस जबाफ दै, “मए जो लिखो, लिखो ।” ²³जब सिपाही येशूके कुसमे टाँगी, तब बे बाको कुर्ता लैके प्रत्येक सिपाही एक-एक होन करके चार भाग करी । बाको बाहिरको कुर्ता फिर लै, तब बा कुर्ता सिओ ना भव उपरसे लैके तरेतक बुनो सिगो रहए । ²⁴जहेमारे बे अपसमे कहिँ, “जाके चाहिँ ना फाड़ए, पर जा कौनक् होत हए करके चिट्ठा डराए ।” धर्मशास्त्र पुरा होबए करके जा भव रहए : “बे मिर कुर्ता अपनए-अपनएमे बाँटी, और बाहिरको कुर्ताको चिट्ठा डारि ।”²⁵जहेमारे सिपाही जा काम करी । और येशूके कुसके नजिक बाकी अइया, कि बहिनीया, क्लोफासकी बैयर मरियम और मरियम मगदलिनी ठाडी रहए । ²⁶जब येशू अपनी अइयाके और बाके माया करन बारो चेला नजिकमे ठाडोभओ देखि, तब बा अपनी अइयासे कहि, “नारी, देख, तुमरो लौड़ा !” ²⁷तब बा चेलनसे फिर बा कहि, “देख, तेरी अइया !” तओ बा समयसे बे चेला उनके अपन घरमे लैगए ।²⁸तब पिछु येशू सब बात अब पुरो हुइगओ, करके जानके धर्मशास्त्र पुरो होबए करके कही रहए, “मोके प्यास लागो ।” ²⁹हुवाँ सिकासे भरो एक बर्तन धरो रहए । जहेमारे सिकासे भरो स्पञ्ज एक हिसपको हाँगामे बे बाके मुहुमे पुगाएद । ³⁰जब येशू सिका लै, तब बा कहि, “अब निभट गओ,” और बा मुडिया निहुराएके अपन आत्मा त्याग दै ।³¹बा दिन तयारीको दिन रहए । तबहीमारे यहूदी सबाथमे { खास करके जा शबाथमे, जौन महत्वपूर्ण रहए } मृत शरीर कुसमे ना रहए करके पिलातससे बिन्ती करी, और बे टाँग तोड़के बिनकी शरीर लानके माग करी । ³²तब सिपाही आएके बाके संग कुसमे टाँग भएनके टाँग तोडी, पहिले एक जनैको, तब पिछु दुस्रोको । ³³जब बे येशू के ठिन अए बे देखि, कि येशूको मृत्यु अगु हुइगओ रहए, और बाको टाँग ना तोडी ।³⁴तहु फिर सिपाही मैसे एक आदमी बाको कोखमे भला मेली और तुरन्त खुन और पानी निकरो । ³⁵तुम फिर बिश्वास कर सकौ करके जा देखन बारे गवाही दैहएँ । और बाको गवाही सच्यो हए, और सच्यो बोलत् हौ करके बो जानत् हए ।³⁶बाको कोइ फिर हड्डी ना टुटहए” करके धर्मशास्त्रको वचन पुरो होबए करके जा बात भओ ।” ³⁷और फिर दुस्रो ठाउँमे धर्मशास्त्र कहत हए, “जौनके बे भाला मेली हएँ, बे बोके देखिहए ।”³⁸तब पिछु अरिमाथियाको योसेफ, जो यहूदीन् के डरसे गुप्तमे येशूको चेला रहए, बे पितालससे येशूको मरि शरीर लैजान पाओ करके बिन्ती करी । पितालस बाके अनुमति दै, तब बे आएके बोकी मरि शरीर लैगए ।³⁹और अगु बोके ठिन रातके आनबारो निकोदेमस फिर हुना आओ बा लगभग: तेत्तिस किलो मुर् और एलवा मिलाएके लाई ।⁴⁰अइसे बे येशूको शरीर यहूदीन् के दफन-कारन ताहीं रितिअनुसार मसालकसंग सुती लत्तामे बाँध । ⁴¹बो कुसमे टाँगो ठाउँमे एक बगिया रहए । और बो बगियामे एक नयाँ चिहान रहए और हुना कोइके कबहु ना गणी रहँए । ⁴²कहेकी यहूदीन् के तयारीको दिन रहए, और बो चिहान फिर ढिँग रहए, और बे येशूके बहे मरघाटमे धरी ।

Chapter 20

¹हप्ताको पहिलो दिन सुबेरै अँध्यारो रहए मरियम मगदलिनी गड्डामे आई । ²बे सिमोन पत्रुस और येशूके माया करन् बारे और चलनके ठिन दौडके गै, और बे कहिँ, “बे प्रभुके गड्डासे बाहिर लैगए, और बोके कहाँ जीन धरे हए, सो हम जन्तए नैयौँ।” ³तव पत्रुस और दुस्रो चेला बाहिर निकरके गड्डा घेन गए । ⁴बे दोनाए संगसंगए दौरे , तव दुस्रो चेला पत्रुससे अग्लेछा कटके गड्डामे अगु पुगओ । ⁵गड्डा भितर निहुरके देखि, तव बे सुती कपडा इकल्लो पडो देखि, तव बे भितर ना घुसे । ⁶सिमोन पत्रुस बोके पिछुपिछु अओ, और गड्डा भितर घुसो, और बे फिर मलमलसे लिप्टो कपडा इकल्लो हुवाँ पडो देखि । ⁷बाको मुणमे बधो गस्ती चाहिँ मलमलको कपडाके संग ना रहए, पर अलग एक ठाउँमे लिप्टो धरो रहए । ⁸तव गड्डामे पहिले दुस्रो चेला फिर भितर कुचो, और बा देखि और विश्वास करी । ⁹काहेकी बे बा मृतकसे जिन्दा हुइके उठन पणैगो करके धर्मशस्त्रको वचन हबए तक ना बुझिँ । ¹⁰तव पिछु बे चेला अपन घर घुमगए । ¹¹तव मरियम गड्डाके बाहिर रोट ठाणी रहए । बा रोट निहुरके देखि, ¹²और जहाँ येशूको मृत शरीर धरो रहए, हुवाँए सेतो कुर्ता लगए दुई स्वर्गदुत एक मुण घेन और दुस्रो पाव घेन बैठो बे देखिँ । ¹³बे बिनसे कहिँ, “बैयर, काहे रोटहए? कौनके ठुणत् हए?” बे बिनसे कहिँ, “बे मिर प्रभुके लैगए, और बोके कहाँ धरि हँए, मए ना जानत् हो” ¹⁴जा बात सुनके बे पिछु घुम गए, और बे येशूके ठाणो देखिँ, तव येशू हए करके बे ना चिनि । ¹⁵येशू बिनसे कहि, “ नारी, तए कहे रोट हए? कौनके ठुणत् हए?” बे बाके रेकदेख करन बारो बताई, “हजुर, तुम बोके हियाँसे लैजाएके कहाँ धारेहौ मोके बतए देओ, और मए बोके लैजाएहौ ।” ¹⁶येशू बिनसे कहि, “मरियम, बे घुमी और बाके हिब्रूमे कहिँ, “रब्बोनी,” अथबा (“हे गुरुज्यू !”) । ¹⁷येशू बिनसे कहि, “मोके मत छोबौ, काहेकी मए हबए तक पिताके ठिन ना गओ हौँ । पर मिर भैयन् के जाएके बिनसे कहेदेओ, “कि मए मिर पिता और तुमर पिता, और मिर परमेश्वर और तुमर परमेश्वरके ठिन जाए हौँ ।” ¹⁸मरियम मगदलिनी चेलान ठिन आई, और बिनसे बाकि कही भइ बात बताई और कहि मएँ प्रभुके देखो। ¹⁹हप्ताको सुरुकी दिन संझा , घेन यहूदीके डरसे चेला फाटक बन्द करके भितर बैठे रहए, येशू आएके बिनके बीचमे ठड़गौ, और बा से कही, तुमके शान्ती !” ²⁰इतो बात कहिके बा उनके अपन हात और कोख फिर दिखाई । प्रभुके देखके चेला बहुत खुशी भए । ²¹तव येशू फिर बिनसे कही, “तुमके शान्ती होबए ! जैसी पिता मोके पठाई, उसी मए तुमके फिर पठत् हौ ।” ²²जब येशू एसो कहिके बा बिनके उपर शास फुककदए और बिनके कहि, “पवित्र आत्मा लेओ । ²³जौनकी पाप तुम क्षमा करत हौ, बिनकी क्षमा हुइहए, और जौनक् पाप तुम क्षमा ना करेहौ क्षमा ना पाएहए ।” ²⁴येशू अओ तव बाह्र जनै मैसे एक जनै, दिदुमस कहन बारो थोमा तव, बिनके संग ना रहए । ²⁵पिच्छु और चेला बासे कहिँ, “हम प्रभुके देखे” तव बा बिनके बताए, “जब तक मए बाके हातमे किलको डोब ना दिखेहौ, और किलको डोबमे उगरी ना डरंगो और , बाके कोखमे मिर हात ना डारेहौ, तब तक मए विश्वास ना करेहौ ।” ²⁶आठ दिन पिछु बाके चेला फिर घर भितर रहएँ । और थोमा फिर बिनके संग रहए । फाटक बन्द रहए, बहे अवस्थामे येशू भितर घुसिगओ, और बीचमे ठड़िगौ, और कहि “तुमके शान्ती !” ²⁷तव पिच्छु बा थोमासे कहि, “तुमर उगरी हियाँ घसोर, और मिर हात देख । तुमर हात मिर कोखामे डार संका मत कराए, विश्वास कर ।” ²⁸थोमा बासे कहि, “ मिर प्रभु और मिर परमेश्वर !” ²⁹येशू बिनसे कहि, “तुम मोके देखके मिर उपर विश्वास करे हौ ? धन्य हए बे जो मोके ना देखि हए, तहु फिर विश्वास करत् हए ।” ³⁰येशू और बहुत चिन्ह चलनके सामने करी रहए, जौन जा किताब ना लिखि हए । ³¹पर जा लिखोहए, कि तुम येशू परमेश्वरको पुत्र, खीष्ट हए करके विश्वास करौ, और विश्वाससे बाके नाउँमे तुम जीवन पाबओ ।

Chapter 21

¹तब पिच्छु चेलाके ठिन तिबेरियास समुद्रके ढिँगै येशू फिर अपनके प्रकट करी । बा अपनएके अइसे प्रकट करी: ²सिमोन पत्रुस, दिदुमस कहन बारो थोमा, गगीलको काना नगरको नथानेल, जबदियाक दुई लौड़ा और बाके चेला मैसे और दुई जनै एकसंग रहए । ³सिमोन पत्रुस बिनसे कहि, “मए मछ्ठी मरन जातू हौ ।” बे उनसे कहि, “हम फिर तुमरसंग अए हए ।” बे जाएके नैयाँमे चाढिगए, पर बा रात बे कुछ ना पाई । ⁴सुबेरे होन लागो रहए, येशू किनारे ठाड़ो रहए । तब चेला बा येशू हए करके ना चिन पाई रहए । ⁵“येशू बिनसे कहि, “बालका हओ तुमर संग कए मछ्ठी हए ?” बे बाके जबाफ दै, “नैयाँ ।” ⁶बा बिनसे कहि, “जाल नैयाँके दाहिने घेन, फेकओ तब पैहौ ।” तब बे जाल डारिँ, और माछ्ठीको ढेरीके मारे बे जाल ना तान पाई । ⁷“येशूले प्रेम करन बारो चेला पत्रुस कहि, “बोता प्रभु हए ।” ⁸“बा प्रभु हए” अइसी सुनके सिमोन पत्रुस अपन बाहिरी कुर्ता करेहओ मे लपेटके, काहेकी बा कुर्ता खोलेरहए, और समुद्रमे कुदपणो । ⁹“और चेला नैयाँमे बैठके जाल तान्त् रहए । बे किनारेसे दुर ना रहए, पर लगभग सय मिटर जित्तो रहए । ¹⁰जब बे किनारेमे उत्रे, तब बे कुइला अंग्रामे मछ्ठी धरो और रोटी देखी । ¹¹येशू बिनसे कहि, “तुम भर्खर पक्वो मछ्ठी मैसे कुछ ल्याबओ ।” ¹²तब सिमोन पत्रुस नैयाँ मे चढ़के एक सय त्रिपन्न बड़ी-बड़ी मछ्ठी भरी जाल डीणेमे ल्याई, इत्तो रहए ताहु फिर जाल ना फटो । ¹³येशू बिनसे कहि, “आओ और खाओ ।” चेलन मैसे कोइ फिर “तुम कौन हौ ?” कहिके बाके पुछनके आँट ना करी, काहेकी बे बा प्रभु हए करके जानतू रहए । ¹⁴“येशू अओ और रोटी लैके बिनके दै, और उइसी करके मछ्ठी फिर दै । ¹⁵मृतकसे जिन्दा उठके येशू चेलाके ठिन प्रकट भव तेस्रो चोटी रहए । ¹⁶जब बे खाए डारिँ, तब येशू सिमोन पत्रुससे कहि, “यूहन्नाको लौड़ा सिमोन, का तुम इन्से जह्दा प्रेम करतू हौ ?” बा बासे कहि, “ज्यु प्रभु, तुम जानतू हौ, मए तुमके प्रेम करतू हौ । बा बासे कहि, “मिर भेडान् के खबओ ।” ¹⁷बा फिरके दुसरे दओ बिनसे कहि, “यूहन्नाको लौड़ा सिमोन, का तुम मोके प्रेम करतू हौ ?” बा बासे कहि, “ज्यु प्रभु, तुम जानतू हौ, मए तुमके प्रेम करतू हौ ।” बा बासे कहि, “मिर भेडाके रेकदेख कर ।” ¹⁸बा बासे तिस्रो दाउँ कहि, “यूहन्नाको लौड़ा सिमोन, का तुम मोके प्रेम करतू हौ ।” पत्रुस दुःखित हुइगव, काहेकी येशू बासे कहि, “का तुम मोके प्रेम करतू हौ ?” कहिके तिस्रो दाउँ पुछी रहए बा बासे कहि, “प्रभु तुम सब जानतू हौ । मए तुमके प्रेम करतू हौ करके तुमके पत्तए हए ।” येशू बासे कहि, “मिर भेडाके खबओ ।” ¹⁹नेहत्य मए तुमसे कहतू हौ, जब तुम जवान रहौ अपन लत्ता पैधत रहौ, और जहाँ इछ्या लागत हुवाँए जात रहओ । तब जब तुम बूढे हुइहौ, तब तुम अपन हात पसरेहौ, और दुसरे तुमर लत्ता पैधाए दैहए, और तुम जहाँ जान ना चाहत हओ हुवाँ लैजाए हँए । ²⁰पत्रुस कौन मेलकि मृत्युसे बे परमेश्वरको महिमा करेहए, कहीके चिन्ह करन येशू यईसो कहि रहए । इतकए कहिके बा बासे कहि, “मिर पिछु लाग ।” ²¹पत्रुस पिछु घुमके देखि येशूके प्रेम करन बारो चेला औ खानु खात पेती बाके छातीमे अडेस लैके बैठो और बासे, “प्रभु तुमके पक्कान बारो कौन हए ?” कहिके पुछन बारो चेला बाको पिच्छु पिच्छु आत देखि । ²²पत्रुस बाके देखी, और येशूसे कहि, “प्रभु, जा आदमी का करौगे ?” ²³येशू बिनसे कहि, “अगर मए ना आमौ तबतक असरा देखतू रहियौ करके मिर इच्छा हए तब का भव ता ? मिर पिच्छु लागौ ।” ²⁴“जहेमरे, बे चेला ना मरहएँ कहिके जा बात भैयानके बीचमे फैलओ । येशू बे ना मरेहए ना कही रहए, पर “मए ना आमौ तबतक आसरा दिखिओ करके मिर इच्छा हए फिर तुमसे का ?” कहि रहए । ²⁵जा बातकि गवाही देनबारो और जे बातके लिखन बारो जाबहए चेला हए, और हम जानतू हएँ कि बाकी गवाही सच्ची हए । ²⁶येशूके करेभए और फिर गजब काम हएँ । यदि बे सब लिखे हुईते तब, मोके अइसो लगतो, बे लिखीभइ किताब संसारभर फिर ना अपएतो ।

Acts

Chapter 1

¹प्यारोथियोफिलस, येशू कहन् और सिखान लागो सब बातमे मेरो सुरुकि किताबमे मए लिखो हौ । ²अपनए छाने भए प्रेरितनके येशू पवित्र आत्मासे आज्ञा दैके पिछु बो स्वर्ग उपर चलो गव कुछ दिनतक सब बात जा किताबमे लिखिहए । ³अपन दुःख-भोगके पिछु बहुत अगठो प्रमाणसे बिनके सामुने बो अपनाएके जिन्दा प्रस्तुत करी । चालिस दिनतक बा बिनके ठिन दिखानो और परमेश्वरको राजके बारेमे बिनके बताई । ⁴बिनके संग खानके बैठो बा बिनके अइसो आढई, “तुम यरुशलेमसे कहूँ मत जइओ, पर पिता कहि भइ प्रतिज्ञाको आसरा करीओ जक बारेमे तुम मोसे सुन लै हौ ।” ⁵काहेकी यूहन्ना त पानी से बप्तिस्मा दै, पर अबकी थोरी दिनमे तुमर पवित्र आत्मासे बप्तिस्मा होबैगो । ⁶जहेमारे जब प्रेरित इक्का भए, तब बे बासे पुछी, “हे प्रभु, का तुम इस्राएल राज्यके फिर से (पुनस्थापन) बनाए देहौ ?” ⁷बा बिनसे कहि, “पिता अपन अधिकारसे तुको भौ दिन और समय जानन तुमरो काम ना हए । ⁸पर पवित्र आत्मा तुममे अएहए तब तुम शक्ति पए हौ, और तुम यरुशलेममे, सबए यहुदियामे, सामरियामे और पृथ्वीके अन्तिम छोर तक मिर साँची हुइहौ ।” ⁹“बा जा बात कहिके पिच्छु, बे देखत देखत बा उपर चलो गव और बादर मे बा बिनकि आँखी के अगु से लोप हुइगव । ¹⁰जब बे बाके बादरघेन जात एकटक लगाएके देखत रहएँ, तब एकबरि सेतो लत्ता लगाए दुई आदमी बिनके जौने आएके ठाड़ीगए । ¹¹बे कहिँ, “गालीलके आदमीयो, तुम काहे बादर घेन ठाडे देखतू हौ ? जहे येशू जो तुम मैसे स्वर्गमे लै गव हए, अभए जैसे तुम बाके स्वर्गमे जात देखेहौ, उइसी बा फिर आबैगो ।” ¹²तब बे जैतुन कहान बारो पहडसे यरुशलेम मे घुमे । यरुशलेमसे जा पहड लगभग: एक किलोमिटर दुर पडत हए । ¹³सहेर भितरघुसके पिच्छु बे उपरके पणमे अपन बैठन बारो कोनोमे चढे । बे पत्रुस, यूहन्ना, याकूब अन्द्रियास, फिलिप और थोमा, बारथोलोमाइ और मत्ती, अल्फयसको लौड़ा याकूब और उग्रपन्थी दलको सिमोन और याकूबको लौड़ा यहूदा रहएँ । ¹⁴गजब बैयर और येशूकी अइया मरियम और बोके भैयानसंग जे सब एक मन हुइके लगातार प्रार्थना करतू रहएँ । ¹⁵बे दिनमे भैयनके बीचमे पत्रुस ठाड़ो {जे आदमीको संख्या लगभग: एक सय बीस रहए}, और कहि, ¹⁶“भैयारेओ, धर्मशास्त्रको वचन पुरा होनके रहए, जौन वचन येशूके पकड़न बारोको अगुवा यहूदाके बारेमे अगुयएसे दउदके मुहुसे पवित्र आत्मासे मस्की बिश्वासि” काहेकी बाको गिन्ती हम्रीए संग भव रहए और जहे सेबामे बा हिस्सा पड रहए । ¹⁷बा आदमीके अधर्मको कमाइसे एक जामिन मोल लै, और मोडके बल गिरो और बाको भोग फटके, और बाको सबय आँति-भोग निकरगव । ¹⁸जहे बात यरुशलेमके सबय बाशिन्दानके पता हुइगव । बा जामिनको नाउँ बे अपने भाषामे आखेल्दामा धरी, औ रगतको खेत । ¹⁹पत्रुस कहि, काहेकी भजनके किताबमे अइसो लिखोहए, ‘बाको बैठनबारो ठाउँ उजाड होबए, और हुवाँ बैठन

बारो कोइना होबए, और बाको कामको जिम्मेबार दुसरो लेबए ।²¹ जहेमारे हमर संगमे रहन बारे आदमी मैसे एक जनी के छानन् जरुरि हए, जौन आदमी प्रभु येशू हमर बीचमे रहिके भितर-बाहिर कर्त सब दिन हमर संग रहए, ²² औ अइसो आदमी जो यूहन्नाके बप्तिस्मा से लैके बा हमसे उपर लैजानके दिन तक हमर संग रहए । बा आदमी हम्मे सँग सँग बाको पुनरुत्थानको साँची होनपडैगो ।” ²³ बिनमैसे दुई जनै, औ बारसाबास कहान बारो योसेफ, जौनको कुलनाउँ युस्तस रहए, और मतियासको नाउँ प्रस्ताव करी ।²⁴ बे अइसे प्रार्थना करी, “सब आदमीको हृदयको बात जान्न बारो प्रभु, जे दुई मैसे तुम कौनके छँटेहौ सो हमके दिखाए देओ, ²⁵ और बा जा सेवा और प्रेरितको काममे घुश पाए, जौन सेवासे यहूदा भङ्कके अपन ठाउँमे मरीगव ।” ²⁶ तव बे दुईनके बीचमे चिट्ठा डरी, और मतियासके नाउँमे पाड़ि गौ, और एघार प्रेरित संग बाको गिन्ती भव ।

Chapter 2

¹जब पेन्तिकोसको दिन आओ, बे सब एक ठाउँमे इक्ठ्ठा हुइके बैठे रहएँ । ²तब स्वर्गसे एकबरि बड़ो आँधीको झोका जैसो एक आवाज आओ, और बे बैठो भव पुरो घर भरिगओ । ³आगीको लपट जैसो बिनके ठिन दिखानो और बट-बटके बे सबएन के उपर बैठे । ⁴तब बे सब पवित्र आत्मासे भरिगए, और जइसे पवित्र आत्मा बिनके बारदन दै बहेकता बे अन्या भाषामे मस्कन लागे । ⁵स्वर्गके तरे भए सब देशके ईश्वार भग्ता यहूदी बा बेरा यरुशलेममे बैठे रहएँ । ⁶तब जा आवाज सुनके भीड़ जमा हुइगै । बे अचम्मो मानके छक्क पडिगए । कहाकी सब अपन-अपन भाषामे मस्कत सुनी । ⁷बे सब अचम्मो मानके छक्क पडिगए, और अचम्मो मानके कहान लागे, “का जे सब मस्कन बारे गालीली त ना हएँ?” तब कैसे जे सबय हमर अपनी अपनी भाषामे मस्को हम सुन्तहएँ? ⁸हम हियाँ पार्थीके मादीके और एलामीके और मेसोपोटामियाके, यहूदियाके, कापाडोकियाके, पोन्टस और एशियाके बासिन्दा हएँ । ¹⁰और फ्रिगिया, पामफिलिया, मिश्र और कुरेनीमे पडन बारे लिबियाके और आसपासके क्षेत्रके और रोमसे आए भए यहूदी और यहूदी परम्परा (मत) मानान् बारे दोनए हएँ, ¹¹क्रेटके बासिन्दा और अरबी फिर हएँ, और हमरे अपन-अपन भाषामे परमेश्वारको महान कामको बयान बिनके कर्त सुनरहेहएँ । ¹²बे अचम्मो मानके छक्क पडिगए और दुईधरमे पडके एक दुसरे से अइसो कहान लागे, “जाको अर्थ का हए?” ¹³तब और माजक करके अइसे कहिँ, “बे नयाँ दारुके नसा मे हएँ । ¹⁴तब पत्रुस एघार जनैनेके संग ठाडके बडोसोरमे कहि, “यहूदियाके आदमी तुम, और यरुशलेमके बासिन्दा तुमके जा बात पता होबए, और मिर बात सुनओ । ¹⁵काहेकी तुमर सोचो भव जैसो जे नसा ना हएँ, काहेकी हबए सुबरेको नौ बजो हए । ¹⁶पर योएल अगमवक्तासे कहो बात जहे हए, ¹⁷आखिरी दिनमे अइसो हुइहए कहिके परमेश्वार कहातहए, मए सब आदमीनके उपर मिर आत्मा अखनाए देहौ, और तुमरे लौडा और तुमरी लौडिया अगमवाणी करेहएँ, और तुमरे जवान दर्शन दिखहएँ, और तुमरे बुढेपाखे सपना देखंगे । ¹⁸हँ, मए अपन दास-दासीनके उपर बे दिनमे मिर आत्मा अखनए देहौ, और बे अगमवाणी करहएँ । ¹⁹उपर बादर मे अचम्मोको काम और तरे पृथ्वीमे चिन्ह दिखैहँ, औ रगत, आगी, और धुवाँको मुक्काला । ²⁰परमप्रभुको महान और गौरवमय दिन आनसे अगु दिन अन्धयारोमे और जौनी रगतमे बदल जएहए । ²¹और जौन परमप्रभुको नाउँ लेहए, बा उध्दार पएहए । ²²इसाएलके आदमीओ तुम, जा बात सुनाओ, नासरतको येशू अइसो आदमी रहए, जौनके परमेश्वार शाक्तिशाली काम और अचम्मोको चिन्ह से तुमरे आगु दिखाई । तुमके पतए हए कि परमेश्वर तुमर बीचमे जे काम बाकेद्वारा करी हए । ” ²³जा परमेश्वार पहिलेसे ठहराओ भव जुगाड रहए और येशूके उपर बितन वारी बातके बारेमे बा पहिलेसे जानत रहए औ पाकड़ओ पाणोंगओ जहे येशूके अधर्मी आदमीके हातसे तुम क्रुसमे टाँगेके मारे । ²⁴बाके परमेश्वार मृत्युके दुखसे छुटकार दैके जिन्दा करी । काहेकी मृत्युके बसमे बाके रहनो असम्भव रहए, ²⁵काहेकी दाउद बाके बारेमे काहत हए, ‘मए प्रभुके सबदिन मेर आगु देखो, काहेकी मए नाडगमगमौ कहिके बा मिर दहिना हांत घेन हए । ²⁶जहेमारे मिर हृदय आनन्दित और मिर जीब खुशी हय । जहेमारे मिर शरीर फिर आशामे जिहए’ ²⁷काहेकी तुम मिर प्रणाके पातालमे नाछोड़ैगो, न त तुम अपन पवित्र जानको शरीर सडन देहौ । ²⁸तुम मोके जीवनकी डागर बताए हँ, तुम मोके अपन उपस्थितिमे आनन्दसे गदगद करैगे । ²⁹“भैयारेओ, हमर पुर्खा दाउदके बारेमे मए तुमसे नेहत्य कहान चाहतहौ, कि बा मरो, गड़ो और आजको दिन तक उनको सर हैयाहए । ” ³⁰जहेमारे एक अगमवक्ता हुइके, बो जान्त रहए कि परमेश्वार कसम खाई रहए कि उनकि सान्तानसे उनको सिंहासनमे एक जनैके परमेश्वार बैठाबैगो । ³¹अगुसे जा देखके बा खीष्टको पुनरुत्थानके बारेमे कहि कि बा न पातालमे छुटो, न त बाको शरीर सडो । ³²जहे येशूके परमेश्वार जिन्दा करी । जा बातके हम सब साँछी हएँ । ³³जहेमारे परमेश्वारके दहिने हाँतघेन बा बैठो, और पितासे पवित्र आत्माको प्रतिज्ञा पाई, और बा जा अखनए दैहए, जो तुम देखे और सुनेहौ । ³⁴काहेकी दाउद त स्वर्गमे नाचढो पर बे अपनए कहात हएँ, ‘परमप्रभु मिर प्रभुसे कहि, तुम मिर दहिने हातघेन बैठे’ ³⁵जबतक मए तुमरे दुस्मनके तुमर टाँडगको पाउदान ना बनएहौ । ³⁶जहेमारे इसाएलको सबय परिवार जा पक्का करके जानए, कि येशू, जौनके तुम क्रुसमे टाँगे, परमेश्वर बाके प्रभु और खीष्ट बनाई । ³⁷जा बात सुनके बिनको हृदय टुटि गौ, तब पत्रुस और प्रेरितसे बे कहिँ, “ए भैयओ, हम का करएँ?” ³⁸पत्रुस बिनसे कहि, “पश्चताप करओ, और तुम पाप क्षमाके तहाँ येशू खीष्टको नाउँमे तुम सब बप्तिस्मा लेओ, और तुम पवित्र आत्माको बरदान पवैगे । ³⁹काहेकी प्रतिज्ञा तुमरे ताहिँ तुमर सन्तानके ताहिँ और दुर-दुरमे रहे सबके ताहिँ हए, सब जौनके प्रभु हमर परमेश्वर बुलाबैगो । ⁴⁰और बहुत बातसे बो बिनके गवाही दै, और अइसे कहिके अर्ती दै, “जा दुष्ट पुस्तासे तुम अपनएके बचाओ । ” ⁴¹तब जौन-जौन बाकी बातके ग्रहण करीं बे बप्तिस्मा लै, और बा दिन लगभग: तीन हजार आदमी संख्यामे बढिगए । ⁴²बे प्रेरितके शिक्षा, संगति, और रोटी तोडन और प्रार्थनामे भक्तिकेसाथ लागेरहात् रहएँ ⁴³सबयके ह्रिदयमे डर पैदा भौ, और प्रेरितसे बहुत अचम्मोके काम और चिन्ह भए । ⁴⁴विश्वास करन् बारे जित्तो सब एकसंग बैठत रहएँ, और बिनको सबय चिज साझा रहए । ⁴⁵बे अपन सम्पति और मालमत्ता बेचके जौन-जौनके जो-जो चिजको जरूरत पणत् रहए सबके बे बाँट देतरहएँ । ⁴⁶बे एक मन हुइके मन्दिरमे एकसंग इक्ठ्ठा होत रहएँ, और घर-घरमे रोटी तोडत रहएँ, और बे खुशी और सुध्द हृदयसे मिलजुलके खात रहएँ, ⁴⁷और परमेश्वरको प्रशंसा करत् और सब आदमीसे साहयता पात बैठत् रहएँ । उध्दार पानबारे प्रभुमे दिनए दिन बिनके संख्यामे बाढए देत रहए ।

Chapter 3

¹पत्रुस और यूहन्ना दुपहारके तीन बजे प्रार्थनाको समयमे मन्दिरमे जातरहएँ। ²मन्दिर भितर घुसनाबारे संगए भीख माग्न बरो जलमत्तैसे एक जनै लङ्णा आदमीके बोक्के लात रहएँ और रोजदिन मन्दिरमे सुन्दर नाउँको फाटकमे बैठार देत रहएँ। ³पत्रुस और यूहन्नाके मन्दिरमे घुस्त देखके बो भीख मागी। ⁴यूहन्ना संग पत्रुस बाके एकटक लगाएके देखके कहिँ, “हमर घेन देख!” ⁵बिनसे कुछ पानकी आशा करके बा ध्यान दैके बिनके घेन देखि। ⁶तव पत्रुस कहि, “सोनोचाँदी मिर ठिन नाहए। पर जो मिर ठिन हए, बहे मए तोके देत हैं। नासरत येशू ख्रीष्टके नाउँमे नेग!” ⁷“बे बाको दहिना हात पक्ड़के बाके उठाई। और तुरन्त बाके टाँगमे और गाँठीगुठीमे तागत आइगौ। ⁸और तुरुन्तय उठके बा ठाड़ि गओ और नेगन लागो, और दौरत औ कुदन लागो और परमेश्वर कि स्तुति करत् बिनके संग मन्दिरमे घुसिगौ। ⁹तव सब आदमी बाके नेगत और परमेश्वर को प्रशंसा करत् देखीं। ¹⁰बे बाके मन्दिरको सुन्दर फाटकमे भीख माग्न बैठन बारो जहे त हए कहिके आचम्मो मानी, औ चकान लागे। ¹¹बा आदमी पत्रुस और यूहन्नाके पिच्छुपिच्छु लगे देखके सब आदमी इत्तो अचम्मो मानके सोलोमन नाउँको डेहेरीमे एकसंग बे उनके ठिन दौरके आए। ¹²जा देखके पत्रुस आदमीनसे कहि, “इसाएलके आदमी तुम, जा बातमे काहे अचम्मो मानत् हो? और हमर अपन शक्ति औ भक्तिसे हम जाके नेगन बारो बनाए जैसो अचम्मो मानके हमके काहे देखतहौ?” ¹³अब्रहाम, इसहाक और याकूबको परमेश्वर, हमर पुर्खनको परमेश्वर अपन सेवक येशूको महिमित करी, जौनके तुम त पकडबाए दए रहौ, और पिलातस बाके छोननके बिचार करे से फिर तुम बाके बिनके अगु स्वीकार न करे। ¹⁴पर तुम पवित्र और धर्मी आदमीके अस्वीकार करके एक जनि ज्यानमाराके छोननके माग करे रहौ, ¹⁵और जीवनको कर्ताके तुम मारे हौ, जौनके परमेश्वर मरके जिन्दाकरी, हम ज बातके साँची हएँ। ¹⁶बाको नाउँके उपर करो विश्वास और बाके नाउँमे तुम देखे और जाने ज आदमीके तगड़ो बनाई। येशू से पाव विश्वाससे ज आदमी तुमरे सबके आगु पुरा अच्छो करी। ¹⁷मेरे भैइऔ, मोके पता हए, कि तुम अन्जानमे अइसो करेहौ, और तुमरे शासक फिर उइसी करी। ¹⁸बाको ख्रीष्ट दुःख भोगन पड़हए कहिके परमेश्वर सब अगमवक्ताके मुहुसे कहो अगमबाणी बो अइसे पुरा करी। ¹⁹जहामारे पश्चात्ताप करओ। और घुमओ, ताकी तुमरे पाप मिटएँ, और परमप्रभु उपस्थितिसे आनन्दको समय आबए, ²⁰और बा तुमके ताहिँ अगुसे चुन लै ख्रीष्ट औ येशूके पठाबैगो। ²¹परमेश्वर प्राचीनकालसे अपन पवित्र अगमवक्ताके मुहुसे कहिभई सब चिजको पुनर्स्थापना (फिरसे बनानो) ना होन बेरा तक ख्रीष्ट स्वर्गमे जरुर रहान पड़ैगो। ²²मोसा कहि रहए, ‘परमप्रभु परमेश्वर मोके खडा करी जैसे, बा तुमरे ददाभैयाके बीचमे एक जनै अगमवक्ता तुमरे ताहिँ खडा करैगो। बा तुमसे जो-जो कहिहए बे सब बात तुमके सुनन पड़ैगो। ²³अइसो हुइहए, कि बा अगमवक्ताके ना सुनन बारे जित्तो सबै प्राणी आदमीनके बीचसे नास हुइहएँ। ²⁴“शमूएलसे लैके बासे पिच्छुके सब अगमवक्ता जित्तो मास्की हएँ, बे सब जेही दिनके घोषणा (पक्की बात बतानो) करी हएँ। ” ²⁵तुम बेहि अगमवक्ताक और बहे करारके सन्तान हौ, जौन बाचा परमेश्वर तुमरे पुर्खा अब्राहामसे अइसे कहिके बाँधीरहए, ‘तुमरे सन्तानमे पृथ्वीके सबै परिवार आशिष पएँहएँ।’ ²⁶तुम सब अपने दुष्टतासे घुमाएके तुमके आशिष देहौ कहिके परमेश्वर अपन सेवकन के ठडबाई और सबसे अगु तुमरे ठिन पठाई।”

Chapter 4

¹जब पत्रुस और यूहन्ना आदमीनसे मस्कतए रहएँ, पुजारी, मन्दिरके कप्तान और सदुकी बिनके ठिन आए । ²बे दिक्काने रहएँ, काहेकी येशूमे पूनरुत्थान होतहए कहि बात बे आदमीनके सिखात रहएँ और घोषणा (पक्की बात) करत् रहएँ । ³तब बे उनके पकड़ीँ, और कल तक जेलमे रखाईँ, काहेकी बा बेरा संझा हुइगओ रहए । ⁴पर वचन सुनन बारे मैसे गजबै विश्वास करीँ, और विश्वास करन बारे आदमीनको संख्या लगभग पाँच हजार हुइगओ । ⁵कल उनके शासक, धर्म-गुरु और शास्त्री (पण्डित) यरुशलेममे ईकट्ठा भए रहएँ । ⁶प्रधान पुजारी हन्नास, कैयाफा, यूहन्ना, अलेक्जेन्डर और प्रधान पुजारीके परिवारके जम्मए हुवाँ रहएँ ⁷। बे पत्रुस और यूहन्नाके बीचमे ठडबाएके पुछीँ, "कौन शक्तिसे औ कौनके नाउँमे तुम जा करेहौ?" ⁸तब पवित्र आत्मासे भरपुर हुइके पत्रुस बिनसे कहि, "आदमीनके शासक (मुखीया) और धर्म-गुरु रेऔ, ⁹आज हम एक जनी लंगडा आदमीके उपर एक अच्छो काम करनके बारेमे बा कौन उपाएसे अच्छो भव करके पूछत् हौ तब, ¹⁰तुम सबके और सब इस्राएलके सब आदमीनके पता होबए, कि तुम कुसमे टाँगो भवके और परमेश्वार मरोसे जिन्दा करी, बहे नासरतको येशू ख्रीष्टके नाउँमे जा आदमी तुमरे ठिन अच्छो हुइके ठाडो हए । ¹¹। "ज बहे पत्थर हए, जौनके तुम बनान बारे रोके रहौ, बहे हबए कुनैठोको खाश-पत्थर होनके अओ हए ¹²।" और कोइमे मुक्ति न हए, काहेकी हम मुक्ति पानके ताहीं स्वर्गके तरे आदमीनके बीचमे और कोइ नाउँ न दई हए । ¹³जब बे पत्रुस और यूहन्नाको हिम्मत देखीँ और जे अनपढ और साधारण आदमी हएँ करके पता पाइँ, तब बे अचम्भो मानी, और बे येशूके संगमे रहत रहएँ करके पता पाइँ । ¹⁴तब अच्छो भव आदमी बिनके संग ठाणो भव देखके बे कछु न मसकपाइँ । ¹⁵पर बिनके बड़ी कचेहरी (महासभा) से बाहिर जानके आज्ञा दैके बे अइसे करके अपनए अपना मे सल्लाह करीँ, ¹⁶"जे आदमीनके अब हमका करएँ? काहेकी नेहत्व जिनसे एक अचम्भो काम भौ हए कहिके यरुशलेमके सब बसिन्दानके पता हुइगओ हए, और हम जाके इन्कार नाकर पएँहएँ ।" ¹⁷पर जा बात जनतनमे ना फैलए कहिके 'फिर जा नाउँमे कोइ आदमीसे तुम कछु मतकहिओ' कहिके हम इनके चेताउनी देनपडैगो ।" ¹⁸"तब उनके बुलाएके " "अबसे येशूके नाउँमे मतमस्कियोऔर कोइ शिक्षा मतदिओ" " कहिके बिनके आज्ञा दै ।" ¹⁹पर पत्रुस और यूहन्ना बिनके उत्तर दें, "परमेश्वारकी बात सुनान से तुमर बात सुनान परमेश्वारकी नजरमे ठीक हए कि ना तुम अपनए बिचार करओ ।" ²⁰काहेकी हम देखे और सुनी बात हम ना कहिके रहि ना पएँ हएँ ।" ²¹बिनके साजय देनके कोइ उपाय ना हुइके बिनके और जद्धा धमकाएके छोड़दै, काहेकी जो घटना घटो रहए बहेके ताहीं सब आदमी परमेश्वारको प्रशंसा करत् रहएँ । ²²काहेकी जौन आदमी अचम्भोक कामसे अच्छो भौ रहाए, बाकी उमर चालिस वर्षसे जधा रहाए । ²³बिनके छुटकरा करके पच्छु, पत्रुस और यूहन्न अपन संगी ठिन आए, और मुखिया पुजारी और धर्म-गुरु कहिभइ बात सब उनके बतए दें । ²⁴जब बे जा सुनी, तब बे एकसंग परमेश्वरघेन अपन सोर निकारके कहिँ, "हे प्रभु, जौन स्वर्ग, पृथ्वी, समुन्द्र और बिनमे भए गजब चिज बनाइँ, ²⁵जौन पवित्र आत्मासे अपन सेवक हमर पुर्खा दाउदके मुहूसे कहि, 'अन्यजाति काहे दिक्काने, और आदमी व्यर्थकी बात काहे कल्पना करीं?' ²⁶परमप्रभुके बिरुध्दमे और बाको अभिषिक्त जनके बिरुध्दमे पृथ्वीके राजा कहिके खड़ा हुइगए, और शासक एकसंग इक्ठ्ठा भए ।" ²⁷काहेकी नेहत्व तुम अभिषेक करे भए के, तुमर पवित्र सेवक येशूके बिरुध्दमे हेरोद और पन्तियस पिलातस दोने जनै अन्यजाति और इस्राएलीनके संग जहे सहेरमे इक्ठ्ठा भए रहएँ । ²⁸बहे करनसे जो तुमर हातसे औ तुमर जुगाड़अनुसार अगुयएसे ठहेरओ रहए ।" ²⁹अब हे प्रभु बिनकि धम्कीके उपर नजर कर, और तुमरे दासनके पुरो हिम्तसे तुमरो वचन बोलन दे, ³⁰और अच्छो करन के तुमरी अपन हात फैलाएके अपन पवित्र सेवक येशूके नाउँसे चिन्ह और अचम्भोको काम होमएँ ।" ³¹बे प्रार्थना करके पिच्छु बे इक्ठ्ठा भौ ठाउँमे हलचल भौऔर बे सब जनी पवित्र आत्मासे भरिगए, और बे हिम्तसे परमेश्वारको वचन बोलीं? ³²विश्वास करन बारेनके झूँड सबय एकय हृदय और एकय आत्माके रहएँ, और बिन मैसे कोई फिर अपन सम्पति ज मिर हए कहिके ना कहात् रहएँ, पर बिनकि सब चीज सागोलकि रहएँ । ³³बे प्रेरित बड़ी शक्तिके संग प्रभु येशूक पुनरुत्थानको गवाही देतरहाएँ, और बिनके सबके उपर बड़ो अनुग्रह रहए । ³⁴बिनमैसे कोइके कछु चीजको कमी ना होत् रहए, काहेकी जित्तो जनी जग्गा जमिनको घरके मालिक रहएँ, बे सब बेचके बाको मोल लातरहएँ, ³⁵और प्रेरितके पाउँमे धरदेतरहएँ, और जौन-जौनके जो-जो चीजको कमि पडत् रहए, सो सबयनके बाँटदेत रहएँ । ³⁶अब साइप्रस देशको लेबी कुलको योसेफ जौनके प्रेरित बारनाबास कहिके नाउँ धरीरहएँ{जोको अर्थ उत्साहको पुत्र हए}, ³⁷बा अपन जमिन बेचीँ और बा रकम लाएके प्रेरितके पाउँमे धरदै ।

Chapter 5

¹पर हननिया नाउँको एक जनी और बाकि बैयर सफीरा एक कुछ जमिन बेची, ²और बाको मोलसे अपन -बैयरको जानकारीमे कुछ हिस्सा अपनसंग धरी, और कुछ हिस्सा लाएके प्रेरितनके पाउँमे धरदै। ³। तव पत्रुस कहि, “ए हननिया, पवित्र आत्मासे झुठ मस्कन और जमिन बेचके कुछ हिस्सा अपन संग धरन्वाली बात शैतान कैसे तुमर मनमे भरदै? ⁴बा बिचो नारहए तवका बा तेरो अपनो ना रहए ? और बा बेचके पिच्छु फिर बा तेरी अधिकारमे ना रहए का? अइसो काम करनके बिचार तिर मनमे कैसे आओ? तुम आदमीनके त नाए, पर तुम परमेश्वरके ठगेहौ।” ⁵जा बात सुनके हननिया भुइँमे गिरिगौ और बा प्राण त्यागदै। जा सुनके सबयके उपर गजब भारि डर छईगओ। ⁶“तव बे जावन उठाएके बिनके लत्तासे लपेटके बाके बाहिर लैगए, और गड्दै।” ⁷जा सब हुइगव रहए सो पता ना पाएके लगभग: तीन घण्टा पिच्छु बिनकी बैयर भितर आई। ⁸पत्रुस बोसे पुछी, “मोके बताओ, तुम जमिन उतकएमे बेचेहौ? तव बा कहि, “हँ, उतकएमे बेचेहएँ।” ⁹तव पत्रुस बोसे कहि, “तुम प्रभुके आत्माके परीक्षा करनके कैसे मिलके सल्लाह करलए? देखओ, तिर लोगाके गणन बारे मोखोमे हँए और बे तोके बोकके बाहिर लै जय हएँ।” ¹⁰और तुरन्त बा उनके पाउमे गिरिगौ और प्राण त्यागदै। जब जावन भितर आए, बाके मरीदेखके बाहिर बोकके लैगए, और बाहेक लोगा ठिन गड्दै। ¹¹सबय मण्डली उपर और जा बात सुनन बारे सबएनके उपर बहुत भारी डर छै गओ। ¹²अब प्रेरितनके हातसे बहुत चिन्ह और अचम्मोको काम जनतनके बीचमे होन लागो, और बे सब सोलेमनके डेहेरिमे एकसंग जम्मा भए रहएँ। ¹³पर और मैसे कोइ फिर बिनकेसंग मिलन आनके हिम्मत ना भै, ताहु फिर आदमी बिनके आदर करत् रहएँ। ¹⁴प्रभुमे विश्वास करन बारे लोगा और बैयरन दुनेक भीड गजब जाद्धा बढन लागे,। ¹⁵हियाँ तक्की आदमी सड्क-सड्कमे बेमारनके लाई, और पत्रुस आत बिनकी छाहीं इक्ल्लो कोइ-कोइकि उपर पड़ए कहिके सिध्नी और खटियामे बिनके लिटाए देतरहएँ। ¹⁶यरुशलेमके असपिस सहराके फिर गजब आदमी बेमार और भुत आत्मासे सताए भए लैके आत रहएँ और बे सब अच्छे होतरहएँ। ¹⁷प्रधान पुजारी और बिनके संग होनबारे सब {जो सदुकी पन्थीके रहएँ} दिक्से भारके प्रेरितनके बिरुध्दमे ठाडिगए, ¹⁸और बिनके पकड्के सरकारी जेलमे डार दें। ¹⁹। तव प्रभुको एक दुत रातके जेलको फाटक खोल्दै, और बिनके बाहिर लाएके कहि, ²⁰“जाओ और मन्दिरमे ठाड के आदमीनके जा जीवनको सबय सन्देश आदमीनके सुनाओ।” ²¹“जा सुनके बे सुबेरे मन्दिर भितर घुसे और शिक्षा देन लागे। तव प्रधान पुजारी और बिनकेसंग होनबारे आए, और महासभा, औ इसाएलीनको पुरो सभाके।” ²²।” पर अधिकृत बिनके जेलमे नापाएके लउटकेआएके जा खबर दे, ²³“हम जेलमे अच्छेसे तरे आय औ मोखोमे बैठनबाले मोखोमे ठाडे देखे, पर फटक खुलत पति हम भितर कोइके नादेखे।” ²⁴“जब मन्दिरके कप्तान और मुखिया पुजारी जा खबर सुनी तव जा सबको नतिजा का हुइहए कहिके बे प्रेरितनके बारेमे दुईधारमें पडिगए। ²⁵तव कोइ एक जनै आएके बिनसे कहि, “देखाओ, तुम जौन आदमीनके जेलमे धरेरहौ बे मन्दिरमे ठाडके आदमीनके शिक्षा देतहएँ।” ²⁶।” तव हाकिमके संगमे कप्तान जाएके बिनके जबरजस्ति ना लाई, काहेकी आदमी बिनके पत्थरसे मरेहएँ कहिके बे डरैगए, और प्रधान पुजारी बिनसे पुछी, ²⁷“बे उनके लायके महासभाके अगु ठडबाई, और प्रधान पुजारी बिनसे पुछी, ²⁸“हम तुमके जा नाउँमे कोइ शिक्षा मतदिओ कहिके कडा आज्ञा दए रहएँ, पर तुम अपन शिक्षासे सबय यरुशलेम भार सिखए, और बा आदमीको रगतको दोष हमरे उपर लान चाहौत हौ।” ²⁹“तव पत्रुस और प्रेरित कहि, “हम आदमीनको नाए पर परमेश्वरको आज्ञा पालन करनए पड़ैगो। ³⁰हमर पिता-पुर्खाको परमेश्वर येशुके मरोसे जिन्दा करिहए, जौनके तुम कठामे टाँगके मारेरहौ। ³¹परमेश्वर इसाएलके पश्चतापके ताहिँ और बिनको पापको क्षमा देन बाके राजा और मुक्तिदाता बनाएके अपन दहिना हात से उँचो करी। ³²जा सब बातके हम साँछि हएँ, और अइसी करके पवित्र आत्मा फिर, जौनके परमेश्वर अपन आज्ञा पालन करन के दै हए।” ³³“तब परमप्रभु बिनसे अइसे कहि, ‘तिर टाँगको जुता खोल, काहेकी जौन ठाउँमे तै ठाढो है, बा पवित्र ठाउँ हए।” ³⁴मिश्रामे भए मिर प्रजाको दुईशा मए देखोहौ, और बिनको बिलौना फिर मए सुनोहौ। बिनके छुटकारा देनके मए उतरके आओ हौ। अब आ, मए तोके मिश्रदेशमे पठाएहौ।” ³⁵“जहे मोशा, जौनके बे कोइके तुम हाकिम और न्यायकर्ता बनाइ’ करके इन्कार करेरहौ, बाके परमेश्वर भित्रामे देखानो स्वर्गदुतसे हाकिम और उध्दारकर्ता बनके पठाई।” ³⁶जहे आदमी मिश्रदेशमे, लाल समुन्द्रमे और चालिस वर्षभर उजाड-स्थानमे अचम्मोको काम और चिन्ह करत् उनके बाहिर ल्याई।” ³⁷“बा बहे मोशा हए, जौन इसाएलीनसे कहिरहए, ‘परमेश्वर मोके खडा करी जैसो तुमरे ददाभैयन मैसे तुमरे ताहिँ एक जनै अगमवक्ता खडा करीहए।” ³⁸“जा बहे मोशा हए, जौन उजाड-स्थानमे भव समुदायमे स्वर्गदुतसंग रहए, जौन स्वर्गदुत सीनै पर्वतमे और हमर पुर्खानसंग मस्किरहए, और बहे हमर दिनके ताहिँ जीवित वाणी पाइ रहए।” ³⁹“हमर पुर्खा बिनको आज्ञापालन करनके इन्कार करी। बे बाके पन्च्छाके मिश्रदेश घुमके जान मन करी।” ⁴⁰“बे हारुनसे अइसे कहि, ‘हमर अगुअगु जानके कोइ देवता हमर ताहिँ बनाएदेओ, काहेकी हमके मिश्रदेशसे निकारके लान बारो जा मोशाके का कैसो भव हमके पता नैयौ।” ⁴¹“बे दिनमे बे एक बछ्छाको मुर्ति बनाई, और बोमे पुजना फिर चढाई, और अपन हातके काममे खुशी मनाई।” ⁴²पर परमेश्वर बिनके ईन्कार करी, और बिनके आकाशको तारामण्डलको उपासना करनके छोडदै, अइसो अगमवक्तानके किताबमे लिखो हए, ‘इसाएलके आदमी तुम, का तुम चालिस वर्षतक उजाड-स्थानमे मोके पशुबलि और भेटी चढाए?

Chapter 6

¹बे दिनमे चेलनको संख्या बढ्त् गौ, तव हिब्रूनके बिरुध्दमे ग्रीक-यहूदी गनगन करीं, काहेकी दिनको खाना बिनकी विधुवा चाहन बारो भोजन ना पात रहएँ ।²तव बाह्रओ चेलनको झुँणके बुलाएके कहिँ, “परमेश्वरको वचन प्रचार करन् छोडके खबान-पिबानको सेवा करन् हमर ताहिँ ठीक ना हए ³। जहेमारे भैयारेओ, तुम मैसे पवित्र आत्मा और बुद्धिसे भरे और सबको आदर पाए भए सात आदमी छानए जौनके हम जा काममे चुनएँ । ⁴पर हम त प्रार्थना और वचनको सेवकाईमे पुरो समय देमंगे ।”⁵।” जा बात झुँडमैके सबयके मन पड़ो और इक्ठ्ठा भए जम्ननके अच्छो लागो, और बे पवित्र आत्मा और विश्वाससे भरिपुर्ण भए स्तिफनस, फिलिप, प्रखरस, निकनोर, तीमोन, पर्मिनास और एन्टिओखियाक यहूदी मत मानन् बारो निकोलाउसके छानी । ⁶बे जे आदमीनके प्रेरितनके अगु लाई और प्रेरित प्रार्थना करी और बिनके उपर अपन हात धरीं ।⁷ परमेश्वरको वचन बढात् गौ, और चेलनके संख्या यरुशलेममे गजब बढीगौ । और पुजारी मैसे बहुत जनै जा विश्वासके ग्रहण करीं ।⁸ स्तिफनस अनुग्रह और शक्तिसे भरपुर हुइके आदमीनके बीचमे बडे-बडे अचम्मोके काम और चिन्ह दिखई । ⁹पर कोइ-कोइ त जो स्वतन्त्र-दलके सभाघरके {बिनको नाउँ जहे रहए}, और कुरेनी, अलेक्जेन्ड्रिया, किलिकिया और एशियाक आदमी रहाएँ, बे ठाड्के स्तिफनससे काहासुनी करन् लागे ।¹⁰पर स्तिफन जौन बुद्धिसे और पबित्र आत्माकी शक्तिसे मस्कत रहएँ, बे बाको सामना ना कर पाई । ¹¹तव बे चूपएसे आदमीनके उक्साएके अइसो कहान लगाई, “मोसा और परमेश्वरके बिरुध्दमे जाके खराब बात मस्कत हम सुनेहएँ ।”¹²तव बे जनता, धर्म-गुरु और शास्त्रीके भडकाएके, और बिनके हुलदाङ्गा करी और पकडके महासभामे लाई । ¹³बे अइसे कहिके झुठी साछीके अगु लाई, “जा आदमी पवित्रस्थान और व्यवस्थाके बिरुध्दमे बात करन् और मस्कन छोडीनैयाँ । ¹⁴काहेकी जाके अइसे काहत हम सुने, ‘नासरतको येशू जा ठाउँके नाश करैगो, और मोसा हमके दर्ईभई रितिरिबज फिर बदल दिबैय हए ।” ¹⁵महासभामे बैठे बे सब बिनके निहारके देखिँ, और बिनको मुहू स्वर्गदुतको मुहू जैसो देखीं ।

Chapter 7

¹तव प्रधान पुजारी पुछी, "का जे बात ठीक हएँ?" ²बे कहि, "ददाभैया और दौवा सुनओ। महिमाको परमेश्वर हमर पिता अब्राहाम बे हारानमे बैठनसे अगु मेसोपोटामियामे रहात दर्शन दै रहए, ³और बिनसे कहि रहए, 'तुम अपन देश और अपनो घरकुरियासे निकरके, जौन देश मए तुमके दिखएहौ, हुवाँए जाओ।'
⁴"तव बे कल्दीनके देशसे निकरके हारानमे आएके बैठे, और बिनको दौवको मृत्यु के पिच्छ परमेश्वर बिनके हुवाँसे जा मुलुकमे सरि, जहाँ हबए तुम बैठे हो।"
⁵बिनके बा ठाउँमे जायजात त दुराए रहो, पाँव धरनके ठाउँतक न दै। पर बिनको सन्तान न होन से फिर बा जाएजात परमेश्वर बिनको सन्तान-दरसन्तानके निजी सम्पत्तिके रुपमे देनके प्रतिज्ञा करी। ⁶परमेश्वर अइसे कहि, 'तेरो सन्तान दुसरेक मुलुकमे जाएके बैठन पणैगो, और बे बिनके कमैया बनाएके चार सौ बर्षतक सतामंगे।'
⁷परमेश्वर कहि 'बे जौन जातिनके कमैया हुइके बैठंगे बा जातिके इन्साफ मए करंगे। तव पिच्छ बे निकरके आएके जा ठाउँमे मिर आराधना करहँए।'
⁸बा बिनसे खतनाको करार बाँधी, और अब्राहाम इसहाकको पिता हुइके आठौ दिनमे इसहाकको खतना करी, और याकूब बाहओ कुलको पिता भव।
⁹"कुलपति (अपनी कुल) योसेफसंग दिक्काएके बिनके मिश्रदेशमे बेच दै। पर परमेश्वर बिनकेसंग रहँए।"
¹⁰परमेश्वर बिनके सब कष्टसे छुटाएके मिश्रदेशको राजा फारोके ठिन बिनके कृपा करी और बुद्धि दै, और फारो बिनके मिश्रदेश और उनके सब घरको हाकिम बनाई।
¹¹तव पिच्छ सब मिश्रदेश और कनानमे अनिकाल पणके बहुत कष्ट भव, और हमर पुर्खा अन्न न पाई।
¹²पर याकूब मिश्रदेशमे अन्न हए कहिके सुनके हमर पुर्खा पहिलो चोटी हुवाँ पठाई।
¹³दुस्रो चोटीको भेटमे योसेफ बिनके ददाभैयनके अपन परिचय दै, और योसेफको परिवार फिर फारोके ठिन हजिर भव।
¹⁴योसेफ अपन दौवा याकूबके और अपन जम्मे कुटुम्बके, जो पचहत्तर प्राणी रहँए, उनके ठिन बुलाई।
¹⁵याकूब मिश्रदेशमे गव, और हुवाँए बा मरि गव, और हमर पुर्खा फिर हुनै मर गए।
¹⁶तव पिच्छ बिनकी मृत शरीर शकेममे लैगए, और अब्राहाम शकेममे हमोरको लौणनसे मोल लौ सरमे धरँ।
¹⁷पर जब परमेश्वर अब्राहामसे करो भव करार पुरा होनको समय जौने आओ तव मिश्रदेशमे बे आदमी बढन लागे, और बिनकी संख्या बढिगई।
¹⁸तव मिश्रदेशमे योसेफके न चिन्न बारो दुस्रो राजा हुइगव।
¹⁹बा हमर जातिसे बहुत खराब व्यवहार करी, और हमर पुर्खानके, बिनके बच्चनके बाहिर लाएके धरन कर लगात रहए, और अइसी भर्खर जल्मे भए सब बच्चनके मारत रहए।
²⁰बहे बेरा मोसाको जलम भव। बा परमेश्वरको दृष्टिमे सुन्दर रहए। बा तीन महिना तक अपन दउवाके घरमे पालो।
²¹बाके बाहिर फेवँ तव फारोकी लौणिया बाके उठाएके लै गे, और अपन लौणा बनाएके पाली।
²²मोशाके मिश्रीनको सब नेम मे शिक्षा दौगो, और मोशा अपन वचन और काममे शाक्तिशाली भव।
²³"जब बा चालिस वर्षको भव, तव अपन इस्राएली ददाभैयनके भेटनके इच्छा बाके हृदयमे उठो।"
²⁴अपन जात भैयन मैसे एक जनी उपर अन्याय भव देखके, बा बाके रक्षा करी, और बा अन्याय करन बारो मिश्रीके मारके अपन भैइयक उपर भव आत्याचारको बदला लै।
²⁵परमेश्वर मिर हातसे उनके उध्दार करीहए और मिर भैयाबन्धु जा सम्झँए करके बो बिचार करी रहए। तव बे न सम्झँ।
²⁶कल बेही आपसमे लडाइ करत् बेरामे बो आइगव, और बिनके मिलानके कोसिस करके कहि, ए लोगो, तुम त ददाभैया हो, तव काहे एक दुसरेके अन्याय करत् हो? ²⁷"तव अपन परोसीके उपर अन्याय करके बिनके अइसे करके ढकेलँ, 'हमरे उपर हाकिम और न्यायकर्ता होनके तुमके कौन नियुक्त करो?'
²⁸कल बो मिश्रीके मारे जैसो तुम मोके फिर मारन चाहत हो?
²⁹अइसो जवाफ सुनके मोशा भाजके मिधान देशमे जाएके पर्देशी भव। हुवाँ बिनके दुई लौणा जन्मे।
³⁰"चालिस वर्ष बितके पिच्छ सीनै पर्वतको उजाड-स्थानमे पजरत भिन्नाके ज्वालामे एक स्वर्गदुत बिनके ठिन दिखानो।
³¹"जब मोशा जा देखी तव बा जा दर्शन से अचम्भो मानी, और बा देखन जौने पुगै परमपभु कि ऐसी बाणी भई,
³²"मए तुमरो पुर्खाको परमेश्वर हो-अब्राहाम, इसहाक और याकूबको परमेश्वर।" मोशा थरथरान लागो, और बाके घेन देखनतक हिम्मत न पुगी।
³³तब परमप्रभु बिनसे अइसे कहि, 'तिर टाँगको जुता खोल, काहेकी जौन ठाउँमे तै ठाढो है, बा पवित्र ठाउँ हए।"
³⁴मिश्रामे भए मिर प्रजाको दुर्दशा मए देखोहँ, और बिनको बिलौना फिर मए सुनोहँ। बिनके छुटकारा देनके मए उतरके आओ हँ अब आ, मए तोके मिश्रदेशमे पठाएहँ।
³⁵"जहे मोशा, जौनके बे कोइके तुम हाकिम और न्यायकर्ता बनाइ' करके इन्कार करेरहौ, बाके परमेश्वर भिन्नामे देखानो स्वर्गदुतसे हाकिम और उध्दारकर्ता बनके पठाई।"
³⁶जहे आदमी मिश्रदेशमे, लाल समुन्द्रमे और चालिस वर्षभर उजाड-स्थानमे अचम्भोको काम और चिन्ह करत् उनके बाहिर ल्याई।
³⁷बा बहे मोशा हए, जौन इस्राएलीनसे कहिरहए, 'परमेश्वर मोके खडा करी जैसो तुमरे ददाभैयन मैसे तुमरे ताहिँ एक जनै अगमवक्ता खडा करीहए।'
³⁸जा बहे मोशा हए, जौन उजाड-स्थानमे भव समुदायमे स्वर्गदुतसंग रहए, जौन स्वर्गदुत सीनै पर्वतमे और हमर पुर्खानसंग मस्किरहए, और बहे हमर दिनके ताहिँ जीवित वाणी पाइ रहए।
³⁹"हमर पुर्खा बिनको आज्ञापालन करनके इन्कार करी। बे बाके पन्छाके मिश्रदेश घुमके जान मन करी।"
⁴⁰बे हारुनसे अइसे कहि, 'हमर अगुअगु जानके कोइ देवता हमर ताहिँ बनाएदेओ, काहेकी हमके मिश्रदेशसे निकारके लान बारो जा मोशाके का कैसो भव हमके पता नैयौ।'
⁴¹बे दिनमे बे एक बछराकी मुर्ति बनाई, और बोमे पुजना फिर चढाई, और अपन हातके काममे खुशी मनाई।
⁴²पर परमेश्वर बिनके ईन्कार करी, और बिनके आकाशको तारामण्डलको उपासना करनके छोडदै, अइसो अगमवक्तानके किताबमे लिखो हए, 'इस्राएलके आदमी तुम, का तुम चालिस वर्षतक उजाड-स्थानमे मोके पशुबलि और भेटी चढाए?'
⁴³तुम मोलोकको तम्बु और रेफन देवताको तारा, और तुम पुजनके ताँही बनाए भए मुर्ति उठाए लैगए। अब मए तुमके बेबिलोनसे बा पार परदेशी बनामझो।
⁴⁴"उजाड-स्थानमे हमर पुर्खाको गवाहीको मण्डप रहए। मोशा देखो नमुना जैसो परमेश्वरको आदेश अनुसार जा बनो रहए।"
⁴⁵हमर पुर्खा फिर उनको पालो मे अन्यजातिको देश अधिकारमे लातय यहोशुके संगमे बा तम्बु लाई। दाउदको पालोतक बो हुवाँए रहो।
⁴⁶बे परमेश्वरको निगाह पाई, और याकूबको परमेश्वरके ताहिँ एक बासस्थान बनानके अनुमति मागी।
⁴⁷तव बाके ताहिँ भवन त सोलोमन बनाई।
⁴⁸पर हातसे बनाओ भवनमे परमेश्वर बास ना करत् हए, जैसी अगमवक्ता कहिँ हँए, ⁴⁹"मिर सिंहासन स्वर्ग हए, और पृथ्वी मिर टाँगको पावदान, तुम मिर ताहिँ कैसो भवन बनएहौ? परमप्रभु कहातहए, मिर बिश्रामको ठाउँ कौन हए?
⁵⁰50 का जा सब चीज मेरे हातसे बनाओ ना हए क?
⁵¹"ए हठी आदमी तुम, कठोर हृदयके और बहिरा कान भए, तुम हर समय पवित्र आत्माको बिरोध करत् हो। तुमरे पुर्खा जैसी करी तुम फिर उइसी करत् हो।"
⁵²अगमवक्ता मैसे कौनके तुमरे पुर्खा ना सताई? बे धर्मि आदमीक आगमन अगुसे घोषणा करन बारनके सबको हत्या करी। बाके तुम विश्वासघात करे, और बाके हत्या करे। बिनके सबके मारे, जौन बे धार्मिक आदमीनक आनबारो समाचार अगुसे सुनाइ रहँए। अब तुम त बाके विश्वासघातक और ज्यानमारा भए हो।
⁵³स्वर्गदुतसे सुम्पो भव व्यवस्था तुम पाएहौ, पर बाको पालन ना करे।"
⁵⁴"जब बे जा बात सुनी तव बे दिक्कए गए और दिक्कएके चुर हुइके किटकिटन लागे।
⁵⁵पर बा त पवित्र आत्मासे भरपूर हुइके स्वर्गधेन एकटक लगाएके देखी, और परमेश्वरको महिमा और येशूके परमेश्वरको दहिनाघेन ठडो देखी।
⁵⁶बा कहि, "देखाओ, स्वर्ग उग्रो मए देखोहौ, और आदमीको पुत्रके परमेश्वरको दहिनाघेन ठडो मए देखतहौ।"
⁵⁷"तव बे जोडसे चिल्लए उठे, और अपन-अपन कान मुदलँ, और बे एकए संग बिनके उपर झाबटी।
⁵⁸बे बाके सहेरसे बाहिर निकार लैगए, और बिनके उपर पत्थर

बर्साई। और गवाही बारे अपन कुर्ता शाऊल नाउँ भव एक जनै जवानके टाँग ठिन धरदैं।⁵⁹ जैसी बे स्तिफनसके पत्थर मारत रहएँ, बा प्रार्थना करी, “हे प्रभु येशू, मिर आत्माके ग्रहण कर।”⁶⁰ बा घुटो टेकके जोरसे चिल्लाएके कहि, “हे प्रभु, जा पापको दोष यिनके ना लागए।” यितकय कहिके बा प्राण छोड़ दै।

Chapter 8

¹बिनके हत्यामे शाऊल फिर सहमत रहए । बहे दिनसे यरुशलेममे भए मण्डलीके बिरुद्धमे बहुत भारी सतावट सुरु भव, और प्रेरित बाहेक बे सब यहूदिया और सामरियाके इलाकाघेन छिदर बिदर हुइगए । ²भक्तजन स्तिफनसके लैजएके गाणी, और बाके ताहिँ बहुत भारि बिलाप करी । ³तव शाऊल त घर-घरमे घुसके मण्डलीके सतान लागो रहए । बा लोगा और बैयरके घिसियात् लैजाएके जेलमे डारत् रहए । ⁴तव बे बिगदे भए चारओ घेन जाएके वचन प्रचार करी । ⁵फिलिप त सामरियाको एक सहरमे जाएके बिनके खीष्टको प्रचार करी । ⁶फिलिपको कहो भव वचन सुनके और बाको करो भव चिन्ह देखके, भीड एक मनको हुइके बिनकी बातमे ध्यान दै । ⁷काहेकी बहुत जनैसे अशुध्द आत्मा बणो जोणसे चिल्लएके निकरन लागे, और बहुत जनी पक्षाघातके रोगी और लंगणा फिर अच्छे भए । ⁸जहेमारे बा सहरमे बहुत आनन्द भव । ⁹पर बा सहिरमे एक सिमोन नवाकआदमी हुवाँ रहए । बा अगुसे बा सहरमे जादु करके सामरियाके आदमीनके अचम्मो करे रहए, और मोए हानि कोइ न है करके कहात रहए । ¹⁰बा आदमीके छोटेसे लैके बणे तक सब अइसे करके मानत रहएँ, “जा आदमी परमेश्वारको बा शाक्ति हए, जौनसे महाशक्ति कहात हएँ ।” ¹¹बे बाके मान्त रहएँ, काहेकी बहुत दिनसे बा अपनो जादुगरीसे आदमीनके अचम्मो करेपणे रहए । ¹²पर जब बे परमेश्वारको राज्य और येशू खीष्टको नाउँको सूसमाचार सुनान बारो फिलिपकी बातमे विश्वास करी, तव लोगा और बैयर बप्तिस्मा लै । ¹³सिमोन अपनए फिर विश्वास करी । बा बप्तिस्मा लै, और बा फिलिपसंग लगे रहो, और चिन्ह और बणे बणे अचम्मोके काम करो देखके बाके अचम्मो लागो । ¹⁴सामरियाके आदमी परमेश्वारको वचन ग्रहण करके सुनके यरुशलेममे रहेभए प्रेरित पत्रुस और यूहन्नानके बिनके ठिन पठाई । ¹⁵बे हुवाँ आएके बे पवित्र आत्मा पामए करके बिनके ताहिँ प्रार्थना करी । ¹⁶काहेकी बा समय तक बिन मैसे कोइ उपर फिर बा नाए आओ रहए । बिनको बप्तिस्मा प्रभु येशूको नाउँमे इकल्लो भव रहए । ¹⁷17 तव बे अपन हात बिनके उपर धरी, और बे पवित्र आत्मा पाई । ¹⁸अब प्रेरितनको हात धरत पवित्र आत्मा पातहएँ कहिके देखके सिमोन अइसे कहात बिनके रुपैया देन लागो, ¹⁹“मोके फिर शाक्ति देओ, और मए फिर जौनके उपर हात धरओँ बे पवित्र आत्मा पामएँ ।” ²⁰तव पत्रुस कहि, “तिर रुपैया तेरीसंग नष्ट हुइजाए, काहेकी परमेश्वारको बरदान रुपैयासे मोल ले सकत हयँ कहिके बिचार करत हए ।” ²¹जाके बारेमे न त तेरो कोइ हिस्सा हए, काहेकी परमेश्वारके ठिन तेरो हृदय ठीक न है । ²²जहेकमारे तेरो अपनो जा दुष्टताको ताहिँ पश्चताप कर और प्रभुके प्रार्थना चढा, और शायद तेरो हृदयको अइसो बिचार क्षमा हुइजाए । ²³23 “काहेकी मए देखत् हौ, तए दुष्टसे भरो हए, और अधर्मको बन्धनमे हए ।” ²⁴तव सिमोन कहि, “तुम मेरे ताहिँ प्रभुसे प्रार्थना करदेओ, और तुमर कही बात कोइ फिर बात मिर ऊपर न लागय ।” ²⁵“पत्रुस और यूहन्ना गवाही दैके और प्रभुको वचन कहिके पिच्छु सामरियाके बहुत गाउँमे सुसमाचार प्रचार करत् बे यरुशलेममे घुमगए ।” ²⁶तव पिच्छु प्रभुको एक दुत फिलिपसे कहि, “उठ दक्खिँन यरुशलेमके गाजा घेन जान बारी डगरमे जाओ । हुवाँ उजाण खेरोक् डगर हए ।” ²⁷और फिलिप उठके गव, और एक जनी इथियोपियाली नपुंसकके भेटी, जो इथियोपिया देशकी महारानी कन्दाकी बणी पदधिकारी और समस्त सम्पतिको कोषाध्यक्ष रहए । बे यरुशलेममे आराधाना करन् गय रहएँ । ²⁸बे लौटत रहएँ, और अपन रथमे बैठके यशैया अगमवक्ताको किताब पढत् रहएँ । ²⁹तव पवित्र आत्मा फिलिपसे कहि, “जाओ और बो रथके संगमे लागओ ।” ³⁰फिलिप बिनके ठिन दौणके गव, और बिनके यशैया अगमवक्ताको किताब पढत् सुनके बिनसे पुछी, “तुम पढिबात बुझत् हौ?” ³¹तव बे कहिँ, “कोइ नाए बतए हए तव मए कैसे समझ पएँहौ?” और बे फिलिपके रथमे चढानके बिनके संगमे बैठनके अनुरोध करी । ³²और बिनको पढो भव धर्मशास्त्रको खण्ड जा रहए, “जैसी भेडा कटनके लाईजातहए, और थुमा ऊन कत्रन बारेनके ठिन चुप रहतहए, ³³बाको अपमानित अवस्थामे न्याय नएमिलो । बाको पुस्ताको बयान कौन करए? काहेकी बाको जिवन पृथ्वीसे हरण भव ।” ³⁴तव बा नपुंसक फिलिपसे कहि, “कृपा करके मोसे कह, अगमवक्ता जा कौनके बारेमे कहिहए, बिनके अपने वारेमे कि और कोइके बारेमे?” ³⁵तव फिलिप अपनो मुहू खोलके धर्मशास्त्रको खण्डसे बिनके येशूको सुसमाचार सुनाई । ³⁶और बे डगरमे जातपेती कुछ पानी ठिन आएपुगे । बा नपुंसक कहि, “देख हियाँ पानी हए, मोके बप्तिस्मा लेनके कौन रोक पए हए?” ³⁷फिलिप कहि, “अगर सारे हृदयसे बिश्वास करेहौ तव तुम बप्तिस्मा लए सकहौ ।” बा कही “येशु ख्रिष्ट परमेश्वर को पुत्र है कहिके मय बिश्वास करत हौँ ।” ³⁸रथ रोकनके आज्ञा दै, तव फिलिप और नपुंसक दोनए पानीमे उत्रे, और बा बिनके बप्तिस्मा दै, ³⁹पर जब बे पानि से बाहिर आय, तव प्रभुको आत्मा फिलिपके पकणके लैगओ । और बा नपुंसक बिनके फिर न देखी, और बा खुशी होत अपन डगर लागो । ⁴⁰पर फिलिप अश्वोदमे दिखानो, और कैसरिया नपुगन तक सब सहरमे सुसमाचार सुनात गव ।

Chapter 9

¹पर शाऊल प्रभुके चलनके बिरुद्धमे फिर धम्की और हत्याको धुनमे प्रधान पुजारीके ठिन गव, ²और बा विश्वास करन् बारे लोग होएँ चाहूँ वैयर, जौन फेला पडए बिनके बाँधके यरुशलेममे लानके पांव कहिके दमस्कसके सभाघरमे पुर्जी मागी ।³ जब शाऊल यात्रा करत दामस्कसके ठिन पुगी, अचानक स्वर्गसे एक ज्योति बिनके आसपास चमको ⁴। बा भिमे गीरिगौ, और बा अइसो सुनी, “शाऊल, शाऊल, तए मोके काहे सतात हए?”⁵ बा कहि, “प्रभु, तुम कौन हो?” और बा कहि, “मए येशू हौ, जौनके तै सतात है ।”⁶ पर उठके सहेरमे जा, और तोके का करन् पणौगो सो तोके बातएहौं ।⁷ बिनकेसंगमे जान बारे आदमी सोर त सुनी, पर कोइके ना देखके चकानलगे ।⁸ तव शाऊल भीमेसे उठो और आँखी खोली बा कोइके कछु फिर न देखि, और बे बिनको हात पकणके डोर्यएके दमस्कसमे लाई ।⁹ और तीन दिन तक बा न देखन बारो भव, और न त खानु खाइ न पानी पिई ।¹⁰ दमस्कसमे हननिया नाउँको एक चेला रहए । बिनसे प्रभु दर्शनमे कहि, “ए हननिया ।” बा कहि, “प्रभु, हाजिर हौं ।”¹¹ तव प्रभु बिनसे कहि, “उठ, और 'सिधा' नामको गल्लीमे जा, और यहूदाको घरमे शाऊल नाउँ भव टार्सस-निवासीके दुण, काहेकी बा प्रार्थना कर रहोहए ।”¹² बा दर्शनमे हननिया नाउँको एक आदमी भितर आएके बे देखन बारे होमए करके अपने उपर उनको हात धरो देखी रहए ।¹³ तव हननिया कहि, “प्रभु, जा आदमी यरुशलेममे तुमरे सन्तानके बहुत खराबी करी हए, सो मए बहुत अदमीसे सुनो हौ ।”¹⁴ हियाँ फिर तुमरे नाउँ लेन बारे सबके बाँधनके अधिकार मुखिया पुजाहारी से बा पाई हए ।”¹⁵ तव प्रभु बिनसे कहि, “जा, काहेकी अन्यजातिके राजा और इस्राएलके सन्तानके अगु मिर नाउँको प्रचार करन् बा छनो भौ मिर एक पात्र हए, ¹⁶काहेकी मिर नाउँको खातिर बा कित्तो कष्ट भोगैगो, सो मए बाके दिखाएहौं ।”¹⁷ तव हननिया जाएके बा घर भितर कुचो, और बाके उपर अपन हात धरके कहि, “भैया शाऊल, जौन प्रभु येशू तुमके आतपेति डगरमे दिखानो रहए, बाके तुम देख पाओ और तुम पवित्र आत्मासे भरिपूर्ण होबओ करके मोके पठाई हए, ¹⁸तुरन्त बाकि आँखीसे पपरा जैसो कुछ झरो, और बा फिर देखान बारो हुइगए । तव बा उठो और बप्तिस्मा लै, ¹⁹और खानु खाएके बा बल पाई । शाऊल गजब दिनतक दमस्कसमे भए चलनसंग रहए ।”²⁰ और तुरन्त बा सभाघरमे येशूको घोषणा अइसे करी, “बा परमेश्वरको पुत्र हए ।”²¹ तव सुनन बारे जित्तो सब अचम्भो मानके कहि, “जा नाउँके लेन बारे जित्तो यरुशलेममे सतात रहए और हियाँ फिर बिनके बाँधके मुखिया पुजारीके ठिन लैजान बिचार से आनबारो जहे न हए का ?”²² पर शाऊल और जब्दा शाक्तिशाली होतगव, और येशुय खिष्ट है कहिके परमाण दैके दमस्कसमे रहन बारे यहूदीनके अचम्भो करदै ²³और बहुत दिनके पिच्छु यहूदी बाके मारनके षड्यन्त्र रचौं ।²⁴ पर बिनको षड्यन्त्र शाऊलके पता हुईगव । बे बाके मारन् के ताहिँ रातदिन सहेरको फाटक ठिन लुक्के बैठत रहए ।²⁵ पर बाको चेला बाके रातमे डल्बामे डारके दिबारसे लटकायके उतारदै ।²⁶ बा यरुशलेमसे आएके पिच्छु बा चलनसे मिलन कोशिश करी । पर बे चेला हँए करके न पत्यायके सब बिनसे डराइगए ।²⁷ पर बारनाबास बाके संग लैके प्रेरितके ठिन लैगओ । और शाऊल प्रभुके डगरमे देखी और प्रभु बासे मस्कि और ब दमस्कसमे हिम्मत से येशूको नाउँमे प्रचार करी बात बिनके बताएदै ।²⁸ शाऊल यरुशलेममे बिनके संगसंग खुल्लम खुल्ला नेगन लागो, और सहास से प्रभुको नाउँमे प्रचार करन् लागो, ²⁹और बा ग्रीक-यहूदीनके संग बाद-बिवाद करत् रहए, पर बे बाके मारन दुणत रहए ।³⁰ पर जा बात पता पाएके भैया बाके कैसरियामे लाई और हुवाँसे बाके टार्ससमे पठाएदै ।³¹ तव अइसी सारा यहूदिया, गालील और सामरिया भर मण्डलीमे शान्ति भव और मण्डली पक्की भई । प्रभुको भयमे नेगत और पवित्र आत्माको शान्ति पाएके मण्डलीमे वृद्धि होतगव ।³² पत्रुस यितए उतए सब ठाउँमे यात्रा करत् लुड्डामे भए सन्तनके ठिन फिर आएपुगो ।³³ बा हुवाँ एनियास नाउँको कोइ एक आदमीके भेटि, जो आठ वर्षसे पक्षाघातको रोगसे सिथरीमे पणो रहए ।³⁴ पत्रुस बासे कहि, “ए एनियास, येशू खीष्ट तुमके अच्छो करेहए । उठ, और अपनो बिछना मिला और बा तुरन्त उठिगव ।”³⁵ लुड्डा और शारोनेमे बैठन बारे जित्तो सब जनै बाके देखके प्रभुघेन घुमे ।³⁶ योप्पा नगरमे तबिता, औ डोरकास {हरिणी} कहान बारी एक चेला रहए । बा अच्छो काम करन और दान देनमे लागि रहत् रहए ।³⁷ बे दिनमे बा बिमार भै और बिनको मृत्यु हुइगव, और आदमी हँदबाएके बाके उपरके पाणके एक कोठामे धरौं ।³⁸ लुड्डा योप्पाके जौने रहै बाहेमारे चेला पत्रुस हुवाँ हए करके सुनके बिनके ठिन दुई आदमीनके अइसे बिन्ती करन पठाई, “हमर ठिन जलदी अइओ ।”³⁹ तव पत्रुस उठके बिनकेसंग गव । हुवाँ पुगके पिच्छु बे बाके उपरके पाणमे लैगए । बिधुवा सब बिनके ठिन ठाणके रोनालागीं, और डोरकास बिनके संग होत बा बनओ भौ कुर्ता और लत्ता देखाइ ।⁴⁰ तव पत्रुस बिनके सबके बाहिर निकारके घुटो टेकके प्रार्थना करी, और बा लाश् घेन घुमके कहि, “तबिता, उठ!” और बा आँखी उचारी, और पत्रुसके देखके उठके बैठी ।⁴¹ बा बाके अपन हातसे पकणके झट्से उठाई, और सन्त और बिधुवानके बुलाएके बिनके जिन्दा दिखाई ।⁴² अब जा बात सबै योप्पा भर पता चलगव, और बहुत प्रभुमे विश्वास करीं ।⁴³ और बा बहुत दिनतक एक सिमोन कहन् बारो चर्मकारसंग योप्पामे बैठो

Chapter 10

¹कैसरियामे कर्नेलियस नाउँको एक आदमी रहए, जो इटालिया कहन बारो पल्टनको एक कप्तान रहए । ²बा ईश्वरभक्त रहए, और बा, बिनको सब परिवार परमेश्वरको भय मान्तरहए । बा आदमीनके खुशीकेसाथ दान दैके परमेश्वरसे सबदिन प्रार्थना करत् रहए । ³बा दुपाहके तीन बजे घेन दर्शनमे सफा रुपसे परमेश्वरको एक स्वर्गदुत अपने घेन आत अइसो कहात सुनी, “कर्नेलियस !” ⁴झसक्के बा उनके निहारके देखि और कहि, प्रभु कहौ ।” और बा बिनसे कहि, “तुमरो प्रार्थना और गरीबके दओ दान सम्झनाके रुपमे परमेश्वरको अगु पुगो हए । ⁵अब आदमीनके योप्पामे पठओ, और पत्रुस कहान बारो सिमोनके बुलान पठओ । ⁶बा चर्मकार सिमोनके ठिन बैठो हए, जौनको घर समुन्द्र किनरे हए । ⁷जब बासे मसकन बारो स्वर्गदुत बिदा भव, तव अपन कामैया मैसे दुइ जनैके और लगातर बिनको सेवा-टहल करन बारो एक भक्त सिपैयाके बुलाई, ⁸और बिनके सब बात बताएके योप्पामे पठाई कल बे अपन यात्रामे सहरके जौने आएपुगत, दुपहरको बाह्र बजेघेन पत्रुस त प्रार्थना करन घरको पणमे चढो । ¹⁰बा भुखानो, और कुछ खानके मन करी, पर औरदुसे खानु तयार करत् बेरा बा ध्यानमे-मग्न हुइगव । ¹¹बा स्वर्ग खुलो और हुवाँसे चारौ कोनेमे बधो तन्ना जैसो पृथ्वीघेन झर्त देखी । ¹²तव बा तन्नामे पृथ्वीके सब किसिमके चारटाँगके जनावर और घिस्टनबारे प्राणी और आकाशके चिरैचुरंगी रहए । ¹³तव बा एक आवाज सुनी, “ए पत्रुस उठ, और मारके खा ।” ¹⁴तव पत्रुस कहि, “नाए प्रभु, काहेकी मए कबही कछु अपवित्र औ अशुद चीज ना खओ हौं ।” ¹⁵बा आवाज फिर दुस्रो चोटी सुनी, “परमेश्वर जो शुध्द करीहए बाके तुम अपवित्र काहे मन्त हौ । ¹⁶तीन चोटीतक अइसो भव, और तुरन्त बा तन्ना स्वर्गघेन लैगओ । ¹⁷जब पत्रुस अपनो देखो जा दर्शनको अर्थ क हुइहए कहिके मनएमन दुबिधामे पडोरहए, बहेबेरा कर्नेलियस पठए आदमी सिमोनको घर ढुङ्ग फाटक अगु ठडे, ¹⁸और पत्रुस काहन बारो सिमोन हियाँ बैठो हए कि ?” कहिके जोडसे पुछौ । ¹⁹जब पत्रुस दर्शनके बारेमे बिचार करत् रहए तव पवित्र आत्मा बासे कहि, “देख, तीन आदमी तुमके ढुङ्ग रहए ।” ²⁰उठ, और तरे जा, और नाहिचकिचाएके बिनके संग जा, काहेकी बिनके मए पठओ हौ । ²¹तव पत्रुस उत्रो, और आदमीनके ठिन जाएके कहि, “देखौ, तुम जौनके ढुङ्ग हौ बा आदमी महि हौ । तुमके हियाँ आनको करन का हए?” ²²बे कहिँ, “एक जनै कप्तान कर्नेलियस, जो सुधो और परमेश्वरसे डरानबारो और सबय यहूदी जातिसे सम्मान पाओ एक आदमी हए, तुमके बा घरमे बुलाई हए और तुम बाके सन्देश सुनओ कहिके एक पवित्र स्वर्गदुतसे बाके आदेश मिलोहए । ²³तव बा बिनके भितर बुलाएके बिनको सत्कार करी । कल पत्रुस उठके बिनकेसंग गव, और योप्पाके कुछ भैया बिनके संगमे रहए । ²⁴दुसौ दिन बे कैसरिया पुगे । अपने कुटुम्ब और जौनके नातेदारनके बुलाएके जम्मा करी कर्नेलियस बिनको डगर देखत रहए । ²⁵जब पत्रुस भितर आओ तव कर्नेलियस बासे भेट करी और बाके पाउमे दण्डवत करी । ²⁶तव पत्रुस उनके अइसे कहत उठाई, “उठओ, मए अपनए फिर त आदमी हौ ।” ²⁷” तव बिनके संग बात करत् घर भितर गए, और हुवाँ बहुत आदमी जम्मा भव पाई । ²⁸तव पत्रुस बिनसे कहि, “और जातिसे संगत करनो अथवा बिनसे भेटघाट करनो एक यहूदीके ताहिँ किता सही ना हए कहिके बात तुमके पतए हए, ताहु फिर परमेश्वर मोके कोइ आदमीसे अपवित्र औ अशुध्द मतमनिए कहिके दिखाई हए । ²⁹जहामारे बुलातए खिन्क कोइ आफत नामानके मए तुमर ठिन आओ । तुम मोके काहे बुलए? अब बताओ ।” ³⁰तव कर्नेलियस कहि, “चार दिनअगु लगभग: जहे समय घरमे मए तीन बजेको प्रार्थना करत् रहौ, तव चिललो कुर्ता पैधे एक आदमी मेरे ठिन ठाडरहो, ³¹और कहि, ‘कर्नेलियस, परमेश्वरके ठिन तुम्रो प्रार्थनाको सुनाइ भव हए, और तुम गरीबनके दओ दानको सम्झना भव हए ।’ ³²जहामारे योप्पामे आदमी पठायेके पत्रुस कहान बारो सिमोनके बुलान पठा । बो समुन्द्रके किनरे चर्मकार सिमोनके घरमे बैठो हए ।” ³³तव मए तुरन्तए तुमर ठिन आदमी पठओ । और तुम कृपा करके आए । अब प्रभुसे तुमके आज्ञा भए सबए बात सुनन हम सबए परमेश्वरके अगु हियाँ उपस्थित हए ।” ³⁴तव पत्रुस मस्कन लागो, “नेहत्तए मए देखत् हौ, कि परमेश्वर पक्षपात नाए करत् हए, ³⁵पर सब जातिमे जो बासे डरात हए, और अच्छो काम करत् हए, बे बाके ठिन ग्रहणयोग्य होतहए ।” ³⁶परमेश्वर इस्राइलीनके पठाओ भव सन्देश, औ ख्रीष्टसे प्रचार करो शान्तिको सुसमाचार तुमके पता हए । (बहे सबको प्रभु हए ।) ³⁷यूहन्नाको करो प्रचारके पिच्छु, गालीलसे सुरु भव सबए यहूदिया भर प्रचार करो भव वचन जहे हए, ³⁸कि परमेश्वर नासरतको येशू पवित्र आत्मा और शक्तिसे अभिषेक करी । बा सबके अच्छो काम करतए और भुतप्रेतनसे सताए भयनके अच्छो करत चलो, काहेकी परमेश्वर बाके संग रहए ।” ³⁹” और बा यहूदीयनके देशमे और यरुशलेममे करे भए सब बातकी हम साँचि हए । बाके बे कट्टामे टलगाएके मारी रहए ।” ⁴⁰बहेके परमेश्वर तिसरे दिनमे जिन्दा करके उठाई, और बाके प्रकट कराई, ⁴¹सब आदमीनके नाए, पर हमके परमेश्वरसाँचिके रुपमे चुनि और बा मरके जिन्दा हुइके पिच्छु हम बाके संग खानपिन करे । ⁴²बा हमके जनतामे प्रचार करन्, और बा जिन्दा और मरेनको न्यायकर्ता होनके ताहिँ परमेश्वरसे नियुक्त भव आदमी रहए करके गवाही देनेके ताहिँ आज्ञा दै हए । ⁴³सबए अगमवक्ता बाकि गवाही दै हए, कि बाके उपर विश्वास करन् बारे प्रत्येक बाके नाउँसे पाप-क्षमा पाबैगो ।” ⁴⁴पत्रुस जे बात मसकतए मसकत वचन सुननबारे सबके उपर पवित्र आत्मा आइगव । ⁴⁵अन्यजातिनके उपर फिर पवित्र आत्माको वरदान अखनो देखके पत्रुसके संगमे आनबारे यहूदी विश्वासी अचम्मो मानी । ⁴⁶काहेकी अन्य भाषामे बोलके बे परमेश्वरको प्रशंसा करतभओ बे सुनी । तव पत्रुस कहि, ⁴⁷हमरकता पवित्र आत्मा पानबारे यिनके पानीको बप्तिस्मा होनसे कौन मनाही करपएहए?” ⁴⁸और बे कहिँ बिनके येशू ख्रीष्टके नाउँमे बप्तिस्मा देबाओ करके आज्ञा करी । तव बे पत्रुसके कछु दिन हुनए रहाए कहिके बिन्ती करी ।

Chapter 11

¹यहूदियामे होनबारे प्रेरित और भैया, अन्यजाति फिर परमेश्वरको वचन ग्रहण करी हएँ कहिके सुनीं । ²जब पत्रुस यरुशलेममे आओ, तव खतना करन बारैनको दल बिनसे अइसे कहात बिनको बदनाम करिं, ³"खतना नाभए आदमीनके ठिन जाईके बिनके संग तुम काहे खानपिन करे? " ⁴" तव पत्रुस सुरुसे बिनके एक एक बात बतान लागो: ⁵"मए योप्पा सहेरमे प्रार्थना करत रहौ, और ध्यान-मग्न रहौ, तव एक बणो तन्ना जैसो चार कोनेमे पकणो तरे झरतभव कुछ चीज मए दर्शनमे देखो, और बो मिर ठिन आओ ।" ⁶मए निहारके देखो हुवाँ पृथ्वीके जनावर और जंगली जनावर, घिसन बारे जन्तु और आकाशके चिरैचिरगुनी देखो । ⁷मोके अइसो कहान बारो एक आवाज मए सुनो, 'पत्रुस उठ, और मारके खा ।' ⁸"तव मए कहो, 'नाए प्रभु, कोइ अपवित्र अथवा अशुद्ध चीज मेरे मुहुमे कबहु नाए डारो हौ ।' " ⁹"तव बहे अवाज दुस्रो चोटी मोसे कहि, 'जो परमेश्वर शुद्ध करी हए बाके तुम अपवित्र मत कहओ ।' " ¹⁰तीन चोटी उइसी भव, और बे सब फिर स्वर्गमे चलेगए । ¹¹"बहि बेरा कैसरियासे मेरेठिन पठए भए तिन जनै आदमी हम बैठो आएपुगे । ¹²बिनके संगमे जान मोसे पबित्र आत्म कहि। जे छय जानै भइया फिर मिर संग लागे रहएँ, और हम बा आदमीको घरमे गए । ¹³बा हमके बताई, कि एक स्वर्गदुत उनके घरमे ठडके अइसो कहातए बा देखिं, 'योप्पामे आदमीनके पठओ पत्रुस कहान बारो सिमोनके बुलओ । ¹⁴बा तुमके वचन सुनए हए, जौनसे तुम उद्धार पाबैगे-तुम और तुमरो पुरो परिवार ।' ¹⁵" जब मए मस्कान लागो, तव सुरुमे हमर उपर उत्रो कता पवित्र आत्मा यिनके उपर फिर उत्रीयाओ ।" ¹⁶तव प्रभु कहि बा वचन मोके याद भव, 'यूहन्ना त पानीको बप्तिस्मा दै, पर पवित्र आत्मामे तुमरो बप्तिस्मा हुइहए ।' ¹⁷प्रभु येशू ख्रीष्ट उपर विश्वास करत परमेश्वर हमके जो बरदान दै हए, बिनके फिर बहे बरदान दै के पच्छ परमेश्वरके रोक्न बारो मए कौन हौ त? " ¹⁸जा बात सुनके पिच्छु बे चुप हुइगए, और अइसो कहात बे परमेश्वर महिमा करीं, "अब त परमेश्वर अन्यजातिनके फिर जीवनके तहीं पश्चताप दै हए ।" ¹⁹स्तिफनसके सम्बन्धमे सुरु भव सतावटके करन ईतए उतए छिदिर विदर भए बारैनके ताहिं नैयाँ, पर यहूदीनके इकल्लो वचन प्रचार करत, फोनिके, साइप्रस और अन्टिओखियातक सफर करीं । ²⁰पर बे मैसे कोइ-कोइ साइप्रस और कुरेनीके आदमी रहएँ । बे एन्टिओखियामे आएके ग्रीकनके फिर प्रभु येशू प्रचार करीं । ²¹प्रभुको बाहुली बिनके संग होनके करनसे विश्वास करन् बारैनको बहुत संख्यामे प्रभुघेन घुमिगए । ²²जा सुसमाचार यरुशलेममे भए मण्डलीके कानमे पुगो, और बे बारनाबासके एन्टिओखियामे पठाई । ²³बे हुवाँ आएके परमेश्वरको अनुग्रह देखके खुशी भए, और बे सबके पुरो हृदयसे प्रभुमे विश्वासि बने रहन हौंसला दें । ²⁴काहेकी बे अच्छो, पवित्र आत्मा और विश्वाससे भरिपूर्ण भए आदमी रहएँ । आदमीको बाड़ो समुह प्रभूमे आईगव । ²⁵तव शाऊलके दुइन् बारनाबास टार्ससमे गव । ²⁶जब बाके पाई तव बाके एन्टिओखियामे लाई । तव पुरो एक वर्षतक मण्डलीके आदमीके संग बे भेटघाट करतए रहे, और आदमीनको बड़ो समूहके शिक्षा दें। चेला पहिलो चोटी एन्टिओखियामे खिष्टीयन कहिलाई । ²⁷तव बा बेरा अगमवक्ता यरुशलेमसे एन्टिओखियामे आए । ²⁸बिन मैसे अगाबस नाउँ भव एक जनै ठडके सारा संसारमे गजब भारी अनिकाल पड़न बारो हए कहिके पवित्र आत्मामे अगमवाणी करी । बा अनिकाल क्लौडियसको शसानकालमे अइसोओ रहए । ²⁹तव चेला सब अपनो-अपनो औकतअनुसार यहूदियामे बैठन बारे भैयनके सहेताके तहीं भेटी पठानके ताहिं पक्का सल्लाह करीं । ³⁰बे अइसी करीं, और बारनाबास और शाऊलके हातसे बिनको भेटी एल्डरके ठिन पठाए दें ।

Chapter 12

¹बे दिनमें हेरोद राजा मण्डलीके किन्तो जनै उपर बहुत कठोर अत्यचार करन् लागो रहए । ²बा यूहन्नाको ददा याकूबके तरवारसे मारी । ³जा कामसे यहूदी खुशी भए देखके पत्रुसके फिर पकड़नेके तयारीमें रहएँ । जा घटना अखमिरी रोटीको तेवहरके समयमें भओ रहए । ⁴हेरोद पत्रुसके पकड़के जेलमें डारद, और निस्तार तेवहरके पिच्छु बिनके जनतनके अगु लान बिचार करके बाके रेखदेख करन के सिपाहीके चार टोलीके जिम्मा लगाईद । ⁵अइसे करके पत्रुस जेलखानामे रहो, पर बिनके ताहिँ मण्डली परमेश्वर बडो जोसके संग प्रार्थना करत रहए । ⁶हेरोद बिनके बाहिर निकरनेके ढुडि बहे रात, पत्रुस दुई साकरसे बाँधके दुई सिपैनके बीचमें सोत रहए । सिपैया फिर फाटक के अगु ठाणके जेलको रेखदेख करत रहएँ । ⁷"ईकबरि प्रभुको एक स्वर्गदुत हुँना दिखाईद, और कोठरीमें ज्योति चम्कि । स्वर्गदुत पत्रुसके कोखमें मारी और "हल्दी उठ" करके बाके जगाई । तव साकर बाके हातसे खुलके गिरिगओ । " "स्वर्गदुत बासे कहि, "कुर्ता लगा, और जुत्ता लगा ।" तव बा उइसी करी । बा बासे कहि, "कम्मर ओढके मिर पिच्छु पिच्छु लाग ।" ⁹" और बा निकरके उनके पिच्छु लागो । स्वर्गदुतसे करो बात नेहत्व हए करके बाके पता नाए रहए । पर दर्शन देखत हौ करके बा बताइ । ¹⁰जब पहिलो और दुस्रो पहरा-टोली नाघके सहेरमें घुसनबालि लोहोको फाटकमें पुगे, तओ बा फाटक अपनाए बिनके ताहिँ खुलिगव, और बे बाहिर निकरके एक गल्लीक डगर हुइके गए, और तुरन्त स्वर्गदूत बाके छोड़के गओ । ¹¹जब पत्रुसको होश खुली तव बा कहि, "अब मोके नेहत्व पता भव, कि प्रभु अपन दूत पठाएके हेरोद राजाके हातसे, और यहूदी जो करन चाहत रहएँ बे सबसे मोके छुटकारा दै । ¹²जा बात बिनके पता हुइके पिच्छु, बो मर्कूस काहन बारो यूहन्नाकी अइया मरियमके घरमें गओ । हुवाँ बहुत जनै जम्मा हुइके प्रार्थना करत रहए । ¹³बा फाटक ढकढाकई रोदा नाउँकी नोकर्नी फाटक खोलन आई । ¹⁴"पत्रुसको सोर चिनके पिच्छु बा खुशी हुइके फाटक ना खोलके भितर दौरत गई "पत्रुस फाटकमें ठणो हए" करके खबर दै । " ¹⁵तओ बे बासे कहिँ, "जा पागल हए ।" पर बक कहि बात नेहत्व हए करके बा जिद्दी करी । तओ बे कहिँ, "बा उनको स्वर्गदूत हुइहए ।" ¹⁶" पर पत्रुस त ढकढकात रहो । फाटक खोलके बाके देखके बे अचम्भो मानीं । ¹⁷बा "चुप लाग" कहिके हातसे इशारा करी, और प्रभु बाके कैसे जेलसे बाहेर निकारी सो बिनके बताई । जे बातको समाचार याकूब औ और भैयनके देबओ कहिके बा बिदा हुइके दुस्रो ठाउँमें गै भव । ¹⁸" उजियारो हुइके पिच्छु पत्रुसके का भव करके सिपैनके बीचमें बडो हलचल भव । ¹⁹हेरोद बाको ढुडके करके फिर नाए पाएके सिपैनको जाँच करके बिनके ज्यानसजायको हुकुम करी । हेरोद त यहूदियासे कैसरिया जाएके हुवाँए बैठो । ²⁰हेरोद टुरोस और सीदोनके आदमीनसे बहुत दिक्कानो रहए । बे एक दल हुइके बिनके संग आए, और राजाको भितरको कर्मचारी बलस्तससे हातपाओ जोणके मिलापतके ताहिँ बिन्ती करीं । काहेकी बिनको देश अन्नके ताहिँ राजाके देशमें निर्भर रहए । ²¹तुको भव दिनमें राजकीय कुर्ता पैधके हेरोद अपनो सिंहासनमें बैठो, और बिनके भाषण दै ²²"आदमी जा त ईश्वरको बोली हए, आदमीको ना हय!" कहिके चिल्लान लागे । " ²³पर परमेश्वरके महिमा ना देनेके कारण उत्तिय खिँन प्रभुको एक स्वर्गदूत बाके मारी, और बिजर बिजर कीरा पणके मरीगओ ²⁵पर प्रभुको वचन बढतए और फैलतए गओ । ²⁴बारनाबास और शाऊल अपन सेवा पुरा करके यरुशलेमसे लौटे बिनके संग मर्कूस कहान बारो यूहन्ना फिर गओ ।

Chapter 13

¹एन्टिओखियाको मण्डलीमे अगमवक्ता और शिक्षक औ बारनाबास, काला कहान बारो शिमियोन, कुरेनीको लुकियस, राज्यको शासक हेरोदसँग बढो मनेन और शाऊल रहए । ²बे प्रभुको आराधना करत् और उपवास बैठे समयमे पवित्र आत्मास कही, “मिर ताहिं बारनाबास और शाऊलके बा कामके ताहिं अलग करओ, जौन कामके ताहिं मए बिनके बुलाओ हौं ।” ³तव उपवास और प्रार्थना करके बे उनके उपर अपन हात धरके उनके बिदा करी ।⁴ तओ पवित्र आत्मासे पठाए भएके कारन बे सिलुकियामे गए और हुवाँ से जहाजमे चढके साइप्रस घेन गए । ⁵सलामिसमे आए पुगेके पिच्छु बे यहूदीनको सभाघरमे परमेश्वरको सुसमाचार प्रचार करीं । बिनके सहायत करन् यूहन्ना बिनके सँग रहए⁶जव बे सबै टापूको मईजल (यात्रा) करत पाफोस तक आएपुगे, तव हुवाँ बे एक जनी यहूदी झुठो अगमवक्ता बार-येशु कहान बारो एक जनी जादुगरके पाई । ⁷बा जादुगर एक राज्यको शासक सर्गीयस पौलससँग बैठत रहए । सर्गीयस पौलस बुद्धिमान आदमी रहए । बा शाऊल और बारनाबासके बुलाएके परमेश्वरको वचन सुनन् इच्छा करी । ⁸पर एलुमास जादुगर {काहेकी ग्रीक भाषामे बाको नाउँको अर्थ जहे हए} सर्गीयस पौलसके विश्वाससे भडकानके बिनको सामना करी । ⁹पर शाऊल जौनसे पावल फिर कहात हैं, पवित्र आत्मासे भरके बाके उपर एक नजर लगाएके देखि, ¹⁰“तय दियाबलसको लौणा, सबै धार्मिकताको शत्रु, सबै छल और दुष्टतासे भरो ! का तए प्रभुको सुध डगरके टैंढो करन् न छोड़ैगो?”¹¹ अब देख प्रभुको हात तिर उपर पणो हए, और तए कुछ देरतक घामुको उजियारो न देख पाएके अन्धरा हुइजए हए ।” और उतनीय खिन कोहरा और अँध्यारो बाके तोपलैं, और कोइ बाको हात पकणके डुरियाय देबए करके इतए उतए जान लागो । ¹²तव राज्यको बा शासक जा भव देखके विश्वास करी, काहेकी प्रभुको शिक्षामे बा अचम्मो मानि रहए । ¹³पावल और बिनके सँगी पाफोससे जहाज चढके पामफिलियाको पर्गामा पुगे, और युहन्ना ता बिनसे छुटके यरुशलेम घुमिगओ । ¹⁴पर बे पर्गामे निकरके पिसिदियाको एन्टिओखियामे आए, और शबाथमे* सभाघर भितर जाएके बैठे । ¹⁵अब व्यवस्था और अगमवक्ताक किताबको पाठ पढ्के पिच्छु सभाघरके शासक बिनके ठिन अइसे कहिके पठाई, “ए भैयाओ तुमरे सँग आदमीनके ताहिं ज्ञानको वचन कुछ हए कहे से कहओ ।”¹⁶तव ठाणके पावल हातसे इशारा करके कहि, “हे इस्राएलके आदमी और परमेश्वरको डर मनन बारे, सुनाओ, ¹⁷इस्राएल जातिको परमेश्वर हमर पिता-पुर्खानके चुनके मिश्रदेशमे रहत बिनके महान बनाई, और बाको शक्तिशाली हातसे बिनके बा देशसे निकारके लाई ।”¹⁸उजाड-स्थानमे लगभग: चालीस वर्षतक बा बिनके रेखदेख करी ।¹⁹ तव बा कनान देशमे सात जातिनके नाश करके बिनको देशको अधिकार करत लगभग: चार सय पचास वर्षतक बिनके दै । ²⁰जा बात पिच्छु शमूएल अगमवक्ताको पालो तक बा न्यायकर्ता दै ।²¹ तव पिच्छु बे राजा मार्गी, और परमेश्वर बेन्यामीन कुलको कीशको लौणा शाऊलके चालिस वर्षतक बिनके उपर राज्य करन दै । ²²बा बिनके हटाएके पिच्छु दाऊद बिनको राजा होनके खडा करी । उनके बारेमे परमेश्वर गवाही दैके कहि, ‘मए यिश्को लौणाके दाऊदके मेरो हृदय अनुसारको आदमी पाओ, जौन मिर सबय इच्छा पुरी करैगो ।’²³जहे आदमीको आनबारो सन्तानसे बाको प्रतिज्ञा अनुसार, परमेश्वर ईसाएलके ताहिं एक मुक्तिदाता, येशुके लाई । ²⁴बा आनसे अगु यूहन्ना इस्राएलके सबय आदमीनके पश्चतापको बप्तिस्माक् प्रचार करी रहए । ²⁵25 यूहन्ना अपन काम निभ्तात् पेटि कहि रहय, “तुम का समझत हौ, मए कौन हौ? मए बा नैयाँ । पर मोसे पिच्छु एक जनी आबैगो, जौनको टाँगको जुत्तातक फिर खोलन लायकको मए नैयाँ ।”²⁶ए अब्राहामके वंशके सन्तान, और तुमए मैसे परमेश्वरको डर मानन बारे ए भैयाओ, हमर ठिन जा मुक्तिको सन्देश पठाइ हय ।” ²⁷काहेकी यरुशलेमके बासिन्दा और बिनको शासक बाके न चिनके और हरेक शबाथमे पढनबारी अगमवक्ताक वचन न बुझके बाके दण्डको आज्ञा दैके बे वचन पुरा करी । ²⁸ज्यान सजायको कोइ कारन न पाए से फिर बे बाके मारन पणैगो करके पिलातससे बिन्ती करीं । ²⁹और बाके बारेमे लिखो भव सब बात बे पुरा करके पिच्छु बे बाके कट्टासे उतारके मरघट मे धरी³⁰पर परमेश्वर बाके मरो से जिन्दा करी । ³¹अपनेसँग गालीलसे यरुशलेममे आनबारे ठिन बा बहुत दिनतक दिखाईपडो, और बे हबाए जनतामे बाको साक्षी हैय हएँ । ³²“परमेश्वर पिता-पुर्खासे करो भव बह प्रतिज्ञाको सुसमाचार हम तुमर ठिन लय हएँ ।” ³³औ कैसे परमेश्वर येशुके जिन्दा करके उठाई बा बात हम बिनके सन्तानके ताहिं पुरो कर दै, जैसी दुस्रो भजनमे लिखो हए, ‘तै मिर पुत्र है, आजके दिन मए तोके जन्मओ हौं ।’ ³⁴बा स्त्रीष्टके कबहू न सणय करके मरके जिन्दा करके बारेमे त अइसे कहि हए, ‘मए तुमके दाऊदको दओ भव पवित्र और अटल आशिर्वाद देहौं ।’³⁵काहेकी औरो ठाउँमे फिर अइसो कहि हए, ‘तुम अपन पवित्र जानको शरीर सणन न देहौ ।’ ³⁶काहेकी उनको अपनो पुस्तामे परमेश्वरको उद्देश्य अनुसार सेवा करके मरके पिच्छु उनको पिता-पुर्खाके सँग दाऊदके गाडी, और बाकी शरीर सणीगई । ³⁷पर जौनके परमेश्वर मरो से जिन्दा करी बाकि शरीर त न सणी । ³⁸“जहेमारे भैयाओ, तुमके पता होबए, कि जहे आदमीसे पाप-क्षमा होत है कहिके तुमरे ताहिं बताव गओ हए ।” ³⁹तुम विश्वास करन बारे बहे से सबै बातसे छुटकारा पाए हौ, जौन छुटकारा मोशाको व्यवस्थासे तुमरे ताहिं सम्भव न रहय ।⁴⁰जहेमारे होशियार रहबओ, नत अगमवक्तानकी किताबमे कही जे बात तुमरे उपर आए पणंगी: ⁴¹‘ए बदनाम करन बारेऔ, देखओ और अचम्मो मनओ, और नाश हुईजाओ, काहेकी तुमरे समयमे मए एक काम करझो, अइसो काम जौनके बारेमे कोइ बयान करदेहए फिर तुम कबहू विश्वास न करेहौ ।’⁴²“ पावल और बारनाबास सभाघरसे निकरके जान लागो तव आनबारो शबाथमे फिर जा बात सुनाए देओ कहिके आदमीन बिन्से बिन्ती करीं । ⁴³बैठक निभट्के बहुत यहूदी और यहूदी मत मनन बारे भक्ता पावल और बारनाबासके पिच्छु लागे, और बे बिनके संग मस्कत बिनके परमेश्वरको अनुग्रहमे रहनके ताहिं बिन्ति करिं।⁴⁴दुस्रो शबाथमे लगभग सबए सहेर परमेश्वरको वचन सुननके उलझपडे । ⁴⁵भीडके देखके, यहूदी दीकसे भरी गए और पावलकि कहि भड बातके नमानि और बिनको बदनामि करीं । ⁴⁶पर पावल और बारनाबास साहस करके कहिं, “परमेश्वरको वचन सबसे पहिले तुमके सुनान जरुरि रहए । तुम जाके इन्कार करके अपनएके अनन्त जीवनको योग्य नठाहिराएके हम अब अन्यजातिनके ठिन जएहंए ।” ⁴⁷काहेकी प्रभु हमके अइसो आज्ञा दै हए, पृथ्वीक औरो छोरतक मुक्ति पुगान मए तुमके अन्यजातिनके ताहिं ज्योति होन जिम्मा दव हंव ।”⁴⁸जब अन्यजाति जा बात सुनीं, बे खुशी भए, और परमेश्वरको वचनको प्रशंसा करीं, और अनन्त जीवनके ताहिं जित्तो जिम्मा पाएभए सब विश्वास करी । ⁴⁹प्रभुको वचन सब इलाका भर फैलगओ । ⁵⁰पर पावल और बारनाबासके बिरुद्धमे यहूदी भक्ता और जानन बुझन बारी बैयर और सहेरके मुखिया-मुखिया आदमीनके उक्साई, और उनके अपन साँधा सिमाना बाहिर कटए दै । ⁵¹पर बे त अपन टाँगको भुवा बिनके बिरुद्धमे झारके, आइकोनियनमे आए । ⁵²चेला आनन्दसे और पवित्र आत्मासे भरपूर हुइगए ।

Chapter 14

¹अब आइकोनियनमे बे एकए संग यहूदीनको सभाघरमे घुसके अइसे कहिं, कि यहूदी और ग्रीकके बहुत भारी दल विश्वास करी । ²पर विश्वास नाए करन बारे यहूदी त अन्यजातिनके भड़कएके भयनके बिरुद्धमे बिनकि मन बिगाड़िँ । ³प्रभुको भरोसामे साहससे मसकके बहुत समयतक पावल और बारनाबास हुवाँ रहे । प्रभु बिनके हातसे चिन्ह और अचम्मोके काम करवाएके अपन अनुग्रहको वचनको गवाही दै । ⁴पर सहेरके आदमीमे फुट हुइगओ, और कोइ यहूदी घेन और कोइ प्रेरित घेन लागे । ⁵अन्यजाति और यहूदी दोनए बिनके शासक के संग मिलके बिनके सतान और पत्थर मारन कोशिस करीं । ⁶बे जा बात कि पता पाइ गए, और लुकोनियाक सहेर लुस्त्र, डर्बी और आस पासके जिल्ला होतए भाजके गए, ⁷और हुवाँ बे सुसमाचार प्रचार करतए रहे । ⁸अब लुस्त्रा सहेरमे टाँग चलान नासकन बारो एक आदमी बैठो रहए । बो जन्माएको लगंडा रहए, और कबहू नाए नेंगि रहए । ⁹पावल मस्कत बो सुनत रहए । पावल बोके एक नजरलगएके देखी, और अच्छो होनबारो बाको विश्वास हए करके देखके । ¹⁰बड़ो जोडसे चिल्लाएके कहि, "तेरो टाँगके भरमे सिधा ठाण ।" औ बो तुरन्त उठी गओ और नेगन लागो । ¹¹जब पावलको करोभव जा काम भीड देखी, तब बे लुकोनियाके भाषामे जोडसे चिल्लाएके अइसे कहिं, "देवता आदमीके रुपमे हमर ठिन उतरके आए हंए ।" ¹²बे बारनाबासके जिउस देवता और पावलके हमसे देवता कहान लागे, काहेकी जे त मुखिया वक्ता रहए । ¹³सहेर अगु भव जिउसको मन्दिरको पुजारी मूल फाटकमे बर्धा और फुलाको माला लैके हुवाँ आदमिनसे मिलके बलि-पुजा करन इच्छा करी । ¹⁴पर जब प्रेरित, बारनाबास और पावल जा बात सुनीं तब बे अपनो कुर्ता फारके अइसे कहातए चिल्लाएके आदमीनके बीचमे दौड़तए गए और कहिं, ¹⁵"आदमिओ, तुम काहे अइसो काम करत होँ? हम फिर त तुमहि कता दुःख-सुख भोगन बारे आदमी हंए, और तुमके जे बेकारकि बातसे जिन्दा परमेश्वर घेन घुमन ताहिं सुसमाचार सुनात हंए, जौन परमेश्वर स्वर्ग, पृथ्वी, समुन्द्र और बिनमे भए सब चीज बनाइ हए । ¹⁶बा अगु बितेभए पुस्तामे सब जातिनके अपनि-अपनि रीतिअनुसार चलन दै । ¹⁷तहु फिर बा अपनएके गवाही बिना नाए छोडी, काहेकी बा भलो करके तुमके स्वर्गसे पानीको वर्खा और फलवन्त ऋतु दै हए और तुमरो हृदयके भोजन और आनन्दसे सन्तुष्ट करी हए ।" ¹⁸जे बात कहिके बे मुस्किलसे बिनके बलि-पुजा चढानसे बे आदमिनके रोकीं । ¹⁹पर कोइ-कोइ यहूदी एन्टिओखिया और आइकोनियनसे हुवाँ आए पुगे, और भीडके फुल्साएके पावलके पत्थरसे मारिं, और बो मरगव हुइहए करके सहेरसे बाहिर कढ़ेरत लैगए । ²⁰पर जब चेला बिनके आसपास ठाणके बिनके उठाई, और सहेर भितर घुसे, और कल बारनाबास संग निकरके डर्बीमे चलेगए । ²¹बे बा सहेरमे सुसमाचार प्रचार करके बहुत चेला बनाई, और बे लुस्त्रा, आइकोनियन और एन्टिओखियामे घुमे, ²²चेलनको आत्माके तगड़ो करतए बिनके विश्वासमे बनेरहान ज्ञान दै, और बहुत कष्ट सहेके हम परमेश्वरको राज्यमे प्रवेश करन पणत हए कहिके बिनसे कहिं । ²³जब बे उनको सब मण्डलीमे एल्डरको जिम्मा दै, तब प्रार्थना और उपवास सहित बे अपनए विश्वास करके प्रभुको जिम्मामे उनके सौंप दै । ²⁴तब पिच्छु बे पिसिदियासे हुइके पामफिलियामे आए । ²⁵पगामे वचन प्रचार करके बे अटालियामे उतरे । ²⁶औ हुवाँ से बे समुन्दरको मैजल करके एन्टिओखियामे गए, जहाँ बे पुरा करो भव कामके ताहिं परमेश्वरके अनुग्रहमे बिनके सौंपि रहंए । ²⁷जब बे एन्टिओखिया आएपुगे, तब मण्डलीके इकट्ठा करीं, और परमेश्वर बिनके संगमे करोभव सब कामको बयान करीं, और कैसे बा अन्यजातिनके ताहिं विश्वासको फाटक खोलदै सो सुनाई । ²⁸बे हुवाँ चेलनसंग बहुत दिनतक बैठे ।

Chapter 15

¹"अब कोई आदमी यहूदीसे एन्टिओखियामे आपके भैयनके अइसो शिक्षा देन लागे, "तुम मोसाके रिति अनुसार खतना नाभव तव तुमर उद्धार नाए हुइ हए।"

²तव पावल और बारनाबासको बिनके संग बहुत मतभेद और वाद-विवाद हुइके पिच्छु, हुवाँ के भैया पावल और बारनाबास और कित्तो आदमिनके जा प्रश्नाको फैसलाके ताहिँ प्रेरित और एल्डर ठिन यरुशलेम जान ताहिँ जिम्मा दें।³मण्डलीक सदस्य बिनके हुवाँ से बिदा दें। बे फोनिके और सामरियासे हुइके जात अन्यजात प्रभुके ग्रहण करि भइ बात उनके अच्छेसे सुनाइ। जा खबर से हुँवाके ददाभैया गजब खुशी भए।⁴जब वे यरुशलेम आए पुगे, तव बिनके मण्डली, प्रेरित और एल्डर आदरभाव करी। परमेश्वर बिनके सँग करी सब बात खोलके वे बताई।⁵तव फरिसी दलके कित्तो विश्वास करन बारे ठाणके कहिँ, "अन्याजतिनके खतना होन और बिनके मोशाको व्यवस्था पालन करन आज्ञा देन जरुरि हए।" "जा बारेमे सोच-विचार करन ताहिँ प्रेरित और एल्डर ईकट्ठा भए।"⁷"बहुत कहासुनि चलतपेति पत्रुस ठाणके उनसे कहिँ " भइया रेओ, तुम के पता हए, सुरुके दिनमे कैसे परमेश्वर मिर मुहसे अन्याजाती सुसमाचार को वचन सुनए और विश्वास करए करके तुमर बिच मैसे मोके चुनि हए।⁸हृदयकी बात जाननबारे परमेश्वर बिनके फिर हमर हानी पवित्र आत्मा दैके उनके ग्रहण करी बात दिखाई।⁹बा बिनके और हमर विचमे कोई भेदभाव ना रखाइ पर बिनको हृदय विश्वास से शुद्द बनाइ।¹⁰जहेमारे चेलाको कँधामे जा जुवा धरके काहे परमेश्वरको परिक्षा करत हव? जा जुवा ना ता हमर पितापुर्खा बोकीं और ना हम बोक पाए हए।¹¹पर हम विश्वास करत हए की प्रभु येशूको अनुग्रहसे हम उद्धार पाए हए जैसी बे फिर पाई हए।"¹²तव बैठकमे सब चुप बैठे, और अन्याजातिनके बिचमे परमेश्वर बिनके विच चिन्ह और अच्मेको काम करी रहए बक बयान बारनाबास और पावल करी। बे जा बयाना सुनी।¹³"बे मसक के पिच्छु याकूब अइसो कहिँ, " भैया रेओ, मिर बात सुनौ, " ¹⁴परमेश्वर अपने नाउँके ताहिँ अन्याजातिनसे एक जाति छौटन कृपा करी बात सिमोन बताई रहए।¹⁵जहे बातसे अगमवक्ताक वचन फिर मिलत हए, जैसो लिखो हए,¹⁶जे बात पिच्छु मै फिर लौटझो, और दाउदको उजणो घर फिर बनामंगो, बाको रहोबचो मै फिर बनए हँ, और बाके फिर ठणबामंगो,¹⁷और बाँकि आदमी प्रभुके ढुँणसकए, और सबए अन्याजाति फिर, जौन मिर नाउँ से बुलाए भए हँए,¹⁸जा बात परमप्रभु कहत हए, जौन पुरानो समयसे जे बात बताइ हए, जौन सृष्टिको सुरुवातसे पता रहए।¹⁹"जहेमारे मिर फैसला जा हए, की परमेश्वर के घेन लौटनबारे अन्याजातिनके हम दुःख ना देमए,²⁰पर बिनके जा बातलिख देमए, की बे मुर्तिपुजाके अशुद्धतासे अलग रहए, व्यविचारसे अमेठ के मारो भव पशुको बुट्टी और रगतसे अलग रहए।²¹काहेकि पुस्तोसे सहरे पिच्छु मोशाको व्यवस्थाके प्रचार होत आओ हए, काहेकि जा सब सभाघरमे और सबए शबाथमे पढत हए।"²²तव प्रेरित, एल्डर और सबए मण्डलीसे मिलके अपन बीचसे कित्तो आदमिनके, चुनके पावल और बारनाबास सँग एन्टिओखियामे पठान अच्छो मानि, और भैयान मैसे मुखिया आदमिनके यहूदा कहान बारो बारसाबास और सिलाशके चुनी²³और उनके संगमे बे जा पत्र पठाई: एन्टिओखिया, सिरिया और किलिकियामे रहन वाले अन्याजाति विश्वास भैयानके प्रेरित और एल्डर को नमस्कार।²⁴हम सुने हँ, की हमर विचके कोई-कोइ हमर आदेश बिना तुमर मन अस्थिर बनएके तुमके तमान बातसे दुःख दें हँए।²⁵जहेमारे हम सबको सर्व सहमति से करो निर्णय अनुसार कित्तो आदमीनके चुनके बिनके हमर प्रिय बारनाबास और पावलके संगमे तुमरे ठिन पठान हमके ठिक लागो।²⁶जे आदमी अइसे हए, जो हमर प्रभु येशू ख्रीष्टके ताहि अपन ज्यान अफत मे डारी हँए।²⁷जहेमारे हम यहूदा और सिलासके पठए हए। बे फिर बहे बात मुहसे बतए हँए।²⁸काहेकि पवित्र आत्मा और हमके जा ठिक लागो, की जे जरुरि बातसे अलावा और जद्धी बोझ तुमके ना बोकए हए।²⁹"तुम मुर्तिको बलि चढओ भव चिझ, रगत, घेत अमेठके मारो भव पशुको बुट्टी और व्याविचार से अलग रहिओ। जे बातसे अलग रहाईगे तव अच्छो होबैगो। बिदा।"³⁰बिदाबारी भव तव बे एन्टिओखियामे आए, और समाजके एक साथ जमा करके बो पत्र दै रहए।³¹पत्रमे लिखो भव ज्ञानकी बात पढ़के बे खुशी भए।³²यहूदा और सिलाश अपनए फिर अगमवक्ता रहए बहेमारे भैयानके और जद्धा वचनसे ज्ञान दैके बिनके तगडो करी।³³जे थोरी दिन हुवाँ बिताईके पिच्छु, हुवाँके भैया जिनके पठान बारेनके खुशीके साथ बिदा दैके पठाई।³⁴पर सिलाश के हुवाँ बैठन ठीक लागो।³⁵पावल और बारनाबास त शिक्षा देतए और प्रभुको वचन प्रचार करत और बहुत आदमीके सँग एन्टिओखियामे बैठे।³⁶कुछ दिन पिच्छु पावल बारनाबास से कहिँ, " आबौ जौन जौन सहरमे प्रभुको वचन हम प्रचार करे रहए बे सहरमे घुमके जाइके भैयानके भेट करए और बे कैसे हए देखए।" ³⁷बारनाबास मर्कुस कहान बारे यहून्नाके उनके संगमे लैजान ईच्छा करी।³⁸पर पावल मर्कुसके संगमे लैजान ठीक ना मानी, काहेकी बो पामफिलियासे बिनके सँग छुटके गओ रहए, और बिनके संगमे काममे ना गव रहए।³⁹उनके बिचमे इतनो बणो मनमुटाव भव, कि बे एक दुसरेसे छुटिगए, और बारनाबास मर्कुसके संगमे लैके साइप्रस घेन गओ।⁴⁰पर पावल सिलासके चुनी, और भैयनसे परमेश्वरको अनुग्रहमे सौंपके बिदा भए।⁴¹मण्डलीनके तगडो बनातए बे सरिया और किलिकिया भ्रमण करी।

Chapter 16

¹पावल डर्बी और लुस्त्रामे फिर आओ। हुवाँ तिमोथी नाउँ भव एक जनै चेला रहए। वो एक विश्वासि यहूदी बैयरको लौणा रहए, पर बाको दौवा ग्रीक रहए।
²लुस्त्रा और आइकोनियनके भैयामे बाको नाउँ चलो रहए।³बाके पावल सँग लैजान इच्छा करी। बे ठाउँमे रहनबारे यहूदीयानके कारणसे पावल बाके लैजाएके खतना करी। काहेकि बाको दौवा ग्रीक हए कहिके बिनके सबके पता रहए।⁴अब बे सहेरके डगर हुइके जात बिनके यरुशलेमके प्रेरित और एल्डर करो निर्णय बिनके पालन करन कहिके सुनाए दै।⁵अइसी मण्डली विश्वासमे मजबुत होत और संख्यामे रोजदिन बढ़तैगए।⁶पवित्र आत्मासे एशियामे वचन प्रचार करन मनाही भव बे फ्रिगीया और गलातियाके इलाका हुइके गए।⁷माइसियाको सिमानामे आएके पिच्छु बे बिथिनियाघेन जान विचार करी। पर येशूक आत्मा बिनके ना जान दै।⁸तव माइसिया हुइके बे त्रोआसमे गए।⁹रातके पावल एक दर्शन पाई- माकेडोनियाक एक आदमि ठाणके बासे बिन्ति करत रहए, "माकेडोनिया आबौ, और हमके सहेता करौ।" ¹⁰जब बा जा दर्शन पाई, तुरन्तै हम माकेडोनिया जान तयार हुइगए। हम जा पक्का करे कि बिनके सुसमाचार प्रचार करन परमेश्वर हमके बुलाई रहए।¹¹तव हम त्रोआससे जहाजमे चढके सुधे सामोत्राघेन गए, और कल नियापोलिसमे आएपुगे, ¹²और हुवाँ से फिलिप्पीमे आएपुगे, जौन माकेडोनियाको प्रमुख सहेर और रोमी उपनिवेश फिर हए। हम बा सहेरमे कुछ दिन बैठे।¹³अब शबाथमे सहेरके फाट्कसे बाहिर नदीयक किनारामे गए, काहेकी हुवाँ प्रार्थना करन ठाउँ हए कहिके हम अनुमान लगए रहए, और हुवाँ हम बैठे और जम्मा भई बैयरसँग बातचीत करन लागे।¹⁴तव थिआटीरा सहेरकी बैठनबारी, सुरमाहो (बैजनी) लत्ताकी व्यापार करन लिडिया नाउँकी एक ईश्वर भक्तानिया हमर वचन सुनी। पावल मस्कि बात ध्यानसे सुनै कहिके प्रभु बाकी हृदय खोलदै।¹⁵"जब बक और बक घरके सबैके बत्तिस्मा भव, तव बा हमके बिन्ती करी, " अगर तुम मोके प्रभुकी विश्वास योग्य मान्त हौ कहेसे मिर घरमे आएके बैठौ। " और बा हमके कर लगा¹⁶" जब हम प्रार्थना करन ठाउँमे जात रहएँ, तब जादुगर करनबारी आत्मा भै एक कमैया लौणियासे हमरो भेट भव, जो तन्तर मन्तर करके बक मालिकके ताहीं गजब कमाई करत रहए। ¹⁷"बा पावल और हमर पिच्छु-पिच्छु लागी, और अइसो कहात् चिल्लाई, "जे आदमी सर्वोच्च परमेश्वरके सेवक हएँ | जे तुमर ताहिं मुक्तिको डगर बतात हएँ। " ¹⁸"बा बहुत दिनतक अइसी करत रही | तव पावल खारुवाहाएके फन्न से घुम के बा दुष्टआत्मा से कही, "येशु खीष्टके नाउँमे मए तोके बासे निकरन आज्ञा देत हौ। " तव बा दुष्टत्मा बहे घणी निकर गव।¹⁹" पर बक मालिक बिनकी कमाइको आशा खतम भव देखके पावल और सिलासके पकणके बाजरके चौराहोमे शासक ठीन तानत लैगए।²⁰"तव बिनके सहेरके हाकिम ठीन लाएके कहीं, " जे आदमी यहूदी हएँ, जे हमर सहेरमे गोलमाल मचात हएँ। " ²¹"जे आईसे आईसे रितिरिवाज सिकत हएँ जौन हम रोमीके ग्रहण करन औ पालन करन ठीक न हए।"²²" तव भीण मिलके बिनके झपटन लगे। सहेरके हाकिम बिनको लत्ता चिरके फेंकदैं, और बिनके छणी लगान हुकम दैं।²³बे बिनके बहुत छणी लगाएके बिनके झेल मे डारदैं, और झेलके हाकिम से जे कैदीनके कररो निगरानीमे धरनके हुकम दैं। ²⁴अइसो हुकम पाएके बे बिनके झेलके भितर भागमे लैजाएके बिनके टाङ्गे कट्टा ठाँकके धरदै।²⁵पर आधीरातमे पावल और सिलास प्रार्थना करतै परमेश्वरको भजन गात रहएँ, और कैदी सो सुनत रहएँ।²⁶तव एकबरी एक बणो हालाचाला गाव, और झेलको जग हालिगए, और तुरन्त सब फाटक खुले, और सबके बन्धन टुटगए।²⁷झेलके हाकिम निंधसे जग गव, और झेलके फाटक खुले देखके कैदी सबय भाजगए सोचके बा अपन हत्या करन विचार से अपन तरवार निकारी।²⁸"पर पावल जोडसे चिल्लाइके कहि तुम अपने आपके कछु नोक्सनी मत करौ, काहेकि हम सब हिनै हैं। "²⁹" तव दिया माँगके उनके ठीन कुदत् भितर आओ और डरसे थरथरात पावल और सिलासके अगु घुट्टा पणिगौ।
³⁰"बिनके बाहिर लाएके उनसे कहि, "उध्दार पानके ताहिं मोके का करन पणैगो ? " ³¹और बे कहिं, "प्रभु येशु खीष्टमे विश्वास करऔ, और तुम उध्दार पाबैगे- तुम और तुमर परिवार। "³²" बे उनके और उनके घर मे भए जित्तो सबैके प्रभुको वचन ³³सुनाई। तव रात के बहे समय बे उनके लैजाएके दुखौनो धोई दै। और बा और बिनको परिवार तुरन्त बत्तिस्मा लैं। ³⁴तव पिच्छु बिनके घरमे लाएके बिनके अगु खानु धरिदैं, और परमेश्वरमे विश्वास करलै कहिके उनको पुरो परिवारसँग बे आनन्द भए।³⁵"जब उजियारो भव तव सहेरके सब हकीम सिपाहिनके जा आदेश दै के पठाई, " बे आदिमिनके छोड देओ। "³⁶"तव झेलको हाकिम पावलके जा बात सुनाई, सहेरके हाकिम तुमके छोडन को आदेश दै हए। जहेमारे अब निकरके शान्ति से जाओ। "³⁷" पर पावल बिनसे कहि, हम रोमी नागरिकके दोषी न ठहराएके बे आदमिनके अगु पीटीं और झेलमे फिर डारिं, और अब हमके चुप्पएसे निकारन सोचत हओ ? जा न हुइहए। बे अपनाए आमै और हमके निकार के लैजामए। "³⁸बे सिपाही हाकिमन के जे बात सुनाई। बे ता रोम के बासिन्दा हएँ कहिके सुनके बे डराइ गए।³⁹बे आएके उनसे क्षमा मार्गीं, और उनके बाहिर लैगए, और सहेर छोडके जानके बिन्ती करीं।⁴⁰बे झेलसे बाहिर निकरके लिडियाके घरमे गए, भैयानसे भेटघाट करके और उनके हौसला दैके बिदा भए।

Chapter 17

¹पावल और सिलास अम्फिपोलिस और अपोल्लोनियाक डगर हुइके थेसलोनिकेमे आए । हुवाँ यहूदीको एक सभाघर रहए । ²पावल अपन आदत अनुसार बिनके ठिन भितर गओ, और तीन हप्ता सम धर्मशास्त्रसे बिनसे बादबिबाद करतए रहो । ³"ख्रीष्टके नेहत्तए दुःख भोगन और मरके जिन्दा होन पड़तो, और जहे येशू, जौनको सुसमाचार मए तुमके सुनात हौं बहे ख्रीष्ट हए कहान बारी बातको अर्थ खोलके बो प्रमाणित करदे । " "बिनमैसे कित्तो जनै विश्वास करके पावल और सिलाश घेन लागे । बहुत बडि भीड ईश्वर भक्ता ग्रीक और कित्तो मुखनीया बैयर फिर लागि रहए । ⁵पर दिक्से भरके यहूदी सहेरके बदमासनके जम्मा करके हुल उठाएके सहेरमे खौलभौल मचान लागे, तव यासोनको घरमे लडाइ करके पावल और सिलाशके जनताके अगु लान सीचिँ । ⁶बिनके फेला ना पारके, बे यासोन और कोइ-कोइ भैयनके सहेरके शासक ठिन अइसे कहात बरबारत घसिटके लाई, "संसारके लौटपौट करन बारे जे आदमी हियाँ फिर आइगए हँए । ⁷बे यासोनके पहुँचा भए हएँ, और बे सबए येशू कहान बारो एक जनै दुस्रोवय राजा हए कहिके कैसरके हुकुमके बिरुद्धमे काम करत हएँ । ⁸" जा बात सुनके आदमी और सहेरके शासक घबडाए गए । ⁹बे यासोन और बिनके संग भए बचे आदमीसे धरौटी लैके बिनके छोडदैं ¹⁰भैया तुरन्तए पावल और सिलाशके रातए के बिरियामे पठाए दैं रहए, और जब बे हुवाँ पुगे तब बे यहूदीनके सभाघर भितर गए । ¹¹हियाँ के यहूदी थेसलोनिके से जद्धा अच्छे रहए । काहेकी बे पुरा उत्सुकतासे वचन ग्रहण करीं, और बे बात ठीक हँए कि ना कहिके रोजदिन धर्मशास्त्रसे छानबीन करत रहएँ । ¹²काहेकी जिन मैसे बेढम, संगए गजब जनै उचे घरानाके ग्रीक बैयर और लोग सबए विश्वास करीं । ¹³पर जब परमेश्वरको वचन पावलसे बेरियामे फिर प्रचार होत हए कहिके थेसलोनिके यहूदी पता पाई, तब बे हुवाँ फिर भीडके उचान और दबान आए पुगे । ¹⁴तव भैया तुरन्त पावलके समुन्द्र घेन पठाए दैं । पर सिलाश और तिमोथी त हुवाँ बैठे । ¹⁵पावलके पुगन जान बारे बिनके एथेन्सतक लाई । सिलाश और तिमोथी त जित्तो जल्दी बिनके ठिन आन पड़हए करके आज्ञा पाएके बे घुमिगए । ¹⁶पावल बिनके एथेन्समे असियात रहएँ, बो सहेरमे मूर्ति मूर्तिसे भरो देखके बाको आत्मा बाके भितर व्याकुल हुइगव । ¹⁷जहेमारे बो यहूदी और ईश्वर भक्त जनै संग बैठकघरमे, और भेट भए सबएसंग सहेरमे रोजदिन बादबिबाद करत रहए । ¹⁸"इपिक्युरी और स्तोइकी दर्शन देखन बारे मैसे फिर कित्तो बिनके संग बाद बिबाद करी । बे कित्तो कहिँ, "जा गबगबान बारो(गफाडी) का कहात हए?" और कहिँ, "और कोइ बिदेशी देबतनको प्रचार करन जैसो दिखात हए ।" काहेकी बो येशू और मरके जिन्दा होनबारो बातको प्रचार करत रहए । ¹⁹तब बे बोके अरियोपागसमे लैगए और पुछी, "तुमर दओ भव जा नयाँ शिक्षा का हए, का हम जान पाए हँए? ²⁰काहेकी तुम हमर कानमे अचम्भो बारी बात सुनत हौं । जहेमारे जा बातको मतलब का हए सो हम जानन चाँहत हँए ।" ²¹सब एथेन्सबासी और हुवाँ बैठन बारे बिदेशी नयाँ-नयाँ बात कहान और सुनन बाहेक अपनो समय कोइ बातमे ना बितात रहए । ²²पावल अरियोपागसके बीचमे ठाणके कहि, "एथेन्सके आदमी रेओ, तुमके मए सब बातमे बहुत धर्मात्मा देखतहौ, ²³काहेकी घुमफिर करत तुमरे पुजन बारी चीज मए देखो । मए एक अइसो बेदी फिर पाओ जौनमे "ना जानन बारो देवताके ताहिँ लिखो हए । जहेमारे जौनके तुम ना जानके पुजतहौ उनके मए तुमर बीचमे बतात हंव ।" ²⁴" परमेश्वर, जौन संसार और बामे भए सबए चीज बनाइ हए, बा स्वर्ग और पृथ्वीको प्रभु होनके कारणसे हातसे बनाइ भइ मन्दिरमे ना बैठत हए, " ²⁵बाके कोइ चीजको जरूरत पणो जैसो करके आदमीक हातसे बाको सेवा होन पणौगो करके मतसुचीओ । काहेकी बा सबके जीवन, सास और सब चीज देत हए । ²⁶बा एक जनीसे जम्मए पृथ्वीमे बास करन बारो आदमीनके हरेक जाति बनाइ हए । बिनको बैठन बारो समय और सिमाना फिर तोक दैहए, ²⁷बे परमेश्वरके दुणए, साइत बे टपटोरके पए हँए कि कहिके आसरामे अइसो करी । तहुँ फिर हम कोइसे दुर ना हए । ²⁸काहेकी "हम बामे जीत हँए, और बामे चहल पहल करत हँए, और बामे हमरो अस्तित्व हए ।" तुमरे अपने कबि फिर कहिँ हँए, 'हम नेहत्व बाके सन्तान हँए ।" ²⁹तव हम परमेश्वरके सन्तान होनके कारणसे परमेश्वर सोनो, चाँदी और पत्थर जैसो हए कहिके हमके ना मानन पणत हए । जे त आदमीनको कला और कल्पनाको प्रतिरुप इकल्लो हँए । ³⁰अइसो अज्ञानताके समयके परमेश्वर ध्यान ना दै, पर अब सबए ठाउँमे सब आदमीके पश्चताप करनके आज्ञा दैहए । ³¹काहेकी बा एक दिन तोक दैहए, जौन दिन बा अपनए नियुक्त करो भव एक जनै आदमीसे धर्मिकतामे संसारको न्याय करैगो । बाके मरोसे जिन्दा करन बारो बा सब आदमीनके जाको प्रमाण दैहए ।" ³²" "जब बे मरोसे जिन्दा होन बारेमे सुनी, तव कोइ-कोइ खिल्लि उडाई, पर औरै त "हम फिर जा बारेमे तुमर बात सुनंगे" कहिँ ।" ³³तव पिच्छु पावल बिनके बीचसे गैभव । ³⁴तव कोइ आदमी बो संग लागे, और विश्वास करीं । बिनमैसे अरियोपागसको डियनुसियस, दामारिस नाउँ भइ एक बैयर और और दुसरे फिर रहएँ ।

Chapter 18

¹तव पिच्छु बो एथेन्ससे बिदा हुइके कोरिन्थमे गओ। ²बो पोन्टस-बासिन्दा अकिलास नाउँ भव एक जनि यहूदिके भेटि। बो अपनी बैयर प्रिसिक्ला संग इटालियासे आओ रहए, काहेकी राजा क्लौडियस सबए यहूदीनके रोमसे निकर जान आज्ञा दै रहए। पावल उनसे भेटन गओ। ³एकए काम होनसे बे फिर उनके संग बैठे, और काम करी। काहेकी उनको काम पाल बनान बारो रहए। ⁴हरेक शबाथमे बे बैठकघरमे बादबिबाद करत रहए, और यहूदि और ग्रीकनके बुझान कोसिस करत रहए। ⁵जब सिलाश और तिमोथी माकेडोनियासे आए पुगे, पावल वचनको प्रचारमे व्यस्त रहए, और यहूदीनके येशूवय खीष्ट हए करके बिनके ज्ञान देत रहए। ⁶पर जब बे बिरोध करके निन्दा करन लागे, तव बे अपनो कपडा झटकिरके उनसे कहिँ, “तुमरो रगत तुमरि मुणम पडए मए निर्दोस हौँ। अब मए अन्यजातिनके ठिन जए हौँ।” ⁷“तव बे हुवाँ से परमेश्वरको भक्ति करन बारो तीतस युस्तस नाउँ भव आदमीक घरमे गए। बाको घर बैठकघरके ढिगै रहए।” ⁸सभाघरको शासक क्रिस्पस सबए परिवार प्रभुमे विश्वास करी। और कोरिन्थी मैसे फिर बेढम पावलको वचन सुनके विश्वास करी, और बप्तिस्मा लै। ⁹एक रात दर्शनमे प्रभु पावलसे कहि, “मत डराए, पर मस्कतए जा, और चुप मत लगाए, ¹⁰काहेकी मए तिर संग हौँ। और कोइ फिर तोके पकडके कुछ हानि ना कर पए हए, काहेकी जा सहेरमे मिर बहुत आदमी हँए।” ¹¹औ परमेश्वरको वचन सिखातए पावल एक वर्ष छए महिनातक बिनके संग बैठो। ¹²जब गलियोन अखैयाक शासक भव तव यहूदी एक मत हुइके पावलके पकड़िँ, और बिनके अदालतमे लाई, ¹³और अइसे कहिँ “जा आदमी व्यवस्थाके बिरुध्द परमेश्वरको आराधना करनके आदमीनके सिखात हए।” ¹⁴जब पावल बोलन लागो रहए, तव गलियोन बे यहूदीनसे कहि, “यहूदी रेओ, अगर नेह्त्व जा कोइ अन्याय अथबा दुष्ट अपराधको बात हए तव मए तुमरी बात सुनन ठीक हुइतो।” ¹⁵पर शब्द, नाउँ और तुमर अपनो व्यवस्थाको सवाल भव के कारण तुम अपनए बिचार करओ। मए अइसो बातको न्याय ना करहौँ।” ¹⁶और बा बिनके अदालतसे भजाए दै। ¹⁷तव बे सब सभाघरके शासक सोस्थेनेसके पकणके अदालतके अगु मारी, पर गलियोन बो बातकी कोइ वास्ता ना करी। ¹⁸तव पिच्छु पावल बहुत दिनतक हुवाँ बैठो। तव भैयन से बिदा हुइके बा जहाजमे सिरिया गओ। बाके संग प्रिस्किला और अकिलास फिर रहए। कोइ मनाओ भव करारमे बो किंकियामे अपनो बार छुलबाई। ¹⁹बे एफिससमे आए पुगे, और पावल बिनके हुवाँ छोडके, और अपना त एक सभाघरमे घुसके यहूदीनसे बात बिबाद करन लागो। ²⁰तव बे बाके और कुछ दिन बैठनके बिन्ती करी पर बा बिनके मनाही करी। ²¹बिनसे बिदा होत बे कहिँ, “परमेश्वरको इच्छा हुइहए मए फिरके तुमरे ठिन घुमके आए हौँ।” तव बो जहाज चढके एफिसस हुइके गओ। ²²जब बे कैसरियामे उतरे तव उपर चढके मण्डलीके भेटघट करी अभिबादन करके एन्टिओखियामे उतरे। ²³बा हुवाँ कुछ दिन बिताएके हुवाँसे निकरके गलातिया और फ्रिगीयाको इलाका हुइके सब चलनके हौसला देत अलग अलग ठाउँमे गओ। ²⁴अलेक्जेंड्रिया- निवासी अपोल्लोस नाउँको एक जनी यहूदी एफिससमे आओ। बो एक अच्छो वक्ता और धर्मशास्त्रमे प्रख्यात(पोक्त) रहए। ²⁵बा प्रभुको मार्गको शिक्षा पाई रहए, और आत्मामे उत्साहित हुइके बा येशूके बारेमे ठीक ठीकसे बोलत और सिखात रहए। और बा यहून्नाको बप्तिस्मा इकल्लो जानी रहए। ²⁶बा सभाघरमे साहससे मस्कन लागो। पर बिनको बात सुनके प्रिस्किला और अकिलास बाके अपन घरमे लाई और परमेश्वरको डगरको अर्थ और अच्छे से प्रष्टसे समझाए दै। ²⁷बा अखैयामे जानके मन कर्त भैयनके बिनके ठिन जानके हौसला दै और बिनके सुईकार करके हुवाँक चलनके उत्साह दैके पत्र लिखि। बे हुवाँ पुगे अनुग्रहसे विश्वास करन बारेनके बहुत सहेता करी। ²⁸काहेकी बो धर्मशास्त्रको वचनसे येशू खीष्ट हए करके बात देखाएके यहूदीनके सबके सामने कतै उत्तर ना आनबारो बनाए दै।

Chapter 19

¹अपोल्लोस कोरिन्थिमे रहए तव पावल भितारको इलाकासे एफिससमे आओ । हुवाँ बा एक आद चेलानके पाई । ²"बो उनसे कहि, "तुम विश्वास करे का तुम पवित्रा आत्मा पाए? बे बासे कहिँ, पवित्रा आत्मा होत हए कहिके बा हम सुने फिर ना हँए ।" ³"औ बा उनसे कहिँ तव तुम सब कैसो बप्तिस्मा लए ?" ⁴"तव पावल कहि, "यहुन्नासे दओ भव बप्तिस्मा ता पश्चतापको बप्तिस्मा रहए । बा पच्छु आनबरे आदमी और येशूमे विश्वास करिओ कहिके बा आदमिनके बतात रहए ।" ⁵जब बात सुनके बे प्रभु येशूके नाउमे बप्तिस्मा लैं । ⁶जब पावल उनके ऊपर हाँथ धरी, तव पवित्रा आत्मा उनके उपर आओ, तव बे अन्य भाषामे मास्की और अगमवाणी करी । ⁷बे लगभग बाह्र आदमी रहँए । ⁸पावल साभाघरमे घुसके तिन महिना तक परमेश्वारको राज्याके बारेमे उनके सँग सहससे बादबिबाद करी और आदमिनके समझात रहो । ⁹पर जब कोइ-कोइ ठिठ हुइके विश्वास नाकारी, और जा समाजके बारेमे हुइके झुणके अगु मसकन लगे, तव पावल बिनसे अलग हुइ गओ, और चेलाके संगमे लैजाएके तुरान्नसको स्कुलमे बादबिबाद करन लगे । ¹⁰जा काम दुई साल तक चलत रहो, ओर एशियाके सबए बसिन्दा यहूदी और ग्रीक दोनौ प्रभुको वचन सुनी । ¹¹परमेश्वार पावलको हाथसे अचम्मेको अघटो काम करी । ¹²हिँया तक की गस्ती या पिछौडा बाकि शरीरमे छुबाइके बेमार आदमिन ठिन लैजात रहँए, और पर उनकी शरीरसे रोग निकर जात रहै और दुष्टात्मा फिर निकर जात रहँए । ¹³पर एकआद इतै उतै घुमघाम कारन बाले यहूदी झारफुक बाले भुतात्मा लगे भैनके प्रभु येशूको नाउ लेतए अइसो कहि, पावल प्रचार करो भौ येशूके नामसे मै तोके आज्ञा देत हँ । ¹⁴हुँवा एक आदमी स्केवास नाउ भव यहूदी प्रधान पुजहरिको सात लौंडा ऐसो करत रहै । ¹⁵"तव भुतात्मा जवाफ दैके उनसेकही, " येशूके मै चीनत हौ, और पावाल्के फिर मै चिन्थौ, पर तुम कौन हौ ।" ¹⁶बा भुतात्मा भौ आदमी बिनके घेन कुदत आओ, और बा सबके बसमे करके उनके झपटीं और बे बा घरसे नङ्गे और घायल हुईके भाजगए । ¹⁷जा बात एफिसस-निवासी, यहूदी और ग्रीकमे पता चल गओ । और बे सबके उपर डर छाड़गौ, और प्रभु येशूको नाउँको प्रशंसा भव । ¹⁸विश्वास करे भए तमान आदमि आए, और बे करो भौ अपन-अपन गलत कामके स्वीकर करके बे दिखाई । ¹⁹बे मैसे तमान आदमी, जौन जौन तन्तरमन्तर करत रहँ, और अपन अपन किताब बटोर लाइ, और सब के अगु डुंग दई, बे उनके मोल करी ता पचास हजार चाँदीको सिक्काको हिसाब लागो । ²⁰अइसीए प्रभुको वचन फैलत गव और प्रभावकारी भओ । ²¹"जा घटना पच्छु, पवित्रा आत्माको प्रेरणामे पावल अखैयाक डगर हुइके यरुशलेम जान निर्णय करी । बा कहि, "हुआ पुगके मोके रोम जानए पणैगो" ²²बाको सेवा करन बाले दुई आदमी, तिमोथी और इरसतसके वो माकेडोनियामे पठाई, पर बो अपना थोरी दिन एशियामे रहो । ²³बहे बखत जा डगरको विषयमे खुब हलचल मचो । ²⁴काहेकी डेमेत्रियस नाउँको एक आदमी चाँदीक कारीगर अर्तिमिस देविक चाँदीक छोटी छोटी मन्दिर बनाइके कारिगरके गजब काम दिबात रहँ । ²⁵"तव उनके और ऐसी काम कारन बालेके बो एकठ्ठा करके बो कहि, "भईया रेओ, तुमके पता है की जहए कामसे हमर अच्छी कमाइ होतहए ।" ²⁶तुम देख रहे हौ और सुन रहे हौ, की एफिससमे इकल्लो नाए पर लगभग पुरो एशियामे हाथसे बनाए भए देवीदेवता कछु ना हँ कहिके पावल तामान आदमिक भिडके फुलसाएके बहकाइके लैगओ । ²⁷तहि मारे हमर कामको बढाई नाश इकल्लो नाए पर महान देवि आर्तेमिसको मन्दिर फिर बेकार हुइ है, और सारा एशिया और संसार मानत आओ देवी अपन गौरवसे पतन हुई जाबैगी । ²⁸जा सुनके बे गुस्सासे भरगए, "एफिसिकी आर्तेमिस महान है ।" कहिके चिल्लान लागे ।" ²⁹सब सहेरमे होहल्ला हुइगव और बे एक जुट हुइके पावलके सहयात्री माकेडोनिया बासि गयस और अरिस्तार्खसके पकड़के रङ्गशालाक भितर कढेरत लैगए । ³⁰पावल आदमिन के भीड मे जान मन् करी, पर चेला बाके जान ना दें । ³¹एशियाके तमान मुखिया आदमी पावलके मित रहँ । बे पावलके रङ्गशाला भितर मत जाओ कहिके बित्ति करके पठाई । ³²तव बे अलग अलग बात करके चिल्लान लागे । काहेकी बो भीड मे हल्ला होत रहै, और तमान आदमी ता बे काहे जमा भै हँए बो फिर ना जानत रहँ । ³³भीडके किन्तो आदमी अलेक्जेन्डरके अगु सारीं, जौनके यहूदी ठण बाई रहए । अलेक्जेन्डर हातसे इशारा करके आदमिनके अगु बचानके ताहिँ कछु कहान इच्छा करी । ³⁴पर बे बा ता यहूदी हए कहिके पता पाइके सबए जनि एकए सोरसे लगभग दुई घण्टा तक एफिसिनकी आर्तेमिस महान है कहातए चिल्लाइ । ³⁵नगरको हाकिम आदमिनके शान्त करके कहि, "एफिससके आदमी रेओ, एफिसीको सहेर त महान आर्तेमिसको मन्दिर और बादरसे गिरो भव बाकी मूर्तिको लखबरिया हए कहिके कौनक पता ना हए ?" ³⁶तुम जानत हौ जा बातके कोई मनाहिँ ना करपाबैगो, तभई मारे तुम चुप रहाव और बिना सोचविचारके काम ना करव । ³⁷काहेकी तुम लाएभए जे आदमी मन्दिर ना लुटी हँ और हमरी देविक अपमान फिर ना करी हँ । ³⁸जहे मारे अगर डेमेत्रियस और उनके सँग भए कारिगरके कोइके बिरुद्धमे कुछ उजुर है कहेसे अदालत खुली हँ और न्यायधिस फिर हँ, बे एक दुसरेके बिरुद्धमे मुद्दा लडै । ³⁹पर जासे अलावा और विषय ऊठान चाहत हव कहेसे जक फैसला लगातार सभामे होबैगो । ⁴⁰काहेकी आजको जा हुलदंगाकी दोष हमर उपर लगन खतरा है । काहेकी जा बिना कारणको दंगाफसादको कोइ सफाई हम ना दै पए हँ । ⁴¹इतका कहिके बे सभाके समापन करी ।

Chapter 20

¹जा खैलाबैला थमके पिच्छु पावल चलनके बुलान पठाई, और बिनके शिक्षा दै, और बिनके संग बिदा हुइके माकेडोनिया घेन लागो । ²हुवाँ के इलाकामे जाएके बिनके बहुत हौसला देके पिच्छु बा ग्रीसमे गओ । ³हुवाँ बा तीन महिना बिताई। बा सिरिया घेन जहाजसे यात्रा करत पेति यहूदी बाके बिरुध्दमे खराब सोच बनाई हंए करके पावल माकेडोनिया हुइके लौटनके पक्का करी । ⁴तव बेरियाके-बासिन्दा पुरसको लौडा सोपात्रोस, थेसलोनिके से अरिस्तार्खस और सिकन्दस, डर्बीक गायस, औ तिमोथी और एसियाके तुखिकस और त्रोफिमस बिनके सँग गए । ⁵बे अगु पुगके हमके त्रोआसमे असियात रहएँ । ⁶तव हम त अखमिरी रोटीक तेवहारके दिनपिच्छु फिलिपीसे जहाजमे यात्रा करके पाँच दिनमे त्रोआसमे बिनके ठिन आए, और हुवाँ सात दिन रहे । ⁷हप्ताको पहिलो दिनमे जब हम रोटी तोड़नके जमा भए रहँए, तव पावल त दुस्से दिन जानके इच्छा करी रहए, बिनकेसंग आधी राततक बातचित करतए रहो । ⁸हम जमा भए उपरको बैठकाको कोठामे बहुत दिया रहएँ । ⁹यूटीकस नाउँ भव एक जनई जवान ड्यालमे बैठो रहए । पावल बहुत देरतक बात करत जात बा निधाए गओ और निधाएके बा तिस्रो तलासे गिरिगव और बाके मरो अवस्थामे उठाई ¹⁰तव पावल तरे उतरो, और घुप्टा हुइके बाके गलमैया डारी और कहि, “मत घबणाबओ काहेकी बा जिन्दए हए ।” ¹¹तव बे उपर चढे औ रोटी तोड़के खाएके सुबेरे उजियारो ना होन तक बहुत देर बातचित करके बैठे। तव पिच्छु बिदा भए । ¹²औ बे बा जवानके जिन्दा अवस्थामे लैगाए और बहुत शान्ति पाई । ¹³हम अगुसे नईया तक गए । और नईयामे चढके हम अस्सोसमे गए । हम पावलके हुँवा जहाजमे बैठान चहाँत रहएँ। पावल अइसी बन्दोबस्त करके बा अस्सोसतक पैदल गओ रहए । ¹⁴और जब बे हमके अस्सोसमे भेटिँ, हम बिनके जहाजमे चढाए, और मितिलेने मे आए। ¹⁵तव पच्छु हम हुवाँसे नईयामे यात्रा करके अउरो दिन खियसके ढिगै आए पुगे, और प्रसओ सामोसमे आए पुगे, ¹⁶एशियामे समय बिताएके बिचार नए हुइके बे एसिससमे नए घुसके जानके बिचार करी । काहेकी बे पेन्तिकोसके दिन यरुशलेम मे पुगन बे अणबाणत् रहँए । ¹⁷मिलेटस से एफिससमे आदमी पठाएके मण्डलीक एल्डरनके बुलान पठाई । ¹⁸जब बे बिनके ठिन आए बे बिनसे कहिँ, “एशियामे पौली टेको पहिलो दिनसे मए जम्माए समय तुमरे बीचमे कौन किसिमसे बिताओ सो तुम जानत् हौ ।” ¹⁹पुरा नम्रतामे आँसु बगात, यहूदीको षड्यन्त्रको परीक्षामे फिर मए प्रभुको सेवा करो । ²⁰तुमके फाइदा होन बारी बात तुमरे ठीन घोषणा करन मए पिच्छु हटो नए । ²¹यहूदीनके और ग्रीकनके पश्चताप करके परमेश्वार घेन घुमाए और हम प्रभु येशु ख्रीष्ट उपर विश्वास करए करके बातको गवाही मए दओ हौ । ²²“अब देखाओ, मए पवित्र आत्मामे बाधेत्ता हुइके यरुशलेम घेन जात हौ, हुवाँ मोके-कैसो हुइहए सो मए नए जानत् हौ ।” ²³इतकए इकल्लो जानत् हौ । कि हरेक सहेरमे कैद और कष्ट मिर उपर आत हए करके पवित्र आत्मा मोके गवाही देत हए । ²⁴तव मए अपनो जीवन कोइमोलको और अपने ताहि प्यारो नए मानो इतकए इकल्लो मए जानत् हौ, कि परमेश्वरको अनुग्रहको सुसमाचारको गवाही देनके मेरो दौड और प्रभुसे मिलो मेरो सेवाकाइ मए पुरा करन सिकाओ । ²⁵“अब देखाओ, मए जानत् हौ कि तुम मैसे सब, जौन-जौनके मए राज्यको प्रचार करो, तुम मिर मुहू अब कबहू देखेहओ नए ।” ²⁶जहेमारे आजको दिन मए तुमके गवाही देतहौ, कि मए कोइ को रगतको दोषी नैयौ । ²⁷काहेकी परमेश्वार पुरी इच्छा मे बातन मए पिच्छु हटोनए । ²⁸तुम अपन ताहिँ और अपने पुरा बगालके ताहि सावधान रहीओ। पवित्र आत्मा तुमके बगालको जिम्मा बारो बानइ हए करके बो अपन रगतसे किनके परमेश्वारके मण्डलीको रेखदेख तुम कराओ । ²⁹काहेकी मोके पता हए, कि मए जाएके पिच्छु डर लाग्न बारे वनकुत्ता तुमरे बीचमे घुसंगे, जौन बगालके बाँकी नए रखंगे । ³⁰30 तुमरी बीचसे भणकान बारी बात बोलन बारे उठंगे, जौन चलनके अपन पिच्छु लैजाए हए । ³¹जहेमारे जा सम्झके होशियार हुइओ, कि तीन वर्षतक दिनरात आँसु बहात हरेक आदमीनके मए चेतउनी देतरहो । ³²“अब मए तुमके परमेश्वरको और बाको अनुग्रहको वचनमे सौप दओ हौ, जौन तुमके सुदढ करेहए और पवित्र करेहए सबएनके बीच उतरधिकार देबैगो ।” ³³मए कोइ आदमीको सोनो, चाँदी, लत्ताको लोभ ³⁴तुम अपनाए जानत हौ कि मिर जे हातसे मेरो अपनाए और मिर संग भएनके अवस्थात्ता पुरा करो रहौ । ³⁵मए सबए बातमे नमुना दओ हौ, कि तुम फिर अइसी करके मेहेनत करके कमजोरके मद्दत करीओ । प्रभु येशुको वचन याद करीओ, कैसे करके बा अपनाए कहि हए, कि लेनसे देनके और धन्य हए ।” ³⁶यितकए कहिके बो घुटो टेकी और बिनके सबके संग प्रार्थना करी । ³⁷बे सब रोइ, और पावलके गलौवा गलबैया डारके चुमी । ³⁸बिनसे फिर कहि, मिर मुहू दिखेहौ नए करके कहि पावल बे भैया जा बातमे बहुत शोक करी । और बे बोके जहाज ठिन पुगाई ।

Chapter 21

¹उनसे बिदा हुइके हम जहाजमे चढके सिधे कोसमे आए, और कल रोडसमे और हुवाँ से पटारामे आए पुगे । ²और फोनिके मे जान एक जहाज पाएके हम बामे चढके गए । ³जब साइप्रस दिखानो, तव हम बाके दिबरा घेन बापार सिरिया घेन लागके टुरोसमे उतरे । काहेकी जहाजके माल समान हुवाँ उतारन पणो रहए ⁴। चेलनके दुणके पाएके बिनके संग हम सात दिन हुवाँ बैठे । पावलके यरुशलेममे नाजाबए कहिके बे पवित्र आत्माके द्वारा कही ⁵हुवाँ से हमर नेगनको बेरा भव पिच्छु हम बिदा हुइके अपन यात्रामे निकरे । अपन पुरो परिवार और बाल बच्चा समेत बे जम्पए हमके सहेर बाहिर तक पुगन आए, और हम समुन्द्र किनारे घुटो टेवके प्रार्थना करे, और एक दुसरे से बिदा भए । ⁶तव हम जहाजमे चढे, और बे अपन घर लौटगए । ⁷टुरोससे समन्द्र-यात्रा करके हम टोलेमाइसमे आए पुगे । हुवाँ भैयनसे मिलभेट करके बिनके संग एक दिन बैठे । ⁸दुसरो दिन हम बिदा हुइके कैसरियामे आए, और प्रचारक फिलिपके घरमे गए । बे सात जनि मैसे एक रहए, और हम बिनके संग बैठे । ⁹अगमवाणी करन बारी बिनकी चार जनै बिहा नाभई लौणिया रहए । ¹⁰हम हुवाँ कुछ दिन बैठत यहूदियासे आगाबस नाउँको एक जनि अगमत्ता आओ । ¹¹बा हमरे ठिन आएके पावलको फेटा लैके अपन हात-टॉग बाँधके कहि, “पवित्र आत्मा अइसे कहत हए, ‘जा फेटा जौन आदमीको हए, बाके यरुशलेममे यहूदी अइसी करके बाँधंगे और अन्यजातिनके हातमे सौंपदेहए’ ।” ¹²जा बात सुनके हम और बा ठाउँके आदमी मिलके बिनसे यरुशलेममे मत् जाओ करके बिन्ती करे । ¹³पर पावल जवाफ दै, “तुम अइसे रोएके मिर मनके काहे छोटो(तोडत) बनात हो? काहेकी प्रभु येशूके नाउँके ताहिँ जेल पणनो इकल्लो ना, पर यरुशलेममे मरन फिर मए तयार हो ।” ¹⁴“बाके मनाए नाए पाएके ‘प्रभुको इच्छा पुरा होबए करके हम चुप लागे ।” ¹⁵बे दिन पिछु हम तयार भए, और यरुशलेम घेन लागे । ¹⁶हमर संगमे कैसरियाक कोइ-कोइ चेला फिर गए, और बे हमके साइप्रसको एक जनि पुरानो चेला मनासोन कहान बारोक घरमे ल्याई । बिनके संग हमके बैठन पणो रहए । ¹⁷और जब हम यरुशलेममे आए गए, तव भैया हमके खुशी से स्वागत करीं । ¹⁸दुसरो दिन पावल हमरसंग याकुबके ठिन गए । हुँवा सबए एल्डर एकठ्ठा ¹⁹रहंए । ¹⁹बिनके मिलभेटके पिच्छु, पावल बाकि सेवकाइसे अन्यजातिनके बिचमे परमेश्वरके करो भव काम बिनके एकएक करके बयान करि । ²⁰जा सुनके पिच्छु बे परमेश्वरको महिमा करीं । तव बे कहिँ, “देखओ भैया यहूदीके बीचमे विश्वास करन बारे हजारौ हँए, और व्यवस्थाक बातमे बे सब जोसिलो हँए । ²¹बे तुमर बारेमे फिर कुछ बात सुनिहए । सो का हए कि, अन्यजातिनके बीचमे बैठनबारे यहूदिनके तुम ‘मोशाके छोडदियो और बिनकि बच्चनके खतना मत करियो और रितिरिवाज मत मनियो’ कहिके सिखाइहए ।” ²²अब का करएगे? तुम आए हो कहिके बे नेहत्तय सुनंगे । ²³जहेमारे जो हम कहत हँए बहए करौ- भाकल करन बारे चार जनि हमर संग हँए । ²⁴यिनके लैके तुम फिर यिनके संगसंग शुध्द होबओ, और यिनके चाहन बारो खर्च तुम दै देओ, और जे बार कतरँए । अइसे तुम व्यवस्था पालन करत देखत तुमर बारेमे सुनके कोइ बात सच नाहए कहिके सबए पता पए हँए । ²⁵पर अन्यजाति जौन विश्वास करीं हँए, बे मुर्तिनके बलि चढावभव चिज, खुन, घेंट अमेठके मारोभव पशुको माशु और व्यभिचारसे अलग रहन पड़त हए कहिकी हमर छलफल करके हम पत्र लिखें हँए । ²⁶तव पावल वे आदमीनके लै गव, और दुसरो दिन बिनके संगएसंग अपनएके फिर शुध्द करी, और शुध्द भए दिन कब पुरो हुइहए, औ सबएके ताहिँ देनबारि भेटीको खबर देन बा मन्दिर भित्र घुसो । ²⁷जब सातौ दिन पूरो होन लागो रहए, तव एशियक यहूदि पावलके मंदिरमे देखके पुरि भिडके उक्साँइ, और बाके पकणीं । ²⁸“बे अइसे कहातए चिल्लान लागे “इस्त्राएलके आदमीयो, सहयोग करओ! आदमीके जहाँतहाँ हमार जात, हमार व्यवस्था और जा ठाउँको विरुद्धो शिक्षा दैके नेगन बालो आदमी जहे हए । इतका इक्लो ना, जा ग्रीकनके फिर मन्दिर भितर लाएके जा पवित्र ठाउँके अशुध्द बनाएद हए ।” ²⁹काहेकी जासे अगु बे एफिससको त्रोफिमस कहान बारो एक आदमीके बाके संग शहेरमे देखिरहँए जहेमारे बहेके पावल मन्दिर भितर लाइ हए कहिके बे सोचीं । ³⁰तव सबए शहेरमे हलचल भव, और आदमी एकए संग दौरत आए । बे पावलके पकड़के मन्दिरसे बाहिर कढेरत लाई, और तुरन्तए फाटक बन्द करीं । ³¹जब बे बाके मारन कोशिस करनडटे रहँए, तव सबए यरुशलेममे घघल मचो हए कहिके पल्टन के सेनापति ठिन जा खबरआयपुगो । ³²बा तुरन्तए सिपाही और कप्ताननके संगमे लैके बिनके ठिन दौरत आओ । बे सेनापति और सिपाहीनके देखिँ और पावलके मारन छोड़धदै । ³³तव बा सेनापति ढींगे आएके पावलके पकड़ी और दुइ सॉकरसे बाके बाधनके हुकुम दें । जा कौन हए और जा का करीहए कहिके बा पुछिं । ³⁴पर बा भीड मैसे कोइ एक बात और कुई दुसि बात कहिके किकीआई और बा हल्लागुल्लासे घटना का हए कहिके सो पता ना पाएके पावालके ब्यारेकमे लैजानके आज्ञा दें । ³⁵जब पावल खुडखुडीमे आइ पुगो तव भीडके दबाबके मारे सिपैया बाके उठाएके लैगए । ³⁶काहेकी आदमीनको भीड़ बाके खतम करदेओ कहिके चिल्लत पिच्छु पिच्छु लागे रहँए । ³⁷ब्यारेक भितर पुगन पेति पावल सेनापति से कही, “हजुर, अनुमति देहौ , तव मए कुछ कहान चाहँत हो ।” बा कहिँ, का तोके ग्रीक भाषा आत हए? ³⁸का तए बहे मिश्री नैयों, जौन भर्खर बिद्रोहा मच्चाएके चार हजार बिद्रोहीनके जंगलमे लैगओ रहए? ³⁹” पर पावल जवाफ दै, “मए त किलिकियाको सहेर टार्ससको एक यहूदी आदमी हो, छोटोमोटे सहेरको नागरिक नैयों । बिन्ती हए, जे आदमीनसे कुछ कहान मोके मन्जूरी देओ ।” ⁴⁰40 जब बा मन्जूरी दें, तव खुण खुणीमे ठाड़के पावल आदमीनके हातसे इशारा करी । आदमी बिलकुल शान्त भए तव पिच्छु, बिनके बा हिब्रू भाषामेअइसे कही-

Chapter 22

¹"भैयाओ और दौवा, तुमर सामने मए अपन पक्षमे कहान बारी बात अब सुनओ ।"² बाके हिब्रू भाषा मे मस्कत सुनके बे और चुप हुइगए ।³बा कहि, "मए किलिकियाको सहेर टारससमे जन्मो भव एक यहूदी हौ । पर जा सहेरमे गमलिएलको चरणमे बढो भव हौ । हमर पुर्खाको बिधिअनुसार मए ठीक-ठीक ज्ञान पाओ हौ । आज तुम परमेश्वर घेन जित्तो उत्साहित हौ, मए फिर उतिय उत्साहित रहौ ।" मए जा डगरके आदमीनके मरन तक सताओ, और लोग और बैयर दोनएके बाँधके जेलमे डारदओ ।⁵प्रधान पुजारी और जम्मए महासभा फिर मिर पक्षमे गवाही देतहएँ । उनके तरफसे भैयनके नाउँसे पुर्जी पाएके मए बा हुवाँके विश्वासीनके बाँधके यरुसेलममे लाएके सजाए दिबानके ताहिं दमस्कसमे गओ रहौ ।⁶"मिर यात्रासे दमस्कस ठिन आएपुगो लगभग: दुपाहर भव रहए, अचानक स्वर्गसे एक वाणी और ज्योति मिर आसपास चम्की, "⁷" और मए जमिनमे गिरगओ, तव मोसे अइसो कहात एक आवाज सुनो, "ए शाऊल, ए शाऊल, तए मोके काहे सतात हए?"⁸ और मए पुँछो, 'हे प्रभु तुम कौनहौ?' और बा मोसे कहि, मए नासरतको येशू हौ, जौनक तए सतात हए ।"⁹तव मिर सँग जित्तो जनी रहँए, बे ज्योति त देखि, पर बे बात न सुनी ।¹⁰मए कहो, 'हे प्रभु, अब मए का कराओँ?' तव प्रभु मोसे कहि, 'उठ, दमस्कसमे जा, और तोके तुको भव काम बताए हौ ।'¹¹बा ज्योतिको तेज से मए कुछ न देखो, तव मिर संग होनबारे हातसे पकणके डुरियाएके मोके दमस्कसमे लियाई ।¹²"हननिया कहानबारो एक जनी व्यवस्था अनुसार चलनबारो भक्ता आदमी जौन हुआँ वैठन बारे सब यहूदीनसे आदर पाओ रहए, ।"¹³बा मिर जौणे आओ, और मिर ठिन ठाणके मोसे कहि, भैया शाऊल देखन बारो हुईजा ।' और मए बहे समय देखन लागो, और बाके देखो ।¹⁴तव बा कहि, हमर पिता-पुर्खाक परमेश्वर बाको इच्छा तुमए जानन, और बे धार्मिक लोगके देखन, और बाको मुहुसे बोलि सुनन् के ताहिं तुमके नियुक्त करी हए ।¹⁵काहेकी सबए आदमीके अगु बा तुमरे ताहिं जो देखे और जो सुने बाके ताहिं तुम गवाही होबैगो ।¹⁶तए अब काहे आसिआत हए? उठ और बप्तिस्मा ले, और बाको नाउँको पुकारके अपन पाप धोएले ।"¹⁷"यरुशलेम से लौटके आएके पिच्छु मन्दिरमे प्रार्थना करत् पेति मए ध्यान-मगन भव ।"¹⁸बा मोसे अइसे कहतए देखो, जल्दी करके यरुशलेमसे निकरके जा, काहेकी मिर बारेमे तुमके दौ भव बात कि गवाही बे ग्रहण न करेहँए ।"¹⁹"मए कहो 'हे प्रभु, मए हरेक सभाघरमे जाएके तुमरे उपर विश्वास करन बारेनके जेलमे डारो हौ और मारपिट करो हौ करके सबके पतए हए ।"²⁰तुमर साक्षी स्तिफनसको रगतरोहण होत मए अपनए फिर जौणे बैठो हत्यामे सहामत हुइके, बाके मारन बारेनके लत्ता अगोर के मए बैठो रहौ ।²¹तव प्रभु मोसे कहि, 'जाओ, काहेकी मए तुमके अन्यजाति के ठिन दुर-दुर तक पठामंगो ।"²²" बे पावल कि बात हियाँ तक सुनी, और अइसे कहात बे जोणसे चिल्लान लागे, "अइसो आदमी पृथ्वीसे हटिजाए । काहेकी बा बचन योग्यको न हए ।"²³बे अपन कुर्ता फारी और धुधर उणाएके चिल्लान लागे ।²⁴सेनापति हुकुम करी, बा ब्यारेक भितर लावजाए, और कोर्ता लागएके जाँच करओ, काहेकी बाके बिरुध्दमे बे अइसे काहे चिल्लाए रहेहँए ।"²⁵और जब बे पावलके चमडाको रस्सीसे बाँधी, तव पावल ठिन ठाडो भव कप्तानसे पुछी, "का रोमी नागरिक और दोषी न ठिहरो आदमीके कोर्ता लगान ठीक हए?"²⁶कप्तान जा सुनके पिच्छु सेनापतिके ठिन आएके अइसे कहि, "तुम का करन डटेहौ? काहेकी जा आदमी ता रोमी नागरिक हए ।"²⁷तव सेनापति आएके पावलसे पुछी, "मोसे कहा, का तए रोमी नागरिक हए?" बा कहि, हौ ।"²⁸सेनापति जबाफ दै, "मए ता जा नागरिक हक बहुत रुपैया तिरके किनो हौ ।" पावल कहि, "पर मए त जन्मएसे रोमी हौ ।"²⁹पर बाके जाँच करन तयार भए, और सबए तुरन्त हटिगए, और पावल एक रोमी नागरिक हए करके पता भव तओ सेनापति फिर डराए गव, काहेकी बा बाके बाँधी रहए ।³⁰पर दुसरे दिन यहूदी पावलके कौन खास कारणसे दोष लगाई हएँ सो जाननके ताहिं बाके खोल दें, और सब मुखिया पूजारी महासभाके जमा होन आज्ञा करी, और पावलके तरे ल्याएके बिनके अगु ठाडबाई ।

Chapter 23

¹"पावल महासभा घेन एक नजर लगाएके देखि, और कहि, भैया रेओ, आज के दिन तक परमेश्वरको नजरमे मए शुध्द विचारसे जीवन बितात हौं । " ²जा बातमे प्रधान पुजारी हनानिया बाके जौने ठाणो बारेनके मुँहमे मारन हुकुम दै । ³"तव पावल उनसे कहि, "हे चुना से लिपो भित । तुमके फिर परमेश्वर प्रहार करैगो । तुम व्यवस्था अनुसार मिर नेओ करन वैठके का व्यवस्थाके उल्टा मोके मारन हुकुम देत हओ?" ⁴तव किनारे ठाणे भए कहिं, का तए परमेश्वरको प्रधान पुजारीके अपमान करत हय? ⁵"तव पावल कहि, भैयाओ, बे प्रधान पुजारी हए कहिके मोके पता न रहए । काहेकि लिखो हए, तए अपन जनताके शासकको खराबी मत मसकिए, ।" ⁶"पर बा महासभामे एक दल सदुकी और दुसरो दल फरिसी हयँ कहिके पता पाएके पावल जोणसे कहि, भैयाओ, मए ता फरिसीकी लौडा फरिसी हौं । मरे आदमिनको आशा और पुनरुत्थानको कारनसे मिर मुद्दा चल रहो हए ।" ⁷बा अइसो कहि तव फरीसी और सदुकीके बिचमे मतभेद हुइगओ, और भीडमे दुई भाग हुइगओ । ⁸काहेकि सदुकी कहात हएँ की पुनरुत्थान, स्वर्गदूत आत्मा कहान बाले कछु फिर न हएँ । पर फरिसी जे सबय मानत हएँ । ⁹"हुवाँ गजब हल्ला होन लागो, और फरिसी दलके कुछ शास्त्री ठाडके अइसे कहात बिबाद करन लगे, " जा आदमीमे हम कछु खराब न पाए हएँ । अगर आत्मा या स्वर्गदूत जाके अइसो कहि तव का ? " ¹⁰हुवाँ बडो मतभेद भव पिच्छु उनके हातसे पावलके नोचाखोचीं करहएँ कहिके डरसे सेनपति सिपैयनसे तरे जाएके बिनके उनके बीचसे जबरजस्ति से लाएके ब्यारेक भितर लैजाओ कहिके आज्ञा दै । ¹¹"दुसरे रातके प्रभु उनके जौने ठाडके कहि, " हिम्मत कर, पावल काहेकी जैसी तुम यरुशलेममे मिर विषयमे गवाही दओ, उइसी तोके रोममे फिर गवाही देन पडैगो ।" ¹²जब सबेरे उजियारो भव यहूदी एक ठिन जमा हुइके पावालके न मारन तक कछु न खान और न पिन कसम खाई । ¹³जा षड्यन्त्र करन बारे आदमी चालिससे फिर जाधा रहए । ¹⁴"बे मुखिया पुजारी और धर्म गुरु ठिन जाएके कहिं, "पावालके न मारे बिना हम काछु न खामझे काहेकि हम कसम खाए हएँ ।" ¹⁵"जहेमारे तुम और महासभा मिलके सेनापतिसे कहौ, और बाके मुद्दाको निर्णय और ठिकसे करन पणैगो जा विचार बनाएके बाके निकारौ और बा हियौ आतए हम बाके मारनके तयार रहङ्गे ।" ¹⁶तव पावलको भनेजा धोखा बारी बात पाएके ब्यारेक भितर जाएके पावलके बताए दै । ¹⁷"तव पावल कप्तान मैसे एक आदमीके बुलाइके कहि, "जा जमान लौडाके सेनापाति ठिन पठाए देओ, काहेकि जा बासे कछु काहन चाँहत हए ।" ¹⁸"जहेमारे बा जाके लै जाएके सेनापति ठिन पुगाए देओ कहिके, बन्दी पावल मोके बुलाएके जा लौडाके तुमरे ठिन लैजान कहि हए, तुमके कहान बारी कुछ बात हए ।" ¹⁹सेना पति बाको हात पकडके एक घेन लैजाएके बासे पुछीं, तोके मोसे काहन बारी बात का हए? ²⁰बा कहि, "यहूदी पावलके बारेमे और अच्छेसे सोधपुछ करन बहाना करके कल बाके महासभामे लाएदेओ कहिके तुमसे बिन्ति करन सहमति करी हएँ ।" ²¹पर तुम बिन कि बात मत मनिओ, काहेकी बिनही मैसे चालिससे फिर जध्दी आदमी पावलके ना मारन तक कुछ खानपिन ना करन कसम खाइके बे मारनके ताहिं लुके बैठे हएँ, और अव बे तिर वचन को आशा करके तयारीमे हएँ ।" ²²"जहेमारे सेनापति वा जवान लौडाके अइसो आज्ञा दैके पठाई, " तए मोके जा बात बातओ हए जा कोइके मत बतैए ।" ²³"तव फिर बे कप्तान मैसे दुई आदमी के बुलाए के कहिं "आज रात नौ बजे घेन दुइ सय सिपैइया, सत्तरी आदमी घोडा चढनबारे और दुइ सय भालाबारेनके कैसरिया तक जान तयार करे रहओ ।" ²⁴और पावलके ताहिं फिर घोडाको व्यवस्था करओ, और बाके सुरक्षासे हाकिम फेलिक्स ठिन पुगाबओ । ²⁵बे जा तरिका को चिट्ठी फिर लिखिं: ²⁶" मनानिय हाकिम फेलिक्सके, क्लोडीयस लुसियसको अभिवादन ! ²⁷जा आदमिनके यहूदी पकडके मारन ढुँणत , पर जा रोमी नागरिक हए कहिके मए पता पाएके फौज संग हुवाँ पुगके जाके छुटओ, ²⁸कौन सी बातमे बे जाके दोस लगाई हयँ कहिके जानन ईच्छासे मै जाके बिनकि महासभामे लाओ। ²⁹बे व्यवस्थाको प्रश्न बारेमे जाके दोष लागाइ रहएँ । पर ज्यान सजाय औ कैद करन पडै जैसो कछु दोष मै न पाओ । ³⁰"जा आदमीको बिरुध्दमे षड्यन्त्र हुइ रहो हए जा बातको खबर मोके मिलो, और जाके तुरन्त तुमर ठिन पठओ हौं, और जाके बिरुध्दमे दोष लगान बलेन के फिर तुमर अग्गु बयान देन पडैगो करके आदेस दौ हौं ।" ³¹जहेमारे आज्ञा पओ अनुसार सिपैइया पावालके रातैके एन्टीपाट्रिसमे पुगाई । ³²घोडाचढन बारेनके उनके संग जान हुँवा छोडके औरो दिन बे ब्यारेक लौटे, ³³कैसरियामे पुगके पिच्छु बे हाकिमके चिट्ठी बुझाएके पावलके फिर उनके अग्गु हाजिर कराई । ³⁴बा जा चिट्ठी पढके तए कौन जिल्लाको हए कहिके पुँछी । बा किलिकियाक है कहिके पता पाएके पच्छु कही, ³⁵तुमके अभियोग लगानबारे आएके पच्छु तुमरो मुद्दा सुनङ्गो।" तव बे बाके हेरोदको बनाओ भव दरबार मे रखैयो कहिके हुकुम दै ।

Chapter 24

¹पाँच दिनपिच्छु प्रधान पूजारी हननिया और तमान धर्म-गुरुनके, तर्तुल्लस नाउँको एक जनी वकिल संग हुवाँ आए, और बे पावलके बिरुद्धमे हाकिमके अगु मुध्दा पेश करी । ²पावलके हुवाँ झिकाएके पिच्छु तर्तुल्लस बिनसे अइसे कहात दोष लगान लागो, “सबसे माननीय फेलिक्स, तुमसे हम बणो शान्ति पात हँए, और तुम जा जातिके ताहीं सुधार सुरु करेहौ । ³उ जा बात हर प्रकारसे सब ठाउँमे हम खुशीके साथ स्वीकार करत् हँए । ⁴पर तुम जद्धा समय न लैके हमर बिन्ती छुटकरीमे दया करके सुनदेबौ । ⁵”काहेकी हम जा आदमीके इतए उतए दुख देत नेगत्, संसार भरेक सब यहूदीनके बीचमे आन्दोलन मचान बारो, और नासरी पन्थको मुखिया अगुवाके रुपमे पाए हँए ⁶ । ” जा मन्दिर अपवित्र करन फिर कोसिस करी रहए, पर जाके हम पकडे । हमरो व्यवस्था अनुसार कारबाही फिर करते, ⁷, पर सेनापति लुसियस हमरे ठिन आएके बडो जबरजस्तिके सँग बाके हमर हातसे छिनाएके लै गओ, और जाके बिरुद्धमे अभियोग लगन बारनके तुमर ठिन आनके आज्ञा करी रहए । ⁸अब तुम स्वयम जाको जाँच करैगे तव हम जाके लगओ दोषके जे सब बात बासे पता पाए सकतहौ । ” ⁹बे यहूदी फिर जे बात सब ठीक हँए करके समर्थन करी । ¹⁰हाकिम बाके मस्कन इशारा करके पिच्छु पावल जवाफ दै, “बहुत वर्ष पिच्छु तुम यहूदी जातिके न्यायाधीश होन बारी बात पता हुइके मए अपन पक्षमे खुशीसे कहात हँ । ¹¹तुम पता लगाए सकतहौ कि मए यरुशलेममे आराधना करन जाएके बाह्र दिनसे जद्धा भओ नैयाँ । ¹²जे न त मोके कोई आदमी संग बहस करत् पाई, न मन्दिरमे औ न सभाघरमे और सहेरमे जनतनके उक्सात पाई, ¹³न त मोके हबाए दोष लगान बारी बातके जे प्रमाण दै पाई हँए । ¹⁴पर जा मए तुमरे अगु स्वीकार करत् हँ, कि जौन डगरके जे एक पन्थ कहात हँए, बहे अनुसार व्यवस्थामे भव बात और अगमवक्ता कि किताबमे लिखो सब बातमे विश्वास करके मिर पुर्खानको परमेश्वारको आराधना मए करत् हँ । ¹⁵धर्मी और अधर्मी दोनए मरके पुनरुत्थान हुइहँए कहिके जे अपनए स्वीकार करो जैसो मए परमेश्वारमे आशा धरत् हँ । ¹⁶जहेमारे परमेश्वार घेन और आदमी घेन मए सबदिन शुध्द विचार करन कोशीस करत हँ । ¹⁷अब कुछ वर्ष पिच्छु अपन जातिनके ताहिँ दान और भेटी देन मए आओ रहँ । ¹⁸जे मोके मन्दिरमे पाएके शुध्द होनबारो बिधि मए पुरा करडरो रहँ । हुवाँ कोइ भीड न रहए, होहल्ला फिर न रहए । पर हुवाँ एशियाको कोइ यहूदी रहए, ¹⁹बे हियाँ तुमरे अगु हाजिर होन पडन रहए । मेरे बिरुद्धमे अगर कोइ बात हए कहेसे तव बे दोष लगाए सकत रहयँ । ²⁰औ जे आदमी अपनए हियाँ आएके कहमए-मए महासभाके अगु ठाडो होत मिरमे का दोष पाइ रहयँ? ²¹केवल जहे एक बात इकल्लो हए, जो मए बिनके बीचमे ठाडके चिल्लाए के कहो रहँ, ‘मरे भएनके पुनरुत्थानके बारेमे आज तुमरे ठिन मिर मुद्दा चलरहो हए ।’ ²²जा डगरके बिषयमे फेलिक्सके खास ज्ञान भव के बारेमे बा जा बात सुनके पिच्छु बिनके अइसो कहिके टारके पठाई, “सेनापति लुसियस हियाँ आएके पिच्छु मए उनको मुद्दा फैसला करदेहँ ।” ²³तव बा पावलके निगरानी मे धरएँ और बिनके कछु स्वतन्त्र देमए, और बिनके कोइ फिर संगीनके बिनके कोइ चीज कमि करन न रोकए कहिके कप्तानके आज्ञा दै । ²⁴कुछ दिन पिच्छु फेलिक्स बाकी यहूदी बाइयर ट्रूसिल्लाके संगमे लैके आए, और बे पावलके बुलाएके खीष्ट येशू उपरको विश्वासके बारे मे बिनसे सुनी । ²⁵पावल धार्मिकता, संयम और भावी इन्साफके बारेमे बिबाद करत फेलिक्स घबडयाइ गव, और अइसो कही, “हबए जाओ, जरूरत पडैगो तव मए तुमके बुलएहँ ।” ²⁶पावलसे क पता रुपैयाँ मिलै हए कहिके आसरा फिर करी रहए । जहेमारे फिर बे बाके घरीघरी बुलाएके बातचित करत् रहएँ । ²⁷पर दुई वर्ष पिच्छु जब फेलिक्सको बदलामे पर्किअस फेस्तस आओ, तव फेलिक्स यहूदीनके खुशी करन ताहिँ पावलके जेलमे डारके गओ ।

Chapter 25

¹फेस्तस अपनो प्रान्तमे आएके तीन दिन पिच्छु कैसरियासे यरुशलेममे गओ ²मुखिया पुजारी और यहूदीनके मुखिया आदमी पावल के बिरुध्दमे दोष लगाई, ³और बिनके डगरमे मारन योजना बनाइके पावलके यरुशलेममे लाएदेमए कृपा होबए करके बिन्ती करीं। ⁴पर फेस्तस पावल कैसरियामे थुनामे पडोहए, और अपना फिर जल्दी जानके ताहिँ इच्छा भइ बातके बताइ। ⁵बा कहि, "जहेमारे तुम मैसे भए नेता हुवाँ मिर संग जामए, और बा आदमीमे कछु खराबी हए कहेसे बाके दोष लगामए।" ⁶बिनके बीचमे बे आठ-दास दिनसे जुद्धा ना वैठके कैसरिया लौटे, और बाके दुस्रो दिन न्याय-आसनमे वैठके बे पावलके लिआन हुकुम करीं ⁷बे आएके पिच्छु यरुशलेमसे आएभए यहूदी बिनके आसपास ठाड गए, और पावलके बिरुध्दमे अनेक गहिरे आरोप लगाई, जौनको बे प्रमाण ना दै पाई। ⁸पावल अपने पक्षमे मस्कत कहि, "मए यहूदीके व्यवस्थाको बिरुध्दमे, मन्दिरको बिरुध्दमे, और कैसरको बिरुध्दमे कछु अपराध ना करो हौं।" ⁹पर फेस्तस यहूदीनके खुशी करन ताहिँ पावलसे कहि, "का तुम यरुशलेममे जाएके हुवाँ मिर अगु जे बात के बारेमे इन्साफ होबए करके इच्छा करत हौं?" ¹⁰तव पावल कहि, "मए कैसरको न्याय-आसनके अगु ठाडरहो हौं, जहाँ मिर इन्साफ होन पडैगो। यहूदीनके मए कोइ खराबी ना करो हौं, सो तुमके अच्छेसे पता हए।" ¹¹अगर मए अपराधी हौं, और मए ज्यानसजाए पानको योग्यको काम करो हौं कहेसे मरनके मए मनाहि ना करत हौं। अगर जे मोके लगाए भए दोषमे कछु प्रमाण नाहए कहेसे मोके जिनके हातमे कोइ ना सौंप पए हए। मए कैसर ठिन जा बात पेश करत हौं। ¹²तव फेस्तस सल्लाहकारनसे सल्लाहा करके कहि, "तुम कैसरके ठिन पेश करे, तुम कैसरयके ठिन ज ए हौ।" ¹³कुछ दिन पिच्छु फेस्तसके अभिबादन करन राजा अग्रिपास और बरनिकी कैसरियामे आए पुगे। ¹⁴बे हुवाँ बहुत दिनतक वैठके पिच्छु फेस्तस पावलको मुद्दा राजाके अगु अइसो कहतै पेश करी, "फेलिक्सको लाओ भव एक जनी बन्दी हियाँ हए, ¹⁵जौनके बारेमे मए यरुशलेममे रहत, मुखिया पुजारी और यहूदीनके धर्म-गुरु बाके बिरुध्दमे दोष लगाएके बाके दण्ड देन पणैगो कहिके अनुरोध (बिन्ति) करी रहएँ।" ¹⁶दोष लगानबारे दोष लगान बारेमे संग मुहए मुहू न हुइके, और अपनो बिरुध्दमे लागो दोषके बारेमे बोल्ल मौका न पाएके कोई आदमीनके दण्ड देनको आज्ञा रोमीनको रीतिरिवाज न हए कहिके मए बिनके जबाफ दओ। ¹⁷जब बे जमा हुइके हियाँ आए, मए देर न करके दुसरे दिन न्याय-आसनमे वैठके बिनके हाजिर करनके हुकुम दओ। ¹⁸जब दोष लगान बारे ठाडे भय, मिर सोचो कता बिनके मुद्दामे कोइ खराब बातको दोष बाके न ला पाई। ¹⁹तव बिनको मतभेद त बिनहीको धर्मके बारेमे और मरो भव येशूके बारेमे रहए। जौनके पावल त अभेतक जिन्दा हय कहिके दाबी करत रहय। ²⁰बहेमारे जा बातको जाँचबुझ करनबारे बिषयमे मए अलमल्लमे परके जाके बारेमे छलफल करन यरुशलेममे जान बाको इच्छा हएकि कहिके बासे मए पुँछो। ²¹तव पावल सम्राटको फैसला न होन तक हिरासतमे धरओ कहिके बिन्ती करनके ताहिँ बाके कैसर ठिन न पठान तक निगरानीमे धरन हुकुम दै।" ²²तव अग्रिपास फेस्तससे कहि, "जा आदमीको बात मए अपनए सुनन पाईतो तव ठीक रहए।" और बा कहि, "कल तुम सुनिओ।" ²³दुसरे दिन अग्रिपास और बरनिकी बणो सानसे सेनापति और सहेरके मुखिया आदमीनके संग सभाघरमे घुसे। और फेस्तसको हुकुम पाएके पावलके हाजिर कराई। ²⁴फेस्तस कहि, "राजा अग्रिपास और हमर संग हियाँ भए सब उपस्थित सज्जनो, तुम जा आदमीके देखत हौ, जौनके बारेमे सबै यहूदीनके 'जा आदमी अबसे जिनको लायक न हय कहिके यरुशलेममे और हियाँ फिर मोसे बिन्ती करी रहएँ।" ²⁵पर ज्यान सजाए पानके ताहिँ जा कछु न करिहय कहिके मय न पाओ। और जा अपनए फिर सम्राट (राजा) के ठिन बिन्ति करी रहए जहेमारे मए जाके पठानके पक्का करो।" ²⁶जाके बारेमे मोके और मिर सम्राट (राजा) के लिखन बारे खाश बात कछु न हय जहेमारे मए जाके तुमर जौने, और खास करके, हे राजा अग्रिपास, तुमरे अगु लाओ हौं, और हम जाको जाँच करके पिछु सायद मए कछु लिखन बारी बात पाएहौं।" ²⁷काहेकी कैदीको बिरुध्दमे कोइ दोष न बताएके बाके पठान मोके कोइ खास बात न लगतहय।"

Chapter 26

¹"अग्रिपस पावलसे कही, " तोके अपन पक्षमे मसकन अनुमति हए।" तव अपन हात फैलाईके पावल अपन बचाओ मे मसकन लागो :"²"हे राजा अग्रिपस, यहूदी मोके लगए भए सब दोषके बारेमे आज तुमर अगु मए अपन बचाओ के बारेमे मसकन पएक मए अपनैक भाग्यमानी मानत हौं।"³यहूदिक सब रितिरिवाज और विवादकी बातमे तुम खास करके परिचित भौके मारे, मिर बयान ध्यानदैके सुनदेबौ कहिके मए विन्ती करत हौं।"⁴"मिर जातीके विचमे और यरुशलेममे शुरुसे मिर विताओ भौ मिर जावनी अवस्थासे मिर जीवनशैली यहूदिनके पता हए।"⁵लम्बो समयसे बिनके सबय बात पात हए, कि हमर धर्मके सबसे कट्टर पन्थी दालमे मए एक फरिसी हुइके मिर जीवन बितओ हौं। बे चाहंते कहेसे जा बातकी गवाही दै सकत हँए।⁶परमेश्वर हमार पुर्खानसे करो भव प्रतिज्ञा मे मए आशा करोके कारनसे आज मए जा मुद्दा मे ठाडो हौ।⁷हमार बाह्र कुल जा आशा प्राप्त करनताँहि रात दिन एक मनसे आराधना करत हँए, और जाहे आशाके ताहिँ हे राजा यहूदी मोके दोष लगाई हँए।⁸परमेश्वर मरेभएनके जिन्दा करात हए कहि बात काहे तुम कोइ ना पतियात हौ।⁹"नसरतके येशूको नाउँको बिरुद्धमे गजब कारबाही करन पडत हए कहिके मए अपनै के फिर विश्वास रहए।"¹⁰मए यरुशलेममे अइसीयए करो, और मुखिया पुजारीसे हुकुम पाएके गजब सन्तके मए जेल खानामे डारो इकल्लो ना पर बिनके मारतए बिनके बिरुद्धमे मए मिर बिचर फिर दओ।¹¹तव सब सभाघरमे बिनके घरिघरि सजाय दैके बिनके विश्वास छोडानके कोशिस करत रहौ। उनके बिरुद्धमे क्रोधसे जलन हुइके बाहिरके सहेरमे फिर मए उनके सताओ।¹²आइसी मुख्या पुजारीसे हुकुम और आज्ञा पत्र पाएके मए दमास्कस घेन गौ,¹³ए राजा दुपहरके मए स्वर्गसे दिनसे फिर उजियारो ज्योति देखो, मए और मिर संग यात्रा करन बारेनके चारौ घेन चमकत रहए।¹⁴"जब हम सबए जमिनमे गिरे रहँए, तव हिब्रु भाषामे मोसे अइसो कहात आवाज मए सुनो," शाउल, शाउल", तए काहे मोके सातात हए ? सुइमे लात मरहौ तव तुमके पीरए हए।"¹⁵और मए कहो, हे प्रभु तुम कौन हौ ? प्रभु मोसे कहि मै येशू हौं, जौनके तए सतात हौ।¹⁶तव उठ और अपन टाँगमे ठाड् जा, कहिके मोए मे तुम देखे और मए तुम देखओ जा बातके ताहिँ सेवक और साक्षी नियुक्ति कारन उदेश्यसे मए तुमर ठीन देखा पाणो हौं।¹⁷मए तोके तिर अपन जाति और अन्यजातिसे छुटकारा देमंगो, जौनके ठीन मए तोके पठमंगो।¹⁸कि तुम बिन कि आँखी खोल दओ और बे अन्धकरसे ज्योति घेन, और सैतान को शक्तिसे परमेश्वर घेन घुमएँ अइसीयए करके बे पाप क्षमा पमंगे और मिर उपर विश्वाससे पवित्र भव ठाउँ बे फिर पमंगे।¹⁹जहेमारे हे राजा अग्रिपस स्वर्गीय दर्शनके ताँहि मय अनाज्ञकारी ना भव।²⁰पर पहिले दमस्कसमे, तव यरूशलेममे और सबए यहूदिया देश भर रहन बारे और अन्यजातिन के फिर पश्चताप करके परमेश्वर घेन लौटौ और अपन पश्चताप योग्यके काम करओ कहिके मए प्रचार करो हौं।²¹जहेमारे यहूदी मोके मन्दिरमे पकडके मारन कोशिस करीं।²²आजके दिन तक परमेश्वाससे मए सहायता पाओ। तबहि मारे छोटो बडो दोनौ के गवाही देत मए हिना ठाडो हौ। अगमवक्ता और मोशासे कहो वचन अवश्य पुरा हुइहए कहि बातके मए कछु ना कहो हौं।²³"बे कहिँ हँए कि खिष्टके दुः ख भोगन पडैगो, और मारके जिन्दा भव रहए पहिलो हुइके बा अपन जाति और अन्यजातिके ज्योतिको घोषणा करहए।"²⁴"बा अपन वचओ के ताहिँ जे बात कहतए रहए तव फेस्तास बडो स्वरमे कहि," ए पावल तए बौराहा हए, तिर बहुत बुद्धि तोके बौराहा बनाए दै हए।"²⁵"पर पावल कहि," सबसे आदरणीय फेस्तास, मए बौराहा ना हौं, पर सत्य और अच्छी ज्ञान कि बात कहत हौं।"²⁶काहिकी राजा अपनए जा बातके विषयमे जानत हए जौनके अगु मए निधक्कसे बोलत हौ, काहेकी जे कोइ बात बासे ना लुको हए, काहेकी जा बात गुपचुप मे ना करी।²⁷"राजा अग्रिपस, का तुम अगमवक्ताके उपर विश्वास करात हौ मए जनत हौं, तुम विश्वास करात हौं ?"²⁸"अग्रिपस पावलसे कहि, " का थोरि समयमे तए मोके ख्रीष्टियन बनान चाहत हौ?"²⁹"पावल जवाफ दै, " थोरि समयमे होबए या बहुत जे सँकार तोडके तुम इकल्लो ना पर आज मिर बात सुनन बारे सव मिर जैसो होमए कहिके मए परमेश्वरसे प्रार्थना करात हौं।"³⁰तव राजा, हाकिम, बरनिकि और हुवाँ बैठन बारे जित्तो सबए उठे।³¹"तव बे निकरके अपनै अइसो कहत बात करी, "जा आदमी प्राण दण्ड पानबारी औ कैद माफीको कोइ काम ना करी हए।"³²"अग्रिपस फेस्ताससे कहि, " जा कैसर ठीन बिन्ती ना करतो तव जा आदमीके छोड देनेसे फिर हुइतो।"

Chapter 27

¹समूद्र-यात्रासे हम इटालिया जान पड़ैगो कहिके निर्णय हुइके पिछु बे पावल और कित्तो कैदीनके सम्राट अगस्टसको फौज के युनियस नाउँको कप्तानके जिम्मा लगए दै रहए । ²एड्रामिटेनोस से एशियाक गजब बन्दरगाह (पानीजाहज स्टेसन) होत जानके एक जहाजमे चढके हम यात्रा सुरु करे अरिस्तार्खस नाउँ भव थेस्लोनिके एक जनी माकेडोनियामे हमर संग रहए । ³दुसरेदिन हम सिदोनमे लडगर डारे । युलियस पावलके दया दिखाई बाके संगी ठिन जाएके भवभरको सहायता लेनके अनुमति दै । ⁴हुवाँसे जहाज फिर समुन्द्र घेन जान लागी, और आँधी चलनके कारनसे हम साइप्रसके आड लैके गए । ⁵किलिकिया और पाम्फिलियाके पार समुन्द्रमे पुगके पिच्छु, हम लुकियाको एक सहेरमे माइरामे आए पुगे । ⁶हुवाँ इटालिया जानके अलेक्जेंड्रियाको एक जहाज पाएके कप्तान हमके बामे चढाए दै । ⁷बहुत दिनतक धीरे-धीरे जाएके कठिनसे क्नीडसमे आएपुगे और आँधी और अग्गु बढ्न ना देनके कारनसे क्रेटको आड लैके हम सालमोनेके किनारे किनारे हुइके गए । ⁸कठिनसे बाके किनारे किनारे लगेके हम सुन्दर बन्दरगाह कहान बारो ठाउँमे आइ गए । हुवाँ से लासिया सहेर जौने रहए । ⁹समय बहुत बित गओ रहए, और समन्दर यात्रा फिर खतरनाक भव रहए, संगए प्रायश्चित-दिवसको उपवासको समय फिर बितजानके कारनसे, पावल बिनके ¹⁰अइसे कहात समझाई संगी जा समन्द्र-यात्रासे केवल जहाज और मालसामन इकल्लो नाए, पर हमर जिउ-ज्यानको समेत खतरा और नोकसनी हुइहए कहिके मए देखत हौं । ¹¹पर कप्तान पावलकी बातसे जद्धा जहाज चलान बारो और जहाजको मालिकके जद्धा पतिआइ । ¹²जा बन्दरगाह हिउँत् काटन ताहिँ असुबिधा होन कारनसे कोइ हलतमे फिर फोनिक्समे पुगके जाणो बितान पडहए करके बहुत जैसे हुवाँसे जहाज चलानके सल्लाह दै । फोनिक्स त क्रेटको एक बन्दरगाह हए जो दक्खिन पछार और सिरे पछारके घुमो हए । ¹³जब दक्खिन आँधी धीरेसे चलन लागि, बिनकी इच्छा पुरी हुइहए करके बे क्रेटके किनारे किनारे होत यात्रा करन लागे । ¹⁴तब थुरदेर पिच्छु बो टापुसे प्रचण्ड आँधी बेढम जोडसे दक्खिन पुबैया कहान बारी बियार चली । ¹⁵जब जहाज आँधीको चबेटामे पडिगै, बो तुफानको अग्गु नाए कर पाई, और हम बोके जितए जाबए करके कहिके छोड दए । ¹⁶क्लौडा कहान बारो एक छोटी टापूके आडमे पुगके पिच्छु हम मुस्किलसे जहाजको नैयाके बचाए पाए ¹⁷बोके उपर उठके पिच्छु बिनके कोइ उपाएसे नाए हुइके जहाजके तरेसे बाँधके ल्याए, और सिरटिस कहान बारो बलौटे दलदल मे फस जाए हए करके डरसे बे पालके उतर दै, और जहाज अपनए चलन लागी । ¹⁸अब आँधी हमके बहुत जद्धा उच्चात पछारन लागि, कल बे जहाजके मालसमान फेकन लागे । ¹⁹और तिस्रो दिन बे अपन हातसे जहाजमे लठारा मिलए दै । ²⁰गजब दिनतक घामु, तारा कछु नाए देखनके पाए । तुफान लगातर चलत रही, अन्तमे बचनकोआशा समेत हराइगव रहए । ²¹गजब दिनतक नखाएके बैठे रहए । तब पावल बिनके ठिन आएके कहि, 'संगी तुम, मिर सल्लाह मानके क्रेटसे जहाज नाए चलनके रहए, और अइसो संकट और हानि भोगन नाए पडतो । ²²अब मए कहात हौं सहांस करओ । तुमर मैसे कोइकी ज्यान नाए जए हए, तब जहाज चाहिँ नष्ट हुइ जए हए । ²³काहेकी जौन परमेश्वरको मए हौं । और जौनको आराधना मए करत हौं, बाको एक दुत आज रातके मिर जौडे ठडो रहए । ²⁴बा मोसे कहि, 'पावल मत डरए, तुम कैसरके अग्गु आवश्यक ठडन पड़ैगो, और देखओ, तुमर संग जहाजमे चढ्न बारेक प्राण परमेश्वर तुमरे हातमे सौप दै हए ।' ²⁵जहेमारे संगी तुम सहांस करओ मए परमेश्वरमे विश्वास करत हौं, मोके जैसो बताई हए ठीक उडसी हुइहए । ²⁶पर हम के कोइ एक टापूमे ठावकर खान पडैगो । ²⁷तब जब चौथो रात भई, और एडियास समुन्द्रमे हम उतरत रहए, तब आँधी रात घेन जहाज चलन बारे हम कोइ जमिनके ढिगै पुगे हए करके अनुमान करीं, ²⁸और गहेराई नापके देखि बे सैतिस मिटर पता लगाई थुरदुर जाएके फिर गाहीराई नपाके बे छब्बीस मिटर पता लगई ²⁹और कोइ चट्टान उपर ठक्कर खान पुगे हँए कि डरसे बे जहाजके पिच्छुसे चार लंगार गिरइ, और सुबेरे होबए करके प्रार्थना करत रहए । ³⁰जब नैया चलान बारे जहाजसे भाजन ढुडत रहए, और अग्गुसे लंगार गिरनके बहानासे नैया समुन्द्रमे डरीरहए । ³¹तब पावल कप्तान और सिपाहीसे कहि, "जे आदमी जहाजमे बैठहँए नाए कहेसे तुम वॉचनाए पाएहौ ।" ³²तब सिपाही जहाजकी रस्सी काटदै, जहाजके जान दै । ³³भुकभुको उजियारो होन लागो रहए, पावल बिनके खानु खानके कहि रहए । बो कहि, "आजको चौध दिन हुइगओ हए, तुम अलमलमे पणके भुखे कछु नाए खाएके बैठे हो ।" ³⁴जहेमारे कछु खबओ करके मए तुमसे कहात हौं । कुछ खाएहौं तब तुम बल पाएहौं, तुमरो मुडको एक बार फिर नष्ट नाए हुइहए ।" ³⁵जा बात कहिके पिच्छु बे रोटी लै और सबके अग्गु परमेश्वरके धन्यवाद चढाई और तोडके खान लागे । ³⁶तब बे फिर हौसला पाएके कुछ खानबारी चीज खाई । ³⁷[जहाजमे होनबारे हम जम्मा दुई सय छयहत्र जनै रहए ।] ³⁸बे अघाएके खाएके पिच्छु जहाज हलको करन ताहिँ समुन्द्रमे गेहुं फेक दै । ³⁹उजियारो हुइके पिच्छु फिर बे बो ठाउँ चिन नाए पाई, पर बे एक ढाहो देखिँ । जाको बलौटे किनरे रहए । जहाजके हुवाँ किनारे लगनके योजना बे करीं । ⁴⁰बे लंगार झारत, और समुन्द्रमे रहन दै । बहेबारे डभना बाधो भई रस्सी खोल्लै । अग्गु पाल उठाएके हव्वा घेन घुमाए दै और जहाजके किनारेसे बढाई । ⁴¹तब पानी तरे लुको रैताको रासमे जहाज ठुके हुवाँए धसिगै, अग्गुको भाग अट्क गव और चलाए नाए पाई, और पिच्छुको भाग त लाणुरसे झोका खाएके टुटान लागो । ⁴²कैदी पैरके भाजन लागे करके सिपाही बिनके मरनके सल्लाह करीं । ⁴³तब कप्तान पावलके बचान मन करी बे अइसो करनसे रुकिगए । पैरन सिक्नबारे जहाजसे पहिले कुदके ढाहोमे जान हुकम बिनके दै, ⁴⁴और बाँकी रहे भए चाहिँ पटरामे और जहाजको खुद्रामे बोपार जानके कहिँ अइसे सबसे अच्छेसे किनारे पुगिगए ।

Chapter 28

¹हम अच्छेसे किनारे पुगे बो टापुको नाउँ माल्ट रहए काहेके हाम पता पए । ²हुवाँक बासिन्दा हमके बहुत दया दिखाई पानीक पड्के जाडो होनके कारनसे बिनके ताहिँ आगी पजार दै, और हमए सबके स्वागत करी । ³पावल एक गडा कठीया जमा करी रहए और बा लाइके आगीमे डारदै । आगीक आँचसे एक साँप निकरके आओ, और बिनके हाथमे लिपट गौ । ⁴"बा हुवाँ के बासिन्दा बिनके हाथमे साँप लिपटो देखके आपसमे कहन लागे, जा आदमी पक्का फिर ज्यानमार हुइहए । जा समूद्रसे बचके त निकरो पर इन्साफसे जा ना बच पाई ।" ⁵पर पावल बा साँपके आगीमे झटकिरदैं, और बाके कछु बिगार ना भओ । ⁶"पर बा को शरीर सुजैगो, औ बा इकबरी गिरके मरैगो कहिके बे सोचन लगे । तव बहुत देर तक सोचत रहँए तहु फिर बाको कछु बिगार ना भव देखके बे अपन विचार बदलके कहन लागे, "जा ता देवता हए ।" ⁷बा टापुक पब्लिस नाउँ भव मुखियक जगह जमिन बा ठाउँके किनारेमे रहए । बे हमके स्वगत करी, और तिन दिन तक बाके घरमे हमर बेबस्ता करी । ⁸पब्लिसको दौवा बुखार और आउँ रोगसे बेमार रहए । पावल बाके देखन गओ, और बाके ताहिँ प्रार्थना करि, औ अपन हात बक उपर धरके अच्छे करि । ⁹जा घटना पिच्छु बा टापुके और रोगी आदमी फिर आए, और अच्छे भए । ¹⁰बे तमान तरिकासे हमर आदर करी । जब हम जहाजमे चढे, बे हमके आवश्यक पडो जित्तो समान जहाजमे डार दै । ¹¹तिन महिना पिच्छु, हम अलेक्जेंड्रीया के जहाज मे चढे । जा जहाज जाडोक महिनामे जहेए टापु मे रहए । जहाज के अग्युक भागमे जुनिया देवताको मुर्ति बनो रहए । ¹²सुराकुसाइमे पुगके हम हुवाँ तिन दिन बैठे । ¹³हुवाँ से हम किनारे-किनारे रेगियनमे आए पुगे । एक दिन पिच्छु दखिन से हवा चली, और दुसरे दिन हम पटिओलिमे आइपुगे । ¹⁴हुवाँ हम भैनके मिले, और बे हमके सात दिन तक उनके संग मे रहन के बित्ति करी । अइसी हम रोम मे आए पुगे । ¹⁵हुवाँ से हमर आगमनको खबर सुनके भैया हमके मिलन अप्पियसके बजार और तिन-पाटि कहन बारो ठाउँमे आए रहए । बिनके देखके पावल परमेश्वारमे धन्यवाद चढाई, और हिम्मत पाई । ¹⁶जब हम रोममे पुगे, तव पावल के एक जनि सिपेयनके रेखदेखमे इकल्लो बैठनके अनुमति मिलो । ¹⁷"तिन दिन पिच्छु पावल यहूदीक स्थानिय अगुवनके बुलान पठाई । बे जम्मा हुइके पिच्छु बा उनसे कहि, " भैया ओ, मए त अपन देश के आदमी, औ पिता पुर्खाक रितिरिवाजके विरुध्दमे कछु काम ना करो रहव । तहु फिर बन्दि हुइके यरुशलेमसे रोमीनके हातमे मोके साँपि हँए ।" ¹⁸बे छानबिन करके पिच्छु मिर मे मृत्युदण्डको कछु कारण ना पाएके मोके छोडदेन मन करी रहए । ¹⁹पर यहूदी बिरोध करनके कारणसे कैसर ठिन बित्ति करन मोके कर लागो- मिर जातीक विरुध्दमे कोइ दोष लगान बारी बात ना रहए । ²⁰"जहेमारे मए तुमसे भेटके बात चित करन तुमके बुलाओ हौ । काहेकि इस्राएलको आशा जो हए बाहेक ताहिँ जा साँकरमे मय बधो हौ ।" ²¹"बे बासे कहि, "हम त तुमर बारेमे यहूदियासे कुछ चिठी नापाए हए । कोइ भैया आइके तुमर बिरुध्दमे कोइ खराब बात फिर सुनाइ नाहँए और बोली नाहँए ।" ²²"पर तुमर विचार का हए सो तुमसे सुनन चाहत हँए । काहेकि जा दलके बारेमे हमके इतकए पता हए, कि इतए उतएके आदमी जाके बिरुध्दमे इकल्लो मसकत हँए ।" ²³तव बे बक ताहिँ एक दिन तोक दैं और गजब संख्यामे आदमी बाके डेरा मे आए । बा बिनके सबेरेसे सन्झा तक पुरो अपने बारेमे बताइ, और मोशक व्यवस्था और अगमवक्तक किताबसे परमेश्वरको राज्यक गवाही दै, और येशूक बारेमे बिनके विश्वास दलान कोशिस करी । ²⁴बक कहि बात कितनो विश्वास करी, कितनो ना करी । ²⁵"बे अपसमे सहमति ना भए, और बिदा होन पेति पावल आखिरमे जा अपन मनकि बात बताइ, "तुमर पिता-पुर्खाके यशैया अगमवक्तासे पवित्र आत्मासे कहि वचन ठिकए रहए, " ²⁶"जे आदमी ठीन जाएके काहो, "सुनन ता तुम सुनत हौ, पर कबहु ना समखत् हौ, देखन त तुम देखत हौ पर कबहु ना देख पात हौ ।" ²⁷"काहेकि जे आदमिनको हृदय कमजोर हुइगौ हए, और बिनके कान बाहिरे हुइगए हए, और बे अपन आँखी मिचे हँए, नत बे अपन आँखी से दिखते, कानसे सुनते, हृदयसे समझते, और लौटते, और मए बिनके अच्छो करतो ।" ²⁸"जहेमारे तुमके पता होबए, कि परमेश्वरको जा मुक्ति अन्यजातिन के ताहिँ पठाई हए, और बे सुनङ्गे ।" ²⁹और बा जे वचन कहिके पिच्छु यहूदी आपसमे गजब काहसुनी करतए विदा भए । ³⁰पावल पुरो दुइ वर्ष तक अपनि खर्च मे रोम मे बैठो, और बक ठीन आन बारे सबैके बा स्वगत करी । ³¹बा खुल्लम खुल्ला और बिना रोकटोकसे परमेश्वरको राज्यक प्रचार करत रहए और प्रभु येशू ख्रिष्टके बारेमे शिखात रहए ।

Romans

Chapter 1

¹प्रेरित होनके तँहि बुलाएभए और सुसमाचारको कामके तँहि अलग करोभौ ेशू ख्रीष्टको दास पावल । ²बा अपन अगमवक्तानसे आगुयए धर्म- शास्त्रमे प्रतिज्ञा करी भइ सुसमाचार जहे हए । ³जा शरीरअनुसार दाऊदको वंशसे जलमो भौ बाको पुत्रके बारेमे हए । ⁴मरेनसे पुनरुत्थान हुइके और पवित्रताको आत्मासे शक्तिशाली परमेश्वरको पुत्र होन घोषण करो भौ बा हमर प्रभु येशू ख्रीष्ट हए । ⁵बाको नाँउके ताहिँ सबए जातिठिन विश्वासके आज्ञाकारिताके तँहि हम बासे अनुग्रह और आगुवको काम पाए हँए । ⁶जे जातिन मैसे तुम फिर येशू ख्रीष्टको होन बुलाए भए हौ । ⁷जा पत्र रोममे भए सबएके तँहि हए, आथव परमेश्वर प्रिय, जो पवित्र जाति होन बोलाएभए हँए । हमर परमेश्वर और प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रहऔर शान्ति तुममे रहबए । ⁸आगु तुम सबएनके तँहि येशू ख्रीष्टसे मए परमेश्वरके धन्यवाद चढातहौ, काहेकि तुमर विश्वास सारा संसारभर घोषणा करो हए । ⁹काहेकि मए तुमर नाउँ कित्तो लएरहत हौ कहिके परमेश्वर मिर साँछी हए । बाको पुत्रको सुसमाचारमे मए मिर आत्मासे(जोसके साथ) बाको सेवा करत हौ । ¹⁰परमेश्वरको इच्छासे जैसे फिर मए तुमरठिन आनके सफल होन सकौ कहिके मए साद मिर प्रार्थनामे अनुरोध करत हौ । ¹¹मए तुमके भेटन गजब इच्छा करत हौ, ताकि तुमके तगडो बनानके ताँहि मए तुमके कुछ वरदान दै पामउँ । ¹²अइसी तुमर और मिर एक-दुसेको विश्वाससे मए आपसि रुपमे उत्साहित होन गजब इच्छा करत हौ । ¹³मए बिषेस ः तुमर ठिन आन इच्छा करो कहि बातमे तुम अन्जन होबओ कहिके मए ना चाहँत हौ, पर मोके अभेसम्म रोकोगव हए । मए बाँकी गैरयहूदीनके बिचमे जैसो तुमर बिचमे फिर कुछ फल पानके ताँहि जा चाहो हौ । ¹⁴मए यहूदीन् और विदेशीन्, बुद्धिमनिन् और मूर्खन दुनैको ऋणी हौ । ¹⁵जहेमारे मिर हकमे मए तुम रोममे होन बारेनके फिर सुसमाचार प्रचार करन तयार हौ । ¹⁶मए सुसमाचारके ताँहि ना शर्मात हौ, काहेकि जा विश्वास करन बारे सबय के ताँहि परमेश्वरको मुक्तिको शक्ति हए, पहिले यहूदी और जकपिच्छु ग्रिकनके ताँहि । ¹⁷काहेकी जहेमे परमेश्वरको धार्मिकता विश्वाससे विश्वासमे करो गव हए, जैसो लिखो हए "धर्मी विश्वासैसे जिहए ।" ¹⁸काहेकि सबय भक्तिहीनता

और आदमीनको पापके बिरुद्ध परमेश्वरकी क्रोध स्वर्गसे प्रकट भौ हए जौन भक्तिहीनताद्वारा सत्यताके रोके हए।¹⁹जा परमेश्वरके बारेमे अनजान भइ बात बिनके दृश्य होनके करनसे है काहेकि परमेश्वर बिनके प्रकाश दै हए।²⁰काहेकि संसारकी उत्पत्तिसे बाक अदृश्य पक्ष स्पष्ट रुपमे दृश्य भए हँए। बे सृजेभए चिजनके द्वारा बुझेगए हँए। जे पक्ष बाको अनन्त शक्ति और ईश्वरीय स्वभाव हँए। परिणामस्वरुप जे आदमीनके कोई बहाना ना हए।²¹जा बे परमेश्वरके चिनके फिर बे बाके परमेश्वरके रुपमे महिमा नदेन के करनसे भौ हए। बरु बे अपनी बिचारमे मुख भए, और बिनको अचेत हृदय अँध्यारो भव।²²बे बुद्धिमान भौ कहिके दाबि करीं ताहुँ फिर बे मुख भए²³, बे अबिनाशी परमेश्वरकी महिमाके नाश होन बारे आदमी, चिरै चुर्गुनी, चार टाङ्गके जनावर और घिष्टन बाले जीवजन्तुनके प्रतिमासे साटे।²⁴जहेमारे परमेश्वर बिनकी अशुद्धके तौहें अथवा बिनके बिचमे बिनको शरीरकी अनादर होबए कहिके बिनको कामवासनामे छोड दै।²⁵परमेश्वरको सत्यताके झुठोसे बदलके सदा सर्वदा प्रशंसा करन बारो सृष्टिकर्ताके आराधना करनके बादला सृष्टि करोभौ चिजनके सेवा करन बारे बेहिँ हँ।²⁶जहेमारे परमेश्वर बिनके शरम लागन बालो कामके ताहि छोड दै, काहेकि बिनकी बैयर अपन स्वाभाविक व्यवहारके अस्वाभाविक व्यवहारमे बदलीं,²⁷अइसी पुरुष फिर स्त्रीसंगको स्वभाविक कामके छोडीं, और एक -दुसरेघेन स्वभाविक व्यवहार छोड के एक दुसरे घेन शरम लागन बारो कामके जलनमे लगो और लोग लोगसे निर्लज्ज काम करि, औ अपनी शरीरमे अपन कसुरके उचित दण्ड भोगी।²⁸बिनको सजगतामे बे परमेश्वरक हए कहिके सहमत ना होनके करनसे बा बिनके बिनको अनुचित काम करनके तौहि भ्रष्ट मनमे छोड दै।²⁹बे अधार्मिकता, दुष्टता, लोभ, हिर्ससे भरे हँए। बे दिक्क, हत्या, लडाई झगडा, छल बिजरोसे भरे होत हँए, और बे औरैक बात काटनो,³⁰और बदनाम कारन बारो परमेश्वरके घृणा करन बारो, हँकड, अहंकारी, अभिमानी, दुष्ट बात रचके नेगन बारो, अइया दौवाक आज्ञा पालन ना करन बालो³¹मुख, विश्वास घाती, निर्दयी,और झन्नी होत हए।³²अइसो करन बारे मरन योग्य होत हँए कहिके परमेश्वरको नियमके बे जानत हँए। पर बे जा थोक करन इकल्लो ना हए, बे आइसो करनबारेन संग सहमत फिर होतहँए।

Chapter 2

¹जहमेरे तुमके कोइ बहाना नैयाँ । ए आदमी, ताय जौन न्याय करत हौ औ ताय दुस्सेके जोके ताँहि दोष लगात हौ तुम अपने फिर बहेमे दोषी ठरैगे । काहेकी ताय न्याय करन बारो फिर बेही बात करतहौ । ²पर आइसो बात बारनके उपर परमेश्वरको न्याय होत सत्यताके जैसो हुइ हए कहिके हम जानत हँए । ³पर ए आदमी, जाकेताए अइसो काम करन बालेके दोष लगात हए, और अपना फिर बहे काम करत हौ, का परमेश्वरको न्यायसे वाचडगे कहिके तए सोचत हौ? ⁴या परमेश्वरको कृपासे तोके पश्चाताप घेन लैजात हए कहिके पत्ता नपाइके का तय बक दया, सहनशिलता और धैर्यको प्रशस्तताके खराब मानत हौ? ⁵तव परमेश्वरको धार्मिकताको न्याय प्रकट होन बारो दिक्कके दिन ताहि अपनो कठोर और अपश्चात्तापी हृदय करके तुम अपने ताहि दिक्कको जमा लगात हौ । ⁶काहेकि बो हरेक मानेनको उनको काम अनुसार देमंगे । ⁷धैर्यसे अच्छो काम करके महिमा, इज्जत और अमरत्तो दुइनबारनके चाँही बो अनन्त जीवन देबैगे । ⁸पर झगडालु, सत्यको पालन ना करनबारो, और दुष्टतामे नेगन बारन के उपर ता क्रोध और दिक्क पडइगे । ⁹खराब काम करन बारे सबयआदमी के उपर सडकट और आफत आए पडइगे, पहिले यहूदी उपर और अन्यजातिके उपर फिर । ¹⁰और अच्छे काम करन बारे सबयके पहिले यहूदीनके उपर और अन्यजातिके फिर गौरव, इज्जत और शान्ति प्राप्त होबइगे । ¹¹काहेकी परमेश्वर पक्षपात ना करत हए । ¹²सबए जौन व्यवस्थाविना पाप करी हँए, बे व्यवस्था विनासे नष्ट फिर होमंगे, और व्यवस्थाके तरे रहीके फिर पाप करनबारनके न्याय व्यवस्थाद्वारे सेहोबाइगे । ¹³काहेकी व्यवस्था सुनन बारे परमेश्वरके अगु धर्मी ना ठहरडगे, पर व्यवस्था पालन करन बारे धर्मी ठहरडगे । ¹⁴काहेकी व्यवस्था नहोनबारे अन्यजातीको स्वभावएसे व्यवस्था अनुसार काम करत हए, कहिकेबिनके व्यवस्था नहुइसे फिर बे अपन ताँहि अपनए व्यवस्था होमाडगे । ¹⁵व्यवस्थासेचाँहन बालि बात अपन हृदयमे लिखो भव बे दिखात हएँ, और बिनकी अपनी दिमाकसे फिर गवाही देत हए, और बिनको विचार कभी विनके दोष लागत हए, और कभी समर्थन करत हए । ¹⁶औ परमेश्वरप्रति फिर जहे बात लागु हुइहए । जा बा दिन हुइ हए जब परमेश्वर मोके प्रचार करो भव सुसमाचार-अनुसार येशू ख्रीष्टसे आदमीको गोप्य बातके न्याय करडगे । ¹⁷और अगर तुम यहूदी हौ कहेसे व्यवस्थामे भरोसा पडके परमेश्वरसँगको सम्बन्धमे घमण्ड करत हौ, ¹⁸और बाकी इच्छा जानत हौ, और व्यवस्थासे सिकाइ भइ अच्छी बातके मानत हौ, ¹⁹और तुमके जा पक्का हए कि तुम अन्धाको अगुवा हौ, और अन्धकारमे होनबारेके ताहि ज्योति हौ, ²⁰मुखके सुधारत हौ, अपरिपक्वके शिक्षा देत हौ, काहेकी व्यवस्थामे सबै बुद्धि और सत्यता प्राप्त करे हौ²¹ - जब तुम दुसरेके सिखात हओ, तव का आपनएके ना सिखात हओ ? जब तुम चोरिके विरुद्धमे प्रचार करत हओ, का तुम अपनाए चोरी करत हओ? ²²तुम, जौन व्यभिचार ना करौ कहिके कहत हओ, का तुम अपनाए व्यभिचार करत हौ? तुम जौन मुर्तिके घृणा करत हौ, का तुम अपनाए मन्दिरके लुटत हौ? ²³तुम जौन परमेश्वरको व्यवस्थामे गर्वके साथ रमात हौ, का तुम व्यवस्था भङग करके परमेश्वरको अनादर करत हौ? ²⁴काहेकी, लिखो हए, “अन्यजातिके विचमे परमेश्वरको नाउँ तुमहीं से निन्दित भव हए ।” ²⁵यदि तुम व्यवस्था पालन करत हौ कहेसे वास्तवमे खतनासे निहतै तुमके फाइदा हए, पर व्यवस्था भङग करनबारे हौ कहेसे तुमर खतना बेखतना होत हए । ²⁶अगर शरीरमे बेखतना भव व्यवस्थाके धार्मिक-विधान पालन करत हौ कहेसे, का बिनको बेखतना खतनामे ना गिनैगे का? ²⁷तव शरीरमे खतना ना भव फिर व्यवस्था चाँही पालन करन बाले लिखित व्यवस्था भए और खतना फिर भए तुम व्यवस्था भङग करन बारेके दोषी ठहरात हौ । ²⁸काहेकि बा यहूदी ना हए जो बाहिरी रुपसे इकल्लो यहूदी हए, उइसीयए निहतै खतना फिर बाहिरी और शारीरिक बात नैयाँ । ²⁹यहूदी बो हए, जो भित्री रुपसे यहूदी हए, और निहतै खतना त हृदयकि बात हए, जा आत्मिक बात हए, लिखित व्यवस्थाकि बात नैयाँ । अइसो आदमी को प्रशंसा आदमी से नाए, पर परमेश्वरसे होत हए ।

Chapter 3

¹अब यहूदीके का फाइदा हए त? अथाव खतनाको का मोल? ²हरतरहासे जा मे गजब फाइदा हए। सबसे अगु त परमेश्वरको वाणी यहूदीके सौंपदै हए। ³अगर बिनमैसे कोइ कोइ विश्वास नाकरी कहेसे, का हुइहए ता? का बिनकी अविश्वास परमेश्वरको विश्वासयोग्यताके रद्ध करत हए का? ⁴उइसो ना होबाए, परमेश्वर सत्य और सब आदमी झुठे ठहरे। जैसो लिखो हए, "तुम अपन वचनमे ठिक ठहरओ, और न्याय होतए तुमविजय होबाओ।" ⁵और हमर अधार्मिकतामे परमेश्वरको धार्मिकताके प्रकाशमे लातहए, तव हम का कहँए? का परमेश्वरको दिक्क हमरउपर आएपाडो तव बो अन्याय करत हए? (मए मानवीय जैसितर्क करतहौ।) ⁶कादपी ना होबए! उइसो हए, कहेसे परमेश्वर संसारको इन्साफ कैसे करइगो? ⁷पर अगर मिर झुटसे परमेश्वरको सत्यता बक महिमाके ताहिँ प्रशस्त प्रशंसा प्रदान करत हए कहेसे मोके अभेफिर काहे पापीके रुपमे न्याय करत हँए? ⁸काहे नकाहँए, जइसी हमके झुठे रुपमे आरोप लागत हएँ, और कोइ ता पुष्टि करत हँए, कि हम काहत हँए, "दुष्ट काम कारएँ, ताकि असल आबए।" ⁹बिनको न्याय उचित हए। ¹⁰अइसो हए तौ का? का हम अपनए आपनो सफाइ देत हँए? आइसो नाहोबए! काहेकी यहूदीन् और ग्रीक सबए पापके अधीनमे रहँए कहिके हम पहिलियए दोष लगाएडरे हँए। ¹¹जइसो लिखो हए, "धर्मी कोइ नैयाँ, एक जनै फिर नैयाँ, ¹²बुझन बारो कोइ नाहए। परमेश्वरके दुइन बारो कोइ नाहँए। ¹³बे सब बराने हँए, बे एक सँग बेकममा भए हँए। असल करन बारो कोइ फिर नाहँए, अँहँ एक जनै फिर नाहँए।" ¹⁴बिनको मुहू खुलो चिहान हानि हए, बे अपन जिभसे छलकि बात करत हँए।" ¹⁵"सौंपको विष बिनकी ओठमे हए।" ¹⁶बिनकी मुहू सराप और खराब बातसे भरो हए।" ¹⁷बिनकी टाडग रक्तपात करन ताँहि तयार हएँ। ¹⁸बिनास और कष्ट बिनकी डगरमे हए, ¹⁹जे आदमी शान्तिकि डगर बे चीनत ना हँए।" ²⁰बिनकी आँखीके सामने परमेश्वरको डर ना हए। ²¹अब हम जानत हएँ, जो-जित्तो व्यवस्था कहत हए, व्यवस्थाके तरे होन बारसे कहत हए, कि हरेक मुहू चूप लागौ, और सारा संसार परमेश्वरके अगु जवाफ देन बारो होबए। ²²बाक नजरमे जहेमारे व्यवस्थाको कामसे कोइ प्राणी बोकी दृष्टिमे धर्मी ना ठहरैगो, काहेकी व्यवस्थाद्वारए पापको चेतना भौ हए। ²³पर अब त व्यवस्था बिना परमेश्वरके आन बारो धार्मिकता प्रकट भौ हए। बहेकि गवाही व्यवस्था और अगमवक्ता दै हए। ²⁴येशू ख्रीष्टमे विश्वास करन बारो सबएके उपर परमेश्वरको धार्मिकता विश्वाससे प्रकट भौ हए। ²⁵काहेकी सबए पाप करीँ हएँ, और परमेश्वरको महिमासम्म पुगनके चुके हएँ। ²⁶परमेश्वरको अनुग्रह को वारदानसे ख्रीष्ट येशूमे भए उद्धारसे बेए सँतमे धर्मी ठहरेहएँ। ²⁷काहेकि परमेश्वर ख्रीष्ट बोके रगतसे प्रायश्चित बलिदान स्वरूप त्याग करी रहएँ, जौन प्रायश्चित विश्वास ग्रहण करन पड़त हए। जा काम परमेश्वर अपन धर्मिकता दिखन ताहि करी रहए, काहेकी बो इश्वरीय धैर्यमे अगुके पापनके बो वस्ता ना करी रहए। ²⁸परमेश्वर अपनै धर्मी हए और येशूमे विश्वास करन बारो बो धर्मी ठहराबैडगो कहन बारी बात प्रमाण करन ताँहि बो वर्तमान समयमे जा करी रहए। ²⁹धमण्ड कहाँ करएँ? जा त हटाव गौ हए। काके आधारमे? कामके आधारमे? नाए, पर विश्वासके आधारमे हए। ³⁰v 28 तव हम निचोडमे आमंगे, कि कोइ फिर आदमी व्यवस्थाके कामकेबिना विश्वासद्वारए धर्मी ठहारत हए। ³¹का परमेश्वर केवल यहूदीनको इकल्लो परमेश्वर हुइहए का? का बो अन्यजातिनके फिर परमेश्वर ना हए का? हौँ बो अन्यजातिनको फिर परमेश्वर हए। ³²अगर गौसएके एक परमेश्वर हए तौ बो खतना भएनके विश्वासद्वारा धर्मी ठहारत हए, और खतना नाभएनके फिर विश्वासकेद्वारा धर्मी ठहारत हए। ³³का हम विश्वाससे व्यवस्थाके रद्द करत हँए? कबहुँ ऐसो ना होबए! बरु हम त व्यवस्थाके कायम करत हँए।

Chapter 4

¹अब, शरीर अनुसार हमर पुर्खा अब्राहामके बारेमे हम का कहँए त? ²अगर अब्राहाम कामसे धर्मी ठहिरतो तौ उनके घमण्ड करनको कारण हुइतो, पर परमेश्वरके अगु त नाए। ³काहेकी पवित्र-शास्त्रमे का कहत हए? "अब्राहाम परमेश्वरउपर विश्वास करी, और बो उनके तौहि धार्मिकतामे गिनीगौ।"⁴ "अब जौन काम करत हए, बाक ज्यालाके अनुग्रहके रुपमे ना गिनोजात हए, पर पानबारी विजको रुपमे गिनो जात हए।⁵ पर बाक तौहि जौन काम ना करत हए, पर बोकि साट्टा अधर्मीके धर्मी ठहरानबारोमे विश्वास करत हए, बोकी विश्वसकी धार्मिकताके रुपमे गिनहए।⁶ दाऊद फिर काम बिना परमेश्वर धार्मिकतामे गिनो भौ आदमीके आशिष घोषणा करत हए।⁷ "बा कहि बे धन्यके हएँ, जोकी अपराध क्षमा हुइगओ हए, और बक पाप तोप दाईहए।" ⁸बो आदमी धन्यको हए, जौनको विरुद्धमे परमेश्वर पापको लेखा नएलेतहए।⁹ तव का जा आशिर्वाद खतनाबालेनके तौहि मात्र हए? कि बेखतनाबालेनके तौहि फिर हए? काहेकी हम कहत हँएँ, अब्राहामके तौहि त उनको विश्वाससे धार्मिकताके रुपमे गिनो।¹⁰ असो हए कहेसे, जा कैसे गिनीगौ तौ? अब्राहाम को खतना होनसे अगु अथाव पच्छु? जा खतनामे होत ना भौ रहए, पर बेखतनामे भौ रहए।¹¹ अब्राहाम खतनाको चिनहा पाइ। जा विश्वासको धार्मिकताकी छाप रहए, जो बा खतना होनसे पहिले पाइ गौ रहए। जा चिनहाको फल ता बे खतना होनसे पहिलियए बा विश्वास करन बारे सबएक पिता बनो। जक मतलब जा हएकी बो धार्मिकता बिनके तौहि धार्मिकतामे गिनैगो।¹² जक मतलब जा हएकी अब्राहाम खतनासे आए भए बालेक तौहि इकल्लो नाए, पर हमर पिता अब्राहामके पिछुवान बालेनके तौहि फिर पिता बनो। और बो खतना होनसे पहिलियए बक संग विश्वास रहए।¹³ काहेकी संसारके उत्तरधिकारी होनके तौहि अब्राहाम और उनको वंशके दओ प्रतिज्ञा व्यवस्थासे ना दैरहए, पर जा विश्वासके धार्मिकतासे रहए।¹⁴ काहेकि अगर बो व्यवस्था पालन करनबारे मात्र उत्तराधिकारि हँएँ कहेसे विश्वासके त खाली बानइ और प्रतिज्ञाके रद्द करी।¹⁵ काहेकी व्यवस्था दिक्क लतहए, पर जहाँ व्यवस्था नैयाँ बोहुअँ अपराध फिर ना हुइहए।¹⁶ जहेमारे जा विश्वासकेउपर होत हए, काहेकि बो अनुग्रहउपर हुइ पाबए। फलके रुपमे, प्रतिज्ञा सबए सन्तानके तौहि पावको हए। और जे सन्तान व्यवस्था इकल्लो जानन बरेनके तौहि ना हए, पर बे अब्राहामकी विश्वाससे आएभएनके फिर समेटत हए। काहेकी बो हम सबकी पिता हए।¹⁷ जैसो लिखो हए, "मए तोके तमान जातिके पिता बनाओ हौ।" अब्राहाम अपन भरोसा करो भौ परमेश्वरकी उपस्थितिमे रहए, जौन मरेनके जीवन देतहए और अस्तित्वमे नाभए चिजके अस्तित्वमे लाए सकत हए।¹⁸ जे सबए बाहिरी परिस्थिती होतसोत फिर भविष्याके तौहि अब्राहाम परमेश्वरमे दृढ भरोसा करी। तहिकमारे बा "तिर बाच्चा आइसी होमंगे" कहो जैसो गजब जातिनकि पिता बनो।¹⁹ बो विश्वासमे कमजोर ना रहए। अब्राहाम जानिगौ की बक शरीरमे बाच्चा जलमन तागत ना रहए। (काहेकी बो करिब सौ वर्ष घेन पुगिगौ रहए)। साराकी कोख फिर बाच्चा जलमान तौहि तागत ना रहए फिर बि बा स्वीकार करी।²⁰ पर परमेश्वरकी प्रतिज्ञाके कारण, अब्राहामके कुछु शङ्का (अविश्वास) ना रोकी। बरु, बाके विश्वासमे पावको बनाइ और बा परमेश्वरकी प्रशंसा करी।²¹ परमेश्वर जो बात प्रतिज्ञा करी रहए, बो बा बात पुरा करन तौहि होन्नरी रहए बा पूर्ण रुपमे विश्वस्त रहए।²² "जहेमारे फिर बा को विश्वास" बाके तौहि धार्मिकता गिनी।²³ अब जा केवल बाको भलाईके तौहि ना गिनो रहए।²⁴ जा हमर तौहि फिर लिखो गौ रहए, जौनके तौहि गिनन बारो हए, हम जौन हमर येशू प्रभुके मरके जिन्दा करन बारोमे विश्वास करत हँए।²⁵ बो बाही हए जौनके हमर अपराधके तौहि सौँपो गौ रहए, और हमके धर्मी ठहरान तौहि जिन्दा भौ हए।

Chapter 5

¹हम विश्वाससे धर्मी ठहारानके करणसे हमर येशू ख्रीष्टसे हम परमेश्वरसंग शान्तिमे हूँ। ²हम बोक उपरको विश्बवाससे जा अनुग्रहमे घूसन् पाए हूँ। जा अनुग्रहमे हम ठडे हूँ। हमर परमेश्वर हमके भविष्यके ताँहि मजबुती देन बारो मतलब परमेश्वरके महिमामे सहभागी हुइके हमर आशामे हम रमातहए। ³यितकै इकल्लो नैयाँ, पर हम अपनो संकष्टमे फिर रमातहूँ।, हम जानत हूँ कि संकष्ट सहनशीलता उत्पन्न करतहए, ⁴सहनशीलता मिलाप उत्पन्न करात हए और सहमति भविष्यके ताँहि भरोसा उत्पन्न करात हए। ⁵आशा हमर निराशा ना करत हए, काहेकी हमके दौ भौ पवित्र आत्मासे परमेश्वरको प्रेम हमर हृदयमे अखानए दैहए। ⁶काहेकी हम दुर्वल रहएँ ख्रीष्ट अधर्मीके ताँहि ठीक समयमे मरीगौ। ⁷कोई मुस्किलसे मरीगौ एक जानै धर्मी आदमीके ताँहि, आथव एक जानै असल आदमीके ताँहि सायद कोई मारनको साहस करतो। ⁸पर परमेश्वर हमर ताँहि बाको प्रेम जहेमे दिखातहए, कि हम पापी होतए ख्रीष्ट हमर ताँहि मरो हए। ⁹जहेमारे बाको रगतसे औ जद्धा धर्मी ठहारे हूँ, पर हम बा को क्रोधसे बचडगे। ¹⁰काहेकी हम शत्रु होतए बाको लौडाके मृत्युसे परमेश्वरसँग हमर मिलाप भव रहए, ताबहि झन् जाद्धा अब उनहिसँग मिलाप हुइके ख्रीष्टको जीवनसे हम बचामडगे। ¹¹यितकै इकल्लो नए, पर हमर प्रभु येशू ख्रीष्टसे परमेश्वरमे हम रमात फिर हूँ, बासे अब हमके परमेश्वरसँग मिलाप प्राप्त भौ हए। ¹²एक जनै आदमीसे संसारमे पाप आओ, और पापसे मृत्यु आओ। आइसी सब आदमीमे मृत्यु फैलिगौ, काहेकी सब पाप करीं। ¹³व्यवस्थासे अगु फिर संसारमे पाप रहए, पर जहाँ व्यवस्था नैयाँ, बोहुना पापको लेखा फिर नाहोतहए। ¹⁴आदमसे लैके मोशा तक और आदमीकी जैसो पाप नकरन बारेके उपर फिर मृत्यु राज्य करी, जो आनबारो रहए बक प्रतिरुप रहए। ¹⁵सैंतको वरदान और बो अपराधमे कोइ समानता नैयाँ। काहेकी एक जनै आदमीको, अपराधसे तामान आदमी मरे और एक जनै आदमी आथब येशू ख्रीष्टको अनुग्रहसे अनबारो वरदान गजबके ताँहि प्रशस्त होबए। ¹⁶सैंतको वरदान त एक जनै आदमीको पापको नतिजाजैसो ना हए। एकघेन, एक जनै आदमीको अपराधसे दण्डको न्यो आओ। दुस्रो घेन सैंतको वरदान गजब अपराध पिच्छु निर्दोषीकरणको नतिजामे आओ। ¹⁷अगर एक आदमीको अपराधसे बा आदमीसे मृत्यु राज्य करी, कहेसे झन जाधा प्रशस्त अनुग्रह और धार्मिकताके सैंतको वरदान पनबारो एक आदमी येशू ख्रीष्टसे जीवनमे राज्य करैगौ। ¹⁸आइसी जा एक आदमी अपराधसे सब आदमी दण्डको भागीदार बने, आइसीयए एक आदमीकी धार्मिकताको कामसे सब आदमीके ताँहि धर्मीकरण आओ। ¹⁹जैसी एकआदमीके अनाज्ञाकारितासे गजब जनैके पापी बनाई, आइसी करके एक जनै आज्ञाकारीसे गजब जनै धर्मी बनङ्गे। ²⁰पर व्यवस्था आओ काहेकी अपराध बढए। पर जहाँ पाप बढेहए अनुग्रह झन जाद्धा बढेहए, ²¹जहेमारे कि जैसी पाप मृत्युमे राज्य करी, आइसी करके येशू ख्रीष्ट हमर प्रभुद्वारा अनुग्रहसे धर्मी ठहरएके अनन्त जीवनतक राज्य करए।

Chapter 6

¹अब हम का कहँए? का अनुग्रह प्रशस्त होबाए कहिके हम पापमे लगेरहमए ? ²आइसो कबहु नहोबाए! हम जो पापके ताहिं मरे, तव हम कैसे बा पापमे जिमएँ ? ³जितनोके खीष्ट येशूमे बप्तिस्मा देहए, उनके बाको मृत्युमे बप्तिस्मा देहए का तुम नजानत हो ? ⁴जहेमारे बप्तिस्मामे हम मृत्युमे बाकेसँगा गाडे गए, ताकि जैसी पिताके महिमामे खीष्ट मरेभएसे जिन्दा भौ, अइसी हम फिर नयाँ जीवनको डगरमे नेगैं ।। ⁵अगर बाको मृत्युमे हम बाकेसँगा एक भए हएँ कहेसे, बाके पुनरुत्थानमे फिर पक्कए हम बाकेसँगा एक होमंगे । ⁶हम जानत हएँ, कि हमर पूरानो मनुष्यत्व बाकेसँगा क्लसमे टाँगिगओ, ताकि हमर पापमय शरीर नाश होबए, और अब उइसो हम पापको कमैया नहोमएँ । ⁷काहेकी जो मरो हए बो पापसे मुक्त भौ हए । ⁸पर हम खीष्टसँगा मरे हएँ कहेसे बाकेसँगा जिमङ्गे काहिके विश्वास करत हएँ । ⁹हम जानत हएँ कि खीष्ट मरेभए मैसे जिन्दा हुइके फिर न मरेगो । अब बाकेउपर मृत्युको राज्य नाहुइहए । ¹⁰जौन मृत्युमे बो मरो बो पाप के ताहिं सदिमान के ताहिं एक दौं मरो । पर जौन जीवनमे बो जितहए, बो परमेश्वरके ताहिं जितहए । ¹¹अइसी करके तुम फिर अपन- अपन पापके ताहिं मरे, पर खीष्ट येशूमे परमेश्वरके ताहिं जिन्दा भौ मानन पड़त हए । ¹²जहेमारे शरीरको अभिलाषा अनुसार चलन नपडै कहिके तुमके मरणशील शरीरमे पापके राज्य करन मत देव । ¹³अपन शरीरके अङ्गके दुष्टताके साधनके रुपमे पाप करन समर्पण मतकरौ । पर मृत्युसे जीवनमे लाए भए आदमी जैसो अपनैके परमेश्वरठीन दैदेओ, और शरीरके अङ्गनके धार्मिकताके साधन जैसो परमेश्वरठीन समर्पण करौ । ¹⁴काहेकी पापके तुमरउपर राज्य करन नदेव, काहेकि तुम व्यवस्थाके अधिनमे नाहौ, पर अनुग्रहके अधिनमे हो । ¹⁵अब का तौ? का हम व्यवस्थाके अधिनमे नैयाँ, पर अनुग्रहके अधिनमे हएँ कहिके पाप करै का ? कबहु अईसो ना होबए । ¹⁶का तुम नजानत हो, आज्ञाकारी कमैयाको रुपमे अपनएके जौन ठिन समर्पण करत हो, बक उपर तुमके आज्ञाकारीहोन पड़हए? जा सत्य हए की तुम मृत्युधेन जानबरो पापको कमैया हो या धार्मिकताधेन लैजानबरो आज्ञाकारीके सेबक हो। ¹⁷पर परमेश्वरके धन्यवाद होबए, कि तुम जो एक बार पापकी कमैया रहौ, पर तुमअपनएके दौ भौ शिक्षाको ढाँचाके अपन हृदयसे पालन करौ। ¹⁸तुमके पापसे मुक्त करि हए और तुमके धार्मिकताको कमैया बनाओ गौ हए । ¹⁹तुमर मे रहोभौ मानवीय कमजोरीके कारण से मए तुमके समकनबरो भाषामे मसकत हो । काहेकी जैसी तुम एक चोटी अपन अङ्गनके अशुद्धता और औरजाध्या अपराधके ताहिं समर्पण करे । अब उइसिए पवित्रकरणके ताहिं अपन अङ्गनके धार्मिकताके ताहिं समर्पण करौ । ²⁰तुम पापके कमैया भए बेरामे धार्मिकताके ताहिं स्वतन्त्र रहौ । ²¹अब जौन बातमे तुम हबे शर्मात हओ, बो बातमैसे तुमसंग प्रतिफल रहएँ? बे बातनकि अन्त मृत्यु हए । ²²पर अब तुम पापसे मुक्त हुइके परमेश्वरके कमैया भए हओ, तव तुमर पानबरो प्रतिफल पवित्रकरण हए, और बाको अन्तमे, अनन्त जीवन । ²³काहेकी पापको ज्वाला मृत्यु हए, पर परमेश्वरको सेंटको वरदान खीष्ट येशू हमर प्रभुमे अनन्त जीवन हए ।

Chapter 7

¹भइया रेओ, का तुम ना जनत हओ-मए व्यवस्था जानन बालेनसे मसक रहो हौं कि आदमीनको जीवनकाल तक इकल्लो रहन तक नियन्त्रण करतहए ।
²उदाहरणके ताहिं, एक व्यहा भइ बैयर बाको लोगा जिन्दाहोन तक अपन लोगा सँग कानुनि रुपमे बँधी रहत हए, अगर बक लोगा मरिगव तव लोगाको नाता कानुनसे बो मुक्त हुइ जात हए । ³अगर लोगा जिन्दा होतमे फिर बो दुस्रो लोगा करके बक सँग रहएगी तओ बो व्यभिचारी कहिलाइगी। पर लोगा मरजए हए तौ बो जा कानुनसे मुक्त हुइ जए है, और दुसरो लोगासे व्यहा करे से फिर बो व्यभिचारी ना हुइ हए ।⁴अइसी मिर भइया रेओ, तुम फिर खीष्टको शरीरसे व्यवस्थक ताहिं मरे हौ, काहेकी तुम औरोआदमी, अर्थात् मौतसे जिन्दा भओ खीष्टसँग एक होबौ, और हम परमेश्वरके ताहिं फल फलामै। ⁵जब हम पापी स्वभावमे अपन जीवन बितात रहएँ, तव मृत्युको फल फलान ताहिं व्यवस्थासे उत्तोजित करो भव हमर पापमय खराब अभिलाषा हमर अंगमे काम करत रहए ।⁶पर अब हमके वन्धनमे करन व्यवस्थाके ताहिं मरके हम अब बोसे मुक्त भए हँ, और हम पुरानो लिखो विधानके अधिनमे नाए पर पवित्र आत्माके नयाँ जीवनमे सेवा करएँ कहिके असो भौ हए ।⁷असो हए कहेसे "हम का कहँ तौ? का व्यवस्था पाप हए? आईसो कबहु ना होए । अगर व्यवस्था नहुइतोत मै पाप पता नाए पैतो, काहेकी अगर व्यवस्था "तए लोभ मत कर" कहिके व्यवस्था ना कहितो त लोभ करन का हए बो पता ना पैतो ।" ⁸पर पाप आज्ञामे मौका पाईके मिरमे सबए मेलको लोभ उत्पन्न कराई । व्यवस्था बिना त पाप मुर्दा जैसो हए ।⁹व्यवस्था बिना रहत एक दओमए जिन्दा भौ, पर आज्ञा आओ तव पाप जाग उठो, और मै मरी गौ ।
¹⁰जीवनको प्रतिज्ञा देनबालो बहे आज्ञा मिर ताहिं मौत लाई ।¹¹काहेकी पापके आज्ञासे मौका पाएके मोके ठगी, और बहेसे मोके मारी ।¹²व्यवस्था पवित्र है, और आज्ञा पवित्र, न्याय सङ्गत और अच्छो हए ।¹³तव का जा अच्छो हए, बहे मिर ताहिं मौत लाई का ? आईसो कबहु ना होबए! पर पाप पापैको रुपमे दिखाबै कहिके अच्छी बातसे पाप मिरमे मृत्यु उत्पन्नकरि रहो हए, काहेकी आज्ञासे पाप सब घेनसे पापमय बनए ।¹⁴काहेकी हम जानत हँ कि व्यवस्था आत्मिक हए, पर मए शारीरिक हौ, और पापैमे बिचो हौ ।¹⁵काहेकी जो मए करत हँ, बो ना समखत हौ । काहेकी मए जो करन चाहत हँ बो मए ना करत हौ । पर बहे करत हँ, जो मए घृणा करत हँ ।¹⁶पर मए जो करन न चाहो भौ मए करत हँ कहेसे व्यवस्था अच्छो हए कहिके मए सहमत हँ ।¹⁷जहेमारे अब बो करन बालो मए ना हौ, पर मिर भितर बास करन बारो पाप हए ।¹⁸काहेकी मोए पता हए, कि मिरमे, या मिर पापमय स्वभावमे कछु अच्छी बात ना हए । जो अच्छो हए, बो करन इच्छा मिरमे हय, पर मए बो पुरा ना कर पात हँ ।¹⁹काहेकी अच्छो काम जो मए करन चाहत हँ, बो मए ना करत हँ, पर दुष्ट काम जो मए करन ना चाहत हँ, बहे मए करे करत हँ ।²⁰अब मए जो इच्छा ना करत हौ, बहे करतहँ कहेसे बो मए ना हँ, पर मिर भितर रहनबारो पाप हए ।²¹अइसी एक नियमसे काम करो मए पात हौ । जब मए भलो करन चाहत हँ, तव दुष्टताके मिर जौने ठाडो देखत हँ ।²²काहेकी मै मिर पुरो हृदय से परमेश्वरको व्यवस्थामे आनन्दित होत हँ ।²³पर मिर अंगनमे दुसरो नियमसे मिर मनमे रहो नियम सँग युध्द करत हँ । और मिर अंगनमे बास करन बारो पापको नियमसे मोके वन्धनमे करलेत हए ।²⁴हाए, मएकित्तो दुःखी आदमी हौ! जा मौतकि शरीरमे मोके कौन छुटाय हए ? ²⁵येशू खीष्ट हमर प्रभुद्वारासे परमेश्वरके धन्यवाद होबए । तभैमारे मए स्वयम अपने मनसे परमेश्वरको व्यवस्थाको सेवा करत हँ, पर मिर पापमय स्वभावसे मए पापको व्यवस्थाको सेवा करत हँ ।

Chapter 8

¹जहेकमारे अब खीष्ट येशूमे होनबारेनके डण्डको कोई आज्ञा ना हए । ²पाप और मृत्युको व्यवस्थासे मोके जीवनको आत्मक व्यवस्था त खीष्ट येशूमे मुक्त करी हए । ³पापी स्वभावसे कमजोर हुइके व्यवस्था जो न कर पाई बो परमेश्वर करी, अर्थात् बो अपन पुत्रके पापी शरीरके स्वरूपमे पापबली जैसो पठाई । अइसिए वह पापके शरिरैमे दण्ड दै, ⁴जहेमारे व्यवस्थाके उचित जरूरत हममे पुरो होबै, हम जो पापमय स्वभाव अनुसार नाए, पर पवित्र आत्माअनुसार चल सकएँ । ⁵काहेकी पाप स्वभाव अनुसार चलन बारे शरीरक बातमे मन लगात हएँ, पर आत्मा अनुसार चलन बारे आत्माकी बातमे मन लगात हएँ । ⁶काहेकी पापमय स्वभावमे मन लगान त मृत्यु हए, पर पवित्र आत्मामे मन लगान जीवन और शान्ति हए । ⁷काहेकी पाप स्वभावके शरीर घेन लागो मन त परमेश्वरके तारिँ शत्रु है । बो परमेश्वरको व्यवस्थक अधिनमे ना होत हए । न बा कबहु हुइ पै है । ⁸पाप स्वभावके बशमे होनबारे परमेश्वरके खुसी ना कर पएँ हएँ । ⁹अगर सचमे परमेश्वरको आत्मा तुमरमे वास करत हए तौ, तुम पाप स्वभावमे नाय, पर पवित्र आत्मामे हुइ हो । पर कोइ आदमीमे खीष्टको आत्मा ना हए कहेसे बो परमेश्वरको ना हए । ¹⁰अगर खीष्ट तुमरमे हए कहेसे, पापके कारणसे तुमर शरीर मरके फिर तुमर आत्मा धार्मिकताके कारनसे जिन्दा हुइ हए । ¹¹पर यदि येशूके मरो मैसे जिन्दा करन बारेक आत्मा तुमरमे बास करत हए कहेसे खीष्ट येशूके मरोभौ मैसे जिन्दा करन बारो तुमरमे बास करन बालो बाको आत्मामे तुमर मरनबारी शरीरके फिर जीवन देबइगो । ¹²जहेमारे भैया रेओ, पापी स्वभाव अनुसार जियन ताहिँ हम पापी स्वभाव कता मजबुर ना हएँ । ¹³काहेकी पापी स्वभाव जैसो जिथओ कहेसे, तुम मरैगे, पर पवित्र आत्मामे शरीरके कामनके तुम निर्मुल बनाए हो तौतुम जिबैगे । ¹⁴काहेकी ,बे सब जो परमेश्वरको आत्मा से चलत हैं, बेही परमेश्वरके सन्तानहएँ । ¹⁵"काहेकी फिर डरमे पडन ताहिँ दासत्वको आत्मा तुम ना पाए हो । पर तुम धर्मपुत्र होनको आत्मा पाए हो । जहेकमारे हम परमेश्वरके "अब्बा, पिता" कहिके बुलात हएँ, ¹⁶ब त हम परमेश्वरके सन्तान हएँ, कहिके पवित्र आत्मा हमर आत्मसँग गवाही दै है । ¹⁷और सन्तान हएँ कहेसे त उत्तराधिकारी फिर हएँ, परमेश्वरको उत्तराधिकारी और खीष्टसँग साझे-उत्तराधिकारी बाके सँग दुःख भोगत हएँ कहे से ता हम बहेक सँग महिमित फिर होमङ्गे । ¹⁸मै विचार करत हौं, कि हममे जो महिमा प्रकट होबैगे, बाके सँग वर्तमान समयके कष्टन के तुलना करन योग्य ना हए । ¹⁹सृष्टि बड़ो आशा से परमेश्वरको पुत्रके प्रकट होन बातके प्रतीक्षा करत है । ²⁰सृष्टि व्यर्थताके बशमे होई गौ, बक अपन इच्छासे नाए पर बाके इच्छासे जौन बाके बशमे करी रहय, जहे आशामे, ²¹कि सृष्टि बाको अपनो विनाशके वन्धनसे मुक्त कराबइगो, और बक फिर परमेश्वरके सन्तानके महिमित स्वतन्त्रता पाबइगो । ²²हम जानत हएँ, सारा सृष्टि अभेतक एक सँग प्रसववेदनामे तणप रही हए । ²³सृष्टि इकल्लो नाए, पर हम अपना फिर, जामे पवित्र आत्माको पहिलो फल है, सन्तान को रुपमे ग्रहण करन ताहिँ, या हमर देहको उद्धारके ताहिँ प्रतीक्षा करके हम अपनैफिर भितरै-भितर तडपत हएँ । ²⁴काहेकी जहे आशामे हम मुक्ति पाए रहएँ । अब देखानबारो आशा त आशा ना हए । काहेकी देखि भइ बातको आशा कौन करत हए? ²⁵पर यदि हम अपनै नादेखी भइ बातकि आशा करत हैं कहेसे धीरज साथ हम बाको प्रतीक्षा करत हएँ । ²⁶अइसीय करके पवित्र आत्मा फिर हमर कमजोरीमे सहायता करत हए । कैसे प्रार्थना करन पणैगो हम ना जानत हएँ, पर शब्दमे ना कहन सकन बारी बातमे पवित्र आत्मा हमर ताहिँ मध्यस्थता करत हए । ²⁷और आदमीनको हृदयके ढुँणन बारो पवित्र आत्माक विचार का हए सो जानत हय, काहेके परमेश्वरके इच्छा अनुसार पवित्र आत्मा त सन्तनके ताहिँ मध्यस्थता करत हए । ²⁸हम जानत है, बोके प्रेम करन बारे और बक अभिप्राय अनुसार बुलाएभएक ताहिँ सब बातमे परमेश्वर भलाइ करत हए । ²⁹जौन जौनके बो अगुसे चिन लै हए, बो उनके अपन पुत्र को रुप जैसो बनान ताहिँ, तमान भइया मैसे बो बडो होए कहिके, अगुसे नियुक्त करडारि रहए । ³⁰जौन जौनके बो अगुसे नियुक्त करी रहए, उनके बो बुलाई फिर रहए, और जौन जौनके बो बुलाई रहए, उनके बो धर्मी फिर ठहराइ रहए, और जौन जौनके धर्मी ठहराइ रहए उनके बो महिमित फिर कर दै । ³¹हम जामे का कहए त? अगर परमेश्वर हमर घेन हए त, हमर विरुद्ध कौन हुइ हए? ³²जौन अपन सघो लौंडाके बाँकी ना रखाइ, पर हम सबकेताहिँ बोके दएदैं, का बो हमके सबए चीज फिर बहेक सँग ना देहए का? ³³परमेश्वरको चुने भएन के विरुद्धमे कौन अभियोग लगए है? धर्मी ठहरान बालो त परमेश्वर हए । ³⁴दण्डको आज्ञा देन बालो कौन हए? मरन बालो त खीष्ट येशू है, जो मरके फिर जिन्दा हुइ गौ, और परमेश्वरको दहिना हात घेन है, और हमर ताहिँ मध्यस्त फिर हए । ³⁵कौन हमके खीष्टको प्रेमसे अलग करैगे? का संकष्टसे या दुःखसे, या उपद्रव, या अनिकालसे, या गरीबीसे, या फिर खतरासे या तलवारसे? ³⁶अइसो लिखो हए, "तुमर ताहिँ हम दिन भर मरत हैं, कटन बारो भेडा हानि हम गिन गए हएँ । ³⁷नाए, जे सब बातमे हमके प्रेम करन बारेक द्वारा हम जितन बारेनसे फिर औरजाधा हएँ । ³⁸काहेकी मए जा अच्छेसे जानत हओ, कि मौतसे या जिन्दगीसे स्वर्गदुत और प्रधानतासे, वर्तमानको बातसे या पच्छुक बातसे या शक्तिसे, ³⁹उचाईसे या गहिराइसे, या सारा सृष्टिमे भए कोइ फिर बातसे, खीष्ट येशू हमर प्रभुमे भव परमेश्वरको प्रेमसे हमके अलग ना कर पाबैगो ।

Chapter 9

¹मए ख्रीष्टमे सत्यबोलत हौं, मै ना ठगो हौं। मिर बिबेक से पवित्र आत्मामे मोके गवाही देत हए। ²मिर हृदयमे गजब शोक और मनमे अटुट वेदना हए। ³मए त हियाँ तक फिर चाँहत हौं कि मिर भैया और मिर जातिको नातासे मिर कुटुम्बनके ताँहीं मएत श्रापित होमओ और ख्रीष्टसे अलग होमओ! ⁴बे इस्राएली है, औ पुत्र होनबारी अधिकार, महिमाक दर्शन, करार, व्यवस्थाको प्रदान, मन्दिरको अराधना और प्रतिज्ञा उनको अपनो हए। ⁵पूरुखा जिन्हिक त हए, और ख्रीष्ट फिर शरीर अनुसार बिनहिक वंशको त हए, सबसे उचो परमेश्वर, जौनके युगौयुग स्तुति होबै। आमेन। ⁶पर परमेश्वरको वचन बिफल ना भौ हए। काहेकी इस्राएलसे जन्मे सबए इस्राएल ना हँए, ⁷ना त अब्रहामको सन्तान हए कहेस का सब बक लौड़ा-लौड़िया हएँ। पर धर्म शास्त्रमे कहो अनुसार इसाहकै से उनको सन्तान गिनैगो। ⁸जाको अर्थ, शरीरसे जन्मे भए परमेश्वरको सन्तान ना हँए, पर करारसे उत्पन्न भए सबै अब्रहामके सन्तान हँ। ⁹बो प्रतिज्ञा अइसो कहत हए, “कहो समयमे मए फिरके आमङगो, और साराको एक लौड़ा होबैगो।” ¹⁰उइसो इकल्लो ना हए, जब रिबेका एकै पुरुष हमर पूरुखा इसहाकसे गर्भधारण करी, ¹¹और जुडिया बालक जल्मानसे अगुसे, बे कोइ अच्छो या खराब करनसे अगु कर्मसे ना पर बाको बुलावट अनुसार परमेश्वरको चुनाउको उदेश्य ठहरए कहिके ¹²रिबेकासे अइसीए कहो गओ रहै, “बडो छोटोको सेवा करैगो।” ¹³जैसी लिखो हए, याकूबके मै प्रेम करो, पर एसावके तुच्छ मानो। ¹⁴अब हम का कहै? का परमेश्वरमे अन्याय है त? कतै नाए। ¹⁵बो मोशाके कहत हए, “जौनके उपर मए कृपा करन चाहत हौ, बाके मए कृपा करझो, और जौनके मए दया चाहत हौ, बाके मए दया करझो।” ¹⁶जहेमारे आदमीको इच्छा वा प्रयास उपर जा निर्भर ना रहत हए पर परमेश्वरके कृपा उपर निर्भर रहत हए। ¹⁷कि धर्मशास्त्र फारोसे कहात हए, “मै मिर शक्ति तिर उपर दिखावौ, और सारा पृथ्वीमे मिर नाउँक घोषणा करै जहे आसरासे मै तोके खडो करो।” ¹⁸जहेमारे बो इच्छा करनबारेके बो कृपा करत हए, और बो इच्छा करन बारेके हृदयके बो कठोर बनात हए। ¹⁹तव तुम मोसे कहबैगो, “परमेश्वर और काहे दोष लगात हए? काहेकी बाको इच्छाक कौन विरोध कर सकत हए?” ²⁰पर तए आदमी हुइके परमेश्वरको मुहुँ लागन बालो तए कौन हए? का बनाइ भइ चीज अपने के बनान बारे से” मोके काहे अइसो बानओ? “कहात हए का? ²¹का एकै मट्टीको ढिकासे एकै आदरको बरतन, और दुसरो तुच्छकामके ताहिँ बनानके मट्टीके उपर कुमराको अधिकार ना हए का? ²²अगर परमेश्वर अपन क्रोध दिखान और अपन शक्ति प्रदर्शन करन ताहिँ विनाशके ताहिँ तयार करो भव क्रोधको पात्रनके अत्यन्त धीरजसे सहिहए कहेसे, का भौ त? ²³अगर महिमाके ताहिँ अगुसे तयार करोभौ बाको कृपा-पात्रनके अपन महिमक सम्पति प्रकट करन ताहिँ बो अइसो करी- ²⁴या हम, जौनके यहूदीसे इकल्लो नाए, पर अन्यजातिनके फिर बो बुलाई हए कहेसे का भौ त? ²⁵जैसी होशे के किताबमे बो कहत हए, “जौन मिर आदमीना रहएँ, उनके मए, मिर प्रजा बनएँ हौं। और जौनके मए प्रेम ना करो रहौं, बाके मए 'मिर प्रिय' कहझो।” ²⁶और जहाँ तुम मिर प्रजा ना हओ। कहिके उनके कहि रहै, हुवाँ बो 'जीवित परमेश्वरको सन्तान कहिलामझे।’” ²⁷इस्राएलके बारेमे यशैया कहत हए, “इस्राएलके सन्तानको संख्या समुन्द्रको रेता बराबर है फिर बचे भएनके इकल्लो उद्धार होबैगो।” ²⁸काहेकी प्रभु-पृथ्वीमे बाको डण्डको आज्ञा दृढता और शीघ्रता से पुरा करैगो।” ²⁹यशैया जा भविष्यवाणी करी हए, “सेनन्को परमप्रभु हमर ताहिँ सन्तान ना छोड़तो तौ हम सदोम जैसी हुइते और गमोरासमान बनजैते।” ³⁰अब हम का कहै? धार्मिकताके पिच्छु नलागनबारे अन्यजाती धर्मिकता पाई हएँ, या विश्वाससे पान बारी धार्मिकता। ³¹पर व्यवस्थाके उपर आधारित भव धार्मिकताको पिच्छु लागनबारे बे इस्राएल बो व्यवस्था पुरा ना कर पाई। ³²काहे ना कर पाई? काहेकी धार्मिकता कर्मके उपर आधारित हए। सोचके बो विश्वाससे धार्मिकता ना ढुङ्गत हए। बे ठेस लागन बारे पत्थरमे ठक्कर खाइके गिरे हएँ। ³³अइसो लिखो हए, “देखौ, मै सियोनमे एक पत्थर धरझो, जा मे आदमीके ठेस लागत हए, एक चट्टान, जो तोके गिरात हए, पर बोके उपर भरोसा करन बाले कोइ शर्ममे ना पड़ैगो।

Chapter 10

¹भैया रेओ, मिर अपनी हृदयको इच्छा और बिनके तौहि परमेश्वरमे मिर प्रार्थना जहे हए, कि बे उद्धार पामएँ। ²मए जा गवाही देत हौं कि परमेश्वर प्रति बिनको जोश त हए, पर जा जोश ज्ञान अनुसार नैयाँ। ³काहेकी परमेश्वरसे आनबारी धार्मिकतक बारेमे ना जानके बिनको अपनो धार्मिकता स्थापित करन दुइत बे परमेश्वरको धार्मिकताके अधिनमे ना हएँ। ⁴काहेकी विश्वास करन बारे धर्मी ठहरए कहिके ख्रीष्ट व्यवस्थाको अन्त्य हए। ⁵मोशा लिखत हए, “व्यवस्थामे आधारित भव धार्मिकता पालन करन बारे आदमीबहेसे जीहए”। ⁶तव विश्वास उपर आधारित भौ धार्मिकता आइसो कहत हए, “मनए मनमे अइसो मत कहओ, ‘स्वर्गमे कौन चढपए है?’ (अर्थात् ख्रीष्टके तरे लान तौही), ⁷वा अपने मनमे अइसो फिर मत कहओ, ‘पातालमे कौन उतरैगो?’ (अर्थात् मरे भएसे ख्रीष्टके उपर लानके तौही)”। ⁸“पर जा का कहात् हए? “वचन तुमर जौने हए, तुमर मुहुमे और तुमर हृदयमे”” अर्थात् विश्वासको वचन, जो हम प्रचार करत हएँ। ⁹काहेकी अगर तुम येशूके प्रभु हए करके अपन मुहुसे स्वीकार करे हौ, और परमेश्वर बोके मरेसे जिन्दा करी कहिके अपन हृदयसे विश्वास करत हौ तौ तुमर उद्धार हुइ हए। ¹⁰काहेकी आदमी अपनो हृदयमे विश्वास करत हए और बा निर्दोष ठहरत हए, फिर बो अपन मुहुसे स्वीकार करत हए और उद्धार पात हए। ¹¹धर्मशास्त्र कहत हए, “बोके उपर भरोसा करन बारे कोइ लाजमे ना पणङ्गे।” ¹²काहेकी यहूदी और अन्यजातीमे कोइ भेद नैयाँ। बो एकै प्रभु सबैको प्रभु हए, और बोके पुकारन बारे सबके अपनो गजबै आशिष देत हए। ¹³“काहेकी “”प्रभुको नाँउ पुकारन बारे हरेक उद्धार पामङ्गे”। ¹⁴जौन विश्वास करत नैयाँ बोके आदमी कैसे पुकारै? जौनके बारेमे सुनी नैयाँ बोके उपर बे कैसे विश्वास करै? और प्रचारक विना बे कैसे सुनै? ¹⁵और कोइ ना पठाए हएँ तव आदमी कैसे प्रचार करङ्गे? जैसो लिखो हए, “सुसमाचार प्रचार करन बारेनके पाँउ कित्तो सुन्दर!” ¹⁶तव बे सब सुसमाचार पालन ना करी हएँ, काहेकी यशैया कहत हए, “हे प्रभु, हमसे सुनी बात कौन विश्वास करी हए?” ¹⁷जो सुनो गव हए, बोसे विश्वास आत हए और जो सुन्त हए बो ख्रीष्टको बचनसे आत हए। ¹⁸पर मए पुछत हौं, “का बे सुनी हैं? नेहत्तय बे सुनिहए, काहेकी विनको आवाज सारा पृथ्वी भर पुगो हए, और विनको वचन संसारको दुसरो छोर तक पुगो हए।” ¹⁹मए फिर पुछङ्गो, “का इस्राएल ना सम्झी?” सबसे पहिले मोशा कहात हए, “जो एक जाती ना है, मए तुमके बिनके प्रति दुश्मनाई करबाएदेहौं, एक मुख्र जातिसे मए तुमके गुस्सा करबाएदेहौं।” ²⁰तव यशैया सहास से कहत हए, “मोके ना दुइनबाले मोके पाई हएँ, जौन मोके नाए दुडीरहए बिनहिंके विचमे मए अपनेके प्रकट करो हौं।” ²¹पर इस्राएलके बारेमे बे कहत हएँ, “दिन भर त अटेरी और विरोधी आदमी घेन मए मिर हाँथ पसारे हौं।”

Chapter 11

¹जहमारे मए पुछत हौं, “का परमेश्वर अपन आदमीनके त्याग दै हए ?” कदापि नैया! काहेकी मए फिर त अब्रहामको सन्तान, बैन्यामिनको कुलको एक इस्राएली हौं। ²परमेश्वर पहिलीय से चुनेभए अपन आदमीनके बहिष्कार ना करी। का-एलियाके बारेमे पवित्र-शास्त्र कहि बात तुम ना जानत हौ ? बा इस्राएलके विरुद्धमे परमेश्वरसे कैसे विन्ती करत हए, ³” “हे प्रभु बे तुमर अगमवक्तनके मारी हएँ, तुमर वेदी उजाड दै हएँ, और मए इकल्लो छुटो हौं, और बे मिर प्राणके खोजीमे हएँ।” ⁴तव उनके परमेश्वरको उत्तर का कहत हए? “बालके सामने घुटो ना टेकनबारे सात हजार आदमीनके मए अपन ताहिं धरे हौं” ⁵अइसी करके जा वर्तमान समयमे फिर अनुग्रहसे चुनेभएनके करणसे बाँकी रहे हएँ। ⁶पर अनुग्रहसे हए कहेसे वह कर्मको आधारमे नैया, नत अनुग्रह और अनुग्रह ना रहतो। ⁷आईसो हए तौ का? इस्राएल जो ढुँडी रहए बो पानके असफल भौ पर चुने भए बो प्राप्त करी। और सबए कठोर बने, ⁸”अइसी लिखो हए: “परमेश्वर विनके चेतनाहीन आत्मा दै हए। अइसोआँखी दै हए जौन नदेखए और अइसो कान जौन ना सुनए, और आजको दिन तक फिर बे अइसी हएँ”, ⁹”और दाऊद कहात हए, “बिनको भोजनको टेबुल बिनके ताँही फन्दा और धराप बनए, एक गड्ढा और बिनके ताहिं बदला देन बारी बात होबए।” ¹⁰बिनकी आँखी ना देखन बारेनके धुस्ली होमए, और बिनको पिठ सबदिन कुबरी भइ रहबै।” ¹¹जहमारे मए पुछत हौं, “का गिरनकेताहिं बे हुणकत हएँ?” कदापी नैया! पर इस्राएलको अपराधसे अन्यजातीनमे मुक्ति आओ हए, तव इस्राएल फिर मुक्तिक ताहिं जलन होबै। ¹²अब अगर बिनको अपराध संसारके ताँहिं सम्पति और बिनको असफलता त अन्यजातीनके ताँहिं सम्पति हुइहए कहेसे त बिनको पुरा समावेश त औ कित्तो अर्थपूर्ण हुइहए ? ¹³अब तुम अन्यजातीनके कहात हौंअन्यजातीनके प्रेरित भएके कारण मए मिर सेवाके महत्व देत हौं, ¹⁴जा आशामे कि मिर अपनो यहूदी जातीके जलन करबाएकेऔर बिन मैसे कोइ-कोइके बचामंगो। ¹⁵काहेकी अगर बिनको बहिष्कार संसारको मिलाप हए कहेसे, बिनकोअपन्नबालो मौतसे जीन्दा करत का हुई तो ? ¹⁶अगर मणो भौ चुन एक अंशको पहिलो- भेटीके रुपमे अर्पण करो हए तव, जम्मए दुक्ला पवित्र होत हए। अगर जर पवित्र हए तव हाँगा फिर पवित्र हुइ हए। ¹⁷अगर कोइ हाँगा कटके और असल जैतुनको जरको रस-भण्डारमे सहभागी होनके तुम एक जडगली जैतुन हुइके फिर बिनके ठाउँमे कलमी बाँधे हौ तौ, ¹⁸बे हाँगनके जौने घमण्ड मत करओ। अगर घमण्ड करन हए तौ, जा याद करओ कि जरके थामन बारे तुम नैया, पर जर तुमके थामे हए। ¹⁹तुम कहत हौ, “मए कलमी बाँधपामऔ कहिके त हाँगा कटे रहएँ।” ²⁰ठिकै हए, बिनको अविश्वास के कारणहाँगा कटे हएँ। तुम त तुमर विश्वाससे इकल्लो ठाडे हौ। घमण्ड मत करओ, पर श्रद्धापूर्णभय करओ। ²¹काहेकी अगर परमेश्वर स्वाभाविक हाँगाके बाँकी नाए राखी तुमके फिर बाँकी ना रखाबैगो। ²²जहेकमारे परमेश्वरको दया और कठोरताके ध्यानमे धरौ- पतन भएनके उपर कडा व्यवहार, पर बाके दया तरे रहबाइगे कहिके तुमके परमेश्वरको दया देखाबौगो,नत तुम फिर कटि जए हौ। ²³बे फिर अविश्वाससे ढिट हुइके ना बैठङ्गे कहे से त कलमी बाँधङ्गे। काहेकी परमेश्वर बिनके फिर से कलमी बाँध सकत है। ²⁴काहेकी अगर तुम प्रकृतिक जडगली जैतुन हुइके फिर कटिगए और प्रकृतिके विरुद्ध एक अच्छो जैतुनको पेंडमे कलमी बाँधेगे कहे से त जे प्रकृतिक हाँगा आपनए निज जैतुनके रुखामे और कित्तो जाधा कलमी बाँधङ्गे। ²⁵भैया रेओ, अपन घमण्डमे तुम बुद्धिमान होन दुइत हओ काहेकी तुम जा रहस्य सम्झौ करके मए चाहत हौं, कि अन्यजातीको संख्या पूरो ना भव तक इस्राएलीनको एक अंशमे कठोरता आओ हए। ²⁶अइसिए सारा इस्राएलको उद्धार हुइहए, जैसे लिखो हए, “उद्धारक सियोनसे आबैगो बहे याकूबसे अधर्म हटाबैगो।” ²⁷औ बिनके सँग मेरो करार जहे हुइहए, जब मै बिनके पाप हरण करङ्गो।” ²⁸एकघेनबे सुसमाचारके हिसाबसे त बे तुमर ताहिं परमेश्वरके शत्रु हएँ, पर चुनेनके हिसाबसे त पुर्खनके ताहिं बे प्रिय हएँ। ²⁹काहेकी परमेश्वरको वरदान और बोलावट अटल हए। ³⁰काहेकी जैसी तुम फिर एक चोटी परमेश्वरको आज्ञा पालन ना करन बारे रहौ, पर अब तुमर अनाज्ञाकारीताके कारण तुम कृपा पाए हौ। ³¹31 तुमके कृपा दिखानके कारण बे फिर कृपा पामए करके बे हबए अनाज्ञाकारी भए हएँ। ³²काहेकी परमेश्वरको कृपा सब आदमीनके उपर होबए कहिके बा सबके अनाज्ञाकारितामे त सौंप दइहए। ³³ओहो!परमेश्वरको वैभव और बुद्धि और ज्ञान कित्तो गहिरो! बाको इन्साफ कित्तो अगम और बाको मार्ग बुझ ना पान बारो ! ³⁴काहेकी प्रभुको मनके कौन जानत है? अर्थात् बाको सल्लाहाकार कौन भौ हए?” ³⁵” “अर्थात्, कौन बाके कोइ उपहार दै हए और परमेश्वर बाके लौटाए हए?” ³⁶काहेकी सब चिज बासे, बहेक द्वारा और बहेक ताँहिं हए बहे के त सदासर्वदा महिमा होबै। आमेन।

Chapter 12

¹जहेकमारे भैया रेऔ, परमेश्वरको कृपाके ध्यानमे धरके मए तुमसे अनुरोध करत हौं, कि तुमर आत्मिकी उपासनाको रुपमे अपन-अपन शरीरके पवित्र और परमेश्वरके ग्रहण योग्य होनके जिन्दा बलिके रुपमे अर्पण करओ । जहे त तुमर उचित सेवा हए । ²जा संसारके ढाँचामे मत चलओ पर अपन मनमे नयाँ हुइके पुरा रुपसे परिवर्तन होबओ, और परमेश्वरको अच्छो ग्रहण योग्य और सिद्ध इच्छा का हए, तुम जान सकौ । ³काहेकी मोके दओ अनुग्रहसे तुमर मैसे सबैके मए विन्ती करत हौं, जौन अपनोके जैसो सम्झन पडत हए बोसे जाधा मत सम्झओ पर परमेश्वर सबैके दओ भव विश्वासको नापबमोजिम सन्तुलित विचारसे सोचए । ⁴काहेकी जैसी हमर एक शरीरमे गजब अडग होतहए, पर सब अडगको एकै काम ना होत हए । ⁵जैसी हम जो गजब हएँ, हम फिर ख्रीष्टमे एकै शरीर हएँ, और सब एक-दुसरेको अङ्ग हएँ । ⁶हमके दओ अनुग्रह अनुसार अलग अलग वरदान हम प्रयोग करएँ । अगमवाणीको हए तौ, विश्वासको परिमाण अनुसार, ⁷सेवा को हए तौ, सेवाको काममे, शिक्षा देनबारो शिक्षा देनबारोको काममे, ⁸अर्त्ति देनबारो अर्त्ति देबए, दान देनबारो उदारचित्से, शासन करनबारो उत्साह से, कृपाको काम करनबारो खुसीसाथ । ⁹प्रेम निष्कपट होबए । जौन बात खराब हए, बाके घृणा करौ । जौन बात अच्छो हए, बोमे लागे रहबौ । ¹⁰भातृ-प्रेमसे एक-दुसरेके प्रेम करौ । अपनेसे जाधा औरनके आदर करौ । ¹¹जोशमे पच्छु मत हटओ । पवित्र आत्मामे प्रज्वलित होबओ, प्रभुको सेवा करत रहबओ । ¹²अपनो आशामे आनन्द करओ, संकटमे धिरज करओ प्रार्थनामे निरन्तर लागे रहबओ । ¹³सन्तके घटीकमिमे सहायता देओ, अतिथिसत्कार कायम करओ । ¹⁴तुमके सतान बारेन के आशिर्वाद देओ, मत सरापौ । ¹⁵आनन्द करन बारेन सँग आनन्द करओ । रोन बारेन सँग रोबओ । ¹⁶एक-दुसरे सँग मिलके बैठओ, घमण्डी मत होबओ, पर नम्रसँग सङ्गत करौओ । कबहु अहंकारी मत हुइओ । ¹⁷कोइके खराबीको सट्टा खराब मत करौओ । जौन बात सब आदमीनके दृष्टिमे ठिक हए, बिनमे ध्यान दियौ । ¹⁸हुइ सक्त हए तौ, सकेसम्म सबके सँग शान्तिमे बैठीओ । ¹⁹"प्रिय हो, अपनएके कबहु बदला मतलिओ, पर परमेश्वरको क्रोधमे छोट देओ । काहेकी, लिखोहए, "बदला लेनको काम मेरो हए, मए बदल लेहओ", परमप्रभु कहातहए ।" ²⁰बरु, "तुमर दुस्मन भुखानो हए तौ बोके खबाओ, बो पियासो हए तौ बोके पानी देओ । अइसे करनसे तुम बोके मुणमे आगीको भमरा धरैगे ।" ²¹खराबीसे पराजित मतहोबओ, पर खराबीके भलाईसे जितओ ।

Chapter 13

¹हर आदमी शासन करनेबारी प्रशासकके अधीनमे बैठए, परमेश्वरसे आओ भओ अधिकार बाहेक और कोइ अधिकार ना होत हए। जौन प्रशासक हए। बे परमेश्वरसे नियुक्त भए हँए। ²जहेंमारे प्रशासकके विरुद्धमे खड़ो होन बारी परमेश्वरसे नियुक्त भएनके विरोध करत हए, और जौन-जौन विरोध करत हए, बे डण्डको आज्ञा पामङ्गे। ³काहेकी सुकर्मके ताँहि नाए, पर कुकर्मके ताँहि शासकको डर मानत हए। का तुम प्रशासकको डरमे रहन ना चाहत हौ? अइसो हए, अच्छो काम करओ, और तुमके बिनसे प्रशंसा मिलैगो। ⁴काहेकी तुमर भलाइके ताँहि बा परमेश्वरको सेवक हँए। पर अगर तुम खराबी करत हौ कहेसे डर मानओ, काहेकी बो तरवारके व्यर्थमे नालेत हए। खराब काम करनेबारे के उपर परमेश्वरको डण्ड लानके बे परमेश्वरको सेवक हँए। ⁵जहेंमारे परमेश्वरको डण्डसे बचन इकल्लो नाए, पर विवेकके ताँहि फिर तुम बाके अधीनमे रहन पड़ेगो। ⁶जहेकारन से फिर तुम कर तिरत हौ। काहेकी प्रशासक जहे कामके ताँहि हर समय लगे भए परमेश्वरके सेवक हँए। ⁷तिरन बारी बात सबएके तिरओ-कर तिरनबारीके कर तिरओ, महसुल तिरनबारेनके महसुल, आदर करनेबारेनके आदर, इज्जत करनेबारेनके इज्जत करओ। ⁸आपसमे प्रेम करने से अलावा कोइको कछु बातमे ऋणी मत होबओ। काहेकी अपन परोसीके प्रेम करनेबारी व्यवस्था पुरो करत हए। ⁹"तय व्यभिचार मत करए, तय हत्य मत करए, तय चोरी मत करए, तय लोभ मत करए," जे आज्ञा सेअलाबा, और कोइ जित्तो आज्ञा हए, बे सबको सारांश जहे आज्ञामे पात हए, अथवा "तए अपन परोसीके अपनी जैसी प्रेम करीए।" ¹⁰प्रेम परोसीके खराब ना करहे। जहेकारन प्रेम करने त व्यवस्था पूरा करने हए। ¹¹जाके अलावा जा वर्तमान समय कैसो हए, सो तुमके पता हए। अब निधसे उठन ठिक समय आइ गओ हए, काहेकी हम पहिले विश्वास करनेसे अगु अभाए हमर मुक्ति औ झौने हए। ¹²रात कटगै, और दिन जौने आए गओ हए जाहे करनेसेअन्धकारको काम छोड़के हम ज्योतिको हातहतियार धारण करएँ। ¹³दिनजैसो हम ठिकसे चलएँ। मोजमजामे, मतवालिपनमे, व्यभिचारमे, भ्रष्टाचारमे, झगडामे और दिक्कमे नाए। ¹⁴पर प्रभु येशू ख्रीष्टके धारण करओ, और पाप-स्वभावको अभिलाषा पुरा करनेबारी बातमे ध्यान मत देबओ।

Chapter 14

¹विश्वासमे कमजोर होन बारे आदमीनके ग्रहण कर, पर बक मतकी बारि बातमे वाद-विवाद करन ताँहि ना । ²कोइ सब चिज खात हँए कहिके विश्वास करतहँए, पर विश्वासमे कमजोर होनबारो सागसब्जी इकल्लो खात हए । ³खानबारो ना खानबारो आदमीके तुच्छ नसम्झए, और ना खानबारो खानबारोक दोष ना लगाबए । काहेकी परमेश्वर बाके ग्रहण करी हए । ⁴दुसरेक टाहलुवाके इन्साफ करनबारो तए कौन हए ? बा त अपनो मालिकके अगु ठडोहए वा पतित होतहए , बा ठाडबओ जाएगो, काहेकी, बक मालिक बोके ठाडबएसकत हए । ⁵कोइ आदमी एक दिनके दुसरे दिनसे जाधा जरूरी मानत हए, दुसरो आदमी सबदिन बराबर मानत हए । सबय आदमी अपनो मनमे पूर्ण रुपसे निश्चित होन पडत हए । ⁶जौन आदमी कोइ दिनके विशेष रुपसे पालन करत हए, बो प्रभुको आदरके ताँहि पालन करत हए । जौन आदमी खात हए बा, प्रभुके ताँहि खात हए, काहेकी बा परमेश्वरके धन्यवाद देत हए । जौन आदमी ना खात हए, बा परमेश्वरकि आदरके ताँहि ना खत हए और परमेश्वरके धन्यवाद देतहए । ⁷काहेकि हम कोइ फिर अपन ताँहि ना जितहएँ और कोइ फिर अपन ताँहि ना मरत हँए । ⁸अगर हम बचडगे कहेसे प्रभुके ताँहि बचडगे, और मरडगे कहेसे प्रभुके ताँहि मरडगे । ⁹चाहे हम बचएँ, चाहे मरएँ, हम प्रभुके हँए । जहेक ताँहि खीष्ट मरो हए और फिर जिन्दा भव, कि बो मरे भएके और जिन्दानके दुनेको प्रभु होबए । ¹⁰पर तुम काहे अपन भैयाको इन्साफ करत हओ ? या तुम अपनो भैयाके काहे तुच्छ ठहरत हओ ? काहेकी हम सबय परमेश्वरके न्याय-आसनके अगु ठाडङगे । ¹¹काहेकी लिखी हए, “प्रभु काहत हए, 'जैसो मए जीन्दा हओ, प्रत्येक घुटो मिर अगु टिकडङगे, और सब जिभ परमेश्वरको प्रशंसा करडङगे ।” ¹²अइसीय हम सबय परमेश्वरके अपनो लेखा देमडङगे । ¹³जाहेकमारे हम एक दुसरेके अब आइसो इन्साफ ना करएँ । बरु अपन भैयाके डगरमे ठेस लागनबारे बात या बाधा करनबारो बात कबहु ना धारन बाचा करएँ । ¹⁴मए जानत हओ, और प्रभु येसूमे मोके निश्चय हए, कि कोइ बात फिर अपनमे अशुद्ध ना होत हँए, पर जौन अशुद्ध मानत हए, बक ताँहि बो अशुद्ध होत हए । ¹⁵अगर तुम जो खात हओ, बो बातसे तुमर भैयाक चोट लागत हए कहेसे, तुम प्रेममे ना चले हओ । जौन भैयाक ताँहि खीष्ट मरो हए, तुम खाओभव बातसे बाक नाश ना होबए । ¹⁶17 जहेकमारे तुमके जो अच्छो लागत हए बासे दुसरोके खराब कहेन मत देबओ । ¹⁷काहेकी परमेश्वरको राज्य खान और पिन इकल्लो नाए, पर पवित्र आत्मामे धार्मिकता, शान्ति और आनन्द हए । ¹⁸जौन जा किसिमसे खीष्टको सेवा करत हए, बा परमेश्वरके मन पाडत और आदमीनसे अच्छो ठाहिरो हए । ¹⁹तबहि हम बे बातके अनुसरण करेए जो शान्ति लातहए, औ एक दुसरेके आत्मिक उन्नति करत हए । ²⁰खानबारि चिजके ताँहि परमेश्वरके कामके नाश मतकरओ । वास्तवमे सबय बात शुद्ध हँए , पर अपन खाओ भओ चिजसे दुसरेकबाधा करन अनुचित हए । ²¹उचित त जा हए, कि बुट्टी ना खान, दारु ना पिन, कोइ अइसो काम ना करन, जौनसे तुमर भैयाके बाधा होत हए । ²²तुमरमे भव विश्वास परमेश्वर और तुमर बिचमे धरओ । धन्या हए बा आदमी, जौनसे अपनेक उचित मानो भव बातके कारनसे अपनेके दोषी ना ठहरात हए । ²³पर कोइ शडका करके कुछ खात हए कहेसे बादोषी ठहरत हए, काहेकी बा विश्वासके साथ नाखाइ हए । विश्वाससे उत्पन्न नाभव कोइ फिर बात पाप हए ।

Chapter 15

¹विश्वासमे बलियो होनबारे हम अपनए इकल्लो खुसी रहन इच्छा ना धरके कमजोर आदमीको कमजोरीके सहन पड़त हए। ²हम प्रत्येक अपन परोसिको आत्मिक सुधार होबए कहिके बिनको भलाईके ताँहि बिनके खुसी रखामए। ³काहेकी ख्रीष्ट फिर अपनएके खुसी ना करि। अइसो लिखो हए, तुमके निन्दा करनबारेनके निन्दा मिर उपर पड़ो।” ⁴अगु-अगु लिखे भए बात हमर शिक्षाके ताँहि लिखो रहए, जा उधेश्य कि पवित्र-शास्त्रसे आनबारीस्थिरता और उत्साहसे हम आशा प्राप्त करन पामएँ। ⁵स्थिरता और उत्साहको परमेश्वर तुमके ख्रीष्ट येशूसँग एक हुइके एक दुसरेके सँग एक मनके हुइके जिन देबओ, ⁶कि एकए मनके हुइके एकए सोरसे हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको परमेश्वर और पिताको महिमा तुम कर पाबौ। ⁷जहेमारे परमेश्वरको महिमाके ताँहि ख्रीष्ट तुमके ग्रहण करी बमोजिम तुम फिर एक दुसरेके ग्रहण करौ। ⁸मए तुमसे कहत हौ, हमर पुर्खनके दै भइ प्रतिज्ञानके खुलस्त करन ताहि परमेश्वरको सत्यताके प्रकट करन ख्रीष्ट खतना भएनके दास बनो रहए। ⁹जाहे कारन से कि अन्यजातीन से बाको कृपाके ताहि परमेश्वरको महिमा करए। अइसो लिखो हए, “जहेकमारे अन्यजातीनके बीचमे मए तुमर प्रशंसा करत हओ, और तुमर नाँउको स्तुति गामङ्गो।” ¹⁰और फिर अइसो कहि हए, “ए अन्यजाती, बाको प्रजासँग आनन्द मनाओ।” ¹¹और फिर, “ए साबए अन्यजातीओ, प्रभुको प्रशंसा करओ, और सबए आदमी बाको प्रशंसा करएँ।” ¹²और फिर यशैया काहात हए, “यिशैको वंशसे एक जनी आबएगो, बा अन्यजातीन के उपर शासन करैगो, बाके उपर अन्यजाती आसा करङ्गे।” ¹³अब आशाको परमेश्वरसे तुमर विश्वास से सबए आनन्द और शान्तिसे भरीपूर्ण होमएँ, जहे कारन से की पवित्र आत्माको शक्तिसे तुमआशामे प्रशस्त होबओ। ¹⁴भैया रेओ, मए अपनए फिर तुमर बारेमे विश्वस्त हौ। मोके निश्चय हए, कि तुम अपनए फिर भलाईसे भरगए हओ, और सारा ज्ञानमे पूरो हुइके एक-दुसरेके शिक्षा देन योग्या हौ। ¹⁵पर परमेश्वर मोके दौ भव अनुग्रहके कारन से तुमके फिर सम्झना कारन मए बड़ो साहस करके कितोनेके बारेमे लिखो हओ। ¹⁶जा अनुग्रह अन्यजातीनके ताहि परमेश्वरको सुसमाचारके पुजाहारीको कर्तव्य पालन करन मोके दै हए, ताकी अन्यजाती पवित्र आत्मासे शुद्धहुइके ग्रहणयोग्य बलि बन सकए। ¹⁷जहेक मारे परमेश्वरके ताहि मेरो सेवामे मोके ख्रीष्ट येशूमे गर्व करनको कारण हए। ¹⁸काहेकी, वचन और कामसे अन्यजातीक ताँहि आज्ञाकारी बनानके ख्रीष्ट मेरे द्वारा जो करी हए, बा बाहेक कोइ बिषयमे बोलनको आँट मए ना करत हौ। ¹⁹जा काम चिन्ह और आश्चर्यकर्मके शक्तिसे और पवित्र आत्माके शक्तिसे मए करो हौ। अइसीयमए यरुशलेमसे लैके इल्लुरिकन ताक चारौ तरफ ख्रीष्टको सुसमाचार पूर्णरूपसे प्रचार करो हौ। ²⁰और आदमीसे बनाओ भौ जगके उपर घर ना बनौ कहिके ख्रीष्टकोनाँउ नालेनबारी ठाँउमे सुसमाचार प्रचार करन उत्कट इच्छा मए धरो हौ। ²¹जइसी अइसो लिखो हए, “बक बारेमे जोनके कभु ना कहि हए, बे बाके देखडगो, और बक बारेमे जौन कभु ना सुनी रहँए बे सम्झडगो।” ²²जहेमारेत, मए तुमर ठिन आन ताँहि बाहुत चोटी रुको हौ। ²³तव अब जा क्षत्रमे मिर ताँहि काम करन और ठाँउ ना हुइके, और बाहुत वर्षसे तुमर ठिन आन ताँहि पायसो हौ। ²⁴मए स्पेन जात तुमके भेटन आसा करत हौ, और तुमर सँग कुछ समय ताक सडगतिको आनन्द लैके पिच्छु तुम मोके मेरो बाँकी यात्रामे मदत देबैगे कहिके आशा करत हौ। ²⁵पर अब सन्तनके सहायता देनताँहि मए यरुशलेम घेन जात हौ। ²⁶काहेकी यरुशलेममे होनबारे सन्तनमे जो गरिब हए बिनके ताँहि माकेडोनिय और अखैयाके मण्डलीसे कुछ भेटी दै हँए। ²⁷जा भेटीबे खुसिसाथ जम्म करी रहँए, और नेहत्य त बे बिनके ऋणी फिर बानडँ। काहेकी अगर अन्यजाती बिनकी आत्मिक आशिषमे सहभागी भए हँए कहेस, बे फिर संसारिक आशिषसे बिनकी सेवा करन पड़त हए। ²⁸जहेमारे जा काम निभटाईके बिनके ताँहि उठो जा चन्दा सौपके पिच्छु मए तुमर ठिनसे हुइके स्पेन जामडगो। ²⁹और मए जानत हौ, मए तुमर ठिन आत ख्रीष्टको आशिषसे परिपूर्णतामे आमडगो। ³⁰भैया रे, हमर प्रभु येशू ख्रीष्ट और पवित्र आत्माके प्रेमसे मेरे ताँहि परमेश्वर सँग प्रार्थना करन मिर संग गजब प्रयत्न करी कहिके मए तुमके आग्रहपूर्वक बिन्ती करत हौ, ³¹कि मए यहूदीयके अविश्वासीसे मुक्त होन सकौ, और यरुशलेमके ताँहि मिर सेवा सन्तनके ताँहि ग्रहण योग्य होबए, ³²और परमेश्वरको इच्छासे आनन्दसँग तुमर ठिन आएके तुमर सँगमे सडगतिसे मए फिर ताजा हुइ सकौ। ³³शान्तिक परमेश्वर तुम सबएसँग रहबए। आमेन।

Chapter 16

¹किंक्रियामे भइ मण्डलीकि धर्म-सेविका हमर बहिनिया फिबिकको प्रशंसा तुमर झौने करत हौं। ²मए तुमके निवेदन करत हौं कि सन्तनके सोहान बारो किसिमसे बिनके प्रभुमे ग्रहण करओ, और बिनके चाहनबारो कोइ फिर सहयता बिनके देओ, काहेकी बे अपनए बाहुतनको और मिर फिर सहयता करी हए। ³प्रिस्का और अकिलास, ख्रीष्ट येशूमे मिर सहकर्मीके अभिवादन। ⁴बे मिर तौहि अपनो जीवन संकष्टमे डारौं। बिनके मए इकल्लो नाए, पर अन्यजातीनके मण्डली जम्मए फिर धन्यवाद देत हँए। ⁵बिनके घरमे भइ मण्डलीनके अभिवादन देओ। मिर प्रिय इपेनितसके, जो ख्रीष्टके तौहि एशियाको पहिलो विश्वासी हए, अभिवादन देओ। ⁶मरियमके, जौन तुमरे बिचमे बाहुत परिश्रम करी, बाके अभिवादन देओ। ⁷एन्ड्रोनिकस और युनियस, मिर आफन्त और मिर संगी-कैदीके, अभिवादन कहिदेओ। बे प्रेरित मैसे प्रख्यात हँए, और मोसे अगु ख्रीष्टमे भए रहँए ⁸एम्प्लीआतस, प्रभुमे मिर प्रियनके अभिवादन कहिदेओ। ⁹उर्बानस, ख्रीष्टमे हमर सहकर्मी, और मिर प्रिय मित्र स्ताखुसके अभिवादन कहिदेओ। ¹⁰ख्रीष्टको योग्य ठहरेभए अपेल्लेसके अभिवादन कहिदेओ। अरिस्तोबुलसको घरबारेके अभिवादन कहिदेओ। ¹¹मिर आफन्त हेरोदियनके अभिवादन कहिदेओ। प्रभुमे भए नर्किससको घरानाके अभिवादन कहिदेओ। ¹²प्रभुमे परिश्रम करन बारो त्रुफेना और त्रुफोसाके अभिवादन कहिदेओ। प्रभुमे बहुत परिश्रमी करनबारो प्रिय परसीसके अभिवादन कहिदेओ। ¹³प्रभुमे चुनेभए रुफस और बोकी अइया, जो मिर फिर अइयारहए, बिनके अभिवादन कहिदेओ। ¹⁴असिंक्रितस, फ्लेगन, हर्मस, पत्रोबास, हर्मास, और बिनके सँग भए भैयानके अभिवादन कहिदेओ। ¹⁵फिलोलोगास, युलिया, नेरियस और बोकी बहिनिया, और ओलिम्पास और बिनकीसँग भए सब सन्तनके अभिवादन कहिदेओ। ¹⁶एक दुसरेके पवित्र चुम्बनसे अभिवादन कराओ। ख्रीष्टके सबय मण्डलीनसे तुमके अभिवादन पाठई हँए। ¹⁷भैया रेओ, मए तुमके आग्रहपूर्वक बिन्ती करत हौं, कि तुमके सिखाओ भव धर्म- सिद्धान्तके विरुद्धमे फुट और बाधा- विघ्न सिर्जनबारो के नजर कारिओ, और बिनसे अलग बैठओ। ¹⁸काहेकी अइसे आदमी हमर ख्रीष्ट प्रभुके सेवा नाकरत हँए, पर अपन पेटके तौहि सेवा करत हँए, और बिनको मिठो मिठो बोली और बात सीधासाधेनके हृदयके धोखा देत हँए। ¹⁹काहेकि तुमर आज्ञाकारिता सब आदमीमे जाहेर हए, और तुमरे करन मए आनन्द करत हौं। पर मए चहत हौ, कि जो असल हए बोके तौहि तुम बुद्धिमान होबाओ, और जो खराब हए बोमे दोषरहित रहबाओ। ²⁰शक्तिको परमेश्वर जाल्दीय शैतानके तुमर टाँङ्ग तरे कुचल्दे हए। हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह तुमरसँग रहबाए। ²¹तिमोथी मिर सहयोगी, और मिर नतेदार लुकियस, यासोन और सोसिपात्रोससे तुमके अभिवादन पठाई हए। ²²जा चिठी लिखनबारो मए, तर्तियस प्रभुमे तुमके अभिवादन पठात हौं। ²³मिर पहुना और सारा मण्डलीनके सत्कार करनके गायससे अभिवादन पठाई हए। तुमके अभिवादन हए। सहरको कोषाध्यक्ष इरास्तस और भैया क्वार्टस तुमके अभिवादन पठाई हँए। ²⁴हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह तुम सबएसँग रहबाए। ²⁵अब बाके, जौन तुमके मिर सुसमाचार और येशू ख्रीष्टके बारेमे सन्देशअनुसार जो गजब अगुसे लुकाओ भौ रहस्यको प्रकाश बमोजिम, जो तुमके खडा करन सक्षम हए, ²⁶पर अब अनन्तको परमेश्वरको आज्ञा अनुसार अगमवक्तक लिखाईसे प्रकट करि और जनाई हए, जाहेकारनसे कि सबय जातिके विश्वास करएँ और आज्ञापालन करएँ। ²⁷एक मात्रा बुद्धिमान परमेश्वरके येशू ख्रीष्टसे सदासर्वदा महिमा होबए। (अमेन)।

1 Corinthians

Chapter 1

¹परमेश्वरको इच्छासे ख्रीष्ट येशूको प्रेरित होनके बुलाए भए पावल और हमर भैया सोस्थेनेससे, ²कोरिन्थिमे भव परमेश्वरको मण्डलीके*जो ख्रीष्ट येशूमे पवित्र भौ हए, और बिनके संगसंगै हरेक ठाउँमे बैठन बारे सन्त होनके बुलाई सबके, जौन-जौन प्रभु येशू ख्रीष्टको नाउँ पुकारत हए, जो बिनको और हमर प्रभु हए: ³परमेश्वर हमर पिता और प्रभु येशू ख्रीष्टसे तुमके अनुग्रह और शान्ति। ⁴ख्रीष्ट येशूमे तुमके दओ परमेश्वरको अनुग्रहको कारन तुमरे तौहि मए परमेश्वरमे सबदिन धन्यवाद चढ़ातहौं। ⁵काहेकी हर प्रकारसे, अथवा सब बोलि और सबै ज्ञानमे तुम बोमे धनी भए हौ-। ⁶काहेकी ख्रीष्टके बारेमे हमर गवाही तुममे सुदृढ़ भौ हए-। ⁷ताकी तुम हमर प्रभु येशू ख्रीष्ट प्रकट होन बालो बातके प्रतिक्ष करत तुम्मे कोइ आत्मिक वरदानको कमी ना हुइहए। ⁸हमर प्रभु येशू ख्रीष्टके दिनमे तुमके दोषरहित बानान बो तुमके अन्त्यसम सुदृढ़ रखाबैगो। ⁹परमेश्वर विश्वासयोग्य हए, जौनसे बाको पुत्र हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको सङ्गतिमे तुम बुलाएहौ। ¹⁰अब भैया तुम, हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको नाउँमे मए तुमके अनुरोध करत हौं, कि तुम सब एक- दुसरेसंग सहमत होबौ और तुमरे बिचमे कुछ चिजको फुट ना होबए। पर तुम एक मन और एकै विचारके होबओ। ¹¹काहेकी, मिर भैया रेओ, तुमरे बिचमे लडाई हए कही बात क्लोएका परिवारके मोके खबर देहँए। ¹²"मिर कहाई जहेहए, तुम कोइ, "मए पावलके," कोइ "मए अपोल्लोसको," कोइ "मए कैफासको" और कोइ "मए ख्रीष्टको हौ" कहत हौ रे। ¹³का ख्रीष्ट बाँटो हए? का पावल तुमके ताहिँ कूसमे टाँगो हए? अथाव का पावलको नाउँमे तए बाप्टिस्मा लौ हए? ¹⁴मए परमेश्वरके धन्यवाद देतहौ, कि मए तुमर मैसे क्रिस्पस और गायसके बाहेक और कोइके फिर बाप्टिस्मा ना दै हए। ¹⁵जहमे मेरो नाउँमे बाप्टिस्मा भव करके तुम कोइ ना कहि पएहओ। ¹⁶(हँ, मए स्तिफनासको परिवारके फिर बाप्टिस्मा दओ और जासे मए और कोइके मए बाप्टिस्मा दओ कि ना दओ, बो मोके पता नैयौ।) ¹⁷काहेकी बाप्टिस्मा देन नए, पर सुसमाचार प्रचार करन मोके ख्रीष्ट पठाई हए- संसारिक बुद्धीको बातमे नए, नत ख्रीष्टको कूसको शक्ति व्यर्थ हुइहए। ¹⁸काहेकी नष्ट होनबालेके ताहिँ कूसको सन्देश मूर्खता हए, पर हम उध्दार पानबालेके तौहि परमेश्वरको शक्ति हए। ¹⁹काहेकी लिखो हए, "मए बुद्धीमानके बुद्धी नष्ट करंगो, और चतुराको चतुराई विफल करहौ।" ²⁰बुद्धीमान कहाँ हँए? शास्त्री कहाँ हँए? जा युगको तर्क करन बाले कहाँ हँए? का परमेश्वर जा संसारको बुद्धीके मूर्ख ना बानाई का? ²¹संसार अपन बुद्धीसे परमेश्वरके चिन ना पाएके बाके बुद्धीअनुसार हम प्रचारको सुसमाचारको मूर्खतासे त विश्वास करनबालेके बचान परमेश्वर ठिक ठहराई हए। ²²यहूदी चिन्ह मगत हँए और ग्रीक बुद्धीके खोजिमे हँए। ²³पर हम त कूसमे टाँगो भव ख्रीष्टके प्रचार करत हँए, जौ यहूदीनके तौहि बाधा और अन्यजातिनके तौहिँ मूर्खता हए। ²⁴पर बोलावट पाए भएनके तौहि, चाहे यहूदी होए अथवा ग्रीक होए, ख्रीष्ट परमेश्वरको शक्ति और बुद्धी हए। ²⁵काहेकी परमेश्वरको मूर्खता आदमीनको बुद्धीसे श्रेष्ठ हए, और परमेश्वरको दुर्बलता आदमीको बलसे शक्तिशाली हए। ²⁶भैया तुम, जब बुलाए रहौ, तवतुम कैसे रहौ? सो बिचार करओ संसारिक स्तर अनुसार तुम मैसे गजब

जनै बुद्धिमान, गजब जनै शक्तिशाली और गजब जनै खानदानी ना रहएँ ।²⁷ तव बुद्धिमानके शर्ममे पाइन परमेश्वर संसारके मूर्खनके छानी हए, और शक्तिशालीनके शर्ममे पाइनके परमेश्वर संसारके निर्बल बातके छानी हए ।²⁸ परमेश्वर संसारके निच और तुच्छ ठहारनबालो बातके चुनी हए । हियाँतविके नागिन्नबाली बातके फिर चुनि हए ; जहेमारे कि जौन बात हए बे व्यर्थ ठहरंगे,²⁹ और कोइ प्राणी परमेश्वरके समने अहङ्कार ना करएँ ।³⁰ परमेश्वर त ख्रीष्ट येशूमे तुमर जीवनको स्रोत हए, ख्रीष्टके त हमर बुद्धि, हमर धार्मिकता और पवित्रता और हमर उद्धार बनाईहए ।³¹ जहेमारे लिखो हए, “गर्व करनबाले प्रभुमे गर्व करएँ।

Chapter 2

¹भैया रेओ, मए तुमरठीन आओ, बडो-बडो बात और बुद्धिमे परमेश्वरको गवाहीको घोषणा करत ना आओ । ²काहेकी तुमरसंग रहत येशू ख्रीष्ट और बोके क्रूसमे टाँगो बातसे और कछु मए ना जानत हौं कहिके निश्चय करो रहौं । ³मए तुमरठीन कमजोर और गजब डरमे और कपतमे आओ । ⁴मेरो उपदेश और सन्देश हृदय छुनबारो बुद्धिपूर्ण शब्दमे ना रहए, पर पवित्र आत्माको और शक्तिको प्रदर्शनमे रहए, ⁵ताकि तुमर विश्वास आदमीको बुद्धिमे नाए, पर परमेश्वरको शक्तिमे आधारित होबए । ⁶तव फिर पक्को भए बारेनके बिचमे हम बुद्धिको प्रचार करत हँए, पर जा युगको बुद्धिमे नए, नत जा युगको शासकको बुद्धि, जो नेहत्व खतम हुइजए हए । ⁷पर हम परमेश्वरको गुप्त और लुको बुद्धिको प्रचार करत हँए, जो युग-युगसे अगु हमर महिमाके ताँहि परमेश्वर नियुक्त करीरहए । ⁸जा युगको कोइ फिर शासक बो बात नबुझी । बे बुझे हुइते त महिमाको प्रभुके क्रूसमे ना टाँडते । ⁹पर अइसो लिखो हए, “आँखीसे ना देखो और कानसे ना सुनो और आदमीको मनमे ना सोचो, जेही बात परमेश्वर बिनके प्रेम करनबालेके ताँहि तयार करि रहए ।” ¹⁰परमेश्वर हमर ताँहि पवित्र आत्मासे बो प्रकट करीरहए ,। काहेकी पवित्र आत्मा प्रत्येक बात ढुइत रहए, परमेश्वरको गहिरो-गहिरो बात फिर ढुडी रहए । ¹¹काहेकी आदमी भितर रहो भव अपन आत्माबाहेक कौन आदमीको विचारके बुझत हए? अइसीयए परमेश्वरको विचार परमेश्वरको आत्माबाहेक कोइ बुझ ना पात् हए । ¹²अब हम संसारको आत्मा ना पाए हँए, पर परमेश्वर हमके दौ भव वरदान बुझन सिकएँ कहिके बोसेपवित्र आत्मा पाए हँए । ¹³जौन बात प्रचार करत हँए, बे बात आदमीको बुद्धिसे सिखओ शब्दमे नैयाँ, पर पवित्र आत्मासे सिखओ भव अनुसार हम आत्मिक शब्दमे आत्मिक सत्यताको अर्थ खोलत हँए । ¹⁴जौन आदमी आत्मिक नैयाँ, बो परमेश्वरको आत्माको बात ग्रहण ना करत हए । काहेकी बे बात बोके ताँहि मूर्खता होतहँए, और बोके ना बुझ पात हए, काहेकी बे बात आत्मिक रितिसे मात्र चिनन् सिकत हए । ¹⁵आत्मिक आदमी सबए बातको जाँच करत हए, पर बो कोइ आदमीसे ना जाँचैगो । ¹⁶“काहेकी कौन प्रभुको मनके जानो हए? और कौन बाके सिखान सकैगो?” पर हमरसंग त ख्रीष्टको मन हए । ”

Chapter 3

¹भैया रेओ, तुमरसंग मस्कन आत्मिक जनसंग मस्कन जैसो मए ना मस्कपओ, पर सांसारिक आदमी, खीष्टमे दुधे बाच्चाकसंग मस्कोजैसो मए मस्क पओ। ²मए तुमके दूध खबओ, कर्ओ चिज नाए, काहेकी तुम बाके ताहिँ तयार ना रहौँ, और हबए फिर ना हो। ³तुम हबए फिर संसारिक हो। काहेकी जब तुमर बिचमे गुस्सा और हल्ला गुल्ला हए, तव का तुम संसारिक चलमे चलनबारे साधारण आदमी जैसे ना भए हो क ? ⁴काहेकी मए एक "पावलको" और दुसरो "मए अपोल्लोसको" कहत हो कहेसे, संसारिक आदमी जैसो ना भए का ? ⁵अपोल्लोस कौन है? पावल कौन है? प्रभु सबके खटाए अनुसार सेवक इकल्लो हँए, बहेसे तुम विश्वास करे। ⁶मए लगओ, ओपोल्लोस पानी डारी, पर परमेश्वर बढाई रहए। ⁷जहेमारे लागन और पानी डारन कुछ ना हए। पर परमेश्वर इकल्लो, जौन बुद्धि देत हए। बहे महान हए। ⁸अब बोन और पानी डरनबारी एकै हए, बे सब अपनो काम अनुसार देहरी पएँ हँए। ⁹काहेकि हम परमेश्वरके सहकर्मी हँए। तुम परमेश्वरकी बगिया और बाकी भवन हो। ¹⁰मोके दओ भव परमेश्वरको अनुग्रह अनुसार, घर बनान् बालो अच्छो मिस्तरीसे जैसी मए जग डारो, और दुसरे बाके उपर घर बनात जाओ, बाके उपर बनन् बाले सब आदमी कैसे बनात हँए, बो ध्यान देओ। ¹¹काहेकी जौन जग डारो गाओ हए, जो येशू खीष्ट हए, बक बाहेक कोई आदमी फिर औरो जग ना डार पएँ हँए। ¹²अब अगर कोई आदमी जा जग उपर सोनो, चाँदी, बहुमुल्य पत्थर, काठ, घाँस अथवा पैरासे घर बनए कहेसे, ¹³प्रत्येक आदमीको काम प्रकट होबैगो, काहेकी न्यायके दिनमे बो खुलस्त हुइजएहए। बो आगीसे प्रकट होबैगो, और सब कैसो काम करी हए, बो आगीसे जाँच होबैगो। ¹⁴अगर कोई आदमी बो जग उपर बनाओ काम करत रहबैगो तव बो इनाम पाबैगो। ¹⁵अगर कोई आदमीको काम डुङ्गके खतम भव हए कहेसे बो नुक्सान बिहोरन पडैगो, पर बो अपन आगीसे उमकके बचैगो। ¹⁶का तुमके पता ना हए, तुम परमेश्वरको मन्दिर होँ, और परमेश्वरको पवित्र आत्मा तुमरमे बास करत हए? ¹⁷अगर कोई परमेश्वरको मन्दिरके नष्ट करत हए कहेसे परमेश्वर बो के नष्ट करैगो। काहेकी परमेश्वरको मन्दिर पवित्र होतहए, और बो मन्दिर तुमही हो। ¹⁸कोई अपनेके धोखा मतदेओ। तुमर मैसे कोई जा युगमे अपनेके बुद्धीमान समझत हए कहेसे बो मूर्ख बानैगो, तव बो बुद्धीमान बन पाबए। ¹⁹काहेकी संसारको बुद्धि परमेश्वरको अगु मूर्ख हए। काहेकी लिखो हए, "बो बुद्धिमानके बिनको चलाकीमे पकड़त हए।" ²⁰धर्मशास्त्रमे ऐसो फिर लिखो हए, और फिर बुद्धिमानके विचार व्यर्थ हए कहिके परमप्रभु जानत हए। ²¹जहेमारे कोई आदमीके उपर गर्व ना करए। काहेकी सब चिज तुमरो हए, ²²चहु पावल, कि अपोल्लोस, कि केफास, अथवा संसार, अथवा जीवन, अथवा मौत, अथवा वर्तमान, अथवा भविष्य सब तुमरो हए, ²³और तुम खीष्टके हो, और खीष्ट परमेश्वरको हए।

Chapter 4

¹अइसी आदमी हमके खीष्टके सेवक और परमेश्वरको रहस्यके मालिक ठाने पड़े हैं। ²बो बाहेके जा आवश्यक हए, कि मालिक विश्वासयोग्य ठहरन पड़त हए। ³तव बिनसे अथवा आदमीके कोई अदालतसे मेरो इन्साफ होन, जा त मेर ताहिँ निक्कना छोटी बात हए, मए अपनए फिर अपनो इन्साफ ना करत हैं। 'मिर अपनो विरुध्दमे कुछ हए कहेसे मोके पता नैयाँ, पर बो मोके निर्दोष साबित ना करेहए, मेरो न्याय करनबालो त प्रभुए हए।' ⁴जहेमारे तोको समयसे अगु न्याय मतकरौ, प्रभु आन तक आसिया बौ। बो अँध्यारोमे लुकी बातके उजियारोमे लाबैगो, और आदमीको हृदय अभिप्राय प्रकट करदेत हए। तव सब आदमी परमेश्वरमे अपनो प्रशंसा पामंगे। ⁶भैया रे, मए अपन और अपल्लोसके उधारन दैके, तुमर भलाईके ताहिँ जे सब बात लिखो हौं, ताकी हमसे पवित्र धर्मशास्त्र अनुसार तुम जिन सिकौ, और तुमर मैसे कोई फिर एक दुसरेके विरुध्दमे घमण्डसे मत फुलौ। ⁷औरसे तुम कौन बातमे फरक हौ? तुमरसंग का हए, बो तुम ना पाएहौ? तव तुम बो पाए हओ कहेसे बो त वरदान नैयाँ आइसो काहे तुम घमण्डसे फुलत हौ? ⁸तुम तृप्त हुइगए। तुम धनी हुइगए। हमरबिना त तुम राजा भए हौ। तुम सितमाओक राज्य करेसे फिर त हुइतो, ताकी हम फिर तुमरसंग राज्य करन सकँए! ⁹काहेकी मोके अइसो लागत हए परमेश्वर हम प्रेरितके मृत्युदण्ड पाए भएके जैसो सबसे पच्छु प्रदर्शनमे धारेजैसो मोके लगत हए। काहेकी संसार, स्वर्गदूत और आदमीके ताहिँ हम तमाशा भए हँए। ¹⁰हम खीष्टके खातिर मूर्ख हँए, पर तुम त खीष्टमे बुद्धिमान हौ। हम दुर्बल हँए, पर तुम बलियो हौ। तुमर आदर हँए, पर हमर अनादर। ¹¹जहे घरी हम भुखे और प्यासे हँए, हमर कपड फटे हँए, कुटाई खातहँए और बिना घरदोवरके हँए। ¹²अपन हातसे काम करके हम मेहनत करत हँए। अपमानित होत हम आशिर्वाद देत हँए। सतत्पेती हम सहत हँए। ¹³हमर बदनाम होत प्रेमपूर्वक जबाफ देत हँए। हबए तक हम संसारके फोहर और पृथ्वीको कसिङ्गर बने हँए। ¹⁴तुमके शर्ममे पड़नके जा बात मए नलिखो रहओ, पर मिर प्यारे बालकाके जैसो अर्ती देन ताहिँ हए। ¹⁵काहेकी खीष्टमे तुमके आसंख्याआभिभावक हँए पर तुमर बेढम पिता त नैयाँ। काहेकी सुसमाचारसे खीष्ट येशूमे मए तुमर पिता बनो। ¹⁶जहेमारे तुम मेरो अनुसरण करनबाले होबओ कहिँके मए तुमके अनुग्रह करतहौ। ¹⁷तबहिमारे तुमरठीन तिमोथीके पठात् हँ। बे प्रभुमे मेरे प्यारे और विश्वासी लौडा हँए। मए सब ठाँउमे सारा मण्डलीमे सिखओ बमोजिम खीष्टमे मेरो जीवन कैसो हए, सो बे तुमके सम्झना करबाबैगो। ¹⁸मए तुमरठीन ना आनबालो सोचके किन्तो जनै अहङ्कारी भए हँए। ¹⁹तव प्रभुको इच्छा भओ, काहेकी मए तुमरठीन जल्दी अएँ हँ, और बे अहङ्कारी आदमीको बात नैयाँ, पर बिनको शक्ति तौ का हए बाको पात लगामंगो। ²⁰काहेकी परमेश्वरको राज्य बातमे नैयाँ, पर शक्तिमे हए। ²¹तुम का इच्छा करतहौ? मए तुमरेठीन छडीँ लैके अमंओ, कि नम्रताके आत्मा मे प्रेम साथ ?

Chapter 5

¹तुमर बीचमे व्यभिचार हए कहिके बात पक्का करके सुनोहौं, अइसो व्यभिचार त अन्यजातिमे फिर ना होत हए । तुमरो मैसे कोई एक जनै अपन दौवाके बैयर लै हए कहिके सुनो हौं । ²तुम त घमण्ड करतहौ । तुमके त शोक करन ना रहए का? अइसो काम करन बालेक त तुमर बीच मैसे हटाबओ । ³मए शरीरमे उपस्थित ना हुईके फिर आत्मामे तुमरसंग हौं । मए उपस्थित भव हानी करके अइसो काम करनबालेके न्याय मए करडारो हौं । ⁴जब तुम हमर प्रभु येशूको नाउँमे भेला होत हौ, और मए आत्मामे तुमरसंग उपस्थित होत हौं, तव हमर प्रभु येशूक शक्ति हुँवई होत हए, बा आदमीके मए अगुसे न्याय कर डारो हौ । ⁵बो आदमीके शैतानके हाँत सौपदेओ, ताकी बोके पापमय स्वभाव नाश होबए, तव प्रभुके दिनमे बोको आत्मा त बचए । ⁶तुमर घमण्ड ठीक नैयाँ । थोरीकिना सोण जम्मै दुक्लाके सोण बनाए देतहए कहिके का तुमके पात नैयाँ? ⁷नयाँ दुक्ला बनन् ताहिँ पुरानो सोणके निकार, काहेकी तुम वास्तवमे अखमिरी त हौ । हमर निस्तारके थुमा, ख्रीष्टको बलिदान हुइगओ हए । ⁸जहेमेरे हम पुरानो सोण के, अथवा कुकर्म और दुष्टताको सोणसे नाए पर निस्कपट और सत्यताको अखमिरी रोटीसे तिउहार मनामै । ⁹मए मिर पत्रमे तुमके ताहिँ व्यभिचारको संगत मतकरीओ काहिके लिखो रहौं । ¹⁰बाको अर्थ, जा संसारके व्यभिचारी, लोभी, अथवा लुटहा, और मूर्तिपूजक संग बीलकुल सङ्गत मतकरिओ काहिके न कहो हऔ, नत तुमके संसारसे निकरन पड़जएहय । ¹¹पर आईसो सङ्गत मतकरीओ कहिके मए तुमके ताहिँ लिखो, जौन अपनयके विश्वासी भैया हौ काहिके कहतहए, पर वास्तवमे बो व्यभिचारी, और लोभी, और मूर्तिपूजक, और निन्दा करनबारो, और मतवालो और लुटहा हए । बो अइसो आदमीकेसंग त खान फिर मत बैठओ । ¹²काहेकी बाहिर बालेके इन्साफ करन मोके का खाँचो? का तुम मण्डली भितरके न्याय करन ना पड़त हए का ? ¹³बाहिरबालेके न्याय परमेश्वरय करत हए । “तुम अपन बीचसे दुष्ट आदमीके निकारदेओ ।”

Chapter 6

¹तुमर मैसे एक आदमी दुसरेक भैयासे लडाई भैइहए कहेसे न्यायके ताहिँ सन्तठीन ना जाएके अधर्मीठीन जान के बो आँट करैगो? ²सन्त संसारको न्याय करत हए कहनबालो बात का तुमके पता नैयाँ? अगर संसारको न्याय तुमही के करन पडैगो कहेसे, छोटेसे- छोटे मुद्दा छिनन् का तुम अयोग्य हौ? ³का तुमके पता नैयाँ, हम स्वर्गदूतको न्याय करत हँए? जहेमारे जा जीवनसे होनबालो बात बडो हए का? ⁴अइसो लडाइतुमरमे नैयाँ कहेसे, बे लडाइ काहे बे आदमीके अगु धरतहौ, जौन आदमी मण्डली के कोई मोलको ना मानत हँए? ⁵तुमके शर्ममे पड्न मए जा कहतहौ । अपन ददाभैयनके बीचमे लडाइ मिलान सिकानबालो बुद्धीमान आदमी को नेहत्व तुममे कोई ना पए हौ ? ⁶पर एक भैया दुसरो भैयाके विरुध्दमे अदालतमे जए हए , बो फिर अविश्वासीके सामने मुद्धा धरत हए। ⁷तुमर एक दुसरेके विरुध्दमे लडन कहैत त तुमर हार हए । बरु अन्याय काहे ना सहमै? बरु काहे ठगके ना बैठएँ ? ⁸पर तुमही त अन्याय करतहओ और ठगतहौ, बो फिर अपनी भैयाके ! ⁹अधर्मी परमेश्वरको राज्यको हकदार ना होतहँए कहिके का तुमके पता नैयाँ? धोखा मतखाओ- अनैतिक, मूर्तिपूजक, व्यभिचारी, समलिंगी, पुरुषगामी, ¹⁰चुट्टा, लोभी, मतवाला, निन्दा करनबालो, लुटेरा परमेश्वरको राज्यको हकदार ना हुइहए । ¹¹तुम फिर अइसी रहओ, पर तुम धुइगए, पवित्र हुइगए, प्रभु येशू ख्रीष्टको नाउँमे हमर परमेश्वरको आत्मासे निर्दोष ठहरिगए हौ। ¹²" सब बात मेरे ताँही न्यायसंगत हँए," पर सब बातफाइदाके नैयाँ । "सब बात मेरे ताँही न्यायसंगत हँए," पर मए कुछ बातको कमैया ना हुइहौ । " ¹³"भोजन पेटके ताँही, और पेट भोजनके ताँही हए ।" पर परमेश्वर दुनेके नाशा करैगो । शरीर व्यभिचारके ताँही नैयाँ, पर प्रभुके ताँही हए, और प्रभु शरीरके ताँही हए । ¹⁴परमेश्वर अपन शक्तिसे प्रभुके जीवित करी हए, और हमके फिर बाको शक्तिसे जीवित करैगो । ¹⁵तुमर शरीर ख्रीष्टके अङ्ग हए कहिके का तुमके पता नैयाँ? तव का मए ख्रीष्टके अङ्ग लैके बिनके वेश्याके अशुध्द अङ्ग तुल्यामंगो? जा कबहु ना होबए ! ¹⁶वेश्यासंग जुडनबालो आदमी शरीरमे बोकेसंग एक होतहए कहीभइ बातका तुम के पतानैयाँ ? काहेकी अइसो लिखो हए, "बे दुने एक शरीर होमंगे ।" ¹⁷पर जो प्रभुसंग एक हए, बो बाकेसंग आत्मामे एक हुइहए । ¹⁸व्यभिचारसे अलग बैठऔ । और जौन फिर पाप बो आदमी कहतहए, बो शरीरसे बाहिर होतहए, पर व्यभिचार करनबाले आदमी अपन शरीरके विरुध्दमे पाप करतहँए । ¹⁹तुमर शरीर पवित्र आत्माको मन्दिर हए, जौन पवित्र आत्मा तुम परमेश्वरसे पाएहओ, और बो तुमरभितर वास करतहए कहिके का तुमके पता नैयाँ? तुम स्वयम अपने ना हौ । ²⁰तुम मोल तिरके किनेभए हओ ,। जहेमारे तुमर शरीरमे परमेश्वरको महिमा करौ ।

Chapter 7

¹अब तुम लिखो बातके बिषयमे देखाओ पुरुषके ताँही स्त्रीके नछोन आसल हए । ²पर व्यभिचार के बारे मे परीक्षा गजब हँए कहेसे हर आदमीक अपनी बैयर होबए और हर स्त्रीको फिर अपनी लोगा होबए । ³पति अपनी बैयरके बैबाहिक हक देबए और आइसीय त बैयर फिर अपन लोगाके । ⁴बैयर अपनो शरीरउपर अधिकार ना धरहए, पर बाको लोगा धरहे । अइसी लोगा फिर अपन शरीरउपर अधिकार ना धरए, पर बोक बैयर धरहे । ⁵लोगा बैयर अपन पारस्परिक सम्बन्धके एक दुसरेके इन्कार ना करए । इन्कार करहे कहेसे फिर आपसमे सल्लाह करके कुछ समयके ताँही मात्र, ताकि तुम प्रार्थनामे लगे रहन सिक तव फिर एकसंग बैठए, ताकि आत्मासंयमको अभावके कारण शैतान तुमके परीक्षामे ना पाडए । ⁶जा मए तुमके आज्ञाके रुपमे नाए, पर अनुमतिके रुपमे कहतहओ । ⁷सब आदमी मए जैसो देखन मए इच्छा करत हओ । पर सबके परमेश्वरसे विशेष वरदान मिलोहए, एकके एक किसिमको दुसरेके दुसरो किसिमको । ⁸पर आविवाहीत और विधावाके मए कहतहओ, तुम मोए जैसो आविवाहीत रहिओ बिनके ताँही अच्छो हुइहए । ⁹पर बे अपनाके वशमे ना रखपत हँए तव बेविहा करएँ । काहेकी अपन शरीरको अङ्गके जल्नसे विहा करन अच्छो हए । ¹⁰अब विवाहीतके मए कडा आज्ञा देडगो (मिर आज्ञा ना हए, पर प्रभुको आज्ञा हए) । ¹¹पर छुटके बैठेसे फिर बो विहा नाकरए, बरु अपनो लोगासे मिलाप करए । लोगा अपनी बैयरके ना छोडए । ¹²पर तुमसे मए कहतहओ (जा मेरो कहाई ना हए, प्रभुकी हए), अगर कोई भैयाके खीष्टमे विश्वास ना करके बैयर हए, औरबो बकसंग बैठन चाहतहए कहेसे, बो बाके ना छोडए । ¹³अगर कोई बैयरको खीष्टमे विश्वास नकरके लोगा हए, और बा बकसंग बैठन चाहतहए कहेसे, बा बक सँग सम्बन्ध ना तोडए । ¹⁴काहेकी अविश्वासी लोगा अपनी बैयरसे पवित्र होत हए, और अविश्वासी बैयर अपनो लोगासे पवित्र होत हए, नत बाके लौडा- लौडीया अशुध्द होमंगे, पर वास्तवमे बे त पवित्र हइए हँए । ¹⁵पर विश्वास नाकरन बाले छुटत हँए कहेसे छुट हए आइसो आवस्थामे बो खीष्टियान पति अथव पत्नी कोइ फिर बान्धनमे ना रयहँए काहेकी परमेश्वर हमके शन्तिमे रहन बुलाइ हए । ¹⁶स्त्री, तुमके का पता सायद तुम अपन पतिके बचानसकहौ की? अथाव लोग तुमके का पता सायद तुम अपनी पत्नीके बचान सकहौ की? ¹⁷प्रभु सबके जैसो जीवन खटाई हए, और जैसो स्थितिमे बुलाई हए, बहेहानी बो नेगए । सब मण्डलीके ताँही मेरो नियम जहे हए । ¹⁸का कोई आदमीके बोलावट होनसे बो अगुसे खतना भव रहए ? अइसी हए कहेसे बो बेखतना होन ना खोजए । का कोई खतना नहोत बोलावट भव हए ? अइसो हए कहेसे बो खतना ना करए । ¹⁹खतना कुछ नैयाँ, बेखतना फिर कुछ नैयाँ, पर परमेश्वरको आज्ञापालन मुख्य बात हए । ²⁰जौन अवस्थामे आदमीके बोलावट भव हए, बहेमे सब आदमी रहो रहबए । ²¹तुमर बोलावट होतपेती तुम कमैया रहौ? अगर रहौ कहेसे बाको वास्ता मतकरौ, पर स्वतन्त्र होन सिकेगे कहेसे बाको फाईदा उठाबौ । ²²काहिके प्रभुमे बोलावट होतपेती जौन आदमी कमैया रहए, अब बो प्रभुके स्वतन्त्र आदमी भव हए । अइसी करके बोलावट भव समयमे जो आदमी स्वतन्त्र रहए, बो खीष्टको कमैया भव हए । ²³तुम मोल तिरके किनेभए हौ, आदमीको कमैया मत बनौ । ²⁴जहेमारे भैया हो, जौनके जैसो अवस्थामे बोलावट भव हए, प्रत्येक बहे अस्थामे परमेश्वरसंग रहबै । ²⁵अब कन्याके बारेमे प्रभुको आज्ञा मिरसंग कुछ नैयाँ । पर प्रभुको कृपासे एक विश्वासयोग्य व्यक्तिके हैसियतसे मए तुमके अपन सल्लाह देतहौ । ²⁶वर्तमान सङ्कष्टमे देखत, जौन आदमी जैसो अवस्थामे हए बहेमे रहन अच्छो हुइहए । ²⁷का तुम विहा करे हो? अइसो हए कहेसे अपन बैयरसे छुटन मतखोजए । का तए बिनाविहा करो हए? अइसो हए कहेसे विहा करन मतखोज । ²⁸पर तए विहा करेहए कहेसे बो पाप नकरो हए । कन्यलौणीया विहा कर तए पाप ना करत हए । तव फिर विहा करन बारे जा जीवनमे कष्टको सामना करन पणौगो, और मए तुमके जासे बचान चाहतहओ । ²⁹भैया हो, मेरो कहाईको बात जहे हए, कि समय थोरी हए, और अब उप्रन्त बैयर होनबारी बैयर नभौजैसो रहए । ³⁰शोक करनबारी शोक नकरोजैसो और हर्ष मनान् बारो हर्ष नाए मनान् जैसो हुइके रहबए । किनमोल करनबारी अपनसंग कुछ चीज नभवजैसो रहबए । ³¹और बे जौन संसारके चीज उपभोग करतहँए, बिनमे अपनो कोई चासो ना भव जैसो करए, काहेकी संसार वर्तमानको रुप बितके जात हए । ³²तुम सब निष्फिक्री होबौ कहिके मए चहत हौ । विहा नभौ आदमी प्रभुके कैसे खुशी बनैहए कहिके प्रभुके बातके बारेमे फिक्री करत हए, ³³पर विहा भौ आदमी बैयरके कैसे खुशी करओ कहिके संसारको बातमे फिक्री करत हौ । ³⁴अइसो आदमीके मन दुईधेन लागो होतहए । विहा नभई बैयरकी शरीर और आत्मा दुनेमे कैसे पवित्र रहओ कहिके प्रभुके बातके बारेमे फिक्री करत हए । पर विहा भौ चाँहि कैसे अपन लोगाके खुशी रखामओ कहिके संसारके बातके फिक्री करत हए । ³⁵जा बात तुमरउपर प्रतिबन्ध लागनके ताँही नाए पर तुमर भलाईके ताँही नै कहत हौ, जहेमारे कि तुम एक मनके हुइके प्रभुप्रति भक्तिसाथ ठीक किसिमको जीवन यापन करन सिकौ । ³⁶अगर कोई आदमी अपनसंग मगनी भैई कन्यासंग अनुचित व्यवहार करो ठानतहए, और अगर बो कन्याके उमेर फिर खसकगई हए कहेसे, बो विहा करन चाहए कहेसे विहा करन सकैगी । जामे पाप नैयाँ । बिनको विहा होनए पडत हए । ³⁷पर जौन आदमी अपन मन पक्को करडारी हए, जो कोई करकापमे पणो नैयाँ, पर अपन इच्छाके वशमे करन सिकतहए, और जो कन्याके विहा ना करन निर्णय करडारिहए, कहेसे- अइसो आदमी फिर ठीक करतहए । ³⁸अइसो जौन कन्याके विहा करतहए, बो ठीक करतहए, पर जौन विहा ना करतहए, बो और अच्छो करतहए । ³⁹लोगा बाँचनतक लोगाके बन्धनमे बैयर रहतहए । पर लोगा मरके पिछु बो इच्छा करो व्यक्तिसंग बो विहा करन स्वतन्त्र होतहए, पर बो प्रभुको जन होन पणतहए । ⁴⁰पर बो अइसी बैठैगित और खुशी होतहए, जा मेरो विचार हए, तव मए सम्झात हौ कि मिरमे फिर परमेश्वरको आत्मा हए ।

Chapter 8

¹अब मूर्तिके चढ़ो भव खानबारो चिजके बारेमे: हम जानतहँए, कि हमर सबएसंग ज्ञान हए । ज्ञान घमण्ड लात हए, पर प्रेम उन्नती करत हए । ²"अगर कोई "कछु जानत हँ" कहिके सोचत हए कहेसे, जितका जानत रहै उतनो ना जानत हए । " ³अगर कोई परमेश्वरके प्रेम करत हए बाके परमेश्वर चीनत हए । ⁴जहेमारे मूर्तिके चढ़ो भव खानबारो चिज खानके बारेमे मए जानत हँ, काहिके मूर्तिको कोई अस्थितत्व ना हए, और एक परमेश्वरबाहेक और कोई नैयाँ । ⁵"बादरमे अथवा पृथ्वीमे नाउँ इकल्लोके देवीदेवता इकल्लो हुइ हँए, (नेहत्व अइसी गजब "देवता" और "प्रभु" हँए।)" ⁶पर हमर ताहिं ता एक परमेश्वर पिता हए, जोसे सब थोक होन आए, और बहेके ताँही हम जित हँए- हमर ताँही एक प्रभु, येसू ख्रीष्ट हए, जोसे सब चिज होन आए, और जोसे हम जित हँए । ⁷तहु फिर सब आदमीमे त जा ज्ञान ना होत हए । पर गजब आदमी पहिले मूर्तिपूजा करत रहँए और बे जा खानबारो चिज मूर्तिको चढ़ोहए कहिके खातरहँए । और बिनको विवेक दुर्वल भौ हए जहेमारे अशुध्द होत हँए । ⁸पर खान बारी चिज हमके परमेश्वरकी नजरमे जद्धा ग्रहण योग्य ना बनत हए । कुछ खएहँए तौ खराबी ना हुइहए और खएहँए त कुछ फाइदा ना हुइहए । ⁹पर होशियार होबओ, तुमर जा स्वतन्त्रता दुर्वलके ताहिं ठोकरको कारन ना बनए । ¹⁰काहेकी कोई दुर्वल दिमाक भौ आदमी तए ज्ञान भौ आदमीके मूर्तिके मन्दिरमे खान बैठो देखि कहेसे, मूर्तिके चढओ खानबारी चिज खानके का बा हिम्मत ना करहए ? ¹¹और तिर ज्ञानके मारे बा दुर्वल हुइके नष्ट हुइजए हए, जौनके ताहिं ख्रीष्ट मरो हए । ¹²अब अइसो अपन भैयाके विरुध्दमे पाप करत और बिनको दुर्वल दिमाकके चोट लगात तुम ख्रीष्टके विरुध्दमे पाप करत हौ । ¹³जहेमारे खानबारी चिजसे मेरो भैयाके बाधा होत हए कहेसे मए अपन भैयाके बाधा ना होबए कहिके कबहु बुट्टी ना खए हौ ।

Chapter 9

¹का मए स्वतन्त्र ना हौं ? का मए प्रेरित ना हौं ? का मए येशू, हमर प्रभूकेना देखो ना हौं ? का तुम परमप्रभुमे मिर हाँतके सिप ना हौ ? ²मए और के ताँहिँ प्रेरित ना होएसे फिर कम-से-कम तुमर ताँहिँ ता हौ, काहेकि प्रभुमे मिर प्रेरितको कामको छाप तुमही हौ । ³मिर विरुद्धमे मस्कनबारेनके मिर् जहे जबाफ है: ⁴का हमके खानपिनके अधिकार ना हए ? ⁵का और प्रेरितहानी, प्रभुके भैया और केफासके जैसो हमके विश्वासी बैयर लैके नेगन अधिकार का ना हए ? ⁶अथवा का बारनबास और मोके इकल्लो काम करन पडत हए ? ⁷अपन खर्चमे कौन पुलिसको काम करैगो ? दाखबारी लगाएके कौन बाको फल ना खएहए ? अथवा भेडा बकरिया पालके कौन बाको दूध ना पीहए ? ⁸का आदमीको दृष्टिकोणसे इकल्लो मए जा कहत हौ ? अथवा का व्यवस्था फिर जहे बात ना कएहए ? ⁹मोशाकी व्यवस्थामे एसो लिखो हए, "दाँहिँ करत ब्राधके मोखरी मतलगओ का परमेश्वर गौसए ब्राधको मात्र वास्ता करत हए ?" ¹⁰का बा हमर ताँहिँ जा ना कही हए ? हमर ताँहिँ जा लिखो हए । काहेके जोतन बारो और पैरी गाँहनबारो अन्नको थोरी हिस्सा पान आशामे जोतत और गाँहत हए । ¹¹अगर हम तुमर बिचमे आत्मीक बिउ बोएहँ कहेसे, और तुमर भौतिक सम्पत्तिको कटानी करेहँ कहेसे, का बो जद्धा हुहए र ? ¹²अगर और आदमी तुमर उपर एकलौटो हकको दाबी करैगो कहेसे का हमर और जद्धा हक ना हए ? तहुफिर हम त जा हकको प्रयोग ना करे हँ । पर ख्रीष्टको सुसमाचारमे बाधा मत करी बरु हम सब बात सही लेमंगे । ¹³का तुमके पता ना हए, कि मन्दिरमे सेवा करन बाले मन्दिरसे खात हँ, और वेदीके सेवा करन बाले वेदीमे चढाओभौ चिजको हिस्सा पात हँ कहिके तुमके पाता ना हए ? ¹⁴अइसी सुसमाचार प्रचार करन बाले सुसमाचारसे जीवन चलएँ कहिके प्रभु आज्ञा दै हए । ¹⁵पर जे हकमैसे मए कछु प्रयोग ना करोहँ, और मिर ताँहिँ अइसी प्रबन्ध होए कहिके मए जे बात ना लिखो । काहेकी मिर गर्व करन बातसे कोई मोके दुर करनसे बरु मोके मारन अच्छो हए । ¹⁶काहेकी मए सुसमाचार प्रचार करो कहेसे बो मे मोके घमण्ड करन कोई कारण ना हए । काहेकि अइसो करन मए मजबुर हौ । अगर सुसमाचार प्रचार ना करो कहेसे मोके धिक्कार हए । ¹⁷काहेकी अपन इच्छासे मए जा काम करतहओ कहेसे मोके इनाम है, पर मए अपन इच्छासे जा ना करो हौ कहेसे फिर मोके एक भण्डारेको जिम्मा सौपदै है । ¹⁸तव मिर इनाम का हए ? केवल ईतका हए, कि सेतएमेत सुसमाचार प्रचार करन पामौ, और सुसमाचार प्रचार करन पान पूरा हकको दाबी मोके ना करन पाडए । ¹⁹काहेकी मए आदमीनसे स्वतन्त्र हौ तौ फिरऔर जाद्धके जितन पामौ कहिके मए अपनएके सबैको दास बनओ । ²⁰यहूदीके जितओ कहिके यहूदीके ताँहिँ मए यहूदी जैसो बनो । व्यवस्थाके अधिनमे रहनबारेसेजितओ कहीके मए अपनै व्यवस्थाके अधिनमे ना भौ तहुफिर व्यवस्थाकी अधिनमे रहो जैसो करो । ²¹व्यवस्थाके बाहिर होन बारेनके जित पामौ कहिके मए अपनै परमेश्वरको व्यवस्थासे बाहिर ना हूइके पर ख्रीष्टको व्यवस्थाको अधिनमे रहिके व्यवस्थासे बाहिर होन बारे कता बनो । व्यवस्थासे बाहिर बालेनके जित पामौ कहिके मए एसो करो । ²²कमजोरके जितौ कहिके कमजोरके ताँहिँ मए कमजोर बनो । सबै प्रकारको उपायसे कोई न कोईके मए बचा सकओ कहिके सबके ताँहिँ मए सब चिज बनो । ²³सुसमाचारको आशिषको सहभागी हुइ पामौ कहिके सुसमाचारके ताँहिँ मए जा सब चिज करत हौ । ²⁴का तुमके पता ना हए दौइमे दौरन बारो सब दौरत है: पर इनाम त एकइ इकल्लो पए हए ? तुम इनाम पान हानी दौरौ । ²⁵खेलमे भाग लेन बारो खिलाडी सबमे अनुसासित होन पडत हए । बे नष्ट हुइके जान बारो मुकुट पान ताँहिँ अइसो करत हए, पर हम त अविनाशी मुकुट पान ताँहिँ अइसो कर हँ । ²⁶तबहीमारे लक्ष्य बिना मए ना दौरंगो । हावामे मुक्का मारन जैसो मए ना मारत हँ । ²⁷पर मए अपन शरिरके कठोरतासंग रखात हँ, और जाके वशमे करत हौ, नत मए औरके प्रचार करके मए अपनए अयोग्य ठहरंगो ।

Chapter 10

¹भैया हो, तुम जा बात लेओ कहिके मए चाहत हौ, कि हमर पुर्खा सब बादर तरे रहै, और समुन्दरके बिचसे हुइके गए । ²और मोशामे बे सबै बादर और समुन्दरमे बाप्तिस्मा पाई रहँए । ³सबए एकए आत्मिक भोजन खाँई । ⁴सबै आत्मिक पानी पिई, काहेकी बिनके संगैसंग नेगत बे आत्मिक चट्टानको पानी पिई और बा चट्टा त ख्रीष्ट रहए । ⁵तहुफिर बिनके मैसे तमानसे परमेश्वर प्रसन्न ना भौ, और बे मरभूमिमे नष्ट हुइगए । ⁶बिनके हानी हम खराबीको इच्छा ना करै कहिके जे बात हमर चेताउनीके ताँहीं हँए । ⁷बे मैसे तमानसे तुम मूर्तिपूजाके मत होबौ । अइसो लिखो हए, आदमी खान और पिन ताँहीं बैठ गए, और खेलन ताँहीं उठे ।" ⁸हमके व्यभिचारमे फसन ना हए, जैसी तुम मैसे कित्तो जनै फसे, और एकै दिनमे तेइस हजार मरिगए । ⁹हमके प्रभुको परीक्षा ना करन पडो, जैसी बे मैसे कित्तो करी, और साँप से नष्ट भए रहँए । ¹⁰हमके किचकिचान ना हए, जे मैसे कित्तो करी हँए, और विनाशसे नष्ट भए रहँए । ¹¹जे बात तुमके उदहारणके रूपमे भौ रहए और हमर शिक्षाके ताँहीं लिखो हए । जक उपर युग-युगको अन्त आइ गौ हए । ¹²जहेमारे जौन ठाडो हौ कहिके सोचे हए । बो होसियार रहए नत बो गिरैगो । ¹³आदमीके आन बारो परिक्षाके अलावा तुम और परिक्षामे ना पड़े हौ । पर परमेश्वर विश्वास योग्य हए, जौन तुमके तुमर शक्तिसे बाहीरको परिक्षामे ना पणन देबैगो, पर तुम सहन सिकैगे कहिके परिक्षाके संगसंग उम्कन डगर फिर देहए । अइसी तुम बोके सहे डारैगे । ¹⁴जहेमारे मिर प्रिय हो, मूर्तिपूजासे अलग रहौ । ¹⁵समझदार आदमिसे मए कहत हौ, मिर कही बात तुम अपनै विचार करौ । ¹⁶बो आशिषको कटोरा जो के ताँहीं हम आशिष मागत हँए, का बो ख्रीष्टको रगतमे होन बारो सहभागिता ना हए का ? बो रोटी, जो हम तोरत हँए, का बो ख्रीष्टको शरीरमे सामिल ना हए ? ¹⁷काहेकी रोटी एकै हए, हम गज़ब हँए त का शरीर त एकए हए, काहेकी हम सब एकै रोटीसे खातहँए । ¹⁸इसाएल जातिके देखौ, वलिदानको चिज खान बारो, का वेदीको सहभागि ना भए ? ¹⁹मए का कहैया हौ त ? का मूर्तिके चढओ भौ चिज कछु हए ? तौ मूर्ति कछु चिज हए ? ²⁰अइसो ना हए, पर मए जहे कहैया हौ, कि मूर्ति पूजन बारे जो वली चढात हँए, बो परमेश्वरके ताँहीं ना हए, पर भूतप्रेतके ताँहीं चढात हँए, और तुम भूतप्रेत संग मिलौ जा मए ना चाहत हँ । ²¹तुम प्रभुको कटोरा और भूतप्रेतको कटोरा दुनौ से ना पिन पए हौ । तुम प्रभुको टेबुल और भूतप्रेतको दुनौ से ना खाए पए हौ । ²²का हम प्रभुके दिक्कबैय हँए ? का हम बोसे शक्तिशाली हँए ? ²³"सबए बात न्यायसंगत हए," पर सबै बात फाइदके ना हँए । "सबए बात न्यायसंगत हँए" पर सबै बात सुधार ना करंगे । ²⁴कोइ फिर अपन भलाई ना दुणै, पर अपन परोसीके भलाई दुणए । ²⁵बजारमे जो बिचत हए, ज्ञान के ताँहीं कछु बिना पुछके बो खाए । ²⁶काहेकी पृथ्वी और बोमे भौ सब चिज प्रभुक हए । ²⁷कोई अविश्वासी बोके पाटी खान खबर दैई तौ जान इच्छ हए कहैसे तिर अग्गु जो धरदेहए: ज्ञान के ताँहीं कछु ना पुछके खाबओ । ²⁸"पर कोइ आदमी तोके " "जा त बलिमे चढओ भव हए" " कही त बतान बारेके ताँहीं और ज्ञानके ताँहीं, मत खाओ । " ²⁹तिर नाए, पर बोके ज्ञानके ताँहीं मिर स्वतन्त्रताको न्याय और ज्ञानसे कही हुइ हए ? ³⁰अगर धन्यवाद दैके मए खात हौ, कहिके धन्यवाद दैके खओ भव पाटीमे ताँहीं काहे मिर निन्दा होए ? ³¹जाहेमारे चहु तुम खाओ, अथवा पियौ, अथवा चहु तुम जो करौ, सबए परमेश्वरके महिमाके ताँहीं करओ । ³²कोई के ठेस लागन वारो काम मत करओ, चाहे यहूदिके होए, अथवा ग्रीकके होबए अथवा परमेश्वरके मण्डलीके होए । ³³जैसी मए फिर अपन करन बारो सबए काममे सब आदमीके प्रशन्न करन कोसिस करंगो, मए अपनए नाए, पर बहुतको हित करंगो, काहेकी बिनको उधर होबए ।

Chapter 11

¹मेरो अनुसरण करनबारे होबओ, जैसी मए ख्रीष्टको अनुसरण करत हौ । ²मए बाढई करत हौ, काहेकी सबैके बारेमे तुम मोके सम्झत हओ, और मए तुमके दौ भौ शिक्षा कायम करत हौ । ³पर तुम जा बुझओ कहन मए चाहत हौ, कि हरेक आदमीको शिर ख्रीष्ट हए, बैयरको शिर बिनको लोगा हए, और ख्रीष्टको शिर परमेश्वर हए । ⁴प्रार्थना करत अथवा अगमवाणी बोलत अपनो मुण तोपन बारोआदमी अपनो परमेश्वरो अपमान करत हए । ⁵पर मुण खुल्ला छोगके प्रार्थना करन बारी, अथवा अगमवाणी बोलन बारी बैयर अपनो मुणको अपमान करत हए, काहेकी जा बो अपनो बार कटो जैसो हए । ⁶काहेकी कोइ बैयर मुण ना तोपत हए कहेसे बरु बो बार काटए । पर बार कटनो कि छोलनो बैयरके ताहिँ शर्मकि बात हए कहेसे बो मुणमे घुँघाट डारए । ⁷काहेकी लोग अपनो मुण ना तोपन पणतहए, काहेकी बो परमेश्वरको प्रतिरुप और गौरब हए, पर बैयर लोग को गौरब हए । ⁸काहेकी लोग बैयरसे ना बनोहए, पर बैयर लोगसे बनी हए । ⁹बैयरके ताहिँ लोग सृष्टि ना भौ हए, पर बैयर लोगके ताहिँ हए । ¹⁰जहेमारे और स्वर्गदूतके खातिर फिर बैयर अपनो मुण घुँघाटसे तुपो होन पणत हए । ¹¹तव फिर प्रभुमे लोगसे बैयर स्वतन्त्र ना होत हए, नत बैयरसे लोग ना होत हए । ¹²काहेकी जैसी लोगसे बैयर बनि, उइसी लोग बैयरसे जन्मत हए । पर सब चिज परमेश्वरसे आत हए । ¹³तुम अपनए विचार करौ, मुण नाए तोपके परमेश्वरके प्रार्थना करत बैयरके सोहातहए का? ¹⁴लोग लम्बो बार पलहे कहेसे बो बाके ताहिँ शर्मकी बात हए कहिके प्रकृतिक फिर तुमके सिखात ना हए का? ¹⁵पर अगर बैयरको लम्बो बार हए कहेसे बोके ताहिँ गौरव हए । काहेकी बैयरको बार बोके तोपनके ताहिँ दै हए । ¹⁶पर कोइ जाके बारेमे वाद-विवाद करन चाहँत हए कहेसे, हमर अइसो कोइ रिति नैयाँ, नत परमेश्वर मण्डलीको न हए । ¹⁷पर जे आदेश देत मए तुमर तारिफ ना करंगो, काहेकी तुम भेला होत बो अच्छोके ताहिँ ना होत हए, पर बो और खराबीके ताहिँ हए । ¹⁸काहेकी पहिले त, मण्डलीमे एकसंग भेला होत तुमरमे फाटो हए कहिके मए सुनत हौ । तव कुछ मात्रमे मए बो विश्वास फिर करत हौ । ¹⁹तुमर मैसे ग्रहणयोग्य ठहरे भए चिनन् ताहिँ तुमरमे मतभेद होन फिर आवश्यक हए । ²⁰जब तुम एकसंग भेला भए खानपिन करत हौ बो चाहिँ प्रभु-भोज नैयाँ । ²¹काहेकी खान बैठत हरेक अपनो भोजन खात हँए, और कोइ भुखो रहत हए, तव कोइचाहिँ मद्धसे मातो होतहए । ²²का खान और पिनके ताहिँ तुमर अ- अपन घर नैयाँ ? अथवा का तुम परमेश्वरको मण्डलीके तुच्छ ठाहरत हौ और कछु ना होनबारोके अपमान करत हौ? मए तुमसे का कहौ? का जाके ताहिँ मए तुमर तारिफ* करौ? मए कदापि ना करहौ । ²³काहेकी प्रभुसे मए जो पाओ, सो तुमके सौप दौ, अर्थात् जौन रात बो पकणओ भव, बो रात प्रभु येशू रोटी लै, ²⁴और धन्यवाद दैके पिच्छु बो रोटी तोणी, और कही, “जा तुमर ताहिँ मेरो शरीर हए । जा मेरो सम्झनाके ताहिँ करौ ।” ²⁵अइसी करके खाएके पिच्छु बो कटोरा लैके कही, “जा कटोरा मेरो रगतमे भव नयाँ करार हए । जब- जब तुम जा पिबैगे, मेरो सम्झनामे जा अक्सर करौ ।” ²⁶काहेकी जब-जब तुम जा रोटी खाबैगे और जा कटोरामैसे पिबैगे, बाके ना आनतक तुम प्रभुको मृत्युको घोषणा करत हौ । ²⁷जहेमारे जौन अयोग्य रितिसे प्रभुको रोटी खाए हए, कि प्रभुको कटोरामैसे पिहए, बो आदमी प्रभुको शरीर और रगतके अपवित्र तुल्याहे कहेसे दोषी ठहरैगे । ²⁸हरेक आदमी अपनके जाँचए, तव मात्र बो रोटी खाबै, और कटोरासे पिबै । ²⁹काहेकी प्रभुको शरीरके नचिनके जौन खाएहे और पिहए बो खाओ और पिओ अपनउपर दण्ड लाबैगे । ³⁰जहेमारे तुमरमैसे गजब कमजोर और रुगहा हँए, और किन्तो जनै मरीगए हँए । ³¹पर हम नेहत्व अपना अपनएके जाँच हए कहेसे हम न्यायमे ना पणंगे । ³²पर जब प्रभु हमरो न्याय करहे, तव हमके अनुशासन करैगे, ताकि संसारसंग दोषी ना ठहरैगे । ³³जहेमारे मेरे भैया तुम, खानके एकसंग भेला होत एक दुसरेके असियाबौ । ³⁴अगर कोइ भुखो हए कहेसे बो घरमे खाबए नत एकसंग भेला होत तुम दण्डको भागी हुइहौ । और बातके बारेमे मए आएके निर्देशन देमंगो ।

Chapter 12

¹भैया तुम, अब आत्मिक वरदानको बारेमें तुम अनजान होबाओ करके मेरो इच्छा ना हए । ²तुमके पता हए, कि जब तुम कोइ समयमें मुर्तिके सेवक रहओ, तब कोइ न कोइ प्रकारसे प्रभावित हुइके तुम नमस्कन बारी मूर्तिघेन बहाके रहौ । ³"जहेमारे तुमके जा बात बुझौ मए चाहत हौं, कि परमेश्वरको आत्मासे मस्कन बारो कोइ "येशू श्रापित होबए ना कहत हँए । " तव पवित्र आत्मा बाहेक कोई फिर "येशू प्रभु हए" ना कहि पएहए । ⁴वरदान बेढमकिसिमके हए, पर प्रभु त एकए हए । ⁵सेवाके काम गजब हँए, पर प्रभु त एकए हए । ⁶काम बेढम किसिमके हँए, पर बहे परमेश्वर सबके बे काम करन प्रेरण देतहए । ⁷सबयके हितके ताँहि नै पवित्र आत्माको काम प्रकट होन सबके एक चिन्ह दै हए । ⁸कोइके पवित्र आत्मासे बुद्धिको बात मस्कन, कोइके बहे पवित्र आत्माअनुसार ज्ञानको बात मस्कन वरदान दै हए । ⁹कोइके बहे पवित्र आत्मासे विश्वास करनबारो, कोइके बहे पवित्र आत्मासे रोग अच्छो करनबारो वरदान दै हए, ¹⁰कोइके अचम्मोको काम करन, कोइके अगमवाणी बोल्न, कोइके आत्मा छुट्टयान सिकनबारो, कोइके बेढम किसिमको भाषा मस्कनबारो, कोइके त बहे भाषाको अर्थ खोलदेन बारो वरदान दैए । ¹¹पर जे सबयमें एकए पवित्र आत्माको काम करतहए । प्रभु सबयके बाको इच्छा अनुसार व्यक्तिगत रुपमें वरदान देतहए । ¹²काहेकी जैसी शरीर एक हए, और बाके बेढम अडग हँए, और शरीरको सम्पूर्ण अडग बेढम भएसे फिर शरीर त एकै हए, खीष्ट फिर अइसी हए । ¹³काहेकी एकए पवित्र आत्मासे हम सब एकए शरीरमें बप्तिस्मा पाए हँए- यहूदी अथवा ग्रीक, कमैया अथवा फुक्का, हम सबैके एकए पवित्र आत्मासे पिन दै हए । ¹⁴काहेकी शरीर एकै अडगसे मात्र नाए पर बेढम अडगसे बनो होतहए । ¹⁵"अगर टाडग "मए हात नैयाँ, जहेमारे मए शरीरको अडग नैयाँ" कैहए कहेसे, का बो शरीरको अडग ना हुईहे ? " ¹⁶"और कान " "मए आँखी नैयाँ, जहेमारे मए शरीरको अडग नैयाँ " " कैहए कहेसे, बो शरीरको अडग ना हए ? " ¹⁷अगर जम्मे शरीर आँखी हुइ तो त सुनहँएँ कहाँसे? अगर जम्मे शरीर कान हुइहए त सुँघंगे कहाँसे ? ¹⁸पर परमेश्वर अपनो इच्छाबमोजिम शरीरमें हरेक अडग मिलाएके धरदै हए । ¹⁹अगर बे जम्मे एकै अडग हुइतो त शरीर कहाँ हुइतो ? ²⁰पर अडग बेढम हँए, तहु फिर शरीर त एकए हए । ²¹"आँखी हातके "मोके तेरो जरुरत नैयाँ" कहन ना पएहए, और मुण फिर टाडगके "मोके तिर जरुरत नैयाँ " कहन ना पएहए । " ²²बरु कमजोर मनेभए शरीरके अंग और जरुरतके होतहँए । ²³शरीरके बे अडग जौनके हम कम महत्त्वको मनत हँए, बिनके हम जद्धा आदर देतहँए । खुला रुपमें ना दिखन सिकन बारो अडगके हम एकदम अच्छोसे धरतहँए, ²⁴खुला रुपमें दिखानबारो हमर अडगके अइसो हिफाजत ना चाहतहए काहेकी बे अगुसे इज्जत पइहोत हँए । पर परमेश्वर हमर शरीरके अइसो मिलाईहए कि छोटे अडगके जद्धा आदर प्रदान करीहए, ²⁵ताकि शरीरमें बेमेल ना होबए, पर अडग एक दुसरेके ताँहिँ समान वास्ता करँएँ कहिके बा एसो करी हए । ²⁶अगर एक अडगके कष्ट भौ कहेसे सब अडगसंगए कष्ट भोगत हँए, अथवा एक अडगको आदर भौ कहेसे सब अडगसंगए आनन्द मनात हँए । ²⁷तुम खीष्टको शरीर हौ, और सब बाको अडग हँए । ²⁸परमेश्वर मण्डलीमें पहिलो प्रेरित, दुसरो अगमवक्ता, तिसरो शिक्षक, तब अचम्मो काम करनबारो, और अच्छो करनबारो वरदान पाए भए, सहायता करनबारे, प्रशासन चलानबारे, बेढम भाषा मस्कनबारे,नियुक्त करीहए । ²⁹का सब प्रेरित हँए? का सब अगमवक्ता हँए? का सब शिक्षक हँए? का हम सब अचम्मो काम करनबारे हँए? ³⁰का सबके संग अच्छो करन बारो वरदान होतहए ? का सब बेढम भाषा मस्कत हँए? का बे सब औरै भाषाक मतलब बतात हँए ? ³¹पर और उचो वरदानको उत्कट इच्छा करौ । तव मए तुमके और अच्छो डगर दिखामंगो ।

Chapter 13

¹मानौ मए आदमी और स्वर्गदूतको भाषामे मस्केसे फिर मोएमे प्रेम ना हए तौ मए हल्ला करनबारो घण्टा और चिन्झा इकल्लो हुइहौं । ²मानौ मिरसंग भाविष्यबणी करन बरो बरदान हँए, और मय लुके भय गुप्त बात बुझन सकत हौ, और पाहड हटानबारो सबए विश्वास मिरसंग हुइहए, पर मोएमे प्रेम ना हए तौ मए कछु ना हौं । ³अगर सार सम्पत्ति वॉटदेओ और मिर शरीर जलानके दै देहओ, पर मोएमे प्रेम ना हए तौ मोके कुछ लाभ ना हुइहए । ⁴प्रेम सहनशीलता और दयालु हए । प्रेम हिर्स ना करत हए, ना शेखी करत हए । ⁵प्रेम हठी ना होतहए, ना ढीट होतहए, प्रेम अपनो बातमे जिद्दी ना करत हए, बबाल ना मनत हए, खराबीको हिसाब ना धरत हए । ⁶प्रेम खराबीमे खुशी ना होत हए, पर ठीक बातमे रमातहए । ⁷प्रेम सब बात सहत हए, सब बातको पतियात हए, सब बातमे आशा धरत हए, सब बातमे स्थिर रहत हए । ⁸प्रेमको कभु अन्त ना होत हए । अगमवणी खतम हुइ जए हए, भाषा बन्द हुइजए हए, ज्ञान टल जए हए । ⁹काहेकी हम थोरी जानत हँएँ औ थोरी भविष्यबाणी करत हँएँ । ¹⁰तौ जब सिद्धता अए हए, अधुरोपन खतम हुइ जए हए । ¹¹जब मए बालक रहौं तव बालक जैसो मस्कत रहौं, बालक जैसो सोचत रहौं, बालक कता पुछत रहौं, पर जब मए जवान भौ तौ बालकको चाल छोड दओ । ¹²अब हम दरपनमे जैसो गुधलो देखत हँए, पर बो बेरा त छर्लङ देखंगे । अभे मए थोरी जानत हौं, बा बेरा त पुरा बुझंगो, जैसी मए फिर पुरा रुपसे चिनो हौ । ¹³पर अब जे तीन बात रहत हँएँ : विश्वास, आशा, प्रेम, जे तिन रहमंगे, पर जे मैसे सबसे अच्छो प्रेम हए ।

Chapter 14

¹प्रेममे लगे रहबओ और आत्मिक वरदानके ताहि जाँगरबारे होबओ, विशेष करके अगमवाणी बोलनके ताँहि इच्छा करओ। ²काहेकी अन्य भाषामे मस्कनबारे आदमीसंग ना पर परमेश्वरसंग मस्कत हए। बा गुप्त बातकेआत्मा मे मस्कत हए और बा बात कोइ ना बुझ पतहए। ³पर अगमवाणी करन बारो आदमीसंग मस्कत हए बिनके आत्मिक वृद्धि, उत्साह और सान्त्वनाके ताहि बो मस्कत हय। ⁴अन्य भाषामे मस्कन बारो अपन आत्मिक वृद्धि करत हए पर भविष्यबाणी करन बारो मण्डलीक आत्मिक वृद्धि करत हए। ⁵तुम सब अन्य भाषामे मस्कौ कहिके मए चाँहत हौ, पर बोसे ज़द्धा तुम अगमवाणी करौ कहिके मए चाँहत हौ। मण्डलीको आत्मिक वृद्धिके ताँहि कोइ अर्थ ना खुलन तक अन्य भाषामे मस्कन बारोसे भविष्यबाणी करन बारो अच्छो हए। ⁶भैया अगर मए तुमरेठीन अन्य भाषामे बोलत आओ, पर तुमरेठीन कोइ प्रकाशको ज्ञान और अगमवाणी अथवा शिक्षाके ताँहि मए तुमसे ना मस्कहौ तबसम मोके कोइ फाइदा ना हुइहए। ⁷अगर बासुरी अथवा तन्दुरा जैसो निर्जीव बाजासे स्पष्ट आवाज नाए निकरहै कहेसे, कौन कौनछो बाजा बाज रहो हए कहिके कैसे जान पएहए? ⁸अगर तुरहीके ना चिन्हौ आवाजमे बजए हय कहेसे कैसे कोइ लडाइके ताँहि तयार हुइहए? ⁹तुमर ताँहि फिर अइसी हए। अगर ना बुझन जैसो मस्केहौ तौ तुमर बतकाव भौ बात कैसे जान पएहए? तुम मस्कत रए हौ और कोई फिर तुमर बात ना बुझे हए। ¹⁰संसारमे बहुत किसिमके भाषा हँए। कहि बातमे कुछ शङ्का ना हए और कोई फिर बिना अर्थके ना हँए। ¹¹अगर बोलो भाषाको अर्थ मए बुझो ना तौ मए बा आदमीके ताँहि और बा आदमी मिर ताँहि विदेशी हुइहए। ¹²तुमर ताँहि फिरअइसी हए। तुम फिर पवित्र आत्माको वरदानके ताँहि उत्सुक भौ जैसो मण्डलीके बनानको काममे जाँगर बारे बानौ। ¹³जहेमारे अन्य भाषामे मस्कनबारो आदमी बाको अर्थ बातए पाबए कहिके प्रार्थना करए। ¹⁴काहेकी अगर मए अन्य भाषामे प्रार्थना करत हौ कहेसे मिरआत्मा प्रार्थना करत हए, पर मिर दिमाक त सफल ना होत हए। ¹⁵अब मए का कारौ? मए आत्मा मे प्रार्थना कराङ्गो, पर मए मिर दिमाकसे फिर प्रार्थना करङ्गो। आत्मासे गामंगो और मए मिर दिमाकसे फिर गामंगो। ¹⁶अगर तुम आत्मा मे परमेश्वरको प्रशंसा करत तुमर कहिभई बात बाहिरके ना बुझौ तौ कैसे बे आमेन कएहँए? ¹⁷तुम त आच्छेसे धन्यवाद देतहौ, पर बो दुसरे आदमीके कोइ आत्मिक वृद्धि ना करत हए। ¹⁸मए परमेश्वरके धन्यवाद चढ़ात हौ, काहेकी तुम सब से जद्धा मए अन्य भाषामे मस्कत हौ। ¹⁹पर मए मण्डलीमे दुस्रो भाषामे दश हजार बोली बोलनसे त अपन दिमाकसे पाँच बोली बोलन चाँहत हौ। ²⁰भैया तुम, सोच- विचारमे बालक मत बनओ। खराबीके ताँहि बालक बनओ। पर सोच- विचारमे परिपक्का होबओ। ²¹व्यवस्थामे अईसो लिखो हए, "अपठ्यरो भाषामे मस्कनबारे आदमीसे और विदेशीनके ओठसे मए जा आदमीसंग मस्केहौ, तहुँ फिर बे मोके ना सुनेहँए" परमप्रभु कहत हए। ²²जहेमारे अन्य भाषा विश्वासीके ताँहि ना हए, पर अनविश्वासीके ताँहि चिन्हा हए। पर अगमवाणी त अनविश्वासीके ताँहि ना हए पर विश्वासीके ताँहि चिन्हा हए। ²³अगर जम्मए मण्डली इकठ्ठा हुइके सबए अन्य भाषामे मस्कत बाहिरके औ विश्वास ना करनबारे बा हुना आत बे तुम पागल हौ ना कएहँए का? ²⁴तव सब अगमवाणी कहत बेरा कोइ अनविश्वासी अथवा बाहिरको आदमी हुवाँ घुसी गओ तव सब से अगु अपनो पापको बोध हुइहए, और सबसे बो जँचैगो। ²⁵"बाकि हृदयकि लुकी बात प्रकट हुइहए, और घुटाएके बो परमेश्वरके आराधना करहए, और बो "परमेश्वर तुमके विचमे हए" कहिके कएहए। ²⁶भैया तुमसे, अब हम का कहेहँए? तुम एक ठिन इकठ्ठा होत सबएसंग भजन और शिक्षा, प्रकाश, दुस्रो भाषा और अर्थ बातनको काम होत हए। जा सब बात आत्मिक वृद्धिके ताँहि हए। ²⁷कोइ अन्य भाषा बोलत हए तव दुई जनै इकल्लो जद्धामे तिन जनै पालो पालोसंग बोलए और एक जनै बाको अर्थ खोलाए। ²⁸अर्थ खोलनबारो हुवाँ कोइ नैयाँ तव बोलनबारो मण्डलीके सभामे चूप रहए, और बो अपनएसंग और परमेश्वरसंग बोलए। ²⁹अगमवाणी बोलनचाहिँ दुई या तिन अदमी होमए और बिनको बोलि भई बातके अच्छेसे जाँच करए। ³⁰पर हुवाँ बैठनबारे कोइ एक अदमी के प्रकाश आओ तौ पहिले बालो वक्ताचाहिँ चूप रहबए। ³¹तुम सब पालो पालोसे अगमवाणी बोल सकत हौ, और अइसी सबैसे सिख सकएँ और सबैके उत्साह पाए सकएँ। ³²अगमवक्ताकी आत्मा अगमवक्ताके अधीनमे होत हए। ³³काहेकी परमेश्वर गोलमालको परमेश्वर ना हए पर शक्तिको परमेश्वर हए। सन्त सबै मण्डलीमे भौ अनुसार³⁴बैयर मण्डलीको सभामे चूपचाप रहमै। कहेकी बिनके मस्कनकी अनुमति ना हए, पर व्यवस्था कही अनुसार बे अधिनमे रहमए। ³⁵कोइ चिजके बारेमे सीखन चाहत हए तव घरमे अपन-अपन लोगाके पुछएँ। काहेकी मण्डलीमे बैयरके बोलानो शर्मकी बात हए। ³⁶का परमेश्वरको वचन तुमसे आओ हए? अथवा का तुमरेठीन इकल्लो आओ हए? ³⁷कोइ अपनेके अगमवक्ता अथवा आत्मिकी आदमी सम्झत हए, तौ मए लिखो बात फिर परमेश्वरको आज्ञा हए कहिके बोके स्वीकार करन पडहए। ³⁸पर कोइ जाको वास्ता ना करतहए, तौ बाको फिर वास्ता ना होबए। ³⁹जहेमारे भैया रेओ, अगमवाणी बोलन उत्कट इच्छा करओ, और अन्य भाषा बोलन मनाही मतकरओ, ⁴⁰पर सब काम शिष्टतापूर्वक और सुव्यवस्थित ढङसे करन पणत हए।

Chapter 15

¹भैया रेओ, मए तुमके प्रचार करो सुसमाचार मए तुमके याद दिलान चाहत हौ, जौन सुसमाचार तुम ग्रहण करे, और जोमे तुम स्तिर रहतहौ। ²जा सुसमाचारसे तुमर उध्दार भौ हए, अगर जामे तुम अटल रहबैगे कहेसे, नत तुम व्यर्थमे विश्वास करहौ। ³काहेकी मए जो पाओ बो सबसे मुख्य विषयके रुपमे तुमके सौपदाओ: ,अथवा पवित्र धर्मशास्त्र अनुसार ख्रीष्ट हमरो पापके ताँहि मरो रहए। ⁴बो गणो रहए, और पवित्र धर्मशास्त्र अनुसार तिसरो दिनमे बो फिर जिन्दा भव रहए। ⁵बो केफासठीन, और बाह्र जनै चेलाठीन दिखानो रहए। ⁶पिच्छु बो एकै समयमे पाँच सयसे जद्धा भैयाठीन एकसंग दिखानो रहए, जे मैसे बेढम अभेसम्म हँएँ। पर कोइ-कोइ मरिगए हँएँ। ⁷फिर पच्छु याकूब और सब प्रेरितठीन बो दिखानो रहए। ⁸सबसे पिच्छु असमयमे जन्मो आदमीठीन जैसो मिरठीन फिर बो दिखानो रहए। ⁹काहेकी प्रेरितमैसे मए सबसे तुच्छ हौ। मए प्रेरित कहनको योग्य ना हौ। काहेकी मए परमेश्वरको मण्डलीके सताओ। ¹⁰पर मए जो हँएँ परमेश्वरको अनुग्रहमे हँएँ और मोएमे भौ बाको अनुग्रह बिना कामको ना रहए। बरु मए बे सबसे जाधा काम करो। तहु फिर मए ना पर मोएमे काम करनबारो परमेश्वरको अनुग्रह रहए। ¹¹जहेमारे मए भव फिर अथवा बे भए फिर, हम जो प्रचार करत हँएँ, सो तुम विश्वास करे हौ। ¹²मरो भएनसे ख्रीष्ट पुनरुत्थान भौ कहिके प्रचार करीहए कहेसे कैसे तुमरमैसे कोइ-कोइ मरके पुनरुत्थान ना हुइहए कहिके कहन सिकैगे? ¹³पर अगर मरके पुनरुत्थान ना हुइहए कहेसे ख्रीष्ट फिर मरके पुनर्जीविन ना भौ हए। ¹⁴अगर ख्रीष्ट मरके पुनर्जीवित ना भौ हए कहेसे हमर प्रचार व्यर्थ हए, और तुमर विश्वास फिर व्यर्थ हए। ¹⁵बासे जद्धा हम परमेश्वरके बारेमे झूठो साक्षी ठहरत हँएँ, काहेकी ख्रीष्टके मरके पुनर्जीवित करीहए कहिके हम परमेश्वरको बारेमे गवाही देत हँएँ। पर नेहत्व मरके पुनरुत्थान ना हुइहए कहेसे बो ख्रीष्टके पुनर्जीवित ना करी हए। ¹⁶काहेकी अगर मरो भव पुनरुत्थान नाए हुइहए त ख्रीष्ट फिर मरके जिन्दा नाए भव हए। ¹⁷ख्रीष्ट पुनर्जीवित ना भौ हए कहेसे तुमर विश्वास व्यर्थ हए, और तुम अभेसम्म अपन पापमे हौ। ¹⁸तभि त ख्रीष्टमे मरनबारे फिर नष्ट भए हँएँ। ¹⁹अगर जा जीवनके ताँहि इकल्लो ख्रीष्टमे हम आशा करेहँए कहेसे हम सबए आदमीसे जद्धा दयनीय हँएँ। ²⁰वास्तवमे ख्रीष्ट मरके जिन्दा भौ हए। मरोमैसे बो त पहिलो फल बानो हए। ²¹काहेकी जैसी एक जनै आदमीसे मृत्यु आओ, अइसी मरनके पुनरुत्थान फिर एक जनै आदमीसे आओ। ²²काहेकी जैसी आदममे सब मर हँएँ, अइसी करके ख्रीष्टमे सब जिन्दा हुइहँएँ। ²³पर सबए बात अपनो-अपनो क्रमअनुसार हुइहए: ख्रीष्ट त अगौटे फरा हए, और पिच्छु ख्रीष्टमे भौ बाको आन बालो समयमे जिन्दा करो जए हए। ²⁴तव अन्तमे आए हए, जब बाको हरेक शासन, हरेक अख्तियार और शक्ति नष्ट करके परमेश्वर, पिताको हातमे सौंपदेहए। ²⁵काहेकी बो अपन सारा शत्रुके अपन पाओँ तरे ना करनतक बा राज्य करैगे। ²⁶नष्ट करनबारो अन्तिम शत्रु मृत्यु हए। ²⁷"काहेकी परमेश्वर सबै बात बाके पाउतरे अधिनमे धरी हए।" पर जा त स्पष्ट हए, कि "सबै बात बाके अधिनमे धरीहए" जहेमारे परमेश्वर अपनए जा अधिनमे ना हए, जो सब बात ख्रीष्टको अधिनमे धरदै हए। ²⁸जब सब बात बाके अधिनमे लातहँए, तव स्वयम पुत्र बाको अधिनमे होतहए, जो सब चिज बाके अधिनमे धरत हए, ताकि परमेश्वर सब चिज सर्वसर्वा होबए। ²⁹नत मरेभएके ताहि बप्तिस्मा लेनको अर्थ का भौ ? मरेभए जिन्दा नाए हुईके फिर त बिनके ताहि आदमी काहे बप्तिस्मा लेतहए ? ³⁰मए काहे हरघड़ी जोखिममे पणतहँ। ³¹भैया तुम, हमर प्रभु येशूमे तुमर कारन मए गर्व करत हौ, और मए कहन सिक्त हौ, कि प्रत्येक दिन मए मरत हौ। ³²आदमीको बात करन हए कहेसे, एफिससमे जङ्गली जनावरसंग मिर लड़ाईमे मोके का फाड़दा भौ? मरोभव जिन्दा ना हुईतो तव, "हम खामै और पिमएव, काहेकी कल त हम मरजए हँएँ।" ³³भ्रममे मत पणओ। खराब सङ्गत अच्छो चरित्रके नष्ट करत हए। ³⁴होशमे होबौ, अब पाप मत करौ। काहेकी कित्तोके त परमेश्वरको ज्ञान ना हए। तुमके सरमबान ताँहि मए जा कहो हौ। ³⁵"पर कोइ पुछैगे "मरो भव कैसे जिन्दा हुई हए? और बे कैसो प्रकारको शरीर लैके आतहँए?" ³⁶तुम कित्तो अन्जान हौ! जो लगात हौ बा नमरन तक ना जमत हए। ³⁷जो तुम लगात हौ बा त पिच्छु होनबारी शरीर ना हए, पर बीज इकल्लो हए, चाहे बो गेहूँ, अथवा और कोइ किसिमको अन्न होबए। ³⁸पर अपनाके खुशी लागोजैसो परमेश्वर बोके एक शरीर देतहए, और सबए किसिमको बीजके बा अपन शरीर देबैगे। ³⁹सबए शरीर एक किसिमको ना होत हए। आदमीको शरीर एक किसिमको, और पशुको दुसरो किसिमको, चिरैयाँको औरै किसिमको, और मछीको औरै किसिमको शरीर होतहए। ⁴⁰तौ शरीर फिर स्वर्गीय और मटीको होत हए। स्वर्गीय शरीरको तेज एक किसिमको हए, और मटीको शरीरको तेज औरै किसिमको होतहए। ⁴¹दिनको तेज एक किसिमको, जोनीको तेज दुसरे किसिमको, और ताराको तेज औरै किसिमको होत हए। काहेकी एक तारा औरो तारा से फरक तेजको होत हए। ⁴²मरनके पुनरुत्थान फिर अइसी हए। जौन शरीर विनाशमे गणत हए। बो विनाशीमे जिन्दा होत हए। ⁴³अनादरमे बो गणत हए, महीमामे बो जिन्दा होत हए। दुर्बलतामे बो गणत हए, शक्तिमे बो जिन्दा होतहए। ⁴⁴प्राकृतिक शरीरमे बो गणत हए, आत्मिक शरीरमे बो जिन्दा होतहए। प्राकृतिक शरीर हए कहेसे आत्मिक शरीर फिर अवश्यक हए। ⁴⁵जहेमारे अइसो लिखो हए, "पहिलो आदमी आदम जीवित प्राणी भौ।" अन्तिमे आदम जीवन देनबारो आत्मा भौ। ⁴⁶पहिलो आत्मिक नैयाँ, पर प्राकृतिक हए, और पिच्छुबारो आत्मिक रहए। ⁴⁷पहिलो आदमी मटीसे बानो रहए, पृथ्वीसे हए। दुसरो आदमी स्वर्गको हए। ⁴⁸मटीसे बानो आदमीजैसो रहए, मटीसे बने फिर अइसी होतहँए, और स्वर्गीय आदमी जैसी हए, स्वर्गके फिर अइसी होतहँए। ⁴⁹जैसी हम मटीको आदमीको रूप धारन करेहँए। अइसी स्वर्गके आदमीके रूप धारण कर हँए। ⁵⁰अब भैया, मए तुमके जा कहत हौ, कि मासु और रगत स्वर्गको राज्यको हकदार ना होत हए, नत विनाश अविनाशको हकदार हुइपए हए। ⁵¹देखओ, मए तुमसे एक रहस्य कहत हँएँ हम सबय ना मरडगे, पर हम सबको परिवर्तन होबैगे। ⁵²एकछिनमे, आँखीको एक टिमकनमे, तुरहीको आवाजमे काहेकी, तुरही बजहए, और मरेभए अविनाशी हुइके जिन्दा हुइहए। और हमर परिवर्तन हुइहए। ⁵³काहेकी जा विनाशी स्वभाव अविनाशी, और जा मरनबारो शरीर अमरत्व धारन करन पणैगे। ⁵⁴जब विनाशी अविनाशी और मरणशील अमरत्व धारण करहए, तव लिखो भौ बा वचन पूरा होबैगे, "मृत्यु विजयमे निलगओ हए।" ⁵⁵"ए मृत्यु, तेरो विजय कहाँ? ए मृत्यु, तेरो खिला कहाँ?" ⁵⁶मृत्युको खिला पाप हए, और पापको शक्ति व्यवस्था हए। ⁵⁷पर परमेश्वरके धन्यवाद होबए, जो हमके हमर प्रभु येशू ख्रीष्टसे विजय देतहए। ⁵⁸जहेमारे प्यारे भैया तुम, स्थिर और अटल होबओ। प्रभुको काममे सबदिन व्यस्त रहौ। काहेकी तुम जानतहौ, कि प्रभुमे तुमर परिश्रम व्यर्थ ना होतहए।

Chapter 16

¹अब सन्तके ताँहिँ भेटीके बारेमे गलातियाक मण्डलीनके मए दओ आदेश अनुसार तुम करीओ: ²हर हप्ताको पहिलो दिन तुम सबए अपन- अपन कमाइ अनुसार कुछ धन छुट्याएके जम्मा करत रहीओ, ताकि मए आमौ तौ भेटी उठान ना पड़ए। ³और मए आएके पिच्छु तुम चहे मए आदमीनके परिचाय पत्र दैके तुमके भेटी लेन यरुशलेम पढओ हो। ⁴पर मए फिर जानके ठीक देखेहौ तव बिनकेसंग जएहौ। ⁵माकेडोनियाको यात्रा करके पिच्छु तुमसंग भेटघट करनके आएहौ, काहेकी मए माकेडोनिया हुइके जाए रहो हो। ⁶शायद मए तुमरे ठीन कुछ दिन बैठंगो, अथवा हिउँद फिर बितामंगो। तौ पिच्छु मए जहाँ जाओ ताहु फिर तुम मेरो यात्राको बन्दोबस्त मिलाए दियो। ⁷जा पाली तुमरे संग एक चोटिको यात्रा भेटघाट ना करके, प्रभुको इच्छा हुइहए तौ कुछ समय बितानके आशरा करेहौ। ⁸पर पेन्तिकोसको तेवहार तक मए एफिससमे बैठंगो। ⁹काहेकी मिर ताँही एक बणो फाटक खुलौ हए, पर विरोध करनबारे फिर बहुत हँए। ¹⁰तिमोथी तुमरेठीन आन बिनके तुमसंग बिना चिन्तासे बैठन देओ काहेकी बो फिर मेरो जैसो प्रभुको काम करत हए। ¹¹जहेमारे कोइ बाके मत हेला करीओ। पर शन्तिसंग बिनको अपन यात्रामे पठाए दिओ, और बाके मिर ठीन आनके सकए। काहेकी भैयनसंग आत हुइहए कहिके मए बिनको प्रतिक्षा करत हो। ¹²अब भैया अपोल्लोसके बारेमे मए जा कहत हो, कि मए बिनके और भैयानकेसंग मिलके तुमसंग भेटघाट करन बहुत बिन्ती करो, पर हबए आनके बिनके बिलकुल इच्छा ना भौ पर मौका मिलैगो तौ बे तुमरठिन अमंगे। ¹³तयार रहओ, विश्वासमे पक्के बने रहओ साहसी और सामर्थी बनओ। ¹⁴तुम जो करत हो बे सब प्रेममे करीओ। ¹⁵स्तिफनासको घरानाके अखैयाके पहिले विश्वासी हँए। बे विश्वासीनको सेवामे अपनएके अर्पण करीहँए। भाईया रेओ, मए तुमके जा कहत हो की ¹⁶अइसी परिश्रम करनबारेनके सबए सहकर्मिको अधिनमे रहबौ। ¹⁷स्तिफनास, फोर्टनाटस और अखाइकसको आगमनमे मए आनन्दित भौ हँ, काहेकी बे तुमर अनुपस्थिति पूरा करदँ। ¹⁸काहेकी बे मेरो और तुमरे आत्माके फिर उत्साहित बनाई अइसो आदमीको आदर करओ। ¹⁹एशियाके मण्डली तुमके अभिवादन पठाई हँए। अकिलास और प्रिस्काके और बिनके घरमे भए मण्डली प्रभुमे तुमके हार्दिक अभिवादन पठाई हँए। ²⁰सबय भैया तुमके अभिवादन पठाई हँए। एक दुसरेके पवित्र चुम्बनसे अभिवादन करीओ। ²¹मए पावल, अपनए हातसे जा पत्र लिखत हो। ²²अगर कोइ प्रभुके प्रेम ना करत हए तौ बा श्रपित होबए। हमर प्रभु आबओ! ²³प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह तुमसंग रहाबए। ²⁴ख्रीष्ट येशूमे तुम सबके मिर प्रेम हए।

2 Corinthians

Chapter 1

¹परमेश्वरको इच्छासे ख्रीष्ट येशूके प्रेरित पावल और हमर भैया तिमोथीसे, कोरिन्थीमे भव परमेश्वरको मण्डलीके, और संगै सब अखैयामे भए सब सन्तके: ²परमेश्वर हमर पिता और प्रभु येशू ख्रीष्टसे तुमके अनुग्रह और शान्ति। ³हमर प्रभु येशू ख्रीष्टके परमेश्वर और पिता, करुणामय पिता, और सब सान्तानके परमेश्वरके प्रशंसा होबए। ⁴बा हमके सब दुः खमे सान्ति देतहए, ताकी हम फिर परमेश्वरसे पाओ बहे सान्ति कोई फिर दुः खमे पड़े भएनके सान्ति देन सिकैए। ⁵काहिके जैसी हम ख्रीष्टके दुः खमे सहभागी होतहए, अइसीए ख्रीष्टसे सान्तिमे फिर प्रशस्त मात्रामे हम सहभागी होतहए। ⁶हम दुः ख पड़ते कहेसे जा तुमके सान्ति और उध्दारके ताहिँ हए। हम सान्ति पड़ते कहेसे फिर बा तुमके सान्तिके ताहिँ हए। हम भोगेभए बेही दुः ख तुम धिरजके सँग सहात तुम फिर बहे सान्ति अनुभव करेहौ। ⁷तुमर ताहिँ हमर आशा पक्को हए। काहेकी हम जानत हए, कि जैसी तुम हमर ताहिँ दुः खमे सहभागी हो, अइसीय हमरो सान्तिमे फिर तुम सहभागी होबैगे। ⁸भैया रेव, हम एशियामे भोगे दुः खके बारेमे तुम अनजान रहौ कहिके हम नाए चाहत हए। काहेकी हम नाएसहान सिक्न बारो किसिमको ईत्तो कस्के दबे जैसो रहए, कि जीवनसे हम हरेस खाईगए रहए। ⁹हम त मृत्युदण्ड पाओ जैसो लगात रहए। हम अपनउपर नाए हए पर मृतकसे जीवन दैके उठानबारो परमेश्वर उपर हम भरोसा करके जा होन आओ। ¹⁰बा हमके इत्तो अगठी परिस्थिसे छुटाई रहए, तव बा हमके छुट्याबैगे। बकउपरै हम हमरो भरोसा करेहए, कि बा हमके फिर छुट्अबैगे। ¹¹तुमके फिर प्रार्थनासे हमके सहायता करनपौगे। तव बेढम प्रार्थनाके सब उत्तरमे हमके प्रास्त भव आशिषके ताहिँ बेढम हमर पक्षमे धन्यवाद चढ़ए हए। ¹²जा बातमे हम गर्व करत हए, तव हमर विवेक फिर बाके गवाही देतहए, कि संसारमे और खास करके तुमसंगको हमर सम्बन्धमे हम और इश्वरीय सत्यतामे चले हए, जा संसारिक बुद्धि अनुसार नैयाँ, पर परमेश्वरको अनुग्रहासे हए। ¹³काहेकी तुम पढ़न और नाबुझ पान बारो कोइ बात हम तुमर ताहिँ नाए लिखंगे, और मए आशा करतहौ, कि तुम पूरो रुपसे बुझैगे, ¹⁴कि जैसी तुम हमर थोरि कुछ बात बुझैहौ, अइसीए हमर प्रभु येशूको दिनमे तुम हमके पुरोरुपसे बुझैगे, और तुम हमर ताहिँ गर्व करन सिकैगे, जैसी हम तुमर ताहिँ गर्व करन सिकङ्गे। ¹⁵जा बातके मोके पक्को भव के मरे, तुमके दोहोरो फाइदा होबए कहिके तुमर ठीन पहिले आन इच्छा करो। ¹⁶माकेडोनिया जात तुमरठीन आएके भेटघाट करन और माकेडोनियासे तुमरठीन घुस्के आन और बेहुनासे यहूदीयाके मेरो सफरमे तुम मोके पठाए देहौ कहिके मए चाहतहौ। ¹⁷"जब मय जा तरिका सोचत रहौ, तौका मय हिचकिचाव? का मए अपनी योजना बनात संसारिक आदमी जैसी एक समय मे "हए" और "नाए हए" फिर कहमंगो क? " ¹⁸"परमेश्वर विश्वासयोग्य भवहानि हमरो वचन फिर "हए" और "नाए हए" भव नैयाँ। ¹⁹"काहेकी सिलास, तिमोथी और मए तुमर बिचमे प्रचार करो परमेश्वरको पुत्र येशू ख्रीष्ट "हए" और "नाए हए" पर बामे सब दिन इक्ल्लो हए। ²⁰"काहेकी परमेश्वरके सब प्रतिज्ञा बकमे "हँए"। जहेमारे बोसे परमेश्वरको महिमाके ताहिँ हम "अमेन" कहात हए। ²¹तव हम तुमसंग ख्रीष्टमे बलियो बनन् बारो और हमके अभिषेक करनबारो परमेश्वर हए। ²²बा हमरउपर अपन छाप लगाई हए, और हमर हृदयमे बैनाके रुपमे पवित्र आत्मा दै हए। ²³परमेश्वर मेरो साँचि हए, कि तुमके सजायसे बचान मए कोरिन्थीमे आओ। ²⁴तुमर विश्वासउपर हम अधिकार जमान नाए चाहत हए, पर तुमर अनन्दके ताहिँ तुमर संग मिलके काम करेहए। काहेकी अपनी विश्वासमे तुम अट हो।

Chapter 2

¹तुमके दुःख देन औरो चोटी नाआन मए निश्चय करो । ²काहेकी मए तुमके दुःखित बनाओ कहेसे, मए दुःखित बनओ भव आदमी से अलावा और कौन मोके दुःखित बनए है का?³ और मए जो वात लिखो, ज़हेमारे लिखो, कि मए आओ त जौन आदमिसे मोके आनन्द पान रहै बिनसे मए दुःखित नाए होमौ । काहेकी मिर अनन्द तुमर सवैको आनन्द हुइ है कहेस मोके तुमर सबै उपर भरोसा रहै । ⁴काहेकी तुमके दुःखी बनन् नाए, पर तुमर प्रति भव मेरो प्रशस्त प्रेम तुम जानौ काहेकी हृदयसे मोके गजब पिडा और वेदनामे गजब आँशु बहतै मए तुमर ताँहि लिखो रहौ । ⁵पर कोइ दुःखी बनाई हए कहेसे बो मोके नाए, पर बेढम कणो करके नाए कयहौ कहेसे, तुम सबके कुछ समय तक दुःखी बनाई हए । ⁶अइसिनके बहुमतसे दौ भव सजाय पक्का हए । ⁷पर तुम अइसेके क्षमा करन और सान्ति देन पणत हए, नत वो जद्धि शोकमे डुबजए है ।⁸ तबही मारे मए तुमके अनुरोध करत हौ, कि बो आदमीमे अपन प्रेममे और गहिरो बना । ⁹तबहीमारे मए तुमके जाँचन, और सब बातमे तुम आज्ञाकारी हौ कि नाए हौ पता पान ताहिँ मए तुमके लिखो रहौ ।¹⁰जौनके तुम माफ करैगे, मए फिर करंगो अगर मए कोइके कोई बातमे माफ करो हौ कहेसे तुमरी ताहिँ ख्रीष्टको उपस्थितमे माफ करो हौ, ¹¹काहेकी शैतान हमके फसाए नापाय, कहिके बोके जुक्तिमे हम अन्जान नाहए । ¹²ख्रीष्टको सुसमाचार प्रचार करन त्रोआसमे आए प्रभु मेरे ताहिँ एक फाटक खोल दै रहए, ¹³पर मेरे भैया तितसकेहुवा पाई तव मिर मनमे चैन नाए रहो । जहेमारे बिनसे विदा लैके मए माकेडोनिया घुमो । ¹⁴परमेश्वरके धन्यवाद हए, बा हमके ख्रीष्टमे सव दिन विजयके ताहिँ डोरयात हए, और बाको ज्ञानको अच्छो वासना हम से सब ठाउँमे फैलत हए । ¹⁵काहेकी उद्धार पानबारेके विचमे फिर हम परमेश्वरके ताहिँ ख्रीष्टको सुवास्ना हए । ¹⁶एक के ताहिँ मौतको दुर्गन्ध और दुसरेके ताहिँ जिवनको सुगन्ध जे बातके ताहिँ जा ठिक हए का? ¹⁷काहेकी तमान आदमी हानि हम परमेश्वरको वचन व्यापार नाए करे हए, पर परमेश्वरको पठाओ भव पबित्र आदमिक रुपमे हम परमेश्वरके अगु ख्रीष्टमे मस्कत हए ।

Chapter 3

¹का फिर हम अपन तारिफ करन लागे हए? का कोइ-कोइके चाहोमे हम तुमके और तुमसे दुसरेके सिफारिश-पत्र देखापणैगो का? ²तुमही हमर सिफारिस-पत्र हओ, जो सब आदमिके चिन्नह और पणन सिकन करके तुमहर हृदयमे लिखो हए । ³तुमही दिखाबैगे, कि तुम ख्रीष्टके पत्र हौ, या हमरो सेवाको फल, जौन पत्र मसीके नैयाँ, पर जीवित परमेश्वरको आत्मासे लिखो हए- पत्थरको पाटीमे नाए, पर मासुके हृदय- पाटीमे । ⁴ख्रीष्टसे परमेश्वर प्रति हमरो अइसो भरोसा हए । ⁵कुछ फिर बात हमसे आओँ हए कहेसे दाबी करन हम अपनै योग्य नैयाँ, पर हमर योग्यता परमेश्वरसे आत हए । ⁶नयाँ करारको सेवक हए बे हमके योग्यक बनाईहए, लिखो अक्षरमे नाए, पर पवित्र आत्मामे । काहेकी लिखो अक्षर त मारत हए, पर पवित्र आत्मा जीवन देतहए । ⁷तव मृत्यु लानबारो व्यवस्थाको अक्षर पत्थरमे गणो हए । बो व्यवस्था अइसो महिमामय हुइके आओ, कि बाको तेजके कारणसे इस्राएलीक मोशाको अनुहार देखन नाएसिको, बो तेज हरात जात हए । ⁸पवित्र आत्माके सेवा कैसे और जद्धा महिमामय नाए हुईहए? ⁹काहेकी दोषी ठहारन व्यवस्था महिमामय रहए कहिके, धर्मी ठहारनबारो सेवा जद्धा महिमामय होत हए । ¹⁰काहेकी जो एक चोटी महिमामय रहए, अभे बो अग्लेछा महिमा करन अब बो महिमा नाए रहो । ¹¹काहेकी जो बितके गओ बो महिमासे आओ रहए कही स्थायी रहन ताहिँ और जद्धा महिमापूर्ण होनपणैगो । ¹²जहेमारे हमर अइसो आशा भवक मारे हम बेढम साहसी भए हए । ¹³हम मोशाजैसे नैयाँ, जो बाको धुमलोहोत गओ महिमाके अन्तिम झलक इस्राएलीके नाए दिखाएँ कहिके अपनो अनुहारमे घुघट डारत रहए । ¹⁴पर बिनको मन कठोर भव रहए, काहेकी आजके दिनसम्म पुरानो करार पढ़त बो घुँघट रहो रहए, जो घुँघट ख्रीष्टसे ईकल्लो हटत हए । ¹⁵हए, आजसम्म फिर मोशाको किताब पढ़त बिनको हृदयमे घुँघट डरोहए, ¹⁶पर जब आदमी प्रभुघेन, घुमतहय तव घुँघट हटतहय । ¹⁷अब प्रभु आत्मा हए, तव जहाँ प्रभुको आत्मा हए, बोहुना स्वतन्त्रता हए । ¹⁸हम सब घुँघट हटाए मुहसे प्रभुको महिमाप्रति जईसिकतैसो करतहएँ, तव एक महिमासे दुसरो महिमाघेन चढतए बाको रुपमे बदलतै जातहए । परमप्रभुसे जा आत हए, जो आत्मा हए ।

Chapter 4

¹जहमेरे परमेश्वरको कृपासे हमरसंग जा कृपा है हम हरेस नाए खाए हँए । ²हम शर्मको और लुकी छिपी काम करन बालो काम छोड दए हँए । हम खराब काम करन या परमेश्वरको वचनके हेरफेर करन इन्कार करंगे । पर सत्यको वचन खुलस्त करके घोषणा करतै परमेश्वरको नजरमे हम सब आदमीक विवेकमे अपनएके ग्रहणयोग्य बनामंगे । ³हमर सुसमाचार घुँघटसे तुपोहए तवफिर जा नष्ट होन बालेक ताहिँ इकल्लो घुँघटसे तुपो हए । ⁴बिनके बारेमे कहौ कहेसे खीष्ट, जो परमेश्वरको रुप हए, बाको महिमाको सुसमाचार बे नाए देखयँ कहिके जा संसारको देव अविश्वासीको समझके आधार बनाई दै हए । ⁵हम अपन प्रचार नाए करत हए, पर येशूके ताहिँ हम तुमर दास हुइके, येशू खीष्ट प्रभु हए कहिके प्रचार करत हँए । ⁶"जौन परमेश्वर "अध्यारोसे ज्योति चम्कए" कही, बा हमर हृदयमे चम्कत हए, काहेकी परमेश्वरको महिमाको ज्ञानको ज्योत खीष्टको मुहमे चम्कए । ⁷सर्वश्रेष्ठ शक्ति हमर नाए हए पर परमेश्वरको हए कहिके स्पष्ट करन जा धान हमरसंग मट्टीको वरतनमे हँए । ⁸हम सबघेनसे अगठेमे हए, पर दबे नाए हए । अलमलमे हए, पर निराश नाए हए । ⁹सताए भै हए, तहु फिर त्यागे नाए हए । प्रहार करके गिरे हए, तहु फिर नष्ट नाए भए हए । ¹⁰येशूको जीवन हमर शरीरमे प्रकट होए कहिके हम बाको मृत्यु सवदिन अपन शरीरमे बोकके नेगत हए । ¹¹काहेकी हम जिन्दा हए तहु फिर येशूके ताहिँ सवदिन मृत्युको मुहमे पणजात हए, जहेमारे कि येशूको जीवन हमर मरणशील शरीरमे प्रघट होबए । ¹²अइसी मृत्यु हमर उपर काम करत हए, पर जीवन तुमरमे । ¹³"मए विश्वास करो, तभी मारे मए मस्को" कहान बालो आत्मा हमरमे हए तभि मरे हम फिर विश्वास करत हए, और हम मसकत हए ।" ¹⁴हम जानत हए कि प्रभु येशूके जिन्दा करन बालो हमके फिर येशूसंग जिन्दा करैगो, और बहे हमके तुमरसंग बाको उपस्थितमे लातहए । ¹⁵काहेकी जा सब तुमर ताहिँ भव हए, काहेकी जैसो अनुग्रह जद्धीसे जद्धी आदमीमे फैलत जएहए, अइसीसे परमेश्वरको महिमाके ताहिँ धन्यवाद देन काम फिर बढतै जाबै । ¹⁶जहेमारे हम हरेस नाए खात हए, हमर बहे आदमी नाश हुइगौ हए तव का हमर आत्मीक मनुष्यत्व दिनए दिन नयाँ होत जै हए । ¹⁷काहेकी हमर हलुको और एकघरीको कष्टसे हमर ताहिँ अतुलनीय या अनन्तको महान महिमा तयार हए । ¹⁸हम दिखान बारी बात नाए, पर नाए दिखान बाली बात देखत हए काहेकी दिखान बारी बात एकघडिक होत हए पर नदेखनबारि बात सामानतक रहत हए ।

Chapter 5

¹काहेकी हम जानत हए, कि हमर वास करो जा नाश होनबारी शरीर गिर जाएसे फिर स्वर्गमे अनन्तसम्म रहनबारी परमेश्वर दौ भव हमर घर हए, जो हातसे नाए बानइहए ²। हिया नेहत्व हम व्याकुल होत हए, और स्वर्गीय डेरा धारण करन गजम इच्छा करत हए । ³काहेकी बो धारण करके हम नङ्गे नाए हुइहए । ⁴काहेकी जा डेरामे रहत चिन्तासे हम डुबेरहत रत हए । हम नङ्गे हए काहेके नाए हए, पर और जद्धा लत्ता धारण करेहए, ताकी जो मरण शिल हए बो ज़िवानमे समावेश होबए । ⁵अब हमके जा बातके ताहिँ तयार करदेमए परमेश्वर हए, जो हमके बैनाके रुपमे पवित्र आत्मा दैहए । ⁶जहेमारे हमके पुरो भरोसा हए , कि हम जबसम्म शरीरमे रहए, तबसम्म प्रभुसे अलग हुइहए । ⁷काहेकी हम विश्वाससे नेगतहए, देखन बारी बातके आधारमे नाए । ⁸हमरमे पूरो भारोसा हए, बरु शरीरसे अलग हुइके प्रभुसंग रहान हम चाहत हए । ⁹जहेमारे हम चहे शरीरमे होमए , चाहे अलग रहमै, बाके खुशि करन हमरो लक्ष्य हए । ¹⁰काहेकी हम सब ख्रीष्टक न्याय-आसनके सामुने ठाणन पणयगो, अइसी शरीरमे रहत अपन करो आनुसर हरेक अच्छो या खराबको प्रतिफल पाबैगो । ¹¹जहेमारे प्रभुको भय पात करके हम आदमिके मानतहएँ । पर हम जो करत हए परमेश्वर जानत हए, और मए आशा करत हौ, बा तुमर विवेकमे फिर छर्लङ्ग हए । ¹²हम फिर तुमर ठिन अपन तारिफ नाकरतहए, पर तुमके हमरमे गर्व करन मौका देत रहए, ताकी तुम बिनके जवाफ देन सिकौ, जो आदमिके हृदयके बातमे नाए पर बाहिर बातमे घमण्ड करतहए । ¹³अगर हमर होश ठेकानमे नैयौँ, कहेसे जा परमेश्वरके ताहिँ हए, तव हम ठिक होशमे हए कहेसे जा तुमर ताहिँ हए । ¹⁴ख्रीष्टको प्रेम हमके मजबुर बनातहए, काहेकी हमके जा पक्का हए, कि सबके ताहिँ एक जनै मरो भव सब मरे । ¹⁵बो सबके ताहिँ मरो हए, ताकी बचनबारी अब अइसो अपन ताहिँ नाएबचहए, पर बाके ताहिँ बचए, जो बिनके ताहिँ मरो हए, और फिर जिन्दा हुइके उठोहए । ¹⁶अइसो अपन ताहिँ नाए बचहए, पर बाके ताहिँ बचए, जो बिनके ताहिँ मरो हए, और फिर जिन्दा हुइके उठोहए । ¹⁷अइसी अब अबसे हम कोइके आदमीके दृष्टिकोणसे नाए देखत हँए । हम ख्रीष्टके एक समयमे आदमिके दृष्टिकोणसे देखे रहए, पर अबसे हम बाके अइसो नाए दिखहए । ¹⁸जहेमारे कोइ ख्रीष्टमे हए कहेसे बो नयौँ सृष्टिहए । पुरानो बितगओ हए, देख नयौँ आओ हए । ¹⁹जा सब परमेश्वरसे भव हए, जो हमके ख्रीष्टसे अपनसंग मिलापमे लाई हए, और हमके मिलापको सेवा दै हए । ²⁰अथवा स्वयम ख्रीष्टमे हुइके परमेश्वरके संसारके अपनसँग मिलापमे लातरहए । बिनको अपराधको लेखा नालैके मिलाप करन कामको सन्देशो बो हमके सौपदैहए । ²¹जहेमारे हम ख्रीष्टके राजदूत हँए, और परमेश्वर हमसे अनुरोध करत रहए । ख्रीष्टके पक्षमे हम तुमके बिन्ती करत हए, कि तुम परमेश्वरसंग मिलापमे आबौ । ²²काहेकी हम बोमे परमेश्वरको धार्मिकता बन्न सिकए काहेकी पाप नाचिन्न बारेके ताहिँ परमेश्वर हमर खातिर पाप बनाई हए ।

Chapter 6

¹परमेश्वरको सहकर्मो भवक मारे हम तुमके बिन्ती करत हँए, कि बाको अनुग्रह व्यर्थ होन मत देओ, ²काहेकी बो कहात हए, “ग्रहण योग्य(ठिक) समयमे मए तुमर पुकरा सुनहौ, और मुक्तिको दिनमे मए तुमके सहायता करेहौ ।” देखौ ग्रहण योग्य(तहिक) समय हबए हए, मुक्तिको दिन हबए हए । ³हमर सेवामे दोष नापामए कहिके हम कोइके डगरमे रोकावटको कारण नाए बने हए,⁴पर सब घेनसे हम अपनैके परमेश्वरके सेवक हए करके दिखात हए -जद्धा शहनसिलतामे, कष्टमे कठिनाइमे, ⁵आपत-बिपतमे, कुटाइ-पिटाइमे, कैदमे, हुलदडमे, मेहनतमे, निधानोमे, भुखोमे, ⁶शुध्दतामे, ज्ञानमे, धैर्यमे, दयामे, पवित्र आत्तामे, साँचो प्रेममे, ⁷सत्यबोलिमे, और परमेश्वरको शक्तिमे, दहिना और दिबरा घेन, धार्मिकताको अस्त्र -शस्त्र धारण करके,⁸, आदरमे और अनादरमे, बदनाम और अच्छीनाममे, । हम ठगिया ठहरे, पर हम सच्चे हए । ⁹अपरिचित हँए त फिर सुपरिचित हँए ।मरन लागो हानि हए, ताहु फिर हम बचेहए । सजाय भोगे, तहु फिर नाए मरे हए । ¹⁰पछतौनो, तहु फिर सब दिन आनन्दित । गरीब, तहु फिर बहुत् के धनी बनन् बारे। कछु नाए भओ हानि तहु फिर सबए चिज भओ ।¹¹हे कोरिन्थीनके बिसबासि हो, हम तुमके अच्छे से कही दै हए, हमर हृदय तुमर ताहिँ खुलो हए । ¹²तुमर ताहिँ हमर माया कम नाए भओ हए, सायद तुमरो हमर घेनको माया कम हुइगौ हए । ¹³अब जाको बदलामे मए अपन बालकनके संग कहत हौ, कि तुम फिर अपन हृदय खुल्ला रखाबओ ।¹⁴अविश्वासीनके संग एकै जुवामे मत मचौ । काहेकी धर्म और अधर्मको का समझदारी होत हए? अथवा अधियारो संग उजियारोको का सहभागिता? ¹⁵ख्रीष्टके झुठ बोलनबरेसे का सरोकार? या विश्वास करन बारे विश्वास नाए करन बारेसे का सम्बन्ध ? ¹⁶मुर्तिसे परमेश्वरको मन्दिरसे का सम्झौता? काहेकी हम जीवित परमेश्वरको मन्दिर हए, जैसे परमेश्वर कही हए, मए तुमर उपर बास करेहौ, और बिनके विचमे नेगंगो, और मै उनको परमेश्वर होमंगो, और तुम मिर प्रजा होबैगे ।”¹⁷जहेमारे उनके विचसे निकरके आओ, और उनसे तुम अलग अलग होबओ, परमप्रभु कहात हए । खराब चीज कछु मत छुबौ और मए तुमके ग्रहण करंगो । ¹⁸मए तुमर पिता होमंगो, और तुम मिर लौणा लौणीया होबैगे, सर्वशक्तिमान परमप्रभु कहात हए ।”

Chapter 7

¹जहेमारे हे प्रिय हो, हमर संग जे प्रतिज्ञा भव तभि मारे शरीर और आत्माके सब किसिमके अशुद्धतासे हम अपनके शुद्ध बनामै, और परमेश्वरके भयमे पवित्रताके सिध्दता घेन बढतए जाए ।²हमके तुमर हृदयमे स्थान देबओ । हम कोइके खराबी नाए करे हए । हम कोइके भ्रष्ट नाए करेहए । हम कोइ आदमीसे फाइदा नाए उठए हए ।³तुमके दोषी ठहरान के ताँहि मए जा नाए कहो हओ, काहेकी मए अग्गु य कहि दओ हौ, हमर हृदयमे तुमर ताँहि यित्तो स्थान हए, कि हम तुमर संगमे मरन या बाँचन तयार हए ।⁴तुमरमे मेरो बणो भरोसा हए । तुमर उपर मए बेढम गर्व करत हओ । मए सान्से भरपुर हौ । हमर सब कष्टमे मए बेढम आनन्दित हौ ।⁵काहेकी हम माकेडोनियामे आएके पिच्छु फिर हमर शरीरके कछु विश्राम नामिलो, पर आसपास घेनसे हमके सडकष्ट आओ रहए, बाहिर सडघर्ष और भितर डरैडर रहए ।⁶तव उदासिके सान्ति देनबारो परमेश्वर तीतसके आगमनसे हमके सान्ति दै रहए⁷ । बिनको आगमनसे इकल्लो ना हए, पर बो सान्ति फिर, जौन सान्ति बे तुमसे पाइ रहए । मोके भेटन तुमर बणो इच्छाके बारेमे बे हमसे कही । मेरे ताँहि तुमर शोकके बारेमे और मिर घेनको तुमर गहिरो चिन्ताके बारेमे फिर बे बताइ, और अइसी मए और जद्धा आनन्दित भओ⁸मए अपन चिट्ठिसे तुमके शोकित नाए बानओ ताहु फिर मए नाए पछतओ, होन त मोके पछतओ भव रहए । मोके पता भओ, कि बो पत्रसे तुमके थोरी समयके ताँहि फिर शोकित बनाई⁹ । तुमके शोक भव हए कहिके मए खुशी नाए भव रहओ, पर तुमरो शोक तुमके पश्चताप करन बारो बनाई कहिके हए, काहेकी तुम ईश्वरीय शोकके अनुभव करे, और हमर घेनसे तुमके कोई नोक्सानी सहान नाए पणो ।¹⁰काहेकी ईश्वरीय शोक मुक्तिके ताँहि पश्चात्ताप उत्पन्न करत हए और बोमे पछुतो नाए होतहए, पर संसारिक शोकसे मृत्यु उत्पन्न करतहए ।¹¹काहेकी देखओ- जा इश्वरीय शोकसे तुमरमे कैसो उत्साह उत्पन्न करि हए- अपनए के निर्दोष बनन् तुमरमे कैसो उत्साह, कैसो क्रोध, कैसो डर, कैसो प्यास, कैसो जोस न्याय होबए कैसो इच्छा! सब बातमे तए अपनके निर्दोष भव साबित करेहौ ।¹²मए जा चिट्ठि अन्याय करन बारो आदमिके कारणसे नाएलिखो रहौ, नत अन्यायमे पणो व्यक्तिके कारनसे नाए हए, पर जा हेतुसे कि परमेश्वरके दृष्टिमे हमर घेनको तुमर उत्साह कैसो हए, सो तुमके पता होबए ।¹³जहेमारे हमके सान्ति मिलो हए । हम पाओ अपन सान्ति बाहेक तितसके आनन्दमे हम जद्धा रमाए, काहेकी तुमसे बिनको मनमे शान्ति मिलो हए ।¹⁴काहेकी बिनके ठिन तुमर बारेमे मए कछु घमण्ड करो रहौ काहेकी मोके बो मे कछु शर्म नाए भव । पर जैसी हम तुमके कहो सब बात सत्य रहए, अइसीय तीतसके ठिन हमसे घमण्ड फिर सत्य ठहरो ।¹⁵तुमर सबके आज्ञाकारिता और तुमर डर और कम्पसंग बिनके करो स्वगत सम्झत बिनको भितर हौसला तुमरघेन झन बढ्के आओ रहए ।¹⁶मए रमात हौ, काहेकी तुमरे उपर मेरो पूरा भरोसा हए ।

Chapter 8

¹भैया रेव, माकेडोनियाके मण्डलीमे परमेश्वर दओ भव अनुग्रहके बारेमे हम तुमके बतान चाहत हए । ²कष्टको भयङ्कर परीक्षाके बीचमे फिर बहुत आनन्द और घोर दरिद्रतामे बे उदार-चित्तसे दान दैइ³। काहेकी मए गवाही देत हौ, कि बे अपनो औकात अनुसार और औकातसे जद्धा फिर अपन राजीखुशीसे दैइ । ⁴बे सन्तको सहायताके ताहिँ भाग लेन पाओ कहिके हमके आग्रहपूर्वक(आदरके साथ) बिन्ती करी । ⁵हम आसरा करो हनी बे नाए करी, पर बे पहिले अपनैके प्रभुमे अर्पण करी, और परमेश्वरको इच्छा अनुसार हमके दैइ । ⁶जहेमे तीतसके अगुसे सुरु करके तुमर बीचमे फिर बा अच्छो काम समाप्त करए कहिके हम बिनके बिन्ती करे । ⁷पर जैसी सब बातमे तुम बढे हौ, अथवा विश्वासमे, वचनमे, ज्ञानमे, सबए जोशमे और हमर घेन तुमर प्रेममे, उइसी अथवा तुम जा अच्छो काममे फिर बड़के जानबारी बातमे ध्यायन लगाबओ । ⁸मए जा आज्ञाको रुपमे नाए कहो, पर औरके जोशसंग तुलना करके तुमर प्रेम फिर सच्चो होबए कहिके प्रमाणित करन ताहिँ मए जा कहो हौ । ⁹काहेकी हमर प्रभु येशू ख्रीष्टके अनुग्रह तुमके पता हए, बा धनी रहए, तहु फिर तुमर ताहि बा गरिब भव, ताकि बाको गरिबसे तुम धनी होन सिकौ । ¹⁰अब जाके बारेमे मेरो सल्लाह जहे हए- एक वर्ष अगु जौन दिन काम तुम सुरु करे इक्ल्लो नाए, पर बा करन उत्कट इच्छा फिर करे रहौ, बाके अब पूरा करन तुमर ताहिँ अच्छो हुइहए । ¹¹इच्छा करनमे तुमके जौन तयारी रहए बहे कता अपनो औकातअनुसार दैके जा कामके पूरा करौ । ¹²काहेकी देनबारो तयारी हए कहेसे आदमीसंग भव अनुसारको दानए ग्रहणयोग्य होतहए, नाभव अनुसारको नैयाँ । ¹³तुमके भारी होबए औरके हलुको होबए कहिके मए जा कहो नैयाँ, ¹⁴पर समानताके हिसाबसे जा हबयके समयमे तुमके प्रशस्ततासे बिनको अभाव पूरो हुइहए, और बिनको प्रशस्ततासे तुमर अभाव पूरा कर देबए । अइसी सबएमे समानता होबए, ¹⁵जैसो लिखो हए, “बेढम बटोरन बारेसंग जद्धा नाए रहो, और कम बटोरन बारेके अभाव नाए भव ।” ¹⁶पर परमेश्वरके धन्यवाद होबए, जो तीतसके हृदयमे तुमर ताहिँ बहे फिक्री करदै हए । ¹⁷काहेकी बे हमरो अनुरोधके मानी इक्ल्लो नाए, पर अपनै फिर गजम उत्साहीत हुइके अपनो इच्छाके तुमर ठीन आव । ¹⁸तव हम बिनकेसंग बो भैयाके पठात हए, जो सुसमाचारको प्रचारमे सबय मण्डलीको बीच मे प्रख्यात हए । ¹⁹तव इतकए इक्ल्लो नाहए, पर प्रभुको महिमाके ताहिँ और हमरो सदभाव प्रकट करके ताहि, अच्छो काममे हमरसंग यात्रा करन मण्डलीसे बो नियुक्त भव हए । ²⁰उदार- चित्तके दओ जा दान सञ्चालन करत जा केबारेमे कोई हमके दोष नाए देबए कहिके हम चाहत हए । ²¹काहेकी हम प्रभुको दृष्टिमे इक्ल्लो नाए हए, पर आदमीको दृष्टिमे फिर जो आदरणीय हए बो करन लक्ष्य धरत हए । ²²बिनकेसंग हमर भैयाके पठात हए, जौनके हम गजम चोटी जाँचके गजम बातमे जोशिलो पाए हँए । तुमर घेन भव बिनको बणों भरोसासे करत बे मेहनति और जद्धा जोशिलो भए हँए । ²³तीतसचाहिँ मेरो सहभागी और तुमर सेवामे मेरो सहकर्मी हए, और भैयानके तहिँ मण्डलीको दूत और ख्रीष्टको महिमा हए । ²⁴तुमर प्रेम और तुमर बारेमे करो हमर गर्व को प्रमाण मण्डलीको सामने जे आदमीके दै ।

Chapter 9

¹सन्तके ताहीं दओ भव भेटीके बारेमे तुमके लिखीरहन मोके जरुरि नैयाँ । ²काहेकी मए तुमर चाहना जानत हौं । जा के बारेमे माकेडोनियाके आदमीनके ठिन तुमर गर्व करत मए कहोरही, कि पोर सालसे आखैया तयार हुइ रहो हए । तुमर जोशसे बिन मैसे बहुत जैसेनके उत्सह करी हए । ³पर जा के बारेमे तुमर ताहीं हम गर्व करो व्यर्थ नाए होबए, और मए कहोअनुसार तुम तयार रहौ करके मए भैयानके पठातए रहो हौ । ⁴अगर कोई माकेडोनियाके मिरसंग अएके तुमके तयार नापाई कहेसे हम शर्ममे पणंगे, और तुमके फिर कम्ति शर्म नाए हुईहए काहेकी हम तुमर उपर बणो भरोसा करे रहए । ⁵जहेमारे तुम प्रतिज्ञा करो भेटीको प्रबन्ध अगुसे मिलानके ताहीं मोसे अगु भैयानके तुमर ठिन पठानके मए जरुरी मानो । जहेमारे जा भेटी करकापसे नाए, पर राजीखुशी दओ भव भेटीके रुपमे तयार होबए । ⁶पर बात जहे हए, कि थोरी बोनबारे थोरी या कटनी करहए, और प्रशस्तसंग बोनबारो प्रशस्तसे कटनी करैगो । ⁷तव सब आदमी अपनो मनमे सडक्लप करोबमोजिम देबए, इच्छा नाए भवत नाए , नत करकापमे करके । काहेकी खुशी- साथ देनबारेके परमेश्वर प्रेम करत हए । ⁸परमेश्वर तुमके सब आशिष प्रशस्त मात्रामे देन सिकैगो, ताकि तुमरसंग सबदिन हरेक चीज प्रशस्त होबए, और सब अच्छो कामके ताहीं तुम प्रशस्त मात्रामे देन सिकओ । ⁹अइसो लिखो हए, “जौन बोल हए, और गरीबके देतहए, बाको धार्मिकता सदासर्वद रहत हए ।” ¹⁰बोन ताहीं बिज और खान ताहीं भोजन देनबारो तुमके बिज देहए, और बोमे बढत जए हए, तव तुमर धार्मिकताको फसल बढए हए । ¹¹तुमरो बणों उदारताके ताहीं सब बातमे तुम धनी हुइ हौ, जौन उदारतासे हमके परमेश्वर चढ़ानबारो धन्यवाद उत्पन्न करैगो । ¹²जा सेवाको कामसे सन्तको अभाव पूरो हुइ हए , इतकए इकल्लो नाए, परमेश्वर घेनको गजम धन्यवादको भाबन उतरके आतहए । ¹³सेवाको जा जाँचसे तुम ख्रीष्टको सुसमाचार स्वीकार करन अपनो भावन आज्ञाकारितासे और बिनके ताहीं और सबएके ताहीं तुम उदार- चित्तसे दओ भेटीसे परमेश्वरको महिमा होबैगो । ¹⁴परमेश्वरको अपार अनुग्रह तुमरमे रहोके मारे बे तुमर चाहना करतहए, और तुमर ताहीं प्रार्थना करत हए । ¹⁵बाको वयान करन नाए सिकन बारो वरदानके ताहीं परमेश्वरके धन्यवाद होबए ।

Chapter 10

¹मए पावल, तुमर ठिन नम्र होत् हौ, पर दुर होत तुमर ताहीं सहासी होत् हौ! ख्रीष्टको नम्रता और कोमलतासे मए तुमके बिन्ती करत हौ । ²मए तुमके बिन्ती करत हौ, कि तुमर ठिन आत मए दिखान सोचो बा सहास आत्मा-बिश्वासके साथ बिनके दिखान नाए पणए, जौनसे हमके संसारिक तरीकासे काम करत हए कहिके शंका करत हए । ³काहेकी हम संसारके हए, ताहुँ फिर संसारिक लणाई त नाए लणत हए ⁴। काहेकी हमर लणई अस्त्रा-सास्त्रा संसारीक नाहए, पर किल नाश करन इश्वरीय सामर्थ बोमे हए । ⁵परमेश्वरके ज्ञानको विरुद्धमे खणा होनबारो बहस और हरेक अहंकारपूर्ण बाधाके नाश करत हए, और सब विचारके ख्रीष्टको आज्ञापालन करनके वश मे करत हएँ । ⁶तुमरो आज्ञाकारिता पूरो हुइके पिच्छु सब अनआज्ञाकारिताके दण्ड देन हम तयार बैठंगे । ⁷तुम आँखी को सामने भव चिजके देखओ, कोई आदमी जा भरोसा हए कि बो ख्रीष्टको हए कहेसे, अपनए के याद दिबाबए, कि जैसो बा ख्रीष्टको हए, हम फिर ख्रीष्टके नाए हौ । ⁸काहेकी हमरो अधिकारके बारेमे मए कुछ जद्धा घमण्ड करो कहेसे फिर मए शर्ममे नाए पणंगो, काहेकी जा अधिकार तुमर बिगारके ताहीं नाए, पर तुमर सुधारके ताहीं प्रभु दै हए । ⁹मए तुमके लिखो चिट्ठी तुमके डर दिखानताहैं हए कहिके मत कहाओ । ¹⁰काहेकी बे कहात हएँ , “बाको चिट्ठी गहकिले और प्रभावशाली हुइहए, तव बा अपनए उपस्थित होत बा कमजोर होत हए और बाको वचनको कोइ महत्त्व नाए होत हए ।” ¹¹उइसे आदमी जा याद करए, कि हम अपनी अनुपस्थितमे चिट्ठिसे जो कहात हए , उपस्थित होत फिर बेहि काम करत हए । ¹²अपनी तारिफ अपनए करनबाले कोइ-कोइ आदमी संग हम अपनके एकए समुहामे रहन, औरअपनके बिनके संग दौजन हम सहाँस नाए करत हएँ । तव बे अपनए अपनेके एक- दुसरेसंग नापके देखत और दौजत बे बिना समझके होतहए । ¹³हम सिमाना नाघके गर्व नाए करतहएँ, पर तुमरे ठिन पुगनके ताहीं परमेश्वर हमके तोकि दै सिमाना भितर रहमंगे । ¹⁴तुमरठिन आएकेता हम बढात चढात घमण्ड नाए करहएँ , काहेकी ख्रीष्टको सुसमाचार लैके तुमरठिन अगु पुगन बारे हम रहएँ । ¹⁵हम सिमाना नाघके दुसरेके परिश्रममे गर्व नाए करत हए , पर हमर आशा जा हए , कि तुमर विश्वास बढतै जात तुमरे बिचमे हमर क्षेत्र झन बढत जाबैगो, ¹⁶ताकी हम औरके क्षेत्रमे अगु हुइके काममे घमण्ड नाए करके तुमके देखके बाहिरको ठाउँमे सुसमाचार प्रचार करन सिकौ । ¹⁷” घमण्ड करनबारे परमप्रभुमे घमण्ड करए ।” “ ¹⁸कहेकी अपनो तारीफ अपनए करन बारो आदमी स्वीकार नाए करत हए, पर प्रभुके तारीफ करनबारो आदमीचाहीं स्वीकार करो जए हए ।

Chapter 11

¹तुम मेरो थोरी मूर्खता सहे से फिर हुइतो! थोरी सहिदेबौ! ²ईश्वरीय दिक्कसे मए तुमर से दिक्क भव हओ। एकए लोगा कि पवित्र दुल्हीनके रुपमे तुमके दिखानके ताहिँ मए खीष्टसंग तुमर मागनी करदौ। ³पर जैसी साँपके अपनो चलाँकीसे हव्वाके फसाई, उइसीय खीष्टघेनको तुमर निष्कपट और चोखो भक्तिसे तुमर विचार भ्रममे पणे हए कि कहिके मोके डर लागो हए। ⁴काहेकी अगर कोइ आदमी आएके हमरे प्रचार करे से जद्धा दुसरो येशूके प्रचार करहए कहेसे, और तुम पाओ भव आत्मासे दुसरो आत्मा तुम ग्रहण करौ तव कहेसे, अथबा तुम पाए भव सुसमाचारसे दुसरो कोइ सुसमाचार ग्रहण करहौ कहेसे, तुम जे सबके ठिन सजिलेसे झुकत्त हौ। ⁵कोइ बातमे मए बे सर्वोच्चो प्रेरितनसे एकु फिर कम नैयाँ। ⁶मए जनैया वक्ता नाए भओ से फिर मिर मे ज्ञानको कमी नैयाँ। जा बात हम हरकिसिमसे तुमके सफासे दिखाए दय हए। ⁷अपनेके छोटी बनाएके तुमके उच्च बनामओ कहिके परमेश्वरके सुसमाचार मए तुमके फ्रिमे सुनात का मए पाप करो हौ का? ⁸तुमरो सेवा करन और मण्डलीसे आर्थिक सहयता लैके मए बे मण्डलीके लुटो। ⁹तुमरे संग रहात जब मोके अभाव पणो रहए मए कोइको बोझ नाए भव, काहेकी माकेडोनियासे आए भए भैया मिर अभाव पुरा करी। ताहु फिर कोइ किसिमसे तुमरे उपर बोझ पणहेकी कहीके मए अपनेके रोको और पच्छुके फिर रोकंगो। ¹⁰खीष्टको सत्यता मिरमे हए, और अखैयाको इलाकामे मेरो जा गर्वके कोई रोक नाए पएहए। ¹¹काहे? का मए तुमके प्रेम नाए करत हौ कहिके हए का? परमेश्वर जानत हए, कि मए तुमके प्रेम करत हौँ! ¹²पर मए जो काम कर रहो हौँ सो करत रहँ, ताकि बे आदमीको दाबीके काटन सिक्कौ, जोन धागसे करए सेवा- कर्म हमरो समान हए कहिके कहात हए। ¹³काहेकी अइसे आदमी झूठो प्रेरित और छली काम करनबारे हए, और खीष्टके प्रेरितको भेष लगाएके नेगन इकल्लो हए। ¹⁴और जा कोई अचम्मो को बात नैयाँ, काहेकी शैतान फिर ज्योतिमय स्वर्गदूतको भेष धारण करत्त हए। ¹⁵जहेमारे जा कोई अचम्मो बात नैयाँ, कि जा दास फिर धार्मिकताको दासके रुपमे अपनो भेष बदलत हए। बिनको अन्त बिनको कामअनुसार हुइहए। ¹⁶मए फिर कहात हौ, कोई आदमी मोके मुख नाए सम्झए। पर तुम अइसो सम्झत हौ कहेसे फिर मोके मुखके रुपमे ग्रहण करौ, ताकि मए फिर कुछ घमण्ड करन सिक्कौ। ¹⁷मेरो जा घमण्डको निश्चयमे, मए प्रभुको अधिकारमे नैयाँ, पर मुखकतामे कहि रहो हौ। ¹⁸बहुत आदमि शरिरअनुसार घमण्ड करतहयँ मय फिर घमण्ड करत हौ। ¹⁹तुम अपने बहुत बुद्धिमान भए हौ कि खुशीसाथ मुखके सहतहौ। ²⁰काहेकी अगर कोई आदमी तुमके कमैया ठहरत हए, अउर तुमके अपनो शिकार बनात हए, औ तुमसे फाइदा उठात हए, और धाक जमात हए, अथबा तुमर मुहमे थप्पर लगात हए कहेसे फिर तुम सब सहत हौ। ²¹मए लज्जित हुइके स्वीकार करत हौ, कि हम चाहँ जा सब सहन नाए सिकन। पर कोई कुछ बातमे घमण्ड करत हए कहेसे, मए फिर बे बातमे घमण्ड करत हौ। हँ, मए मुख कता बोलतहौ। ²²का बे हिब्रू हए? मए फिर हौ। का बे अब्राहामके सन्तान हए? मए फिर हौ। ²³का बे खीष्टके सेवक हए? मए और अच्छो सेवक हौ- पागलकता मए बोलत रहतहौ। मए बहुत मेहनत करो। कैदमे और बहुत चोटी पणो। अनगिन्ती कोर्खाओ। मृत्यु को मुहमे बारबार पणो। ²⁴पाँच चोटी मए यहूदीके हातसे एक कम चालीस कोर्खाओ। ²⁵तीन चोटी मोके लठीसे मारी। एक चोटी पत्थरसे मारी। तीन चोटी मारी। तिन चोटी मए चढौ जहाज ध्वस्त भव। एक दिन एक रात मए समुन्द्रमे नै बिताओँ हौ। ²⁶मेरी बारबारको यात्रामे मए नदीयाके, डाँकके जोखिममे, अपनो जातिको आदमिके जोखिममे, अन्यजातिको जोखिममे, सहेरके जोखिममे, उजाड-स्थानको जोखिममे, समुद्रको जोखिममे, झूठा भैयासे आनबारो जोखिममे। ²⁷मेहनतमे और कष्टमे, किन्तो- किन्तो कच्चिधामे रातमे, भोक और प्यासमे, बारबार उपवासमे, ठन्डी और नङ्गेमे पडो। ²⁸तव और बात बाहेक सब मण्डलीको चिन्ताको बोझ मिर उपर हए। ²⁹कौन दुर्वल हए और मएता नैयाँ? कौन पापमे फासोहए और मएचाहिँ घबणैयानो नाए? ³⁰मोके गर्व करन पणेहए कहेसे, मए अपनो कमजोरी दिखान बातमे गर्व करेहौ। ³¹प्रभु येशूको परमेश्वर और पिता, जो सदामान धन्य हए, बो जानत हए, कि मए नाए ठगो। ³²दमस्कसमे अरितस राजाको हाकिम मोके पक्कन दमस्कस सहेर मे ताक धरे रहए। ³³पर भितियाको एक झयालसे डलबाममे धरके मोके तरे उतार दें बहेमारे मए बिनके हातसे बाँचो

Chapter 12

¹मोके गर्व करने पण हए । पर बोसे लाभ कुछ नाएहुइसे फिर, प्रभुसे पाओ दर्शन और जोतिकि बात मए करत हौ । ²खीष्टमे मए एक जनै आदमीके चीनत हौं, जो चौधा वर्षअगु तिस्रो स्वर्ग तक उठाएलैगओं । बो शरीरमे लैगओं कि शरीर विन, सो मए नाए जानत हौं, परमेश्वर जानत हए । ³मए जा आदमीके चीनत हौ, शरीरमे हए कि विना शरीरमे, बो मोके पता नैयों, पर बा आदमी स्वर्गलोकमे उठालैगओं, जा बात परमेश्वर जानत हए । ⁴और बा हुवों नाए बतान बारी बात बो सुनी, जौन आदमी बतकानबारि फिर बात नाए पर गजब पबित्र बातनके सुनि । ⁵जा अदमिको पक्षमे मए गर्व करत हौ, पर अपनो पक्षमे कहेसे मेरो कमजोरी बाहेक और बातमे मए गर्व नाए करेहौ । ⁶अगर मए गर्व करने इच्छा करहौ कहेस फिर मए मुख नाए बनंगो, काहेकी मए ठिक मस्कत हुइ हौं । पर आदमी मिरमे देखिँ और मोसे सुनेसे जद्धा कोइ मोके नाए कहए कहिके मए गर्व करनेसे रुकंगो । ⁷तव प्रसस्त प्रकाशको कारण घमण्डसे मए अगरो ना फुलौं कहिके मोए सतान और घमण्डसे रोकन शैतानको दुत, और एक काँटो मिर शरीरमे दै । ⁸जा मोसे हटए कहिके मए तीन चोटी प्रभुसे बिन्ती करो । ⁹तव मोसे बा कहिँ, “मिर अनुग्रह तिर ताहिँ प्रसस्त हए, काहेकी मिर शक्ति कमजोर मे पुरी होत हए ।” जहेमारे खीष्टको शक्ति मिरमे वास करए करके बरु कमजोरमे जद्धा खुशीके साथसे गर्व करंगो । ¹⁰जहेमारे खीष्टके ताहिँ कमजोरमे, बदनामीमे, कठिनाइमे, सतावटमे, आपतमे मए सन्तुष्ट रहत हौ । काहेकी जब मए कमजोर हौं, तव मए शक्तिशाली हौं । ¹¹मए मुख भओ हौं । तुम मोके अइसे करने कर लगाए, काहेकी तुमरसे त मिर प्रशंसा करने पडो रहए, काहेकी मए कुछ नाए भओ से फिर सर्वोच्च प्रेरितसे मए तुच्छ नैयों । ¹²साँचो प्रेरितके लक्षण पूरा धैर्यसे, चिन्ह चमत्कार और शक्तिक कामसे तुमर बिचमे प्रकट करी रहँ । ¹³और सब मण्डलीक तुलनामे तुम कौन बातमे कम निगाह पाए? हओ, एक बातमे पर तुम मोके क्षमा करने पडैगो, मए तुमर ताहिँ बोझ नाए बनो । ¹⁴अब तेस्रो चोटी तुमर ठिन आन मए तयार हौं । मए तुमर ताहिँ बोझ नाए होमंगो, काहेकी मए तुमर सम्पत्ति नैयों पर तुमके चाहत हओ । काहेकी अइया-दौवाके ताहिँ लौडा लौडिया नाए, पर लौडालौडियक ताहिँ त अइया-दौवा जम्मा करने पडत हए । ¹⁵मए तुमर ताहिँ गजब खुशी साथ खर्च करंगो, और स्वयम अपनए फिर खरचंगो । अगर मए तुमके जद्धा प्रेम करो कहेसे, का मए थोरी प्रेम पामओ? ¹⁶मए तुमके बोझ ना बुकाओ, जा ठिक हए, पर मए चलाकी करके तुमके फसए हौ करके तुम कहत हौ । ¹⁷मए तुमर ठिन पठाओ भए मैसे कोइ आदमीसे तुमरेसे का मए फाइदा उठाओ का? ¹⁸मए तीतसके जान कहिके आज्ञा करो, और बो भैयाके बिनके सँग पठाओ । का तीतस तुमरसे कोइ फाइदा उठाइ? का हम एकै आत्मासे ना चले? का हम एकए कदममे ना नेगे? ¹⁹का तुम जा सोचत हौ, कि यित्तो समय तुमर अगु हम अपनए सफाई देत हए? प्रिय, हम परमेश्वरके ठिन खीष्टमे मस्कत हए, तव जे सब तुमके बलियो बनानके ताहिँ हए । ²⁰काहेकी मए आत मए इच्छा करोकता तुमके ना पाएके, और तुम फिर मोके अपने इच्छा करोकता ना पाएके काहेकी मोके डर लागो हए । साइत हुआ लणाइ, दिक्क, क्रोध,स्वार्थ, बिजरो, निन्दा-चर्चा, अपमान और गोलमाल हुइहए साइत । ²¹मोए डर लागत, कि मए फिर आत मिर परमेश्वर मोके तुमर ठिन छोटी करइगो, और गजब जनैक ताहि मोए शोक करनेपडैगो, जौन अगु पाप करी रहए, और अपनए करो आशुद्धता, व्यविचार और छाडापनसे पश्चात्ताप ना करी हए ।

Chapter 13

¹तेस्रो चोटी मए तुमर ठिन आमंगो । कोइ फिर दोष दुई या तीन साक्षीक गवाहीसे साबित करन पडैगो । ²दोस्रो चोटी तुमर बिचमे होत मए तुमके चेताउनि दओ कता अब उपस्थिति ना होत फिर मए तुमके चेताउनी देत हौ । मए फिर आत अगु अगु पाप करन बाले और कोइके फिर मए ना छोडगो-³काहेकी खीष्ट मोएमे बोलत हए कहिके प्रमाण तुम चाहत हौ । तुमरसँगको व्यवहारमे बो दुर्बल ना हए, पर बो तुममे शक्तिशाली हए । ⁴काहेकी दुर्बलतामे बो क्रूसमे टडगो, पर परमेश्वरको शक्तिमे बो जिन्दा भओ । अइसी हम बकसँग दुर्बल होतहए, पर तुमरसँगको व्यवहारमे परमेश्वरको शक्तिसे हम बकसँग जिमंगे । ⁵तुम विश्वासमे पक्के हओ कि ना हओ कहिके अपनैके अपनै जाँचके देखी । अपनैके जाँच । जाँचमे असफल नाए हुइ हौ कहैसे येशू खीष्ट तुमरमे हए कहिके तुमके पता होन पडो रहए ! ⁶मए आशा करत हौ, कि हम असफल नाए भए हए कहैसे तुम पता पाबैगे । ⁷पर हम परमेश्वरमे प्रार्थना करत हए, कि तुम कछु खराबी मत करौ । हम जाँचमे सफल भए जैसो मत दिखाबौ । हम असफल भव जैसो दिखाएसे फिर तुमके जो अच्छो हए सो करौ । ⁸काहेकी हम सत्यको विरुद्धमे कछु करन नाए सिकत हए, केवल सत्यके ताहिँ ईकल्लो करन सिकतहए । ⁹काहेकी हम कमजोर होत और तुम बलियो होत हम आनन्दित होत हए । तुमर प्रगतिक ताहिँ हम प्रार्थना करत हए । ¹⁰तुमसे अलग होत मए जा लिखत हौ, जा हेतुसे कि तुमर-ठिन आत प्रभु मोके दौ भव अधिकार करो से मोके प्रयोग करन नाए पणैए । बो त बक बनानके ताहिँ दै हए, फोरनके ताहिँ नाए¹¹ अन्तमे भैया रेव, अब बिदा पाओ । सिध्दताको लक्ष्य धरौ । सान्ति पाबओ । एक- दुसरेक संग सहमत होबौ । शान्तिमे रहबौ, और प्रिय और शान्तिको परमेश्वर तुमरे संग हुइहए । ¹²एक दुसरेके पवित्र चुमनसे आदर करीयौ । ¹³सबए सन्त तुमके नमस्कार पठाई हँए । ¹⁴प्रभु येशू खीष्टको अनुग्रह, परमेश्वरको प्रेम और पवित्र आत्माको संगति तुमरे सबए संग रहबए ।

Galatians

Chapter 1

¹मय पावल खीष्टको एक प्रेरित जो कोई आदमीसे औ आदमीकद्वारा भव प्रेरित न हओं, पर येशू खीष्ट और परमेश्वर पिताद्वारा भव हों, जौन बाके मरो मैसे जिन्दा करी । ²मिरसँग होनबारे सब भयनके सँग मय जा चिट्ठी गलातियाके सबै मण्डलीनके लिखन डाटो हों । ³परमेश्वर हमर पिता और प्रभु येशू खीष्टसे तुमके अनुग्रह और शान्ति होबै । ⁴जौन हमर परमेश्वर और पिताको इच्छा अनुसार जा वर्तमान दुष्ट संसारसे हमके छुटकारा देनेके हमर पापके ताहिँ अपनएके अर्पण करी । ⁵परमेश्वरके सदासर्वदा महिमा होत रहबए । ⁶मोके अचम्मो लागत हए, कि खीष्टको अनुग्रहमे तुमके बुलानबारेके यित्तो जल्दी छोडके तुम दुसरो सुसमाचार घेन लगरहे हौ । ⁷वास्तवमे दुसरो सुसमाचार न हय, बलुक अइसे कोइ-कोइ हँए, जौन खीष्टको सुसमाचारके भ्रष्ट पाणनके ढुणत् हँए । ⁸हमर प्रचार करो सुसमाचारके उल्टा हमके औ स्वर्गसे आनबारी दुत प्रचार करेहए तहुँ फिर बा आदमी श्रापित होबए । ⁹हम अगुसे कहो जैसो मए फिर और हबए फिर कहत हों, तुम जौन सुसमाचार ग्रहण करे हौ, बाके उल्टा और कोइ तुमके प्रचार करत हए तव, बा श्रापित होबए । ¹⁰का मए आदमीनको निगह ढुणत् हँए, कि परमेश्वर को ? औ का मए आदमीनके खुशी करन ढुँणत् हँए ? अगर मए और आदमीनके खुशी करन कोशिस कर रहो हँए तव मए खीष्टको दास न हँए । ¹¹भैया, तुम जा जानओ करके मए चाहत हँए, कि मए प्रचार करो सुसमाचार आदमीको सुसमाचार न हय । ¹²काहेकी मए जा कोइ आदमीसे पाओ न हँए, नत जा मोके कोइ सिखाइ रहए, बलुक येशू खीष्टको प्रकाशनसे मए जा पाओ हँए । ¹³यहूदी धर्म मे रहत अगुको मेरो जीवनके बारेमे तुम सुनेहौ, कैसे मए परमेश्वरको मण्डलीके भयानक रुपसे सताओ, और बाके नाश करनके ढुँणो । ¹⁴हमर जातिमे, मिर नातेदारमे बहुतनसे मए यहूदी धर्ममे अगु बढो रहँए, और मिर पिता-पुर्खाको परम्परामे मए बहुत जोसिलो रहँए । ¹⁵पर, मिर जलम् होनसे अगु मोके अलग करन बारो, और अपनो अनुग्रहसे मोके बुलान बारो परमेश्वरके, ¹⁶जब अन्यजातिक बीचमे बाको प्रचार करन अपन पुत्र मोए मे प्रकट करन बाके खुशी लागो, तव मए कोइ आदमीसे सल्लाह न लौ, ¹⁷न त मोसे अगु प्रेरितनके ठिन मए यरुशलेममे गओ, पर तुरन्त अरब देशमे गओ, और पिछु दमस्कसमे घुमके आओ । ¹⁸तव तीन वर्ष पिछु केफाससँग भेट करन मए यरुशलेम गओ, और उनके सँग पन्ध्र दिनतक बैठो । ¹⁹तव प्रभुको भैया याकूबके बाहेक और कोइ प्रेरितनके मए न मिलो । ²⁰परमेश्वरको अगु मए तुमके विश्वास दिलान चाहत हँए, कि मए जो लिखोहँ बा झुठो न हय । ²¹तव पिछु मए सिरिया और किलिकियाके इलाका घेन गओ । ²²बा बेरा यहूदीनके खीष्टके मण्डलीके मिर मुहँ न देखि रहँए । ²³पर बे सुनी इकल्लो रहँए, “अगु हमके सतान बारो आदमी जौन विश्वास नाश करन ढुणन डटो रहए, और हबए बहे विश्वास प्रचार करन डटो हए ।” ²⁴बे मेरे कारन परमेश्वरके महिमा दै ।

Chapter 2

¹चौध वर्षपिछु बारनाबाससंग तीतसके लैके मए फिर यरुशलेम गओ। ²ईश्वरीय प्रकाशन पाओ अनुसार मए गओ, और बिनके ढिगै बहे सुसमाचार धरो, जो मए अन्यजातिके प्रचार करो हौं। पर अगुवा कता दिखान बारेनके अगु मए एकान्तमे बोलो। ताकि मए जो दौण दौणो और दौण रहो हौं, बा व्यर्थ न होबए। ³पर मिर संग होनबारो तीतस ग्रीक हए तहुँ फिर खतना होन पणैगो करके कोइ कर न लगाई। ⁴खतनाको जा बात उठो, काहेकी कित्तो झुठे भैया हमर दल भितर चुप्पएस घुसके खीष्टमे भव हमर स्वतन्त्रताको चुहा करके हमके बन्धनमे लान चाँहत रहएँ। ⁵सुसमाचारको सत्यता तुमके ताहिँ सुरक्षित होबए करके बिनके अगु हम एक पलके ताहिँ फिर न झुके। ⁶इज्जतदार दिखान बारे आदमी जो रहएँ -और बे जैसो भए से फिर मोके त कोइ फरक न पणत् हय, परमेश्वर आदमीनको पच्छेपात न करत् हय-बे मिर सन्देशमे कुछु न थपी। ⁷पर और उल्टा, बे देखके, कि बे खतनन्के सुसमाचार प्रचार करनको बोझ मोके दै रहएँ, जैसी पत्रुसके खतनन्के सुसमाचार प्रचार करन् रहय। ⁸परमेश्वर, जौन पत्रुसको प्रेरितपनसे खतनन्के बीचमे काम करी रहए, मोसे फिर अन्यजातिनके बीचमे करी रहए। ⁹याकूब, केफास और यूहन्ना, जो मण्डलीके खम्मा रहएँ, बिनके उपर भव अनुग्रह पता पाएके पिच्छु मोके और बारनाबासके संगतिको दाहिना हात दें। हम अन्यजातिके ठिन जानके और बे त खतनन्के ठिन जानके पक्का करीं। ¹⁰केबल उनकी जहे इच्छा रहए, कि गरीबनके उपर हमर सम्झना रहबए। बहे करनके मए फिर उत्सुक रहौं। ¹¹तव जब केफास एन्टिओखियामे आओ, तव मए उनके खुल्लमखुल्ला बिरोध करो। काहेकी बे दोषी रहएँ। ¹²याकूब पठाए भए आदमी आनसे अगु बा अन्यजातिनके संग खात रहए। तव जब बे आए पुगे तव बे अन्यजातिनसे पिच्छु हटके अलग हुइगए, काहेकी बे खतनाके दल बारेनसे डराइगए रहएँ। ¹³और बाँकि यहूदी फिर उइसी कपटपूर्ण काम करीं। हियाँतक, कि बारनाबास फिर उनके कपटमे पड गओ। ¹⁴तव जब सुसमाचारको सत्यता अनुसार न चलो मए देखो, तव बिनके सबके अगु मए केफाससे कहो, “तुम यहूदी हुइके यहूदी हानि नाए कि अन्यजाति जैसो चलत हौ तव, अन्यजातिनके यहूदी जैसो चलनके कैसे कर लगए हौ ?” ¹⁵हम जन्मैके यहूदी हएँ, और अन्यजाति जैसे पापी न हय, ¹⁶और फिर हम जन्त हएँ, व्यवस्थाको कामसे कोइ आदमी धर्मी न ठहिरैगो, पर येशू खीष्ट के उपरको विश्वासद्वारा धर्मी ठहिरैगो। जहेमारे हम फिर हमरो विश्वास खीष्ट येशूमे धरेहैं, ताकि हम व्यवस्थाको कामसे नाय पर खीष्टमे धरो भव विश्वासमे धर्मी ठहिर सिकैं, काहेकी व्यवस्थाके कामसे कोइ फिर धर्मी न ठहिरैगो। ¹⁷हमजो खीष्टमे धर्मी ठहरन चाहत हएँ, यदि अपनय पापी निकरे, तौ का खीष्ट पापको सेवक है ? उईसो न हय। ¹⁸काहेकी अपन उजाढो चीजके मए फिर बनामओ तव, अपनए अपनएके मए अपराधी हौं करके साबित करत् हौं। ¹⁹मैं जो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्थाके ताहिँ मै मरिगौ ताकि परमेश्वर के ताहिँ जिमौ। ²⁰मए खीष्ट संग कुसमे टाँगो हौं, अब से जिनबारो मए न हआँ, पर खीष्ट मोए मे जित हए। जौन जीवन शरीरमे मए हबए जित हौं, बा परमेश्वरको पुत्रमे विश्वास करके जित हौं, जौन मोके प्रेम करी हए, और मेरे ताहिँ अपनएके अर्पण करी हए। ²¹परमेश्वरको अनुग्रह के मए पन्छेपात न हआँ, काहेकी यदि व्यवस्थाके द्वारा धार्मिकता होती तव खीष्ट के मरन व्यर्थएमे हुइतो।

Chapter 3

¹हे मुख गलाती तुमके कौन मोहनी लगाएके वशमे करलओ ? तुमरी आँखीके ढिंङई येशू खीष्ट कूसमे टाँगि बात सफा रुपसे बर्णन करो गओ रहए। ²यित्कए इकल्लो मए तुमसे पुछन चाहत हौं, तुम पवित्र आत्मा व्यवस्थाके कामसे पाए, कि सुनो भव वचनमे विश्वास करके ? ³का तुम यित्तो मुख हौ, कि आत्मासे सुरु करके शरीरकी रिती से अन्त करैगे ? ⁴का यित्तो दुःख तुम व्यर्थमे भोगे क ? अगर जा व्यर्थमे होतो तव ⁵जौन तुमके पवित्र आत्मा दै हए, और तुमरे बीचमे अचम्मोको काम करी हए. का जा सब बा व्यवस्था तुमरे कामके कारन करी हए ? ⁶अब्राहामके देखओ, “बा परमेश्वरमे विश्वास करत रहए, और जा बाके ताहिं धर्मिकता गिनोरहए।” ⁷जहेमारे तुम जा जानओ, कि जौन जौन विश्वास करत हएँ, बेहि अब्राहामके सन्तान हएँ। ⁸“परमेश्वर अन्यजातिनके विश्वास से धर्मी ठहिरात हएँ करके धर्मशास्त्र पहिले दिखाएके “तोए मे सब जाति आशिष पएँहएँ करके अब्राहामके अगुसे सुसमाचार दवगओ रहय। ” ⁹जहेमारे विश्वास करनू बारे आदमी विश्वाससे अब्राहामसँग आशिष पाई हएँ। ¹⁰व्यवस्थाक काममे भर पणन बारे सब श्रापित हएँ, काहेकी लिखोहए, “व्यवस्थाके सब बातमे न रहनबारो और बे पालन न करनू बारे हरेक श्रापित हएँ।” ¹¹“परमेश्वरको दृष्टिमे व्यवस्थासे कोइ आदमी धर्मी न ठहिरैगो करके जा बात सफा हए काहेकी “धर्मी त विश्वासै से जिबैगो।” ¹²व्यवस्था त विश्वास उपर आधारित न हय, पर जौन आदमी जा काम करेहए, बा बिनहीसे जिहए।” ¹³हमर ताहीं साप बनके खीष्ट हमके व्यवस्थाको सापसे मोल तिरके छुटकारा करी, काहेकी कट्टामे टँगो हरेक श्रापित हए, करके लिखोहए। ¹⁴बा हमके मोल तिरके छुटाई, ताकि अब्राहामके दओ आशिष खीष्ट येशूसे अन्यजाति मे आबए, और हम विश्वाससे प्रतिज्ञाको पवित्र आत्मा प्राप्त कर सिकएँ। ¹⁵भैया तुम, सबदिनको जीवनसे एक उदाहरण लेओ, एक चोटी पक्का हुइके पिछु आदमीनको इच्छा पत्र कोइ रद्द न कर पए हए, नत् बामे थाप पए हए। ¹⁶“प्रतिज्ञा अब्राहाम और उनको सन्तानके दै हए। धर्मशास्त्र “सन्तानसे” न कहत हए, जत् बहुत आदमिनके संकेत करत हए। पर धर्मशास्त्र “तुमर सन्तानसे” कहत हए, जा एक आदमीको इकल्लो संकेत देत हए, जो खीष्ट हए। ” ¹⁷मेरो कहाई को अर्थ जा हए, कि चार सय तीस वर्षपिछु आओ व्यवस्था बासे अगु परमेश्वर पक्का करो भव करारके काटत् नहय, नत प्रतिज्ञा रद्द हुइ जातो। ¹⁸काहेकी उत्तराधिकार व्यवस्थासे पैते तव प्रतिज्ञासे पानबारी बात न आती। पर परमेश्वर प्रतिज्ञासे अब्राहामके जा सेंटमे दै रहय। ¹⁹तव व्यवस्थाको आवश्यकता काहे पणो तव ? जौन सन्तानके प्रतिज्ञा भव रहए, बा न आन तक अपराधको करन व्यवस्था थपिगव। तव एक जनीके मध्यमसे स्वर्गदुतसे व्यवस्थाको स्थापना भव। ²⁰एकए को मध्यस्थ नहय, पर परमेश्वर एकए हए। ²¹तव का व्यवस्था परमेश्वरको प्रतिज्ञाके बिरुद हए क? कबहु न हय। अगर जिन्दा करनके व्यवस्था दओ हुइतो तव धार्मिकता नेहत्य व्यवस्थासे आतो। ²²तव धर्मशास्त्र बतात् हए, कि सब चीज पापके कैदमे हए, ताकि जौन प्रतिज्ञा येशू खीष्ट उपर विश्वास दओ हए, बा विश्वास करन बारेनके दओ हए। ²³पर विश्वास आनेसे अगु हम व्यवस्थाके वशमे रहएँ, और विश्वास प्रकट न होन तक हम थुने रहएँ। ²⁴विश्वाससे हम धर्मी ठहिर सकएँ करके व्यवस्था हमर संरक्षक हुइके हमके खीष्ट तक डोरयनके जिम्मा दै। ²⁵पर अब विश्वास आओ हए तव अब हम संरक्षकके अधिनमे न हयँ। ²⁶काहेकी विश्वाससे तुम सब खीष्ट येशूमे परमेश्वरके सन्तान हौ। ²⁷काहेकी तुम मैसे जितनोनके खीष्टमे बप्तिस्मा भव हए, तुम सब खीष्टके धारण करे हौ। ²⁸अब नत् यहूदी हएँ नत् ग्रीक, नत् कमैया हएँ नत् फुकुवा, नत् पुरुष न स्त्री हएँ, काहेकी खीष्ट येशूमे तुम सब एक हौ। ²⁹अगर तुम खीष्टके हौ तव तुम अब्राहामके सन्तान हौ, और प्रतिज्ञा अनुसार उत्तराधिकारी हौ।

Chapter 4

¹मेरो कहाईको अर्थ जा हए, उत्तरधिकारी जब तक बालक हए, बा सब चीजको मालिक हुइहए ताहुँ फिर कमैयनसे फरक नहय, ²पर पिता ठहराओ समयतक बा अभिभावक और संरक्षकके अधीनमे होतहए।³हम फिर अइसी बालक रहएँ तव संसारको दैबी शक्तिके दासत्व तरे रहएँ, ⁴पर समयको पूर्णतामे परमेश्वर अपन पुत्र पठाई। बा एक बैयरसे जन्मो, पर व्यवस्थाके अधीनमे जन्मो रहए।⁵व्यवस्थाके अधीनमे रहन बारनके मोल तिरके छुट्यानके बा आओ, ताकि हम पुत्रको पुरा हक पाए सिकएँ।⁶"तुम पुत्र होनेके कारन परमेश्वर अपन पुत्रको आत्मा हमर हृदयमे पठाए दै, जौन के"हे अब्बा, पिता !" करके पुकारत रहएँ।"⁷जहमारे, परमेश्वरके तुम अब कमैया न हओ, पर पुत्र हौ, और पुत्र हौ तव उत्तरधिकारी फिर हौ।⁸अगु अगु जब तुम परमेश्वरके चिने न रहौ, तुम बिनके दास रहौ, जो स्वभावसे ईश्वर नहयँ, ⁹पर अब तुम परमेश्वरके चिनेहौ, औ परमेश्वरसे चिनाए हौ, और फिर कैसे तुम बे निर्बल और सुरु-सुरुके खराब सिद्धान्त घेन घुमत हौ और फिर बिनको दास बनन चाहत हौ ?¹⁰तुम तिथि, महिननके, ऋतु और वर्ष मान्त हौ।¹¹मय तुमर ताहीं चिन्ता करत हओ। मोके त अइसो लागत हए, कि तुमरे ताहिं करो मेरो परिश्रम व्यर्थ भव।¹²भैया तुम, मिर जैसे होबओ करके मए बिन्ती करत हौं, काहेकी मए फिर तुमरी जैसो हौं। तुम मिर कोइ खराबी करे न हओ।¹³तुमके पता हए, कि शरीरके कारन मए पहिले सुसमाचार सुनात रहौं।¹⁴अगर मिर बिमारी अवस्था तुमरे ताहिं एक परीक्षा रहए, और तुम मोके तिरस्कार न करे, न घिणना करे, पर परमेश्वरको एक दुत खीष्ट येशू कता मोके ग्रहण करे।¹⁵तुमरो अनुभव करो सन्तोस कितए गओ ? काहेकी मए गवाही दए सक्तहौं, कि अगर सम्भव होतो तव तुम अपन आँखी तक निकारके फिर मोके दैदिन्ते।¹⁶तव तुमसे सच्चो कहेसे क मए तुमर शत्रु हुइगओ हौं क ?¹⁷तुमके अपने घेन ताननके बे खुब जोस दिखात हएँ पर अच्छे इच्छासे नाए। तुमके जद्धा उत्साहसे स्वीकार करएँ करके बे हमसे तुमके अलग करन् दुणत् हएँ।¹⁸अच्छो इच्छाके ताहिं जोसिलो होन अच्छो हए, पर मए तुमरे बीचमे होत इकल्लो जोस दिखानो अच्छो न हय।¹⁹मिर छोटे बालक तुम, खीष्ट तुमरमे न बनन तक मए फिर प्रसवपिडामे हौं।²⁰हबए मए तुमरे सँग हुइके मेरो बोलनको तरीका बदलन सित्तो तव कित्तो अच्छो हुइतो, काहेकी तुमर बारेमे मए अन्योलमे पणो हौं।²¹तुम व्यवस्थाके अधीनमे रहन चाहन बारनसे मए कहान चाहत् हौं कि, व्यवस्था का कहत हए का तुमके पता न हय ?²²काहेकी लिखो हए, अब्राहमके दुई लौणा रहएँ, टाहलुनिया घेनसे एक, दुसरो त स्वतन्त्र बैयरसे।²³टाहलुनियाको लौणा त शरीर अनुसार जन्मो रहए, पर स्वतन्त्र बैयरसे जन्मो लौणा प्रतिज्ञासे।²⁴जा बातके कहानीके रुपमे लए सक्त हएँ। बे बैयर दुई किसिमके करार हएँ। एक त सीनै पर्वतसे दासत्वके ताहिं सन्तान जन्मान बारी हागार हए।²⁵हागार अरब देशको सीनै पर्वत हए, और वर्तमान यरुशलैमसँग बाको तुलना कर सित्त हएँ। काहेकी बा अपन बालकनके सँग दासत्वमे हए।²⁶पर उपरको यरुशलैम स्वतन्त्र हए, जो हमरी अइया हए।²⁷काहेकी लिखो हए, "हे न जन्मान बारी बाँझी आनन्दसे चिल्ला, हे प्रसवपिडा पता न पान बारी, मन खोलके चिल्ला, काहेकी पति भै बैयरसे त्यागी भै बैयरके लौणा-लौडिया बहुत हएँ।"²⁸अब हे भैयओ, इसहाक जैसो हम फिर प्रतिज्ञाके सन्तान हएँ।²⁹पर बा बेरा जैसी शरीर अनुसार जन्मेनके आत्मा अनुसार जन्मेनके सतात रहएँ, और हबए फिर अइसी हएँ।³⁰पर धर्मशास्त्र कहात हए ? "टाहलुनियके और बाके लौणनके निकार देओ, काहेकी दासीको पुत्र स्वतन्त्र बैयरको लौणासँग उत्तरधिकारी न हुइहए।"³¹जहमारे भैया, हम टाहलुनियाके नहयँ, पर स्वतन्त्र बैयरके सन्तान हएँ।

Chapter 5

¹स्वतन्त्रताके ताहिं ख्रीष्ट हमके स्वतन्त्र करी हए। जहेमारे तगडे हुइके ठाडओ और फिर दासत्वके जुवा तरे मत पणओ। ²मए पावल तुमसे कहत हौं, तुम खतना लेहौ तव ख्रीष्टसे तुमके कोइ फाइदा न हुइ हए। ³खतना होनबारेनके मए फिरके चेताउनी देत हौं, कि पुरो व्यवस्था पालन करन् बा मजबुर होतहए। ⁴तुम जो व्यवस्थासे धर्मी ठहिरन चाँहत हौ, तव तुम ख्रीष्टसे अलग भए हौ। और तुम अनुग्रहसे तरे गिरेहौ। ⁵काहेकि हम पवित्र आत्मा के द्वारा बिश्वाससे धार्मिकताको आशाको प्रतिक्षा करत हौं। ⁶ख्रीष्ट येशूमे न त खतना कोइ मुल्यको न बेखतना कोइ मुल्यको हए, और बा हए- प्रेमसे काम करन् बारो विश्वास। ⁷तुम अच्छे दौणत् रहौ। तव कौन तुमके सत्यता पालन करनके बाधा दओ ? ⁸तुमके बुलान बारेसे जा फकानो-फुल्सानो काम भव नहय। ⁹थोरी सोणा जम्मए दुक्लाके सोणा बनात हय। ¹⁰मए प्रभुमे भरोसा करत हौं, कि तुम मिर बाहेक दुसरेके बिचार न अपनए हौ। पर तुमके बहेकान बारो जोनफिर बा दण्ड भुगहए। ¹¹पर भैया, अगर मए और खतनाको प्रचार करत हौं तव मिर उपर जा सब सतावट काहे आओ ? तव का क्रूससे आन बारो बाधा गओ हए। ¹²तुमके बहेकान बारे त बलुक अपन अँग काटेसे फिर हुइहए। ¹³भैया, तुम त स्वतन्त्रताके ताहिं बुलाए हौ। केवल बा स्वतन्त्रता पापमय स्वभावके ताहिं प्रयोग मत कराओ पर प्रेममे तुम एक-दुसरेके सेवक बनओ। ¹⁴काहेकी सबय व्यवस्था एकए वचनमे पुरा होत हए, “तए अपन परोसिनके अपनए कता प्रेम कर।” ¹⁵पर तुम एक दुसरेके काटन और निलन करत हौ तव होसियार होबओ, तुम एक दुसरेसे खतम होन न पणए। ¹⁶पर मए कहात हौं, पवित्र आत्मासे नेगओ, और पापमय स्वभावके लालच पुरा मत करओ। ¹⁷काहेकी पापमय स्वभावके लालच पवित्र आत्माके बिरुध्दमे होतहए, और पवित्र आत्माको इच्छा पापमय स्वभावके बिरुध्दमे। तुम जो करन् चाहत हौ बासे तुमके रोकन जा त एक दुसरेके बिरुध्दमे होतहए। ¹⁸अगर तुम पवित्र आत्मासे डोर्यए हौ तव तुम व्यवस्थाके अधीनमे न हुइहौ। ¹⁹पापमय स्वभावके काम प्रत्यक्ष हए जो जेही हयँ- व्यभिचार, अपवित्रता, लम्पटपना, ²⁰मूर्तिपुजा, मन्त्रतन्त्र, दुश्मनी, झँझगडा, ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थीपन, फूट, गुटबन्दी, ²¹गुस्सा, पियक्कडपन, अश्लील मोजमज्जा, और अइसी जौनके बारेम मए तुमके चेताउनी देतहौं, और अगु फिर दओ हौं। जौन-जौन अइसो काम करत हएँ, बे परमेश्वरको राज्यके हकदार न बनेहएँ। ²²पर पवित्र आत्माके फल त प्रेम, आनन्द, शान्ति, धिरज, दया, भलाइ, विश्वास, ²³नम्रता, संयम हएँ। अइसे चीजनके बिरुध्दमे कोइ व्यवस्था नहय। ²⁴पर बे जो ख्रीष्ट येशूके हयँ, बे पापमय स्वभावके बाको बासना और लालचसहित कुसमे टोंगिहएँ। ²⁵हम पवित्र आत्मासे जीत हँए तव आत्माके अनुसार नेगएँ। ²⁶हम अहँकारी न होमएँ, एक दुसरेके रीस मत उठाओ, और एक दुसरेके ईर्ष्या मत करओ।

Chapter 6

¹भैया, अगर कोई आदमी अपराधमे पक्राउ पणिगव तव तुम जो आत्मिक हौ, तुम नम्रता पुर्वक बिनको सुधार करओ। अपनएके फिर बिचार करिओ, नत तुम फिर परीक्षामे पणैहौ। ²एक दुसरेको भार उठाबओ, और अइसी खीष्टको व्यवस्था पुरा करओ। ³काहेकी कोइ मुल्य न भव आदमी अपनएके कोइ हौं करके मान्त हए तव बा अपनएके धोखा देत हए। ⁴हरेक अपनै कामको जाँच करओ, तव केबल बा अपनएके और संग तुलना न करके अपनएके गर्व कर सित्त हए। ⁵काहेकी हरेक के अपनो भार अपनाएके उठान पणैगो। ⁶वचनको शिक्षा पानबारी अपन सब अच्छो चीज वचन सिखन बारेन संग बाँटचुट करन पणत् हए। ⁷धोखामे मत पणओ, परमेश्वरको ठट्ठा न होत हय, काहेकी आदमी जो लगात हए बहेको कटनी फिर करत् हए। ⁸जौन अपनो पापमय स्वभावके ताहिं लगात हए, बा अपनो पापमय स्वभावसे सर्वनाशको कटनी कटात हए। पर जौन आत्माके ताहिं लगात हए, बा आत्मासे अनन्त जीवनको कटनी काटत हए। ⁹भलाइ करन् को काममे हम न थकैए, काहेकी अगर हम हिम्मत न हरेहएँ तव ठीक समयमे हम कटनी करेहएँ। ¹⁰जहेमारे मौका पाए अनुसार हम सब आदमीनके भलाइ करत जामएँ, विशेष करके बिनके, जो हमर विश्वासके परिवारके हएँ। ¹¹देखओ, मए कित्तो बणे-बणे अक्षरसे अपने हातसे तुमरे ताहिं लिखो हौं। ¹²खीष्टको क्रूसके कारण सतावटमे न पणएँ करके बाहिरसे सब ठीक दिखान चाहन बारे तुमके खतना करन् कर लगात हएँ। ¹³काहेकी खतना करन् बारे अपनए व्यवस्था पालन न करत् हएँ, पर तुमरे शरीरमे घमण्ड करन् के ताहिं तुमरो खतना करो बे चाहत हएँ। ¹⁴हमर प्रभु येशू खीष्टको क्रूस बाहेक और कोइ फिर चीज उपर घमण्ड करन् बारी बात मोसे दूर रहबए, जौनसे मए त संसारके ताहिं, और संसार मिर ताहिं क्रूसमे टलंगो हए। ¹⁵न त खतनाको कोइ महत्व हए, न बेखतनाको, पर नयाँ सृष्टि सब चीज हए। ¹⁶अब जो जित्तो जा नियममे चलत हएँ, बिनके उपर और परमेश्वरको इस्त्राएल जाति उपर शान्ति और कृपा रहबए। ¹⁷अबसे उइसो कोइ मोके कष्ट न देबए, काहेकी मए अपन शरीरमे येशूको चठा धारण करत् हौं। ¹⁸भैया रेओ, हमर प्रभु येशू खीष्टको अनुग्रह तुमरे आत्मासँग रहबय। आमेन।

Ephesians

Chapter 1

¹पावल परमेश्वरको इच्छाके द्वारा खीष्ट येशूको एक प्रेरितससे, परमेश्वरके ताही अलग भए एफिसिमे रहए और ख्रिष्ट येशूमे विश्वासयोग्य भएनके ताही, ²हमर परमेश्वर पिता और हमर प्रभु येशू खीष्टसे तुमकेअनुग्रह और शान्ति। ³हमर प्रभु येशू खीष्टको परमेश्वर और पिताको प्रशंसा होबए, जौन हमके स्वर्गके ठाउँमे हरेक आत्मिक आशिष खीष्टमे आशीर्वाद दै हए। ⁴जा संसारको सृष्टिसे पहिले हि हम ख्रिष्टमे विश्वास करन बारेनके ताही परमेश्वर चुनिहए। बाके अगु पवित्र और निष्कलङ होमए कहेके बा हमके चुनी हए। ⁵प्रेममे परमेश्वर हमके येशू ख्रिष्टके द्वारा अपनिए पुत्रके रुपमे ग्रहन करनके ताही पुरो पक्का करीहए। बा अइसो करिहए की बाको योजना करो भओ बातके करन बा खुशी भओ। ⁶नतिजा जा हए, कि परमेश्वरको महिमाको अनुग्रहके बजेसे सबए बाको प्रशंसा कतर हए। जा अनुग्रहके बा अपन प्रियसे सेंटय हमके दैहए। ⁷बाको अपार अनुग्रहके जैसो खीष्टको खुनसे हमके बामे उध्दार, हमर पापको क्षमा पाबैगे। ⁸पुरी बुद्धि और समझसे पुरी तरिकासे जा अनुग्रह बा हमके प्रसस्तयसे दैहए। ⁹कहेकी सबय बुद्धि और आन्तरिक समझमे खीष्टमे धरो भव उदेश्य कता बा अपनो इच्छाकी लुकी बात हमके प्रघट करी हए। ¹⁰ताकी बाको योजनाको समय पुरो हुइके पिछु, तब ख्रिष्टमे परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वीमे भए सब चीज एक संग बाके अधिनमे लाबएगो। ¹¹येशू ख्रिष्टमे हम परमेश्वरके सन्तानके रुपमे चुनेहए, जौन सबए बात अपन इच्छाके योजान कता पुरो करी, हम बाको योजना कता पहिलेसे चुने गए रहए। ¹²हम खीष्टमे पहिलेसे असरा धरन बारेनके बा अपनो महिमाको प्रशंसाके ताहिं जि पामए करके बा नियुक्त करी हए और छानी हए। ¹³तुम, जौनसे सत्यको वचन, औ अपन मुक्तिको सुसमाचार सुने, और बामे विश्वास करे, बहेमे तुम प्रतिज्ञा करो पावित्र आत्माको छाप लगाए हओ। ¹⁴हम अपने उत्तराधिकार ना पान तक पवित्रा आत्मा हमर उत्तराधिकार पक्को प्रमाण हए। जा बाको महिमाके प्रशंसाके ताहिं हए। ¹⁵प्रभु येशू उपर रहो भव तुमर विश्वास और सबए सन्त उपर तुमरो प्रेमके बारेमे मए सुनके बजेसे ना, ¹⁶मए तुमर ताही परमेश्वरमे धन्यवाद देन और मिर प्रर्थनामे तुमके सम्झन ना रुको हओ। ¹⁷मए प्रार्थना करत हओ, कि हमरो प्रभु येशू खीष्टको परमेश्वर, महिमाको पिता तुमके बाके बारेमे ज्ञान बुद्धि और प्रकाशको आत्मा देबए। ¹⁸मए जा फिर प्रार्थना करत हौ, कि तुमर हृदयकी आँखी उजियारी होमए, और कौन आशाके तहिं बा तुमके बुलाई हए, और सन्तनमे बाको माहिमित उत्तराधिकारको सम्पति का हए, सो तुम जान सकओ। ¹⁹और हम विश्वास करन् बारेनके ताहिं बाको शाक्तिको कबहु खतम ना होन बारो महानता का हए, सो तुम जान सकओ। बा शाक्ति बाको महान समर्थको कामए हए, ²⁰जो बा खीष्टमे पुरा करी हए, जब बा खीष्टके मरोसे जिन्दा करी, और स्वर्गके जगहमे अपन दहिना घेन बैठाई हए। ²¹बा येशूके सब शासन, और अधिकार, और शाक्ति हर नाउँसे उपर, और जा युगके इकल्लो ताही ना, पर आनबारे युगके ताही फिर बा, सबसे उपर धरी हए। ²²और परमेश्वर सब बात बाके पाओ तरे धरदैं, और मण्डलीके ताहिं बाके सब बातके उपर मुण बनइ हए। ²³जौन मण्डली बाको शरीर, बामे पूरो होत हए और बा सब चीजसे भरपूर होतहए।

Chapter 2

¹तुम अपन अपराध और पापसे मरे समय मे बा तुमके जिन्दा करी । ²जाहेमे जा संसारको रीतिरीबाजके जैसो और आकाशको शाक्तिको मालिक तरहा, अनाज्ञाकारिताको सन्तान तरहाकाम करन बारो आत्माके जैसो तुम पहिले एक चोटी चलत रहओ । अभे काम करनबारो आत्मा अनुसार तुम अगु एक चलत रहौ । ³बिनमैसे हम सब फिर शरीर और मनकी इच्छा पुरो करके अपन पापमय स्वभावके लालचमे अगु जित रहए, और बाँकी आदमी जैसो हम स्वभावएसे क्रोधको सन्तान रहए । ⁴पर परमेश्वर, जो कृपामे धनी हए, बा अपनो महान प्रेमसे हमके प्रेम करी हए । ⁵जहेमारे पापमे हम पापमे मरे भए रहए, ताहुँफिर बा हमके ख्रीष्टसंग जिन्दा करी-अनुग्रहसे तुम उध्दार पाए हओ ।। ⁶और बाके संग हमके उठाई, और स्वर्गके जगहमे ख्रीष्ट येशूसंग बैठारी हए । ⁷जा त ख्रीष्ट येशूमे हमर घेन बाको दयामे अपन अनुग्रहको असीमित सम्पत्ति, आनबारो युगमे दिखान बारो हए । ⁸कहेकी तुमअनुग्रहसे विश्वासके उध्दार बचाए गए हओ-,और जा तुम अपनाए से ना,पर जा त परमेश्वरको बरदान हए । ⁹कर्म से ना, नित आदमी घमण्ड करहए । ¹⁰कहेकी हम अच्छो कामके ताहिँ ख्रीष्ट येशूमे सिर्जे भए बाके हातके सिप हए । हम बाके जैसे चलऐँ फिर कहेके परमेश्वर पहिलेसे बे तयार करी रहए । ¹¹जहेमारे याद करओ, अगु तुम शरीरमे गैरयहुदी होत पेती आदमीके हातसे खतना करनबारे तुमके "बेखतनाको" मनत् रहए । ¹²याद करओ, तुम बा समय ख्रीष्टसे अलग, इस्राएलके नागरिक हकसे बाहिर भए रहओ, और प्रतिज्ञाको करारसे बिराने, आशा नभए और जा संसारमे परमेश्वर बिनाके रहौ । ¹³तुम, एक समय ख्रीष्ट येशूसे दुर रहौ, अब ख्रीष्टको खुनसे बाके ठिन आए हौ । ¹⁴कहेकी बा हमर शान्ति हए । बा हमके दोनोके एक बनाई हए, और अलग करन बारो भिदुष्मनको भित उजाड दै हए । ¹⁵और बा व्यवस्थाके बाको आज्ञा और धार्मिक-बिधान सहित अपन शरीरसे खतम करी हए, कि जा दुईके बदलामे बा अपनाएमे एक नयाँ आदमी सृष्टि करए, और अइसी शान्ति बनाबए । ¹⁶और बा क्रुससे हम दोनोके एक शरीरमे परमेश्वर संग मेल करके दुष्मनके हराई । ¹⁷येशू आपके तुम दुर भए और जौने भए बारेनके मिलापको सुसमाचार सुनाई रहए । ¹⁸कहेकी बासे हम दोनो एकै पवित्र आत्मामे पिता ठिन पहुच पाए हए । ¹⁹अइसी अब तुम विदेशी और प्रवासी ना हओ, तव सन्तनके संग तुम संगी-नगरिक और परमेश्वरके परिवारके सदस्य भए हओ । ²⁰बा घराना प्रेरित और अगमवक्तानके जग उपर बैठके बनो गओ हए, और ख्रीष्ट येशू अपनाए त खास पत्थर हए । ²¹बामे पुरो घर ठीक तरीकासे एकसंग जुडके प्रभुमे एक पवित्र मन्दिर होनकेताही एकसंग बनत जातहए । ²²और पवित्र आत्मामे परमेश्वरको वासस्थान होनके ताहिँ तुम फिर बामे एकसंग बनत जात हौ ।

Chapter 3

¹जहेमारे मए पावल, तुम अन्याजातिक पक्ष्यमे ख्रिष्ट येशू को एक कैदी हओ । ²तुमर ताहिँ मोके परमेश्वरको दओ भओ अनुग्रहके जिम्मेवारीके विषयमे तुम फिर सुने हौ कहिके मोके लागो हए । ³जौन प्रकाशसे मोके पता करो खास बात हए जौनके विषयमे मए तुमके अगुसे छोटोमे लिखो फिर रहओ । ⁴जब तुम जा पढ़ईगे, ख्रीष्टको गुप्त बातके बारेमे मिर भितरकी समझ का है, सो तुम बुझलेबैगे । ⁵जौन बात बाको पवित्र प्रेरित और अगमवक्ता के पवित्र आत्मासे अभए प्रगट भव हए, बा और पुस्ताके आदमीके ना बताई रहए । ⁶औ सुसमाचारसे ही अन्याजाति सह-उत्तराधिकारी हए ,, एकै शरीरको अङ्ग और ख्रीष्ट येशूमे हुइके प्रतिज्ञाके सझेदार हए । ⁷बाको शाक्तिको कार्यके जैसो मोके दाओ परमेश्वरको बाअनुग्रहको बरदानके जैसो जा सुसमाचारको मए सेवक बनो गओ रहओ । ⁸सब सन्तमे मए सबसे छोटो हौ तब फिर ख्रिष्टको अगम्य सम्पत्तीको सुसमाचार अन्याजातिके प्रचार करौ कहिके मोके जा अनुग्रह दै । ⁹सब बात सृजानबारो परमेश्वरमे युग-युगसे लुको भओ रहस्यको योजना का हए, सो सब आदमीमै खुलासा करन अनुग्रह मोके दै । ¹⁰ताकि अइसी मण्डलीसे परमेश्वरको तमान मेलक ज्ञान स्वर्गीय जगहमे शासक और अख्तियारवालेनके बीचमे प्रकट करियो । ¹¹जा त ख्रीष्ट येशू हमर प्रभुमे बा पुरो करो भओ अनन्तके उद्देश्य जैसो रहए । ¹²येशूके उपर धरो हमर विश्वाससे साहस और दृढ भरोसामे हम परमेश्वरमे घुसन पात है । ¹³जहेमारे मए तुमके निवेदन करतहौ, कि तुमर ताहिँ मए भोगरहो कष्टमे तुम हताश मतहोबओ । जा तुमर महिमा हए । ¹⁴जहेमारे मए पिताके अगु अपन घुंटो टेकत हओ, ¹⁵जौनक पिछु स्वर्ग और पृथ्वीमे भए सब परिवार को नाउँ धरोहए । ¹⁶बाको महिमाको प्रशस्तके जैसो तुममे बैठन बारो बाको अत्माकी शक्तीसे बा तुमके मजबुत करए कहिके मए प्रार्थना करत हओ । ¹⁷और विश्वाससे ख्रीष्ट तुमर हृदयमे वास करए, और प्रेममे जर गणकाबै और पक्को होबए कहिके मए प्रार्थना करत हओ । ¹⁸ताकि बाको प्रेममे सबए विश्वासी ख्रिष्टमे सन्तनकेसंग चौडाइ, लम्बाइ, उचाइ और गहिराइ का हए सो तुम समझ सकओ । ¹⁹तुम ख्रिष्टके प्रेमको महानताके समझ सकओ, कहिके मए प्राथना करत हओ, जो ज्ञानसे फिर उत्तम हए । तुम परमेश्वरको सबए बातसे भर सकओ कहिके अइसो करओ । ²⁰बाके, जौन हमर भितर काम करन बारो बाको शक्तिके जैसो हमसे मागोभओ औ सौँचोसे जद्धा बहुतयत् से कर सकओ, ²¹बाहेके ही पुस्ता-पुस्तातक मण्डली और ख्रिष्ट येशूमे हमेसाके ताही महिमा होबए । आमेन ।

Chapter 4

¹जहमारे, प्रभुके ताहिँ एक कैदी होनके नातासे मए तुमके हृदयसे बिन्ती करत हौ, कि जौन बातमे तुम बुलाए गएहओ बेहे योग्य को जीवन बिताओ । ²सबए दिनता, नम्रता और धैर्यताके संग एक दुसरेके प्रेममे सहेके । ³शान्तिके बन्धनमे पवित्र आत्माको एकताके अच्छी तरीकासे धरनको कोसीस करओ । ⁴शरीर एकै हए, और पवित्र आत्मा फिर एकै हए-जैसि तुमके बुलाई हए, एकै आशामे बुलाएगए रहओ, जौन आशा तुमर बोलावटके संग मिलोहए, ⁵एकै प्रभु, एकै विश्वास और एकै बप्तिस्मा, ⁶हम सबको एकै परमेश्वर और पिता, जो सबकेउपर, सबके बिचमे और सबमे हए । ⁷हम हरेक्के ख्रिष्टके बरदानके नाप जैसो बरदान दैहए । ⁸जहमारे अइसो कहि है: "बा उँचेमे चढिगौ कैदिनके बन्दि बनाइके दास बनाएके धरी, और बाआदमिके वरदान दै ।"⁹ बाअब "उचोमे जगहमे चढिगओ" कहो काअर्थ हए ? जबाहेक कि बा पृथ्वीके तरे भागमे फिर उतरिगओ । " ¹⁰बा जो तरे उतरो गौ रहए बहे ही साबए स्वर्गसे बेढम उपर चढीगौ, जहे मारे कि सब चिजके बा पूरी कर सकए । ¹¹तव येशूके बरदान जहे रहए, की कोइ प्रेरित, कोइ अगमवक्ता, कोइ प्रचारक, कोइ मण्डलीक पास्टर और कोइ शिक्षक हए ।, ¹²कि ख्रिष्टको शरीर बनए और सेवाको काम करन सन्त तयार होमए । ¹³जब तक हमसब विश्वासको और परमेश्वरको पुत्रको ज्ञानको एकताके ना पमङ्गे कहेसेऔर पक्को आदमी बनके ख्रिष्टको पुरोनाप तक ना पुगङ्गे कहेसे । ¹⁴हम छलसे पच्छु-पच्छु ढकेले भए, धार्मिक- सिदान्तको सब हवा से और आदमीनको सब झनझट, चलाकीऔर फटहासे इतएउतए उणे भए बालक जैसे ना होमए । ¹⁵बलकी प्रेमसे सत्य बोलतए सब बातमे हम हुवाँतक, औ ख्रिष्टमे बढतय जामए, जो शिर(मुढ) हए । ¹⁶बहेसे ही सबए शरीर सब जोनी से जुणो और बंधो भव सब भाग ठीक-ठीक काम करन साहज होबैगो और प्रेममे बढतैजाओ । ¹⁷अब मै जा जोण दइके प्रभुमे कहतहओ, और प्रभुमे गवाही देतहओ, कि अन्यजाति जैसी बे अपन विचारके व्यर्थमे जित हए तैसी तुम अबसे उइसो मतजिबओ । ¹⁸बिनको हृदयको कठोरतासे लाओ भओ बिनकी अज्ञानताके कारणसे बे परमेश्वरको जीवनसे अलग भए हए, और बिनको समझ अन्धकारसे भरो हए । ¹⁹बे कठोर हुइगए हए, और सब किसिमको अशुध्द काम करन बारे लालचमे पणके बे छाणा हुइ गए हए । ²⁰पर ख्रिष्टके त तुम अइसे ना जाने हओ । ²¹येशूमे भव सत्यताके जैसे बाके बारेमे तुम सुने और सिखे हओ, कहिके मए मानत हओ । ²²छली लालसासे भ्रष्ट भए अगुको जीवनके ढाँचासंग मिलो भव तुमर पुरानो स्वभावके त्यागओ । ²³और अपन भितरको स्वभावमे नयाँ होबओ । ²⁴और परमेश्वरको स्वरूपमे सचो धर्मिकता और पवित्रतामे सृष्टि भव नयाँ स्वभावके धारण करौ । ²⁵जहमेर झुट छोणके, सब अपन-अपन पणोसीसे सत्य बोलए, काहेकी हम एकै शरीरमे एक दुसरेके अङ्ग हए । ²⁶क्रोध त करौ पर पाप मत करौ । दिन डुबनसे अगु तुमर दिक्क मिटजाबए । ²⁷और दियाबलसके (शैतान) मौका मतदेबौ । ²⁸चुट्टा अबसे ना चुराबए । बरु बा मेहनत करए । बा अपन हातसे इमान्दारीसे मेहनत करै, और जरूरतमे पणेभएके साहेता करए । ²⁹तुमर मुहुसे खराबबोली ना निकरै, पर समय सुहानजैसो और सुधार करके मिठो वचन इकल्लो बोलौ, जोकी सुननबारेनके कृपा मिलए । ³⁰तव परमेश्वरको पवित्र आत्माके दुः खित मतबनाओ, जोमए उद्धारके दिनके ताहिँ तुम छाप लगाएभए हौ । ³¹सब तरहाके कवाहटपन, क्रोध और दिक्क, हल्ला और बदनामि, सब मेलके हत्या हिंसा करन तुम छोण देबओ । ³²जैसे परमेश्वर ख्रिष्टमे तुमके क्षमा करी, उइसी एक-दुसरेके क्षमा करके तुम एक दुसरेसे कोमल मनके और दयालु होबौ ।

Chapter 5

¹जहमेरे तुम प्रिय बालकजैसे परमेश्वरको देखासेखी करन बारे होबौ । ²तुम प्रेममे चलौ, जैसे ख्रीष्ट फिर हमसे प्रेम करी, और परमेश्वरके ताहिँ सुगन्धित भेटी और बलिदान हुइके अपनके हमर ताहिँ अर्पण करी । ³तव तुमर बीचमे व्यभिचार और सबए अशुद्ध औ लोभको नाउँ फिर मतलिओ, जो सन्तके बीचमे होन ना सुहात हए । ⁴नकली बात, मुख बातचित औ बेफाइदाके ठट्टा मतकरौ, जे सुहानबारी बात ना हए । बरु धन्यवाद देनको काम होबए । ⁵कहेकी ज त तुम पक्का जानौ, कि कोइ व्यभिचारी कि अशुद्ध आदमी औ लोभी आदमिके (जो मूर्तिपूजक हए) ख्रीष्ट और परमेश्वरको राज्यमे कोइ उत्तराधिकार ना हए । ⁶कोइ तुमके खाली बातमे धोखा ना देबए, कहेकी बे बातके बजेसे अज्ञा ना मानन् बारेनके उपर परमेश्वरको क्रोध पणैगो । ⁷जहमेरे बिनकेसंग सहभागी मतहोबओ । ⁸काहेकि एक चोटी तुम फिर अन्धकारमे रहौ, पर अब प्रभुमे तुममे उज्यारो हुइगए हओ । ज्योतिके सन्तान जैसे नेगौ । ⁹कहेकी सब भलाइ, धार्मिकता और सत्यतामे ज्योतिक फल पात हए । ¹⁰और प्रभुके मन पणन बारो काहए, बा सिखन- केसिस करौ । ¹¹अन्धकारको खराब काममे भाग मतलेबौ, पर बिनके प्रकट करदेबओ । ¹²काहेकी बिनके गुप्तमे करो भव कामके बारेमे काहन फिर शर्मकी बात हए । ¹³पर ज्योतिसे कोइ बात प्रकट करत बा सफा दिखातहए । बा बात, प्रष्ट दिखातहए, बा ज्योति हए । ¹⁴"जहमेरे अइसो कही हए: "ए निधमे पणेभए, जगौ और मरेभए उठौ, और ख्रीष्ट तुमके प्रकाश देबैगो ।" ¹⁵जहमेरे तुम कैसे नेगतहिँ कहिन बारी बातमे ध्यानसे देखओ- निर्बुद्धि आदमीजैसो ना, पर बुद्धिमानजैसो । ¹⁶समयको पूरा सदुपयोग करौ, काहेकी दिन खराब हए । ¹⁷जहमेरे मुख मतहोबौ, पर प्रभुको इच्छा का हए, सो बुझौ । ¹⁸दाखमधसे मतमात्तओ, कारन जा विलासिता हए, पर पवित्र आत्मासे भरिपूर्ण होबौ । ¹⁹एक दुसरेसे भजन, गीत और आत्मिक गानमे बोलत और अपनो पूरो हृदयसे प्रभुके ताहिँ गातए और धुन निकारत , ²⁰रोज सब बातके ताहिँ हमर प्रभु येशूको नाउँमे परमेश्वर पिताके धन्यवाद चणबओ ²¹ख्रीष्टके आदरके तही एक- दुसरेक अधिनमे बैठौ । ²²बैयरओ , प्रभुके अधिनमे रहोजैसो आ- अपन लोगाके अधिनमे बैठए । ²³काहेकी लोगा बैयरको शिर(मुठ) हए, जैसी ख्रीष्ट मण्डलीको शिर हए, जौन मण्डली बाकी शरीर हए, और बा स्वयम् बाको मुक्तिदाता हए । ²⁴जैसी मण्डली ख्रीष्टके अधिनमे हए, उइसी बैयर फिर सब बातमे लोगाके अधिनमे रहबए । ²⁵लोगाओ , अपन बैयरनके प्रेम करओ, जैसी ख्रीष्ट फिर मण्डलीके प्रेम करीरहए, और बाके ताहिँ आपनैके अर्पण करी, ²⁶जहमेरे कि बा मण्डलीके पानीसे धोएके वचनसे पवित्र कर सकए, ²⁷और बा दाग औ धब्बा नाभव,खोंटरहित,पवित्र औरअइसी कोइ बात ना भव शर्मथी मण्डली अपने ठीन प्रस्तुत कर सकए । ²⁸आइसी ही लोगा फिर अपन- अपन बैयरके अपनी शरीरजैसी प्रेम करए ए ²⁹काहेकी कोइ आदमी कबही अपन शरीरके घृणना ना करतहए, पर बाके कदर करके पालनपोषण करतहए, जैसी ख्रीष्ट फिर अपन मण्डलीके ताहिँ करतहए । ³⁰काहेकी हम बाको शरीरके अङ्ग हए । ³¹"जहमेरे आदमी अपन अइया- दैवाके छोणके अपनी बैयरसंग मिलोरहतहए, और बे दोनो एक शरीर होतहए ।" ³²जा एक गहिरो रहस्यकि बात हए, तव जा बात मए ख्रीष्ट और मण्डलीके बारेमे मसकतहओ । ³³जो होनसे फिर तुम सब अपन बैयरके अपनी हानी प्रेम करौ, और बैयर फिर अपन लोगाके आदर करै ।

Chapter 6

¹लौणा-लौणियाओ, तुम प्रभुमे अपन अइया-दौवाको आज्ञापालन करौं, काहेकी जा उचित हए । ²अपन दौवा और अइयाको इज्जत करओ । (जा प्रतिज्ञा संग पहिली आज्ञा हए), ³कि तुमके भलो होबए, और तुम जा पृथ्वीमे बहुत समय तक बच सकओ । ⁴दौवाओ, तुम अपन लौणा लौणियानके गुस्सा मतउठाओ, पर बिनके प्रभुको अनुशासन और शिक्षामे बणाबओ । ⁵कमैयाओ, तुम डर और आदरके संग सच्चो हृदयसे खीष्टके करो कता जा संसारके तुमरे मालिकको आज्ञापालन करौं । ⁶आदमीनके अगु खुशी करन कता नाआँखीके अगु इकल्लो देखावटी काम मत करौं, पर खीष्टको दास कता सच्चो हृदयसे परमेश्वरको इच्छा पुरो करओ । ⁷आदमीके ताहिँ ना, पर प्रभुको ताहिँ करो कता दिल्ले सेवा करओ । ⁸जा जानके कि चाहूँ बे कमैया होमए, चाहूँ फुकुवा होमए, जौन अच्छो काम करेहए, बा प्रभुसे सोहीबमोजिम पए हए । ⁹मालिकओ, तुम अपन कमैयासे अच्छो व्यवहार कराओ, और धम्की देन छोडओ, जा जानके कि तुम दोनेको मालिक स्वर्गमे हए, और बामे पक्षपात नाहए । ¹⁰अब अन्त्यमे, प्रभुमे और बाको शाक्तिको सामर्थ्यमे बलवान होबओ । ¹¹दियाबलसके युक्तिके विरुद्धमे खणा होनके परमेश्वरको सबए हातहरियार धारन करओ । ¹²काहेकी हमरी लणाइ शरीर और खुनके विरुद्धमे नाहए । पर शासकनके विरुद्ध, शाक्तिनके विरुद्ध, वर्तमान अन्धकारके संसारिक शासकनके विरुद्ध और स्वर्गीय जगहमे बैठन बारे दुष्ट आत्मिक सेनानके विरुद्ध हए । ¹³जहेमारे परमेश्वरके हातहतिया उठाबओ, और अइसे खराबए दिनको सामना करन, और सब काम करके तुम अटल हुइके ठाण सकओ । ¹⁴जहेमारे अटल होबओ । अपन करेहँओ मे सत्यकि पेटीसे कसके, धार्मिकताको झिलम लगाएके ठाणे होबओ । ¹⁵और टाँगमे मेलमिलापको सुसमाचारको जुता लगाएके तयार होबओ । ¹⁶संगए विश्वासको ढाल उठाओ, जौनसे तुम दुष्टके सब अग्निबाणके बुताय सकत होओ । ¹⁷मुक्तिको टोपी लगाबओ, और पवित्र आत्माको तरवार लेबओ, जो त परमेश्वरको बचन हए । ¹⁸सबए प्रार्थना और निवेदनके संग सब समय पवित्र आत्माके प्रार्थना करओ । जा उदेश्यसे लगनशील और हौस्पार हुइके सब सन्तनके तहाँ प्रार्थना करत राहाबओ । ¹⁹मिर ताहिँ फिर प्रार्थना करीयो, कि जब मए अपन मुहँ खोलतहओ तव मोके बचन देबए, और मए निरधक्क हुइके सुसमाचारको गुप्त बातके घोषणा करसकओ । ²⁰जौनके ताहिँ मए साँकरसे बाँधो एक राजदुत होओ, और जैसी मोके बोलन पणेहए, उइसीए मए साहससे बोल सकओ । ²¹मए कैसो हौ, और का कर रहो होओ, बा तुमके फिर पता होबए कैहेनके ताही प्रभुमे प्यारो भैया और प्रभुमे विश्वासी सेवक तुखिकस तुमके सब बात बतए हए । ²²हमर हालचाल कैसो हए तुमके पता होबए और तुमर हृदयके उत्साहा मिलए जा बिचारसे मए बिनके तुमरे ठिन पठाओ होओ । ²³परमेश्वर पिता और प्रभु येशू खीष्टमे ददा भयनके शान्ति और विश्वास सहीतको प्रेम होबए । ²⁴हमर प्रभु येशू खीष्टको अमर प्रेम्से सबएके उपर अनुग्रह होत राहाबए । [आमेन]

Philippians

Chapter 1

¹खीष्ट येशूमे फिलिप्पीमे भए बिशपनके और डिकनके सबए सन्तके: ²परमेश्वर हमर पिता और प्रभु येशू खीष्टसे अनुग्रह और शान्ति । ³हर समय तुमके यद करत, मए मिर परमेश्वरके धन्यवाद देतहौ । ⁴तुम सबके ताहिँ सबदिन मेरो हर प्रार्थनामे मए आनन्दसाथ प्रार्थना करत हौं । ⁵कि सुरुके दिनसे हबए तक सुसमाचारमे तुमर सहभागीताके ताहिँ मए धन्यवाद देत हौ । ⁶मोके जा पक्को विश्वास हए, जौन तुमर मे अच्छो काम सुरुकरी हए, बा येशू खीष्टके दिनमे लगातार पुरो करहए । ⁷तुमर सबके ताहिँ मोके जा बिचार करन ठीक हए, काहेकी मए तुम सबके मिर हृदयमे धरत हौं । काहेकी मिर कैदमे और सुसमाचारको सुरक्षा और समर्थनको काम दोनोमे तुम मिर संग अनुग्रहमे सहभागी भए हौ । ⁸काहेकी परमेश्वर मिर साक्षी हए, कि कैसे खीष्ट येशूके प्रेम्से मए तुम सबके देखन ताहिँ मए कितनो प्यासे रहओ । ⁹मिर प्रार्थना जहे हए कि ज्ञान और मिर सबए समझसे तुमरो प्रेम औरजाधा प्रशस्त होत जाबए । ¹⁰मए जाके ताहिँ प्राथना करत, ताकी जे अच्छो हए बा बात जँचके छान सकौ । मए जाके ताहिँ प्राथना करत हौं, ताकी तुम खीष्टके दिनमे इमान दार और दोषी ना हुइके रहे सकौ । ¹¹परमेश्वरको महिमा और प्रशंसाके ताहिँ येशू खीष्टसे आनबारी धार्मिकताके फलसे तुम भरपूर होबओ । ¹²भैयाओ, तुमके जा पता होबए कहिके मए चाहतहौ, कि मिरमे भओ बातसे नेहत्स सुसमाचारके अगु बढानको काम भव हए । ¹³काहेकी खीष्टमे मिर कैदके बारेमे महेल भितरके सब रक्षकसे लैके सबए आदमीके पता हए । ¹⁴बहुत भैया मिर कैदके कारनसे प्रभुमे साहसी भव हए, और परमेश्वरको वचन विनाडरसे बोलनके ताही गजब सहासी भए हँ । ¹⁵कोइ-कोइ नेहत्स दिकसे और सेखीसे, पर और त सद्भावसे खीष्टको प्रचार करत हँए । ¹⁶सुसमाचारके सुरक्षाके ताहिँ मए हिना पर होओ, कहिके जानन् बारे जा काम प्रेम्से करत हए, ¹⁷पर शेखी करन बारे त मोके कैदमे कष्ट देनको बिचार करके, शुद्ध मनसे ना, पर स्वार्थके भावनासे खीष्टको प्रचार करत हँ । ¹⁸चहुँ जो होबए, खास बात जा हए- हरेक किसिमसे, चाहूँ बहानामे, चाहूँ सत्यमे खीष्टको प्रचार करए, और जाहेमे मए खुशी हौं । ¹⁹हँ, मए खुशी होत हौं । काहेकी मए जानत हौं, कि तुमरो प्रार्थना और येशू खीष्टको आत्माके सहेतासे जा मेरो छुटकाराके ताहिँ होन आबैगो । ²⁰मिर बहुत इच्छा और आशा जहे हए, कि मए कदापि लज्जित ना हुइहौं, चाहूँ मृत्युसे होए, औ जीवन से । ²¹काहेकी मिर ताहिँ जिनो खीष्ट हए, और मरन फाइदा हए । ²²अगर शरीरमे जिन हए कहेसे मिर ताहिँ बा फलदाई मिहेनत होबैगो । तव फिर मोके का चुनन पणैगो, बा मए ना कहे सकतहौ । ²³मए त दुइधारमे पणौहौ । बल्की बिदा हुइके खीष्टके संगमे होन इच्छा हए, काहेकी जा बहुत अच्छो हए । ²⁴पर शरीरमे रहन तुमरे ताही बहुत जरूरी हए । ²⁵जा बातमे पक्केसे जानत हौं, कि विश्वाससे तुमरो प्रगति और आनन्दके ताहिँ मए जिनदा रहमझो और तुमर सबके संग बैठझो । ²⁶जा हिसाबसे कि मए फिर तुमरे ठिन आत मिर ताही खीष्ट येशूमे गर्व करन बहुत कारन हए । ²⁷केवल तुमरो जीवनको चाल खीष्टको सुसमाचारके योग्य होबए । मए आएके चाहु देखओ, चाहु ना आएके देखओ, मए तुमरे बारेमे जहे बात सुनन् चाहत हौ, कि तुम एकए आत्माके पक्को बानके ठाणे रहबौ, और एकए मनके हुइके सुसमाचारको विश्वासके ताहिँ मिल्ले मेहनत करहओ । ²⁸और विरोधीनसे कोइ बातमे ना डरत होओ, बिनके ताहिँ जा नाश होनको लक्षण हए, पर तुमर ताहिँ जा मुक्तिको चिनह हए, और जा परमेश्वरके घेनसे हए । ²⁹काहेकी खीष्टके ताहिँ जा तुमके दओ गओ हए, कि तुम बाके उपर विश्वास करन इकल्लो ना, पर बाके खातिर दुःख फिर भोगन पणैगो । ³⁰और बहे संघर्ष जो तुम मोएमे देखे और मिर संग हए, कहिके हभए सुन्तहौ, बहेमे तुम लागे हौ ।

Chapter 2

¹जहमे मए कहत हौं, अगर खीष्टमे कोइ उत्सहित हए तव, प्रेमको कोइ प्रेरणा, पवित्र आत्माको कोइ संगति, और सहानुभुति हए, ²तुम एकए मनके हुइके, एकए प्रेम धारण करके, पुरा सहमतसे एकए चित्तके हुइके मिर आनन्द पुरा करओ। ³स्वार्थ और अहंकारमे कुछ मत करओ, पर नम्रतामे एक दुसरेके अपनसे श्रेष्ठ मानओ। ⁴तुम सब अपन हित इकल्लो मत दुणओ, पर और के हितके फिर देखओ। ⁵तुमरे मे अइसो मन होबए जो खीष्ट येशूमे फिर रहए। ⁶परमेश्वरके स्वरूपमे हुइके फिर बो परमेश्वरके बराबर होनबारी बातके एकए पकणे रहन बारो चीज जैसो ना मानी। ⁷पर अपनाएके रिताएके कमैयाको रुप धारण करके तथा मनुष्य हुइके जन्मो। ⁸बा अपनाएके नम्र बनाई, और मृत्यु तक आज्ञाकारी रहो। ⁹जहमे परमेश्वर बाके बहुत उपर करी, और बो नाउँ दे, जो हरेक नाउँसे उचो हए, ¹⁰कि स्वर्गमे, पृथ्वी उपर और पृथ्वी तरे भए हरेक प्राणी येशूके नाउँमे घुटो टेकन पणैगो, ¹¹और हरेक जीबसे परमेश्वर पिताके महिमाके ताहिँ येशू खीष्टके प्रभु करके स्वीकार करन पणैगो। ¹²जहमे मिर प्रियओ, जैसी तुम सबदिन आज्ञापालन करेहौ, मिर उस्थितिमे करो जैसो नाए, पर अब और जद्धा मिर अनुपस्थितिमे डर और आज्ञासे तुम अपन मुक्तिको काम पुरा करन परिश्रम करओ। ¹³काहेकी तुम बाको असल अभिप्राय अनुसार इच्छा कर्न बारो और काम करन दोनाए बनाएके परमेश्वर तुमरमे काम कर्तहए। ¹⁴बरबर अथवा वाद-विवाद ना करके सब काम कर्त जाओ, ¹⁵जेहे जैसो व्योहार करौ, ताकि तुम कोई कलङ्कविना परमेश्वर निर्दोष और इमानदार लौंड़ालौंड़ीया बन सकौ। अइसो व्यवहार करओ, ताकि तुम चलौक और बारानेभए पुस्ताके बिच जा संसारमे ज्योति जैसो चम्क सिकओ। ¹⁶जीवनको वचनके जोणसे पकणे रहौ, ताकि मए व्यर्थमे दौणत नैयाँ, और मए व्यर्थमे परिश्रम ना करत हौं करके खीष्टके दिनमे मए गर्व कर्न सकओ। ¹⁷अगर तुमरो विश्वासको बलिदान उपर अर्घ-बलिके रुपमे समर्पित होन पणेहए तहुफिर मए आनन्द मनहौं, और तुमरे सबके संग मए रमातहौ। ¹⁸आइसी करके तुमफिर आनन्दित होबओ और मिर संग आनन्दित होबओ। ¹⁹मए तुमरे ठिन तिमोथीके जल्दी पठानके प्रभुमे आशा कर्तहौ, ताकि तुमरो सुसमाचार पाएके मए फिर खुसी हुइ सिकओ। ²⁰बिनके जैसो सच्चो मनसे तुमर जैसो उत्सुक होनबारे आदमी मेरेसंग और कोइ ना हए। ²¹येशू खीष्टको बातको वास्ता ना करके, बे सब अपनी स्वार्थ दुणतहए। ²²पर तिमोथीको योग्यता त् तुमके पता हए, कि जैसी लौड़ा दौवाको सेवा करतहए, उइसी बा सुसमाचारको काममे सेवा करी। ²³जहमे मिर ताहिँ का- कैसो हुइहए सो बुझके तुरन्त बाके पठान आशा करत हौ। ²⁴और मए फिर जल्दी अमंगो करके प्रभुमे भरोसा करेहौं। ²⁵इप्राफ्रोडिटस, जो मिर भैया सहकर्मी हए और संगी-सिपाही तथा तुमरो पठओ भव दुत और मोके जरुरत पणोमे सेवा करन बारे, बिनके तुमरे ठिन पठान आवश्यक मानो हौं, ²⁶काहेकी बे तुमर सबके ताहिँ बहुत तृष्णा करतहए। बे बिमार भए खबर तुम पता पाएके बे व्याकुल भए हँए। ²⁷बे नेहत्य मरन अवस्थामे बिमारी रहए, पर परमेश्वर बिनके उपर दया दिखाई। बिनके उपर इकल्लो ना, पर मोके शोक उपर शोक ना थोपओ करके मिर उपर फिर दया करी। ²⁸जहमे मए बिनके पठान बहुत जद्धा उत्साहित हौ, ताकि बिनके फिर देखके तुम रमाबैगे, और मिर चिन्ता फिर कम हुइहए। ²⁹जहमे बहुत जद्धा आनन्दसाथ प्रभुमे बिनके ग्रहण करओ, और अइसे आदमीके आदर करओ। ³⁰काहेकी मेरे घेनको तुमरो सेवा पुरा करनके खीष्टको कामके ताहिँ बे मृत्युके मुहमे पुगे रहए।

Chapter 3

¹अन्तमे भैयओ, प्रभुमे आनन्दित होबओ । तुमके जहे बात लिखिरहन मोके झन्झाट ना लगात हए, और बा तुमरे सुरक्षाके ताहिँ हए । ²कुत्तासे होशियार बैठओ, खराब काम करनबारेनसे होशियार बैठओ । अंग-कटाई करनबारेनसे होशियार बैठओ । ³काहेकी परमेश्वरके आत्मामे पुजनो और ख्रीष्ट येशूमे गर्व और शरीरमे भरोसा ना धरनबारे नेहत्य खतना हम हए । ⁴अगर मए अपनएके त शरीरमे भरोसा करनको कारण हए । कोइ आदमीको शरीरमे भरोसाकरनको कारण हए कहिसे, मिर त और जद्धा कारण हए । ⁵आठौ दिनमे मिर खतना भव हए । मए इस्राएल जातिको, बेन्यामीन कुलको हौ, हिब्रूको फिर हिब्रू, व्यवस्थाके बारेमे हए कहेसे एक फरिसी, ⁶मए जोशमे मण्डलीके सताओ, धार्मिकताके बारेमे हए तव व्यवस्था भव धार्मिकता बमोजिम निष्खोट ठहिरे हौ । ⁷पर जित्तो बात मिर ताहिँ लाभदायक रहए, बे त् मए ख्रीष्टके ताहिँ बेकार मानो । ⁸नेहत्यए, मिर प्रभु ख्रीष्ट येशूको ज्ञानको बाड़ो करण अब मए सबए बातके खराबी सम्झत हौ । बाको ताहिँ मए सबए बात छोड़ो हौ । मए जे बातके काम ना लगन बारे मनत हौ ताकि मए ख्रीष्टके पाए सकौ । ⁹और बामे खाड़ा हुइ सकौ । मए व्यवस्थासे अपने पव भौ धार्मिकता मोएँमे ना हए । बरु ख्रीष्ट येशूमे विश्वाससे पाव भौ धार्मिकता मिरसंग हए, जौन धार्मिकता विश्वासमे हुइके परमेश्वरसेमए पाव हौ । ¹⁰मए बाके और बाको पुरुत्थानको शक्ति जान सिकओ, और बाको मृत्युमे बो जैसो हुइके बक दुःख भोगमे सहभागी होन सिकओ । ¹¹सम्भव हए मरेसे मए पुनरुत्थान प्राप्त कर सिकओ । ¹²मए जा सब अग्गुसे प्राप्त करडरो हौ, अथवा मए अग्गुसे सिध्द हुइगव हौ करके त नाए, पर बे बातके पकणनके ताहिँ मए अग्गु बढिगव हौ जौन बातके ताहिँ ख्रीष्ट मोके पकणी ! ¹³भैया हो, मए जा सब पकण डारो हौ करके मए ना मानत हौ, पर मए एक काम करत हौ, कि पिछुक बात भुलके और अग्गुक बात घेन जोणसे लम्कत हौ । ¹⁴ख्रीष्ट येशूमे परमेश्वरको स्वर्गीय बोलावटमे पान बारो पुरस्कारके ताहिँ निशाना घेन मए जोणसे अग्गु बढत हौ । ¹⁵हम परिपक्व होनबारे चाहिँ सब अइसी मनके होबओ, और तुम कोइ बातमे औरे बिचारके हौ करके परमेश्वर तुमके बा फिर प्रकट करदे हए । ¹⁶केवल हम जो पाएगएँ हए, बामे पक्को हुइके बैठओ । ¹⁷भैया रेव तुम मिर अनुसरण करन बारे होबओ हमरमे तुमर देखो भव नमुना अनुसार जिनबारेके देखओ । ¹⁸मए गजब चोटी बताए भए आदमीनके बारेमे फिर मए तुमके रुबात कहत हौ कि बे ख्रीष्टको कुसके शत्रुन जैसो जीवन बितात हँ ए । ¹⁹बिनास बिनको अन्त हए पेट बिनको इश्वर हए, और बे अपन सर्ममे गर्व करत हएँ, और बिनको मन संसारीक बातमे लगे रहत हएँ । ²⁰पर हमर नागरिकता स्वर्गमे हए । बाहुनासे आन बारो मुक्तीदाता, अथवा प्रभु येशु ख्रीष्टको हम प्रतीक्षा करत हएँ । ²¹बा जौन शक्तिसे सबए बात कि बाको अधिनमे लान के सकहए, हमर हीन शरीरके अपनो महिमाको शरीर जैसो होनके ताहिँ परिवर्तन करदेहए ।

Chapter 4

¹जहमे मरि भैया, मए तुमके माया करत हौं, और तुमर चँहत हौ, तुम मिर आनन्द और मुकुट हौ । मिर प्रिय, अइसी प्रभुमे स्थिर रहौ । ²मए इयोदिया और सुन्तुखेके प्रभुमे एक मनको होमए होबऔ कहिके आग्रहपुर्वक बिन्ती करत हौं । ³विश्वासी सहकर्मी, मए तुमके फिर अनुरोध करत हौ, कि जे बैयरनके मदत कर, काहेकी जे मिर संगसंगए सुसमाचारको काममे क्लेमेससंग और मिर और बाँकी सहकर्मीनसंग परिश्रम करी हएँ, जौनको नाउँ जीवनको पुस्तकमे हएँ जिवनकी किताबमे हएँ । ⁴प्रभुमे रोज आनन्द कर मए फिर कहात हौ आनन्द कर । ⁵तुमर सहनशीलता सब आदमीके पता होबए । प्रभु ढिँगै हए । ⁶कोइ बात मे चिन्तित मत होबओ, पर सबए बातमे प्रार्थना और निवेदनसे धन्यवाद सहित तुमके बिन्ती परमेश्वरमे जाहेर होबए, ⁷और समझ ना पानबे परमेश्वरको शान्ति तुमर हृदयमे और तुमर मनके येशूमे रक्षा हुइहए । ⁸अन्तिममे भैया हो, जौन् बात सत्य हए, जौन् बात आदरणीय हए, जौन् बात न्यायसङ्गत हए, जौन् बात शुध्द हए, जौन् बात प्रेम-योग्य हए, जौन बात कृपामय हए, अगर कोइ श्रेष्ठता, प्रसंशाको योग्य कोइ हए कहेसे जे बातके विचार करओ । ⁹तुम जौन बात मोसे सिखे, और ग्रहण करे और सुने और मोके देखे, बहे करओ, और शान्तिको परमेश्वर तुमरसंग होबैगो । ¹⁰मए प्रभुमे गजब आनन्दित हौं, कि अब गजब दिनपिच्छु मिर घेन तुमर वास्ता फिर उल्लू गओ हए । तुम नेहत्य मिर ताहिँ चिन्तित रहओ, पर तुमके मौका ना मिलो । ¹¹जरुरि पाडो कहिके मए गुनासो नाकरोहौ, काहेकी जैसो परिस्थिति होएसे फिर मए बामे सन्तुष्ट रहान मए सिखो हौं । ¹²कैसे झुकन और कैसे बढन् मए जान्त हौं । परिपूर्णतामे होए या भूकप्यासमे होए, प्रशस्तामे होए या अभावमे होए, सब गुप्तमे सन्तुष्ट रहन मए सिखो हौ । ¹³जुन मोके शक्ति देतहए, बामे मए सब बात करन् सकत हौं । ¹⁴ताहुँ फिर मिर कष्टमे तुम सहभागी भए, जा अच्छो करे । ¹⁵तुम् फिलिप्पी अपने फिर जान्त हौं, कि सुसमाचारके सुरुमे मए माकेडोनियासे बिदा होत, देन और लेन काममे, तुमर बाहेक कोइ मण्डलीको सहाभागी मिर संग ना भव रहए, ¹⁶काहेकी थेसलोनेकेमे फिर तुम मोके एक चोटीसे जद्धि मिर ताहिँ सहयोग पठाए । ¹⁷मए भेटी ना ढुंडो हौ, पर मए त तुमरमे अइसो फलको आशा करत हौ, जो तुम्ही हिसाबमे जम्मा होतजाए । ¹⁸मए पानसे जद्धा पाओ हौं । इपाफ्रोडीटसे पठाओ गव तुमर मिठो बास आओ, और परमेश्वरके मनपडन् बालो और ग्रहणयोग्य बलिदान पाएके मए पुरो भव हौं । ¹⁹मिर परमेश्वर अपन महिमामे बाको सम्पति अनुसार तुमर सब खाँचो खीष्ट येशूमे पूरा करदेबैगो । ²⁰अब हमर परमेश्वर और पिताके सदामान महिमा होबए । आमेन । ²¹खीष्ट येशूमे सब सन्तके अभिवादन देबओ । मिर संग होनबारे भैया तुमके अभिवादन पठाई हँए । ²²सब सन्त और खास करके कैसरके घरानाके तुमके अभिवादन पठई हँए । ²³प्रभु येशू खीष्टको अनुग्रह तुमर आत्मा संग होबए ।

Colossians

Chapter 1

¹पावल, परमेश्वरको इच्छासे खीष्ट येशूके एक प्रेरित और हमर भाइया तिमोथीसे । ²खीष्टमे भए कलस्सेक सन्तनके और विश्वासी भैयनके: परमेश्वर हमर पितासे अनुग्रह और शान्ति । ³तुमरे ताहिँ प्रार्थनामे हम अपन प्रभु येशू खीष्टको पिता परमेश्वरसे सबदिन धन्यवाद चढत् हँएँ । ⁴काहेकी खीष्ट येशूमे तुमर विश्वास और सबए सन्तानके ताहिँ तुमर प्रेमकी विषयमे हम सुने हँएँ, ⁵जौन ता तुमर ताँहिँ स्वर्गमे धारो भाव आशाके कारनसे हए । जहे विषयमे तुम आगुयएसे सत्यके वचन, आर्थत सुसमाचारमे सुने हौ । ⁶जो तुमर ठिन आओ । जा सुसमाचारको फारा फरत हए और जा संसार भर फैलत हए । ओ तुम जाके सुनके सत्यतामे परमेश्वरकी अनुग्रहके जानो भौ दिनसे तुमरमे फिर जा बढरहो हए । ⁷जा सुसमसचार तुम हमर प्रिय संगी-दास इपाफ्राससे सिखे जैसे हौ, जो हमर प्यारो संगी या हमर ताहिँ खीष्टको एक विश्वासी सेवक हए । ⁸इपाफ्रास हमके पवित्र आत्मामे भए तुमरे प्रेमके बारेमे हमके दिखाई हए । ⁹जा प्रेमको कारणसे, हम जा सुने दिनसे तुमर ताहिँ प्रार्थना करन हम ना रुके हँए । सबए ज्ञान आत्मिक समझमे, तुम बाको इच्छाअनुसारको ज्ञानमे पुरा होबओ कहिके हम बिन्ती कर्तहँएँ । ¹⁰और बोके पूरा रुपसे खुसी करन प्रभुक योग्य जीवन जिबौ और सबै अच्छो काममे फरा फराओ और परमेश्वरके ज्ञानमे अगु बढेगे कहिके हम प्रार्थना कर रहे हँएँ । ¹¹बाको महिमित शक्तिमे आनन्दसे सब सहनशीलता और धैर्यके ताहिँ तुम सब तगणे होबओ । ¹²हम जा प्रार्थना करत हँएँ की तुम आनन्दसे पिताके धन्यवाद देहओ, जौन तुमके ज्योतिमे विश्वासको हकदारमे सहभागी होन हमके ताहिँ योग्य बनाईहँएँ । ¹³बो हमके अन्धकारको राज्यसे छुटाइ, और अपन प्रिय पुत्रको राज्यभितर हमके लाइहँएँ । ¹⁴बोमे हम उध्दार अथवा पापको क्षमा पाए हए । ¹⁵बो गौसक परमेश्वरको जैसो हए । बा सारा सृष्टिको जेठो हए । ¹⁶काहेकी बहेमे सब चीज सृष्टि भव हए । स्वर्गमे और पृथ्वीमे दिखान बाले और ना दिखान बाले चीज चहुँ राजकाज, चहुँ हक जमानो, चहुँ प्रधानता, चहुँ अधिकार, सब बोसे बहेके ताहिँ सिर्जहए । ¹⁷बो सब चीजसे अगु हए, और बोमे सब चीज बाँधे हए । ¹⁸बो शरीर, अथवा मण्डलीको शिर हए, बो सुरु हए, मेरेसे जीवित होनबारेमे बो जेठो हए, ताकि प्रत्येक चीज उपर बो सर्वोच्च होबए । ¹⁹काहेकी बाको अपन सबए पूरा रुपसे खीष्टमे वास करी कहिके परमेश्वर खुसी भव, ²⁰और परमेश्वर बाके कुसको रगतसे शान्ति करके पृथ्वीको होबए चहुँ स्वर्गको होबए, बोसे सब चीजके अपने संग मिलापमे ल्याईहए । ²¹बिते समयमे खराब काम करके तुम पराए भए अपनो मनमे विरोधी भए रहौ । ²²पर अपन अगु तुमके पवित्र, बिना खोट और निर्दोष दिखान खीष्टको मासुको शरीरमे बाको मृत्युसे तुमके बो अब मिलापमे लाइहए । ²³अगर तुम अपन विश्वासमे अच्छे और स्थिर भएरहौ और तुम सुने सुसमाचारको आशासे दुर ना जाएके विस्वासमे लगातार अगु बढन पणत हय । जहे बो सुसमाचार हए, जो स्वर्गते सबए आदमीक प्रचार करी हँएँ, जौनको मए पावल सेवक भौ हौं । ²⁴अब तुमरे ताहिँ मिर दुःख भोगनमे मए आनन्द मनतहौ, और खीष्टको कष्टको कमीके बाको शरीरको ताँहिँ मए अपन देहेमे पुरा कर्तहँएँ । ²⁵तुमरे खातिर मोके दओ ईश्वरीय कामअनुसार परमेश्वरको वचन सबए रुपसे प्रचार कर्न मए धर्म-सेवक भव । ²⁶युग-युग और पुस्तासे लुको रहो जा रहस्य अब बुक बच्चाके दिखाइ हए । ²⁷जा रहस्यको महिमामय सम्पति अन्यजातिमे किन्तो महान हए, बो बात अपन सन्तनके दिखान ताहिँ परमेश्वर चुनि । जा रहस्य बा हए खीष्ट तुममे हए, जो भविष्यक महिमाको आशा हए । ²⁸बा बेहे आदमी हए जौनके हम घोषणा करत हँएँ । पुरा दिमाक से हम सबएके सल्लाह देत हँएँ और सिखात हँएँ कि सबए आदमीनके खीष्टमे परिपक्वको बनाएके दिखाए सिकएँ । ²⁹मिर जीवनमे शक्तिशाली रुपमे काम करनबारे बाको तागतअनुसार मय मेहेनत करत हौ और अगु बढहँएँ ।

Chapter 2

¹तुम जा जनाओ करके मए चाहतहौ, कि कैसे तुम और लाउडिकियामे भए, और मिर मुहू ना देखे भए सबके ताहीं मए कठोर परिश्रम कर्तहौ, ²कि प्रेममे एकएसंग बाँधके बिनको हृदय प्रोत्साहित होबए, और पक्का समझको परिपूर्णताको सम्पत्ति और परमेश्वरको रहस्यको ज्ञान अथवा ख्रीष्टके प्राप्त करए । ³बोमे ज्ञान और बुद्धिको सब सम्पत्ति लुकोहए । ⁴मए जा कहतहौ, कि डरपान बारो बोलीसे कोइ तुमके ना डरपाए पामँएँ । ⁵काहेकी शरीरमे मए अनुपस्थित हुइहौ ताहुफिर आत्मामे त मए तुमरे संग हौ, और तुमके अच्छो व्यावस्था और ख्रीष्टमे तुमरो बिश्वासको स्थिरतामे मए रमातहौ । ⁶जहेमारे जैसी ख्रीष्टके तुम ग्रहण करे, उइसी बामे जीवन बिताओ । ⁷धन्यबाद देनमे प्रशस्त , तुमके शिक्षा दओ अनुसार बामे जर गणौ और बनौ और विश्वासमे दरिलो होबओ । ⁸ध्यान देओ, कि कोइ दर्शनशास्त्र और खोक्रो छलसे तुमके शिकार ना बनाबए , जो ख्रीष्टके अनुसार ना हए, पर आदमीनको परम्परा और बिश्वासको आधारभुत सिद्धान्त उपर अड़ो होतहए । ⁹काहेकी ख्रीष्टमे ईश्वरत्वको सारा परिपूर्णता शरीरमे वास कर्तहए । ¹⁰और बामे जीवनके परिपूर्णतामे तुम आए पुगेहौ । बा पुरा शासन और अधिकारको मुण हए । ¹¹ख्रीष्टको खतनामे पापमय स्वभावको देहेके त्यागके हातबिना करो खतनासे बामे तुमरो खतना भव रहए । ¹²बप्तिस्मामे तुम बाके संग गड़े रहौ । मरो भव से बाके जीन्दा करनबारो परमेश्वरको कार्यमे विश्वास कर्नबारे जहे बप्तिस्मामे तुम फिर बाकेसंग जीन्दा भए । ¹³तुम अपन अपराध और शरीरअनुसार बेखतनामे मरे रहौ, पर परमेश्वर हमर सब अपराध क्षमा करदै बाके संग जिन्दा करी, ¹⁴और हमर बिरुद्धमे लिखो तमसुक और बाके सब कानूनी दाबीके कूसमे किल ठोकके रद्द करदै । ¹⁵बो प्रधानतानके और शक्तिनके हराएके बिनके सबके उपर कूसमे जित पाई, और बिनके खुल्लमखुल्ला तमासा बनए दै । ¹⁶जहेमारे खान और पिनमे, अथवा तेवहरको दिन, अथवा अँधियारी रात अथवा शबाथ-दिन मानन् बारेमे कोइ आदमी तुमके दोष ना देबए । ¹⁷जा चाहिँ आनबारे बातको छाँही इकल्लो हए, पर वास्तविकता चाहिँ ख्रीष्टमे हए । ¹⁸अपन शरीरके दुःख देनबारी बातमे जिद्दी करके स्वर्गदुतके पुजन लगाएके, अपन दर्शनमे अनके, अपन अभिलाषी मनके बिनाकारणको घमण्डसे फुलके कोइ तुमके इनाम गुमानबारो ना बनाबए । ¹⁹बा मुणके ना पक्वणे रहए।मुणसे लैके जोनीँ और ग्रन्थि हुइके पुरा शरीरमे काम लगन बारे तत्त्व फैलात हए और बिनके एक ठिन धरत हएँ; और शरीर परमेश्वरको दौभव बुद्धिअनुसार बढत् हए । ²⁰अगर जा संसारके आधारभुत सिद्धान्तघेन ख्रीष्टसंग तुम मरे हौ तव, संसारको जौसो हुइके जिहौ ? ²¹"मतपकणौ, मतचखओ, मतछुबओ " ²²आदमीनके आज्ञामे और शिक्षाअनुसार, जा जम्मए चीज व्योवहार कर्तकर्त नष्ट हुइके जातहए। ²³जे निती आदमी अपनएँ बनावभऔ धर्म और नरम और शरीरको कठोरताको ज्ञान हए।पर शरीरको अभिलाषाके काबूमे लान जे चीज कोइ मोलके ना हएँ ।

Chapter 3

¹जहमारे अगर तुम ख्रीष्टसंग जिउठे हौ तव उपर कि बातके ढुँडौ , जहाँ ख्रीष्ट हए और परमेश्वरके दहिना बाँहँघेन बैठोहए । ²उपर कि बातमे मान लगओ। पृथ्वीमे भए बातमे नाए । ³काहेकी तुम मरे हौ, और तुमरो जीवन परमेश्वरसे ख्रीष्टसंग लुकोहए । ⁴ख्रीष्ट जो हमर जीवन हए, बा प्रकट होत तुम फिर बाके संग महिमामे प्रकट हुइहौ । ⁵जहमारे तुमर मे जो संसारिक स्वभाव कि बात हए बिनके मरओ: व्यभिचार, अशुद्धता, कामुकता, खराब इच्छा और लोभ, जो मुर्तिपुजा हए । ⁶जे बातनके खातिर परमेश्वरको क्रोध आज्ञा ना मानन् बारेके उपर आतहए । ⁷तुम फिर जे बातमे जीतपेती एक समय अइसीयए बातमे नेगात राहौ। ⁸पर अब तुम फिर जे सब बात छोण देबौ: दिक्क, क्रोध, हिंस, बेजत, अपन मुहूसे निक्को फोहर बोली । ⁹एक दुसरेके मत ठगओ, काहेकी पुरानो स्वभाव बाको चालसमेत तुम त्यागेहौ, ¹⁰नयाँ बानी बैठारे हौ, जो अपन सृष्टि कर्ताके रुपअनुसार ज्ञानमे नयाँ होतहौ । ¹¹हिना ग्रीक और यहूदी, खतनाके और बेखतनाके, अशिक्षित, असभ्य, कमैया और फुक्काको भेद ना रएहए, पर ख्रीष्ट सब बात और सब बातमे हए । ¹²जहमारे परमेश्वरके चुनेभएनके पवित्र और प्रिय हुइके तुम करुणा, दया, दुखमे, नरमपन और धैर्य धारण करओ । ¹³एक दुसरेके सहबओ, कोइ आदमीनके बिरुद्धमे कोइ दोषको कारन हए तव, एक दुसरेके क्षमा करओ । जैसी प्रभु तुमके क्षमा करी हए, उइसी तुमके फिर क्षमा कर्न पड्त् हए । ¹⁴जा सबसे जद्धा बरु प्रेम धारण करओ, जौन सब चीजके एकतामे एकसंग बाँधत हए । ¹⁵ख्रीष्टको शान्ति तुमरे हृदयमे राज्य कराए। नेहत्व, तुम शान्तिके ताहिँ एक शरीरमे बोलए गएरहौ। तुम धन्यवादी होबओ । ¹⁶ख्रीष्टको पुरा बुद्धिमानीसाथ एक दुसरेके सिकओ और अर्ती देओ, और परमेश्वर घेन अपनो हृदयमे रहोभव कृतज्ञतासाथ भजन, स्तुति और आत्मिक गाना गबओ । ¹⁷बात अथवा काम जो-जो कर्तहौ, सब बात बोसे परमेश्वर पिताके धन्यवाद प्रभु येशूके नाउँमे करओ । ¹⁸बैयर तुम, प्रभुके दृष्टिमे सुहानबारो अपन लोगाके अधीनमे बैठओ । ¹⁹लोगा तुम, अपन बैयरके प्रेम करओ और बिनके घेन कठोर मतबनओ । ²⁰लौणा-लौणिया तुम, प्रत्येक बातमे अपन अइया-दौवाको आज्ञापालन करओ । काहेकी जा बात प्रभुके प्रसन्न बनातहए । ²¹दौवा तुम, अपन लौणालौणियाके दिक्क मतउठओ, नत बे निराश हुइहँए । ²²कमैया तुम, प्रत्येक बातमे जा संसारके अपन मालिकनके आँखी अगु खुशी बनान इकल्लो नाए, पर नेहत्व हृदयसे प्रभुको डरमे रहिके बिनके अधीनमे बैठओ । ²³तुम जो कर्तहौ दिलदैके करओ, आदमीनको नैयाँ पर प्रभुको सेवा करे कता, । ²⁴जा जनके कि तुम अपन उत्तरधिकार इनामके रुपमे पबैगे। तुम प्रभुको सेवा कर रहेहौ । ²⁵काहेकी अपनो करो कुकर्मको फल कुकर्म पबैगो, और जामे पक्षपात नैयाँ ।

Chapter 4

¹मालिक हो, तुम फिर स्वर्गमें मालिक हुए करके जानके अपन कमैयासे न्यायसंगत और उचित व्यवहार करओ। ²पावकेसे सदामान धन्यवादसहित स्थिर हुइके प्रार्थनामें लागेरहौ। ³हमर ताहिँ फिर प्रार्थना करओ, ताकि ख्रीष्टको बो गुप्त प्रचार कर्नके परमेश्वरसे हमरे ताहिँ वचनको एक फाटक खोलदेबए, जौनके ताहिँ मए बैँधो हौँ, ⁴और मए मस्कनबारो वचन खुलस्त करसिकओ। ⁵समयको सदुपयोग करतए, बाहिरके संग बुद्धिमानी साथ व्यवहार करओ। ⁶नून जैसो स्वदिलो करे कता तुमरो बोलीवचन सबदिन कृपालु होबए, ताकि प्रत्येकके कैसे जवाफ देन पड़ैगो, सो तुम जनओ। ⁷मिर बारमे सब बात प्यारे भैया, विश्वासी धर्म-सेवक और प्रभुमें संगी-दास तुखिकस तुमसे कहिहए। ⁸जा इच्छासे मए तुमरे ठिन पठओ हौँ, कि तुम हमर बारमे पता पाबओ, और बे तुमर मनके उक्सयहँएँ। ⁹बिनके संग ओनिसिमस आतहए, जो तुमर मैसे एक आदमी हए, और बे हमर विश्वासी और प्यरो भैया हए। हियाँको सब हालखबर बे तुमके बतमंगे। ¹⁰मिर संगी-कैदी अरिस्तार्खस तुमके अभिबादन पठाई हए। बारनाबासको भतिजो मर्कूसको फिर अभिबादन। बिनके बारमे तुम आदेश पाइगए हौ, बे तुमरे ठिन आएके कहिँ बिनके स्वागत कराओ। ¹¹युस्तस नाउँ भव येशू फिर तुमके अभिबादन पठाई हए। परमेश्वरको राज्यके ताहिँ मिर पक्ष मैसे यहूदी विश्वासी जेहे इकल्लो हए। यिनसे मोके सान्त्वना मिलो हए। ¹²तुमर मैसे एक जनै ख्रीष्ट येशूको दास इपाफ्रास फिर अभिबादन पठाई हए। बे अपन प्रार्थनामें परिश्रमसाथ सबदिन तुमके स्मरण कर्तहए, ताकि तुम परिपक्वा होबओ, और परमेश्वरको सारा इच्छामे सम्पूर्ण रूपसे निर्धक्क हुइके बैठन सिकओ। ¹³काहेकी मए बिनके ताहिँ गवाही देतहौ, कि तुमर और लाउडिकिया और हिरापोलिसमें होनबारेनके ताहिँ बे घोर परिश्रम करी हँए। ¹⁴प्रिय बैदा लुका और डेमास फिर तुमके अभिबादन पठाई हए। ¹⁵लाउडिकियाके भैया और नुम्फास और बिनके घरमे भए मण्डलीके मेरो अभिबादन देओ। ¹⁶तुमरे बीचमे जा पत्र पढके पिछु लाउडिकियाके मण्डलीमें फिर जा पढन लगैयओ, और लाउडिकियाको चिट्ठी फिर तुम पढिओ। ¹⁷"तुम प्रभुसे पाओ सेवाको काम पुरा करओ" करके अखिप्पसके कहिदेओ। ¹⁸मए पावल, जा अभिबादनचाहिँ अपन हातसे लिखतहौ। मिर सँकारके याद रखओ। तुमरेसंग अनुग्रह रहबए।

1 Thessalonians

Chapter 1

¹पावल, सिलास और तिमोथीसे परमेश्वर पिता और प्रभु येशू ख्रीष्टमे थेसलोनिकनके मण्डलीके: अनुग्रह और शान्ति² हमर प्रार्थनामें तुमके लगातार सम्झना करत हम परमेश्वरके तुम सबके ताहिँ धन्यवाद देतहए। ³हमर परमेश्वर पिताके सामुने हमर प्रभु येशू ख्रीष्टमे तुमर विश्वासको काम, प्रेमको परिश्रम और आशाको धैर्य लगातार सम्झत हँए। ⁴भैया रेव, परमेश्वरके प्यारे, तुमके बा चुनिहए करके हमके पता हए, ⁵काहेकी हमरो सुसमाचार तुमरे ठिन वचनमें इकल्लो नाए आओ, पर शक्ति और पवित्र आत्मामे, और सम्पूर्ण पक्कोके साथ आओ हए। तुमरे बीचमे रहत तुमरे ताहिँ हम कैसे किसिमके आदमी रहँए तुम जान्त हौ। ⁶तुम हमर और प्रभुको देखासेखि करन बारे भए, काहेकी पवित्र आत्मा दओ भव आनन्दसाथ तुम बहुत कष्टमे वचन ग्रहण करे। ⁷हियाँ तकि माकेडोनिया और अखैयामे सब विश्वासीके बीचमे तुम नमूना बने। ⁸काहेकी तुमसे परमेश्वरको वचन केवल माकेडोनिया और अखैयामे इकल्लो प्रचार ना करो रहए, पर परमेश्वर उपरको तुमर विश्वास प्रत्येक ठाउँमे फैलो हए, और हमके कोइके कहान आवश्यक ना हए। ⁹काहेकी जौन किसिम हमर स्वगत तुमर ठिन भव, और जीवित और सच्चो परमेश्वरको सेवा करन तुमके मुर्तिसे परमेश्वरघेन घुमे, सो त् आदमी बतात हँए। ¹⁰और स्वर्गसे आन बारो बा को पुत्र जौनके बा मरेसे उठाई, बाको प्रतिक्षा तुम करत् हौ, और येशूके जौन आन लागो क्रोधसे हमके छुट्कार देतहए।

Chapter 2

¹भैया रेव, तुमरे ठिन हमरो आगमन व्यर्थ ना भव तुमके अपनएके पता हए । ²हम अगुसे फिलिप्पीमे कष्ट भोगे और अपमानित भए करके तुमके पता हए, पर बेढम विरोध होतए होत फिर परमेश्वरको सुसमाचार प्रचार करन हमके परमेश्वरसे साहस मिलो रहए । ³काहेकी हमर अर्ति-उपदेश भुल और अशुद्धसे उब्जो ना हए, ना त् जा छलकपटसे भव हए: ⁴पर जैसी सुसमाचार हमरे जिम्मामे सुम्पनके ताहिँ परमेश्वर हमके योग्य मानी, उइसी आदमीके खुशी करनके ना हए, पर हमर हृदय जाँचन बारो परमेश्वरके खुशी करनके हम बोलत हँए । ⁵तुमके पता हए कि हम कबही खुशी करनकी बात करेनाए, ना हम लालचको बहानमे फसए । जा को साँचि परमेश्वर हए । ⁶ख्रीष्टके प्रेरितके नातासे हम तुमर उपर अधिकार चलान सिक्तहँए । ताहु फिर हम आदमीसे आदर ना दुणे, ना त् तुमसे ना और कोइसे । ⁷अपन बालकानके स्याहरन बारी- अइया कता तुमरे बीचमे हम कोमल भए । ⁸जहेमारे प्यारसे तुमरो चाहन करे हम परमेश्वरको सुसमाचार इकल्लो ना, पर हमरो ज्यान समेत तुमरे ताहिँ देन तयार रहए, काहेकी तुम ह्वरे ताहिँ इत्तो प्यारे भए रहओ । ⁹काहेकी भैया रेव, हमर कष्ट और मेहेनतको सम्झना तुमके पता हए । तुम कोइके बोझ मत बुकओ करके दिनरात काम करके हम परमेश्वरको सुसमाचार तुमके प्रचार करे । ¹⁰तुम साँचि हौ, और परमेश्वर फिर, कि तुम विश्वासीनके अगु कैसे हमर व्यवहार पवित्र, धार्मिक और निष्खोट रहए । ¹¹कहेकी तुमके पता हए, दौवा अपन लौड़ा लौड़ियाके जैसो करके हम तुमके सबए के कैसे अर्ति-उपदेश देताए और साहँस फिर देताए तुमके आदेश दए, ¹²जा हेतुसे कि तुमरो चालचलन परमेश्वर योग्य होबए, जौन तुमके बाको अपनो राज्य और महिमामे बुलात हए । ¹³जहेमारे जाके ताहिँ हम फिर परमेश्वरसे निरन्तरन्यबाद धन्याबद चढात हौ, कि तुम हमसे सुनो वचन, जो नेहत्य परमेश्वरको वचन हए, जो तुमरो आदमीको वचन जैसो ना हए, पर परमेश्वरको वचन जैसो ग्रहण करे, जौन वचन तुमर विश्वासीमे काम कर्त हए । ¹⁴काहेकी भैया रेव, ख्रीष्टमे यहूदीमे भए परमेश्वरको मण्डलीको अनुकरण करन बारे तुम भए, काहेकी अपन देश- भयनसे तुम जैसी दुःख भोगे रहौ । उइसी बे यहूदीनसे दुःख भोगी रहए । ¹⁵जेहि यहूदीनके प्रभु येशू ख्रीष्टके और अगमवक्तानके मारे, और हमके फिर बाहिर भजाई, और परमेश्वरके बेखुशी बनात हँए, और सब आदमीको बिरोध कर्त हँए । ¹⁶अन्यजातिनको उध्दार होबए करके बिनके संग बोलनके हमके बाधा दें । अइसिया सबदिन बे अपन पापको माना भरत हँए । पर अन्तमे परमेश्वरको क्रोध बिनके उपर पणो हए । ¹⁷काहेकी भैया रेव, हृदयसे ना हए, पर आँखीके सुध तुमरे संग छोटी समयके ताहिँ बिछोड भएके मारे, बडो इच्छासे तुमके आमनेसामने भेट करन उत्सुकतासे हम सल्लहा करे । ¹⁸काहेकी हम तुमरे कहाँ आन खोजे रहँए- मए पावल बारम्बार आन चाहे- पर शैतान हमके रोकी । ¹⁹हमर प्रभु येशू जब अए हए, बोबेरा बाके सामने हमरो आशा और आनन्द औ गर्वको मुकुट तुमहि का ना हओ ? ²⁰नेहत्य हमरो गौरव और आनन्द तुमहि हओ ।

Chapter 3

¹जहेमारे जब हम सहन ना सिके, तव एथेन्समे इक्ल्ले छोडनके हम राजी भए, ²और तुमके विश्वासमे पक्को करान और अर्ती-उपदेश देन, परमेश्वरमे ख्रीष्टको सुसमाचारको सेवक हमर भैया तिमोथीके हम पठाए, ³ताकि जे कष्टके कारण कोइ ना डगमगबए । तुमके अपनके पता हए, कि जाके ताहिँ हम खाटए हँए । ⁴काहेकी जब हम तुमरे संग रहँए, तव तुमके कष्ट ना भोगन पणैगो करके हम अगुसे काहे रहँए । जा नेहत्य होनके फिर आओ, सो तुमके पता हए । ⁵जहेमारे मए और जद्धा ना सिक्त परिक्षामे पणेहौ कि करके और हमर परिश्रम व्यर्थ जए हए कि करके डरसे तुमरो विश्वास पता पानके मए बिनके पठओ । ⁶पर हबए तिमोथी तुमरे ठिनसे हमरे कहाँ आएके तुमरो विश्वास और प्रेमको अच्छो खबर हमके सुनाई । तुम हमके भेटन बहुत इच्छा करके सबदिन प्रेमसे हमरो सम्झना कर्त हौ करके खबर बे दै । हम फिर तुमके भेटन उतनु चहना कर्त हँए । ⁷जहेमारे भैया औ, तुमरे विश्वासके कारण हमर सारा दुःख और क्लेशमे तुमरे बारेमे हम सान्ति पाए हँए । ⁸काहेकी अगर तुम प्रभुमे मजबुत रहौ तव हम जीवित रहँए । ⁹सब आनन्द जो तुमरे ताहिँ परमेश्वरमे हम अनुभव करत हँए बाके ताहिँ और तुमरे ताहिँ हम परमेश्वरके धन्यवाद देन सिकंगे का ? ¹⁰तुमके आमनेसामने भेटके तुमरो विश्वासको कमी पुरा करन हेतुसे हम दिनरात जोशके साथ प्रार्थना कर्त हँए । ¹¹अब हमर परमेश्वर और पिता स्वयम और हमर येशू तुमरे ठिन आनके डगर खोलदेमए । ¹²जैसी हम तुमके प्रेम करत हँए उइसी प्रभु तुमके एक दुसरो संग और सब आदमीन संग प्रेममे बढन बारो बनाबए परमेश्वर और प्रशस्त भैरहन बारो बनाबए, ¹³जा हेतु से कि बाको सब सन्तके साथमे हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको पुनरागमन होत बा हमर परमेश्वर पिताके सामुने तुमरो हृदय पवित्र और निष्खोट करके स्थिर करए ।

Chapter 4

¹अन्तमे भैयाओ, प्रभु येशूमे हम तुमके आग्रहपूर्वक बिन्ती करतहँए और अर्ती देतहँए, कि तुम कैसे जिनो और परमेश्वरके खुशी बनान पणत् हए करके तुमसे सिखी और उइसी करत फिर हौ, बामे तुम और जद्धा बढत् जाओ । ²काहेकी तुमके पता हए हम प्रभु येशूसे कौन-कौन आदेश तुमके दओ । ³काहेकी परमेश्वरको इच्छा जो तुमके पवित्रकण फिर हए, सो जा हए कि तुम व्यभिचारसे अलग बेठौ । ⁴पवित्रता और सम्मानसाथ अपन ताहिँ बैयर लिओ, सो तुम हरेक जानओ, ⁵पर परमेश्वरके ना चिन्नबारो अविश्वासी जैसे खराब अभिलासामे मत बैठीओ ⁶जा बारमे कोइ अपराध करके अपन भैयाके खराबी मतकरीओ, काहेकी अइसो सब बातमे बदला लेनबारो प्रभु हए । ⁷काहेकी परमेश्वर हमके अशुध्दके ताहिँ ना हए, पर पवित्रतामे बुलाई हए । ⁸जहेमारे जौन जा बातके बिरोध करेहए बा आदमीको ना पर परमेश्वरको बिरोध करतहए, जौन परमेश्वर तुमके अपन पवित्र आत्मा देतहए । ⁹पर भैयाघेनको प्रेमके बारमे कोइके तुमके लिखनके जरुरि ना हए, काहेकी एक दुसरे प्रेम करयँ करके तुम अपनए फिर परमेश्वरसे शिक्षा पाए हौ । ¹⁰माकेडोनिया भर सब भैयनके तुम नेहत्य प्रेम करत हौ । पर भैया औ, और जद्धा उइसी करत जाओ करके हम तुमके अर्ती-उपदेश देतहँए । ¹¹हम तुमके आज्ञा देत कता, तुम शान्त रहनके, अपन धन्धाको फिक्री करन और अपने हातसे काम करन कोसिस कारओ, ¹²ताकि बाहिर भए आदमीनसे आदर पान सिकौ, और कोइके भरमे मत पणओ । ¹³पर भैया औ, सोनबारेनके बारमे तुम अन्जान बैठओ करके हम इच्छा ना करत हँए, और तुम आशा ना होनबारे आदमी जैसो शोक करन ना पणए । ¹⁴काहेकी हम विश्वास करतहँए, कि येशू मरो और फिर जि उठो और उइसी परमेश्वर बामे सोनबारेनके येशूसे लाबैगो । ¹⁵प्रभुको वचनसे हम तुमके घोषणा करत हँए, कि हम जो जीवित हँए और प्रभुके आन तक बचिरहत हँए, सोनबारेनसे कोइ किसिमसे फिर अगु नाय बढ्गँ । ¹⁶काहेकी प्रभु स्वयम हुकुमको गर्जनसंग, प्रधान स्वर्गदूतको आवाज और परमेश्वरको तुरहीको सोरसंग स्वर्गसे उत्रैगो, और ख्रीष्टमे मरेभए त पहिले जि उठंगे । ¹⁷तव हम बाँचेभए और छुटेभए प्रभुके आकाशमे भेटन बिनके संगसंग बादरमे उठाए लएजए हँए, और अइसी हम सदा प्रभुसंग रहंगे । ¹⁸जहेमारे एक दुसरेके जे वचनसे सान्ति देओ ।

Chapter 5

¹पर भैया औ, समय और बेराके बारेमे तुमके कुछ लिखनके जरूरत ना हए। ²काहेकी तुम अपनए अच्छेसे जन्त हौ, प्रभुको दिन त रातमे चोर आत कता अबैगो। ³"जब आदमी "शान्ति और सुरक्षा" कहमंगे, तव गर्भवती बैयर बेथा लागो कता अचानक बिनके उपर विनाश आए लगेहए, और बे कोइ रितिसे नाबाँचपएहँए।"⁴पर भैया औ, तुम अन्धकारमे ना हौ,और बा दिन तुमके चोर जैसो चकित ना परे हए। ⁵काहेकी तुम सब ज्योतिके सन्तान और दिनके सन्तान हौ। हम रातके और अन्धकारके सन्तान ना हए। ⁶जहेमारे और कता हम ना सोमए, पर जागे बैठए, और सचेत होमए। ⁷काहेकी सोनबारे रातमे सोतहँए, और दारु पिके नशाहोनबारे रातए मे नशाहोतहँए।⁸पर हम त दिनके हँए बहेमारे हम सचेत होमए, और विश्वास और प्रेमको छातीको पाता और मुक्तिको आशाको टोप लगयँ।⁹काहेकी परमेश्वर हमके क्रोधके ताहिँ ना हए पर हमर प्रभु येशू ख्रीष्टसे मुक्ति पानके ताहिँ अगुसे चुनि हए। ¹⁰येशु हमर ताहिँ मरो, ताकि हम जागे वैठए और सोन बारे हम सब, बाके साथमे जि सकएँ।¹¹जहेमारे एक दुसरेके हौसला देओ, और एक दुसरेके बलियो बनान काम करए, जैसी तुम करत फिर हौ।¹²पर भैया रेव, हम तुमके आग्रहपुर्वक बिन्ती करत हँए, कि तुमरे बीचमे परिश्रम करन बारे, जो प्रभुमे अगुवा हँए और तुमके शिक्षा देतहँए, बिनके आदर करओ।¹³और बिनके कामके ताहिँ बिनके प्रेम साथ बहुत बणो आदर करओ।¹⁴भैया रेव, हम तुमके अर्ती देतहँए कि अल्लिनके शिक्षा देओ। हरेस खानबारेनके हिम्मत देओ। कमजोरनके मद्दत करओ। बे सबके सहनशीलता दिखओ।¹⁵याद राखओ, कोइ खराबीको बदलामे खराबी मत करओ, पर एक दुसरे और सबके संग सबदिन भलाइ करनके बिचार करओ।¹⁶सबदिन आनन्दित रहौ।¹⁷निरन्तर प्रार्थना करत रहौ।¹⁸सब परिस्थितिमे धन्यवाद देओ, काहेकी ख्रीष्ट येशूमे तुमरे ताहिँ परमेश्वरको इच्छा जहे हए।¹⁹पवित्र आत्माके मतनिभाओ।²⁰अगमवाणीके खराब मत ठानओ।²¹सब बातके जाँच करओ। जौन बात अच्छो हए बोमे पक्के बनेरहौ।²²सब किसिमको खराबीसे अलग बठओ।²³शान्तिको परमेश्वर अपनए पुरो रुपसे तुमके चोखो बनाबए, और तुमर सबय आत्मा, प्राण और शरीर हमए प्रभु येशू ख्रीष्टको आगमनमे पबित्र राखए।²⁴तुमके बुलान बारे विश्वासयोग्य हए, बा जा करैगो।²⁵भैया औ, हमर ताहिँ प्रार्थना करओ।²⁶सब भैयनके पवित्र चुम्बनसे अभिवादन करओ।²⁷मए तुमके प्रभूमे अनुरोध कर्त हौ कि जा चिट्ठि पढके सबए भैयनके सुनाए देओ।²⁸हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह तुमरमे रहाबए।

2 Thessalonians

Chapter 1

¹पावल, सिलास और तिमोथीसे, परमेश्वर हमर पिता और प्रभु येशू ख्रीष्टमे थेसलोनिकीनको मण्डलीनके: ²परमेश्वर पिता और प्रभु येशू ख्रीष्टसे तुमके अनुग्रह और शान्ति।³भैयओ, तुमरे ताहिँ परमेश्वरके सबदिन धन्यवाद देनके हम बाध्य हँए। जाके योग्य फिर हँए, कहेकी तुमरो विश्वास प्रशस्त करके बृद्धि हुइरहोहए, और एक-दुसरे प्रति तुमरो हरेकको प्रेम बढरहो हए।⁴जहेमारे तुम सब सतावट और तुम सहेरहे कष्टके बीचमे तुमरो स्थिरता और विश्वासके ताहिँ परमेश्वरको मण्डलीके बीचमे हम बहुत गर्व कर्तहँए।⁵परमेश्वरके धार्मिक इन्साफके साक्षी जहेहए, कि तुम परमेश्वरके राज्यकेयोग्य ठाहिरन सिकौ, जौनके ताहिँ तुम दुःख भोग रहेहौ।⁶परमेश्वर न्यौ कारन बारो हय, बा तुमके दुःख देनबारेनके दुःख देहए,⁷और तुम कष्ट पाएभएनके हमरसंग आराम देहए। जा तब हुइहए, जब प्रभु येशू अपन स्वर्गसे घट हुइहए।⁸परमेश्वरके नाए चिन्हन बारेऔर हमर प्रभु येशूको सुसमाचार नाए मान्नबरेन के बा दण्ड देहए।⁹बे अनन्त विनाशको दण्ड औ प्रभुको उपस्थिति और बाको शक्ति =को महिमासे अलग होनबारो दण्ड भोगेहए,¹⁰जब बो दिन बाके सन्तानमे महिमा पान और विश्वास कर्नबारेनके आश्चर्यचकित कर्न बो अबैगो, कहेकी तुमके दओ हमरे साक्षीमे तुम विश्वास करे।¹¹जा मारे हम तुमके सबके ताहिँ लगातार प्रार्थना फिर कर्तहए, कि हमर परमेश्वर तुमके अपन बोलावटको योग्य बनाबए, और हरेक अच्छो उद्देश्य और विश्वासके कामसे बाको शक्तिसे पूरो करदेबए,¹²ताकि हमए परमेश्वर और प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह अनुसार हमर प्रभु येशूको नाउँ तुमरमे महिमित होबए, और तुम बामे।

Chapter 2

¹भैया तुम, हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको आगमनके बारेमे और बाके भेटन हम एकसाथ इकट्ठा होनके बारेमे हम तुमसे बिन्ती कर्तहए, ²कि कोइ अगमवाणी और वचन औ कोइ पत्र प्रभुको दिन नजिक आओ हए करके बतामए तव, बे हमसे आए हँए करके तुमरो मन हल्दी नडगमगा -बए औ तुम मतघबणैओ।³कोइ फिर कोइ किसिमसे तुमके धोखा नाएदेबए। कहेकी पहिले विद्रोह नाए भए तक पापको आदमी, और सर्वनाशको लौणा प्रकट नाए भएतक बो दिन ⁴आबैगोनए। येशू ईश्वर कहो भव सब औ पूजे चीझनको बिरोध करेहए और बोसे अपनएके उचो बनाएहए, हियाँ ताकि अपनए परमेश्वर- रय घोषणा करेहए परमेश्वरको मन्दिरमे बा बैठैगो।⁵का तुमके याद नैयाँ, मए तुमरे संग रहत मए जा बात तुमसे कहो रहौ? ⁶येशू अपन समयमे प्रकट होबए करके कौन बात बाके हबए तक रोकेहए, जा तुम जन्तहौ। ⁷कहेकी अधर्मको रहस्य अगुसे काम कर रहोहए। हबए तक जौनबाके रोकरहो हए, बा नाएहटन तक बा रोकिरहए।⁸ तव बो पापको आदमी प्रकट हुइहए, जौनके प्रभु येशू अपन मुहुको साससे नाश करेहए, और बाको आगमनको प्रकाशसे बाके नाश करेहए। ⁹शैतानको काम बमोजिम पापको आदमी सारा शक्ति और छलपूर्ण चिन्ह और चमत्कारसहित, ¹⁰और नाश होनबारे छलमे पणन समस्त दुष्टतासहित अबैगो, कहेकी बे सत्यके प्रेम कर्न और उइसी बाँचन इन्कार करीं।¹¹जहेमारे बे झुटा बातमे विश्वास करए कर्के परमेश्वर बिनके उपर एक शक्तिशाली भ्रम पठाबैगो, ¹²ताकि सत्य उपर विश्वास नाएकरए, पर अधर्मिकतामे आनन्द मनानबारे सब दोषी ठहिरए।¹³प्रभु प्रेम करे भैयनके, तुमरे ताहिँ हम परमेश्वरमे सबदिन धन्यवाद चढनके बाध्य हए, कहेकी सुरुय से पवित्र आत्मासे पवित्र बनानबरो कामसे और सत्यता उपरको विश्वाससे बाँचनके ताहिँ परमेश्वर तुमके चुनिहए। ¹⁴जहेके ताहिँ हमर सुसमाचारसे हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको महिमा प्राप्त कर्न बा तुमके बुलाई हए। ¹⁵जहेमारे भैया ओ, मजबुत हुइके खणा होबओ, और चहु मुहुको वचनसे होबए, चहु हमर चिट्ठीसे होबए: तुम जो शिक्षा पाएहौ बिनके रोके -रखओ।¹⁶अब हमके प्रेम कर्नबारी और अनुग्रहसे अनन्तको सान्ति और उत्तम आशा देनबारी हमर पितासे, ¹⁷तुमरे हृदयके सान्ति देबए और हरेक अच्छो काम और वचनमे तुमके अटल कराबए।

Chapter 3

¹अन्तमे भैया रेव हमर ताहिँ प्रार्थना करओ, ताकि प्रभुको वचन जल्दीसे पुरो फैलए और बिजय होबए, जैसी तुमरे बीचमे भव फिर रहए, ²और हम दुष्ट औ परमेश्वारसे दुरभए आदमीनसे छुटकारा पान सीकएँ, काहेकी सबएसँग बीसवास नाए होतहए । ³पर प्रभु त बिश्वास योग्य हए। बो तुमके स्थिर करैगो और दुष्टसे सुरक्षित रखाबैगो। ⁴हम जौन बातके आज्ञा देतहए, बे तुम कर रहेहौ और करेहौ करके हम तुमरे बारेमे प्रभुमे भरोसा कर्तहए। ⁵प्रभु तुमके हृदयसे परमेश्वारको प्रेम और खीष्टको शान्तिघेन लैजाबए। ⁶अब भैया हमर प्रभु येशू खीष्टके नाउँमे हम तुमके आज्ञा देतहए, कि हमसे तुम पाओ भव शिक्षामे नाएचलनबारे सबय अल्छी भैयनसे अलग बैठओ। ⁷कहेकी तुम कैसे हमर अनुकरण कर्नपणैगो सो तुम अपनए जन्तहौ। हम तुमरेसंग रहत अल्छी हुइके बैठेनाए। ⁸हम कोइ कि रोटी सेतएमे खाएनाए। पर तुमके कोइके भार नाएहोबए करके हम रातदिन परिश्रमसाथ खटके काम करे। ⁹सहायता पान हमर हक नाएहुइके नायँ, पर हमर आचरण तुमरे ताहिँ एक अच्छो बनए, करके हम अइसे करे। ¹⁰तुमरे साथमे रहत हम तुमके जा आज्ञा दए रहए, “कोइ काम नाए कर्त हए तव बो नाए खाबए।” ¹¹कहेकी हम सुन्तहए, कि तुमर मैसे कितो अल्छी जीवन बितए रहेहए। बे अपनए त कोइ काम कर्त नैयँ पर औरनके काममे व्यर्थमे हात डार्तहए। ¹²अब अइसे आदमीनके प्रभु येशू खीष्टके नाउँमे हम आज्ञा और अर्ती देतहए, कि बे चुपचाप अपन काम करए और अपन जीवन चलामए। ¹³तुम त भैयओ भलाइ कर्नमे थकित मत होबओ। ¹⁴जा चिठीमे हमर कहिँ बातके अगर इन्कार करेहए तव, बो आदमीनके चिन्हरेखओ और बोकेसंग कोइ सम्बन्ध मतरखओ, और बो शर्ममे पणए। ¹⁵ताहुफिर बोके शत्रु जैसो मत मानिओ, पर भैया जैसो करके बोके चेताउनी देओ। ¹⁶अब शान्तिको प्रभु अपन सब समय, हरतरहसे तुमके शान्ति देबए। प्रभु तुमरे सबके संग रहबए। ¹⁷मए पावल, अपने हातसे जा अभिवादन लिखतहौ। मिर सब चिठीको चिन्ह जहे हए। ¹⁸हमर प्रभु येशू खीष्टको अनुग्रह तुमर सबके संग रहबए।

1 Timothy

Chapter 1

¹हमर मुक्तिदाता परमेश्वर और हमर आशा खीष्ट येशूको आज्ञा अनुसार खीष्ट येशूको प्रेरित पावलसे, ²बिश्वासमे मिर सच्चो बालक तिमोथीके: * परमेश्वर पिता और हमर प्रभु खीष्ट येशूसे अनुग्रह, कृपा और शान्ति मिलाए। ³मए माकेडोनिया जातपेति तुमसे कहो कता तुम एफिससमे बैठओ, और झुटा शिक्षा सिखान बारे आदमीनसे उइसो मत करौ कहिके कडा आज्ञा दैसकत हौ। ⁴नत बे कथा और ना निभटनबारी वंशावली घेन ना लागएँ, जौन विश्वाससे आनबारो परमेश्वरको योजनाके सहायता करनके सट्टा विवाद(लडाई) करबत हए। ⁵पर हमर आज्ञाको लक्ष्य प्रेम हए, जो शुद्ध हृदय, असल विवेक और निष्कपट विश्वाससे आतहए। ⁶कोइ-कोइ आदमी जे सबसे बराएके बिगरतुकी बातमे अलमलाए रहेहँए। ⁷बे व्यवस्थाके शिक्षक होनके इच्छा कर्तहँए, पर अपनए काहि बात अथवा अपनए किटान करके काहि बात अपनए बे ना बुझत हँए। ⁸हम जनत हँए कि अगर कोइ उचित रुपसे व्यवस्था पालन करेहए तौ व्यवस्था असल हए। ⁹हम जा फिर जन्तहँए कि व्यवस्था असल आदमीनके ताहिँ ना हए, पर व्यवस्था भग्न कर्नबारेके अनाज्ञाकारिताके ताहिँ भक्तिहीन और पापीनके, अपवित्र और दूषितनके, पितृघातनके ताहिँ, ज्यानमारा नके ताहिँ, ¹⁰व्यभिचारीनके ताहिँ, पुरुषगामीनके ताहिँ, अपहरणकारीनके ताहिँ, झुट बोलनबारेके ताहिँ, झुटी गवाही देनबारेके ताहिँ, और सत्य सिद्धान्तके बिरुद्धमे भए और अइसीयए बातनके ताहिँ हए। ¹¹जा मोके सुम्पो परमधन्य परमेश्वर महिमित सुसमाचार जैसो हए। ¹²मोके सामर्थ देनबारो खीष्ट येशू हमर प्रभूके मए धन्यवाद देतहौ, काहेकी अपन सेवामे नियुक्त करके बा मोके विश्वासयोग्य मानी। ¹³अगु मए निन्दा करनबारो, खेदो सतानबारो, और एक मारनबारो आदमी रहँ। पर मए जा अन्जान और विश्वासी ना होनके कारणसे मए कृपा पओ। ¹⁴खीष्ट येशूमे भव विश्वास और प्रेमके साथ मिर ताहिँ हमर प्रभुको अनुग्रह प्रशस्त मात्रामे उतारके आओ। ¹⁵जा वचन हरप्रकारसे ग्रहणयोग्य हए, कि पापीनके उध्दार करन येशू खीष्ट संसारमे आओ, और पापी मैसे मए सबसे मुख्य हँ। ¹⁶पर जहे कारणके ताहिँ मोके अगु दया करी ताकीअन्त जीवनके ताहिँ बा के उपर विश्वास करनबारेनके एक उदाहरनके रुपमे मए सबसे तुच्छ आदमीमे खीष्ट येशू अपन सारा धैर्यता प्रकट करन सिकए। ¹⁷अब युग-युगके राजा, अविनासी और अदृश्य एकमात्र परमेश्वरके आदर और महिमा सदासर्वदा होबए। आमेन। ¹⁸मेरो लौणा तिमोथी, मए तुमके जा आज्ञा देतहौ, कि तुमरो सम्बन्धमे अगु कहो अगमवाणी अनुसार बिनसे प्रेरण पाएके विश्वास और असल विवेक कायम करत तुम असल लडाई लडन सिकओ। ¹⁹विश्वास और स्वच्छ विवेक कायम करओ। कोइ- कोइ आदमी विवेकके इन्कार करके अपन विश्वासमे नष्ट भए हँए। ²⁰बिन मैसे हुमेनियस और अलेक्जेन्डर जैसे आदमीनके मए शैतानके हातमे सुम्पओ हौ, ताकी बिनके निन्दा करन ना पडत हए कहिके सिकँए।

Chapter 2

¹सबसे पहिले मए आग्रह कर्तहौं, कि सबए आदमीनके ताहिँ नम्र-निबेदन, प्रार्थना और मध्यस्थ- बिन्ती और धन्यवाद चढमए, ²राजा और सब उँचे पदमे भएनके ताहिँ फिर, ताकि हम निर्धक्क और शान्तिपूर्ण हुइके हरप्रकारसे धार्मिक और आदरणीय जीवन बितान सकाएँ । ³जा हमर मुक्तिदाता परमेश्वरको दृष्टिमे जा असल और ग्रहण योग्य हए । ⁴बा सब आदमी मुक्ति पामएँ और बे सत्यके ज्ञानमे आमएँ कहिके इच्छा कर्तहए । ⁵काहेकी परमेश्वर एकए हए, परमेश्वर और आदमीनके बीचमे मध्यस्थ फिर एकए हए-आदमी ख्रीष्ट येशू । ⁶बा सबके छुटकाराको मोलके ताहिँ अपनेके दैद ।, जो ठीक समयमे दैरहए । ⁷जाहे खातिर मए प्रचारक और प्रेरित नियुक्त भौ ।, मए सच मस्कत हौं; मए ना ठगत हौं । मए विश्वास और सत्यतामे औरजातनको शिक्षक हौं । ⁸जहेमारे सब ठाउँमे लोगनके पवित्र हात उठाएके बिनाक्रोध और बिनाविवाद प्रार्थना कराओ कहिके मए चाहत हौं । ⁹अइसी करके मए चाहतहौं, कि स्त्री सरलता और भद्रतासाथ सुहानबारी कपडा पैधएँ, बारको जद्धा सिंगार करके, सोनो, मोती और बहुमुल्य कपडा पैधके नाएँ, ¹⁰पर असल कामसे सुसज्जित होमए, जो परमेश्वरके भक्ति कर्नबारी बैयरनके सुहातहए । ¹¹एक बैयर सबए बात चुपचाप बैठके सिखएँ । ¹²पर बैयर लोगनके सिखानके और लोगनके उपर अधिकार जमान काममे मए अनुमति ना देतहौं, पर बे चुपचाप रहएँ । ¹³काहेकी आदम पहिले सृष्टि भौ रहए तवपिछु हव्वा । ¹⁴आदम ना छलो , पर बैयर त छलके अपराधमे फसी रहए । ¹⁵ताहुफिर अगर बे सुशिलतासाथ विश्वास, प्रेम और पवित्रतामे रहीरएहँए तव, बालक जन्मनपेति बे बचहँए ।

Chapter 3

¹जा कहाई भरोसा करन बारो हए, अगर कोइ आदमी आगुवाको काम कर्न चाहत हए बा अच्छो कामको इच्छा कर्तहए । ²जहेमारे बिशप त दोष ना होबए । और एक बैयरको पति, संयमी, समझदार, सम्मानित, पाहुनाकोसत्कार कर्नबारो, सिखान सकनबारो, ³मतवाला और दिक्कनबारो ना होबए पर बे बिनम्र, लाडई नाकर्नबारो, धनको लोभ नाकर्नबारो । ⁴अपन घर अक्षेसे चलानबारो और अपन लौणा लौणियाके आदरपुर्वक आज्ञापालन करन सिखानबारे बनाए । ⁵अगर कोइ आदमी अपन घरको तह लगन ना जन्त हए तव, बा परमेश्वरको मण्डलीके रेखदेख कैसे करपए हए ? ⁶बे नयाँ विश्वासी ना होमए, नत घमण्डसे फुलके बे दियाबलसके पानबारो दण्डमे पणेहएँ । ⁷फिर, बाहिरके दृष्टिमे फिर बे असल बनन् पडतहए । ताकी बे शर्ममे और दुष्टको फन्दामे ना पणएँ । ⁸उइसी करके डिकन फिर इज्जतदार होन पडतहए, दुईमुहा, जद्धा दारु पिनबारो और धनको लोभी ना होबए, ⁹पर बे विश्वासको सत्यताके सुध्द विवेकमे कायम करनबारे होन पडतहए । ¹⁰पहिले बिनको जाँच होबए तव फिर पच्छु बे सेवा करएँ काहेकी बिनकी बदनाम ना होन पणत हए । ¹¹बैयर फिर जहे अनुसार इज्जतदार होमएँ , दुसरेको चुगली कर्नबारीनाए, पर सब बातमे संयमी और विश्वासयोग्य होन पणतहए । ¹²डिकन एकए बैयरको लोगा होबए । अपन लौणा लौणियाके और अपन घरको प्रबन्ध आच्छेसे मिलान बारो होबए । ¹³काहेकी डिकनके कर्नबारो सेवा जौन बढियासे कर्तहएँ बे अपन-अपन ताहिँ इज्जत और ख्रीष्ट येशूमे भव विश्वासमे बाणो भरोसा पातहएँ । ¹⁴मए तुमसे जे बात लिखतहौँ और तुमरे ठिन जल्दी आनके आशा करत हौँ । ¹⁵और अगर मए देर कारो कहेस परमेश्वरको घराना जो जिन्दा परमेश्वरको मण्डली, सत्यताको खम्बा और आण हए, बो सही डगरमे निगान पणत हए तुम जाने रहऔ जहे इच्छासे मए तुमके लिखतहौँ । ¹⁶और सँगए हम, सहमत होतहएँ , "कि हमर विश्वासको सत्यता इत्तो महान हए: बो अपनए शरीरमे प्रकट भव रहए, पवित्र आत्मासे धर्मी ठहिरो रहए, स्वर्गदुतसे देखानो रहए, जाति-जातिनके बीचमे प्रचारो रहए, संसारमे विश्वास करी", और "महिमामे उचालोगौ ।"

Chapter 4

¹अभय पवित्र आत्मा प्रष्ट कहतहए, कि पिछु आनबारे समयमे छली आत्मा और भुतप्रेतके शिक्षाघेन मन लगाएहए तव कोई अदमी विश्वाससे हटजए हँए। ²ठगन बारे ध्यान देहँए। बिनकि अपनी विवेक तत्तो लोहोको चठा लागो हानि हुइजातहए। ³बे बेहा करन मनाही करतहँए। विश्वास करनबारे और सत्यके जानन्बारे धन्यवादके साथ ग्रहण करनबारे परमेश्वरसे सिर्जो भौ भोजनसे अलग बैठन आदेश देतहँए। ⁴काहेकी परमेश्वरसे सृष्टि करोभौ सबए चीज असल हए। और धन्यवाद साथ लैभइ कोई चीज फिर इन्कार ना करन पड्त् हए। ⁵काहेकी बा परमेश्वरको वचन और प्रार्थनासे चोखो बान्तहए। ⁶अगर तुम तुमरे भैयाके सामने बात धरदेहौ तव तुम अनुसरण करो असल सिध्दान्त और विश्वासको वचनमे तगणे हुइके तुम ख्रीष्ट येशूको अच्छे सेवक हुइहौ। ⁷भक्तिहीन और अर्थहीन कहानीसे एकदम अलग बैठओ। बरु अपनएके भक्तिमे तालीम देओ। ⁸काहेकी शारीरिक तालीम कुछदिनके ताहिँ ठीक होतहए, पर ईश्वरभक्तिचाहिँ हरप्रकारसे फाइदा करन बारो होतहए, काहेकी जा मे बर्तमान और भविष्यतजीवन दोनएके ताहिँ प्रतिज्ञा हए। ⁹जा कहाई नेहत्व और सबए घेनसे अपनानयोग्य हए ¹⁰काहेकी जा उदेश्यसे हम मेहेनत और अगटो काम कर्तहँए। काहेकी हमर आशा जिन्दा परमेश्वरमे हए, जो सब आदमीके, खास करके बाके उपर विश्वास करनबारेनको मुक्तिदाता हए। ¹¹जे बातको बताओ, और सिकाओ। ¹²जवान हौ कहनएमे कोइ तुमके तुच्छ नामनए, पर विश्वासीनके ताँही बोलीवचन, आचरण, और प्रेममे, विश्वासमे और शुध्दतामे तुम एक उदाहरण बनओ। ¹³मए ना आन तक धर्मशास्त्र पढ्के सुनानमे, प्रचार करनमे और शिक्षा देनमे ध्यान देओ। ¹⁴तुमरमे हए बो बरदानके खिल्ली मत उणाबौ, जौन वरदान एल्डर अपन हात तुमरे उपर धरके अगमबाणीसे तुमके दैरहए। ¹⁵जे बातमे ध्यान करौ | बिनमे लागे रहबाओ, ताकि तुमर प्रगति सब देखए। ¹⁶अपन बारेमे और अपन शिक्षाके बारेमे होशियारीसे ध्यान देबौ | जे बातमे लागे रहबाओ | अइसो करनसे तुम अपनएके और सुनन् बारेके समेत बचाबैगे।

Chapter 5

¹बुढ़े आदमीनके मतहबकओ, पर बिनके दौवा जैसो मानके सम्झओ ।अपनेसे छोटैनके भैया समान व्यवहार करके समझौँ । ²वृद्धा बैयरसे अइया कता जवान लौणियानसे सम्पूर्ण पवित्रसाथ बहिनिया समान व्यवहारसे समझौँ । ³जो नेहत्व विधुवा हँए, बिनके आदर करओ । ⁴कोइ विधुवाके लौणा- लौणिया अथवा नतिया-नतनिया हँए तव, बिनके पहिले अपन परिवार घेन अपनो धार्मिक कर्तव्य पालन कर्न सिखएँ ।, और अपन माता-पिताके उपकारको ऋण चुकन सिखएँ, काहेकी जा परमेश्वरके खुसी करन बारी बात हए । ⁵पर जो नेहत्व विधुवा हए, और बिनको कोइ नैयाँ तव, बे परमेश्वरमे आशा करतहँए । और रातदिन नम्र-निवेदान और प्रार्थनामे लागिरहतहँए । ⁶तव अगर बे सुख-विलासमे मस्त रहतहँए तव बे जीवित हँए ताहुफिर मरे बराबर हँए । ⁷बिनके जा बातको आज्ञा देओ, ताकि बे बिद्वोरोही ना होमएँ । ⁸अगर कोइ नातेदारनको और विशेष करके अपन परिवारको पालनपोषण ना कर्तहए तव बा विश्वासको इन्कार कर्तहए, और विश्वास ना करन बारेसे फिर खराब होतहए । ⁹साठी वर्षसे उपरकी विधवा, जौनको एक चोटि मात्र बेहा भव हए, बिनके मात्र बिधवा- सूचीमे धरओ । ¹⁰संगए बे असल काम करी होबए, लौणा-लौणियनके हुकाई भै, परदेशीनको सत्कार करी भै, सन्तनको टाँग धोई भै, दुःखीनको उपकार करी भै, और जौन फिर असल काममे ध्यान दै हुईके साबित करी होन पड़तहए । ¹¹पर कम उमेरकी विधवानके नाउँ त बिधवा-सूचीमे मतलिखओ, काहेकी जब बिनको काम-वासना बिनके खीष्टसे दुर लैजए हए, तव बे बिवाह करन इच्छा कर्तहएँ । ¹²अइसे अपनो पहिलो वाचा भंग करेके कारन बे दण्डमे पड़ेहएँ । ¹³जहेमारे बे घर-घर घुमके अल्छी इकल्लो नाए कि बातकटन बारी, दुसरेको काममे हात डरनबारी, ना मास्कन बारी बात मास्कत होतहँए । ¹⁴जहेमारे कम उमेरकी बिधवा बिवाह करएँ, लौणा लौणिया जन्माएँ, घरबार समरएँ, और बिरोधीनके हमर बदनाम करन मौका ना देमएँ कहिके मए चाहत हौँ, ¹⁵कोइ-कोइ त अगुसे शैतान घेनगए हएँ । ¹⁶अगर कोई विश्वासी बैयरसँग बिधवा हए तव बे बिनके सहयोग करएँ, और मण्डली त बिधवानके सहेता देन सिकए । ¹⁷मण्डलीको असल देखरेख कर्नबारी एल्डर दोबर आदरको योग्य होतहए, बिशेष करके, जौन वचनको प्रचार और शिक्षामे परिश्रम कर्तहए । ¹⁸"काहेकी पवित्र धर्मशास्त्र कहतहए, "पैरीगहन बारे बर्धनके मोखी मतलगओ," और "परिश्रम कर्नबारी अपन कामको ज्याला पानपड़तहए ।" ¹⁹दुई अथवा तीन साक्षीको गवाहीबाहेक एल्डरके बिरुद्धमे लगओ आरोप कबहू स्वीकार मतकरीओ । ²⁰पापमे लागिरहन बारेनके सबके सामने हप्कओ, और अइसी और फिर डरमएँ । ²¹परमेश्वर और खीष्ट येशूके आगु और चुने भए स्वर्गदुतके आगु मए तुमके कडा आज्ञा देतहौ, कोइ भेदभव और कोइ पक्षपात ना करके जे सब नियम तुम पालन करओ । ²²कोइके उपर हात धर्न बारी काममे हतार मतकरीओ । औरको पापमे सहभागी ना होबओ । तुम अपनएके पवित्र रखाबओ । ²³अगु जैसो पानी इकल्लो खाए मतकरिओ, पर तुमर पेटके ताहिँ और घरीघरी बिमारीके मारे थोरी-थोरी दाखमध पिलिओ । ²⁴कोइ-कोइ आदमीके पाप त सिधे इन्साफमे पुगतहएँ, पर और कित्तो पाप त पिछु इकल्लो दिखत हएँ । ²⁵अइसी करके असल काम त प्रत्यक्ष हएँ, और जो प्रत्यक्ष नैयाँ, बे फिर गुप्तमे रहेना पएँहएँ ।

Chapter 6

¹दासत्वके जुवातरे होन सबके अपन-अपन मालिकके पुरा सम्मानके योग्य मनाएँ, ताकि परमेश्वरको नाउँ और हमर शिक्षाको बदनामी ना होबए । ²विश्वास करनबारो मालिकको नोकर बिनके ददाभैया कहनए मे अनादर ना करन पडत् हए, बरु बे बिनके और जद्धा सेवा करन पडत् हए । ³अगर कोई और सिध्दान्त सिखतहएँ और हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको उचित वचन और ईश्वर भक्ति अनुसारको शिक्षासंग सहमत ना हए तव, ⁴बा घमण्डसे फुलो होतहए, और बा कुछ जन्त ना हए । बा व्यर्थको बात-चित कर्तहए, और एक-एक शब्द लैके लड्डि कर्न दुणतहए । जे बात दिक, कलह, बदनमी और खराब शंका उत्पन्न करातहएँ । ⁵और बुद्धि भ्रष्ट भए और सत्यसे अलग भए आदमीके अगु कचिंगल उठात् हँए, और भक्ति ता फाइदा उठानको उपाए हए कहिके बे मानत् हँए । ⁶सन्तुष्टि सहितको भक्ति बडो लाभ हए । ⁷काहेकि हम ना जा संसारमे कछु लाए हँए, ना हियाँसे कछु लैजाए सकंगे । ⁸पर खान और लगान सम हए कहेसे हम बहेमे सन्तुष्टि होमएँ । ⁹पर धनी होन इच्छा करनबारे परिक्षामे पाडत् हँए, पासो मे फसत् हँए और गजब अर्थहीन और दुःखदायी इच्छामे डुबत हँए, जौन आदमीनको बर्बादी और सर्बनास मे डुबात हए । ¹⁰काहेकी रुपैयापैसाको लालच करनो सब किसिमको खराबी को जर् हए । पैसाको लोभमे पड्के कुडकुई विश्वाससे खराब डगर लागे हँए, और गजब दुःख से बिनको हृदय छटपटात हए । ¹¹पर परमेश्वरके जन तुम जे सब बात त्यागव, और धार्मिकता, भक्ति, विश्वास, प्रेम, स्थिरता और नम्रताको लक्ष्य धरओ । ¹²विश्वासको उत्तम लडाई लडओ । अनन्त जीवन पक्रे रहाबओ । जहेमे तुमरो बोलावट भव रहए, जब तुम गजब साक्षीनके उपस्थितिमे तुमर विश्वासको असल गवाही दै रहए । ¹³सब थोकके जीवन देनवालो परमेश्वर और पन्तियस पिलातसके अगु गवाही देनवालो ख्रीष्ट येशूके अगु, ¹⁴मए तुमके आदेस देतहौ, कि प्रभु येशू ख्रीष्ट देखा ना पणन तक जा आज्ञाके कलंक और अपवादसे अलग धर । ¹⁵तव धन्य और सर्वोच्च, राजौके राजा, प्रभुके प्रभु ठिक समयमे ख्रीष्टको आगमनके प्रकट करैगो । ¹⁶बा अमर हए, और बो ज्योतिमे राहत हए जौनक् डिगई कोई जाए ना पतहए बाके कोई आदमी कभी ना देखो हए ना देख पएहए । बहेको आदर और पराक्रम सदासर्वदा होबए । आमेन । ¹⁷जा संसारके धनीके घमण्डी ना होन् आज्ञा देओ, और अनिश्चित सम्पत्तिमे ना बल्कि हमके सब थोक प्रसस्तसंग उपभोक् करन् देनवारो परमेश्वर उपर बे आशा धरएँ । ¹⁸बे असल काम करयाँ, और असल काममे धनी, सहयोगी भाबना और दानि होमएँ । ¹⁹अइसी अपने ताहीं भविष्य कि असल जग बैठर सिकएँ, ताकी बे बा जीवन पकणी रहमए जो नेहत्व जीवन हए । ²⁰तिमोथी, जो तोके सुपोगव हए बो चिज अच्छेसे धर । मुख जैसो गनगन और बिरोधी जैसो खण्डन जो झुटो ज्ञान हए, बिनसे अलग रहओ । ²¹जे बातके पिच्छु लक्के किन्तो जनै अपन विश्वास को लक्ष्यसे दुर हँए । तिर संग अनुग्रह रहबए ।

2 Timothy

Chapter 1

¹ख्रीष्ट येशूमे भए जीवनको प्रतिज्ञा अनुसार परमेश्वरको इच्छयसे ख्रीष्ट येशूको प्रेरित पावलसे, ²मिर प्यारे बालक, तिमोथीके: परमेश्वर पिता और हमर प्रभु ख्रीष्ट येशूसे अनुग्रह, कृपा और शान्ति । ³जब मए तुमके निरन्तर अपन प्रार्थनामे सम्झत हँए, मए परमेश्वरके धन्यवाद देत हँए, जौनको सेवा मिर पिता पुर्खा करे जैसो मए शुद्ध विवेकसे कर्त हौ । ⁴तिर आँशु सम्झत् रातदिन तोसे भेटन मेरो उत्कट इच्छा होतहए, और मए आनन्दसे भरन सकौँ । ⁵मोके तुम्हर निष्कपट विश्वासको सम्झना होतहए । बो विश्वास, जो पहिले तुमरी दादी लोइसमे रहए, और तुमरी अइया युनिसमे तव मोके निश्चित हए, बो विश्वास तुमर मे फिर हए । ⁶जहेमारे मए तुमके याद करबात हँए, कि मए तुमर उपर हात धरके तुम मिलो भौ परमेश्वरको वरदानके चम्काए राखओ । ⁷काहेकी परमेश्वर हमके डरको आत्मा नाए, पर शक्ति, प्रेम और आत्मासंयमको आत्मा दैहए । ⁸जहेमारे हमर प्रभुको गवाही देन शर्म मतमनओ, मए, बाको एक कैदी हौ,, पर परमेश्वरको शक्तिमे सुसमाचारके ताहिँ दुःख भोगनमे तुम सहभागी होबओ । ⁹बा हमके उध्दार करी रहए, और एकए पवित्र बोलावटसे बुलाई रहए । हमर कामके आधरमे ना, पर बाको अपन इच्छा और अनुग्रहके आधरमे हए, जो बा ख्रीष्ट येशूमे युग-युग अगुसे हमके दै रहए । ¹⁰जौन अनुग्रह अब हमर मुक्तिदाता ख्रीष्ट येशूको आगमनसे प्रकट करी हए । जौन मृत्युके नाश करीरहए, सुसमाचारसे कबहु नष्ट नहोन बारो जीवन लातहए । ¹¹जहे सुसमाचारके ताहिँ मए एक प्रचारक, प्रेरित और शिक्षक नियुक्त भव हँए । ¹²जहेमारे मए जा बात भोगी फिर हँए । पर मए ना शर्मति हँए, काहेकी मए कौन उपर विश्वास धरे हँए सो मए जनत हँए, और मोएँ बिश्वास हए, जौन चिज मए बाके सुम्पो हँए, बा चिज बोअन्त के दिनसम्म सुरक्षित धरन बारो हए । ¹³ख्रीष्ट येशूमे भव विश्वास और प्रेममे तुम मोसे सुने सच्ची बातको आज्ञाके अपनाबौ । ¹⁴तुमके जिम्मा लागओ सत्य हमरमे वास करन बारो पवित्र आत्मासे सुरक्षित राखए । ¹⁵एशियामे होनबारे सबए मोसे बाराने तुमके पतए हए, बे मैसे फुगेल्स और हर्मोगेनस पणत् हए । ¹⁶प्रभु ओनेसिफरसके घरानाके कृपा करए, काहेकी बे मोके बहुत हौसला दै रहँए, और मिर साँकरको शर्म ना मनत रहए, ¹⁷पर बे रोममे आएके पिच्छु बहुत दुणके मोके भिताने । ¹⁸प्रभुके दिनमे बिनके प्रभु कृपा करए और तुमके अच्छेसे पता हए, एफिससमे बे मिर पुरा मदत करी रहँए ।

Chapter 2

¹जहेमारे तुम, मेरे बालक, ख्रीष्ट येशूमे भव अनुग्रहमे तागड़े होब। ²बहुत जनै साक्षीनके उपस्थितिमे तुम मोसे जो बात सुने हो, बे औरनके फिर सिखान सकन बारे बिश्वासयोग्य आदमीनके सौप देओ। ³ख्रीष्ट येशूक असल सिपाही कतामिरसँग दुःख भोगो। ⁴सेनामे भर्ना भव सिपाही और काम ना करत हए, काहेकी वो अपन हाकिमके खुसी रखाए कबाए। ⁵प्रतियोगितामे नियमबमोजिम भाग ना लेन तक कोइ खेलाडी फिर इनाम ना पए हए। ⁶परिश्रम करन बारो किसान बालीक पहिलो हिस्सा(भाग) पान पड़त हए। ⁷मिर कही बातमे विचार करओ, काहेकी हर बातमे प्रभु तुमके सम्झम बालो ज्ञान देबैगो। ⁸मेरे से जीन्दा भव दाऊद वंशको येशू ख्रीष्टके सम्झना करओ, मए प्रचार करो सुसमाचार जहे हए। ⁹जौन बातके ताँहि मएँ दोसी जैसो बन्धनमे पणनतक कष्ट भोगो। और परमेश्वरको बचन बन्धनमे ना पणो हए। ¹⁰जहेमारे चुनेनके ताँहि मएँ हरेक बात साहत् हौं, ताकि बे फिर अनन्त महिमा साहिच् ख्रीष्ट येशूमे भव मुक्ति प्राप्त कर पामए। ¹¹जा कहाई पक्कि हए, अगर हम बाके संग मरहँए तओ, हम फिर बाके संग जिमंगे, ¹²हम सहुंगे तओ, हम फिर बाके संग राज्य करंगे, हम बाके इन्कार करंगे तओ, बा फिर हमके इन्कार करहए, ¹³हम अविश्वासी हँए तओ, बा विश्वासयोग्य रहबैगो, काहेकी बा अपनएके इन्कार ना कर हए। ¹⁴जा बात बिनके घरीघरि सम्झए देओ, और प्रभुके अगुआ आजा देओ, कि बे शब्दके बारेमे बातचित ना करएँ जौन भलाइ कर्त न, पर केवल सुननबारेके नुक्सान पुगातहए। ¹⁵शर्मान ना पणए और सत्यको वचनके ठीकसे प्रयोग करन बारे कामदार जैसे अपना अपनएके परमेश्वरमे ग्रहणयोग्य बानन भरमगदुर प्रयत्न करओ। ¹⁶भक्तिहीन बात त्यागओ, काहेकी जा से आदमीनके और जद्धा बिनाभक्ति घेन लए जए हए। ¹⁷बिनको बातचित सणौँ घाउ हानि फैलत जात हए। बिन मैसे हुमेनियस और फिलेतस हँए। ¹⁸पुनरुत्थान अगु हुइगओ हए करके जे सत्यसे तर्क हँए, किन्तो जनैनको विश्वासके त जे खलबलाए रहेहँए। ¹⁹"पर परमेश्वरको दृढ जग खड्ग रहगतहए, और बा मे जा छाप लागो हए, "प्रभु अपन जातिके चिन्तहए," और "प्रभुको नाउँ लेन बारे जित्तो अधर्मसे दुरए रहबएँ।" ²⁰बणो घरमे सोनो और चाँदीके बरतन इक्ल्लो ना होतहँए, पर कट्ठा और मट्टीके फिर बारतन होतहँए, कोइ आदर और कोइ अनादरके ताहिँ प्रयोग होतहँए। ²¹जो चिज अनादरके हँए, अगर कोइ बासे अपनएके शुद्ध करैगो तओ, बा आदरको कामके ताहिँ एक पात्र बनैगो, और घरको मालिकके ताहिँ चोखो, उपयोगी, और कोइ असल कामके ताहिँ तयार रहएहए। ²²जहेमारे जवानीके अभिलाषा त्यागओ, और शुद्ध हृदयसे प्रभुको नाउँ लेनेके संगसंग धार्मिकता, विश्वास, प्रेम और शान्तिको लक्ष्य राखओ। ²³पर मुख और बेसमझको सवाल जवाफके इन्कार करओ -तुम जान्त हो जिनसे लाडई होतहए। ²⁴परमेश्वरको सेवकके लणन्का होन ना पड़त हए, पर बे सब के ताहिँ दयालु, योग्य शिक्षक, सहनशिलत होनपड़त हए। ²⁵और नम्रता साथ अपन विरोधीनके सुधार्न बारो होन पड़त हए, और शायद परमेश्वर बिनके पश्चात्ताप करन, सत्यताके बुझन ज्ञान देतहए। ²⁶और बे चेतना पाएके दियाबलसके फन्दासे उमकंगे, जौन बिनके बाको इच्छाअनुसार चलनके कैदी बनाए हए।

Chapter 3

¹पर जा याद करओ, कि आखिरी दिनमे डरलागन बारो समय अबैगो । ²काहेकी आदमी अपनए इकल्ले माया करन् बारे, रुपैया पैसाको लालच करन बारे, घमण्डी, ढिट, औरको बदनाम करन बारे, अइया-दौवाको आज्ञापालन ना करन बारे, बिना गुन भए और अपवित्र, ³स्वाभाविक प्रेमनभएके, खुशी ना कर पनबारे, औरको बिजरो करन बारे, दुरचारी, क्रूर, अच्छी बातके घिणना करन बारे, ⁴विश्वासघाती, उताउला, अहंकारसे फुले, परमेश्वरसे जद्धा सुख-विलासके प्रेम करन बारे, ⁵भक्तिको भेष लेनो, पर बाको शक्तिके इन्कार करन बारे होमंगे । अइसे आदमीनसे अलगए बैठओ । ⁶काहेकी बिन मैसे कोइ-कोइ घर-घर घुसके पापसे थिचरे और बिभिन्न पापके कब्जामे पणे कमजोर बैयरनके अपन अधीनमे करत हँए । ⁷जौन बैयर सिखन त सदामान सिखत हँए, पर सत्यको ज्ञानमे कबहु आए ना पात हँए । ⁸जैसे यान्नेस और याम्ब्रेस मोशाको विरोधमे खडा भएहँए, आइसीयए जे झुठे शिक्षक सत्यके विरुद्धमे खडा होतहँए । बिनकी मन भ्रष्ट हुईगईहए, औ बे विश्वासके इन्कार कर्त हँए, ⁹पर बे अदमीऔर जद्धा ना टिकंगे, काहेकी बे दुई आदमीको जैसो बिनको मुखता सबए के ठिन प्रकट हुइहए । ¹⁰अब त तुम मिर शिक्षा, मिर बानी, मिरजीवनको लक्ष्य, मिर विश्वास, मिर धैर्य, मिर प्रेम, मिर स्थिरता, सहनशक्ति, ¹¹मिर सतावटके और मिर कष्टनके एन्टिओखियामे, आइकोनियामे और लुस्त्रामे मिर उपर का पणन आओ और कैसे-कैसे सतावट सहो, ताहु फिर बे सबएसे प्रभु मोके बचाई । ¹²ख्रीष्ट येशूमे भक्तिसाथ जीवन बितानके इच्छा करन बारे आदमी सतावटमे पणत हँए । ¹³पर दुष्ट आदमी और ठगान बारे और खराब होत जयहँए, बे दुस्रेक दिमाक खराब करहँए और अपन फिर औरनसे दिमाक खराब करबैहँए । ¹⁴पर तुम त अपनए सिके और दृढसंग विश्वास करे जे बातमे लागेरहौ । बे कौनसे सिकेहौ, सो तुम अपनए जान्त हौ । ¹⁵तुम बालक काल से पवित्र-धर्मशास्त्रसंग परिचित हौ, जौन ख्रीष्ट येशूमे भव विश्वाससे मुक्तिके ताहिँ तुमके बुद्धिमान बनाए सकत हए । ¹⁶सबए पवित्र-शास्त्र परमेश्वरको प्रेरणासे भव हए, और जा सिकानके, अर्त्ति देनके, सच्यानके, धार्मिकतामे तालिम देनके ताँही लाभदायक होतहए, ¹⁷ताकि परमेश्वरको जन हरेक आच्छो काममे पूर्ण रुपसे उत्साहित हुइके शुद्ध होबए ।

Chapter 4

¹परमेश्वरके सामने और जिन्दा और मरेनको इन्साफ करन आनबारी खीष्ट येशूके सामने, और बाको आगमन और राज्यके ध्यानमे धरके मए तुमके कडा आज्ञा देत हैं: ²वचन प्रचार करओ, सजिलो और असजिलो दुनए बखतमे तत्पर बैठओ। सबए किसिमको धैर्यमे और शिक्षासे सुधारी, दरपऔ और उपदेश देओ। ³काहेकी अइसो समय आए रहोहए, जब बे ठीक शिक्षाके ना सहान बारे होमंगे। पर अपनएऔर के मन पणि बात इकल्लो सुनन चाहंगे, और अपन रुचीअनुसार शिक्षा देन बलो शिक्षकसे घिरङ्गे। ⁴और सत्य बात सुननसे बारए जए हँए, कहानी घेन घुमके चले जए हँए। ⁵पर तुम दरिलो होबौ, कष्ट भोगओ, प्रचारको काम करओ, अपन सेवा पुरा करओ। ⁶काहेकी, मए त पुजनाके रुपमे अर्पण होन लागो हौ, और बिदाइको बेरा आइ गओ हए। ⁷मए उत्तम लणई लणो हँ। मए दौड सकाए डारो हँ। मए विश्वासके बचाए रहो हौ। ⁸मिर ताहिँ धार्मिकताको मुकुट धरोहए, जो धार्मिकताको न्यायधीश प्रभु बा दिन मोके देबैगो, और मोके इकल्लो नाए, पर बाको पुनरागमनके प्रिय मानन् बारे सबके देबैगो। ⁹मेरे ठिन आनके भरसक कोसिस करओ। ¹⁰काहेकी डेमास जा वर्तमान संसारके प्रेम करी मोके त्यागके बा थेस्लोनिकेमे गओ हए। क्रेसेन्स गलातियामे गव हँए, और तीतस त दलमातियामे। ¹¹लुका इकल्लो मिर संग हए। मर्कूसके दुणके तुमरे संगए लाबओ, काहेकी बा मिर सेवा करनमे खुबए जुगणी हए। ¹²पर तुखिकसके मए एफिससमे पाठओ हँ। ¹³त्रोआसमे कार्पस ठिन मए छुडो पिछौडा और किताबनके विशेष करके चर्मपत्रनके तुम आबौ तौ तुमरे संग लैके आओ। ¹⁴तमौटे अलेक्जेंडर मोके बहुतए खराबी करी। प्रभु बाके बाको कामअनुसार बदला देबैगो। ¹⁵बासे तुम फिर होशियार बैठओ, काहेकी बा हमर प्रचारको घोर विरोध करी। ¹⁶मिर पहिलो प्रतिवादमे कोइ मिर पक्ष लै ना, पर सब मोके त्यागी जा बातको दोष बिनके ना लागए। ¹⁷पर सब अन्यजाति सुन सकएँ कहिके प्रभु मेरे सँगमे खणा भव, और सबए रुपसे वचनको धोषणा करन मोके शक्ति दे। और मए बघटाको मुहूसे छुटकारा पओ। ¹⁸प्रभु मोके सब खराबीसे जुगाई हए, और बाको स्वर्गीय राज्यके ताहिँ मोके उध्दार करैगो। बाके सदासर्वदा महिमा होबए। आमेन। ¹⁹प्रिस्कीला और अकिलासके और ओनेसिफरसके घरानाके अभिवादन कहिदिओ। ²⁰इरास्तस कोरिन्थमे बैठो, पर त्रोफिमसके त मए मिलेटसमे बेमारी हालतमे छोणो। ²¹हिउँतसे अगु आनके भरसक कोसिस करओ। युबुलस तुमके अभिवादन पठाइ हए, और पुडेस, लिनस, क्लौडिया और सब भैया फिर। ²²प्रभु तुमर आत्मा संग रहबए। तुमरसंग अनुग्रह रहबए।

Titus

Chapter 1

¹परमेश्वरके सेवक और येशू खीष्टके प्रेरित पावल परमेश्वरसे चुनेभए आदमीनको विश्वासके सुरुवात करन और सत्यताको ज्ञानके सुरु करन जौन भक्तिसे सहमत होतहए। ²अनन्त जीवनको बादामे, सत्य परमेश्वर समयके सबए युगसे पहिले प्रतिज्ञा करीहए। ³ठिक समयमे हमर मुक्तिदाता परमेश्वरको आदेशजैसो मोके प्रचार करन सौँपोभौ सन्देशसे बा अपन वचन प्रस्ट करी। ⁴एकए विश्वासमे भौ मिर सौँचो बालका तीतसके परमेश्वर पिता और हमर मुक्तिदाता येशू खीष्टसे अनुग्रह औ शान्ति। ⁵तुम जो चिज अभेतक पुरा ना भव हएँ बाकी व्यवस्था करौ और मएँ तुमके बताओ जैसो सबए सहरमे एल्डर बनौँओ कहिके मएँ तुमके क्रेटमे छोड़ो। ⁶एल्डर पवित्र, एकए बैयरको लोग, 6 एल्डर एक बैयरको लोग और दोषरहित और अइसो आदमी होबए, जौनक लौणा-लौणिया विश्वासी होमए, और चरित्रहिन और अनाज्ञाकारी नाए होमए। ⁷काहेकी परमेश्वरको कारिन्दा भव के करण बिशपचाहिँ दोषरहित और होन पणत हए। बे हठी और झट दिकन बारे नाए होमए, और मतवाला, और झगडालु और धनको लोभी नाए होन पणत् हएँ पर पाहुना सेवा करनबारे भलाईको प्रेमी, अपनएके वशमे धरन बारे, इमान्दार, पवित्र और संगमी होन पडत् हए। ⁸बिनके सिखओ विश्वासयोग्य वचनमे बे बलियो हुइके बैठन पडत् हए, ताकि बिनको पक्का सिध्दान्तअनुसार शिक्षा देन सिकओ और बे बातको खण्डन करके झुटा साबित करन सिखँए। ⁹काहेकी बहुत आदमी औरके अधीनमे ना बैठन बारे, बकवादी और छली होतहएँ, और बिपेश करके खातनाबाले त अइसी होतहएँ, ¹⁰यिनको मुख बन्द करन पणैगो, काहेकी बे निजि लाभके ताहिँ सारा परिवारके खलबल्याए देतहएँ। अइसो शिक्षा बिनके ना देन रहए। ¹¹बे मैसे एक जने बिनके अगमवक्ता कहि रहए, "क्रेटके आदमी सबदिन झुट बोलनबारे, दुष्ट जनवार और अलछी घिचुवा हँए।" ¹²जा गवाही सच्यो हए। जहेमारे बिनके करेसे हप्काओ, ताकि बे विश्वासमे पक्का होमए, ¹³और सत्यताके इन्कार करके आदमीनके आज्ञा और यहूदी दन्त्यकथामे ध्यान मत लगओ। ¹⁴सुध्दनके सब चीज सुध्द हए, पर असुध्द और अविश्वासनके चाहिँ कोइ बात फिर सुध्द नैयौँ, पर बिनको मन और विवेक समेत भ्रष्ट भव हए। ¹⁵तुम परमेश्वरके चिने हँ करके कहन त कहत् हौ, पर बे अपन कामसे बोके इन्कार करत् हौ। बे घिणना और अनाज्ञाकारी हँए, और कोइ फिर असल कामको ताहिँ योग्यके होतए नैयौँ।

Chapter 2

¹तुम चाहिँ जो पक्का धर्मीक-सिद्धान्त सुहन बारो हए बहे सिखओ। ²बुठे आदमीनके संगमी, गम्भीर, समझदार, विश्वासमे पक्का, प्रेम और धर्यमा पक्के होन सिखओ। ³ऐसी करके बुढिया बतोरी नाए, सदामान अपनेके इज्जतदार बनान पडत हए। बिनके दारु पित ना रहन पडत हए। ⁵बिनके जबान बैयरके बिनको सोचमे प्रेम करन हौसला देन, समझदार होन, ⁴शुद्ध, अच्छेसे घर सम्हारन बालि और बिनको लोगाके आज्ञा पालन करन, जो अच्छो हए बहे सखान पडत हए, ताकि परमेश्वरको वचनको खिल्ली ना उणाएँ। ⁷⁶ऐसी करके जबान आदमीनके फिर आत्मसंयमी होनके अर्ती देओ। सब बातमे असल कामको नमुना हुइके तुम अपनएके दिखओ, और तुमर शिक्षामे इमानदारी गम्भीरता, शुद्ध ⁸और कोइको निन्दा ना करन ठीक बोली होबए, ताकि हमर बिरुद्धमे खराब बोल्न बारी बात कुछ ना हुइके हमर विरोधी शर्ममे पड़ए। ⁹टहालुवा सबए बातमे बे अपन मालिकको आज्ञा पालन करएँ। बे अपन मालिकके खुसी करन प्रयास करन पडत हए, और बिनकेसंग विवाद ना करएँ,। ¹⁰बे चोरी ना करएँ पर पूर्ण रुपमे बे हमए मुक्तिदाता परमेश्वरको धार्मिक-सिद्धान्तको शोभा बढामए। ¹¹काहेकी सब आदमीनको मुक्तिके ताहिँ परमेश्वरको अनुग्रह प्रकट भव बातके हम पान प्रतिक्षा करत, सबए जौने मुक्ति लान असल परमेश्वरको अनुग्रह देखा पड़ोहए, ¹²और हमके अधार्मीकता और संसारिक इच्छानके इन्कार करन औ जा युगमे समझदार। ¹³धार्मिक और ईश्वरीय जीवन जिनके तालिम देत हए। ¹⁴येशु महके अधार्मिकतासे छुगान और अपनी ताहिँ जो ठिक हए बेहे करन इच्छुक अच्छे आदमी या शुद्ध बनान अपनेके हमर ताहिँ देहए। ¹⁵जे बात बताओ और उक्साबौ, और अधिकारसहित सुधारौ। तुमके कोईफिर बेजत ना करए।

Chapter 3

¹शासक और अधिकारीके अधिनमे रहन, बिनकि बात मानन और हरेक अच्छो कामके ताहीं तयार बैठन, ²कोइक खिल्ली नाउणान, कचकचसे अलग रहन, और आदमीके अपन-अपन डगरमे नेगन और सब आदमीक नरम दिखान याद करबाओ। ³काहेकी एक चोटि हम फिर लापरवाह, अनाज्ञाकारी रहँएँ। हम बराने और गजब किसिमके खराब इच्छा और आइसोरामको नोकर रहँएँ। हम दुष्टता और हिंसमे जित रहँएँ। हम घृणित और एक दुसरेक घृणा करन बाले आदमी रहँएँ। ⁴और जब परमेश्वर हमके बचान बालोको दया और मानव जातिनके ताहीं बाको प्रेम दिखानो ⁵, हम धार्मीकतामे करो कामसे नाए और बाको कृपा जैसो नयाँ जनमसे हँदबाएक और पवित्र आत्मासे नयाँ करके बा हमके बचाइ हए। ⁶हमए बचान बालो परमेश्वर येशू ख्रीष्टसे हमर उपर पवित्र आत्मा गजब अखनाई। ⁷तव बाको अनुग्रहसे धर्मी बन्के अनन्त जीवनको पक्को उत्तराधिकारी भए। ⁸जे वचन विश्वास करन लाएकको हएँ। मए चाँहत हँ बे जे बातनके बारेमे दृढतासे मस्कएँ, ताकि परमेश्वरमे भरोसा करनबाले बा उनके अगु अच्छीबात करनघेन मन लगामएँ। आदमीके ताहीं जे सब बात अच्छी और फाइदा करन बाली हएँ। ⁹तव मुख बाद- बिबाद, वंशवाली, फुट और व्यवस्थासम्बन्धी झगडासे अलग बैठओ, काहेकी बे बेफाइदा और व्यर्थके हएँ। ¹⁰फुट ल्यान बारो आदमी चाहिँ एक और दुई चोटी चेताउनी दैके पिछु बाके संग और कोइ सरोकार मतकरीओ ¹¹जा जानके कि अइसो आदमी भ्रष्ट और पापी हए | बा पाप करतहए और अपनएके दोषी ठहिरात हए | ¹²जब मए अर्तीमास या तुखीकसके तुमर ठीन पठएहँ, जल्दी करी, और निकोपोलिसमे आबौ, जहाँ मए हिउँद कटानको निर्णय करो हँ। ¹³जल्दी करी, और कानुनको बारेमे जानन बारो जेनास और अपोल्लोसके बिनके चाँहन बारो सब चिज दैके पठाओ। ¹⁴हमर आदमी जरूरी खँचा पुरा करन बालो अच्छो काममे अपने लगन पणत हए, कहेकी बे आसफकल ना होएँ। ¹⁵मिरसँग के सबए तुमके अभिवादन पठाई हएँ। विश्वाससे हमके प्रेम करन बारेमे अभिवादन कहिदेओ। तुम सबएसँग अनुग्रह होबए। आमेन।

Philemon

Chapter 1

¹1 ख्रीष्ट येशूको कैदी पावल और हमर भैया तिमोथी, ²2 हमर प्यारो सयोगी फिलोमन, हमरी बहिनिया अफ्रिया और हमर संगी-निवासी अर्खिप्पस, और तुमरो घरके मण्डलीनके: ³3 तुमके अनुग्रह और हमर पिता परमेश्वर और प्रभु येशू ख्रीष्टसे शान्ति! 'मिर प्रार्थनामे जब मए तुमके समझना करत हँ, तव मए मिर परमेश्वरके सब समय धन्यवाद देतहँ। ⁴काहेकी प्रभु येशू उपरको तुमरो विश्वासके बारेमे और सन्त घेन तुमरो प्रेमको बारेमे सुन्त हँ। ⁵मए प्रार्थना करत हँ कि तुमरो विश्वासको कारनसे ख्रीष्टमे भए हमर सब असल बातको ज्ञानको बृद्धि कर पामए। ⁶मिर भैयाओ, तुमरे प्रेमसे मए बहुत आनन्द और शान्ति पाओ हौ, काहेकी तुमसे सन्त- नके हृदय फिर ताजा भव हए। ⁷तुमके का करन पणेहए, सो करन आज्ञा देन ख्रीष्टमे मोके साहस भव ताहु फिर, ⁸रोमको ताहीं मए तुमके बरु अनुरोध करन चाहत हौ: मए, बूढो पावल, और हबए ख्रीष्ट येशूको एक कैदी: ⁹मिर लौणा ओनेसिमसके ताहीं मए निबेदन करत हँ, जौनके ताहीं मिर कैदी अवस्थामे मए पिता बनो हौ। ¹⁰बे अगु तुमरे ताहीं बेकामके रहए, पर हबए तुमरे ताहीं और मिर ताहीं फिर काम लागन बारो भव हए। ¹¹मए बोके, जो मेरो अपने हृदयको टुक्रा हए, तुमरे ठिन घुमए देतहौ। ¹²बिनके मिर संग धरनके मए खुशी होतो, काहेकी सुसमाचारके ताहीं मिर बन्दी अवस्थामे तुमरे बदलामे मेरो सेवा करन सित्तो, ¹³पर तुमर अनुमति बिना मए कुछ नाए करन चाहत हँ, ताकि तुमर भलाइ करकापसे करो नाए होबए, पर तुमर अपन ईच्छासे होबए। ¹⁴शायद तुमसे कोइ समयके ताहीं बिनसे अलग भव रहए, ताकि बे सबदिन तुमर संग बैठ पाबए- ¹⁵अब उइसो कमैया जैसो नैयाँ, पर कमैयासे जद्धा, प्यारो भैया जैसो, बिशेस करके मेरे ताहीं, और जद्धा शरीरमे और प्रभुमे समेत, तुमरे ताहीं। ¹⁶जहेमारे अगर तुम मोके अपन साझेदार सम्झतहौ करके मोके कता बिनके ग्रहण करओ। ¹⁷अगर बे तुमके कोइ फिर खराबी करेसे फिर, और कोइ चिजको ऋणी हए तव, सो मिर हिसाबमे धरदिओ। ¹⁸मए पावल, अपन हातसे जा लिखतहँ। बो ऋण मए स्वयम् तिरदेहौ। तुमके कहान नाए पणैगो, कि अपन ताहीं फिर तुम मिर ऋणी हँ। ¹⁹प्यारो भैया तुमसे प्रभुमे कोइ फाइदा पाबए करके मए चाहतहँ। ख्रीष्टमे मिर हृदय फिर ताजा बानए देओ। ²⁰तुमर आज्ञापालनमे भरोसा धरके मए मगेसे जद्धा करेहौ करके मए तुमके लिखतहँ। ²¹संगए मिर ताहीं एक पाहुना-कोनो ठीक करि दिओ, काहेकी तुमरे प्रार्थनासे मए फिर तुमरे ठिन आन चाहतहौ करके आशा करत हँ। ²²येशू ख्रीष्टमे मिर संगी-कैदी इपाफ्रास तुमके अभिवादन पठाई हए। ²³उइसी करके सयोगी मर्कुस, अरिस्तार्खस, डेमास और लुका फिर ²⁴प्रभु येशू ख्रीष्टको अनुग्रह तुमरे आत्मासंग रहबए।

Hebrews

Chapter 1

¹प्राचीन कालसे हमर पिता पुर्खासंग अगमवक्तानद्वारा गजब और अलग अलग तरीकासे परमेश्वर मस्कत रहए। ²पर जा आखिरी दिनमे बा अपन पुत्रसे हमसे मस्कि हए। पुत्रके न सबए बातको उत्तराधिकारी नियुक्त करी हए, बहे से सबय सृष्टि रची फिर हए। ³बा परमेश्वरको महिमाको प्रतिबिम्ब (जैसो के तैसो) और परमेश्वर जैसो स्वभावको प्रतिरूप हए, और सबय सँसारके अपन शक्तिके वचनसे समारत हए। पापके शुध्द करके पिछु महिमित परमेश्वरको दहिना हात घेन उँचो स्थानमे बा विराजमान भवहए। ⁴जैसी बाके पावभव नाउँ स्वर्गदुतसे अच्छो हए, उइसी बा बिनसे बहुत अच्छो ठहिरात हए। ⁵का परमेश्वर स्वर्गदुतन मैसे कोईके कबहु आइसो कहिहय और ? "तुम मेरे पुत्र हौ, मए आज तुमर पिता भओं हँ ?" और फिर, "मए ऊनके ताहीं पिता हुइहँ और बे मिर ताहीं पुत्र हुइहँ ?" ⁶"अपन पहिलो जन्मो भवके संसारमे लातय बा फिर कहात हय, "परमेश्वरके सबय स्वर्गदुत बाके आराधना करन पडैगो।" ⁷स्वर्गदुतनके बारेमे बा आइसो कहात हए, "बा अपन स्वर्गदुतनके आत्मा और जौन अपन दासनके आगीको ज्वाला बनात हए।" ⁸पर पुत्रके बारेमे त बा कहि, "हे परमेश्वर, तुमर सिंहासन

सदामानके ताहीं रहबैगो, और न्यायको राजदण्ड तुमरे राजको राजदण्ड हुइहए । ⁹तुम धार्मिकताके प्रेम करत हो, और अधर्मके घिणना करत हो। जहेमारे, हे परमेश्वर, तुमर परमेश्वर तुमके अनान्दको तेलसे अभिषेक करी हए और सहयोगी बनाइ हय।”¹⁰बा फिर कहि, “हे परमप्रभु, तुम शुरुमे पृथ्वीको जग बैठारे हो, और स्वर्ग तुमर हातको काम हए । ¹¹बे त नष्ट हुइहएँ, पर तुम त सदिमान रायहो। बे लत्ता जैसे पुराने होत जयहएँ, ¹²पिछौणा जैसो तुम बिनके लपेटेहो, कुर्ता कता बे बदलेहएँ। पर तुम सदामान एकय हानी हो, और तुमरो वर्षको अन्त कबहू न हुइहए।”¹³पर कौन स्वर्गदुतके बा अइसे कहि, “तुम मिर दहिना हातघेन बैठओ, जब तक मए तुमर शत्रुनके तुमरे टाँगके पाउदान न बनएहों ?” ¹⁴का बे सब स्वर्गदुत मुक्ति पान बारेनके ताहीं ख्याल करन और सेवा करनके पठाए भयनके आत्मा न हयें ?

Chapter 2

¹जहेंमारे जो सुनेहौ, बाके उपर हम और जद्धा ध्यान देन हय, और, बासे बहेकके हमके दुर न जानहए।²अगर स्वर्गदुत घोषणा करो सन्देश अटल रहए तव, और हरेक अपराध और अनाज्ञारिताके ताहिं ठीक दण्ड दै कहेसे, ³तव हम इतनो महान मुक्तिको वास्ता न रखङ्गे तव हम कैसे बचंगे ? जा मुक्ति सबसे अगु प्रभुसे घोषणा करी भै हए, और बाको वचन सुनन बारेंनसे हमर ताहिं पक्को साबित भव । ⁴बहे समयमे परमेश्वर जाके चिन्ह, अचम्मोको काम और बहुत शक्तिशाली कामसे और अपन ईच्छा अनुसार पवित्र आत्माके वरदान देनकेद्वारा प्रमाणित करदै ।⁵हम बात करत आए बा आनबारो संसारके परमेश्वर स्वर्गदुतके अधीनमे न धरी । ⁶धर्मशास्त्रको कोइ एक ठाउँमे अइसो करके गवाही दै हए, “आदमी का हए, और तुम बाको वास्ता करत हौ ? औ आदमीको लौणा कौन हए जौनके ताहिं तुम चिन्ता करत हौ ?⁷तुम बिनके कुछ छोटी करेहौ। तुम बिनके महिमा और आदरको मुकुट पैँधाए दएहौ और तुम बाके तुमर हातके कामके ऊपर धरे हओ। ⁸तुम सब बात बाके अधीनमे धरे हौ।” काहेकि परमेश्वर सब चीज मानवजातीके अधीन धरदए रहओ। बा कोई भी चीज आदमीसे बाहिर रहन न दई। पर हभय समयमे कोई फिर चीज आदमीके आदमिनमे भव देखत न हयँ।⁹पर, बाके कुछ समयके ताहिं स्वर्गदुतसे कम बनाओभव हम देखे हयँ। बा येशू हय। काहेकि बाको दुःख और मृत्युको कारन येशू ख्रीष्टके महिमा और आदरको मुकुटको पैँधाए गव हय, जहेमारे, अभे परमेश्वरको अनुग्रहसे येशू ख्रीष्ट सबय आदमीके ताहिं मृत्युको स्वाद चाखी । ¹⁰जा ठीक रहए, कि परमेश्वर जौनके ताहिं और जौनद्वारा सब चिज अस्तित्वमे हए, बा बहुत सन्तानके महिमा लान बाके दुःखसे बिनको मुक्तिके पुरा करन बा एक अगुवा बनाओ गओ।¹¹काहेकी पवित्र बनान बारो और पवित्र बनाएके फिर सब एकए परिवार होमए जहेमारे बिनके भैया कहान येशू न शर्मानो । ¹²बा कहात हय, “मिर भैयनके जौने तुमरो नाउँ मए घोषणा करत हौं, सभामे मए तुमके प्रशंसा करत हौं।¹³और फिर, “मए बाके उपर मेरो भरोसा करङ्गो।” और फिर “देखओ, जहियाँ मय और मिर लौणा लौणियानके जौनके परमेश्वर मोके दै हय ।” ¹⁴जहेमारे, पहिले परमेश्वरके लौणा लौणिया मासु और रगतको एक भाग होनके बजेसे येशू फिर बहे बात बिनसे बाँटी। जहेमारे, येशू मृत्यु सहेके मृत्युके ऊपर होनबारेके या शैतानके नष्ट करदै, ¹⁵मृत्युके डरसे और जीवनभर शैतानके दास हुईके जिनबारेनके ताहिं छुटकारा देन बा आइसो करी।¹⁶काहेकी वास्तबमे बा स्वर्गदुतनके वास्ता न करत हय, पर बा अब्राहमको सन्तानको वास्ता करत हए । ¹⁷जहेमारे, बा भैयन जैसे बनन बाके ताहिं सब ठाउँमे जरूरी रहय। जहेमारे, बा परमेश्वरको बात सम्बन्धी दया से भरो और विश्वसिलो हुईके परमेश्वरको महान पुजारी भओ । जहेमारे, बा सबय आदमिनको पापको क्षमा लान सिकी।¹⁸काहेकी येशू अपनए कष्ट भोगी, और परिक्षित भव, बा परीक्षामे पणन बारेंनके बा सहायता कर सकत हए ।

Chapter 3

¹जहमेरे, स्वर्गीय बोलावटमे सहभागी भए पवित्र भैयाओ, हम पक्को से स्वीकार करो प्रेरित औ प्रधान पुजारी येशूके बिचार करओ । ²जौन बाके नियुक्त करी, बा परमेश्वर घेन येशू बिश्वासयोग्य रहए, जैसी मोशा फिर परमेश्वरको घरानेमे बिश्वासयोग्य रहए । ³परमेश्वर मोशा से जद्दा येशूके योग्य और महान महिमा दई रहए। काहेकि घर अपने से जाधा घर बनानबारोके जद्धा आदर होतहए । ⁴काहेकी हरेक घर कोइ ना कोइ आदमीसे बनाओ होतहए, पर सब चीज बनान बारो त परमेश्वर हए। ⁵जब भविष्यमे बोलन बारी बातकि गवाहीके ताहिं मोशा परमेश्वर सारा घरानामे दासके रुपमे बिश्वसिलो रहए । ⁶पर परमेश्वरको घरानाको जिम्मा पुत्र ख्रीष्ट लईहय। यदि हम पक्कासे बाके थामके रखयँ हयँ तव हम गर्बसँग कहे सकत हयँ, कि हम बाके घरानेके हएँ। ⁷जहमेरे पवित्र आत्मा कहत हए, “आज तुम बाको बोली सुनेहौ तव , ⁸उजाड-स्थानमे परीक्षाके समयमे बिद्रोहोके दिनमे करे जैसो अपन हृदयके कठोर मत करओ। ⁹जहाँ तुमर पुर्खा मिर परीक्षा करीं और चालीस वर्षतक मिर काम देखिं । ¹⁰जहमेरे बा पुस्तासंग मए क्रोधित भव, मय कहो, “बिनको हृदय जब फिर टेणो बनोरहत् हए, और बे मिर डगर न पहिचानी ।” ¹¹जहमेरे मए अपन दिक्मे अइसे कसम खाओ, ‘मिर विश्राममे बे कबहू घुसन न पायँ हयँ ।’ ¹²भैयाओ, होश करओ, तुम मैसे कोइमे भव दुष्ट और अविश्वासी हृदय तुमके जिन्दा परमेश्वरसे दुर न लैजाबए । ¹³पर, जबतक “आजके दिन” कहानबारी बात हए, तब तक एक दुसरेनके उत्साह देओ। जहमेरे, तुमर मइसे कोइको फिर छलकपटको पापसे हृदय कठोर न होबए।” ¹⁴अगर हम हमर सुरुको भरोसाके अन्ततक पक्केसे पकणे रहएँ तव, हम ख्रीष्टमे सहभागी होत हएँ । ¹⁵जाके बारेमे आइसो कहो गओ रहए, “आज तुम बाको बोली सुनेहौ तव बिद्रोहोके दिनमे करे जैसे तुमर हृदय कठोर मत करओ।” ¹⁶सुननबारे कौन रहएँ, जौन परमेश्वरको आवाज सुनी और बिद्रोहो करीं ? का बे सब बेहि न हयँ और, जो मोशाको अगुवाईमे मिश्रदेशसे निकरके आए रहएँ ? ¹⁷जौन संग बा चालीस वर्षतक क्रोधित का न भव रहय ? का बे पाप करनबारे संग न रहयँ, जौनकी मरी शरीर उजाड-स्थानमे पडी रहएँ ? ¹⁸बे बाके विश्राममे घुस ना पयँहएँ कहिके कौनसंग बा कसम खाई रहय, का बे बाके आज्ञा न माननबारे न हय ? ¹⁹और जहमेरे हम देखतहएँ, बे अविश्वासके कारन बाको बिश्राममे घुस न पाई।

Chapter 4

¹जहमेरे परमेश्वरके विश्राममे प्रवेश पानके प्रतिज्ञा होतए होत हम होशियार रहमएँ और तुम मैसे कोइ फिर बा प्रतिज्ञासे वन्चित न होबए । ²काहेकी हमके फिर बिनके कता सुसमाचार प्रचार सुनाओ गओ हए। पर सुनो वचनसे बिनके कोइ फाइदा न भव, काहेकी सुननबारे विश्वाससे जाके ग्रहण न करी। ³काहेकी हम विश्वास करनबारे त बा बिश्राममे हम घुसङ्गे, जौन बा कहिहए, जहमेरे मय अपनो क्रोधसे अइसे कसम खाओ, 'मिर विश्राममे बे कबहू घुसन न पामंगे।' यहाँतक बाको काम संसारके उत्पत्तिसे पुरा हुइगव रहए । ⁴काहेकी बा और कोइ ठाउँमे सातौं दिनके बारेमे जा हानी कहिहए, "परमेश्वर सब कामसे सातौं दिनमे विश्राम लै ।" ⁵और फिर अइसे खण्डमे बा कहिहए, "मिर विश्राममे बे कबहू न घुसेहएँ।" ⁶जहमेरे, बाके बिश्राममे घुसन और कोईके ताहीं हबए बाँकी हए, और इस्त्राएली सुसमाचार सुनी, पर बे अज्ञापालन न करनके कारन जा बिश्राममे घुसन न पाई । ⁷"फिर परमेश्वर "आज" कहिके एक दिन ठहरेहए हए, जब बा बहुत समय पिछु दाऊदसे अगु कहि बात फिर कहि, "आज तुम बाको बोली सुनके तुमर हृदय कठोर मतकरओ।" ⁸काहेकी यदि यहोशू बिनके विश्राम दर्ई होतो तओ परमेश्वर पिछुसे दुसरो दिनके बारेमे न कहते । ⁹जहमेरे परमेश्वरके आदमिनके ताहिँ एक शबाथ दिनकोको* विश्राम और बाँकी हए । ¹⁰काहेकी परमेश्वरको विश्राममे घुसन जौन फिर अपन परिश्रमसे विश्राम लेतहए । ¹¹जहमेरे हम बा विश्राममे जानके ताहिँ प्रयास करएँ, और कोइ फिर उइसी किसिमको अनाज्ञाकारितामे न पडय जैसी बे पडे रहयँ। ¹²काहेकी परमेश्वरको वचन जिन्दा और काम करन बारो हए, और कोइ फिर दुई धारे तरवारसे फिर जद्धा पैनो हए। जा प्राण और आत्मासे बाको जोण-जोणमे और हड्डीको गुदीतक भाग-भाग करके वारपार छेदन और हृदयको बिचार और इच्छा जाँचन सिक्त हए । ¹³परमेश्वरको द्रष्टिमे सृष्टिको कोइ चीज लुकी न हय। बाके नजरके अगु सब चीज सफा और खुल्ला हए, बाके हमके लेखा देन पणैगो। ¹⁴जहमेरे, बादर पार करके जानबारो परमेश्वरको पुत्र येशू हमर महान प्रधान पूजारी हए बहेमारे, हम पक्केसे स्वीकार करो जा विश्वासके पकणे रहए । ¹⁵काहेकी हमरसंग हमरो कमजोरीमे हमके सान्त्वना न देन सिकन बारो एक जनी प्रधान पुजारी न हय। बाको सट्टामे, हमए संग एक जनी हय जो हमे जैसी परिक्षामे हुइके गओ, तब फिर बा पापरहित हए । ¹⁶तव हम परमेश्वरको अनुग्रहके सिँहासनमे साहससंग जामयँ, ताकी घटीकमिके समयमे हम कृपा और अनुग्रह पान सिकयँ।

Chapter 5

¹काहेकि प्रत्येक प्रधान पूजारी आदमी मैसे छनो होत हए, और आदमीनके पक्षमे पापके ताहिं परमेश्वरमे भेटी और बलिदान चढानके नियुक्त करो हए । ²अन्जान और कुडगर घेन लागनबारेनसे बे नम्रतासे व्यवहार कर सिकतहएँ, काहेकी बे अपनए फिर कमजोरीसे घिरे होत हएँ । ³जहेमारे आदमीके पापके ताहिं इकल्लो नाए, पर अपन पापके ताहिं फिर बलिदान चढान बिनके कर लागत हए।⁴कोइ भी आदमी अपनए आप आदरलेन न सिकतहयँ, बाको सट्टामे, हारुनके जैसी बाके परमेश्वरद्वारा बुलाई हए । ⁵आइसिय करके, ख्रीष्टके प्रधान पूजारी बनानके कारनसे नत बा अपनएके ऊँचो करी। पर बासे मस्कनबारो कही, “तय मिर पुत्र हय, आज मय तुमर पिता भओ हौं।”⁶दुसरो ठाउँमे बा कहिहए, “मलकिसेदेकको दर्जा अनुसार तुम सब दिनके ताहिं पूजारी हौ।”⁷येशू अपन शारीरिक जीवनमे होत बाके मृत्युसे बचान सिकनबारे बा बणो दुखभरो आवाज और आँसुसंग प्रार्थना चढाई रहए, और बाकी आदरखो कारन बा प्रार्थना और नम्र निवेदन सुनी । ⁸बा पुत्र रहए, तहुँ फिर अपन भोगो कष्टसे बा आज्ञापालन करन सिखो,⁹और पक्को बनके बाको आज्ञापालन करन बारेनके सबके ताहिं बा अनन्त मुक्तिको स्रोत बनोहए । ¹⁰मलकिसेदेकको दर्जा अनुसार प्रधान पूजारीको पद परमेश्वरद्वारा बा पाई रहए । ¹¹हमर संग येशूके बारेमे कहानके त बहुत हए, पर तुमर सुनन शक्ति बन्द होन के कारनसे जाके बयान करन कररो हए।¹²काहेकी इतनो समय तक ता तुम शिक्षक हुइजाते, पर हबए फिर तुमके कोइ परमेश्वरको वचनको साधारण सिद्धान्त सिखान पणरहो हए। तुमके कररो खानु नाय, दुध जरूरी हए । ¹³काहेकि दुध इकल्लो पीके जीनबारे धार्मिकताको वचनमसंग अनुभव न कर सकत हएँ, काहेकी बा अभेतक बालकए हए । ¹⁴पर कररो खानु त परिपक्व आदमीनके ताहिं हए। काहेकि यिनको परिपक्ताको समझनको तालिमसे बे खराब और अच्छो छुट्यान सिकनबारे होतहएँ।

Chapter 6

¹जहमारे, सुरुमे सिको भओ खीष्टको वचनके छोडके हम परिपक्वता घेन अगु बढाएँ। परमेश्वरमे विश्वास और मरे कामसे पश्चातापको जग बैठानबारो काम न करयँ। ²नत बप्तिस्माबारो शिक्षाको जग, हात धरनको काम, मरे आदमिनको पुनरुत्थान, और अनन्त न्यायको जग न बैठामएँ। ³यदि परमेश्वर अनुमति दे हय तव हम जा भी करङ्गे। ⁴काहेकी जौन एक चोटी ज्योति पाएके स्वर्गको वरदान चाखीं रहँए, जो पवित्र आत्मामे सहभागी भए रहँए, बिनके ताहीं जा असम्भव बात हय। ⁵और जौन परमेश्वरको अच्छो वचनको और आनबारो युगको शक्तिको स्वाद चाखीं ेरहँए, बिनके ताहीं जा असम्भव बात हय। ⁶पर जो विश्वास छोडके पिच्छु हटे हँए, बिनके फिर पश्चातापमे लान असम्भव हए। काहेकी बे फिर अपन ताहीं परमेश्वरके पुत्रके क्रूसमे टाँगत् हँए, और खुल्लमखुल्ला बाको अपमान करतहँए। ⁷काहेकि जमिन अपने उपर जौन बसौनीयाँ पानी पितहए, जोमे लगातार पानी पडत हय और जमिनमे काम करन बारेनके ताहीं मन पणनबारो अन्न-बाली फरात हए, बा जमिन परमेश्वरसे आशीष पातहए। ⁸पर यदि बा काँटो और सिउँडी फराय हय तव, बा बेकामको होतहए, और परमेश्वरको सराप पड सकतहए और अन्तमे बाके जलाव जयहए। ⁹हम अइसी बात कए हँए तहुँ फिर तुमर बारेमे त, प्रिय हो, मुक्ति सम्बन्धिके और अच्छी बातके बारेमे हम पक्के हँए। ¹⁰परमेश्वर अन्यायी न हय, और तुमरो काम और बाके ताहीं सन्तके सेवामे तुमर दिखओ प्रेम बा न भुलेहए। तुम और फिर उइसी सेवा कर रहे हो। ¹¹और हम चाहत हँए, कि तुम हरेक अपन भरोसाके ताहीं अन्त तक बहे परिपक्वता दिखाबौ। ¹²जहमारे तुम अल्ल्ही मत होबओ, पर विश्वास और धैर्यसे प्रतिज्ञाके हकदार होनबारेनके देखासेखी करनबारे होबओ। ¹³परमेश्वर अब्राहमसे प्रतिज्ञा करत कसम खान अपनेसे बणो और कोइ न पाई तव अपनो नाउँमे अइसे कसम खाई, ¹⁴"मए नेहत्य तोके आशीष देहँ, और तेरो बृद्धि करेहँ।" ¹⁵और अइसी धैर्य धारण करके अब्राहम प्रतिज्ञा करी भई बात पाई। ¹⁶आदमी अपनेसे बणो नाउँमे कसम खातहए, और बा हरेक बाद-विवाद कसमसे पक्का करत रहत हए। ¹⁷परमेश्वर अपन प्रतिज्ञाके हकदारनके बदलन होन न सिकनबारो इच्छाके पक्का करके दिखान चाही। बा कसम खाएके बाके पक्का करदै। ¹⁸बदलन होन न सिकन जे दुई बातमे परमेश्वरके असत्य ठहिरानो असम्भव हए। जहमारे हम शरण लेनबारे हम अगु धरो आशा प्राप्त करन बडो हौसला पाए हँए। ¹⁹हमरसंग हमर आत्मा सुरक्षित और बिस्वासिलो परिपक्वतामे गडो हय, आइसो परिपक्वता पर्दा भितरको पवित्रस्थानमे घुसत हय। ²⁰जहाँ मलकिसेदेकको दर्जा अनुसार येशू सदाके ताहीं प्रधान पूजारी हुईके हमर ताहीं अगुवाके रुपमे येशू हमसे पहिले बा ठाउँमे जायके बैठ गयहँए।

Chapter 7

¹जहे मलकीसेदेक शालोमके राजा और सर्वोच्च परमेश्वरको पूजारी रहए। अब्राहाम लडाईं जितके लौटत रहो समयमे मल्कीसेदेक बाके भेटके आशीर्वाद दै ।
²अब्राहाम मल्कीसेदेकके सब बातको दशांश दई। मल्कीसेदेकको नाउँको अर्थ होत हय, "धार्मिकताके राजा।" बाको दुसरो पद "शालेमको राजा" हए, या "शान्तिको राजा।" ³बा बिनापिता, बिनामाता, बिनापिता-पुर्खा और जीवनको शुरु और अन्त न होन बारे आदमी हय। पर, बा परमेश्वरके पुत्र जैसो सब समयके पूजारी हए।⁴अब विचार करओ त, जे कैसे महान् पुरुष रहएँ, जौनके अब्राहाम कुलपिता फिर विजयमे हासिल करो भव चीजको दशांश दै ।⁵एकघेन, पूजारी पदमे नियुक्त भव लेवी वंशके आदमी अपन ददा भैयासे दशांश लेन ताहिं आज्ञा व्यवस्था अनुसार पाई रहएँ, यहाँतक बे फिर अब्राहामके सन्तानसे आयहयँ ।⁶पर दुसरोघेन, मल्कीसेदेक जौनको वंशावली बिनसे न रहय, जौन अब्राहामसे सबय दशांश पाई, और बा जौनके प्रतिज्ञा करो गओ रहय बाके आशीर्वाद दई।⁷जामे इन्कार करन कछु बात न हय, कि छोटी बडोसे आशीर्वाद पात हएँ ।⁸आइसो अवस्थामे मरणशील आदमी दशांश पात हएँ कहेसे, दुसरो घेन बा बातमे बा जीवित रहात हँए कहिके जा प्रमाणित करत हय ।⁹कोइ जा फिर कहान् सिकत हए, अब्राहामद्वारा दशांश पानबारी लेवी फिर दशांश दई ।¹⁰काहेकि मल्कीसेदेक अब्राहामके मिलतपेति लेवी अपन अपन पुर्खाकी शरीर भीतरे रहएँ।¹¹अब अगर लेबीके पूजारी पदको सिध्दता पात हए तव {काहेकी जाके आधारमे आदमीनको व्यवस्था मिलो हए} हारुनको दर्जा अनुसार न हुइके फिर मलकीसेदेकको दर्जाअनुसार दुसरो पूजारी होनके का जरुरत पणतहए ? ¹²काहेकी जब पूजारी पद बदलत हय, तब व्यवस्था फिर बदलन पणतहए।¹³काहेकी जौनके बारेमे जा कहि हए, बा त दुसरो कुलको हए, जौन कुलसे कोइके फिर कबहु बेदीको सेवा न करी ।¹⁴अब जा सफा हय, कि हमर प्रभु त यहूदाको कुलसे जन्मो रहय, पर पूजारीके बारेमे मोशा कबहु फिर न कहि रहय।¹⁵अगर मल्कीसेदेक जैसो दुसरो पूजारी खणो होनके हए तव जा बात और जद्धा सफा होतहए , ¹⁶जो पुर्खौली सम्बन्धि नियमको आधारमे न हय, पर अविनाशी जीवनको शक्तिके आधारमे पूजारी बनोहए । ¹⁷काहेकी बाको बिषयमे धर्मशास्त्र आइसे बगाही देत हए: "मल्कीसेदेकके दर्जा जैसो तुम सबदिनके ताहिं पूजारी हो।"¹⁸काहेकी पहिलो आज्ञा खारेज भओ हय, काहेकि बा कमजोर और काम नलगनबारी रहए । ¹⁹काहेकी व्यास्था कोइ भी बातके सिध्द न बनाई। और भबिष्यके ताहिं उत्तम आशा हए, जौनसे हम परमेश्वरके जौने पुगन सकत हँए।²⁰और जा त बिना कसम भव न हए । एकघेन, बे और कसमबिना पूजारी भय रहयँ।²¹पर दुसरोघेन, अगु पूजारी होनबारे त नेहत्य बिना कसम पूजारीको पद लए रहएँ, पर बा त कसम सहित पूजारी बनोहए, और बाके बारेमे परमेश्वर कहिहए, "परमप्रभु कसम खाईहए, और अपन मन बदलि न हय, तुम सबदिनके ताहिं पूजारी हो।"²²जहेमारे येशूके उत्तम करारको परिपक्वता दओ हए , ²³एकघेन, अगुके पूजारी बहुत संख्यामे भय रहएँ, पर मृत्यु बिनके काममे लगेरहन न देत रहए । ²⁴पर दुसरे घेन, येशू सदामान रयहय, बाकेसंग एक पूजारी पद अटल रयहए।²⁵जहेमारे, येशूद्वारा परमेश्वरके जौने आनबारे आदमीनके बचानके ताहिं बा पुरो रुपमे शक्तिशाली हय, काहेकी बा बिनके ताहिं मध्यस्ताको प्रार्थना चढ़ानके सबैदिन जिन्दा हए ।
²⁶काहेकी आइसी किसिमको प्रधान पूजारी हमर ताहिं सुहात हय, जो पवित्र, दोषरहित, निष्कलङ्क, पापसे अलग और बादरसे भी फिर ऊँचो भव हए।²⁷और प्रधान पूजारी जैसो पहिले अपन पापके ताहिं और बाके पिछु आदमीनके पापके ताहिं बाके सबदिन बलिदान चढ़ानके न पणैगो। जब बा अपनएके अर्पण करी, तव बा जा सबदिनके ताहिं एकए चोटीमे पूरा करदै । ²⁸काहेकी व्यवस्था आदमीनके प्रधान पूजारीको रुपमे नियुक्त करी, जौनसंग कमजोरी होत रहयँ। पर बा व्यवस्था पिछु आओ कसमको वचनसे नियुक्त भओ पुत्र हय जो सदाके ताहिं सिद्ध बनाओ गओ हय।

Chapter 8

¹अब हमके कहन बारी बात जहे हए: हमरसंग एक जनी प्रधान पूजारी हए, जो स्वर्गको सिंहासनके दहिना घेन विराजमान हए । ²आदमीको बनाओ न, पर परमेश्वर बनाओ भव सच्चो पवित्रस्थान, सच्चो पवित्रस्थानमे बा सेवक हए।³काहेकी हरेक प्रधान पूजारी भेटी और बलिदान चढानके नियुक्त करो होतहए। जहेमारे, जा प्रधान पूजारीसंग अर्पण करनबारे कुछ समान चढान जरूरी हए । ⁴अब यदि ख्रीष्ट पृथ्वीमे होतो तव, बा सबैको पूजारी न होतो, काहेकी हुवाँ व्यवस्था अनुसार भेटी चढानबारे पूजारी त हैयहँए । ⁵बे स्वर्गीय बातनको नकल और छाहींको इकल्लो सेवा करतहएँ। जैसी मोशा वासस्थान बनातपेति परमेश्वरद्वारा मोशाके चेतावनी दओ गओ रहए, परमेश्वर कही, “देख, तोके पहाडमे दिखाओ गओ नमुना अनुसार तय हरेक चीज बनइये।”⁶पर अभे ख्रीष्ट पावभव सेवाको काम और जद्धा ऊत्तम हए, काहेकि बा मध्यस्थता करो भव करार बहुत उत्तम हए। जौन करारको जग उत्तम प्रतिज्ञामे स्थापना करो गओ हय । ⁷काहेकी, यदि पहिलो करार खोटरहित होतो तव, दुसरो करारको जरूरतय न पणतो।⁸काहेकी जब परमेश्वर आदमिनको दोष पाई, तव बा कही,, “देखओ, परमप्रभु कहात हय, बे दिन अमंगे, जब इस्राएलको घरानासंग और यहूदाको घरानासंग मए एक नयाँ करार स्थापना करेहौं । ⁹बे पुर्खानके संग मए बाँधो करार जैसो जा न हुइहए, जब मए बिनके हात पकणके मिश्रदेशसे डुरियाके लाओ रहौं। काहेकि बे मिर करारके पक्के रुपसे न पछयाई, और परमप्रभु कहात हय, बहेमारे मए बिनको वास्ता न करो।¹⁰परमप्रभु कहात हए, बे दिनपिछु मए इस्राएलको घरानासंग जा करार बाँधंगो, बिनके मनमे मिर व्यवस्था धरदेहौं, और बिनके हृदयमे बा लिखदेहौं, और मए बिनको परमेश्वर हुइहौं, और बे मिर प्रजा होमंगे।¹¹बे हरेक अपनो परोसीके न सिकामङ्गे, और अपन भैयाके परमप्रभुके चिनओ करके न कहान पडैगो। काहेकी बे मैसे छोटेसे लैके बडेतक सब मोके चिनंगे । ¹²काहेकी बिनको करो भओ अपराध मए क्षमा करेहौं, और बिनके करे भय पापनके सम्झना मय कबहु फिर न न करङ्गे।”¹³“नयाँ” कहातपेति बा पहिलो करारके पुरानो बनाई। और जौन काम न लगनबारे और पुरानो हुइगओ हय, बा हरायके जान लागो हए।

Chapter 9

¹अब पहिलो को करारमे आराधनाके ताहीं नियम और संसारिक वासस्थान रहए । ²काहेकि एक पवित्र वासस्थान तयार भव रहए, जौनको पहिलो कोठा भितर सामदान, टेबुल और भेटीकी रोटी रहए, जासे पवित्रस्थान कहत रहएँ। ³पर्दाको पिच्छुघेन महापवित्र स्थान कहान बारो और दुसरो कोनो रहए, ⁴जौनमे धूपके ताहीं एक सोनोको रहय। जामे करारको सन्दुक फिर रहय, जो पुरो रुपसे सोनोसे मोहोरो रहय। जाको भितरघेन रहो सोनोको बर्तनमे मन्न धरो वर्तन, गुम्टि लागो हारुनको लकडी और करारको शिला पाटी रहएँ । ⁵करारको सन्दुक उपर ईश्वरीय महिमाके करुब प्रायश्चितको ढक्कनके छोपे रहएँ। जाके बारेमे हबए हम विस्तारसे न कहे पएहएँ। ⁶जे चीजनके तयार करके पिछु पूजारी लगातार रुपमे बासस्थानको बाहिरी कोनोमे सदा अपन सेबाको काम करन भितर घुसत रहएँ । ⁷पर प्रधान पूजारी इकल्लो हरेक वर्षको एक चोटी दुसरो कोनोमे घुसत रहए। बा रगत लैके अपन ताहिं और आदमीनके अन्जानमे करे अपराधके ताहिं बलि चढात हएँ। ⁸पवित्र आत्मा दिखत् हए, कि पहिलो पवित्रस्थान रहनतक महा-पवित्रस्थानमे जानके डगर खुली न रहए । ⁹हबए समयके ताहिं जा एक नमुना रहए। चढओ भओ भेटी और बलिदान दोनो आराधकको विवेकके परिपक्व न करन सिकी। ¹⁰बे बहुत किसिमको उत्सवको शुद्धिकरण खान और पिन बातसंग इकल्लो सम्बन्धित हयँ। बे सबय शरीरके ताहीं नियम इकल्लो रहयँ, जौनके नयाँ किसिमसे न बनन तक एक एक करके रखो गओ रहय। ¹¹ख्रीष्ट आनबारो अच्छी चीजनके प्रधान पूजारी हुइके आओ, बा और जद्दा महान और सिध्द पवित्रस्थानमे प्रवेश करी, जौनआदमीके हातसे बनो न हय, जौन जा बनो संसारको न हए । ¹²बक्रा और बछ्रानको रगतसे न हुइके बा अपन रगतसे सबएके ताहिं एकए चोटी बा महा-पवित्रस्थान भितर प्रवेश करी और हमर अनन्तको छुटकाराके सुरक्षित करी। ¹³काहेकि यदि बक्रा और सण्बाको रगत और कुबारीको भुवा छिर्कत बे अशुध्द होतहएँ और बिनको शरीरके शुद्ध पारन बे परमेश्वरमे समर्पित होन पडहय कहिसे, ¹⁴और कितनो जद्दा ख्रीष्टको रगत हमर विवेकके मरे कामसे शुध्द करेहए, जीवित परमेश्वरको सेवा करन जौन अनन्त आत्माद्वारा निष्खोट बलि के रुपमे अपनय अर्पण करी रहए ? ¹⁵जहे कारनसे, बा नयाँ करारको मध्यस्थकर्ता हए। जा मृत्युको कारनसे स्वतन्त्र करायगय बिनको पापको सजायसे पहिलो करारमे रहत हयँ ताकि परमेश्वरद्वारा बुलायभय बारेनके प्रतिज्ञा करो अनन्त उत्तराधिकार पान सिकयँ। ¹⁶काहेकी जहाँ इच्छा होत हए, हुवाँ बा बनानबारो आदमीको मृत्युके प्रमाणित करन पणत् हए । ¹⁷काहेकि एक इच्छा तव इकल्लो पक्का होतहए, जब हुवाँ मृत्यु भओ होत हय, काहेकि जबतक जाके बनानबारो जिन्दा होत हय, तबतक जाको कोई जोड न होत हय। ¹⁸जहेमारे, पहिलो करार फिर रगतबिना पक्का होन न सिको । ¹⁹काहेकि जब मोशा आदमिनके व्यवस्थामे भओ हरेक आज्ञा दई, बा बछ्रा और बक्रानको रगत, पानी, लाल ऊन और हिसप लईके बा मुठा और सबय आदमी दोनोके उपर छकीं । ²⁰तब बा कहि, “जा करारको रगत हय, जौन परमेश्वर तुमर ताहीं आज्ञा करी रहय।” ²¹अइसी करके, बा पवित्रस्थान और सेवामे चलन बारे सबय बरतनके उपर उइसी किसिमसे रगत छिर्कीं । ²²और व्यवस्था अनुसार रगत हरेक चीजके शुध्द करतहय। रगत न बहाएके पापको क्षमा न होत हय ²³जहेमारे, स्वर्गमे भय चीजनके नक्कलनके जनावरके बलिदानसे शुध्द करन पडतो काहेकि स्वर्गमे भय चीजनके अपनय और कितो जद्दा उत्तम बलिदानसे शुद्ध करन जरुरत पणो। ²⁴काहेकि ख्रीष्ट हातसे बानओ भव महा-पवित्रस्थान भितर न घुसो, जो त सच्यो पवित्रस्थानको नकल इकल्लो हए, पर, बा अपनय स्वर्ग भितर घुसो, और हमर ताहीं बा परमेश्वरके अगु उपस्थिति हए। ²⁵येशू अपनय ताहीं बारम्बार बलि चढानके ताहीं हुवाँ न गओ रहय, जैसी प्रधान पुजारी हरेक वर्ष दुसरेको रगत लैके महा-पवित्रस्थान भितर घुसत हएँ । ²⁶नत, संसारको उत्पत्तिसे बा बहुतचोटी दुःख भोगन पणतो। पर जा युगके अन्तमे एकचोटी बा अपनय बलिदानसे पापके हटान बा सदाके ताहिं एकय चोटी प्रकट भव हए। ²⁷जैसी हरेक आदमीनके एक चोटी मरनो पक्का हए, और बाके पिछु न्याय आत हय। ²⁸उइसीय, ख्रीष्ट फिर बहुत जनीके पाप उठानके सदाके ताहीं एकए चोटी बलि हुइगव। बा पापसंग सामना करन दुसरो चोटी बा न दिखाबैगो, पर मुक्तिके ताहीं धैर्यसंग बाके ताहीं ईन्ताजार करनबारेनके ताहिंहय।

Chapter 10

¹काहेकी व्यवस्था अब आनबारी अच्छी बातनको एक छाहीं इकल्लो हए, बे अपनयमे सच्चे चीज त न हयँ। पुजारी वर्षेपिच्छु लगातार रुपमे चढ़ानबारे आइसे बलि परमेश्वरके जौने जान कबहु पुरो न बनान सिकी। ²नत का बलि चढ़ानबारी काम बन्द न हुइतो ? उइसो होतो तव, आराधक एकए चोटीमे सदा के ताहीं शुध हुइते, बिनके और पापको चेतना न हुइतो। ³पर बे बलिदान हरेक वर्षे पिच्छु पापनको सम्झना करात हएँ। ⁴काहेकी सण्बा और बक्रानको रगतसे पाप हटान असम्भव हए। ⁵जब ख्रीष्ट संसारमे आओ, बा कही, “बलि और भेटी तुम न चाहे, पर तुम मिर ताहिँ एक शरीर तयार करेहौ। ⁶पापके ताहिँ नत पुरे होमबलि न बलिदाननमे तुम खुशी भय। ⁷तव मए कहो, 'देखओ, किताबको मुठामे मिर बारेमे लिखो जैसो तुमरी इच्छा पुरा करन मए हियँ आओ हौँ।” ⁸बा पहिले कहि, “पापके ताहिँ नत बलिदान, न भेटी और न होमबलिये तुम चाहे, नत जे बातनमे तुम खुशी भए।” (जे त व्यवस्था अनुसार चढ़ात् हँए)। ⁹तव बा कहि, “देखओ, तुमरी इच्छा पुरी करन मए आओ हौँ।” दुसरो अभ्यासके स्थापित करन पहिलो अभ्यासके बा खारेज करतहए। ¹⁰दुसरो अभ्यासमे हम बाको इच्छासे सदाके ताहिँ येशू ख्रीष्टके शरीरको बलिदानद्वारा परमेश्वरमे समर्पित भयहयँ। ¹¹दुसरेघेन, हरेक पूजारी हरेक दिन परमेश्वरको सेवा करन खणो रहतहए। बा सदा उईसिय भेटी चढ़ात रहत हय, जौन कबहु फिर पापके उठाय लैजान न सकत हए। ¹²दुसरोघेन, ख्रीष्ट पापके ताहिँ सदाके ताहिँ एकए बलिदान चढ़ाएके बा परमेश्वरको दहिना हातघेन विराजमान भओहय। ¹³और बाके शत्रुनके अपन पाउदानमे न करनतक बा असियात रयहय। ¹⁴काहेकी बा एकए बलिसे परमेश्वरमे समर्पित भयनके सदाके ताहिँ सिध्द बनाई हए। ¹⁵और पवित्र आत्मा फिर हमके गवाही देतहए, काहेकि पहिले बा कही, ¹⁶मय बिनके संग बाँधनबारी मेरो करार जहे हए, बे दिन पिच्छु, रमप्रभु कहातहए। बिनको हृदयमे मए मेरो व्यवस्था धरदेहौँ, और बिनके मनमे फिर बा लिखदेहौँ। ¹⁷मय कबहु फिर बिनको पाप और बिनके दुष्टकर्म न समझझो।” ¹⁸अब जहाँ जे बातनको क्षमा होतहए, हुवाँ पापके ताहिँ कोइ बलिदान जरूरत न पडतहय। ¹⁹जहेमारे भैयओ, हमरसंग येशुको रगतसे महा-पवित्रस्थान भितर घुसन साहस हए। ²⁰पर्दा औ बाको अपनो शरीरद्वारा बा हमर ताहिँ एक नयाँ और जीन्दा डगर खोलैहए। ²¹परमेश्वरको घरमे हमरसंग महान पूजारी भवहए बहेमारे, ²²हमर हृदय अशुद्ध विवेकसे छिणकओसे हमर शरीरके शुद्ध पानीसे धोएके विश्वासको पुरो भरोसामे हम सच्यो हृदय लैके परमेश्वर जौने जामएँ। ²³हमर स्वीकार करो आशाके दुईधारमे न हुईके पक्केसे थामे रहएँ, काहेकी प्रतिज्ञा करनबारी परमेश्वर विश्वासयोग्य हए। ²⁴हम एक दुसरेके प्रेम और अच्छे कामके ताहिँ कैसे उत्साहित करएँ बा बात उपर बिचार करएँ। ²⁵किन्तोनके संगतिमे न जानके बानी होतहए, पर हम एक-दुसरेसंग ईकट्टा होनके न छोणएँ। पर प्रभुको दिन जौने आनके कारन जितनो हुईसकय एक दुसरेनके और जद्धा उत्साह देमयँ। ²⁶काहेकी अगर सत्यताको ज्ञान पाएके फिर हम जान-जानके पाप करेहएँ तव पापके ताहिँ कोइ बलिदान बाँकी न रहतहय, ²⁷बाको सट्टामे, इन्साफको डरौनो आसारा और परमेश्वरके विरोधीनके भस्म करनबारी क्रोधको अग्नी इकल्लो रयहए। ²⁸मोशाको व्यवस्थाके उल्लघन करनबारी जो कोई दुई वा तीन साक्षीनके गवाहीमे दया बिना मरत हय। ²⁹परमेश्वरके पुत्रके टाँगसे कुल्चनबारे, परमेश्वरमे समर्पित करो करारको रगतके अपवित्र बनानबारे और अनुग्रहको आत्माके अपमान करनबारे जो कोई और किन्तो जद्धा कडो दण्ड पयहयँ। ³⁰काहेकी “बदला लेनो काम मेरो हए, मए बदला लेमझो।” करके कहान बारेके हम चिनत् हँए। और फिर, परमप्रभु अपन आदमीनके इन्साफ करेहए। ³¹जिन्दा परमेश्वरके हातमे पणनो डरलागन बारी बात हए। ³²बे अगुके दिनके सम्झओ, पर तुम ज्योति पाएके पिछु फिर तुम दुःखको कठिन समयमे कैसे सहेरहौ। ³³तुम सबयके अगु निन्दित और तमासा बने रहौ और उइसी समस्यामे पणनके संग तुम सहभागी भए रहौ। ³⁴काहेकि कैदीनके उपर तुम दया दिखाए, अपन सम्पति लुटत् फिर आनन्द संग सहे, जा जानके कि तुमरसंग जद्धा उत्तम और सदा रहनबारी सम्पति हए। ³⁵जहेमारे, अपन भरोसाके मत त्यागओ, जौनमे बणो इनाम हए। ³⁶तुमके धीरज करन जरूरी हय। बहेमारे, परमेश्वर तुमसे जो प्रतिज्ञा करी रहय, बाको ईच्छाके पुरा करके पिच्छु, बा पाबैगे। ³⁷काहेकी एकए छिनमे जो आनबारी हय, बा जरूर आबैगो और देर न करैगो। ³⁸पर मिर धर्मी आदमी त विश्वाससे जिबैगो, और अगर बा पिछु हटेहए तव मए बासे खुशी न हुइहौ। ³⁹पर हम पिछु हटनबारे और विनाशमे पणन बारे मैसे न हयँ, पर विश्वास करके बचाय भयन मैसे हएँ।

Chapter 11

¹अब विश्वास त आशा धरो बातको पक्को और अभेतक न देखो बातको मजबुत भरोसा हए । ²काहेकी हमर पुर्खा बिनको विश्वासके ताहीं आइसे ही प्रमाणित भय रहए । ³विश्वाससे हम समझत हएँ, कि सबय संसार परमेश्वरको आज्ञाद्वारा सृष्टि भव रहय। जहेमारे, जो दिखत हए बे दिखनबारी बातनसे न बनो हय। ⁴विश्वासद्वारा हाबिल परमेश्वरसे कयिनसे जद्धा ग्रहणयोग्य बलि चढाइ, और बहेसे हाबिल धर्मी ठहरो। बिनको बलि स्वीकार करके परमेश्वर अपन सहामति जनाई। बा मरिगओ तहुँफिर विश्वासद्वारा बा अभौ मसक रहोहए। ⁵विश्वाससे मृत्यु न देखके हनोक स्वर्गमे उठाए लगओ, और बा कहूँ न मिलो, काहेकी परमेश्वर बाके ऊठाए लगओ रहए। ⁶बाके उठानेसे अगु परमेश्वरके बा खुशी करी बात प्रमाणित भव रहए । ⁷विश्वास बिना परमेश्वरके खुशी करन असम्भव हए। काहेकी जो परमेश्वरको जौने आतहए, बा परमेश्वर हए और बाके दुणनबारेनके बा ईनाम देतहए करके विश्वास करन हय। ⁸विश्वाससे नोआ अभेतक न देखो बातके बारेमे परमेश्वरद्वारा बाके सन्देश दओ गओ रहय। बा भक्तिमय सम्मानसंग अपनो घरानाके बचान एक जहाज बनाइ। अइसी करके बा संसारके दोषी ठहराई और विश्वास अनुसार बा धार्मिकताको उत्तराधिकारी भओ। ⁹विश्वाससे अब्राहम आज्ञापालन करी, और बा उत्तरधिकारके रुपमे पानबारी ठाओघेन गओ। अपनय कहाँ जात हौ पता न पाएके फिर तहुँ बा गओ। ¹⁰बा बिश्वासद्वारा एक परदेशी हानी प्रतिज्ञाको देशमे बैठो। बा पाल बनाएके इसहाक और याकुबसंग बहे प्रतिज्ञाको सझी उत्तराधिकारीके रुपमे बैठो। ¹¹काहेकी बे जग भव सहेरको देखन डटे रहयँ, जौन सहरको बनानबारी और निर्माण करनबारी परमेश्वर अपनय हए। ¹²विश्वाससे सारा बाँझी हुइके फिर गर्भधारण करनके शक्ति पाई। बा एकदम बुढी हुइके फिर आइसो भओ रहय। काहेकि बिनके प्रतिज्ञा करनबारीघेन बे विश्वासयोग्य भए रहएँ। ¹³जहेमारे, मरनए मरन शरीरमे एक आदमीसे बादरको अनगिन्ती तारा और समुद्र किनारेको अनगिन्ती रेत जैसे सन्तान जन्मे, जौनके गिनन न सकत हयँ। ¹⁴जे सबय प्रतिज्ञा न पायके फिर बे सबय दुरसे स्वागत करी, पृथ्वीमे परदेशी और प्रवासी इकल्लो हयँ कहिबात स्वीकार करतय बे विश्वासमे मरे। ¹⁵काहेकि जौन अइसी बात कहात हयँ बे एक स्वेवश दुणरहे हएँ कहि बात सफा होतहए। ¹⁶सचमे बे अपनय निकरके गए देशके ताहीं सोचत रहएँ, बिनके घुमके जान मौका मिलन रहय। ¹⁷पर बे और उत्तम देश ओ एक स्वर्गीय देशको इच्छा करतहयँ। जहेमारे, परमेश्वर बिनको परमेश्वर होन न शर्मात हय, काहेकी बा बिनके ताहिँ एक सहेर तयार करी हए। ¹⁸अपनो जाँच होत विश्वासद्वारा अब्राहम इसहाकके बलि चढाइ, जो बाको इकल्लो लौणा रहय जौनके बा बलिदान चढाई। बहे प्रतिज्ञा पाई रहए। ¹⁹जा बहे अब्राहम रहय जौनके बारेमे अइसे लिखो रहए, "इसहाकद्वारा तेरो सन्तानको नाउँ रयहए।" ²⁰परमेश्वर इसहाकके मरेसे फिर जिन्दा कर सितहए करके अब्राहम के पता रहय, और साइकेतिक अर्थमे कहातपति बा बिनसे अपन लौणाके फिर्ता पाई रहय। ²¹आनबारे चीजनके बारेमे इसहाक विश्वासद्वारा याकूब और एसावके आशीर्वाद दे। ²²विश्वासद्वारा मरन बेरामे याकूब योसेफके हरेक लौणनके आशीष् दई। लट्ठीकी चुटियामे अडेस लगायके याकुब परमेश्वरको आराधना करी। ²³विश्वासद्वारा योसेफ अपन जीवनके अन्त घेन मिश्रसे इस्राएलीनको प्रस्थान होन विषयमे मस्की रहय और बाको अस्थिके बारेमे बिनके आदेश दइ रहय। ²⁴मोशा जन्मतय बाके अइया- दौवा बा सुन्दर होनके कारनसे विश्वाससे बाके तीन महिनातक लुकाएके धरी, और बे राजाको हुकुमके डर न मानी। ²⁵जवान हुइके पिछु विश्वाससे मोशा फारोकी लौणियाको लौणा कहाबानके इन्कार करी। ²⁶बाको सट्टामे, पापको क्षणिक सुख भोगनेस त परमेश्वरके आदमीनके संगे दुःख भोगन रोजी। ²⁷मिश्रदेशको धन-सम्पत्तिसे फिर खीष्टके पिछुआनके निन्दित होन बा मूल्यवान ठानी। काहेकी बा अपन आँखीके इनाम घेन लगाइ रहए। ²⁸विश्वासद्वारा मोशा मिश्रदेश छोडी। बा राजाको क्रोधसे न डराई, काहेकि एक जो नदेखनबारेके देखो जैसो करके बा पक्को बनोरहो। ²⁹बहेमारे, नाश करनबारी इस्राएलीनके पहिले जल्मे भय जेठे लौणनके छुन न सकय करके विश्वाससे बे निस्तार- तेवहार और रगत छिटकावको पालन करी। ³⁰विश्वाससे बे सुखीभै जमीनमे नेगोजैसो लाल समुद्र पार करी। जब मिश्री फिर अइसी करन कोसिस करी तव बे डुबगय। ³¹बे सात दिनतक यरीहोको दिबारके आसपास घुमके पिछु विश्वाससे बा दिबार ढलिगव। ³²राहाब वेश्या विश्वासद्वारा जासुसनके अच्छेसे सत्कार करनके कारन बा अनाज्ञाकारीतनके संगमे नाश न भई। ³³और जद्धा मए का कहौ ? यदि मय गिदोन, बाराक, शिमशोन, यिप्ता, दाऊद, शमूएल और अगमवत्तानके बारेमे कयहओ तव, मोके समय न पुगहय। ³⁴विश्वासद्वारा बे राज कब्जा करी, न्यायपुर्ण काम करी और प्रतिज्ञानके पाई, बे बघटनके मुहुँ बन्द कर दें। ³⁵बे आगीको ज्वालाके निभाई, तरवारकी धारसे बचे, रोगनसे अच्छे भए, युध्दमे वीर भए और विदेशीके सेननके भजाई। ³⁶बैयर अपने मरेभयनके पुनरुत्थानद्वारा जिन्दा पाई। और जद्धा उत्तम पुनरुत्थान जीवन पानके बे छुटकाराके स्वीकार न करी। जहेमारे, बे सजाय भोगी। ³⁷औरनके निन्दा, कोर्ता, बन्धन और कैद जैसे और बात सहीँ। ³⁸बिनके पत्थरसे मारीं। बिनके दुई भाग करनके चिरो गओ। बिनके तरवारसे मारीं। बिनके भेणा और बक्राको खाल लगाएके नेगन पडो और बहुत किसिमको दुःख, क्लेश और अमानवीय बात सहन पडो। ³⁹जा संसार बिनके ताहिँ योग्य न रहए। बे उजाडस्थान, पहाड, गुफा और जमीनके दरारनमे भटकट फिरे। ⁴⁰यहाँतक जे सब आदमी बिनके विश्वासके कारन परमेश्वरद्वारा बणो प्रशंसा पाई, तब भी बे प्रतिज्ञा करो चीज पान न सिकीं। ⁴¹हमरबिना बे सिद्ध न होमयँ कहिके परमेश्वर हमर ताहिँ और अच्छी बात अगुसे योजना करीरहए,।

Chapter 12

¹जहेमारे, हम यित्तो बहुत साक्षीनको बादर घेरे होनके कारनसे हर किसिमको बोझ और हमके सजिलोसे अल्झानबारी पापके पन्छयमयँ। हमर अगु धरो दौणके धैर्यसंग दौणएँ। ²हमर विश्वासको कर्ता और सिद्ध करनबारी येथूके देखएँ, जौन अपन अगु धरो आनन्दके ताहिँ अपमानके सही और क्रूसको कष्ट भोगी, और बा परमेश्वरको सिंहासनको दहिनाघेन विराजमान हए। ³जहेमारे, पापीनसे बाके बिरुद्धमे भए यित्तो वादविवादके सहनबारेके विचार करओ। जहेकारन, तुम अपन मनमे कमजोर मत होबओ, और हरेस मत खाबओ। ⁴तुम पापके बिरुद्धमे अभेतक रगत बहान पणन अवस्था न आओ हय या जक ताहीं संघर्ष करन न पडो हय। ⁵और तुमके पुत्र हानी उत्साह देनबारी शिक्षाके तुम भुले हओ: "हे मिर पुत्र, परमप्रभुको ताडनाके हलुको मत सम्झय, जब बासे तुम सुधरैगे, तब हारेस मतखओ, ⁶काहेकी जौनके परमेश्वर प्रेम करतहए बे हरेकके ताडना देतहए, और बाके ग्रहण करनबारी हरेक लौणाके बा दण्ड देतहए।" ⁷तुम कष्टके अनुशासन जैसे सही। परमेश्वर तुमरसंग लौणा कता व्यवहार करत हय। काहेकी दौवा अनुशासन न करो कौन लौणा हुइहए? ⁸पर यदि तुम अनुशासन विनाके हओ तव तुम अपन दौवाके खास लौणा न हओ पर व्यभिचारमे जन्मे लौणा हौ। ⁹जा से जद्धा हमके अनुशासन करनबारी हमर शारीरिक दौवा अनुशासनकर्ताको रुपमे रहए, जौनके हम आदर करे। जहेमारे, का हम हमर आत्माको पिताके और जद्धा आज्ञा पालन न करन चाहिय का? ¹⁰काहेकी एकघेन, हमर दौवा कुछदिन तक हमके अनुशासनमे धरौ जौन आइसो करन बिनके ठीक लागो। पर दुसरो घेन, हम बाको पवित्रताके बाँटन सिकएँ कहिके परमेश्वर हमर भलाईके ताहिँ अइसो करत हय। ¹¹जा समयमे कोइ भी अनुशासन आनन्दको न होत हय, पर दुःखय होतहए, तब भी जो होयसे फिर जाके द्वारा तालिम पाए भएनके ताहिँ अन्तमे जायके जासे धार्मिकताको शान्तिसे भरो ईनाम मिलतहए। ¹²जहेमारे, ढिले हात उठाओ, और कमजोर घुटौके तगडे बनाओ। ¹³अपन नेगनबारी डगर सुध बनाओ, कि जो लंगडा हय, बाको पाँव न मरकय, पर अच्छो हुइजाय। ¹⁴हरेक संग शान्तिमे बैठन कोशिस करओ, और पवित्रताबिना कोइ भी परमप्रभुके न देख सकत हय। ¹⁵ध्यान देओ, कि कोइ आदमी परमेश्वरको अनुग्रह पानसे बन्चित होन न पडय, और तीतोपनको जर उमरके कोइके फिर दुःख न देबए, और बहुत जनीके दोषी न बनाबए। ¹⁶होसियार रहओ। कोइ फिर एकछाक खानुके ताहिँ अपन जलम अधिकार बेचनबारी एसावजैसो अधर्मी न होबय औ यौन अनैतिक न होबय। ¹⁷काहेकि तुमके पता हए, कि पिछु जायके बा आशिर्वादको उत्तराधिकार पान इच्छा करी तव बाके न मिलो, काहेकि बा आँशु बहाएके फिर विलाप करी तहुँ फिर पश्चाताप करनके मौकासमेत न पाई, हियाँतक कि बा आँसु बहाएके फिर जाके ढुँडीरहए। ¹⁸काहेकि तुम जलरहो पहाड, अन्धकार, बादर और छुन न सिकनबारी पहाडमे न आए हओ। ¹⁹तुम तुरहीको फुँको बडो आवाज भव ठाउँमे फिर न आय हौ, न त आइसो आवाज सुनन ठाउँमे आए हौ जौनको सुनके बे और दुसरो शब्द न मस्को जाए कहिके बिन्ति करी रहयँ। ²⁰काहेकी "अगर कोइ जनावर बा पहाड छुई कहिसे बाके पत्थरसे मारनय पडहय" कहिके आज्ञा बे सहन न करपाई। ²¹मोशा कही कि बा हुवांक दिखाई अइसो भयानक रहए, "मए डराएगव और डरसे काँपत हौ" कहि। ²²बाको सट्टामे, तुम त सियोन पहाडमे आएहौ और जिन्दा परमेश्वरको सहर स्वर्गीय यरुशलेममे, और दसौँ हजार स्वर्गदूतके आनन्द-उत्सवमे आएहौ। ²³तुम स्वर्गमे नाउँ दर्ता भए सुरुमे जन्मनबारेक सभामे, सबको न्यायकर्ता परमेश्वर ठीन, और सिद्ध पारे भए धर्मी आदमीके आत्मानके ठिन आएहौ। ²⁴और नयाँ करारके मध्यस्थकर्ता येथूके ठिन और हाबिलको खुनसे और उत्तमसंग बोलनबारी छिडको रगतमे आएहौ। ²⁵देखओ, तुमरसंग जौन मसक रहोहए, बाके तुम इन्कार मत करओ। काहेकी अगर पृथ्वीमे बिनके चेतावनी देनबारेक इन्कार करनबारे न उमक पाई कहिसे स्वर्गसे चेतावनी देनबारेक अस्विकार करंगे कहिसे हम कैसे उम्कन सिकंगे? ²⁶कोइ समय बाको आवाजसे पृथ्वी हिलगओ, पर अभे बा अइसो कहिके प्रतिज्ञा करिहए और कहि, "और एक चोटी मय पृथ्वी ईकल्लो न, पर स्वर्गके फिर हलामंगो।" ²⁷और एक चोटी " कहान बारी वचन जा दिखात हए, कि हलान सिकन बारि चीज जो सृष्टि भए हयँ, सबय निकारो जयहय, और हलान न सिकनबारे चीज पक्के रहामंगे।" ²⁸जहेमारे, एक हलान न सिकन बारी राज पाएके हम कृतज्ञ होमएँ और जा किसिमसे आदर और श्रद्धासंग परमेश्वरके आराधना करयँ। ²⁹काहेकी हमर परमेश्वर भसम करन् बारी आगी हए।

Chapter 13

¹भाईचारा-प्रेम बनो रहाबए । ²अपरिचितनके अथिति-सत्कार करन् मत भुलिओ, काहेकी पता न पाएके कित्तो जनी स्वर्गदुतनके अतिथि सत्कार करि रहँए। ³तुम अपनए फिर बिनके संग कैदमे पड़े हानि सम्झना करओ। जौन बिनके अत्याचार करीं तुम फिर बिनके शरीरमे भय जैसे बिनको सम्झना करओ। ⁴सबय बिहाके आदर करएँ। वैवाहिक सम्बन्ध न गडबडबओ, काहेकी यौन दुराचारी आदमीके और व्यभिचारीनके परमेश्वर न्याय करैगो। ⁵तुमर चालचलनके रुपियाँपैसाको लालचसे अलग करिओ। तुमरसंग भव चीजनमे सन्तुष्ट हुइयो। काहेकि परमेश्वर अपनय आइसो कहिहए, “मए तुमके कबहु न छोड़ंगो, नत मए तुमके त्यागंगो।” ⁶हम सन्तुष्ट होमयँ। जहेमारे, हम साहससंग कहे सकत हयँ, “परमप्रभु मिर सहायक हए, मए न डरामंगो। आदमी मोके का कर सकत हयँ ?” ⁷तुमके परमेश्वरको वचन सुनानबारे तुमर अगुवानके विचार करओ, और बिनको रहनसहनको अन्तके ध्यान देओ, और बिनको विश्वासको देखासिखी करओ। ⁸येशू ख्रीष्ट कल, आज और सदामान एक हानी हए। ⁹गजम किसिमको और अचम्मो शिक्षा तुमके दुर न लैजाबय। पर खानपिन सम्बन्धित बिधिसे जिनबारेनके जा कुछ सहायता न करत हय, काहेकि अनुग्रहसे बनो भव हृदय अच्छो होतहए। ¹⁰हमरसंग एक वेदी हए, जौनसे पवित्रस्थानमे सेवा करन बारेनके खान अधिकार न हय। ¹¹काहेकि पाप क्षमाके ताहिँ प्रधानपुजारीद्वारा जनावरनको खून पवित्रस्थानमे लओ जात रहए। पर बिनको शरीर छाउनीसे बाहिर जलावजात रहए। ¹²जहेमारे, येशू फिर अपन खूनसे आदमीनके पवित्र करनके ताहिँ सहेरको फाटक बाहिर कष्ट भोगी। ¹³जहेमारे, हम फिर बाकेसंग छाउनी बाहिर जामएँ, और बाको सहो भव निन्दामे सहाभागी होमएँ। ¹⁴काहेकी हमरसंग हियाँ कोई स्थायी सहेर न हय। पर, हम आनबारी सहेरको हम प्रतिक्षामे हयँ। ¹⁵जहेमारे, येशूद्वारा परमेश्वरके महिमा देन हम सदा बलिदान चढामयँ, बाको नाउँके अंगीकार करके महिमा देन हमर ओठको फल हए। ¹⁶और हम एक दुसरेके भलाइ करन और सहायता करन न भुल्यँ। काहेकि अइसीय बलिदानसे परमेश्वर बहुत खुशी होत हए। ¹⁷तुमर अगुवानके अधीनमे बैठओ और आज्ञापालन करओ, काहेकी जौनके हिसाब देन पणैगो करके बे तुमर आत्माको रेखदेख करत हयँ। जा काम तुमर अगुआ आनन्दसंग तुमर वास्ता करएँ। दुःख न मानके, नत बासे तुमके कोइ फाइदा न हुइहए। ¹⁸हमरे ताहिँ प्रार्थना करओ, काहेकि हममे सफा विवेक हय कहिके पक्का हुन सिकयँ और और सब बातमे ठिक किसिमसे जीन सकयँ। ¹⁹और जब्दा काम करओ कहिके मय तुमके उत्साह देत हआँ। जहेमारे, मए तुमरे ठिन जल्दी लौटके आमङ्गो। ²⁰अब भेडाको महान गयँरो हमर प्रभु येशूको अनन्त करारको खूनद्वारा मृत्युसे जीवनमे लानबारी शान्तिको परमेश्वर। ²¹बाको इच्छा पुरा करन तुम हरेकके सुसज्जित करय। येशू ख्रीष्टद्वारा परमेश्वरके देखाइमे जा बात मन पण्डनबारी हय बहे करओ। बाको महिमा सदा होत रहाबए। आमेन। ²²अब भैयओ, मए तुमके उत्साह देत हआँ, कि जे उत्साहके वचनके पालन करओ, जौन मय तुमके छुटकरीमे लिखो हँ। ²³तुमके जा पता होबय, कि हमर भैया तिमीथी स्वतन्त्र हुइ गओ हय। यदि बा जल्दी अबैगो तव, मए बाके संगमे तुमके भेटन अमंगो। ²⁴तुम सब विश्वासिनके और अगुवानके अभिवादन करओ। इटालियाबारे तुमके अभिवादन पठाई हएँ। ²⁵तुमर सबके संग परमेश्वरको अनुग्रह रहाबए।

James

Chapter 1

¹परमेश्वर और येशू ख्रीष्टको सेवक याकूबसे: ठाउँ-ठाउँमे बिगदे भए बाह्र कुलनके अभिवादन। ²मीर भैया रेओ तुमर उपर मेलमेल के आफतबिफत आएपडेसे बिनके पुरो आनन्दकि बात सम्झओ। ³काहेकी तुम जान्त हो, तुमरो विश्वासको जाँच धैर्य उत्पन्न करत हए। ⁴धैर्यको पुरा काम करन देओ, ताकि तुमर मे कोइ बातको अभाव नाए हुइके तुम परिपक्वको और पूरो होबओ। ⁵पर तुमरमैसे कोइके बुद्धिकि जरूरत हयकहेसे उद्धार चितसे नदिवकान बारो प्रभुसेबा मागय बा बोके देबैगो। ⁶पर बो एकु फिर शंखा नाए करके विश्वासकेसाथ मागए। शंखा करन बारेनके आँधी गिरात बैठात करत समुन्द्रको लाटुरा जैसो हुइहए। ⁷अइसो आदमी जा नाए सोचए, कि बो प्रभुसे कछु पए हए। ⁸काहेकी दोहोरो मन भव आदमी बाके सब चालचलनमे अस्थिर होत हए। ⁹दीन अवस्थाको भैया अपन उँचो अवस्थामे गर्भ करए, ¹⁰और धनी त अपने दीन अवस्थामे गर्भ करए, काहेकी आदमी घाँसको फुला जैसो अइलिआए जात हए। ¹¹काहेकी चटक्का घामुसे दिन निकर्त हए, और घाँसके अइलबाए देत हए। फुला झर्त हए और बाको सोभा नष्ट होतहए। उइसीअए धनी आदमी फिर अपन कामधन्धामे नष्ट हुइके जात हए। ¹²बो आदमी धन्य हँए, जो आपत- विपतमे अटल रहात हए, काहेकी जाँचको सामना करके पिच्छु बो जीवनको मुकुट पए हए, जो परमेश्वर बोके प्रेम करन बारेनके देनके बाचा करी हए। ¹³परीक्षा होत कोइ फिर अइसे नाए कहाबए, “परमेश्वरसे मिर परीक्षा भव हए।” काहेकी कोइ खराब चीजसे परमेश्वरको परीक्षा होत नैयँ, और बो अपनए कोइ कि फिर परीक्षा कर्त नैयँ। ¹⁴पर सब आदमी अपन खराब इच्छासे लोभसे परीक्षामे पडत हए। ¹⁵तव खराब इच्छासे गर्भधारण करके पिच्छु बो पाप जन्मात हए। और पाप पुरो बढके पिच्छु बो मृत्यु लात हए। ¹⁶मिर प्यारे भैया तुम, धोखामे मत पड़ओ। ¹⁷सबए अच्छो दान और सब सिध्द वरदान स्वर्गसे हए, जा वरदान ज्योतिको पितासे आत हए। बादलत रहन बारी छाहीं जैसो बामे कोइ हेरफेर नैयँ। ¹⁸बो अपने इच्छासे सत्यको वचनसे हमके जन्म देहए, जा हेतुसे कि हम बाको सृष्टिको एक पहिलो फराजैसो बन्न सिकएँ। ¹⁹मिर प्यारे भैया, जा बात जानओ: सबए आदमी सुन्नमे जल्दी, बोलनमे ढिलो और दिक्कनमे मद्धो होन पणत हए। ²⁰काहेकी आदमीको दिक्क परमेश्वरको धार्मिकता लात नैयँ। ²¹जहेमारे सब खराब बात और सब दुष्टताके हटओ, और तुमर हृदयमे बुओ वचनके नम्रता पुर्वक धारण करओ, जौन तुमरो प्राणके उद्धार कर सिकत हए। ²²पर वचन पालन करन बारे होबओ, और सुन्नके अपनएके धोखा मत देबओ। ²³कोइ आदमी वचन सुन्त हए पर पालन नाए करत हए तव, बो एक अइसो आदमी जैसो हए, जौन अपन चेहरा दरपनमे देखत हए, ²⁴काहेकी बो अपनएके देखत हए और चलोजात हए, और बो कैसो रहै करके बो तुरन्त भुल जात हए। ²⁵पर बो आदमी जौन स्वतन्त्रता देन शुध्द व्यवस्थाके देखत हए और बामे लागो रहात हए, और सुनके भुलत नैयँ पर काम करनबारी फिर होतहए, बो तौ अपने करे काम मे आशिष पए हए। ²⁶अगर कोइ आदमी अपनएके धर्मी सामझत हए, और अपन जिभमे लगाम लगात नैयँ, तव अपन हृदयके धोखा देतहए तव बो आदमीको धर्म व्यर्थ हए। ²⁷परमेश्वर और पिताके अगु शुध्द और पवित्र धर्म जहे हए: अनाथ और विधुवानके बिनके दुःखमे रेकदेख करीओ और अपनएके संसारसे निष्कल रखैओ।

Chapter 2

¹मिर भैया रेओ, प्रभु येशू ख्रीष्ट, महिमाको प्रभु उपर तुम विश्वास करत हो तुम कोइ उँचनिच मत दिखओ । ²अगर कोइ आदमी सोनोक उगठी और अच्छो-अच्छो कपणा लगाएके तुमरे सभामे आओ, और कोइ एक जनै गरीब फिर फटोफटओ कपणा लगाएके आओ तव, ³"तुम बो अच्छो कपणा लगान बारेके आदर करके, "हियाँ अच्छो ठाउँमे बैठओ" कहात हो, और बो गरीबके चाहिँ "हुवाँए ठाढो रहौ"चहुँ "मिर पाउठिन वैठ" कहातहौ तव, " ⁴का तुम अपनि बीचमे उँचनिच नादिखए और खराब विचार भए नेव करन बारे नाभएका?⁵ मिर प्रिय, सुनओ, का परमेश्वर संसारके गारीबनके विश्वासमे धनी बनाएके बा राज्यके उत्तरधिकार होनके चुनिका नायाँ? बहे राज्य बोके प्रेम करन बारेनके बो देनेके प्रतिज्ञा करीका नायँ? ⁶पर तुम ता गरीब आदमीनके अपमान करेहौ । का धनी तुमके अत्याचार नकरत हय? का बे तुमके अदालतमे लैजत नैयाँ? ⁷का बे बहे आदरणीय नाउँको अपबाद करत नैयाँ का, जौन नाउँसे तुम बोलावट पाए हो? ⁸"अगर अपन पणोसीके अपनए कता प्रेम करओ" करके पवित्र-धर्मशास्त्रको राजकीय व्यवस्थाके नेहत्व पुरा कर्त हो तव असलए करत हो ।" ⁹अगर तुम भेदभाव दिखत हो तव तुम पाप करत हो, और व्यवस्थासे अपराधी ठैहेत हो ।¹⁰ काहेकी जौन पुरो व्यवस्था पालन करत हए पर एक बातमे चुक्त हए तव, व्यवस्थाके सब बातमे दोषी ठैहेत हए । ¹¹"काहेकी जौन "व्यभिचार मत करए" कहिहए, बा "हत्या मत करओ" फिर कहि । और अगर तुम व्यभिचार नाए करेहौ पर हत्या करेहौ तव, तुम व्यवस्थाके अपराधी हुइहौ । ¹²जहैमारे तुमर बोली और व्यवहार स्वतन्त्रताको व्यवस्था बमोजिम न्याय पानबारे जैसे होबओ । ¹³काहेकी जौन आदमी कृपा करी नैयाँ, बाको न्याय कृपाविना हुइहए । कृपा न्याय उपर बिजय होत हए । ¹⁴"मिर भैया तुम, अगर कोइ आदमी "मेरे ठिन विश्वास हए" कए हए, पर काम नाए करेहए तव, जासे का फाइदा? का बाको विश्वास बाके बचाए पए हए? " ¹⁵अगर कोइ भैया या बाहिनिया फटे-फटाए कुर्ता लगाए हए, और बोके दिनको खानुको कमि हए, ¹⁶"और तुमर मैसे कोइ बोसे,शान्तिसे जाव, भरक्के बैठीए, पेट भरके खाओ" इकल्लो कएहौ, पर " ¹⁷अइसी विश्वास फिर काममे प्रघट हुइहए नाए तव बो विश्वास मरो हए ।¹⁸पर कोइ कए हए, "तुमर संग विश्वास हए, मिर त काम हए ।" काम बिनाको तुम्रो विश्वास मोके दिखओ, और मए करो कामसे मए अपन विश्वास तुमके दिखए हो ¹⁹तुम विश्वास करत हो कि परमेश्वर एकए हए । बो अच्छो हए । भूतात्मा फिर विश्वास करत हए और थरथर कामत हँए । ²⁰मुख तुमर, कामविनाको विश्वास व्यर्थ हए करके बातको प्रमाण चाँहत हो?²¹जब हमर पुर्खा अब्राहम अपन लौणा इसाहकके वेदीमे अर्पण करी, तव बे कामसे धर्मी नाएठहिरे का? ²²तुम देखत हो, कि बिनको कामके संगसंग विश्वास पक्को रहए, और कामसे नाए विश्वास पुरो भव रहए । ²³"पवित्रधर्मशास्त्रको अइसो कहान बारो वचन पुरो भव, "अब्राहम परमेश्वरमे विश्वास करी, और जा उनके ताहिँ धार्मिकता गिनो" और बो परमेश्वरको संगी कहलानो । " ²⁴तुम देखत हो कि कामसे आदमी धर्मी ठाहिँरहए विश्वाससे इकल्लो नाए ।²⁵उइसी करके राहाब ब्याभिचारिणी फिर, जब बे गुप्तचरनके सत्कार करके दुसी डगरपठाए दै, तव कामसे बो धर्मी ठहिरी नैयाँ का ? ²⁶जैसी शरीर आत्मासे अलग होतए मरी होतहए, उइसी करके विश्वास फिर कामसे अलग होत मरो होतहए ।

Chapter 3

¹भैया, तुमरे मैसे जाधा जनै शिक्षक मत होबओ, काहेकी तुम जान्त हौ, हम शिक्षा देनबारेनको न्याय और अगठो से हुइहए । ²काहेकी हम सब तमान भुल कर्त हँए । जौन आदमी अपनए कहान बारी बातमे भुल नाए कर्त हए, बो अपन पुरी शरीरमे फिर लगाम लगान सिक्त हए, और बो सिध्द आदमी होतहए । ³अगर घोणानके बशमे करन बिनके मुहूमे लगाम लगयहँए तव बिनको पुरी शरीरके जितए मन पणो उतै लान सिकैगे । ⁴देखओ त, जहाज जो तेज हावासे चलतहँए, बे बण-बण हँए तहुसे फिर एक छोटो पखनासे जहाज चलान बारो अपन इच्छा अनुसार जिताए मन लागो उतै लै जात हए । ⁵उइसी जीभ फिर एक छोटो अडग हुइके बणी बणी बात को अभिमान कर्त हए । देखओ, एक छोटि आगीको चिल्ली बणो वनके फिर स्वाहा करदेत हए । ⁶जीभ फिर एक आगी हए । जा शरीरकी अडग मैसे अधर्मको एक दुनियाँ हए । जा पुरी शरीरके खराब कर्त हए और जीवनको पुरी क्रममे आगी लगए देत हए और नरक कि आगीमे बो जलत हए । ⁷सब किसिमके पशुपक्षी, घिसनबारे जन्तु और समुद्रके जीवजन्तुनके तह लगाए सिक्त हए, और आदमी जातिनसे तह लगो हए । ⁸पर जीभके कोइ आदमी तह नाए लगा पाई हँए । खराब विषसे भरो जा चन्चल दुष्ट हए । ⁹जा से हम प्रभु और पिताको प्रशंसा कर्त हए, और जहे से परमेश्वारके रुपमे बने भए आदमीनके हम सराप्त हँए । ¹⁰एकए मुहुसे आशिर्वाद और सराप निकर्त हए । मीर भैयओ, अइसो नए होनके हए । ¹¹का पानीको मूलसे एकए नलसे मीठो और तीतो पानी निकर्त हए का? ¹²मेरे भैयओ, का गुलरके हाँगासे जैतुन और दाखके हाँगामे गुलरके फरा पाए हए का? तीतो पानीके मूलसे मीठो पानी ननिकार हए । ¹³तुमर मैसे बुद्धिमान और ज्ञानी कौन हए? अपन अच्छो जीवनसे बुद्धिको नम्रतामे बो अपनो काम दिखाबए । ¹⁴अगर तुमरे हृदयमे कपट और स्वार्थी अभिलाषा हए तव जा बातमे घमण्ड मत करओ, और सत्यके झुठो मत बनओ । ¹⁵जा बुद्धि स्वर्गसे आनबारी बुद्धि नैयाँ । पर जा त संसारिक, आत्मिक नाय और शैतानिक हए । ¹⁶काहेकी जहाँ दिक्क और स्वार्थपूर्ण अभिलाषा होतहए, हुवाँ भाँडभैलो और सब मेल,मेलक भ्रष्ट काम होतहए । ¹⁷पर जौन बुद्धि स्वर्गसे आत हए बो पहिले शुध्द होतहए, तव बो शान्तिप्रिय, कोमल, बिचारशील, कृपापूर्ण और अच्छो फरासे भरो, पक्षपातरहित और कपटरहित होतहए । ¹⁸शान्ति कायम राखनबारे शान्तिमे बोतहए, और बे धार्मिकताको फसल बटोर्त हए ।

Chapter 4

¹तुमरे बीचमे लडाईँ और झगडा कौन बात ल्यातहए? का जा सब तुमर शरीरको अंगमे सडर्ष करन बारे अभिलाषासे का नाआए ? ²तुम इच्छा कर्तहौ, पर तुम पात नैयाँ । तुम हत्या कर्तहौ और लोभ कर्तहौ, पर पात नैयाँ । तुम झगडा कर्तहौ और लडाईँ कर्तहौ । तुमरे संग होत नैयाँ, काहेकी तुम परमेश्वारसे नाय मगत । ³तुम मगत हौ पर पात नैयाँ, काहेकी अपन अभिलाषा पुरा करन् के गलतसे मगतहौ । ⁴व्यभिचारी आदमीओ, संसारसंगको मित्रता परमेश्वारसँगको शत्रुता हए कहिके कहान बाली बात का तुमके पता नैयाँ? जहेमारे जो संसारसे संगी होन चाहत हए वो अपनएके परमेश्वारको शत्रु बनात हए । ⁵का तुम जा सम्झतहौ, कि पवित्र-शास्त्र व्यर्थमे अइसो कहिहए, हमरमे परमेश्वार धरी आत्माके ताहिँ वो बहुत दीक करत हए, ⁶पर बा बहुत अनुग्रह देतहए? जहेमारे पवित्र-शास्त्र अइसे कहात हए, “परमेश्वार अभिमानीनको बिरोध करत् हए, पर नम्रनके अनुग्रह करत् हए ।” ⁷जहेमारे अपनएके परमेश्वारके अधीनमे धरओ । दियाबलसकि विरोध करओ, तव वो तुमर मैसे निकरके भजैगो । ⁸परमेश्वारके ढिगैँ आओ, और बा तुमरे ढिगैँ अबैगो । पापीओ! तुम अपने हात चोखो करओ दुई मनके आदमीओ! तुम अपने हृदय शुध्द करओ । ⁹दुःखी होबओ, शोक करओ, और रोबओ । तुमर हँसी शोकमे, और तुमरो आनन्द उदासमे बदलए । ¹⁰प्रभुके ठिन अपनएके विनम्र बनाबओ, और बा तुमके उचो बनाबैगो । ¹¹भैयाओ, एक दुसरेके बिरुध्दमे खराब बात मत कहाबओ, औ अपन भैयाके दोष लगात हए वो व्यवस्थाके बिरुध्दमे कहात हए, और वो व्यवस्थाको दोष दिखत् हए । अगर तुम व्यवस्थाको दोष दिखात हौ तव त तुम व्यवस्था बमोजिम चलनबारे नयहँ, पर व्यवस्थाके न्याव करनबारे हुइगए । ¹²व्यवस्था देनबारो न्यायकर्ता त एकए हए, जौन बचान और नाश करन् फिर सिक्तहए पर अपन परोसिक दोष लगान बारे तुम कौन हौ? ¹³“आज और कल हम फलानो सहेरमे जयहए, हुवाँ एक वर्ष बितए हँए और व्यापार करके नाफा करेहँए” ¹⁴कहानबारे अब सुनओ, कल का हुईहए तुम नाए जन्तहौ । तुमरी जिन्दगी का हए? तुम त् धुवाँ हौ, जो यघरी दिखातहौ, और हरए जात हौ । ¹⁵जा के बदलामे त तुमके अइसो कहान रहए, “अगर परमेशको ईच्छा हुइहए तव हम बचंगे और अइसे उइसे करंगे ।” ¹⁶पर हबए तुम अ-अपन शेखीमे धाक लागतहौ । अइसो सब शेखी खराब हए । ¹⁷जहेमारे जौन भलाइ करन् जानके फिर नाए कर्तहए वो पाप कर्तहए ।

Chapter 5

¹धनी आदमी! सुनओ, तुमरे उपर आए पणन बारे कष्टनके ताहिँ रोबओ और विलाप करओ। ²तुमर धन सड़ो हए, और तुमर लत्ता किरक् खबो हए। ³तुमर सोनो चांदीमे काइ लागो हए, और बहे काइ तुमर बिरुद्धमे साक्षी हुइ हए, और आगी हानी तुमर शरीर खए हए। तुमर ताहिँ दिन के धन जम्मा करे हो। ⁴जौन खेतके आदमी तुमर खेत को बालि काटी हए, बो धोका बाजी करके नाए दै तुमारो ज्वाला कहैगो, और बो बालि काटन बालेक पुकार सेना को परमप्रभु को कान तक पुगो हए। ⁵तुम जा पृथ्वीक सुख विलास और मोजमज्जा मे मस्त हुइके बैठे हो। ⁶तुमर विरोध नाए करन बारे धर्मात्माके दोषी ठहराईके तुम मारे हो। ⁷जहेमारे भैया रेओ, प्रभु को आगमन नाए होन तक धैर्य धारण करओ। देखओ भूमीक बहुमुल्य फल को आशा करके तुम अगु और पिच्छुक बर्ष नाए होनतक धैर्य धारण करके आसरा देखत रहात हएँ। ⁸तुम फिर धैर्य धारण करओ। अपन हृदयके स्थिर करओ, काहेकी प्रभुको आगमान ढिँगै आइगव हए। ⁹भैया रेव एक दुसरे के बिरुद्ध मे गनगन मत करओ, नत् तुम दोषी ठहरैगे, देखओ न्याएकर्ता फाटक मे हए। ¹⁰भैयओ, कष्ट भोग और धैर्यको उदहारण कैसे होन पाडत् हए, सो प्रभुक नाउमे मस्कन बारे अगमवक्ता के देखओ। ¹¹देखओ धैर्य धारण करन बारेके हम धन्यको काहत हएँ, अय्युबको स्थिरताके बारेमे सुने हो, और प्रभुके अभिप्राय देखे हो, कि प्रभु कित्तो करुणामय और कृपालु हए। ¹²"मिर भैया तुम सब से अगु स्वर्गको या पृथ्वीको और कोइ बात को कसम मत खाओ, पर दोषी ठहरनके तुमर 'हए' त 'हए' और 'नाय' - त 'नाय' होबए। ¹³का तुमर मे कोइ कष्ट भोगत हय? बो प्राथना करए। का कोइ आन्दित हए? बो प्रशंसाको गित गाबए। ¹⁴का तुमर मैसे कोइ बिमार हए? बो मण्डलीके एल्डरके बुलाबए। बे प्रभुके नाउमे बोके तेलसे अभिषेक करके बोकि ताहिँ प्रार्थना करए। ¹⁵और विश्वासको प्रार्थना से बेमारिक बचए हए। और प्रभु बोके अच्छो बनाए हए, और अगर बो पाप करी हए कहेसे बोके क्षमा हुइहए। ¹⁶जहेमारे एक दुसरे संग अपन अपन पाप स्वीकार करओ। तुम अच्छो होन ताहिँ एक दुसरे के ताहिँ प्रार्थना करओ। धार्मि आदमी को प्रार्थना शक्तिशाली और प्रभावशाली होतहए। ¹⁷एलिया फिर त हाग्री हानि स्वभाव भव आदमी रहए। बे पानी नाए बर्षए कहिके भक्ति साथ प्रार्थना करिरहए और तिन बर्ष छ महिना तक पृथिवीमे पानी नए बर्षओ। ¹⁸बो फिर प्रार्थना करी, और बादर से बर्षा हुइगओ, और जमिन उब्जनी दै। ¹⁹मिर भैया रेव, अगर तुमर मैसे कोइ सत्य से भडकके जात कोइ बाके घुमाएके लिअए हो कहेसे। ²⁰बो जानए कि जौन आदमी पापी बोके गलत डगरसे घुमाएके लाबैगो, मृत्युसे बचाबैगो और अनगिन्ती पापके तोपैगो।

1 Peter

Chapter 1

¹येशू ख्रीष्टको प्रेरित पत्रुससे पोन्टस, गलातिया, कापाडोकिया, एशिया और बिथिनिया भर निर्वासित भए बिगदे भएनके, ²येशू ख्रीष्टको आज्ञापालन और बाको खुनको छिटाके ताहिँ पवित्र आत्मासे शुद्ध हुइके परमेश्वर पितासे बाको पुर्वज्ञान अनुसार चूनेभएनके: अनुग्रह और शान्ति प्रशस्त होत जाबए। ³परमेश्वर और हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको पिता धन्यको होबए! बाको बडो दयासे मरके येशू ख्रीष्टको पुनरुत्थानसे एक वचोभव आशाके ताहिँ हम नयाँ करके जन्मे हए। ⁴स्वर्गमे तुमर ताहिँ बचाइके धरे भए उत्तराधिकार खतम नाहोनबारे, बहुत शुद्ध और नाऔलियान बारे किसिमके हएँ। ⁵आखिर समयमे प्रकट होनबालि मुक्तिके ताहिँ तुम विश्वाससे परमेश्वरको शक्तिसे सुरक्षित बनेहओ। तुम जहे बातमे खुशी हो, पर हबए थोरी समयके ताहिँ तुमए तमान किसिमके कष्ट भोगन पड़हए। ⁶आगीसे खारो पर नाश हुइके जानबारी सोनेसे फिर तुमर विश्वास जद्धा मोलको हए। तुमर जा विश्वास त सच्चो प्रमाणित होबए, और येशू ख्रीष्ट प्रकट होबएगो तओ प्रशंसा, महिमा और आदरको योग्य बनए। ⁷तुम नादेखे तहुँ फिर बाके प्रेम करतहो। बाके तुम हबए ना देखेहो, तहुँ फिर बाके उपर विश्वास करतहो और बयान करन नसकन बारी महिमासे भरपुर आनन्दमे तुम बहुत खुशि हओ। ⁸तुमर विश्वासको परिणामसे तुम अपनो आत्माको मुक्तिकी पात हो। ⁹तुमरे ताहिँ होन आनबारी अनुग्रहके बारेमे अनुग्रहके अगमवाणी बोलन अगमवक्ता जहे मुक्तिक दुणि और तलास करी रहए। ¹⁰बिनके भितर होनबारी ख्रीष्टको आत्मा ख्रीष्टके कष्ट और बाके पिच्छु आनबारी महिमाको भविष्यवाणी करतपेती देखाओ भव समय और परिस्थितिके बारेमे बे दुणी रहए। ¹¹बिनके जा प्रकट करोगव रहए, कि बे अपनो ना, पर तुमर सेवा करत रहँए। जे बात स्वर्गसे पठाओ भव पवित्र आत्मासे तुमके प्रचार भव सुसमाचार सुनानबारेनसे अब तुमके बताओ भव स्वर्गदुत फिर जा बातके देखन बहुत इच्छुक हँए। ¹²जहेमारे अपन मन बाँधओ, धैर्य हबओ और येशू ख्रीष्ट प्रकट होतपेति तुमरे ठिन आन बारी अनुग्रहमे तुमरो आसरा पूरो मनसे धरओ। ¹³आज्ञाकारी बालक जैसो होनके कारन अगुको नजानन बरो अवस्था खराब इच्छामे तुम मत लगओ। ¹⁴पर तुमके बुलान बारी जैसो पवित्र हए, तुम फिर अपनी जीवनके सब रहन सहनमे पवित्र होबओ, ¹⁵काहेकी जा लिखो हए, "तुम पवित्र होबओ, काहेकी मए पवित्र हओ।" ¹⁶जौन हरेक आदमीनको बाकी कामजैसो उचनीच ना करके इन्साफ करनबारीके पिता कहिके पुकारत हए, तव तुमरो मैजल (सफर) को पुरो समय आदरसे बिताओ। ¹⁷तुम जानत हो, कि अपन पिता-पुर्खासे आओ व्यर्थके चीजसे, सोनो और चाँदी जैसो नाश होनबारी चीजके दाम तिरके तुम ना छुटे, ? ¹⁸पर निष्खोट और निष्कलंक थुमाको जैसो ख्रीष्टको अनमोल खुनसे दाम तिरके छुटाएगए हो। ¹⁹बा सृष्टि होनसे अगुयए नियुक्त रहए, पर तुमर ताहिँ समयके अन्तमे प्रकट भव। ²⁰बा से परमेश्वर उपर तुमरो भरोसा हए, जौन ख्रीष्टके मृतकसे जिन्दा करके महिमा दै, ताकि तुमरो विश्वास और आशा परमेश्वरमे रहबए। ²¹अब सत्यके पालनसे तुम अपनएके शुद्ध करो भव कारनसे अपने ददाभैयनके झुटो प्रेम मत करओ, और हृदयसे एक दुसरेके गहिरो प्रेम करओ। ²²परमेश्वरको जीवित और सदामान रहनबारी वचनसे, विनाशी ना पर अविनाशी वीर्यसे तुम नयाँ करके जन्मे हो। ²³काहेकी, "सब प्राणी घाँस जैसे हए और बिनको सब मानसम्मान घाँसको फुला जैसो हए। घाँस मरझाए जातहए, और फुला झरजात हए, ²⁴पर प्रभुको वचन सदामान बनोरहात हय। और तुमके प्रचार करो भव सुसमाचारको वचन जहे हए।

Chapter 2

¹जहमेरे सब दुष्टता, सब छल-कपट और इर्ष्या, और सब बदनामिसे धुर रहाबओ । ²नयाँ जन्मे बालकन जैसो शुद्ध आत्मिक दुधको प्यासे होबओ, और बासे तुम अपन मुक्तिमे बढत् जाए सकत हओ । ³काहेकी प्रभु कृपालु हए कहिना बारी बातकि स्वाद तुम पाएगए हौ । ⁴बाके ठिन जाओ, जौन जिन्दा पत्थर हए । आदमीनसे इन्कार भव, पर परमेश्वरके नजरमे बा चुनो भव और बहुत मोलको हए । ⁵तुम फिर येशू ख्रीष्टसे परमेश्वरके नजरमे ग्रहणयोग्य आत्मिक बलिदान चढ़ानबारे पवित्र पुजारीके ताहिँ जिन्दा पत्थर कता आत्मिक घर बनत जाओ । ⁶काहेकी धर्मशास्त्रमे कहोगव हए, "देखओ, सियोनमे मए एक छानोभव और बहुत मोलको कोनेक पत्थर बैठएहौ, और जौन बाके उपर विश्वास करहए बाके शरमान ना पणैगो ।" ⁷जहमेरे तुम जो विश्वास करत हौ, तुमरे ताहिँ त बा बहुत मोलको हए, पर विश्वास नकरन बारेनके ताहिँ त, "जौन पत्थरके भवन बनान बारे रद्द करी बहए कोनेको खास-पत्थर बनो ।" ⁸और, "एक पत्थर, जौन आदमीनके ठक्कर लगात हए, एक चट्टान, जौन बिनके गिराए देत हए ।" काहेकी बे वचन पालन ना करत हए, और गिरजात हँए । बिनके ताहिँ अइसी होन लिखो हए । ⁹पर तुम त चुनेभए वंश, राजकीय पुजारी, पवित्र जाति, परमेश्वरके अपने प्रजा हौ । बा तुमके अन्धकारसे बाकी अचम्मोकी ज्योतिमे लाइहए, ताकि तुम बाके अचम्मोका कामके घोषणा कर सकौ । ¹⁰एक चोटी तुम प्रजा ना रहौ, पर अब तुम परमेश्वरके प्रजा भए हौ । एक चोटी तुम कृपा ना पाए रहौ, पर अब तुम परमेश्वरसे कृपा पाएहौ । ¹¹प्रिय हो, मए तुमके बिन्ती करत हौ, कि विदेशी और प्रवासी हौ कहिके जानके तुमर आत्माके बिरुद्धमे लडाई करनबारे शरीरके अभिलाषासे अलग रहबाओ । ¹²अन्यजातिनके बीचमे तुमरो चालचलन अच्छो होबए । कोइ तुमके कुकर्मी करके तुमरे बिरुद्धमे बोलसे फिर बे तुमरो असल काम देखए, और आनबारे दिनमे बे परमेश्वरको महिमा करए । ¹³प्रभुके ताँही आदमीके हरेक शासनके अधीनमे बैठओ, चहु बा सर्वोच्च राजाको होबए, ¹⁴औ हाकिमको होबए, जौ खराब काम करनबारेनके दण्ड देन और अच्छो काम करनबारेनके प्रशंसा करन बासे खटाए भए होथँए । ¹⁵काहेकी परमेश्वरकी इच्छा जहे हए, कि अच्छो करके हि तुमके मुख आदमीनको अज्ञानताके चुप करान पणत हए । ¹⁶स्वतन्त्र आदमी कता जीवन बितओ स्वतन्त्रके खराब काम करन बहाना मतबनाओ, पर परमेश्वरके दास कता हुइके चलओ । ¹⁷सब आदमीनके आदर करओ । भैयाबन्धुनके प्रेम करओ । परमेश्वरसे डरओ । राजाको आदर करओ । ¹⁸कमैयौँ रेओ, पुरो आदरसे अपन मालिकके अधीनमे बैठओ । तुमरे उपर दयालु और भलेनके अधीनमे इकल्लो ना, पर निर्दयीनके अधीनमे फिर । ¹⁹परमेश्वरके सम्झके कोइ आदमी अन्यायसे भरो कष्ट सहेत हए तव बा परमेश्वरमे आदरनिय हए । ²⁰काहेकी तुम खराब काम करके पिटाइ खातपेति धिरजसे सहेतहौ कहसे जामे बडि बात का हए तव ? पर तुम अच्छो करके फिर दुःख भुगतत पेति धिरजसे सहेतहौ कहसे जा परमेश्वरमे ग्रहणयोग्य होथए । ²¹काहेकी तुम जाहएके ताहिँ बुलाए गए हौ । ख्रीष्ट फिर तुमरे ताहिँ कष्ट भोगी, और तुमरे ताहिँ एक उदाहरण छोडि हए, और तुमके बहएकि डगरमे नेगन पणैगो । ²²"बा कोइ पाप ना करी, और बाको मुहुसे कोइ छलकि बात ना मिलओ ।" ²³बे बाके अपमान करी तहु फिर बा बदला ना लै । दुःख भुगतत पेति बा धम्की ना दै । पर ठिक न्याय करनबारे उपर बा भरोसा करी । ²⁴हम पापके ताँही मरे धार्मिकताके ताँही जिमए कहिके बा क्रूसमे अपनीए शरीरमे हमर पाप बोकी । बाके चोटसे तुम अच्छे भए हओ । ²⁵काहेकी तुम भेडा कता तितर बितर रहौ, पर अब तुम आत्माको गयौँरो (चरबाह) और देखभाल करनबारे ठिन घुमके लौट आए हौ ।

Chapter 3

¹बैयरओ, तुम फिर अपन पतिनके अधीनमे रहबओ, और अइसी तुम वचन पालन नकरनसे फिर अपन बैयरनको ब्यबहारके कारण शब्दबिना फिर बिनको मनको परिवर्तन हुइ सकतहए । ²तुमर जीवनको शुध्दता और भक्ति देखके बिनको परिवर्तन हुइहँए । ³बारको सिङगार, सोनेके गर गहना और महङ्गि कपडासे तुमरो बाहिरी सिङगार पटार ना होबए । ⁴तुमरो भितर हृदयके भलो और शान्त आत्माको अविनाशी रत्नसे सजाओ, जो परमेश्वरके नजरमे बहुत मोलको हए । ⁵काहेकी जहे किसिमसे अगुअगु परमेश्वरमे आशरा करनबारी पवित्र बैयर फिर सिङगार करत रहँए, और अपन लोगाके अधीनमे बैठत रहए । ⁶सारा हानि, जौन अब्रहामके स्वामी करके बाको आज्ञापालन करत रहए, अगर तुम अच्छे काम करएगे और कोइ बातमे ना डराबैगे तव तुम बहएकी लौड़िया होबएगे । ⁷जैसए लोगओ रेओ, अइसीयए करके अपन बैयर संग सोचबिचार करके बैठओ, और बैयरके कमजोर मानके आदर करओ, काहेकी तुम जीवनको अनुग्रहक साझेदार हव, जा हेतुसे कि तुमर प्रार्थनामे बाधा ना पड़ए । ⁸अन्तमे तुम सबए मे आत्माको एकता रखओ, एक दुसरेके दया दिखबो, ददा-भैयाको प्रेम करओ, मुलायम हृदयके होबओ, और नरम मनके होबओ । ⁹खराबीको बदला खराबी नाकरनबाले, अथवा अपमानको बदला अपमान नाकरनबाले, बरु बाके सट्टामे आशिष देनबारे होबओ, काहेकी जहे के ताहिँ तुम बोलए गएहौ, कि तुम आशिष पाएजाओ । ¹⁰काहेकी, “जौन जीवनके प्रेम कर्त हए, और अच्छे दिन देखन चाहँतहए, बा अपन जिबके खराबीसे और अपन ओठके झुँटी बात बोलनसे अलग रखाए । ¹¹बा खराबीसे घुमके अच्छे करए, बा शान्तिकी खोजी करए और बाके पिछु लागए । ¹²काहेकी परमेश्वरके नजर धर्मात्मानके उपर रहात् हए, और बाके कान बिनको प्रार्थना घेन खुला रहत् हँए, पर परमप्रभुको मुहू खराबी करनबारेके बिरुध्दमे होत हए ।” ¹³अगर तुम भलाईके ताहिँ उत्साहित हो तव तुमरो खराबी करन बारो कौन हए ? ¹⁴पर धार्मीकताके खातिर दुःख भुक्तन पड़हए कहेसे तुम धन्यके ह । | बिनकि धम्कीमे डर मतमानौ, और भयभित मत होबओ । ¹⁵पर ख्रीष्टके प्रभु मानके तुमर हृदयमे बाको विश्वास करओ । तुमर हृदयमे भव आशाके बारेमे कोइ सोधपुछ करए बाको जबाफ देन सदिमान तयार बैठओ, पर बा काम धिरज और विश्वाससे करओ । ¹⁶तुमरो दिमाकके शुध्द रखओ ताकि तुमर बिरोधमे बोलन और ख्रीष्टमे तुमर चालचलनके निन्दा करनबारे लज्जीत होमए । ¹⁷अगर परमेश्वरकि इच्छा हए तव, खराबी करके दुःख भोगनसेता भलाई करके दुःख भोगनके अच्छे हए । ¹⁸काहेकी हमके परमेश्वरके ठिन लान ख्रीष्ट फिर पापके ताहिँ सदाके ताहिँ एकए चोटी मरो हए बा शरीरमे मारोगओ- धर्मी आदमी अधर्मीनके ताहिँ- पर आत्मासे जिन्दा भव । ¹⁹जहे आत्मामे बा गव और कैदमे पणे आत्मनके फिर प्रचार करी । ²⁰बे आत्मा पुराने समयमे आज्ञापालन नाकरौं, जब नोआके समयमे जहाज बनातपेति परमेश्वर धिरज करके असियान डटो रहए । बा जहाजमे थोरी अथवा आठ जनै इकल्ले पानीसे बचाए गए । ²¹जहे पानी बप्तिस्माको एक रुप हए, जौन तुमके बचात हए, जा शरीरको मैल हटाओ जैसो ना, पर सुध्द विचारके ताहिँ परमेश्वर घेनको एक प्रतिज्ञा हए । जा मरोसे येशू ख्रीष्टको पुनरुत्थानसे तुमके बचात हए । ²²बा स्वर्गमे गओ और स्वर्गदुत, अधिकार और शक्तिके वशमे करके परमेश्वरके दहिना हात घेन बिराजमान हए ।

Chapter 4

¹जैसी खीष्ट शरीरमे दुःख भोगी, उइसी तुम फिर बहे किसिमको विचार धारण करओ, काहेकी जौन शरीरमे दुःख भोगी होथए, बा पाप करनके छोड़थए । ²अइसे बा अपन जीवनको बचोभव समय फिरसे आदमीको कुइछामे ना, पर परमेश्वरके इच्छामे बितात हए । ³बितेके दिनमे अन्यजाति करिँ कता तुम व्यभिचार, कुवासना, मधपान, मोजमज्जा, पियक्कडपन और घृणित मुर्तिपुजामे बहुत समय बिताए । ⁴तुम बिनके संग खराबीकी डगरमे नानेगो भओ देखके बे छक्क पणतहँए और तुमरो बिजरो बतकातहँए । ⁵पर जीन्दा और मरेनके न्याय करन तयार होनबारेके बिनके लेखा देन पणैगो । ⁶जहेमारे मरेनके फिर सुसमाचार सुनाई , ताकि बे आदमीनहानि शरीरमे इन्साफ पाएसे फिर आत्मामे बे परमेश्वर जैसे जिमए । ⁷सब बातकी अन्त जौनियए आएगओ हए । जहेमारे अपन प्रार्थनाके ताहिँ शुध्द मनके और सचेत हुइराहबओ । ⁸सबसे जद्धा एक-दुसरेक उपर तुमर प्रेम अटल रहबए । काहेकी प्रेम बहुत पापके तोपतहए । ⁹विना गनगनाइके एक दुसरेके अथितिसत्कार करओ । ¹⁰जौन जैसो वरदान पाओ हए, परमेश्वरके अनुग्रहके अलग-अलग वरदान पाए भए कारीगरकता बे एक-दुसरेके ताहिँ प्रयोग करओ । ¹¹अगर कोइ बोल्तहए तव, परमेश्वरको वचन बोलो जैसो बा बोलए । अगर कोइ सेवा कर्तहए तव परमेश्वरकी दैर्भई शक्तिसे बा सेबा करए, जा कारणसे कि सब बातमे येशू खीष्टसे परमेश्वरएकी प्रशंसा होबए । बहएके महिमा और पराक्रम सदासर्वदा होबए । आमेन । ¹²प्रिय हो, तुमके जाँच करनबारी अग्निसमान परिक्षा तुमरे उपर आत कोइ अचम्मि बात कता तुम छक्क मतपणओ । ¹³पर खीष्टके कष्ट-भोगमे सहभागी होत रमाओ, ताकि बाको महिमा प्रकट होत तुम फिर आनन्दित और खुशी होन सिकओ । ¹⁴अगर खीष्टके नाउँमे तुम निन्दित हुइहौ कहेसे तुम धन्यके हौ । काहेकी महिमाको और परमेश्वरको आत्मा तुमरे उपर रहात हए । ¹⁵पर तुम मैसे कोइ फिर हत्यारा,अथवा चोर,अथवा खराबी करनबारे, अथवा दुसरेके काममे हात डारनबारे कता दुःख मतभोगओ । ¹⁶पर कोइ खीष्टियान होनके कारण दुःख भोगत् हए कहेसे बा शरम ना मानए, पर बहे नाउँमे बा परमेश्वरके महिमा देबए । ¹⁷काहेकी न्याय परमेश्वरएके परिवारसे सुरु होनके समय आओ हए, और अगर जा हमैसे सुरु भवहए तव परमेश्वरको सुसमाचार ना मानन बारेनको अन्त कैसो हुइहए? ¹⁸और, “अगर धर्मी जनको उध्दार कठिनसे होतहए कहेसे अधर्मी और पापीकी गति का हुइहए?” ¹⁹जहेमारे परमेश्वरको इच्छाअनुसार दुःख भोगनबारे भलाइ करँए और बे अपन आत्मा विश्वासयोग्य सृष्टिकर्ता के सौँपए ।

Chapter 5

¹1 ख्रीष्टक कष्टको गवाही प्रकट होनबारी महिमाके सहभागी भएके नातासे और एक संगी- एल्डरके हैसियतसे तुमर मैसे एल्डरनके मए बिन्ति करतहौ । ²तुमरे रेखदेखमे धरो परमेश्वरको बगालके देखभाल करओ । कर से नाए पर अपने मनसे धनकी लोभसे ना पर हौससे, ³तुमरे जिम्मामे रहान बारनके उपर अधिकार जमाएके ना, पर बगालके ताहिँ उदाहरण हुइके । ⁴और जब खास बक्रेरा (गोठालो) प्रकट हुइहए तव तुम महिमाको ना अइलान बारो मुकुट पाबैगे । ⁵उइसी करके जवानओ, बूढेपाखेनके अधीनमे बैठओ । एक-दुसरेके अधीनमे रहिके तुम सब नम्रताको लत्ता धारण करओ । काहेकी, “परमेश्वर घमण्डिनको बिरोध करत हए, पर झुकनबारेनके अनुग्रह करत हए ।” ⁶जहेमारे अपनाए परमेश्वरके शक्तिशाली बाहुलितरे विनम्र बनाबाओ, और बा उचित समयमे तुमके उचो बनाबैगो । ⁷तुमरो सारा फिक्री बाके सौँपदेओ, काहेकी बा तुमर वास्ता करतहए । ⁸सचेत रहाओ, जागे रहाओ, तुमरो शत्रु दियाबलस कौनके पामौँ और खाए डारौँ करके गुरान बारो सिंहडौँ कत्ता ढुणत् फिरत हए । ⁹विश्वासमे बलवान हुइके बाको विरोध करओ, काहेकी संसारभर तुमरे ददाभैयानके फिर अइसीए कष्टको महसुस करन पणनडटो हए । ¹⁰सबए अनुग्रहक परमेश्वर ख्रीष्टमे अपन सदा रहानबारो महिमाक ताहिँ तुमके बुलाई हए । तुम कुछ देर कष्ट भोगके बहए तुमके फिर नयाँ बनाबैगो, स्थिर करैगो और शक्तिशाली बनाबैगो । ¹¹बहएक पराक्रम और शक्ति सदासर्वदा होतरहबए । आमेन । ¹²विश्वासयोग्य भैया सिलासके जा छोटो पत्र लिखत हौ । ज्ञान देत मए जा घोषणा करन डटोहौ, कि परमेश्वरको सच्चो अनुग्रह जहए हए । जामे तुम पक्को हुइके खडा होबओ । ¹³बेबिलोनमे भै तुमरी जैसी छनिक कारण, और मिर लौड़ा मर्कूस फिर तुमके अभिबदान पठाई हए । ¹⁴एक दुसरेके प्रेमको चुमनसे अभिबदान करओ । ख्रीष्टमे भए तुम सबके शान्ति ।

2 Peter

Chapter 1

¹येशू ख्रीष्टको दास और प्रेरित सिमोन पत्रुससे, और हमर परमेश्वर और मुक्तिदाता येशू ख्रीष्टको धार्मिकतामे हमर जैसो अनमोल विश्वास पान बारनके, ²परमेश्वर और येशू हमरो प्रभुको ज्ञानमे अनुग्रह और शान्ति तुमरमे प्रसस्तसे होतजबए । ³अपन महिमा और श्रेष्ठतासे हमके बुलान बारो हमके चिनोके बजेसे परमेश्वरको ईश्वरीय शक्तिसे जीवन और भक्तिनके ताहिँ हमके चाहन बारो हरेक चीज बा देतहए । ⁴जहे से हमके बाको अनमोल और महान बादा करी हए,, कि जा संसारको खराब इच्छासे आनबारो भ्रष्टतासे भाजके तुम इश्वरीय स्वभावमे सहभागी होबओ । ⁵जहेमारे सब किसिमको कोसीस् से तुमर विश्वासमे सद्गुण और सद्गुणमे ज्ञान थपौ, ⁶ज्ञानमे आत्मसंयम, आत्मसंयममे धैर्य, धैर्यमे भक्ति, ⁷भक्तिमे भाइचारा, भाइचारामे प्रेम थपौ । ⁸कहेकी जे बात तुमरमे प्रशस्त हए कहेसे हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको ज्ञानमे जे बात तुमके बेकाम और फेल होनसे बचए हए । ⁹कहेकी जे बातमे कमी भव आदमी त पुराने पापसे शुद्ध भव बात भुलके अँन्धा और दुरकी बात न देखन बारो जैसो होतहए । ¹⁰जहेमारे भैयओ, तुमरो बुलावट और चुनाओ के पक्को करके और जोसिलो होबओ, कहेकी जे चीज करन से तुम कबहू ना गिरैगे । ¹¹कहेकी अइसी हमर प्रभु मुक्तिदाता येशू ख्रीष्टको अनन्त राज्यभितर तुमरो भव्य स्वागतके संग प्रवेश मिलैगो । ¹²जहेमारे जे बात तुमके मए हरदिन सम्झात हओ, अगर तुम जे सब जनतहओ, और तुममे भव सत्यतामे तुम पक्के हौ । ¹³जब तक मए जा शरीरमे हओ, तुमके याद करतए सचेत करन मए ठीक सम्झो । ¹⁴कहेकी मए जनत हौ, हमर प्रभु येशू ख्रीष्ट मोके दिखाए दैहए कि मेरो जा शरीर छोणनको बेरा जीने अएगव हए । ¹⁵मिर मृत्युके पिछु फिर तुम जे बात कोइ फिर समयमे सम्झ सकौ, कहिके मए प्रयास करङ्गो । ¹⁶कहेकी हम तुमके हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको महाशक्ति और आनको समाचार देत खराब बातसे रचे भए दन्त्यकथा कहानीके हम अनुकरण ना करे, पर बाको शक्ति प्रत्यक्ष देखन् बारो हम साक्षी हए । ¹⁷बा परमेश्वर पितासे आदर और महिमा पाइ हए, जब बा तेजस्वी महिमासे एक वाणी निकरी, “जा मिर प्रिय पुत्र हए, जौनसे मए बहुत खुशी हओ ।” ¹⁸बा पवित्र डाँगामे हम बाके संग होत स्वर्गसे आओ बा वाणी हम अपनए सुने रहए । ¹⁹हमरे संग भए अगमवक्तानको वचन और पक्को भव हए । भुक्भुको उजियारो ना होन तक और तुमरो हृदयमे सुबेरेको तारा ना निकरन तक अन्धकारमे पज्रो भव दिया कता तुम जा वचनके ध्यान देहौ तव अच्छो करेहओ । ²⁰सबसे पहिले त जा सम्झन पणैगो, कि पवित्र धर्मशास्त्रको कोइ अगमवाणी आदमीनको अपनी व्यक्तिगत व्याख्याके बारेमे नाहए । ²¹कहेकी आदमीको इच्छासे कोइ अगमवाणी नाअई, पर पवित्र आत्मासे प्रेरणा पाएके आदमी परमेश्वरके घेनसे बोलिँ हए ।

Chapter 2

¹जैसी इस्राएलीनके बीचमे झुठे अगमवक्ता फिर रहए, उइसी तुमर बीचमे झुठे शिक्षक ठाणे हुइहए । बे गुप्त रुपसे विनाशकारी झुठे शिक्षा लयहए, हियाँ तक कि बे उध्दार करनबारी स्वामीके फिर बे इन्कार करहए, और अपने उपर जल्दी बिनाश लयहए । ²और बहुत जनी बिनको विलासीको स्वभावके अनुकरण करहए, और बिनके बजेसे सत्यके डगर कि बदनामी हुइहए । ³लोभके वशमे पणके बे झुठी बात बानएके तुमसे फाइदा उठामङ्गे, बिनको दण्ड अगुसे पक्का हुइगव हए, और बिनको विनाशकी बात जिन्दा हए । ⁴काहेकी प्रमेश्वर पाप करन बारे स्वर्ग दुतनके फिर ना छोणी, पर बिनके नरकमे फेकदै, और न्यायके दिनके ताहिँ पातालके अन्धकारमे कैद करके धरे हए । ⁵बा प्रचीन संसारके बाँकी ना राखि, पर भक्तिहीनताके संसारमे जलप्रलय करत धार्मिकताको प्रचारक नोआ और सात जनीनके सुरक्षा करी । ⁶बा सदोम और गमोरा शहरनके भसम् करके बिनको नामनिसाना समेत मिटाए दै, और भक्तिहीनके अगु बिनके एक उदारहण बनाइ । ⁷बा दुष्टनके कमुकतासे (व्याभिचारसे) बहुत दुःखी भव धर्मि लोतके बचाई । ⁸{बे आदमीनके बीचमे बैठत, और दिन प्रतिदिन बिनके गलत कुकर्म देखत सुन्त, बिनको धार्मिक आत्मामे व्याकुल होतरहए। } ⁹अइसी भगतनके परीक्षासे बचान और भक्तिहीननके न्यायके दिनतक दण्डके ताही पकणके धरन प्रभु जनत हए । ¹⁰विशेष करके बिनके, जो अशुद्ध करन बारे कामवासनामे डुबेरहतहए, और अधिकारको अवहेलना करत हए । जे हठी और अहकरी होतहए, और स्वर्गीय प्राणीको निन्दा करन ना डरात हए । ¹¹पर स्वर्गदुत शक्ति और सामर्थ्यमे सबसे बणो होनसे फिर ताहु प्रभुके अगु बे प्राणीके निन्दापूर्ण दोष ना लगात हए । ¹²पर जे आदमी अपनए ना सम्झी बातके निन्दा करत हए । जे विवेकहीन जनावर जैसे हए, और स्वाभाविक इच्छाके वशमे रहत हए । जे पकणके मरनके ताही जन्मे जैसे हए, और जे पशु जैसे नष्ट हुइहए । ¹³अपनो करो खराबीके ताहिँ अपनए फिर खराबी भोगङ्गे, दिनमे भोग-विलासमे मग्न राहन ताहि जे खुशीको बात मानत हए । जे दागलागे भएऔर खोंटे सिक्का जैसे हए, और तुमरे संग भोजमे बैठत जे बेढम खतपित मौज मस्तीमे मग्न रहत हए । ¹⁴बिनकी आँखी व्याभिचारसे भरिहए, और जित्तो पाप करत फिर बे ना घबणात हए । बे चञ्चल मन भएनके फुल्सात हए । बिनके हृदय लोभमे तालीम पाए हए । बे श्रापितके सन्तान हए । ¹⁵बे सिधि डगर छोणके बे कुकर्ममे लागे हए । अर्धमको कामको मजुरिलेन मन पणान बारे बओरको लौणा बालामके पिछु बे लागे हए । ¹⁶बे अपन अपराधके ताहिँ हप्की पाई रहए- गुँगो गधह आदमीके बोलीमे बा अगमवक्ताको पागलपनाके रोकदै रहए । ¹⁷बे पानी ना भए चोहा हए, जेआँधीसे उणान बारो धुवाँ जैसे हए । बिनके ताहिँ पातालको अन्धकार धरो पणो हए । ¹⁸बे मूर्खतापूर्ण बणि-बणि घमण्डकी बात करत हए, और कु डगर से भाजके आए भएनके शरीरको मौजमस्तीके कामवासनाके बातमे फसात हए । ¹⁹बिनके स्वतन्त्र करदेनको बादा करत हए, पर बे अपनए भ्रष्टताके कमैया हए, काहेकी जौन चीज कोइके आदमीके जितत हए बा चीजको बा कमैया बनाजात हए । ²⁰अगर बे हमर प्रभु और मुक्तिदाता येशू ख्रीष्टके चिनके फिर संसारको दूषित करनबारी चीजसे भाजके पिछु फिरसे बहे पापमे घुमत हए कहेसे बाको अवस्था अगुसे और खराब होतहए । ²¹धार्मिकताको डगरके जानके बिनके दओ भओ पवित्र अज्ञासे घुमके आनसे त बे धार्मिकताको डगरके ना जानन् अच्छो हुइतो । ²²बिनके ताही जा काहानी सत्य हए, “कुत्ता अपन उल्टीमे घुमके आतहए,” और हदानो सोरा किचमे घुमके आत हए ।”

Chapter 3

¹प्रिय, तुमके लिखो जा मेरो दोस्रो पत्र हए, और दोनो पत्रमे कित्तो बातको याद दिलाएके तुमके निष्कपट मनके उत्साहित करो हौ, ²कि पवित्र अगमवक्तानके अगमवाणी और तुमरे प्रेरितनसे दओ प्रभु और मुक्तिदाताको आज्ञाके तुम समझओ। ³सबसे पहिले तुम जा जानओ, कि अन्तीम दिनमे गिल्ला करन बारे गिल्ला करत, बे अपने अभिलाषामे अइसे कहत अमङ्गे,। ⁴"बाको आगमनको प्रतिज्ञा कहाँ गव ? काहेकी पिता-पुर्खा मरभए दिनसे सब बात सृष्टिको सुरुसे चलेआओ जैसो आज फिर उइसीए हए।" ⁵जान-बुझके फिर बे जा बातको वास्ता ना करत हए, कि परमेश्वरको वचनसे स्वर्ग अगुसे रहए, और पृथ्वी त पानीसे और पानीद्वारा बनो। ⁶बहे पानीसे बा समयको संसार जलप्रलयसे डुबके नष्ट भए। ⁷तव बहे वचनसे भक्तिहीन आदमीको इन्साफ और बिनाशको दिनके ताहिँ अबाएको आकाश और पृथ्वी आगीके ताहिँ समरो धरो हए। ⁸पर प्रिय तुम, जा एक बात मत भुलओ, कि प्रभुके ताहिँ एक दिन हजार वर्ष कता और हजार वर्ष एक दिन कता हए। ⁹अपन प्रतिज्ञाके बारेमे प्रभु ढिलो ना करत हए, पर कोइ फिर नष्ट ना होमए, पर सब जनी पश्चाताप करए कहिके इच्छा करके प्रभु तुमरे प्रति धैर्यवान हए। ¹⁰पर प्रभुके दिन त चोर जैसो करके आबैगो, जौनमे आकाश त बणो आवाजके संग बितके जए हए, तत्व आगीके लपटसे पिगल जयहँए, और पृथ्वी और बामे भए सब चीज भस्म हुइहए। औ जामए भए काम प्रघट हुइ हए। ¹¹जा सब बात अइसी पिघलैगो कहिके जानके पवित्रता और भक्तिको जीवनमे तुम कैसो किसिमको आदमी होन पणैगो ? तुमके धर्मीऔर पवित्र जिवन जिन पणैगो। ¹²तुमके जल्दी परमेश्वरके आनको आसा करन पणत हए। बा दिन आकाश आगिकेद्वारा खतम करे जामङ्गे और तत्वके तेज घामु के तापसे पिगलझी। ¹³पर बाके प्रतिज्ञाके जैसो हम नयाँ स्वर्ग और नयाँ पृथ्वीको डगर देखत हँए, जौनमे धार्मिकता वास करत हए। ¹⁴जहेमारे प्रिय हो, तुम जा बातको प्रतिज्ञा करनके बजेसे, बाके दृष्टीमे तुम दाग वा खोट ना भए और शान्तिमे बैठनको प्रयस करओ। ¹⁵हमर प्रभुको धैर्यके मुक्ति मनाके जैसो हमर प्रिय भैया पावल फिर उनके दै भइ ज्ञान जैसो तुमके जहे बात लिखी। ¹⁶उनके सब चिठीनमे फिर जे बात लिखि हए, बिनमे कोइ-कोइ बात समझनके कठिन हए, और अशिक्षित और चञ्चल आदमी जा बातके और धर्मशास्त्रनके बे बचनके गलतअर्थ लगात, अपनो विनाश लामङ्गे। ¹⁷जहेमारे प्रियहो, तुम जा बातके जानन् के बजैसे अपने आपके सुरक्षासे धरओ, ताकी व्यवस्था ना जानन् बारे आदमीको छलसे तुम अपने आपके दुर मत लैजाओ, और तुम अपने विश्वासके मत गुमाओ। ¹⁸पर हमर प्रभु और मुक्तिदाता येशू ख्रीष्टको अनुग्रह और ज्ञानमे बढत जाओ। बाके अभए और सदामान महिमा होबए ! आमेन।

1 John

Chapter 1

¹जीवनको जा वचनके बारेमे, जो सुरुसे रहए जो हम सुने हए, जो हमर आखीसे देखे और हातसे छोए, ²बा जीवन प्रकट भव, और हम देखे, और हम गवाही देत हए और तुमके बा अनन्त जीवनको सन्देश शुनात हए, जो पिता सग रहए, और हमरे ठिन प्रकट भव, ³हम जो देखे और सुने हए, सो हम तुमके सुनात हए, ताकी हमर सग तुमर सँगती होवए। हमर सँगती पिता और बाको पुत्र येशू ख्रिष्ट सँग हए। ⁴हम जा बात जा कारण से लिखेहए, कि हमर आनन्द पुरो होबए। ⁵जौन सँदेश हम तुमसे सुने और बा हम तुमके सुनात हए, बा बहे हए, कि परमेश्वर ज्योती हए, और बामे कतै अध्यारो नाहए। ⁶अगर बाकेसँग हमर सँगती हए कहिके हम काहत हए और अन्धकारमे नेगत हए, तव हम झूठ बोलत हए और सत्यमे नचलत हए। ⁷पर वा जैसो ज्योतीमे हए उइसिए हम ज्योतीमे चलत हए तव एक दुसरे से हमर सँगती होत हए, और बाको पुत्र येशुको खूनसे हमके सब पापसे सुध्द करत हए। ⁸अगर हममे पाप नाहए कहेके हम काहत हए तवहम अपने आपके धोका देत हए, और हममे सत्य नाहए। ⁹अगर हम अपने पाप के स्वीकार करङ्गे तव हमर पापके क्षमा करैगो और सबै अर्धमसे हमके शुध्द कर देबैगो, काहेकी बा बिश्वास योग्यऔर धर्मी हए। ¹⁰अगर हम पाप ना करे हए कहेसे हम काहत हए तव हम झूठ बोलत हए और बाको बचन हम मे नाहए।

Chapter 2

¹मेरे छोटे बालकौ, तुम पाप मत करऔ जा बात मै लिखत हओ। पर कोई आदमी पाप करलै है, तौ भी हमर ताही पितासँग हमर पक्षमे बोलन ताही एक जनी हए, औ धर्मी येशू खीष्ट। ²बा हमर पापके ताहि प्रायश्चीत हए, और हमर ताही इकल्लो ना, पर सारे संसारके पापके ताही फिर। ³अगर हम बाको आज्ञाके पालन करत हए, तव जहेमे हम जानत है कि हम बाके चिनत हए। ⁴जैन मै बाके चिनत हओ काहत है, पर बक आज्ञाके उलङ्घन करत हए, कहेसे बा झुटो हए, और बामे सत्य ना होत हए। ⁵पर जैन बक बचनके पालन करत है, बा मे परमेश्वर घेनको प्रेमसे नेहत्य शिद्ध भौ हए। हम बामे हए, कहेसे जहेसे पता चलत हए। ⁶परमेश्वरमे हओ कहेन बारे आदमी अपनैके येशू खीष्ट के जैसो चलन पड़त हए। ⁷प्रिय मै तुमके नयाँ आज्ञा ना, पर बहैए पुरानो आज्ञा लिखत हओ, जो सुरुसे ही तुमर सँग रहए, जा पुरानो आज्ञा तुमर सुनोभव बचन हए। ⁸तहु फिर एक नयाँ आज्ञा मै तुमके लिखत हव जोबामे और तुममे सच्चो हैए, काहेकी अन्धकार बितरहोहए और सच्चो ज्योती अगु चमक रहोहए। ⁹जौन मए ज्योतीमे हव कहीके काहत है और अपने भैयाके अच्छो ना मानत है तै बा अभए फिर अन्धकारमे हए। ¹⁰जौन अपने भौइयाके प्यार करत हए बा ज्योतीमे राहत हए और बामे ठक्करको कारन ना होतहए। ¹¹पर जौन अपन भौइयाके अच्छो ना मानत है बा अन्धकारमे हए। और अध्यारो मे नेगत हए। और मए काहं जाएरहो हओ बाके पता ना चलत हए। काहेकी अंध्यारो बाके अंधरा बनाए देत हए। ¹²मेरे छोटे बच्चा मए तुमके लिखत हओ, काहेकी येशू खीष्टके नाऊँके बजेसे तुम्के पाप क्षमा भओ हए। ¹³पिता मए तुमके लीखत हओ, काहेकी सुरुसे जो रहए बाके तुम चिनत हओ। जवान, मए तुमके लिखत हओ, काहेकी तुम दुष्टके जिते हओ। मिर छोटे छोटे लौडीया, मए तुमके लिखत हव, काहेकी तुम पिताके चिनत हव। ¹⁴पिता, मए तुमके लिखत हव, काहेकी सुरुसे जो रहए बाके तुम चिनत हव। हे जवान मए तुमके लिखत हव, काहेकी तुम तागत बारे हव, और परमेश्वरको वचन तुम्मे राहत हए, और तुम दुष्टके जितलए हव। ¹⁵संसारके और संसारमे भए कोई चिजके प्यार मत करऔ। अगर कोई आदमी संसारके प्यार करत हए तौ बामे पिताको प्यार नाहोथहए। ¹⁶काहेकी संसारमे भए सबए चीज औ शरीरको अभिलाषा, आँखीको अभिलाषा, जीवनको शेखी पितासे ना आओ, बल्की संसारसे आओ हए। ¹⁷संसार बित जए हए और बाको अभिलाषा फीर बितजएहए, पर परमेश्वरको इच्छा पुरो करन बारे सदाके ताही राहामङ्गे। ¹⁸छोटे-छोटे लौडा लौडीया आखिरी घडीमे खिष्ट विरोधी आए रहेहए तुम सुनलएहव अब बहुत खिष्ट विरोधी आएगए हए, जाके मारे हम जानत हए कि, जा आखिरी घडी हए। ¹⁹बेए हमसे निकरके गएहए, काहेकी वेए हमरे नारहए अगर वेए हमरे होते तव वेए हमर संग रहेते। पर वेए सबए हमरे ना रहए जा बातके प्रकट करन ताहीं वेए हमसे निकरके गए। ²⁰पर तुमरो अभिषेक महापवित्रसे भव हए और तुम सबए सत्यके जानत हव। ²¹तुम सत्य के नजान्थओ कहीके मए नालिखो हव पर कोई फिर झुट सत्यसे ना आतहए कहिके तुम जानत हव तभइ मए लिखो हव। ²²झुटो कौन हए ? झुटो बा हए, जौन येशू ही खिष्टकहिके इन्कार करतहए। पिता और पुत्रके इन्कार करन बारो ही, खिष्ट विरोधी हए। ²³पुत्रके इन्कार करन बारो कोई भी आदमीमे पिता नाहए। जौन पुत्रके स्वीकार करत हए, बाके सँग पिता हए। ²⁴जो बात तुम सुरुसे सुने हव, बा तुममे रहिराहाबए। अगर सुरुसे ही सुनिभइ बात तुमरमे रहो तओ तुम पुत्र और पितामे राहाबएगे। ²⁵बा हमसे जो प्रतिज्ञा करी बाअनन्त जीवन हए। ²⁶तुमके छल करनबारेनके ताही जा बात मए लिखदौहोहव। ²⁷बासे पाव भव अभिषेक तुमके सबए बात के बारेमे सिकाथहए। और बा अभिषेक सत्य हए बा बनावटी नाहए। जा अभिषेक जो सिकात है, बा सत्य हए, बा झुटो ना हए। जहए जैसो खिष्टमे बने राहावओ। ²⁸छोटे बच्चव बामे बने राहावओ ताकी बा प्रकट होबए तव तुमके हिम्मत मिलए और बाके आनमे बाके अगु हमे सरमान ना पणए। ²⁹बा धर्मी हए कहिके जा बात तुम जानत हओ, जा तुमसे पक्को होबए, की धार्मीक काम करन बारे हरेक परमेश्वरसे जन्मे हए तुम जानत हओ।

Chapter 3

¹देखओ, पिता हमके कैसो प्रकारको प्यार करी हए, कि हम परमेश्वरको सन्तान कहिलाए हए । और जा सच हए जहएकमारे त संसार हमके ना चिनत हए, काहेकी बे बाके ना चिनी । ²प्रिय हबए हम परमेश्वरके सन्तान हए, और हम का हुइहए सो हबे प्रकट ना भव हए इतकए जानत हए, कि जब बा प्रकट हुइहए, तब हम बाके जैसो होइहए । काहेकी बा जैसो हुइहए हम बाके उइसी दिखहए । ³और बा जैसो पवित्र हए, बाके उपर जा आज्ञा धरनबारे हरेक आदमी अपने आपके पवित्र करतहए । ⁴पाप करनबारे व्यवस्था भङ्ग करत हए । ⁵पापहरण करन ताही बा प्रकट भओ रहए, जा बातके तुम जानथओ । और बामे कोइ पाप नाहए । ⁶बामे रहेन बारे कोइ पाप ना करतहए, पाप करन बारे कोइ भी नता बाके देखी हए ना चिनत हए । ⁷छोटे बच्चव कोइ आदमी तुमके छलन नापाबए । जौन धर्मिकतामे चलतहए, बा धर्मी हए, जैसी बा धर्मी हए । ⁸जौन पाप कर्थए बा दियाबलस् हए । काहेकी दियावलस् त सुरुसे पाप करत आओ हए । दियावलसको काम खतम करनके परमेश्वरको लौणा प्रकट भव हए । ⁹परमेश्वरसे जन्मो कोइ फिर पाप नाकरत राहाथए, काहेकी बाको स्वभाव बामे होथए और बा पाप करत ना राहथए, काहेकी बा परमेश्वरसे जन्मो हए । ¹⁰परमेश्वरको सन्तान कौन हए और दियाबलस को सन्तान कौन हए जहएसे खास करके पता चलतहए जौन धर्मिकतामे नाचलत हए । और बा आदमी परमेश्वरको ना है जो अपने दादा भइयनके प्यार ना करतहए । ¹¹तुम सुरुसे सुनोभओ सन्देश जहए हए, ” हमके एक दुसेसे प्यार करन पणत हए । ¹²कैइन जैसो मत होओ, जौन शैतानको रहए । बा अपने भइयाक हत्या करि । बा अपने भइयाक हत्या काहे करी ? काहेकी बक शैतानीक काम रहए । और बाको भइयाको काम धार्मीक रहए । ¹³भइया रेओ संसार तुमके घृणा करत हए अचम्भो मत मानओ । ¹⁴हम जानत हए, कि हम मृत्युसे पार हुइके जीवनमे पहुच गए हए । काहेकी हम अपने दादा भइयनके प्यार करतहए । जौन प्यार ना करत हए बा मृत्युमे राहाथए । ¹⁵अपनी दादा भइयनके घृणा करनबारे हरेक हत्यारे हए और कोइ हत्यारनके संग सदा (अनन्त) जीवन नाहोथहए काहेकि जा बात तुनके पतए हए । ¹⁶जहएकारणसे प्यार का हए हमे पता चलत हए, कि बा हमर ताहि अपनो ज्यानके दएदई हमे फिर अपने दादा भइयनके ताहि अपनो ज्यान देन पणत हए । ¹⁷कोइके झौने संसारको धन सम्पत्ती है, तहु फिर अपने दादा भइयनके समस्या पडो मे देखत हए ,तहु फिर अपनो मनके कठोर करत हए तब परमेश्वरको प्यार कैसे बामे राहावएगो । ¹⁸मेरे छोटे वच्चओ वचन और बोलीसे इकल्लो हम प्यार नाकरए पर काम और सत्यतासे प्यार करए । ¹⁹जहएसे हम जान सकतहए की हम सत्यके हए, और अइसिए हम बाके अग्गु अपने हृदयमे हिम्मत दएसक्थहए । ²⁰जब हमरे हृदय हमके दोस देथहए हम जानतहए परमेश्वर हमरो हृदयसे माहान हए । और बा सब बात जानत हए ।

²¹प्रियओ, हमर हृदय हमके दोष नलगात हए तव परमेश्वरके अग्गु हमरो हिम्मत बढ्थहए । ²²और हम जो मागत हए सो बासे पात हए, काहेकी हम बाकी आज्ञापालन करत हए । और बाके मन पडनबारो काम करत हए । ²³और बाको आज्ञा जहय हए कि हम बाको पुत्र येशु ख्रिष्टके नाउँमे विश्वास करन पडो । और बा हमके आज्ञा दइ जैसे हम एक दुसेसेप्यार करन पडथहए । ²⁴बाको आज्ञापालन करनबारे सबए बामे रहेथहए और बा बिनमे राहाथहए । बा हमके दवभव पवित्र आत्मासे हम जानत हए । कि बा हमरेमे बास करतहए ।

Chapter 4

¹प्रित हो जोकोइ आत्माके विश्वास मत करओ पर आत्मा परमेश्वरसे आय हएँ कि ना आय हएँ कहिके विनके जाँच करओ । काहेकी वाहुत झुटे अगम्बता जा संसारसे निकरके आए हएँ। ²जेहेसे तुम परमेश्वरकी आत्माके जानएगे । हरेक आत्मा जौन येशु ख्रिष्ट शरीरमे आओ हय पहिले स्वीकार करत हए वा परमेश्वरसे हय । ³येशु के स्वीकार ना करन वारे हरेक आत्मा परमेश्वरसे ना हय पर वा ख्रिष्ट विरोधी हए । जौनके बारेमे “बा आथहए” कहिके तुम सुने हव । अब बा जा संसारमे आएगव हए । ⁴मेरे छौटे बच्चओ, तुम ता परमेश्वरके हव और विनके उपर विजय हुइगए हव । काहेकी जो तुममे हए, वा संसारमे भएसे महान हए । ⁵वे संसारके हए जहयकारनसे बे संसारकी बात कथहए और संसार बिनकी वात सुन्थहए । ⁶हम त परमेश्वरके हए। जौन परमेश्वरके जानतहए बा हमरी वातके सुन्थहए, और जौन परमेश्वरको ना हए, बा हमरी वातके ना सुन्थहए । जहएसे हम सत्यकी आत्मा और भ्रमकी आत्माके जानत हए । ⁷प्रिय हो हम एक दुसरेसे प्रेम करए, काहेकी प्रेम परमेश्वर हए। जौन प्रेम करत हए वा परमेश्वरसे जन्मो हए, और परमेश्वरके चिन्थहए । ⁸प्रेम नाकरन वारे परमेश्वर ना चिन्थहए काहेकी परमेश्वर प्रेम हए । ⁹परमेश्वरको प्रेम हमर विचमे अइसो प्रकट भओ, कि बा अपनो एक इकल्लो पुत्र के संसारमे पठाइ ताकी पुत्रसे हम जी सकए । ¹⁰प्रेम जहएमे हए, कि हम परमेश्वरके प्रेम ना करे, पर बा हमसे प्रेम करी, और हमरे पापसे छुटकाराके ताही अपने पुत्रके पठाई । ¹¹प्रिय अगर परमेश्वर हमसे अइसो प्रेम करी हए कहैसे, हमऊ फिर एक दुसरेसे प्रेम करए । ¹²परमेश्वरके कोइ कभइ ना देखी हए । अगर हम एक दुसरेसे प्रेम करङ्गे कहसे परमेश्वर हमारे भितर राहथहए, और वाको प्रेम हमारेमे पुरो होथहए । ¹³बा हमके अपनी आत्मासे दइहए, र जहएकारनसे हम जानत हए कि हम विनमे राहथहए, और बा हममे राहथहए । ¹⁴हम देखे हय, और गवाही देथए, कि पिता अपने पुत्रके संसारमे मुक्तीदाता होनके पठाई हय । ¹⁵जौन येशुके परमेश्वरको पुत्र हय कहिके स्वीकार करथहए, बामे परमेश्वरमे राहथहए, और बा परमेश्वरमे । ¹⁶अइसिए हमरे उपर भओ परमेश्वरको प्रेमके हम जानथहए और विश्वास कथहए । परमेश्वर प्रेम हए, जो प्रेममे राहत हए वा परमेश्वरमे राहत हए, और परमेश्वर बामे राहत हए । ¹⁷न्यायके दीनके ताही हम पुरो भरोसा साथ बैठ सकए । काहेकी प्रेम जहएमे हमरे उपर पुरो होथहए । काहेकी बा जैसो हए हम फिर जा संसारमे उइसिए हए । ¹⁸प्रेममे कोइ डर ना होथए पर सच्चो प्रेम डरके दुर हटाथए काहेकी डरको सम्बन्ध दन्ढसे हए । पर, जो डरातहए प्रेममे बा पुरो ना भव हए । ¹⁹हम प्रेम करथए, काहेकी पहिले बा हमसे प्रेम करी । ²⁰अगर कोई “ मए परमेश्वरके प्रेम करथहओ” काहत हए पर अपने भइयासे घृणा करथहए कहिसे बा झुटो हए, काहेकी अपनो देखो भइयासे प्रेम ना करन बारो ना देखो भव परमेश्वरके प्रेम कैसे करसकथहए । ²¹हम बासे जा आज्ञा पाए हए कि जौन परमेश्वरके प्रेम करथहए बा अपन भइयाके फिर प्रेम करत हए ।

Chapter 5

¹येशु ही ख्रिष्ट हय कहिके विश्वास करनबारे हरेक परमेश्वरके बालक हए । जौन दउवाके प्रेम करत हए वा बाको लउडाके फिर प्रेम कर्थहए । ²जब हम परमेश्वरके प्रेम कर्थहए, और बाको आज्ञापालन कर्थहए, जहएसे पता पातहए की हम परमेश्वरके सन्तानके प्रेम कर्थहए । ³परमेश्वरको प्रेम जहए हए की हम वाको आज्ञाके पालन कर्थहए और वाको आज्ञा कठीन नाहए । ⁴काहेकी परमेश्वरसे जन्मो भओ हरेक संसारके उपर विजय पाथहए । औ संसारके जिवनको विजय हमर विश्वास हय । ⁵संसारके उपर विजय पान बारो कौन हय बहय हए जो येशु ख्रिष्ट परमेश्वरको पुत्र हय, कहिके विश्वास करन बारो । ⁶बा वहए हए जो पानी और खुनसे आओ भओ, और येशु ख्रिष्ट जो पानीसे इकल्लो नाए पर पानी और खुनसे आओ भओ हय । ⁷गवाही देन बारो त पवित्र आत्माही हय काहेकी पवित्र आत्मा सत्य हय । काहेकी गवाही देन वारे तीन हय ⁸पवित्र आत्मा, पानी और खुन सबए बातमे जे सहमत हथए । ⁹यदि हम आदमीको गवाही ग्रहण कर्थहए कहेसे परमेश्वरको गवाही कित्तो महान हय । काहेकी जहए परमेश्वरको गवाही हय जौन गवाही वा अपन पुत्रके विषयमे दइ हए । ¹⁰जौन परमेश्वरके पुत्रमे विश्वास कर्थहए बाके हृदयमे जा बातको गवाही होथहए । परमेश्वरमे विश्वास ना करन बारे बाके झुटो बनाथहए । काहेकी परमेश्वर बाके पुत्रके बारेमे दयीभइ गवाहीमे बा विश्वास ना करत होथहए । ¹¹गवाही त जहए हय की परमेश्वर हमके अनन्त जीवन दै, और जा जीवन वाके पुत्रमे हय । ¹²जौनकेसंग पुत्र हय, बाकेसंग जीवन हय, जौनकेसंग परमेश्वरको पुत्र नाहए, वाकेसंग जीवन नाहए । ¹³तुम अनन्त जीवन पाय हओ कहिके बातके जानओ काहन ताही परमेश्वरको पुत्रके नाउमे विश्वास करनवारे तुमके मै जा पत्र लिखत हओ । ¹⁴परमेश्वरमे हमर पुरो भरोसा हए की बाके इच्छा जैसो जो मागेसे फिर बा हमर बातके सुनत हए । ¹⁵हम प्रार्थनामे जो भी मागेसे फिर परमेश्वर सुनत हय कहिके हम जानत हय, कहिके जा फिर जानत हय की बा हमके जो मागत हय बा हम पाएगए हए । ¹⁶यदि कोई अपने भइयाके पाप करत देखत हय औ, बा पाप त मृत्युमे लैजान बारो नाहए कहिसे बा भइयाके ताही परमेश्वरसे प्रार्थना करदेन पडत हए, और जौनको पाप मृत्युमे लैजान बारो तरिकाको नाहए बाके परमेश्वर जीवन देथहए । पर अइसो पाप फिर होथहए, जो मृत्युमे लैजाथहए, जौनके ताही कोइ विन्ती करदेओ कहिके मए ना काहत हओ । ¹⁷सबए अधर्म पाप हए, पर अइसो पाप फिर होथहए जो मृत्युमे नालैजाथहए । ¹⁸हम जानत हए, की जो परमेश्वरसे जन्मे भए हरकोइ फिर पाप नाकरत हए । पर परमेश्वरको पुत्र विनके सुरक्षा करत हए, और दुष्ट बाके ना छुतहय । ¹⁹हम जानत हय, हम परमेश्वरको हय, और सबए संसार बा दुष्टके अधीनमे पडो हय । ²⁰हम जानत हय, परमेश्वरको पुत्र आओ हए जो सत्य हय । बाके चीन सकए, कहिके बा हमके समझ दयी हए । जो सत्य हय हम बामे हय, औ बाके पुत्र येशु ख्रिष्टमे हए, औ बहय सच्चो परमेश्वर हय, और अनन्त जीवन हए । ²¹छोटे बालक, अपने आपके मुर्तीसे बचाएके धरओ ।

2 John

Chapter 1

¹एल्डरसे, चुनि भई मिहिला और बिनके लैणा लैणियनके जौनके मै सच्चो प्रेम करत हौ, और मै इकल्लो नाए, पर सत्याके चिनन् बारे सबै फिर बिनके प्रेम करत है । ²जैन सत्या हमर भितर है और हर समय हमर सँग रहए, बहे के खातिर तुमके प्रेम करत हए । ³परमेश्वर पिता और पिताको पुत्र येशु ख्रिष्टसे अनुग्रह, कृपा और शान्ती हमर सँग सत्यता और प्रेम रह बैगो । ⁴अइसिए तुमर लैणा लैणिया मैसे कोई कोईनके मए पितासे पाओ भओ आज्ञाके जैसो नेगत पएके गजबै अनन्दीत् हौ । ⁵अब हे महिला मै तुमके एक नयँ अज्ञा ना लिखो है, पर बहे लिखो है, जो सुरुसे हमर सँग है- हम एक दुसरेसे प्रेम करै कहेकी मै तुमसे बिनती करत हौ । ⁶बाको इच्छा जैसो चल्लो ही प्रेम है । तुमके सुरुसे सुनोभओ आज्ञा जहे है, कि तुम प्रेम के अनुकरन करै । ⁷काहेकि भरम मे डारन बारे बहुत जा संसारमे आएगए है । जैन येशु ख्रिष्ट शरीरमे आओ हए कहेके स्विकार ना करत है । जहे छलि और ख्रीष्ट बिरोधी हए । ⁸होसियार रहीओ, जौन बातके तहीं तुम काम कररहे हओ, बा के गुमान नापणए पर पुरो इनाम पान बारो बनओ । ⁹ख्रिष्टके सिद्धान्तमे अटल ना रहन बारो, बाक सिमासे बाहिर जान बारो आदमीनके संग प्रमेश्वर ना है । पर बक सीद्धान्तमे अटल रहन बारेक सँग पिता और पुत्र दोनो होत है । ¹⁰यदी तुमर जैने कोइ जा सिद्धान्त ना लाई है तै बाके अपन घरमे स्वगत मतकरओ । ¹¹काहेकि बक अभिवादन करन बारो, बक खराब कामके सँग सह भागी होत है । ¹²मै तुमर ताही बहुतसी बात लिखन चाहत है । पर कागज और मसीसे लिखन ना चाहत हौ । पर हमर अनन्त पुरो होबै, कहेके तुमर जैने आएके और आमने सामने बात चित करन ताहीं आसा करत हओ । ¹³चुनी भई तुमर बहिनियाँ के लौणा लौणीया तुमके अभिवादन करत हए ।

3 John

Chapter 1

¹प्यारो एल्डरसे मिर सङ्गी गयासके जौनसे मए सच्चो प्रेम करत हओ । ²प्रिय सङ्गी मए प्राथना करत हओ, की सबए बातमे तुमर भलो होबए और तुमरो स्वास्थ्य ठीक राहाबय तुमर आत्मीक जीवन ठीक हय कहिके मय जानत हओ । ³कित्तो जनी आएके तुमर जीवनको सत्य गवाही दयी, मए बहुत अनन्दीत भओ । तुम निहात्यही सत्यको अनुकरण करत हओ । ⁴मिर लौडा लौडीया सत्यको अनुकरण कर्थहए, कहिन बारी बात सुनन पानो और जादा अनन्दको मिर ताही का बात हुइसकथहए । ⁵मिर प्रिय तुम विश्वास योग्यके काम करत हओ जब तुम अपने दादा भइयाको, विशेष करके परदेशीनको सेवा करत हओ । ⁶वे मण्डलीके अगु तुमर प्रेमकी गवाही दयी हय । परमेश्वरके अगु मन पणन बारो करके विनके यात्रामे जान प्रवन्ध मिलाए दओ हओ, कहिके तुम अच्छो करत हओ । ⁷काहेकी अविश्वासीनसे कुछ ना लइके वे बक नाउके ताही यात्रामे निकरे हय । ⁸जहय कारन अइसे आदमीको सेवा सत्कार करन पडथहए, ताकी हम सत्यताके सहकर्मी

बन सकए (हात वटानबारे) ।⁹मए मण्डलीके कछु बात लिखो रहओ, पर तुमरे विचमे बडो होन ढुडन बारे डियोत्रिफस मिर अधिकारके ना मानत हए ।¹⁰जा कारन जब मए आमझो वाकी करी भओ कामको बातके उठामझो । हमर विरुद्धमे वा खराब वचन बोलत जात हय । इत्कामे सन्तुष्ट ना हुइके बा भइयनके स्वागत करन इन्कार कर्थहए, और विनके स्वागत करन बारेनके फिर रोकथहए, और विनके मण्डलीसे वाहेर निकार देथहए ।¹¹मिर प्रियो खराबीके अनुकरण मत करओ पर भलाई को अनुकरण करओ जौन भलो कर्थहए, बा परमेश्वरको हय, जौन खराबी कर्थहए बा परमेश्वरके ना देखी हए ।¹²डेमोत्रियासके ताही त सबए आदमी गवाही दयी हय, और सत्य फिर जा गवाही देत हए । हम फिर गवाही देत हय,और तुम जानत हओ की हमरो गवाही सत्य हय ।¹³मोके वहुत बात लिखन रहए पर मसी और कलमसे वे तुमके लिखत ना हओ।¹⁴पर तुमके बहुत जल्दी मिलनको आशा करत हओ और हम आमने सामने मिलके बात करङ्गे।¹⁵तुमके शान्ती मिलए । सबए सङ्गीनसे तुमके अभिवादन। सङ्गीनके नाउ लैके अभिवादन देओ ।

Jude

Chapter 1

¹येशू ख्रीष्टको दास, याकूबको भैया यहूदासे बुलओ भव, औ परमेश्वर पितामे प्यारो और येशूके ताहिँ ख्रीष्टमे सुरक्षासे धरो भव, ²कृपा, शान्ति और प्रेम तुममे प्रसास् होत जाबए ।³प्रिय हो, हम सब सहभागी भए उध्दारके बारेमे लिखन ताही मए बहुत उत्साहीत भव हओ, ऐसिए सन्तके सदाकालके ताहिँ सौपो भव विश्वासके रक्षा करओ कहिके निबेदन करन तुमके लिखन मोके ठीक लागो । ⁴काहेकी बहुत पहिलेसे दण्डको भागीदार भय ,कोइ-कोइ आदमी गुप्त रुपमे तुमरे बीचमे घुसेहँए । जो ईश्वरहिन आदमी हँए, जौन हमर परमेश्वरको अनुग्रहके बिलासितामे बदल देत हँए, और हमर एक इकल्लो स्वामी और प्रभु येशू ख्रीष्टके इन्कार करत हँए ।⁵तुम जे सब बात एक चोटी जाने रहौ, ताहु फिर अभए मए तुमके याद दिलान चाहत हओ , मिश्रदेशसे बचाएके लाय भए आदमी मैसे विश्वास ना करनबारेके परमप्रभु पच्छुसे खतम कदरी । ⁶अपन अधिकारको मार्यदा कायम ना करके उचित वासस्थान त्यागनबारे स्वर्गदुतके बा पातालको अन्धकारमे न्यायको बा बणो दिनतके अनन्त बन्धनमे धरीहए।⁷जैसी सदोम और गमोरा और बिनको आसपासके शहेर जौन व्यभिचार कर्के गलत काम वासनाने फसे रहँए, बे अगनी कुण्डको दण्ड भोगके उदाहरण बने हँए । ⁸अइसीए करके सपना देखन बारे आदमी अपनो शरीर अशुध्द बनात हँए, अधिकार इन्कार करत हँए और स्वर्गके प्राणीके निन्दा करत हँए ।⁹तब प्रधान दुत मिखायल फिर मोसाक लाहासके बारेमें शैतानसे विवाद करके बाके निन्दापूर्ण दोस लगान साहस ना करके , "तोके प्रभु डँटए" कहि रहए । ¹⁰पर बे आदमीअपनए नासम्झी बातके निन्दा करत हँए ! "और निबुद्धि जनवार कता पाकृतिक ज्ञानसे जानन् बारि बातसे जे बिनास होतहए । ¹¹बिनके धिक्कार है ! काहेकी बे कयिनको चालमे नेगत् हँए, लोभके खातिर बालामके भुलमे फसत हँए और कोरहके बिद्रोहमे जैसो नास होत हए । ¹²बिनके प्रेमभोजमे लुके भए कलङ्क् हँए । बे अपन इकल्लो ख्याल करके सरम ना मानके खात और पित हँए। बे आँधीसे उणएके लैजानबारी पानीबिनाको बादलके जैसे हँए, जाणोके समयके फल बिनाके रुखा कता, जो दुई चोटी मर गए, और जर समेत उखण गए हँए। ¹³बे समुन्द्रमे आनबारी लणूरा जैसे हँए, जौन बे अपनए निजर्लताको झाग उगलत हँए, बे बुते भै औ हराने भए ताराके जैसे हए, जौनके ताहिँ पातालको अन्धकार अनन्तके ताहिँ बचाएके धरो हए । ¹⁴"आदमसे सातओ पुस्तको हनोक फिर जे आदमीके बारेमे अइसे अगमवाणी बोलिरहए, " "देखओ, परमप्रभु अपन असंख्या पवित्र जानके संग आए रहोहए, " ¹⁵सबको इन्साफ करन, सबै आदमीनके दण्ड देन, जौन अधर्मी रितिसे भक्तिहिन काम करी हए, और बे भक्तिहिन आदमीके दण्ड देन, जौन बाके बिरुद्धमे कठोर बात बोलि हँए । " ¹⁶बे गनगन करन बारे, असन्तोषी, घमण्डी बात बोलन बारे और लोभके ताहिँ आदमीको चुगली करन बारे जेहि हँए ।¹⁷पर प्रिय हो, तुम त हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको प्रेरितनसे अगुए कहिँ बातके समझओ । ¹⁸बे बिनसे कहिँ रहए, "आखिरी समय मे अपनाए भक्तिहिन बासनाने पिछु लागके खिल्ली उगान बारे हुइहँए । " ¹⁹बे फुट लान बारे, संसारिक आदमी और पवित्र आत्मा ना भए आदमी जेहि हँए ।²⁰पर प्रिय हो , तुम त अपन बहुत पवित्र विश्वसमे बनात लैजाओ और पवित्र आत्मामे प्रार्थना करओ । ²¹अपनाएके परमेश्वरके प्रेमे धरओ और अनन्त जिवानके ताहिँ हमर प्रभु येशू ख्रीष्टको कृपाके प्रतिक्षा करओ ।²²दोधारमे होन बारेनके दया दिखओ । ²³औरनके आगीसे तानके निकरके बचाओ, कोइ कोइके दया दिखात होशियार रहिओ, पापमय स्वभावसे अपवित्र भए लत्ता समेतके घृणा करओ ।²⁴अब, जौन तुमके पापमे फसनसे बचाए सक्त् हए, और जौन तुमके आनन्दसहित बाके महिमाके अगु निरदोस हुइके दिखाए सकन बारो के, ²⁵"बहे एक इकल्लो परमेश्वर, हमर मुक्तिदाता" " येशू ख्रीष्ट हमर प्रभुसे महिमा, प्रभुत्व, पराक्रम और अधिकार युग-युग पहिलेसे आज और सदासर्बदा होत राहबए। आमेन । "

Revelation

Chapter 1

¹परमेश्वर अपन सेवकनके अब जल्दी होन बारी बात प्रकट करिभई जा येशू ख्रीष्टको प्रकाश हय। बा अपन स्वर्गदुत पठाएके जा बात अपन सेवक यूहन्नाके प्रकट करी । ²परमेश्वरको वचनके सम्बन्धमे अपन देखी भई सब बात और येशू ख्रीष्टके बारेमे यूहन्ना गवाही दै हय। ³अगमवाणीको जा वचन जौन उँचे स्वरमे पढत हय और सुनत हय और बामे लिखोभव बात पालन करत हए, बा आदमी धन्यको हय। काहेकी समय जौने हए ।⁴यूहन्नासे एशियामे भए सात मण्डलीनके: जो हए, जो रहए और जो आबैगो, और बासे अनुग्रह और शान्ति, और बाको सिंहासनको अगु भए सात आत्मा, ⁵और येशू ख्रीष्टसे, जो विश्वासयोग्य गवाही हय, मरेनके बीचमैसे पहिले जिन्दा भव, और पृथ्वीके राजानके शासक हय, बा जौन हमसे प्रेम करत हय और बाको रगतसे हमके हमर पापसे स्वतन्त्र करदई। ⁶बा हमके एक राज्य बनाई हय, और बाको पिता और परमेश्वरके ताहीं पुजारी, जौनके महिमा और शक्ति सदामान होबए। आमेन।⁷देखओ, बा बादरमे आए रहोहए, और हरेक आँखी बाके दिखेहँए, बाके घोंचनबारे फिर। और पृथ्वीके सब कुल बाके कारन बिलाप करेहएँ। अइसी होबए, आमेन। ⁸"अल्फा और ओमेगा महिँ हौं," सर्वशक्तिमान् परमप्रभु परमेश्वर कहात हए, " बा जो हए, जो रहए और जो आनबारी हए।"⁹मए तुमरो ददा यूहन्ना और जौन राज और कष्टमे धैर्यसंग

सहनशिलता जौन येशूमे रहय, तुमरसंग परमेश्वरको वचन और येशू खीष्टको गवाहीके ताहीं मए पत्मोस कहन बारो टापूमे रहौं। ¹⁰प्रभुको दिनमे मए आत्मा मे रहौं। और मय मेरो पिच्छु तुरहीको जैसो एक जोणको आवाज सुनो, ¹¹बा कही, "तय जो देखत हय, सो एक किताबमे लिख और सातओं मण्डलीनके औ एफिसस, स्मुर्ना, पर्गामम, थिआटिरा, सार्डिस, फिलाडेल्फिया, और लाउडिकियाके पठा।" ¹²कौनको आवाज मिरसंग आयरहो हय कहिके मए पिछु घुमो और मय सात सोनेके सामदान देखो। ¹³और सामदानके बिचमे आदमीको पुत्र जैसो पओतक लम्मो कपडा लगाओ भव और छातीके आसपास सोनोको पेटी लगओ भव एक जनी हुँवा रहय। ¹⁴बाको मुँड और बार ऊन और पालो जैसो सेतो, और बाको आँखी आगीको ज्वाला जैसी रहएँ। ¹⁵बाके पाउँ आगीको भट्टी मे खारके चिल्कन बारो काँसो जैसो रहए, और बाको सोर त लणुरा आन बारो पानीको बाढ जैसो आवाज रहए। ¹⁶बाको दहिना हातमे सात तारा रहएँ, और बाको मुहुँसे एक धारबारो दोने पार धार भव तरवार निकरो रहए। बाको मुहुँ दिनको तेज जैसो चमकत रहए। ¹⁷जब मए बाके देखो, तव मए अधमरा आदमी जईसो हुइके बाके पाओमे पणिगओ। तव बा अपन दहिना हात मिर उपर धरी और कहि, " मत डराबै ।" सुरु और अन्त महीं हैं। ¹⁸मय जिन्दा हैं। मए मरो रहौं, पर देखओ, मए सदाके ताहीं जिन्दा रहङ्गो, और मृत्यु और पतालके चाबी मिरसंग हए। ¹⁹जहेमारे, जो अभे हए, और जाके पिछु जो आबैगो तुम जो देखे हो, सो लिखओ ²⁰मिर दहिना हातमघेन तुमर देखी भई सात तारा और सात सामदानको बारेमे लुकी भई गुप्त बातको अर्थ सात तारा सात मण्डलीके स्वर्गदुत और सात सामदान सात मण्डली हएँ।"

Chapter 2

¹एफिससके मण्डलीके दुतके लिख: 'जौन अपन दहिना हातमे सात तारा लेन बारो और जो सात सोनोको सामदानके बीचमे नेगन बारोको वचन जेही हएँ। ²तुमर करोभव काम, तुमर कडो परिश्रम, तुमर धैर्य और सहनशिलता मोके पता हए, और तुम खराब आदमीनके सहे न पात हौ। अपनयके प्रेरित कहिके दाबी करनबारेनके तुम जाँच डारेहओ, पर वास्तवमे बे न हयँ और तुम बिनके झुटे पाए हौ। ³मोके पता हय, कि तुममे धैर्य सहनशिलता हय, और मिर नाउँके ताहीं तुम बहुत दुःख भोगे हौ तहुँ फिर तुम थके न हौ। ⁴पर तुमरे विरुद्धमे मिरसँग बास्तविक बात हए: तुम अपन पहिलो प्रेमके त्याग दए हौ। ⁵जहेमारे, तुम कहाँसे गिरे हौ, सो सम्झओ। तुम पहिले करेभए काम करओ और पश्चाताप करओ। मय तुमरे ठिन आमझो और तुम पश्चाताप न करेतक मय तुमरो समदानके बाको ठाउँसे हटाए देहौं। ⁶पर तुमरमे जा बात ता हए, कि निकोलाइटसके करो कामके तुम घिणना करे हौ, जौनके मय भी घिणना करत हओ। ⁷जौनको कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए। जौन जितैगो, बाके मय जीवनको रुखासे खान अनुमति देहौं जोन परमेश्वरको स्वर्गलोक हय। ⁸और स्मुर्नाको मण्डलीके दुतके जा लिख: जो आदि और अन्त्य हए जे वचन बहे के हयँ, जो मरिगव रहए, और जो फिर जिन्दा हुईगव। ⁹मए तुमर कष्ट और तुमर गरीबी जान्त हौ, पर तुम त धनी हौ। मए बिनसे कहत हौ तुमर निन्दा करनबारे जौन अपनएके यहूदी हौ कहिके दाबी करत हएँ, पर वास्तवमे बे न हयँ। बे त शैतानके सभाघर हएँ। ¹⁰तुम भोगन लागो कष्टसे मत डरओ। देखओ शैतान तुम मैसे कितोनके तुमके जाँचके ताहीं कैदमे डारनके तयार हए, और तुमके दस दिनके ताहीं कष्ट भोगैगे। मृत्यु तक विश्वासयोग्य हुइओ, और मए तुमके जीवनको मुकुट देमझो। ¹¹जौनको कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए। जौन जितैगो, बाके दुसरो मृत्युसे कोइ हानि न हुइहए। ¹²और पगामिमके मण्डलीके दुतके जा लिख: जा वचन दुईधारबारो पैनो तरवार संगमे होनबारो कहत हए, ¹³मोके पता हए, तुम कहाँ बैठत हौ, हुवाँए जहाँ शैतानको सिंहासन हए। तहुँ फिर तुम मिर नाउँमे स्थिर बैठे हौ। और शैतान बैठन बारो ठाउँमे मरो भव मिर विश्वासयोग्य साँची एन्टिपासको समयमे फिर तुम मिर उपरको अपन विश्वासके इन्कार न करे। ¹⁴पर तुमर विरुद्धमे मिरसंग कुछ बात हए, तुम मैसे कोइ-कोइ इस्राएलके लौणा लौणियानके मूर्तिनको बलिदान करो भव खानु खामएँ और व्यभिचार करएँ कहिके बे लौणा लौणियानके अगु ठोकर लागनबारो पत्थरा फेंकन लगानबारो बालाकके सिकान बारो बालामको शिक्षाके करेसे से पकडे हयँ। ¹⁵अइसी करके, तुमर बीचमे कोई कोई नीकोलाइटसको शिक्षाके पक्को से पालन करन बारे फिर हएँ। ¹⁶जहेमारे, पश्चाताप करओ। यदि पश्चाताप न करैगे तव, मए तुमरे ठिन जल्दी आमंगो, और मिर मुखको तरवारसे तुमर विरुद्धमे संग लडाई करेहौं। ¹⁷जौनको कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए। जौन जितैगो, बाके मए गुप्त-मन्नको कुछ भाग देहौं, और मए बाके नयाँ नाउँ लिखो एक सेतो पत्थर देहौं, पर बा नाउँ पान बारो बाहेक और कोइ न जान्त हय। ¹⁸और थिआटीराके मण्डलीके दुतके जा लिख: जा बात परमेश्वरको पुत्र कहत हए, जौनक आँखी ज्वाला जैसो और जौनक पाउ चिल्कन बारो काँसो जैसो हए। ¹⁹तुमर प्रेम, विश्वास, सेवा, और तुमर धिरज से सहन और तुमर करो भव काम मोके पता हए। तुम जो अभे करे हओ, बा पहिले करे भय काम से बहुत अच्छे हएँ। ²⁰पर मिर सँग तुमर विरुद्धमे जा बात हय: तुम ईजेबेल कहन बारी बैयरके सहे हौ। बा अपनएके अगमवादिनी कहत हए। और मिर सेवकनके व्यभिचार करन् और मुर्तिके चढओ खानु खान सिखात हए। ²¹मए बाके पश्चाताप करन के समय दओ, पर बा अपन व्यभिचारसे पश्चाताप करन् के इन्कार करी। ²²देखओ ! मए बाके रोग-शय्यामे फेंक देहौं, और बाकेसंग व्यभिचार करन् बारेनके बाको करो भव कामके ताहीं पश्चाताप न करन तक बडो कष्ट देहौं। ²³मए बाके लौणा लौणियानके महामारीसे मारझो, और मए बहे हौ जौन सबको मन और हृदय जाँच करत हौ कहिके सबय मण्डली जानझे। मए हरेकके बाको काम अनुसारको इनाम देमझो। ²⁴पर तुम थिआटीरामे बाँकी रहेभए हरेक जौन जा शिक्षा न मानत हयँ, और कितो ता शैतानके गहिरी बात न जान्त हयँ, मय तुमसे कहत हौ, कि मए तुमर उपर और कोइ बोझ न बुकय हओ। ²⁵जैसो समयमे फिर मय न आनतक तुम पक्के से जाके धामे रहीओ। ²⁶जौन जितैगो और अन्त तक मिर करो काम जौन करैगे, मए बाके जाति-जातिनके उपर अधिकार देहौं, ²⁷कुमणा मट्टीको भाँणानके बा खुद्रा-खुद्रा करके फोरे कता बा लोहेके डन्डासे बिनके ऊपर शासन करेहए, ²⁸मय मिर पिता से अधिकार पाओ जैसे बाके मय सुबेरेको तारा देहौं। ²⁹जौनको कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए।"

Chapter 3

¹और सार्डिसके मण्डलीके दुतके जा लिख: 'सात तारा और परमेश्वरको सात आत्मा होनबारोको वचन जहे हए। तुमर करेभय काम मोके पता हए। तुम जिन्दा हौ करके नाउँ त् हए, पर तुम मरे हौ। ²उठौ और जगे रहबओ और मरन् लागो बाँकी रही बातनके पक्को बनाओ, पर जा मरन लागो हय, काहेकी मए परमेश्वरकि दृष्टिमे तुमर काम पुरा भव न पाओ हौ। ³जहेमारे, तुम जो बात पाए हौ और सुनेहौ, सो सम्झओ, बाके पालन करओ और पश्चाताप करओ। पर यदि तुम जागे न रएहौ, तव मए तुमर विरुद्धमे चुट्टा कता अए हौ, और मए कौन बेरा अए हौ, सो तुमके पता न हुइहए। ⁴पर सार्डिसके आदमीन मे कुछ नाउँ हएँ, जौन अपन लत्ताके घिनौनो न करी हयँ। बे सफेत कुर्ता लगाएके मिर सँग नेगंगे, काहेकी बे योग्यके हँए। ⁵जौन जितैगो, बाके सेतो कुर्ता पैधाओ जायहय, और जीवनको पुस्तकसे मय बाको नाउँ कबहु न मिटएहौ, और मए मिर पिता और बाके स्वर्गदुतनके अगु बाको नाउँ स्वीकार करेहौ। ⁶जौनके कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए। ⁷फिलाडेल्फियामे भओ मण्डलीके दुतके जा लिख: जो सत्य और पवित्र हए हए, जे वचन बहेके हयँ, बा दाऊदको कुंजीके लयहए, बा खुलैगो और कोइ फिर बन्द न करपए हए, बा बन्द करेहए और कोइ फिर खोल न पए हए। ⁸मोके तुमर करोभओ काम पता हए। देखओ, मए तुमर अगु खुल्ला फाटक करदौ हौ हौ और बाके कोइ फिर बन्द न कर सकतहए। मोके पता हय, कि तुमर संग थोरी शक्ति हए, तहुँ फिर तुम मिर वचन पालन करे हौ, और मिर नाउँके इन्कार न करे हौ। ⁹देखओ, जौन अपनयके यहूदी हौ कहिके कहात हयँ पर बे न हयँ, बे शैतानको सभाघर हयँ, पर बे झुट बोलरहे हयँ। मए बिनके तुमर पाउँके अगु ढोकन लगामंगो, और मय तुमके प्रेम करत हौ करके बे जनङ्गे। ¹⁰तुम मेरो वचन धैर्यसंग पालन करे हौ, बहेमारे पृथ्वीमे जीन बारेनके जाँच आतपेति पुरो संसारमे आनबारी विपत्तिको समयमे परनसे मय फिर तोके बचामङ्गो। ¹¹मए जल्दी आमंगो। तुमरे संग जो हए बाके कसके पकडे रहिओ ताकि तुमरो मुकुट कोइ लइजा ना सकए। ¹²जौन जितैगो, बाके मए मिर परमेश्वरको मन्दिरमे एक खम्मा बनामंगो, और बा बासे कबहु बाहिर न निकरैगो। मए बामे मिर परमेश्वरको सहेरको नाउँ, मिर परमेश्वरको नाउँ, (नयाँ यरुशलैम, जोन मिर परमेश्वरसे स्वर्गसे तरे आत हए), और मेरो नयाँ नाउँ मए लिखदेमङ्गो। ¹³जौनको कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीसे का कहत हए। ¹⁴और लाउडिकियाके मण्डलीके दुतके जा लिख: परमेश्वरको सृष्टि ऊपरको शासनकर्ता जो विश्वासयोग्य और सच्चो साँची, 'जे वचन आमेनके हएँ। ¹⁵मोके तुमर काम पता हए। कि तुम नत् तत्तो नत् जुणे हओ। तुम कि त तत्ते या जुणे होनके मय चाँहत रहओ ¹⁶तहिमारे, तुम गुन्गुने हौ, नत् जुणे नत् तत्ते हओ। जहेमारे, मए तुमके मिर मुहुँसे ऊगलन डटो हौ। ¹⁷“मए धनी हौ, और मिर संग धन-सम्पति हए, और मोके कोइ बात कि कमि न हय” कहिके तुम कहत हौ, पर तुमके पतए न हय कि तुम दुःखी, दयनीय, गरीब,, अन्धरा और नङ्गे हौ। ¹⁸“मिर सल्लाहके ध्यान देओ: आगीसे शुद्ध करो भओ सोनो मोसे खरदीओ ताकि तुम धनी होन सकौ, और तुमर नङ्गोपनको शर्म तोपन चम्किलो सेतो कुर्ता लगाबौ और तुमर नङ्गोपनको शर्म न होबय और अपन आँखीमे मलहम लगाबौ ताकि तुम देख सकौ। ¹⁹मिर प्रेम करनबारे हरेकके मय तालिम देत हौ, और बे कइसे जीन पडैगो सो मय बिनके सिकामङ्गो। जहेमारे, पश्चाताप करओ और इमानदार होबओ। ²⁰देखओ, मए फाटकमे ठाणके ढकढकात हौ। यदि कोइ मिर सोर सुनके फाटक खोलैगे तव, मए बाके घरभितर आमङ्गो और बाकेसंग खानु खाए हौ और बा मिर संग खबैगो। ²¹जौन जितैगो, बाके मिर सिंहासनमे मिर संग बैठनके अधिकार देहौ, जैसी मए फिर जितो और उइसिय मय फिर मिर पिताकेसंग बाको सिंहासनमे बैठो हौ। ²²जौनके कान हए, बा सुनए, पवित्र आत्मा मण्डलीनसे का कहत हए।

Chapter 4

¹जे बातके पिछु मए देखो, और स्वर्गमे एक फाटक खुलो भओ रहए। मिर सुनो भव तुरहीको जैसो पहिलो आवाजमे मोसे कही- "यितए उपर आ, और जा बातपिछु का होनबारो हय मए तोके दिखामंगो।" ²एकय छिनमे मए आत्मा मे रहैं, और स्वर्गमे एक सिंहासन मय देखो, जौनके उपर कोइ बिराजमान रहए। ³बाके उपर विराजमान होनबारो स्फटिक और लालमणि जैसो दिखात रहए। सिंहासनके आसपास धनकमान रहए। बा धनकमान मोती जैसो चम्किलो दिखात रहय। ⁴बा सिंहासनके आसपास चौबीस सिंहासन रहएँ, और चौबिस जनी एल्डर बिनके मुणमे सोनोको मुकुट लगाय और सेतो कुर्ता पैंधेके बैठे रहयें। ⁵सिंहासनसे बिजुलीको चमक और गर्जन निकरके आत रहए, और बिजुली संगय नष्ट हुइगय। सिंहासनके अगु सात बत्ती पजरत् रहएँ। बे बत्ती त परमेश्वरके सात आत्मा रहएँ। ⁶सिंहासनको अगु स्फटिक जैसो दिखानबारो काँचको समुन्द्र रहए। सिंहासनके बिचमे और सिंहासन आसपास, अगु और पिछु आँखी-आँखीसे भरि चार जिन्दा प्राणी रहयें। ⁷पहिलो जिन्दा प्राणी बग्ठा जैसो रहए, दुसरो जिन्दा प्राणी बछ्छा जैसो रहए, तेस्रो जिन्दा प्राणीको अनुहार आदमीको जैसो रहय और चौथो जिन्दा प्राणी उडरहो चिलहरिया जैसो रहए। ⁸चारौ जिन्दा प्राणीमैसे हरेकके छए-छए पखना रहएँ और तरे और उपर आँखीआँखी से भरि रहएँ। दिनरात बे "पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान् परमभु परमेश्वर जो रहए, और जो हए, और जो आनबारो हए" कहात रहयें। ⁹जब बे जिन्दा प्राणी सिंहासनमे विराजमान होनबारो, और सदामान जिन्दा रहनबारोके महिमा, आदर और धन्यवाद दई, ¹⁰चौबीस जनी एल्डर झुक्के सिंहासनमे बिराजमान होनबारोके अगु दण्डवत् करीं। बे सदामान जिन्दा होनबारोके दण्डवत् करीं और सिंहासनके अगु अपन-अपन मुकुट धरके अइसे कहीं, ¹¹"हमर परमप्रभु और परमेश्वर, तुम महिमा, आदर, और शक्ति ग्रहण करन्के योग्य हो। काहेकी तुम सबय चीज सृष्टि करेहो, और तुमर इच्छाद्वारा बे अस्तित्वमे आए, और सृष्टि भए।"

Chapter 5

¹तव सिंहासनमे बिराजमान होनबारेके दहिना हातघेन सात मोहर लगाएके बन्द करो भवके अगु और पिच्छु लिखो भव एक चर्मपत्रको मुठा मय देखो। ²“जा मुठा खोलन और जाको मोहर तोणनको योग्य कौन हए ?” कहिके एक जनी शक्तिशाली स्वर्गदूत बडो सोरमे घोषणा करत मय देखो। ³स्वर्गमे औ जा पृथ्वीमे और जा पृथ्वी तरे भय कोइ भी जा चर्मपत्रको मुठा खोलन औ जाके पढन न सिकीं। ⁴मय दुःखित हुएके रोओ, काहेकि जा चर्मपत्रको मुठाके खोलन और पढन योग्यको कोइ न मिलो। ⁵पर बे एल्डर मैसे एक जनी मोसे कहि, “मत रोबय ! देखओ ! यहूदाको कुलको बगठा, दऊदाको मूल विजय पाइ हय। जा मुठा और जा सात मोहर खोलन बा योग्यको हय।” ⁶मय सिंहासन और चार जिन्दा प्राणी और एल्डरनके बीचमे मरो भव जैसो दिखानबारो एक थुमाके ठाडो भव देखो। बाके सात सिड और सात आँखी रहएँ, बे सबय संसार भर पठाए भए परमेश्वरके सात आत्मा हएँ। ⁷बा गओ, और सिंहासनमे विराजमान होनबारेके दाहिना हातसे बा मुठाके लै। ⁸जब बा जा मुठाके लै, तव बे चारौ जिन्दा प्राणी और चौबीस एल्डर थुमाके अगु घुप्टा पणे। बिनके हरेकसंग वीणा और धुपसे भरो सोनोके धुपौरा रहएँ, जौन विश्वासिनको प्रार्थना हएँ। ⁹बे एक नयाँ गीत गाई: “तुम जा खालको पत्रको मुठा लेन और बा मोहर तोणन योग्य हौ काहेकि तुम मारेगए, और तुमर रगतसे हरेक जाति, भाषा, आदमी और राष्ट्रनके तुम परमेश्वरके ताहीं खरीदे हौ।” ¹⁰परमेश्वरको सेवा करन तुम बिनके राज्य और पुजारी बनाए हओ, और बे पृथ्वीमे राज करङ्गे।” ¹¹तव मए देखो, और सिंहासन, जिन्दा प्राणी और एल्डरनके आसपास गजम स्वर्गदुतको आवाजके सुनो। बिनको पुरा संख्या दशौं हजार और हजारौं हजार रहए। ¹²बे वडो आवाजमे अइसे कहीं, शक्ति, धन, बुद्धि, बल, आदर, महिमा, और प्रशंसा पानके योग्य मरो भव थुमा हए।” ¹³स्वर्गमे, पृथ्वीमे, पृथ्वी तरे और समुन्दर तरे सृष्टि करे भए हरेक चीजनके अइसे कहत मए सुनो, “ बा जो सिंहासनमे विराजमान होनबारो और थुमाके प्रशंसा, आदर, महिमा, और राज करन शक्ति सदामान होबए।” ¹⁴तव बे चारौ जिन्दा प्राणी कहिँ, “आमेन।” और एल्डर घुप्टा पणके सदामान रहनबारेके आराधना करीं।

Chapter 6

¹जब थुमाके सात मोहर मैसे एकके खोलत मए देखो, और बे चार जिन्दा प्राणी मैसे एक जनी गर्जनको आवाज जैसोमे अइसो कहत मए सुनो, "आओ।" ²और मए देखो और हुँवा एक सेतो घोडा रहय। बाके उपर बैठनबारो एक धनुस पकडे रहए, और बाके एक मुकुट दवगौ। और जीतन जैसो करके बा बिजय होन निकरो।³"जब थुमा दुसरो मोहर खोली, तव बा दुसरो जिन्दा प्राणीके "आओ, काहत मय सुनो।" ⁴और दुसरो अग्निमय लाल घोडा बाहिर निकरके आओ। बामे सवार करनबारेके पृथ्वीसे शान्ति लैके जान अनुमति दव गव रहय। बहेमारे, बे आदमी एक-दुसरेके मारङ्गे। जे घोडसवारके एक बणो तरवार फिर दव गव रहय।⁵"जब थुमा तिसरो मोहर खोली, तव तिसरो जिन्दा प्राणीके "आओ, काहत मए सुनो। मए एक कारो घोडाके देखो, और घोडा सवार करन् बारोके हातमे एक जोर तखरी के पकडे रहएँ।" ⁶मय चार जिन्दा प्राणीके बिचमे एक आवाज जैसो दिखानबारो अइसो काहत मए सुनो, "एक दिनको ज्यालामे एक किलो गेहुँ और एक दिनको ज्यालामे तीन किलो जौ, पर तेल और दाखमधके नष्ट मत करिओ।"⁷जब थुमा चौथो मोहर खोली, तव मय चौथो जीवित प्राणीके "आओ" काहत आवाजके सुनो। ⁸तव मए पेरो घोडाके देखो। बाको घोडासवार करन् बालोको नाउँ "मृत्यु" रहए, और "पताल" बाके पिछु पिछु लागो रहए। और बे पृथ्वीको एक-चौथाइ भाग ऊपर तरवारसे मारन, अनिकाल, रोगन ऊपर, और पृथ्वीके जँगली जनावरनके मारनके अधिकार दवगओ रहए।⁹जब थुमा पाँचौ मोहर खोली, तव बेदीके तरे परमेश्वरको वचन और बिनको गवाहीके तार्हीं मरे भए आत्मनके मय देखो। ¹⁰बे ऊँचो सोरमे चिल्लाई, " सबयके ऊपरको शासक, पवित्र और सच्चो, कबतक तुम हमर रगतको बदला न लेहौ और पृथ्वीमे बचेभयनके न्याय न करहौ?" ¹¹तव बे हरेकके एक सेतो कुर्ता दें, और बिनके सहकर्मी सेवकन और बिनके ददा भैयनके और दिदीबहिनियाके बिनके जैसे जो मरे भयनके संख्यामे पुरो न भए तक बिनके ईन्तजार करन कहोगओ।¹²जब थुमा छैटौ मोहर तोडी, तव हुँवा एक बणो हाला चाला गव मय देखो। दिन भाङ्ग्राको कुर्ता जैसो कारो हुइगव, और जोनी पुरा रगत जैसो बनगओ। ¹³जैसो अज्जीरको रुखाके आँधी हलातपेति न पके फरा झरे जैसे बादरमे भए तारा पथ्वीमे गिरे। ¹⁴बादर खालको चिट्ठीको मुठाजैसे बिटके लोप हुइगव, जो बिटाओ गव रहय। हरेक पहाड और टापु बाको ठाउँसे हटके चलेगए।¹⁵तव पृथ्वीके राजा और खाश आदमी और सर्व सधारन, धनी, शक्तिशाली, और दास और स्वतन्त्र हरेक आदमी पहाडके चट्टाननके बिचमे और गुफानमे लुके। ¹⁶बे पहाड और चट्टानसे कहैं, "हमर उपर गिर, और सिंहासनमे विराजमान होनबारेके मुहुँसे, और थुमाको क्रोधसे हमके लुकाबओ।" ¹⁷काहेकी बाको क्रोधको महान दिन आएगव हए, और हुँवा कौन ठाड सकत हए?"

Chapter 7

¹तब पिटु पृथ्वीके चारौ कोनेमे चार जनी स्वर्गदूत ठाणे भए मय देखो जौन पृथ्वीके चारौघेन आँधीके तगडेसे पकडे रहयँ। जहेमारे कि, पृथ्वी, समुन्दर औ कोइ फिर रुखाके विरुद्धमे कोइ फिर आँधी न चलय। ²तब जिन्दा परमेश्वरको मोहर लैके दुसरो स्वर्गदूत अगारसे ऊपर आतय मय देखो, जौन पृथ्वी और समुन्द्रके नोकसान करन अनुमति पाएभए चार स्वर्गदूतसे बडो सोरसे चिल्लएके आइसो कही,, ³हमर परमेश्वरके सेवकनके माथेमे हम मोहर ना लगानतक पृथ्वी समुन्द्र औ रुखनके कोइ खराबी मत करियो।”⁴मए मोहर लगाए भए बारेनको संख्या सुनो। बे एक लाख चवालिस हजार रहएँ, जो इस्राएलके आदमिनको हरेक कुलसे छाप लगाए भए रहएँ। ⁵यहूदाको कुलसे बाह्र हजारके, रुबेनको कुलसे बाह्र हजारके, गादको कुलसे बाह्र हजारके मोहर लगाव गओ रहय। ⁶अशेरको कुलसे बाह्र हजारके, नप्तालीको कुलसे बाह्र हजारके और मनश्शेको कुलसे बाह्र हजारके मोहर लगाव गओ रहय। ⁷शिमियोनके कुलसे बाह्र हजारके, लेबीके कुलसे बाह्र हजारके, इस्राखारको कुलसे बाह्र हजारके, ⁸जबूलूनको कुलसे बाह्र हजारके, योसेफके कुलसे बाह्र हजारके और बेन्यामीनको कुलसे बाह्र हजारके मोहर लगाव गओ रहय। ⁹जे बातनके पिटु मय देखो, हरेक जाति, कुल, आदमी और भाषाके कोइ फिर गिनन नसिकन बारो एक बहुत भारी भिड सेतो कुर्ता पैंधके और अपन अपन हातमे खजुरीक हाँगा लैके सिंहासन अगु और थुमाके जौने ठाणे रहयँ। ¹⁰और बे बडो सोरसे बुलान डटे रहयँ,: “सिंहासनमे बिराजमान होनबारो हमर परमेश्वर और थुमामे मुक्ति हए।”¹¹और सबय स्वर्गदूत चार जिन्दा प्राणी, एल्डरनके आसपास और सिंहासनके आसपास ठाडिगए और बे सिंहासनके अगु घुटा पणके अपन अनुहार झुकाई। बे अइसे करके परमेश्वरके आराधना करीं, ¹²“आमेन ! हमर परमेश्वरको प्रशंसा, महिमा, बुद्धि, धन्यवाद, आदर, शक्ति, और सामर्थ्य सदामान होबए। आमेन ।”¹³बक पिच्छु एल्डरन मैसे एक जनी मोसे पुँछी, “जे सेतो कुर्ता लागन बारे कौन हए, और बे कहाँसे आए हएँ ?” ¹⁴और मए बासे कहो, “हजुर तुमहि के पता हए,” और बा मोसे कहि, ‘जे बेहिँ हँए, जो महासंकटसे आए हँए, और बे अपन कुर्ताके थुमाके रगतसे धोएके सेतो बनाई हएँ।’¹⁵जहेमारे, बे परमेश्वरको सिंहासनके अगु हएँ, और दिनरात बाको मन्दिरमे बाको आराधना करत् हँए। सिंहासनमे बिराजमान होनबारो अपन उपस्थितिमे बिनके शरण देहए। ¹⁶बे फिर न भुखाय हयँ और प्यासे न हुइहँए। दिनको राप बिनके उपर न पणेहए, न त कोइ ताप बिनके जलाए हए । ¹⁷काहेकि सिंहासनके बीचमे होनबारो थुमा बिनको बाकरेहेरा होबैगो, और बा बिनके जिन्दा पानीको मुहान घेन डुरियाबैगो, और परमेश्वर बिनके आँखीसे सब आँसु पछोन देबैगो।”

Chapter 8

¹जब धुमा सातों मोहर खोली, तब लगभग आधा घण्टा तक स्वर्गमे सन्नाटा छैगौ। ²बक पिच्छु मय परमेश्वरके अगु ठाणे भए सात स्वर्गदुतनके देखो, और बिनके सात तुरही दौगव। ³दुसरो स्वर्गदुत आओ, और सोनोको धुपौरो लैके बेदीके जौने ठाणगओ। सिंहासनके अगु सबय विश्वासिनके प्रार्थनासंगै चढ़ानके ताहिँ बा स्वर्गदूतके बहुत धुप दौगओ। ⁴विश्वासिनके प्राथानासंगै धूपको धुवाँ स्वर्गदुतके हातसे परमेश्वरको अगु पुगो। ⁵तब स्वर्गदूत धुपौरो लै और बेदीसे आगी बामे भरी, तब बा बाके पृथ्वीमे फेंक दै, और बिजुली, गडगडाहट, बिजुलीको चमक पैदा हुइगओ और हलाचाला आइगौ। ⁶तब सात तुरही होनबारे सात स्वर्गदुत तुरही फुकन तयारी भए। ⁷पहिलो स्वर्गदुत अपन तुरही फुँकी, और हुँवा पत्थरा और रगत मिलोभव आगी आई, बाके तरे पृथ्वीमे फेंको गओ। जासे पृथ्वीको तीन भागको एक तिहाइ भागके जरायदई, तीन भागको एक-तिहाइ रुखानके जरायदई और सबय हरे घाँस फिर डुँगिगए। ⁸दुसरो स्वर्गदुत अपन तुरही फुँकी, और आगीसे जलरहो एक बणो पहाण जैसो समुन्दरमे गिरो और समुन्दरको एक-तिहाइ भाग रगत बनगव। ⁹बक पिच्छु समुन्दरमे भए जिन्दा प्राणी मैसे एक-तिहाई भाग मरिगए, और जहाजनके एक-तिहाइ भाग नष्ट हुइगए। ¹⁰तिसरो स्वर्गदुत अपन तुरही फुँकी, और बादरसे पजरत ऊँका कता एक बणो तारा नदियानको एक तिहाई भागमे और पानीके मोहानमे गिरो। ¹¹"बा ताराको नाउँ "ऐरेलु" हए, एक-तिहाई भागको पानी तितो हुइगओ, और बा तितो भव पानीके कारन बहुत आदमी मरिगए। ¹²चौथो स्वर्गदुत अपन तुरही फुँकी, और दिनको एक-तिहाइ भाग उपर संगसंगय जोनीको एक-तिहाइ भाग उपर और तारानको एक-तिहाइ भाग उपर प्रहार करोगओ और एक-तिहाइ भागनके अन्धियारो हुइगव, और दिनको एक-तिहाइ और रातको एक-तिहाइ भागमे उजियारो न भओ। ¹³और मए देखो, और बादरके बिचमे उडरहो एक गरुड जोणसे अइसे कहिके चिल्लात सुनो, "बाँकी रहे तीन स्वर्गदुतके फुकनय लागे तुरहीके आवाजको कारन पृथ्वीमे बैठनबारे आदमिनके धिक्कार, धिक्कार, धिक्कार।"

Chapter 9

¹बक पिच्छु पाँचौ स्वर्गदूत अपन तुरही फुँकी, और मए स्वर्गसे पृथ्वीमे एक तारा गिरत देखो। बा ताराके अतलकुण्डको चाभी दौगओ। ²बा अटलकुण्ड खोली, और बा कुण्डसे आगीको भट्टीसे निकरो धुवाँ जैसो उपर जान डटो रहय। और धुवाँ दिन और वायुमण्डलके अँध्यारो बनाएदई। ³बा धुवाँसे पृथ्वीमे तिणीदल निकरके आए। और पृथ्वीमे बिच्छीनको जैसो शक्ति बिनके दौगओ। ⁴पृथ्वीमे भए घाँस औ कोइ फिर हरि बोट बिरुवा औ रुखानके नुकसान मत करीओ कहिके बिनके कहोगौ। पर बिनके माथे मे परमेश्वरको मोहर न भए आदमिनके इकल्लो नुकसान करियो कहिके कहोगओ। ⁵पर बे आदमिनके मत मरीओ, पर पाँच महिना इकल्लो यातना दिओ, कहिके अनुमति दौगओ। और बिनको पीडा एक जनी आदमीके बिच्छी डसो जैसो होबेगो। ⁶बे दिनमे आदमी मृत्यु दुगंगे, पर न पामंगे। बे मरन बडो इच्छा करंगे, पर मृत्यु उन्से भाजैगी। ⁷तिणीदल लडाईके ताहिँ तयार करे घोडा जैसे दिखात रहएँ। बिनके मुणमे सोनोको जैसो मुकुट रहए, और बिनको अनुहार आदमीको अनुहार जैसे दिखात रहएँ। ⁸बिनको बार बैयरनको बार जैसो रहए और बिनको दाँत बाघटाको दाँत जैसो रहए। ⁹बिनको छाती-पाता, लोहेको छाती-पाता जैसो रहए और बिनको पखनाको आवाज लडाईमे दौरन बारे बहुत रथ और घोडानको जैसे रहएँ। ¹⁰बिनके पुँछ और खिल बिच्छीके जैसे रहएँ, और बिनको पुँछमे पाँच महिनातक आदमीनके कष्ट देनबारी शक्ति रहए। ¹¹गहिरो अतल कुण्डको स्वर्गदूत बिनके राजाजैसो रहए। हिब्रु भाषामे बाको नाउँ एबाडोन रहय और ग्रीक भाषामे बाको नाउँ अपोल्लियोन रहए। ¹²पहिलो विपत्ति बितगव। देखओ, बक पिच्छु दुई विपत्ति आन बाँकीय हएँ। ¹³और छैठौँ स्वर्गदूत अपन तुरही फुँकी। और मए परमेश्वरके अग्गु भव सोनोको बेदीके सिडसे एक आवाज आत सुनो। ¹⁴तुरही लेन बारो छैठौँ स्वर्गदूतको आवाज अइसो कही, “बणी नदिया युफ्रेटिसमे बाँधे भए बे चार स्वर्गदूतनके छोणदेव।” ¹⁵मानव-जातिको एक-तिहाइ भागके मारनके बहे घणी, बहे महिना और बहे सालके ताहिँ तयार करेभए चार स्वर्गदूत छोडेगए। ¹⁶बे घोडा सवार भए सिपायनको संख्या बिस करोड रहए। मय बिनको संख्या सुनो। ¹⁷अइसिय मिर दर्शनमे घोडा और घोडाके उपर सवार होनबारेनके देखो। बिनके छातीके कवज आगीको जैसो लाल, गाढा निलो और गन्धक जैसो पेरो रहए। बे घोडानके मुण बघटानको मुण जैसे रहएँ, और बिनको मुँहसे आगी, धुवाँ और गन्धक निकरत रहए। ¹⁸बिनके मुँहसे निकरो आगी, धुवाँ और गन्धकको जे बिपत्तिद्वारा आदमीको एक-तिहाइ भाग मरे। ¹⁹काहेकी बे घोडानको शक्ति बिनके मुँह और पुँछमे रहए, काहेकी बिनको पुछ साँप जैसो रहएँ, बिनको मुणसे मारके आदमीनके चोट पुगाइ रहएँ। ²⁰बाँकी रहे मानव-जाती जो जा विपत्तिनसे न मरे रहयँ, बे अपन करे कामसे पश्चाताप न करीं। बिनके सोनो, चाँदी, काँसो, पत्थरा और कट्टा और देखन, सुनन औ नेगन न सिकनबारे चीजनके मुर्तिनके और भूतनके पुजन न छोडीं। ²¹न त बे अपन करेभए हत्या, जादुगरी, व्यभिचार और चोरी जैसे कामसे पश्चाताप करीं।

Chapter 10

¹बक पिच्छु मए स्वर्गसे दुसरो शक्तिशाली स्वर्गदुत उत्तरत देखो। बाके बादर घेरे रहय, और बाके मुणमे धनकमान रहए। बाको मुहुँ दिन जैसो और बाके टाङ आगीके खम्मा जैसो रहएँ। ²बाके हातमे खुलो भव एक छोटी चर्मपत्रको मुठा रहय, और बा अपन दहिना पाँव समुन्द्रमे और अपन दिबरा पाँव पृथ्वीमे धरे रहय। ³बक पिच्छु बा बघटा गर्जो हानी जोणसे चिल्लाई। जब बा चिल्लाई, तव सात गर्जनसे अपन आवाज निकारी। ⁴जब बा सात गर्जनसे आवाज निकारी, तब मए लिखन लागो रहौं, पर मय स्वर्गसे अइसो कहो भव आवाज सुनो, बे सात मेघ गर्जनको निकरे बात के गुप्त मे धर, जाके मत लिखय। ⁵तव मय स्वर्गधेन अपन दहिना हात उठाए समुन्द्र और पृथ्वीमे ठाणो भव स्वर्गदुतके देखो। ⁶बक पिच्छु सदामान जिन्दा रहनबारो, जौन स्वर्ग और बामे भए सबय चीज, पृथ्वी और बामे भए सबय चीज, समुन्द्र और बामे भए सबय चीज सृष्टि करनबारेके नाउँमे कसम खाएके स्वर्गदूत कही, "अब हुवाँ देर न हुइहए। ⁷पर बा दिन सातौं स्वर्गदुत अपन तुरही फुकन लागतय बा दिनमे बाके सेवक अगमवक्तानके घोषणा करो जैसो बा रहस्य परमेश्वर पुरा करेगो।" ⁸"तव स्वर्गसे मए सुनो भव आवाज मोसे फिर अइसे कहि, "जा, समुन्द्र और जमीनमे ठाणो स्वर्गदूतको हातमे भव खुला चर्मपत्रको मुठा ले।" ⁹जब मय स्वर्गदुत ठिन गओ और बा छोटी चर्मपत्रको मुठा माँगो, तब बा मोसे कहि, चर्मपत्रको मुठा ले, और खा। जा तेरो पेट खट्टो बनाबैगो, पर तिर मुहुँमे जा सहत जैसो मिठो होबैगो।" ¹⁰मए स्वर्गदूतके हातसे बा छोटी चर्मपत्रको मुठा लैलओ, और बाके खाएलओ। मिर मुहुँमे बा सहत जैसो मिठो हुइगओ। पर मय जाके खाएके पिच्छु मिर पेट खट्टो हुइगओ। ¹¹तव मोके कोइ कहि, " बहुत आदमीनके, जातिनके, भाषानके और राजानके बारेमे फिर तोके अगमवाणी कहन पणैगो।"

Chapter 11

¹मोके नापन निगालोको एक टाँगो दौगओ, और अइसो कहोगव, “उठ और परमेश्वरको मन्दिर और वेदी, और जौन बामे आराधना करत हयँ बिनको नाप ले।
²पर मन्दिरसे बाहिर चोकको भागके मत नपिये, काहेकि बा गैरयहूदीनके दओगव हए। बे बयालीस महिनातक पवित्र सहेरके कुलचङ्गे।³मिर दुई साचीनके मय एक हजार दुई हजार सय साठी (१२६०) दिनके ताहीं भाङ्ग्राको कुर्ता लगाएके अगमवाणी करन अधिकार देमङ्गो।”⁴जे साची जैतुनको दुई रुखा और दुई सामदान हँए, जो पृथ्वीमे परमेश्वरके अगु ठाडे रहयँ।⁵अगर कोइ बिनके नुक्सान करन चाहँत हयँ तव, बिनके मुहँसे निकरो आगी बिनके शत्रुनके नाश करेहए। कोइ बिनके नुक्सान करन चाहँत हयँ तव, बिनके फिर अइसिय मरन पडहय।⁶जे साचीनसंग अगमवाणी करो समयमे पानी न पणए कहिके बादर बन्द करन अधिकार रहय। जे साचीनके पानी पाणन सिकन तकको अधिकार बिनके अगमवाणीको समयमे पाइ रहएँ। और पानीके रगतमे बदलन सिकन और पृथ्वीके बहुत किसिमको विपत्तिनसे बिनके इच्छा लागो समयमे प्रहार करन शक्ति बिनके संग रहए।⁷जब बे अपन गवाहीको काम खतम करङ्गे, तब अतल कुण्डसे निकरके आनबारो बा पशु बिनसे युद्ध करेगो। बा बिनके जितैगो और बिनके मरेगो।⁸बिनको मरो शरीर बणो सहेरके बाहिर डगरघेन पणे रहमङ्गे, (जौन सहेरके साँकेतिक रुपमे सदोम और मिश्र कहत हँए), जहाँ बिनको प्रभु क्रूसमे टँगो रहए।⁹काहेकि साढे तीन दिनतक हरेक राष्ट्र, जाति, भाषा और आदमी बिनकि मरी शरीर देखङ्गे। और बे लाहसनके कब्रस्थानमे गाणन अनुमति न देहएँ।¹⁰पृथ्वीमे रहनबारे बिनको मृत्युमे आनन्द मनाए हँए और उत्सव मनाय हयँ। बे आपसमे उपहार लेन देन फिर करेहँए। काहेकी बे दुई अगमवक्ता पृथ्वीमे रहनबारेनके दुख दै रहएँ।¹¹पर साढे तीन दिन पिछु परमेश्वरसे आओ जीवनको सास बिनके भितर जाबैगो और बे अपन टाँगमे ठाणङ्गे और बिनके देखन बारेनके बहुत डर छाबैगो।¹²तब बे स्वर्गसे एक बणो आवाज “यितए उपर आओ।” कहिके बे सुनङ्गे। और बिनके दुश्मन देखतै देखत बे बादर उपर स्वर्गघेन जामङ्गे।¹³बहे समयमे हुवाँ बहुत भारी हालाचाला जाबैगो, और सहेरको दशौँ भाग पूरा रीतिसे नाश होबैगो, बा हालाचालासे सात हजार आदमी मरङ्गे और बचेभए डराएके स्वर्गको परमेश्वरको महिमा देमङ्गे।¹⁴दुसरो बिपत्ति बितगओ, “देखओ, तिसरी विपत्ति जल्दी आए रहो हए।¹⁵तब सातौँ स्वर्गदुत अपन तुरही फुँकी, और स्वर्गमे अइसे करके बडो आवाज गुन्जो, “ संसारको राज हमर प्रभु और बाको खीष्टको राज भव हए, और बा सदामान राज करैगो।”¹⁶बक पिछु चौबिस जनी धर्म-गुरु जो बिनके सिंहासन अगु अपन-अपन आसनमे परमेश्वरके उपस्थितिमे घुप्टा हुइके अनुहार झुकाए बैठे रहयँ, बे परमेश्वरके आराधना करीं,¹⁷बे कहान लागे, सर्वशक्तिमान परमप्रभु परमेश्वर हम तुमके धन्यवाद देत हँए, जो हए, और जो रहए, काहेकी तुम महान शक्ति हातमे लएहओ और राज करन शुरु करदय हो।¹⁸संसारके राष्ट्र क्रोधित भए रहयँ, पर तुमरो क्रोध प्रकट भओ हय। मरेनको इन्साफ करन समय आएगव हय, और तुमर दास अगमवक्ता, सन्तनके जो विश्वासी हयँ, और जो तुमर नाउँमे डरात हयँ, जरूरी न भएबारे और शक्तिशाली दोनोके इनाम देन समय और पृथ्वीके बिनास करन बारेनके नाश करन समय आएगव हय।”¹⁹तब स्वर्गमे परमेश्वरको मन्दिर खुलोगव और मन्दिर भितर बाको करारको सन्दुक दिखानो। हुवाँ ज्योतिके चमकन, गर्जन, बिजुलीको आवाज संगय हालाचाला आओ, और बणे-बणे पत्थरा पणे रहयँ।

Chapter 12

¹स्वर्गमे एक बडो चिन्ह दिखानो: दिनके पैँधे और जोनीके अपन पाँव तरे कुचले एक बैयर बाह्न तारा भव मुकुटके लगाए रहए। ²बा गर्भवती रहए, और बालका जन्मानके प्रसव-वेदनामे चिल्लान डटी रहए। ³बक पिच्छु स्वर्गमे दुसरो चिन्ह दिखानो: देखओ ! हुवाँ बडो लाल सात मुण, दस सिड और बाके मुणमे सात मुकुट लगाए एक बडो लाल अजिङ्गर रहय। ⁴बाको पुँछसे स्वर्गमे भए एक तिहाइ ताराके समेटके बिनके पृथ्वीमे फेंक दै। बालक जल्मान लागी बा बैयरके अगु बा डरौनो पशु ठाडो रहय ताकि बाको बालकाके जल्मात खिनक निल सकय। ⁵बा एक बालक जल्माइ, जौन सबय जातिनके उपर लोहाको डन्डासे शासन कर हए। बाको बालकके छिनाएके परमेश्वर और बाको सिहासनघेन लैजाओ गओ। ⁶और बा बैयर उजाड-स्थान भितर भाजी, जहाँ परमेश्वर बाके ताहिँ ठाउँ तयार करी रहय, ताकि एक हजार दुई सय साठी दिन तक बाके पालनपोषण करन सिकय। ⁷और स्वर्गमे लडाई भव। मिखायल और बिनके दूत बा अजिङ्गरसे युद्ध करीं और अजिङ्गर और बाके दूत फिर युद्ध करीं। ⁸पर जितनके ताहिँ बा अजिङ्गरसंग बहुत बल न रहय। जहेमारे, स्वर्गमे बाको और बाके दूतनके ताहिँ कोइ ठाउँ न भव। ⁹बा बडो अजिङ्गर और पुरानो साँप जौनके दुष्ट या शैतान कहात रहयँ, जौन सबय संसारके छल करत हय, बाके पृथ्वीमे फेंको गव और बाके दूत फिर बाके संगय फेंके गय। ¹⁰तव मए स्वर्गमे एक बडो आवाज सुनो, “अब हमर मुक्ति, शक्ति, हमर परमेश्वरको राज और खीष्टको अधिकार आओ हए। काहेकी हमर भैयनके दोष लगान बारो फेंको गव हए, जौन परमेश्वरके अगु बिनके दिनरात दोष लगात रहए।” ¹¹बे बाको थुमाको रगतद्वारा और अपन वचनको गवाहीद्वारा जीते हँए, काहेकि बे मृत्यु तक फिर अपन जीवनके माया न रखीं। ¹²जहेमारे, हे स्वर्ग और बामे रहन बारे तुम सबय आनन्द मनाबौ। पर पृथ्वी और समुन्द्रके धिक्कार हए ! काहेकि शैतान तुमर ठिन तरे गव हय। बा बहुत क्रोधसे भरो हए, काहेकि बाकेसंग थोरी इकल्लो समय हए कहिके बाके पता हए। ¹³जब बा अजिङ्गर अपनएके पृथ्वीमे फिको महसुस करी, तव बा बालक जन्मान बारी बैयरके सताई। ¹⁴और साँपको उपस्थिति बाहिर तयार करो भव ठाउँ उजाड-स्थानमे उडके जानके ताहिँ बा स्त्रीके एक बणो गरुणको दुई पखना दौगव। बा बहे ठाउँ रहय जहाँ एक समय, जल्दा समय और आधी समयके ताहिँ वास्ता करन सिकते। ¹⁵बा बैयरके बाढ बहाएके दुर लैजाबए कहिके बा साँप अपन मुहँसे नदिया जैसो पानी निकारी। ¹⁶पर पृथ्वी बा बैयरके सहेता करी, और अजिङ्गर अपन मुहँसे निकारी नदियाके पृथ्वी मुहुबाएके घिंचलई। ¹⁷बक पिछु बा अजिङ्गर बईयर से क्रोधित भओ और परमेश्वरको आज्ञा पालन करन और येशूको बारेमा गवाही देन बाके बाँकी रहे सन्तान सँग लडाई करन गव। ¹⁸तव बा अजिङ्गर समुन्द्र किनारेको रेत ऊपर ठाडगव।

Chapter 13

¹बक पिच्छ मय समुन्द्रसे एक पशु आत देखो। जौनक दश सिङ और सात मुण रहएँ। बाके सीङ उपर दश मुकुट रहएँ, और बाके मुण उपर ईश्वर-निन्दाको नाउँ रहए। ²मए देखो बा पशु चितुवा जैसो रहए। बाके टाँग भालुवाको जैसो रहए, और बाको मुहूँ बघटाको जैसो रहए। बाके शासन करनके ताहिँ एक अजिँगर अपन शक्ति, अपन सिंहासन और अपन बडो अधिकार दै। ³बा पशुके मुणमे गहिरो चोट रहए, जौन मृत्युतक लैजान सिक्तो, पर बाको घाव अच्छो हुइगओ। और सबय पृथ्वीके अचम्मित हुइगए और बे बा पशुके पिछुपिछु लागे। ⁴बे अजिँगरके फिर पूजा करत् रहएँ, काहेकि बा अपन अधिकार पशुके दै रहए। “जा पशु जैसो और कौन हए ?” और जाके बिरुद्धमे कौन लडाई कर सकत हय ?” कहिके बे बा पशुके आराधना करी। ⁵बाके मुहूँमे घमण्डके वचन बोलन और ईश्वर-निन्दा करनबारो वचन बोलन दौगव। बाके बयालीस महिनाके ताहिँ अधिकार चलानके अनुमति दवगओ रहय। ⁶बहेमारे, परमेश्वरको विरुद्धमे ईश्वर-निन्दा करन, बाको नाउँ और बाको वासस्थान, और स्वर्गमे बैठन बारेनके विरुद्धमे निन्दा करन बा पशु अपन मुहूँ खोली। ⁷विश्वासिनसंग लडाई करन और बिनके जितन बा पशुके अनुमति दौगव रहय। और हरेक जातिनके, आदमीनके, भाषानके और राष्ट्र उपर फिर अधिकार दौगव रहय। ⁸पृथ्वीमे बैठनबारे सबय आदमी बा पशुको पूजा करेहँए, जौनको नाउँ संसारको सृष्टिसे मरो भव थुमाको जीवनको पुस्तकमे लिखो न हय। ⁹जौनको कान हए बा सुनए। ¹⁰कोइके कैदमे लैजान हय तव, बा कैदमे जएहय। यदि कोइ तरवारसे मरन हय कहेसे, बा तरवारसे मरहय। धीरज, सहनशीलता, और विश्वासके ताहिँ जो पवित्र हयँ जहेके ताहिँ हियँ बोलाहट हए। ¹¹तब मय पृथ्वीसे आएरहो दुसरो पशु देखो। बाको थुमाको जैसो दुई सिङ रहएँ, और बा अजिँगर जैसो मस्की। ¹²बा पहिले पशुके उपस्थितिमे सबय शक्तिको अभ्यास करी, और पृथ्वी और हुवाँ बैठनबारे बासिन्दानके बा पहिले पशुको पुजा करन लगात रहए, जौनको गहिरो घाउ अच्छो भव रहए। ¹³बा शक्तिशाली अचम्मोको काम फिर दिखाइ। बा आदमीनके अगु स्वर्गसे पृथ्वीमे आगी गिरानको काम समेत बा करी। ¹⁴शक्तिशाली चिन्हद्वारा जाके चमत्कार दिखानके अनुमति दौगव। दुसरो पशु पृथ्वीके बासिन्दनके बहकाई। बा पहिलो पशुके आदर करनके ताहिँ बिनके बाको एक मुर्ति बनान लगाइ। बा पशुके तलवारसे चोट लगे रहय, तब भी बा जिन्दा हुइगओ। ¹⁵बाके बा पशुको मुर्तिके जिन्दा करन अनुमति दौगव, ताकि बा मुर्ति मस्कन सिकए, और बा पशुको मुर्तिके पुजा करन इन्कार करन बारे मारे जामएँ। ¹⁶और बा शक्तिशाली और बिना जरूरीके, धनी और गरीब, स्वतन्त्र और कमैया हरेकके दहिना हात या माथेमे छाप लगान दबाव दव गओ। ¹⁷बा पशुको छाप न भए बारेनके ताहिँ किनन और बेचन असम्भव हुइतो। बा पशुको छाप बाको नाउँको संख्याके प्रतिनिधित्व करत हए। ¹⁸बा बुद्धिके बुलात हए। जौनको समझ हय, बा पशुको संख्या जोणए, काहेकी बा सङ्ख्या आदमीनके ताहिँ हए। जा संख्या छ सयौ छयसट्टी (६६६) हए।

Chapter 14

¹और मए सियोन डाँगामे थुमा ठाणो रहो देखो। बाके संगमे एक लाख चवालीस हजार रहए, जौनके माथेमे बाको नाउँ और बाको पिताको नाउँ लिखो रहए।
²और बहुत पानीको आवाज जैसो, और बणो गर्जनको आवाज जैसो स्वर्गसे एक सोर सुनो। मिर सुनो भव बा आवाज बीणा बजानबारे अपन बीणानके बजाय रहे सोर जैसो रहए।³सिंहासनके और बे चार जीवित प्राणीक और धर्म-गुरुके अगु बे एक नयाँ गित गात गाई। पृथ्वीसे लाए भए एक लाख चवालीस हजार (१,४४,०००) बाहेक और कोइ भी बा गित न सिख पात रहए।⁴बे बैयनसंग लसपस न करी रहए, और अपनयके चोखो रखे रहए। थुमा जितए जात रहए बाके पिछुपिछु लागन बारे जेहिँ हए। परमेश्वर और थुमाके ताहिँ पहिलो फलको रुपमे आदमीनके बीचसे लाई रहए।⁵बिनके मुँहुमे कोइ झुट न पाव गव, बे निष्खोट रहए।⁶तव मय दुसरो स्वर्गदुतके बादरके बिचमे उणत् देखो। पृथ्वीमे रहन बारे हरेक जाति, कुल, भाषा और आदमीके घोषणा करन अनन्त सुसमाचार बिनके संग रहए।⁷बे जोणसे चिल्लाएके कहिँ, “परमेश्वरसे डरओ, और बाके महिमा देओ। काहेकी बाको इन्साफको घणी आइ गओ हए। बाके आराधना करओ, जौन स्वर्ग, पृथ्वी, समुन्द्र और पानीके सोतनके बनाई।”⁸और एक दुसरो स्वर्गदुत अइसे कहत पिछुपिछु लागो, “नाश भव जाति-जातिनके अपनो व्यभिचारको क्रोधको दारु पिआन लगानबारे महान बेबिलोनको नाश भव हय।”⁹और तेसरो स्वर्गदुत बडो आवाजमे आइसो काहत बिनके पिछुआओ, “अगर कोइ आदमी बा पशु और बाको मुर्तिनके पूजा कर हय, और माथे या बाके हातमे छाप लगय हय,¹⁰बा फिर परमेश्वरको क्रोधको कटोरामैसे कुछ दारु पिहय, जौन बाको क्रोधको कटोरामे अखनाय गव हए, जौन जा पिहय बाके परमेश्वरको पवित्र स्वर्गदुतन और थुमाके अगु आगी और गन्धकमे बाके यातना दौ जाएहय।¹¹बिनको यातनाको धुवाँ सदामान उपर जात रहए. बे जेहिँ हए जौन बा पशु और बाको मुर्तिके पूजा करत हए, और बाको नाउँको छाप लेत हए। बे दिनरात कबहू आराम न पैहए।”¹²परमेश्वरको आज्ञा पालन करन बारे और येशू उपर विश्वास करन बारे सन्तके धिरज धरन जहेमे हए।¹³और स्वर्गसे आओ अइसो आवाज मए सुनो, “जा लिख: अब से प्रभुमे मरन बारे धन्यके हए।” आत्मा कहत हए, “हँ, बे अपन परिश्रमसे आराम पाएहए, काहेकी बिनको काम बिनके पिछु लगेहए।”¹⁴और मए देखो, और एक सेतो बादल और बाके उपर बैठो भव आदमीक पुत्र जैसो एक जनी देखो, जौनको मुणमे सोनोको मुकुट रहए और हातमे एक पैनो हँसिया रहए।¹⁵दुसरो एक स्वर्गदुत मन्दिरसे बाहिर आओ, और बादर उपर बैठन बारो जोणसे चिल्लाएके कहि, “तुमर हँसिया लेओ, और कटनी करओ, काहेकी कटनीको समय अएगओ हए, काहेकी पृथ्वीको फसल पुराए पकिगव हए।”¹⁶अइसे बादर उपर बैठन बारो अपन हँसिया पृथ्वी उपर चलाई, और पृथ्वीको कटनी भव।¹⁷और स्वर्गमे भव मन्दिरसे एक दुसरो स्वर्गदुत बाहिर आओ। बिनके संग फिर एक पैनो हँसिया रहए।¹⁸और बेदीसे दुसरो स्वर्गदुत आओ, जौनके आगी उपर अधिकार रहए। पैनो हँसिया देनबारो जोणसे चिल्लाएके कहि, “तुमरो पैनो हँसिया चलाओ, और पृथ्वीके अंगुरको झोथा जम्मा करओ, काहेकी पृथ्वीको अंगुर पुराए पकिगव हए।”¹⁹बे स्वर्गदुत अपनो हँसिया पृथ्वीमे चलाई, और पृथ्वीको अंगुरको फसल जम्मा करी, और बाके परमेश्वरको क्रोधको बहुत बडो दाख-कुण्डमे फेक दै।²⁰सहेर बाहिरसे दाख-कुण्डसे रगत निकरके बहिगव, काहेकि जा और एक हजार छय सौ किलोमिटर (१,६००)तक फैलो रहए।

Chapter 15

¹मए स्वर्गमे बहुत बडो और अचम्मोको दुसरो एक चिन्ह देखो: सात स्वर्गदुत सात अन्तिम विपत्ति लाई रहएँ, काहेकी बिनमे परमेश्वरको क्रोध समाप्त भव रहए।
²आगीसे मिलो कटोरा समुन्द्र जैसो मए देखो हुवाँ पशु और बाको मुर्ति उपर अपन नाउँको संख्या उपर बिजय पानबारे अपन हातमे परमेश्वरको बीणा लैके बे काँचको समुन्द्रके किनारमे ठाणे रहयँ।³बे अइसे करके परमेश्वरको दास मोशाको भजन और थुमाको भजन गात रहएँ, “हे परमप्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान, तुमरो कार्य महान और अचम्मो हए, युग-युगको महाराजा, तुमरे डगर धार्मिक और सत्य हँए।⁴और परमप्रभु, तुमरो डर कौन न मान्त हए ? और तुमरो नाउँको महिमा कौन न करत हय ? काहेकी तुम इकल्ले पवित्र हौ। सब जाति आपके तुमके दण्डवत करत् हँए, काहेकी तुमरो धार्मिक कार्य प्रकट भव हए।”⁵जे बात पिछु मए देखो, और स्वर्गमे गवाहीको मण्डपको मन्दिर उघरीगव।⁶सुतीको चमकनबालो कुरता लगाएके और सोनोको फिता छातीके आसपास बाँधे सात जनी स्वर्गदुत सात विपत्ति लैके बडो पवित्र ठाऊसे बाहिर निकरे।⁷बे चार जीवित प्राणी मैसे एक सदामान जीवित रहन बारे परमेश्वरके क्रोधसे भरे सोनोके सात कटोरा बे सात स्वर्गदुतनके दें।⁸परमेश्वरको महिमा और बाको शक्तिसे मन्दिर धुवाँसे भरिगव रहय। बे सात स्वर्गदुतके सात विपत्ति खतम न होनतक कोइ फिर बा भितर घुस न पाई।

Chapter 16

¹तव मन्दिरसे आओ एक जोणसे चिल्लान बारो सात स्वर्गदुतसे अइसे कहत मए सुनो: “तुम आओ, और परमेश्वरको क्रोधको सात कटोरा पृथ्वी उपर अखनाओ।”²तव पहिलो स्वर्गदुत जाएके अपन कटोरा पृथ्वी उपर अखनाई, और बाके कारन बा पशुको छाप होनबारे और बाको मुर्तिके पूजन बारे आदमीनके घिनौनो लागन बारो और पिरान बारो घाव निकरो।³दुसरो स्वर्गदुत अपन कटोरा समुन्द्रमे अखनाई, और बा मरे भए आदमीको खुन जैसो हुइगव। और समुन्द्रमे भए सब जिन्दा प्राणी मरिगए।⁴और तिसरो स्वर्गदुत अपन कटोरा नदिया और पानीको मूलमे अखनाई, और बा खुन हुइगव।⁵तव पानीको जिम्मा लेनबारो स्वर्गदुत अइसे कहत मए सुनो, “तुम अपन इन्साफमे न्यायी हौ, तुम जो हौ, जो रहौ, हे पवित्र परमेश्वर काहेकी अइसी तुम इन्साफ करे हौ।”⁶काहेकी बे सन्तनको और अगमवक्तानको रगत बहाइ हँए, और तुम बिनके रगत पिनके दए हौ। बा बिनके पिनए पणेहए।”⁷तव बेदीके अइसे कहत मए सुनो, “हँ, परमप्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान, तुमरो इन्साफ सच्चो और धार्मिक हए।”⁸तव पिछु चौथो स्वर्गदुत अपन कटोरा दिनमे अखनाई, और आदमीनके आगीसे डुगन अनुमति दिनके दै।⁹आदमी प्रचण्ड तापसे डुँगे, और बे विपत्तिनके ऊपर शक्ति होनबारो परमेश्वरको निन्दा करीं। पर बे पश्चाताप न करीं और बाके महिमा देन इन्कार करीं।¹⁰और पाँचौ स्वर्गदुत अपनो कटोरा बा पशुके सिंहासनमे अखनाई, और बाको राज्यमे अन्धकार छैगव, बे कष्टमे अपनी अपनी जीब चबाई।¹¹बिनकी कष्ट और घा के कारन बे स्वर्गको परमेश्वरको नाऊँको निन्दा करीं, और अभौ फिर बे अपन कुकर्म से पश्चाताप करन इन्कार करीं।¹²तव छैटो स्वर्गदुत अपन कटोरा महानदी युफ्रेटिसमे अखनाई, और नदीयाको पानी सुखिगव और अगारसे आनबारो राजाके ताहिँ तयार भव।¹³तव मए अजिगरको मुहूसे या पशुके मुँहूसे और झुठे अगमवक्ताको मुँहूसे मुणका जैसो तीन घृणित आत्मा निकरत देखो।¹⁴बे चमत्कार दिखान बारे दुष्टत्मा हँए। बे पुरे संसारके राजानके ठिन जात रहएँ, और सर्वशक्तिमान परमेश्वरको महान दिनमे युद्ध करनके ताहिँ बे सँगैसँग इक्ठ्ठा करत हँए।¹⁵“देखओ, मए चोर जैसो आमंगो। बा धन्य हए, जो जगो रहात हय, और अपन कुरताको रक्षा करत हए। ताकी बा नँगो बाहिर जान न पडय, और बे बाको शर्म देखन न पडय।”¹⁶बे ऊनके एकय ठाउँमे लाई जौनके हिब्रु भाषामे आर-मागेडोन कहात हँए।¹⁷और सातौ स्वर्गदुत अपनो कटोरा हावामे अखनाई, और मन्दिरको सिंहासनसे अइसो कहत एक जोण से चिल्लात आवाज निकरो, “निफटगव हय।”¹⁸हुँवा बिजुली चमको, आवाज और मेहे गर्जन भव, और बेढम हालाचाला अओ, इतनो भयानक हालाचाला कि पृथ्वीमे आदमीको उत्पत्ति होनेसे अगु अइसो कबहू न गओ रहए।¹⁹बा महानगरी तीन भागमे खुद्रा-खुद्रा भओ, और देश-देशके सहेर ध्वंस-विध्वंस हुइगय। और परमेश्वरको बा महान बेबिलोन कहिके मनमे बुलाई, और बा अपन क्रोधको भयानक मद्यसे भरो कटोरा सहेरके दै।²⁰और हरेक टापू लोप हुइके गए और पहाड बेपता भए।²¹बादरसे बडे बडे पत्थर आदमीनके उपर गिरन लागे। पत्थरको विपत्तिके कारन बे परमेश्वरके सरापीं, काहेकी बा बिपत्ति गजबय भयानक रहए।

Chapter 17

¹बे सात कटोरा लेनबारे सात स्वर्गदुत मैसे एक जनी मेरे ठिन आएके कहि, “इतए आओ, मए तुमके बहुत पानीमे बैठी बा महा वेश्याके दओ इन्साफ दिखमंगो।
²बाके संग पृथ्वीके राजा व्यभिचार करी हँए और पृथ्वीके बासिन्दा बाके व्यभिचारको मद्यसे मते हँए।³और बे मोके आत्मामे बोकके एक उजाड-स्थान भितर लैगए। हुवाँ सात मुण और दश सिङ भव ईश्वर-निन्दाको पशु उपर बैठी एक बैयर मए देखो।⁴बा बैयर बेजनी और चम्कन बारो लाल कपडा लगाए रहए, और बा सोनोको गहना और मोतीसे सिंगार करे रहए, और घिनौनो बात और बक व्यभिचारको अशुद्ध बातनसे भरो एक सोनोको कटोरा बा हातमे लए रहए।⁵एक गुप्तबातको अर्थ बाके माथेमे नाउँ लिखो रहए: पृथ्वीमे भय घिनौनो बात और व्यभिचार करन बारेनकी अइया महान् बेबिलोन।”⁶और मए बा बैयरके सन्तनको रगत और येशूके ताहीं सहिद भयनके रगत पिके मत्तानी देखो। बाके देखके मए गजब अचम्मो मानो।⁷पर स्वर्गदुत मोसे कहि, “तुम काहे अचम्मो मान्त हो ? मय तुमके बा बाइयरऔर बाके बोकन बारे सात मुण और दश सिङ भव पशुके रहस्यको अर्थ तुमके बातमंगो।⁸तुम देखे बा पशु एक समय रहए, पर अब न हय, और सर्वनाशमे जान अतल कुण्डसे बा उपर चढ़न लागो हए। और पृथ्वीके बासिन्दनके, जौन नाउँ संसारको उत्पत्तिसे जीवनको पुस्तकमे लिखो न हय, बे बा पशुके देखके अचम्मो मानंगे, काहेकी बा एक समय रहए, अब न हय, पर आन लागो हय।”⁹बुद्धिमत्ता जहेमे हए: बे सात मुण सात डँगा हँए, जौन उपर बा बैयर बैठी हए।”¹⁰बे सात राजा फिर हँए- पाँच जनी राजा नाश हुइगय हँए, एक जनी अभे हए, और दुसरो अभेतक आओ न हय। जब बा आबैगो, तव कछु समयके ताहीं रयहय।¹¹बा पशु, जो एक समय रहए, पर अब न हय, बा अपनय फिर आठौँ राजा हए पर बे सात राजा मैसे बा एक हए, पर बा सर्वनाश होन जायरहोहए।¹²तुम देखे बे दश सिङ ता दश राजा हँए, जौन हबए तक राजकीय शक्ति पाई न हयँ। पर बा पशुसंगै बे एक घण्टाके ताहीं राजाको अधिकार पामंगे। ”¹³यिनको एकय विचार हए, और बे अपन शक्ति और अधिकार बा पशुके सौपंगे।¹⁴बे थुमाके बिरुद्धमे युद्ध करेहँए, और थुमा बिनके जितैगो, काहेकी बा प्रभुनको प्रभु और राजानको राजा हए। बाके संगमे होनबारे बुलाए हँए, चुने भए और विश्वासयोग्य हँए।”¹⁵बे स्वर्गदुत मोसे कहिँ, “तुम देखे भय पानीके ऊपर, जहाँ बा वेश्या बैठी हए, बा पानी आदमीनके, भिणनके, जातिनके और भाषानके हए।¹⁶और तुम देखे भए दश सिङ और बा पशु बा वेश्याके घिणना करेहए, बे बाके ईकल्लो और नङ्गो करके बाको मासु खएहँए, और बाके बे आगीमे भस्म करदेहँए।¹⁷काहेकी परमेश्वरको वचन पुरा न होन तक एकय मनको हुइके बे अपनो अधिकार बा पशुके राज करन देन बाके उद्देश्य पुरा होन परमेश्वर अइसो विचार डारिहय।¹⁸तुम देखे भय बा बैयर पृथ्वीके राजानके ऊपर शासन करनबारी महानगरी हए।”

Chapter 18

¹तव पिछु बणो अधिकार भव दुसरो एक स्वर्गदुत स्वर्गसे तरे आत मए देखो। बाको शक्तिसे पृथ्वी उजियारो भव। ²बा अइसे करके शक्तिशाली सोर निकारके चिल्लाई: “महानगरी बेबिलोनको पतन भव, जा महानगरी भुतनके ताहीं रहनबारो, हरेक अशुद्ध आत्माके ताहीं वासस्थान और हरेक अशुद्ध और घृणित चिरईयाको एक अखणा भई हय। ³काहेकी सबय जाति बाको अनैतिक व्यभिचारको नसा पिए हएँ। पृथ्वीके राजा बाकेसंग व्यभिचार करी हए। पृथ्वीनके व्यापारी बाके बिलासिताको शक्तिको जीवन यापनसे बहुत धनी भए हएँ। ⁴तव मए स्वर्गसे अइसो कहत दुसरो आवाज सुनो: “ मिर आदमी रेओ, बासे निकारके आओ, नत बाके पापसंग तुम सहाभागी हुइहौ, और बाको कोई भी विपत्ति तुमय भोगन न पडय। ⁵काहेकी बाके पापनको जमा स्वर्ग तक ऊँचो भव हए, और परमेश्वर बाको अधर्म सम्झी हए। ⁶जैसी बा औरनके दर्ईरहय, उइसिय बाके लौटायदेओ और बा जो करी हय फिर्ता देओ। बा कटोरामे जो भरि रहए, बाके दुगुना होनतक बाके देओ। ⁷जैसी बा अपनयके महिमित करी और सुख विलासमे जिवन विताई रहय। उइसिय बाके यातना और शोक देओ। काहेकी बा अपन मनमे कहत हए, ‘महारानी हुइके मए बैठंगो, मए एक बिधुवा न हआँ, और मोके कबहू शोक करन न पणैगो।’ ⁸जहेमारे, एकए दिनमे बाके उपर विपत्ति अबैगो- मृत्यु, शोक और अनिकाल। आगीसे बाके भस्म करदव जाएहय, काहेकीबा बाको इन्साफ करन बारो परमप्रभु परमेश्वर शक्तिशाली हए।” ⁹बाके संग व्यभिचार करन बारे और सुख-विलासमे रहनबारो पृथ्वीके राजा बाको जलो धुवाँ देखके बाके ताहीं रोमंगे और बिलौना करेहएँ। ¹⁰बाको यातनाको डरसे दुरए ठाणके बे अइसे कैहएँ, “हाय, हाय ! तए महानगरी, तए शक्तिशाली सहर बेबिलोन ! काहेकि एकए छिनमे तेरो न्याय आओ हय।” ¹¹पृथ्वीके व्यापारी बाके ताहीं रोमंगे और बिलौना करेहएँ, काहेकी फिर बे व्यापारको मालसामान फिर कबहू न किनेहएँ, ¹²सोनो, चाँदी, महेंगो पत्थरा, मोती, मलमलके कपडा, बैजनी कपडा, रेशम और चम्किलो रंग सबय किसिमको सुगन्ध देनबारो कठा, हरेक किसिमके हस्ति-हड्डा के भाँडा, हरेक किमती कठासे बने भाँडा, काँसो, लोहो और सिंगमरमर, ¹³तेजपत्ता, मसला, सुगन्धित धूप, मुर्द, मद्य, तेल, महिन चुन, गेहूँ, गैयाँ-भैसिया, घोडा और रथ और कमैया और टहलूनिया, और आदमीनको आत्मा। ¹⁴तिर सबय शक्तिसे तेरो मन चाहो फल तोसे गैभव हए, तिर सबय स्वादिष्ट खानु और सबय चमकदमक तए गुमाए डारो, और बे फिर कबहू न पए हए।” ¹⁵जा सामनक व्यापारी जौन बा नगरीमे व्यापार करके धन कमाई रहएँ, तव पिछु पणन बारो यातनाके डरसे दुरए ठाणे अइसे कहत बे बणो सोरसे रोइ हएँ, और बिलाप करेहएँ, ¹⁶“हाय महान शहर, तोके धिक्कार, बा जो मलमल बैजनी और चम्किलो लाल कुर्ता लगाएके सोनो, मोती और कीमती गहेनासे सिंगारी रहय। ¹⁷एकय घणीमे सबय सम्पत्ति नष्ट भव हए।” हरेक जहाजको कप्तान, हरेक यात्रा करनबारे आदमी, नौवा और समुदरमे व्यापार करनबारे दुरय ठाणे। ¹⁸और महानगरी जलके निकरो धुवाँ देखके अइसे करके चिल्लाई, ‘बा महानगरी जैसो कौन सहर रहए ?’ ¹⁹और बे अपन अपन मुणमे भुवा डारीं रीत और बिलौना करत अइसे करके चिल्लाई, “हाय ! हाय ! बा महानगरी जहाँ समुन्द्रमे जहाजमे होनबारे सब जनी बाको सम्पत्तिसे धनी भए रहएँ एक छिनमे बा नष्ट भव हए ।” ²⁰हे स्वर्ग बाको इन्साफमे रमाओ हे सन्त प्रेरित और अगमवक्ता तुमरे उपर करो अन्यायके ताहिं परमेश्वर बाको इन्साफ करी हए।” ²¹तव एक शक्तिशाली स्वर्गदुत बणो चक्किया जैसो एक पत्थर उठाई, और अइसे कहिके बाके समुन्द्रमे फेंकि, “जा किसिमसे महानगरी बेबिलोन, महान सहर हिंसात्मक तरिकासे तरे फेंकदव जयहय और और बाके फिर कबहू न देख पायहएँ।” ²²बीणा बजान बारे, गानबारे, बाँसुरी बजानबारे और तुरही बजानबारे धुन तोएमे फिर कबहू न सुनहएँ। और कोइ फिर कारीगर तोए मे कबहू न मिलहएँ। कोई भि चक्कियाको आवाज तोए मे न सुनेहएँ। ²³बत्तीको उजियारो तोए मे कबहू न चम्काईगो। दुलहा और दुल्हिन को आवाज फिर तोए मे कबहू न सुनेहएँ, काहेकी तिर व्यापारी पृथ्वीके राजकुमार रहएँ, और तिर मन्त्रतन्त्र द्वारा-जाति छने रहएँ। ²⁴बामे अगमवक्ता और सन्तनको रगत और पृथ्वीमे मरे भयनके सबयको रगत मिलो रहए।”

Chapter 19

¹तब पछु मए स्वर्गसे एक बणो भीड जोणसे चिल्लात अइसो कहत जैसो सुनो, “हल्लेलुयाह ! मुक्ति, महिमा और शक्ति हमर परमेश्वरके हँए। ²काहेकी बाको इन्साफ सच्चो और न्यायसंगत् हए। काहेकि बा महान व्यभिचारीके न्याय करी हय, जौन पृथ्विके बाके अनैतिक सम्बन्धसे भ्रष्ट करी हय। बा अपन दासनको रगतके ताहीं बदला लई हए, जो बा अपनय बहाई रहय।”³बे फिर एक चोटी जोणसे चिल्लाईके कहि, “हल्लेलुयाह ! बासे सदामानके ताहीं धुवाँ निकरत रहात् हए।” ⁴तओ बे चौबिसौं जनी एल्डर और बे चार जीवित प्राणी अपनय जमीनतक घुप्टा पङ्के सिंहासन मे विराजमान भव परमेश्वर दण्डवत् करके आराधना करी। बे “आमिन, हल्लेलुयाह !” कहात रहयँ।⁵तव सिंहासनसे अइसो कहात एक अवाज आओ, “हमर परमेश्वरको प्रशँसा करओ, बाके सब दासओ, जौन बाके भय मानत् हयँ, हमर परमेश्वरको प्रशँसा करओ।”⁶तवफिर एक बणो भिडको आवाज जैसो अवाज, गजब पानीको आवाज और गर्जन को अवाज जैसो मए सुनो, बे अइसे कहात रहएँ: “हल्लेलुयाह” काहेकी हमर परमप्रभु सर्वशक्तिमान् परमेश्वर राज्य करैगो।⁷हम रमामएँ और खुसी होमएँ, और बाके महिमा देमएँ ! काहेकी थुमाको को बेहाको उत्सव मनानको दिन आओ हए, और बाकी दुलहीन अपनयके तयार करी हय।⁸बाके चहकिलो और सफा मलमल को कपडा पैँधन बाके दवगव।(चहकिलो मलमलको कपडा बाके पवित्र आदमिनके धार्मिक काम हँए)।⁹स्वर्गदूत मोसे कही, “जा लिख:, थुमाको बेहाको भोजमे निमन्त्रणा करे भय धन्यके हँए।” बा फिर मोसे कहि, “परमेश्वरके सत्य वचन जेहीं हँए।”¹⁰तव बिनके दण्डवत् करन मए बिनको टांगमें घुप्टा पडो, पर बा मोसे कही, “तुम मोके अइसो न करन पए हौ। मए येशूको गवाहीके रखन तुमर भैया और तुमर संगी दास इकल्लो हौ। परमेश्वरको आराधना करओ, काहेकी येशूको बारेमे भव गवाही अगमवाणीको आत्मा हए।”¹¹“मए स्वर्ग उग्री देखो और हुवाँ एक सेतो घोडा रहए। बक उपर सवार होनबारे “बिश्वासयोग्य” और “सत्य” कहात रहयँ। बा धर्मिकतामे इन्साफ और युध्द करेहए।¹²बाके आँखी आगीके ज्वाला जैसे रहँए, और बक मुणमे गजब राजमुकुट रहँए। बामे एक नाउँ लिखो रहए, जौन बाके बाहेक और कोइके पता न रहए।¹³“बा खुनमे डुबओ भव लत्ता पैँधे रहए, और बाको नाउँ “परमेश्वरको वचन कहिके बुलात रहएँ।”¹⁴स्वर्गके सेना सेतो और मलमलको कपडा पैँधाएके सेतो घोडामे चढ़के बाके पच्छु पच्छु लगिगए।¹⁵जातिजातिके प्रहार करन बाको मुहुँसे धारिलो तरवार निकरत् रहए, और बा लोहेको डण्डा से बिनके उपर शासन करैगो। सर्व-शक्तिमान परमेश्वरको क्रोधसे दाख-कुण्डके कुल्चैगो।¹⁶“बाको लत्ता और जाँघमे “राजानके राजा और प्रभुनके प्रभु” कहिके एक नाउँ लिखो हए।”¹⁷तओ मए एक स्वर्गदूत दिनमे ठाणो भव देखो। बे उपर बादरमे उडनबारे सब चिरैयांनके सबयके बडो सोरसे बुलाई, “आओ, सबय परमेश्वरको बडे भोजके ताहीं इकठ्ठा होबओ।”¹⁸तुम राजा, कप्तान, शक्तिशाली आदमी और घोडा और बिनके उपर सवार होनबारे, सबय आदमी, दास और फुकुवा दोनो, कमजोर और शक्तिशाली सबयके मासु खाबैगे।”¹⁹और घोडामे सवार होनबारे और बाके सेनाके बिरुद्ध युद्ध करन बा पशु और पृथ्वी के राजा और बिनके सेना इकठ्ठा भए मए देखो।²⁰तव बा पशु और बाको उपस्थितिमे अचम्मो काम करन बारे झुठो अगमवक्ता दोनए पकणिगए। जे अचम्मके कामसे बा झुठो अगमवक्ता बा पशुको छाप लगान और बाको प्रतिरूपको आराधना करनबारेनके बहकाइ। बिनमैसे दुई जनीके पजरो भओ गन्धकको अग्नि-कुण्डमे जिन्दए फेंकदई।²¹बिनमैसे बाँकी बचे भयनके घोडा उपर सवार भए मुहुँसे निकरो भव तरवारसे मरीगए, बिनको मरी शरीरके सबय चिरैयाँ खाई।

Chapter 20

¹तव फिर अतल कुण्डको चाभी और एक बणो साँकर हातमे लओ भओ स्वर्गदूत् स्वर्गसे उतरके आओ मए देखो। ²बे अजिगर, औ पुरानो साँप, जौन दियाबलास या शैतान हए, बाके पकणी, तओ एक हजार बर्षके ताहीं बाँधके धरीं। ³बे बाके अतल कुण्डमे फेक्दै, और बा कुण्ड बन्द करके मोहोरा लागए दै, ताकि एक हजार बर्ष न निश्चय तक जातिजातीनके बा न बहेकान पाए। तओ फिर कुछ समयके ताहीं बाके छोणन पणेहए। ⁴तव मए सिंहासन और बक उपर बैठन बारेके देखो, जौनको इन्साफ करन अधिकार दओ गव रहए। तव येशूको गवाहीके ताहीं और परमेश्वरको वचनके ताहीं मुण कटेभए, और बा चिरेयाँ और बाको मुर्तिको पुजा न करन वारे बाको छाप माथो और हातमे न लगानबारे आत्माके मए देखो। बे फिर जिन्दा हुइगए, और बे ख्रीष्ट संग एक हजार बर्षतक राज्य करीं। ⁵और मरेभए, बे एक हजार बर्ष न खतम होनतक जिन्दा न भए। जा सुरुको पुनरुत्थान हए। ⁶सुरुको पुनरुत्थानमे सहभागी होनबारे धन्य और पवित्र हँए। जिनके दुसरो मृत्यु को शक्ति कछु काम न करन सिकैगो, पर बे परमेश्वर और ख्रीष्टके पुजारी हुइके बाके संग एक हजार वर्षतक बाके सँग राज्य करङ्गे। ⁷एक हजार वर्ष खतम हुइके शैतान बक कैद से छुटैगो, ⁸और पृथ्वीके चारौ दिशामे भए देश-देशके आदमीनके बहाकन, और गोग और मागोगके लडाईके ताहीं इकठ्ठा करनके निकरके आबैगो। बिनको संख्या समुन्द्रके रेता बराबर हुइहए। ⁹बे सबय पृथ्वीके चारौघेन जाएके सन्तनके मणैयाके आसपास और प्यारो सहेरके घेरीं, और स्वर्गसे आगी बर्सके बिनके भस्म करी। ¹⁰बिनके बहाकन बारे दियाबलस आगी और गन्धकको कुण्डमे फिको, जहाँ पशु और झुटे अगमवक्ता फिर रहँए। हुवाँ बे दिनरात सदामान यातना भोगेगो। ¹¹तव मए एक बहुत बणो सेतो सिंहासन और बाके उपर विराजमान होनबारेके देखो। बाके जौनेके पृथ्वी और आकाश भाजिगए, और बिनके ताहीं कोइ ठाउँ न पाई। ¹²मए बणे और छोटे सब मरे भएनके सिंहासनके अगु ठाणो देखो, और पुस्तक खोलि। दुसरो एक पुस्तक खोलि, जो जीवनको पुस्तक हए। बा पुस्तकमे लिखो अनुसार, बिनको काम अनुसार मरेनको इन्साफ भव। ¹³समुन्द्रसे मरे भएनके समुन्द्र दै दै, और मृत्यु और पाताल फिर बिनमे भएनके दैदै। बे प्रत्येकको अपन अपन कामअनुसार इन्साफ भव। ¹⁴मृत्यु और पाताल अग्नि-कुण्डमे फिके। जा अग्नी-कुण्ड दुसरो मृत्यु हए। ¹⁵जौनको नाउँ जीवनको पुस्तकमे लिखो न पाई बिनके अग्नि-कुण्डमे फेंक दै।

Chapter 21

¹तब मए नयाँ आकाश और पृथ्वी देखो, काहेकी पहिलो आकाश और पहिलो पृथ्वी खतम हुइगव रहए. समुन्द्र त अब रहियाँ नाए. ²और मए परमेश्वरको दुलहाके ताहिँ दुलहीन जैसो सजो तयार पारो भव पवित्र सहेर, नयाँ यरुशलेम स्वर्गसे तरे गिरत मए देखो।³सिंहासनसे अइसो कहत जोणसे चिल्लात मए सुनो, “देखओ, परमेश्वरको बास आदमीनके संग भव हए। बा बिनके संग बास करैगो, और बे बाके प्रजा हुइहए, और परमेश्वर अपनए बिनको परमेश्वर हुइके बिनके संग रयहए।⁴बा बिनकी आँखीको आँशु पूरा रूपसे पोंछ देहए, औ फिर मृत्यु न हुइहए, औ शोक और पीडा फिर न हुइहए। काहेकी पहिले कि बात खतम हुगैहयँ।”⁵सिंहासनमे बिराजमान होनबारे मोसे कहि, “देखओ, मए सब बात नयाँ बनामंगो।” बा अइसो फिर कहि, “जा लिख, जा बात पक्की हए और सत्य हए।”⁶बा मोसे कहि, “अब खतम हुइगव। मए अल्फा और ओमेगा हौं, आदि और अन्त्य महिँ हौं। पिआसेनके जीवनको पानीको भक्भाकासे मए सेतएमे दव हऔं।”⁷जौन जितैगो बा जा उत्तरअधिकार पाबैगो, और मए बाको परमेश्वर होमंगो, और बा मेरो लौणा होबैगो।⁸पर डरपोक, अविश्वासी, घिनौने भए, हत्यारे, व्यभिचारी, जादुगर, मुर्तिपुजक और झुठ बोलन बारेनको सब हिस्सा आगी और गन्धक दन्कन बारे कुण्डमे होमङ्गे। जो दुसरो मृत्यु हए।⁹तब बे सात अन्तिम विपत्तिसे भरे भए सात कटोरा होनबारे सात स्वर्गदुत मैसे एक जनी मोसे अइसे कहि, “आओ, मए तुमके थुमाकी बैयर, बाकी दुल्हीन दिखामंगो।”¹⁰बे मोके पवित्र आत्माके एक बणो और ऊँचो पहाडमे लैगए, और परमेश्वर स्वर्गसे तरे झर्तय पवित्र सहेर यरुशलेम मोके दिखाई।¹¹बामे परमेश्वरको महिमा रहए, और बाको चमक बहुमुल्य गहना जैसो और बिल्लौर स्फटिक जैसो चहकिलो रहए।¹²बाके आसपास बडो और उँचो भिता रहए, और बामे बाह्र फाटक रहएँ। फाटक मे बाह्र स्वर्गदुत रहएँ। बे फाटकमे इस्राएलको बाह्र कुलको नाउँ लिखो रहए।¹³अगारमे तीन फाटक, सिरेमे तीन, दक्खिनमे तीन और पछारमे तीन फाटक रहएँ।¹⁴सहेरको भिताको बाह्र जग रहएँ, और बिनके ऊपर थुमाके बाह्र प्रेरितनको बाह्र नाउँ लिखो रहए।¹⁵सहेर और दिवार नापन ताहिँ मोसे बोलन बारे संग एक सोनोको नापन बारी लकणी रहए।¹⁶बा सहेर वर्गाकार रहए। बाको चौडाइ और लम्माइ बराबर रहए। बा लकणीसे नापत सहेर दुई हजार चार सय किलिमिटर रहए। बाको लम्माई चौडाई और उचाई बराबर रहए।¹⁷स्वर्गदुत बा दिवारके फिर नापी, और आदमीको नाप अनुसार बा पैसठ्ठी मिटरको रहए। (जौनके स्वर्गदुत फिर नापी रहयँ)।¹⁸बा दिवार बिल्लौरसे बनो रहए, और सहेर निखुर सोनोसे बनो रहए और सफा काँच जैसो बा चमकत रहए।¹⁹दिवारको जग अनेक किसिमको किमती गहना से जीणो रहए। पहिलो जग बिल्लौरको, दुसरो नीर, तीसरो हरित गहना, चौथो पन्ना,²⁰पाँचौ आनिक्स, छैठौँ लालमणि, सातौ पीतमणि, आठौँ बेरूज, नवौ पुष्पराज, दसौँ लसुने, एघारौँ नीलमणि, बाह्रौँ कटेलाको रहए।²¹बे बाह्र फाटकके मोती रहएँ। प्रत्येक फाटक मोतीसे बने रहएँ। बा सहेरके डगर चमकन बारे शिशा जैसो निखुर सोनोको रहएँ।²²मए बा सहेरमे कोइ मन्दिर न देखो, काहेकी हुवाँको मन्दिर स्वयम परमेश्वर सर्वशक्तिमान और थुमा रहए।²³बा सहेरके उजियारो करन दिन और जोनीको जरुरत न रहय, काहेकी परमेश्वरको महिमा बाको उजियारो हए। बाको बत्ती थुमा अपनाए हए।²⁴बाके उजियारोमे जाति-जाति नेगंगे। पृथ्वीके राजा अपन वैभव बामे लाएहयँ।²⁵बाके फाटक दिनको समयमे बन्द न हुइहए, और हुवाँ रात न हुइहए।²⁶जाति-जातिके अपन वैभव और सम्मान बा भितर लाएहयँ।²⁷पर थुमाको जीवनको पुस्तकमे नाउँ लिखे बाहेक कोइ अशुद्ध चीज, घृणित काम करन बारे झुट बोलनबारे कोइ किसिमसे फिर बा भितर न घुस पैहएँ।

Chapter 22

¹बक पिछु स्वर्गदुत मोके स्फटिक जैसो चहकिलो जीवनको पानीको नदिया दिखाई। बा नदिया परमेश्वर और थुमाको सिंहासनसे बहेन डटी रहय। ²बा सहेरको डगरके बीचसे बहात रहए। बा नदियके किनारे जीवनको रुखा रहए, जौन हरेक महिना बाह्रै किसिमके फल देत रहत् रहए, रुखाके पत्ता जाति-जातिनके ताहीं अच्छो करन ताहीं रहएँ। ³अबसे हुवाँ कबहू सराप न हुइहए। परमेश्वर और थुमाको सिंहासन शहेरमे हुइहए, और बाके दास बाको सेवा करङ्गे। ⁴बे बाको मुँहु देखंगे, और बाको नाउँ बिनके माथे मे हुइहए। ⁵हुवाँ फिर रात न हुइहए, बिनके बत्ती और घामुको उजियारो न चाहैगो, काहेकी परमप्रभु परमेश्वर बिनको उजियारो हुइहए, और बे सदामान राज्य करेहएँ। ⁶स्वर्गदुत मोसे कहि, “जा वचन विस्वासयोग्य और सत्य हए। अब जल्दी होनबारी बात अपन दासनके दिखान परमप्रभु, अगमवक्तनको आत्माको परमेश्वर अपन स्वर्गदुत पठाई।” ⁷“देखओ, मए जल्दी आमङ्गो। | जा पुस्तकको अगमवाणीको वचन पालन करन बारे धन्यके हएँ।” ⁸जा बात सुननबारी और देखनबारी मए यूहन्ना हौं। जब मए जा सुनो और देखो, तव मोके जा बात दिखान बारी स्वर्गदुतको पओं मे दण्डवत् करन मए घुटा पणो। ⁹तव बा मोसे कहि, “आइसो मत करय। मए त तुमरो ददा भईया अगमवक्तन और जा पुस्तकको वचन पालन करनबारेनको संगी-दास इकल्लो हौ। परमेश्वरको आराधना कर।” ¹⁰बा मोसे आइसे कहि, “जा पुस्तकको अगमवाणीको वचनमे मोहर न लगाबौ, काहेकी समय ढिँगै हए। ¹¹दुष्ट काम करनबारे दुष्ट काम करत रहएँ, अनैतिक काम करनबारे अनैतिक काम करत् रहएँ। धर्मात्मा धार्मिक काम करत् रहएँ, और जो पवित्र हयँ, बा लगातार पवित्र होत रहएँ।” ¹²“देखओ, मए जल्दी अमंगो। हरेक आदमीनको उनको कामअनुसारको इनाम मिरसंग हए।” ¹³मए अल्फा और ओमेगा, अगु और पिछु, आदि और अन्त महीं हौं। ¹⁴“जीवनको रुखासे खान और सहेरके फाटकनसे भितर घुसन पाओं करके अपन कुरता धोनबारे धन्यके हएँ।” ¹⁵कुत्ता, मन्त्रतन्त्र करनबारे, व्यभिचारी, हत्यारे, मुर्तिपुजनबारे और झुट बात मन पणान बारे और प्रेम करन मन परानबारे हरेक बाहिर रयहएँ। ¹⁶“मए येशू अपन स्वर्गदुतके तुमरे ठिन मण्डलीनके जा बातनके गवाही देन पठाओ हौं। मय दाऊदको बँश और मुल, सुबेरेको चहकिलो तारा हौं।” ¹⁷“पवित्र आत्मा और दुलहीन कहत हए, “अबओ।” जौन सुन्त हए बा कहाबए, “अबओ।” जो पियासो हए बाके आन देओ, और जौन जाको इच्छा करत् हए, बा जीवनको पानी सेतएँ मे पिबय।” ¹⁸जा पुस्तकको अगमवाणीको वचन सुननबारे हरेकके मए चिताउनी देत हौं। अगर कोइ बिनमे थपैगो, तव जा पुस्तकमे लिखो विपत्ति परमेश्वर बाके उपर थपदेहए। ¹⁹यदि कोइ जा अगमवाणीको पुस्तकको वचननसे कोइ घटाबैगो तव, परमेश्वर जा पुस्तकमे लिखो जीवनको रुखा और पवित्र सहेरको हिस्सासे निकार देहए। ²⁰“जा बातको गवाही देनबारी कहात हए, “हौं, मए जल्दी अमंगो।” आमेन ! अबओ, हे प्रभु येशू। ²¹प्रभु येशूको अनुग्रह हरेकके संग रहाबए। आमेन।